GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF ARCHAEOLOGY

CENTRAL ARCHÆOLOGICAL LIBRARY

951.5/Thon

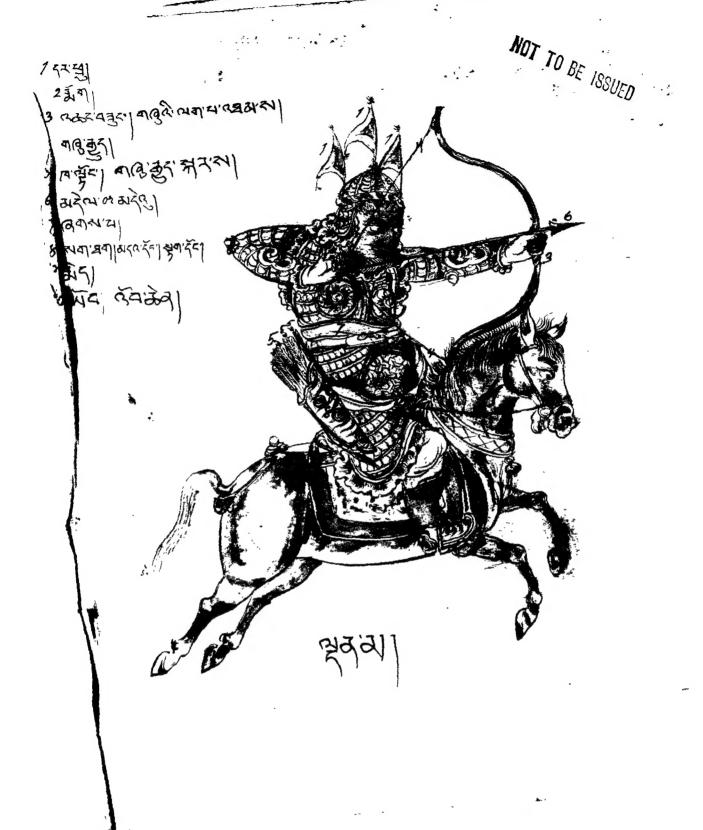
Call No. Acc. No. 19021

**D.G.A. 79.**GIPN—S4—2D. G. Arch. N. D /57.—25-9-58—1,00,030.

NOT TO TOTAL

1

•



.

## holes, attached to the Liang eximy.

- २ श्रीप'वगार र्वेब विगानी वादवी विराधियः यद वी दये किरे र्वेष अहि सेंद्र हैं कहना या की विराधिक किरोध किरोध के
- भारता है। अंग्रास्ते श्रद्धा श्रष्ट्यार्था मुच्यार्था सुन् । स्वास्त्र सुन् । स्वास्त्र सुन् । स्वास्त्र सुन् । स्वास्त्र सुन । सुन ।
- नाध्यात्रास्यायारम्यायारम्यायायार्यस्यायाः मृत्याय्रे
- वार्ट्स प्रमुक्त की त्वी वार्ट्स वर्ग से त्वी वार्ट्स की त्वी वार्ट्स की वर्ग त्वी वार्ट्स की त्वी वार्ट्स की विष्ट की वार्ट्स की विष्ट की वार्ट्स की विष्ट की वार्ट्स की विष्ट की वार्ट्स की वार्ट्स
  - प्रश्नित्त्र प्रमानित्त्व स्थानित्त्व स्थानित्त्व प्रमानित्त्व प्रमानित्ति प्रमानित्त्व प्रमानित्ति प्रमानिति प्रमानिति

Jaseph Threstan



र्हर्युर प्रविग्य सूरी

NOT TO DE JOSES

The War between Liang and Hing.

ar

2nd. Obleansscript of Josar Anga

the King of Hing Mus-Kams.

Squad by begininesia.



Ace No 19021

De 2.1-63

Call No. 951.5

-श्रेटः। त्यादाला मक्कारित द्वारम्, द्वारम्, द्वारम्, द्वारम्, द्वारम्, द्वारम्, क्वारम्, व्यादाला इर्निन्स्क्रिं स्वयात्रियाः स्वायाः स्वयाः यहर्त्वया त्याष्ट्रिक्ताः संस्कृतः रे नेया विकार् रव.क्र.वा बेबाअरदरप्रदेश बम्बेटक्रव.बाम्बेपरवेवा.सेर.रर.परं.वर्रे अक्रूब.रक्षर. बाल बाल के बाल त्या के अलक्ष्य देव के बाल का के राज है। मुंब के बाल का के राज है। मुंब के बाल का का का का का क सर्दा सर्द्रक्षेत्रीय हिना है। ने स्था वस्रा यस्रा यस्रा से ना स्वा स्वा स्वा स्वा वेचर सद्ध्रिम (दर प्रद्री मध्या प्रदाविम वस्यामान प्रस्तिम विमानमा वाराहिम स्वामी के मस्याष्ट्रमा तर्भाके मा प्रमाणयते स्ट्रिंग्नात्र विदारी विदारी वार्षा महिमाना की बी.लर.क्रेंट.जा ब्र.प्रवक्ष्यधिरक्ष्य.च्रांजाचप्रक्रंटरीः वरवासक्ष्यक्ष्यः र्देरापतुकासदिवया नेसकेवाचेरामुणात्वेवाचेया वासुदावीपत्तुराकेवापव्या विकरेत तरे सूर्वासुरता त्वारेमळे मुलस्त्रे में हिंदी दूर सुदाम वरे द्वद संबस्त वयान्त्रात्रक्षात्रेन्त्रित्त्र्त्तेत्त्र्त्त्र्त्त्र्त्त्र्याः क्षेत्रा देन्द्रः स्वव्यक्ताय्याताः वतः 28 5'N' 3 Salt ब्रांभक्ताव्याव्यक्षिकाले स्वादारेत्र क्षात्रका केर्या कर्षात्र प्रस्मक्षेत्रविदेश्वर् क्षेत्रहरम् स्याद्यरायदेशस्य स्याद्यरायदेशस्य स्याद्यस्य स्याद्यस्य स्रा क्रिस्ट्रिं है। हो। स्राप्तापा स्रापापा स्रुस्ट्रिं स्र्रेट्र क्रिंगवालपायभावणा नवयात्रेन्तुरावी सेरावर्षिया चरासळेर्त्राप्यस्यस्य लयान्य। नर में र में र में ने में र तियवया। यर सकेर सके में र से विसे विसे मामेरम्यत्रम्भात्यताविदातिवा । यदास्वाराधीयात्रियात्रियात्रिया यते तु त्या दयत अर्वेव अर्दे । दश्च दस्द अ वा विवा तिक्या ता स्ववा दश्च अर्वत विवास सार्द्र र्विदात्तीता वात्तीत्रः भरेशे वर्षाद्वेरः कातीतविष्यातियो देवशादाता स्वर्धिक विष्यात्व रर्. तमा तमा में हे मात्रे किता में केरा करा मा तहा ही र व्याप स्था राद्रः अत्या मुद्दः भेव। कुषायाकेविति तश्चरायायेव। तन्यं सेरामवया earth स्यायते स्थापात्त्र विश्व विष र्रमक्षेत्रम् देन्यरात्रुतात्रतेविरामायायेवसायर। वदास्मामावर्राक्षेत्रसः रात्यायारे। द्वास्यामरायायस्य विवास्य विवास विवा श्चीर यह त्या त्या तर्ता कर सेवल देवल प्राप्त नात वन सूर दुक्ती तह शीर अर्भवासाम्ब्रीरायाः विवानावेनायाः मतो कृताः वक्ष्यं नावयाः श्रीः तहः वनास्त्राः मति अर्देदा

लयकी अक्ष्य नामूल स्रोट र्वेन वाद अर्दा लिल की अक्ष्य न वामूल ति वो वा की क्षेत्र लि श्चित्रमा शुक्रे वहवायते द्यता दुःवरा वदा हि मारा वहुर दस्दरा तह्वा यर अहर यतुः श्री दयतः दुः कु वार सुव छेव व कु र व सुर दर। सुल अके वा अवितः त वा हो क्ष्या के सूथा क्रियाय गेप वस्त्रीयावता स्त्रीयायहा सेपायहा सेपायहा सेपायहा स्त्री वरता वर्गास्त्र गता चर्रान्सरायह्वायाया श्रीवाश्चिया वह्नवा अवतायत्याया अवतायत्याया अवतायत्या तर्यावरःसहरी दे.ल.सहरे.तप्र्याक्ष्याः सर्याच्याः सर्याच्याः त्याः स्वान्त्रः वित्राः क्ष्याः सर्यावस्य प्राप्ते वित्राः क्ष्याः सर्यावस्य प्राप्ते क्ष्याः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्तः स म्.क्रें.म्.वर.म्.क्र्यमा अ.तीम.क्रेंर.म.र.च.क्रेंर.मेर.री केंग.क्रेंर.भर.री अर्थे. बनाकिता कुराष्ट्रविक्त ता मूर्युकार्रिक स्टूर्य स्थाना परी लूर्या में स्वाम यहिर्वर्यायाः सेवाक्ष्यां वर्षे वर् वद्वांचें अहिद्येताव वद्दी तर्दें द्वुति त्यंद्र स्थित् व्याम् साम्यान्ति तर् श्चरः लूर्यायाश्चर्या भियायाक्षेत्रः क्षेत्रः स्थाया द्याप्त्रं प्रमाण्या भिराप्ते व्याप्ति । क्षेत्रः प्रमाण्या इर.स.भूर.स्थवधर्याता जूटश.क्रीर.क्रीय.तपु.पचल.वे.वेचारं विद. यर त्या भारा मिक्ति में न्या मिनला के पार्चे ने पार्म ने पार्म ने प्रमें र्भ। नगतः ग्रुंभः अहर्रः वयः रह्यार्भः मञ्जूनः भावत् वा प्रह्यः श्रीरः श्रुतः हेंग्यं यहरें यही के कर वस्त्रवायलया हो लेखाया थी साध्या हिर्यार वहरें श्चर्वना छ। हे गर्भ कुल गर्वर्यर पावना तह्य शेरकुल येते व्रक्षिण्य रवालिया हे के किया में या नियम में मिन वि में दें मिन ने मिन की में मिन की मिन वयः सं हे गा वे देव । ज्वा वह राज्य स्ते वा सुद् वा सुवा वा स्ते न त्रेव। तह्यात्रीरः वर्षाताता वरे श्रीराय्याय दर। कृतावते स्वाधारम् विदक्षाया स्य । इर.क्रियम, श्रेर्यप्रकेल.क्षेत्रक्षात्र्यात्र्यात्र्या व्राक्षात्र्याः क्षित्रपह्य व्यासेना परेवावाकापात स्थापात स्थापात स्थापात व्यापाव स्थापात भारत व्यक्षेत्रात्मवास्तरे वार्षाया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रि मायक्षेत्र करी स्त्रिय हैंर्तर्भातायहमा वर्शिकाका कर्मा कर्म कर्म मायक र्वातव्यास्त्री स्राम्यायात्रीत्यियात्रवार्यात्या वाववात्रेत्यार्यात्रार् म् द्वेर्पहर पिन्याये गुराहियात्। गणय क् स्वेराय ग्रंब के स्वेरा होता 

ज्ञियाता सर्वेशका र्या तारिकस्य कुवल सि.कुवला विवाल व्राप्त पर सर से दर्भर मुक्तिया। अमर्थायमानहार् रहत्यास्त्रवास्त्रेत्रा मेर्ना स्वाप्तवास्त्रेत्रा वर्षेत्रास्त्र 19: मंत्रा हिर्मा विश्वासा कारा मान्या । स्ट्रा विश्वास वा स्ट्रा के वा स्ट्रा के वा स्ट्रा के वा स्ट्रा के वा न्तरः क्रियाम् मित्रसमः तर्रात्मा वाद्या क्रियक्ष के वाद्य के देशका वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या र्गे.वर्भग्यात्राचरावणा अत्रुत्यात्राच्या एह.कृवणा क्रीन्यात्री वर्धः श्रेवश्रेव क्वा स्वात्रात्रवाद्वातात्रात्रात्रात्रक्ष्या राज्यात्रात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रा र्वास्था विवासारा यद्वाता क्षेत्र मार्थराता विवास विवास विवास विवास कु. ब्राज्यक्र्या. ज्यान्यूना योव ११६व विव मावता यावाया सेव वर्ष द्रात्र कवाक्कीमात्र्यद्वता सेवाख्याद्धरं कवाक्किताद्ववात्रा सेवाववाद्वी वक्किता स्तित्रवर्षा वर में विक्राहर्म हिया में ता चेता के वा विवक्षिय का इनानम्भार्त्रे गर्द्र राया में न वेसमा से देश करार ता मसर विवाहर। अस क्ति. म्राजक्या.प्रटासूर्या.यमेरणा केंद्रानुभवा सामि। हारामा सेरान्या स्मा गर्मा देयः क्रिन्यः मान्यः विवाद्यः मेताः द्वार्षः विवाद्यः विवाद्यः विवादः विव म्यान्यायन्त्रम्यात्रेत्वात्त्रम्यात्र्यात्रात्र्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्या म् अबक्र वया विरं व त्या क्रक्र के त्री तिर व क्षेत्र वा अवा क्रवा क्रिया ही ता ही इ.क्रुंग्नाभरकुंवर्गात्रयाता व्याक्रियम्पर्यं अहरकरा स्रोरह्म नावसास्त्रमाल'रताची'री युर्पर'तामायान बुर्द्धनाचेरा सूर्गप्य लाहीर लेजार्ज्यातो के.कु.क्रिक्तिवाता क्रि.रे.त्यतप्.स्तातवात्वी र्यायक्रमे कि.संबायाके,ही रह्याचरिर्धात्मान्यात्रीरे.स्टाइरी ए.पिट्वदाबी,वास्तरे हि.ही त्याक्रेन खेरे देन क्रिया कर होते हैं। हो देन क्रिया के नाभे रखेगा कर ना मस्तिः द्वार्यामा स्वययते ववः स्ति। तेवार्वे वात्र्वे विद्रस्य्या द्वा त्तिता वाधुरी वर्डेराता श्रीर श्री रेप व्रार वर्षेत्र मूर व्रवेश पर वर्षेत्र । यर व्रार्थ व्राप्त व्राप्त त्रभावस्त्र द्वात्र वायर द्वाते वाया हेरा नस्य वस्य वाया से प्राप्त व्यापा स्रेम कर स्रेर तिवाय रेग्ला मारा व स्रामन के के के गर्म ता व मारा व मारा व मारा के मार के मार के मारा के मार चेती तर्शिर स्नित्री कर दर या त्री गण के ता से दी वर से दर्ग द्रार वरिवर्शर कुतारी हिराह्याताः स्वामनिक्ताम गरमारदाया म्यान से दवाकी हैं। राम अस्तित्वादी कवादरामात्र्वामात्रमात्र्वामात्रमात्रम्

्रार्पार करें ता और व द्वार्थ सा अर शह स्थान कर से दें ते श्रे के ते व से से प्राप्त के निक् त्येश छे रेर्द्र्वेच यते हुग्याय स्रेर् रेर्द्रिश्यायव स्रेर्द्र्य । च्या के वरुर्द्रस्राम्भात्वया स्रावरमा स्रावरमा हाराय्ययासेर् हेरा त्यात्र्रम्भानेर विवासक्षेत्रेर। में वन तस्यापत्रवास्थर हेरा दर सुदेश सुद्रा में हेरा भूव.क्षेत्र.लज्यूराव्येग.इरी के.न्य्री.जग्राच्या.पह्याक्रिमा यो.रवमा. गरभक्तिः क्वां वा में प्राक्ति में द्यां भिदा भेदा था था ने वा भारे वा भारे वा भारे वा भारे वा भारे वा भारे वा क्रुम्रम् स्वा हिर.क्षे. धर. त्रांक्ष शक्रममञ्जू मारा हो हो हो । हेर. क्षेत्र में विकाय मारा में स्वा र्त्रशस्त्र्रात्र्याम्बाद्यां सन्वाद्यान्त्राचा स्तर्वात्राचा स्तर्वाता सक्त्रात्राम् वेश र्मन रमन यति हिर हो अर्दर। मुक्तर मुच्च यं नाथा विष्य विषय यो ने स्वाप रमन यो विष्य विषय यो ने रद्रवास्था व्यद्रद्रवास्थात्रे भिर्केत्रवस्या देव्यद्यास्य स्वास्था यति रुपहेबर्दा स्वाश्चर्यस्य । वस्ति रुपहेबर्दा वस्ति र स्वार्यक्षेत्र वस्ति । यक्यो देन्द्रेट अर्थेट्व हिंद्य निवासीया देवना ग्रीयवगात ग्रुवाया संस्वया अस्तिवगासः यन तिनिया अवभा पर्नेया मिया दिवा मुद्दार् मूर्टी वर्रेरक्षेत्र मित्री वर्रेरक्षेत्र मित्रिया मित्रिया स्वास्वा स्तु सेत्र सेता सेता वहसा द्वा मा स्वास्वा सेता है। तेता सेता सेता है। न्या ही भा भी हिर से हुद दालमें के ददा मानु बद बेद अहे वेद दें अके त्या हूद खुना बाती के बूबा जबिर देता अर केरा के धे बूबा जबिर देता र बात बुद्धा पर्विर वक्या देर्द्रस्यक्र्रिंदरह्याम्बान्तेया ।वस्य स्टर्स्यक्षेयास्य स्राप्तेयास्य । सर्तास्त्र तस्तर्भासे त्या क्रम्कुणगावाद्यातात्रहेशमासेर्पद्रा विश्वीत्वातासे एवर:रदा विद्राव स्वायम् स्वाया ना मुका देरिदा अस्टि पहें सार्भे मा श्री भा वाववःभदःक्राः मूर्रः द्वाः अद्याम वाववःवः अदुः श्रुदः श्रुदः भवाः मेदः दृदः । विः श्रुवः द्वयः वावाः याम्यार देरद्रा सेर्द्रमेर् त्याद्रेरवहमा विग्रम्या केवाया *प्र*.ची सद्दर्द्द्रस्य वरुरा में गरेगाने वह ता तह्याने ग्रीम सद में के सामित्राचा त्यात्युद्धक्षद्ववाजीयवाद्वरावाद्वरावाद्वरा देवदःह्यीयवाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरा में वे ले हुर वेर हुए हु। विशेष हे देत हैं के सम्बद्ध हैर हुन अ मिल यते व संस् में देरा भिवक्षत्वरंभिवायते दरव्यायविवासंस । विवायरंश्वासी विवायरंशियस्या यर्षण्यूचे करामवाना रदान्यास्त्रेवात्रर्श्कित्वात्रायराश्चेतात्रात्र्येत्रेत्रेत्

र्वतिश्वात्त्रव्यत्त्र्या वाववत्तात्त्रत्यः कर्ष्यात्रेवत्त्रत्वर्त्वताक्रित्र

स्वर्श्यस्त्र्र्र्र्र्र्त्राहेवयायाहेवायेवाहे। व्वेदायावयायाः नर्स्ववयाय्रान्तर्स्व विन्यते र्रम्भेर्द्र द्रिया मुल्य नाया कर के वा तहिना की हेर के दा विस्ते ने र्रम् तुरास्र अनिवासाकोर्दाको इदारामेर्यक्षित्रे अस्य द्वा वहसायायायाया विराद र्भुविश्वी वयायाविवालायाधी द्येत्। त्येवश्चर हित्येत्शिक्षा लहमकेवया यो लेगूयहे विश्वी कृत्यीवरुद्दा दरदमहेगचुरिलुवरसंदयमा कत्ह्रमाखेयदियेन्त्री सूना मर हर सुर्य नाथाल हें ना हर नरसाय वर्ष यति हो राय वर्ष नित्य वर्ष र्दायमारीयां सुरी केंद्र या की सम्मायाया । वार्षिया या सेर कुत्र कर देर दर की दर के स वि'वरशस्त्रवासके त्युर्यते सुंखद्गा वरके व्युक्त के वाक्ष्य के वाक्ष्य विकास र "देते'सदापूर्वे नाराभेदायायर गर्वे ने वदवशक्वे या तूरी कुर्केदासू से अवहिंगू चावन्यन मं खें या तकरमाया के जान्त्र आवर से ही अ से द जे में की जवार क्रमभवसा दयमार्यविक्षमासुवा द्वित्वविद्वाति ग्रम्द्रिर्धिः गर्हे विद्वात् मास्ता वी सेते रहे ना स्वार की स्वार मास्ता की तो स्वार स्व ल्याहर्षेर्द्ध हिंदी विद्धिद्या भाषाताताता काताताताता वीत्रक्ष्य विद्धित्व नुस्यापरवसा वयायापते सम्बन्धिक र केर वसूरा तमा र हेर्रार्गर्येते स्त्रा ग्रेंदेश। वित्वह्यागस्यायाम् वित्यावह्यायहेदा स्वावित्या व्यवस्य केदारेदायम् विश्वमेर्यत्रीर्त्याक्रम्भूत्रात्रेरक्ष्या विश्वमात्रिर्णायर्त्रेरणाय्यात्रा चर्चमेष्वमिन्ने के स्रेस्के अस्त्री कियम हिए चमेष्य पर्वे रेस्क्री । तम श्र. इंदर्शायन प्रश्चित सम्भूगा देवमार पार्श्वरेश मून दर। मायदेशियान्त्रे हैं. वररेदा मध्यत्रकुन्वित्यते केदर्दुन्यग्या तिद्यार केवाक्षेट्य वर्षेद्र वर्र वर्येद्र वर्षेद्र वर्षेद्र वर्षेद्र वर्षेद्र वर्षेद्र वर्षेद्र लेंस्यर्यह्याला ब्रेट्स्वे हेवाकर्यात्वया त्वावाके हेवार्यद्वाका मार्ट्स् त्या वेर्ष्युव्यक्तिकुवार्यतेवनावार्त्त्वेन्यवा र्षेत्रेवित र्पेत्रके वास्त्राम्पेर्थिवा निर क्रेंब यते द्युद के व के हैं वा के वा के क्रेंब के ते द्युद के मूं कर क्रुंब की वा के दें के ते दस्र सेव्ही हें ने भेवा द्यवि के वार दानते सुद्वाण सेद्व नद्वाच नदाय नदायी त्र्वात्रम् स्वान्यायायायाया । विकायरे हिकद्वर्त्वर्थाः श्रुद्दायाया विकायाया 

म्बर्गाल्यः बर्भरः। स्त्रम्सम्येत्वावाराज्यः स्राप्तः म्याराद्वः स्वर्भावः स्वर्भवः स्वर्भवः स्वर्भवः पानम्वास्य रत्यार्द्रस्येत्यारोः वाव पातुवारारेश देवसरायाः वत्याः सा स्वार्याः वा वी पश्चरहे। दवापह्यायं वेद्भवाया देवाप निया मेर विशे के देवा भी विराम के विराम प्रिंगयते स्वाया स्वित्र वाय स्वाय में राजा में तर है से प्राय के प्रायत स्वाय मु.स्यमक्रमभ्यत्रम्। बट्बिस्यमार्ट्स्यायर्ट्स्याय्यां नस्टर्। रवनास्रिद्धः म्लर्ट्स् हेर् ्कृत्या मन्याद्वारा वास्ट्रा वास्ट्रादेशालकुम्स्वार्थाः यायक्रेशा विवाशम् विद्या हे 'ब्र्यान्य) हिर्वित्रहेरी के वस्वार्वित्विर्वे रेखे लगास्त्रिक्रियायाय सम्बद्धिया रहरा या के कि वे के विश्व के के सेन्द्रक्षायद्द्राते सदा त्युरत्देर्द्धकेव यसे द्वाय स्थान सुरत्देर सेदायते कर्या वादयास्त्रद्वा तकवायर्रास्ट्रियार्भेरावयायक्वा । सुर्वास्ट्रियास्त्रियास्त्री केर्द्धाः मानिवासुनिहेन्। मादलानी से वलायी कार्या एड्राक्की महास्ट्रिया ने विद्रा महर स्र मेर व्याची तकवाका क्षे करिया भेर में वर्षे के वा हरा दे पर एहर सम्बर्भर वा त्र करिया देवलद्वायां सार्वे तांत्रमा द्वस्याद्रम् त्यायावसावत्रम् ह्वाम्यावेता विवास ्रवेद्यम्या व र्मोत्राविता र लूट्डियकि लू तर्मात्री श्रीमा खेर्चे वस्त्री रेत्रे र्वातकरमा अर्थे दुरावा रागवा वा वित्तद्वी मेद वर्षेत् हुद्दे तो अद। केंगाववर द्वायम्बर्भातामम्बर्भातामम्बर्भात्मम्बर्भा वर्षास्य वर्य वर्षास्य वर्य वर्षास्य वर्यास्य वर्य श्चिम्बादलक्षेत्रमृत्किर्द्वत्वर्गमेत्। देवलास्य केत्रमुक्तिव्यक्षाम् स्रीतः म् म् मानम्बर्गात्री केटल्यन् सेवरा, वस्त्रान्त्रीय प्राप्ति व में मान मान क्ट्मयादगर्यते स्यायादेश क्षेत्रयाद्र हैं यावर हैं का वव वा भी है के विवव चरिक लेरेरा इत्यासर हुना साम हुना । महना वर्षेन केन अपकेर अपकर में क्रमासूरको चित्रेरो स्वाया स्वाया मित्राया स्वाया स्वाया स्वाया तहा स्वाया स्वया स्वाया स्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स् मेरा यावमुः गर्वेवयरि सदयाम्यानेश न्युवयाधीः यो स्वावस्यानेश सामवयाः नर्शियानरेदा तह्यानुत्तीर्गे मेंगानिररेदा रेप्यांप्येश्वर केंगरेदा क् सर्देश्निक्ष्यान्ने क्रियं ने स्वानिकान के लिंद्र ना स्वानिका निकार के लिंद्र ना स्वानिका निकार के लिंद्र ने स दरसेट रेट्रा रहा वव राष्ट्री कु सूर्य रेट्रा अर्थ रियारीय की दवट वि हे दा सामे दा ७ लिखेया मर स्वार्येवारी द्वारा ततुवा हेर अनेता द्वार में वा श्वार के वा नकुर हा मेरा वा स्वार मुं सक्तास्व मुद्दे ये ने ने स्ट्रिंग स्ट्रिंग से ने से वे ता राजे ने ने ता वे सर्वे हैं। डिर्वयसाम्भवस्यरिकुणां वर्षे के । विवासित्राह्मात्र्या द्वादराष्ट्र वर्द्यात्रका पर्रात्तर्था पवटल मुक्साला कासुद द्वा वर्रा मुति का की का मिल्या के पर्दर भेर विवेश स्थार निर्माण विष्य स्थार के सार्दर में राम के सार के साम काम के साम के साम के साम के साम के साम के साम के सा रुष्ट्रदर्रायल्या अव्यक्तारीक्षणायहराय्येती नागराविति सेर्द्राक्षरिकेराके वत्या

5

'क्रीयभारवर'वरुद्दिकेते र्वायक्ष्ण'दद्र। द्यर्वतिन्तर्दर्द्यार्वतित्वी सुग्रमात्वी र्याय क्रममास्परारहेम्हेर। रदःवरे मलनः स्रीद्रायहरे यर ली वद्रके म्पर्कर र्वेम के क्टा श्रीत्रका श्रीण वर्ष मक्टि श्रिया इटाई हट वर्ष रेत में लायरी र्वक्षि राव में प्रवास पर्ने. मुर्के कि दे हैं में दर है मात्रव मार्के मान्त्रवा याव ने हैं मात्रव का पर्ने हमें पर्ने हमें क्षे.रर.केल.श्रुव. बेबज.ज.ज.चस्री ल्यांस्ट्रियं हैं हैं से से देर तार्ग मलवास वस सह अदा है स्वर हैं ने रवर हैं देर देश वर्देर्ज्यायं केन्यं मुनायां चियायते दर्दर्वन्य। द्रगतः रेज्ने यदे केन्या स्वा प्रमाराम्भवाताव बुद्रातक्षा बुव्ये वेर्ष्युष्णक्षाक्षाता व्यव्या स्ट्रिशायाः स्ट्रे यर भिवाद्धिया तरुवा रुदा क्रिंग कुडा वी दरावर्षा रहा सर्वी के क्रिंग भारे में द्वार में हैं अपकृत श्रामारेगांभेगा द्वांसक् वस्त्रां वार्याम् वार्या वर्षा स्वामा वर्षा स्वामा वर्षा वर्या वर्षा वर र्भेन तह्या हीर वर्ष प्रमुक्त वर्ष प्रमुक्त वर्ष प्रमेश विष्ठ्र की क्षेत्र कर के किया कर के किया कर के किया कर स्चाराइराधवरात्रेरी के.रं.रदानक्रेरायह्रव.तावराह्य ।वक्र.पान्याद्वेति वर्रेन्द्रत्वला मुद्रवा बर्देश्वरेत्वर विश्वेकरेश भेव वर्षेत्र में महिर हु महर तरे भे महर्ते। क्रीय है रहे हैं हैं। व्याय याया अययय याया व्यायके वे दे रे न वे वे र र्गर हैं। रदावस्व यते वुद्धते वित्रहेत् अहेत्। विकृत्र रेवम्बे र विस् र्दासर्थ। शिक्षिक्रें सम्बन्धि रहास्त्री रहास्त्री मिद्री श्र.स्वाविविद्यात्रः वित्यत्रक्तां के त्यारा के वा का वा वा वा वित्या वा वित्या वा वित्या वित्या वित्या वित्या पानि के किया रेमर् हर हर हर्षे रेस्ते म्राहर विकार मेर के राहर हरे लर:मूर्यानित्रम् एकी प्रवित्रमाने के यभित्रत्वया रे यभित्र रे यम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् सर्प्याथ्यायवंदरः। मर्द्रस्विक्यायक्रिंद्रा स्विकेवारहेवाथरावर्षा रतायक्षरक्षत्रात्रीयक्षेत्रात्रेरावकात्रेत्। क्रान्त्रात्त्रात्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा र्शियाद्या क्रिंशक्तारावर्त्वतात्त्रहेव सामेर्वित्या में मेंवित्र मेंविकंद्वा में न्त्रंदरत्युं अन्द्रवावास्त्राःस्त्रा दाराव्याःत्रायाः वश्चात्राःता वितह्वाववः र्गरंत्र्र्त्र्री क्रिट्भुत्वकारकरेत्त्रिका सम्बद्धाः मान्यान्त्रे क्रियाः मान्वेता र्मएक्टराम्यक्षेत्रम्भान्यक्षेत्रम् विषयम्यक्ष्यक्षाः भीत्रम्भूत्या त्रम्याद्वर्षे हा। वि. १. ५८. ५१। या वा अवरायम् अस्ति वा अवरायम् । विस्ति विस्ति विस्ति विस्ति विस्ति विस्ति विस्ति विस्ति वि सेट्री स्ट्रिंग्यायवातास्थायत्यास्य प्रमान्यत् र्मेर्यं मेर्रेग्यं र्मेर्यं वर्ष वात्रुः अत्रदे विवेशतर्ग । स्वार्यर्थ मार्थितार्थरः भग्ने अभार्ये वात्रे विश्वेषाः केरात्रेरः विद्रा का.च.र् । पर्वट विश्वार में में चर्र वा माट चेत्रकी पर्वट केट केट का च.री चाली पर्वेश ट्रक्तास्त्रम्याथायात्र हिर्दर्त्येत्रम्यस्य स्थायत्रे स्टर्मद्रस्य स्थाप्त र्श्चिमानात्री तिवास्त्रेन से. यमुबामानात्मानात्री ये श्री. रहात्र, वश्चवात्वात्री

वयायावतेत्ववयात्यातरुतायोता कुकेवातुर्वातववावववातर् कृत्यक्रितेत्त्रारात्याः याधियाखेरा रीवं अर्थकें द्वारवा हैरिक्षरा शक्ता वीका वीता यो या विकास के वा वीता से विकास के वा विकास के विकास गर्भरके श्रूर्या मार्च क्षेत्रवा मार्च क्षेत्रका मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्थ के श्रीरिक्शः व्यावितः विवित्रः दिताय्या ह्वाराद्रः ह्रात्यायाः विवाताः व पिलग्रयतेश्वरिया श्रीदाम्यूदारक्षण्याश्रुराय्यायाः । दार्थायाः वर्षायाः वर्षायाः वर्षायाः वर्षायाः ल्रेरी में त्या त्येर असूबाकिया शुना बीराजा शुनिया मेंबाया प्यो बारया जा शरको हिस्स्यसारको सहिता विवासाता देवा अहित स्वति स प्रमुख्ये भी कवापायियातियात् हिना प्रिया भी द्रापा नर्रा केर में स्वाप केर के हिना कर्ास्थ्यस्थ्रस्थ्यः बुवार्गायये। सुरायाः वावायवायवायेन सर्दासाध्येन त्यि गरायवे गरा थे है। विचायकं व्याद्याया भेवा सदतः ह्या ह्या विचायव त्यव येवा म्ब्रायान्त्रित्त्रक्षियातक्ष्याचे यात्मायावर्त्त्रियात्र्यात्र्या क्रि.रामाक्सी स्थालका के दान से ने प्रवेश ने के प्रकार के ने के प्रवेश के निकार के न र्वायाचेरा देवयात्र्वायाती अर्वास्वाया स्वाया सेवायर्रा वया कियार्रा राष्ट्रा राष्ट् Target, त्रापान्य वार तिवेव दुवला श्रुप्त हरे । वालवियेद मा हेर देवा का येदा सामा आकर्ति कि नाम माने कि नाम के निया के रत्त्र-दर्भात्यरः अइ.रेशत्रकाषुयाः जूरा कैपात्र किपाला शुः सूर्के। मार्यपा रवारणान्यः ववाकी रेवाला स्वायती के विवलका केवालवा वसर दव के खेल. ह्मवं यते ग्रेंगा तहेश हेव हिंभाय यहर हेर दग्ता विषय विद्यालय है ह्मद्र राहिर यून । हो 'र्नेय प्यायाने निर्माण्याये । मेरा निर्माण केरा मा केने वुबार्शार्शिराताररेवया अख्रेवयाः सूर्वे क्रियासायक्री रवाक्र्यमाल्वेववृति । र्था. में हरी मा के पायक वर्ष रेंग में प्रक्री रक्ष के मार्थ में के विषय के विषय में था. वित्रक्षित करें विदान त्या व क्षात्र क्षात्र वर्ष देवे व व वे वा वे व क्षात्र वि इ.ठ.का श्रुक्त्रं हैं अ.सूर. अवेशवी संक्र्टार के. अ.प क्री अ.रंट. के. अ.परी जुव. क्षरः म्यारीय संस्था द्रा द्रा वा वा वा वा वा वा वा वे वे वा वा व वे व व नलुराशवाचेरा ह्वियंशाचेरायरीष्ट्रवाष्ट्रवरी १वरापायायरतांविवाक् द्रत्युं क्रेर् चेर्वा अर्प क्षेत्रयात्व क्षेत्र क्षेत्रा स्ट्रा स्वा वास स्वा पक्रिमक्ष । आदाद्वासी तामाक्रिमा त्रेया भाष्य वास्त्र वासी विकास वासी विकास वासी विकास वासी विकास वासी विकास व त्रविरा वर्राकेव'रगार'यें ब्रेर्'क्याक्या वर्रा परित्रात्रात्रें वर्षात्रात्रें वर्षात्रात्रें वर्षात्रात्रें 

यः तः क्रिं त्या अत्री द्रायवा विषयः व

चेतरहेंच।

चारेश्राच्यां वाक्किश्वात् र्राट्यां में विष्यां न्यां क्षेत्र विष्यां क्षेत्र विषयां विषयां क्षेत्र विषयां व

स्वामान्ते, ह्या क्रिया क्रिया अहिंसा स्वामान्ते, ह्या क्रिया अहिंसा स्वामान्त्रे, ह्या क्रिया क्

व कर क्ष्या दे अधीव स्त्र वया हरा दे करी तमार में स्त्र वे नाहर केस ता हरी तावार गारव हिर व -म्यून्त वरक्ष स्त्रेया देशवर्षित र्यापसित्रित्ये में स्त्राम्या राष्ट्र स्त्राम्या पार्षे स्त्री मान्त्री य दिना यारे अ.स्.स्.स्.स्.स्.स्.प्.प्.प्.रे.यारेटः। वाजरःक्रिवंस् वाजाःक्षेपाःस्.स्वीयात्रः।वाजा ध्रवक्रुवः न्म स्याक्षत्रकार्यक द्रा क्षेत्रास्ट नाम् यादे ना द्राया स्या क्षेत्र वस्त्र वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष री से तर्गे सार्वास रिया मेरा ही रार्गा मेरा रायर वर्गा भी मेरा से रायर के व मंभेर। यं कर ही दक्ष तरमधी र्या । तरम श्रामाल व का की कुर हो । द्ये । नवगः वातर् वातरे द्वरायर। नवक्षाक्षाक्षरा स्वर् स्वरा त्या क्षरा त्या क्षरा त्या क्षरा ANI 5 old रीर्श्वे पर्ने भीव बुर वेशावेला संस्थिर से र के बी बी बावा तसेर ल बाबरा वा वे बुर्बर नर्षिल्याम्याम् नुरावतायारा । द्यद्यस्यातात्वरेषाः वर्षेताः वर्षेताः वर्षेताः वर्षेताः वर्षेताः वर्षेताः वर्षे कर्। भेनायायनरकर्ग्यायम् रायदेगाय द्यान्यरायन्त्रा व्यान्यरायन्त्रा न खेंवायतीत्यातात्वीदाववी वक्कित्वदावी अधीराद्वभाग रात्रेवादावी देशाया सीर्दर्याराष्ट्रम्भी वार्ष्या हिर्दर् क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क् नायमन न्नायम् कर्णा नहेरासुर्याष्ट्रेरन सेर्प्यवसासेर्। व्यक्तराम मेरापूर्याभेत्र म्।इर.यू हर्यात्यायात्री नामान्यात्रात्रात्राचारम्भागान्। यात्राम् वीत्रादे नातुः तेत्। स्रिंगारायर शेष्ट्राव स्रिंग केर के ता केर हा केर हा केर रे न केर रहे। कर बुका शुक्र व रवात है रेरी हूर रवश पर्वे वधु भिषावत ता व व स्वावस हिर वर्विवा इट्स्रिंग्र्वं वर्षे स्वार्येया गीद्दस्य नाम् द्रुवार्याता कुरायात्रे स्वार्यात्रे सम्मन्नाम् । स्वामान्याम् । स्वामान्याम् । स्वामान्याम् । स्वामान्याप्यापामान्यापामान्याप्यापामान्यापामान्यापामान्याप्यापामान्यापामान्यापा वकासःस्यानेकान्यः क्रायन्त्रम् । इत्यान्यः । इत्यान्यः । इत्यान्यः । इत्यान्यः । इत्यान्यः । स्वाद्धकारी सामान्य विवाद्धकारी त्या में में में में के कार्य के किए हों। बेर व्यागायी बेर के बा १ के अध्यात में १ के अध्यात में १ कि त्रम् वरक्षाम् अवस्रदेश्यर् वर्षे अवसर्रः हरास्य म्यान्तरः अवितः श्रेपायादेशह्रवयातादालवाया ताद्याक्षेत्राचा क्षेत्राचा विद्याचा विद्याची वाद्या श्रीर में रेकितारी परम के जिला के जिला के देन के प्राप्त के जिला के कि में में मानिया

क्रिक्राक्षार्वहरूर्या राज्याक्ष्या राज्या है अलगहरूर्य वर्ष प्रमा र्य.

लाश्रीहालमार्थरी पहुः श्रीदान्नदाक्षेत्रके मार्गाप्रदानमाराष्ट्रिया परायदा यारायवा वहन्यते (हुन्सेर) रेना बर्फे हमर्राया व्यक्तिया ते में त्ये त्या है विशेष स्त्रितिक्षा १ वर्षा । व्यक्तिकार्यक्षेत्र । व्यक्तिकार्यक्षेत्र रामका। वद्गारित्यमायदेश्वेषद्राधिव। द्रम्यद्राक्ष्मेद्रम्यायद्रावद्व ।द्रायन् स्त्री विश्वत्यात्त्र्यस्यात्र्र्यस्यत्यात् मान्यव्यात्त्रात्त्रम् वर्णात्यः न भूरावरात्व्ये भेर्वरा विक्रिक्षे विक्षित्र विकास कर्षे देवे पर राज्य के स्व ्याला र्षेष्ट्रणास्ट यमान्द्रपायोत्यो हर्मात्य मेरेत हर्मार ग्राहर सम्प्र म् वदावकार्यः । त्रा व्यापास्त्रात्स्यायाः विषयः । अधिराद्याः पहिनाया भेषदेतरत्वस्तराने पहेरात नाम्यारेखेर्यन्त्रम् वाद्वारा महि रा श्वेता स्वाप्ति एतम्ब्रीता वेर हर्षात्मा निया मिता स्वराष्ट्री सुरार्द्र स्वरणा किन्नुस्क्रिया की श्रीश्रामाश्रामा अयापायाया भुरतक तर्म पर्मा में दे हैं हो दर ध्याकेव धर द्वि हैव ह्व ह्व के के विद्राविष्ण के वि रार.पूर्व । राह्म अ.स. हैं य. प्रवेश परितः क्रिया वतम दय प्रवा प्रेर, दर्व दिन क्रिया है वस र ता थर के जा या परे अद्भार प्राप्ति के प्राप्त देश इस्विक्षेत्राणामन्यविष्ठात्म, नयापायकेस्विधियश्यक्षाय्व राह्यस्यायायः रं अरम्बद्धानिताक्ष्मिता विद्यानी अप्रास्ति केल स्वतानी भिष्णे प्राप्ति के वा मान कार्या मिर्जर्या मान्या प्रमाले विषयित्र सक्षाव वर्षेत्र स्वावस्त्र स्वावस्त्र स्वावस्त्र स्वतः यत्रवेष्ठवास्त्रवे स्रिमारस्यार् स्वित्रेयार् । वे द्वारायार् स्वित्रायर विषया त्केर्युं सहस्रात्य लार्ग्रयहराष्ट्रवादवरपुर हुर्दे ववंव यं लेखलाके क्रिया थीवा रदादर्दे सेव यतिन्ववसम्प्रन्थातेत् छ। यद्यावसङ्ग्याद्यावस्त्रात्ते वित्तात्ताः । वदायमः वर्ष्ट्रयानार्वानी वेरी शवस्त्रा राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया विवासिन विवासिन विवासिन विवासिन विवासिन विवासिन ल्या सर्वातिकामें अत्यम् अत्यम् अत्यम् विरा रेज्याकाम् अन्तिका के अर्वातिका विरा के विराणिका श्री क्षेत्र कर्ण के तासे अल्या वार्ष तर्या है। येवारा राम्य क्षेत्र काराहे समाति। वार्व तर्ये वा निवर्तन्त्रिअर्थरास्त्रान्थ्री कृतास्त्रिक्ष्यकार्यरास्त्रिक्ष्यात्रेन्त्रिक्षात्र्यात्र्वात्रेन्त्रिक्ष्यात्र वबर होता हरें देव के राज्य मंद्री पर्टें रही हैर वर्ष युवा ही राजा रदरहर हल देव बादी पर्टी वर्षी नत्यभाभवे नक्षरम् कार्यकामभूता रदम्ने राखेर्वा हात्त्वा भवा वाववाहा दरा राखवा होवारा थिवा त्र्वक्षेत्रे म् मान्यायिक्षेत्रे मान्यम् स्वर्थन्यायायम् । सार्वेद्रम् विकारम्

ं रामदार देर में अला के कुने थे ता ता कारण दें कीनी अपराद माना का का की की की दें कारे व्याप्ति इसी वास्त्र त्यार सेवाबिद्धाः वहार वास्त्र वाह्य वास्त्र द्वार विवादित् न हिस्स्क्रियाचेते अपदिता अधिवाद्वाकरिया छत्त्र मेरा विवास्का त्यम् वस्याया यादा सहिर चला राजरान्त्र वर्षात् वर्षा वर्षा क्षेत्र अला द्वेश वसेला तता की वर्षिकेषेत्र माधेश मार्थे पिये. पा अवन सेट्रेट्र श्रु पर्ट पियमान। क्षेत्रवय पानर्वेवतमा पश्चित पियमा देवन राम्याकि बेररे मूरे र्रमायमा श्रीटर्टर या है। किटा समानवर में श्री केर मेरी कववर म्बाबद्वहेर्द्वसंबद्। क्वित्रां क्रिक्रिया हिर्देशकारी क्षिया सम्बद्ध की मेने वादवादी स्ट्य र्वातात्वे तो भेव। यदार्वरात्द्र्यीरायदेवाता यम्मवाभी रव्यवस्तात्त्रेया क्र क्रियामायावायायाया स्राष्ट्रिय्वर रेश्र तो वा विवासियायाया विवासियायाया स्वार्थाया निरवनगान्ना अस्तिना है। स्परप्रेंगायवार्ष्ट्रा सामित्रिया स्मिर्वेत्रात्राक्तां हित्राक्षात्राक्षा भूरहेक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षा कर्त्या वार्यक्षात्राक्षात्रा स्मिर् पर्वतास्त्रवाकामात्राद्वाद्वात्त्री है। देशकद्दादर्दाद्वाता है। देशमान्यावकामकास्यात्रे वस्त्री वस्त्री स्यान्त्रिक्ष्ण्याया राम्यार्वारावाद्यायात् । महाराष्ट्रिक्ष्यायात्री न्यून्य यर स्रा विभाषात्री। गंडरा युना वर्ते स्वरहिने न सुवा कार्य रे खु वर्ते वासी वर्ते स्वर र्भागर्ताकी संदेशस्य पर्वेशमर्गायकी । विशेषात्रा वर्षा भेराहरोणसुम। रेषायरि द्राक्तियात्रभे बेहाराज्यक्ति हैं वर्षा में वर्षा में वर्षा में वर्षा में वर्षा कर देश रहा मह म्बर्धः यातार्वहर्मे व्यवस्तर्वम् वर्षातक्तार्वस्तर्भः नः तर्तर्वः वर्षेत्रः नः स्वर्देश्वरः नः स्वर्देश इर्र्स्स्रियास्त्रेत्रेय । स्वर्र्यास्यास्यास्याक्त्रेत्रात्रात्र्यास्याक्त्रेत्रात्र्येत्रात्र्येत्रात्र्ये र कर हिस्से व्यवदेश तर्वाता राष्ट्र में स्थान वार्य में वार्य में वार्य प्रत्य के में में में में में में में र्अ. मुर्के. ध्रें न्या नर् हीर संता वसवारवरातरवाही रद्धा के वर्ष रद हैवारी वी वस्याम् निरंत्रा धीरावर्षेत । वदाकुरमे त्याक्षममे त्यवव। मे बदासक्यशास्त्रीमे वर्मेत्रा किक्षान्त्रकार्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच क्राधारम् । इत्यादेशकार्यात्रामाराण्यः स्याप्रेत्रावर्यः । इत्यावर्तेः श्चीत्यद्धिः श्वीत्यवेर। हिंश्ट्वेलहास्यात्यात्यात्यः स्वत्यत्ये वह्ने व्यत्वेत्याद्वे यादः म्रा राज्यानुष्यान्त्रकात्त्रम्याः न्येत्रन्यन्त्रम्याः म्वयाच्याः सर्द्रमात्वाद्रभक्षण्योव। यात्राद्रमात्रात्रीत्रात्रात्रीत्री देशक्षाद्रात्त्वात् मर

लून। र्जानिवधुन्द्रभवश्य तत्त्र्यात्रम् संस्थित्वर्वित्तर्ताः पर्वश्रित्रायः

वर्षेत्रवर्षाच्याप्त्र, । त्यम् रत्तात्यम् द्वारेष्ट्यक्तित्तत्त् त्रास्त्रत्त्रीत्तत्तात् प्रमृद्ध केरावतर क्रिक्तिकी के राम के भी । बता हो र काका मुक्ता है कि सा कुर की होता अविदेशको रेक्तिन भाकित्रिव्यक्षिया स्थान विदेशको स्थान मानियात्य मेर्चा । विम्यान्यम् व्याचित्रम् व्याचित्रम् व्याचित्रम् व्याचित्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षे द्रारा रात्र हरे मेरहेरे चल स्तुन्यान स्वाविशक्त । सिर्म्य हरत्र मेरितिस । स्वाविश्व सिर्म लंचनार्ट्स र जनसङ्गा क्यारेस के नमाने महित्य नमा है। में देह के नमाने मान है। बूर्रेड्रेब्सर्भात्राच्यावसङ्गा हिर्द्र्रेक्सर्भात्रात्वाक्ष्यव्हरी हिरानेक सर्भर वामाना परी त्र गातह्व व लगासे। हिट्से गे भायहवारो सदा हिट्से खेंवत्याम् यसमासे। हिट्यामाष्ट्र यता. ट्रेंटाजाश्रदा राजावणवायतम् । व्यान्ता स्थाना वार्षात्रामा हिटमानीयास्य दुर्याववात्तरल्ला, जरदामा, ज्यापाराला मस्याकी, वि.व.मदस्यात्तवा व्यापार क्रि.में. यावास्तर (यव वर्षेर्यात्र) वर्रा क्रि. वर्ता वर्षा वर्ष प्रणायक्ष प्रणायक्षेत्रक्षेत्र । प्रायम् यात क्रिक्ता पर्देश यी द्वायते द्वायदेन हे सुदासूदायता वर्षा हेराहेर ही द्वारायोता दावरा, यदेन या सूद म्पर्या। १ वर्षेत्रसुवाक्ताक्ताक्ति। याद्रस्थिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षिताव्यक्षित्रव्यक्षिताव्यक्षित्रविष् यात्रमातस्य परावर्द्यं क्षिरात्या कृते स्वायमा स्वायमा स्वायमा स्वायमा स्वायमा स्वायमा स्वायमा स्वायमा स्वायमा वरामवरास्त्राच। द्राप्तेराज्ञेद्रास्त्राः हेरान्स्याः स्रेन्हा निर्देशाराप्तेरापदायोगा स्वाने · प्रदान मेन देशक्र एक रक्ट्री : मेता में देश गण गटन गरे में में में में में में में प्रायति दे हैं दे पा. च. हे। र १ हेर सिर्य, याष्ट्रा र १ हं १ हं १ हे १ वर्ष र र र में हे १ वर्ष र र र में १ वर्ष र र र में १ वर्ष अंत्राहर्युत्त्वी हो। श्रुवायायायाया छातायायायात्रीत्रवयरी सूर्रात्या स्यान्यान्ता रावे लेव र्गायकरात्रा स्रीतान करकरात्रा रेता कराकरा रेकारा भुतिरासः । कामप्राप्रे राजेर कार्यानः । प्राधानकर्तेन्यान्तः यायरे तिर त्येता वातार पुरम्यों केता राष्ट्र त्या वर वेताक्रवारे । केंकेर विवा नह यम्यास्यात्रेरा मार्थात्रास्यात्रास्यात्राम्या सर्स्यात्रम्यात्र्यात्रास्यात्रम्यात्र्री वालवायुराक्षेरकरार्श्वेवहासः इत्याप्ताद्वाक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्र ह्यास्त्रिय है। सर्वात्वेस्रियं स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय क्ष्यकात्रम्याप्रवायस्य वास्त्यदारा वे राजेदेशकवार स्यापहराहर, मुक्त परम्यारा त्या वरदर। द्रभगपरद्रशुक्षेवाभारतात्रहर्त्तः होत्त्वारावसे न्यात्रहेत्

रयान्त्रेयुर्ग्यवेषावाधिक। ध्राष्ट्रम्यकेत्र महास्यान्त्रेयुर्ग्याः म रदार है ब्रिटिस्पारायायां वीयभेरा सहस्यार विवास सेवाहुकाता व्यवस् इत्राम्ख्य दुविया वर्षा है उपकेष्यं प्रकारका इकेलेरी वर्ग यक्य सम कर्म द्वार्वा हेर्द्धराय भे में व की राज्या में त्रारा ग्रह्मा के विद्या में त्रारा ग्रह राज है। या व व व व व न्यवित्या निवाणम्यायष्यायष्ट्रम्कृतेया निवाण्यायम्भित्राव्यायात् हात्र विभार्भाद्धरहर नाम्। हे प्रविधार्मे वर्भाकी कार्त्रा में वर्भाकी कार्त्रा देश मार्गिकर विश्वतिहर रदास्यार्वास्थास्या दास्यार्वादारात्यार्गात्यार्गात्याया । साम्यान्यायाः स्वराहरात्या सम्बद्ध राट्सक्ता त्याय। विस्त्रत्वियालकतात्र्याका त्या हुनस्र्रेश्रिक्यूनस्यात्र्याः हिंद्रान्ति । व्याप्ति वात्र स्वराम् भेयम् में भेयम् में वर्षर् तर्व । भेरत्य में वर्षा मे वर्षा में वर्षा में वर्षा में वर्षा में वर्षा में वर्षा में वर्ष × प्रतास्त्रित्सिर्द्रमार्भवनुत्वा द्वायक्षा द्वायक्षा द्वायक्षा द्वायमात्त्रं । यते स्वित्वाद्वाया विटायते वित्या के के किया विवास कर दे कर के निया के नि नहरार्क्षितहर्तिका हुमायमानेमार्कर्त्त्वीयरमेता क्ष्यात्र मायादेनमा स्वासुर अवाराताकराताकाः वयाक्षेत्वावताताक्षेत्रवेश्वाताता तमुक्षेत्रवाताराक्षेत्रतात्रात्वर्तातेश्व क्र्यालवर्। वाववालातकरःवर्तः वृत्ते वृत्त्रः वृत्त्रवावतेत्रः वर्षात्रवात्रः वर्षात्रवात्रः वर्षात्रवात्रः रुल्याम्ल्यरप्रमान्त्रराष्ट्रिया साम्प्रान्वम्यार्तियष्ट्रमान्या मिलारदाकुरात्राक्ष्यार्भित्रप्रमा स्वमेत्ररे. रु दिर.या.चाल्य,रदा चाता.द्र.पीर.व्राक्तका.क्षेत्रता विजयाक्ति.द्रार्थां क्रेंद्राता क्रिंद्रता क्रिंद्रता क्रिंद्रता क्रिंद्रता क्रिंद्रता क्रिंद्रता इ। लगापरं, कुलायते सक्ति सक्ति होता भाष्ये । वर्षेत्र क्रिके विद्याप्त सक्ति । व्रिक्य प्रेके नाम्यान्त्रम् मान्त्र म्यायते हर्षायते द्रात्या व्यक्ता व्यक्ता व्यक्ता व्यक्ता इंद्रान्द्रान्द्रान्त्रात्त्वरम् स्ट्राम्याष्ट्रियाम्याष्ट्रियाम्याष्ट्रयाम्याया अविश्वेवासदुराकेतीयात्यार्क्षाता वात्रम्याव्यात्यार्वाक्षेत्रयाः यात्रम्याया सर्वं में की मा कितान्त्र व्यावरात्र वात्र विद्यात् । स्वातवरमा स्वात्र के स्वात्र विद्या । सर् यामार्याद्वराम् भिष्टर्याद्वराष्ट्रमात्र्वातात्वेश रेग्रेनरायन्यरामित्राच्या नामदान्याराष्ट्राक्षेत्र्यार्थेरारेन हास्तात्रात्यहर्ष्ट्रारेन सेवास्तात्यक्ष्यकाताः क्ष्यदेवते त्याता रदात्रवायवित्रभागात्वयाम्दर्भा संकेशमद्द्यां विद्युरायना तह्यासायुर्ध्यया रदाहिरारे द्वावाक्षेत्रवाकु हरायते त्यापा क्रिक्यरे मार्थरा सदाकारा यानिक्ष्याक्षित्राक्ष्यां तह्त्राधीराधरक्ष्यक्ष्यात्ता रशामात्रे विवास्ति विवास र्वापर्द्राण्ये वस्त्राक्षे गुरक्ष्यायण्याच्यास्य व्यवगात्राम् स्टब्स्यराज्यायायाया

व्यास्त्र क्षेत्र नुभाग में त्या देवी कुकेश मालु द्वी माले राया है। वान क्षा माहिता माहिता दरकेवन। वार्धराधिमारतायम्भिवायसाके। तर्वातत्वानिकार्वाराष्ट्रवा वार्वार सद्भ की गरेश सुगदी तहम सुगाये गलाय दिसदरल दर देन मरे भेर पर ताचर म्येत्यात्राक्षे रहार्ष्याःगर्यायायायायात्रः वाचार्ष्याः व्याप्त्रः वाचार्ष्याः सर्वा है। एक रंगा , स्या सेता बादी सर्वे स्वाद संदर्भ दर्भ के रायह देश रात है थेवाचलवाके वार्तिता बेवावायरति । र तिर्देशकेवाद्यके हरवाभारीयांतरेता, नवाभावतांतांता वा नवाम सराहरातीता स्टान तमाईरव्याम्येकेसेर्द्धान्या से सार्विया यते स्पर्द्वात्या र्वाता हिना वार्ष्या से स्त्र्रम्यूर्म्यूर्म्यूर्म्यः द्वान्यः स्त्रुतेः अद्युते अद्युत्ये अत्रहेर् वतः द्वा रद्धे वाप्याः वुर्र् तर्हरा गरेन रहमाम दुन है। हराहर में स्टार रहा थे। हरा केन राहर केन नविनात्मत्त्रद्रा दात्र्वां अवराद्रवाद्देश हैं ते ये क्षेत्रका अपूर्वित दे ते दे ते वारा श्चिरपदेराहिताकीराद्वाराहिता द्वाराहिता द्वाराहिता निर्वाहिता निर्वाहिता के वास पर्नाता यानुग्वाष्टरानुभेरगर्द्द , यानुप्रह्रियाष्ट्रपुर्यायम् म् म् मन् मर्वे । स्वाप्तियाष्ट्रपुर्विया कुलाक्वा छा.र्द्रात्र्वमक्वलक्ष्यं के निर्देश रहा रदार् हैं से विष्युं हैं दे से बार विष्युं हैं दे से बार विषय र्द्धना असे तर्पेता के कुलना वेजाया का त्या के का त्या कर कर कर का त्या कर है। वर्षे गराभदर्भिक्षाम्यान्त्रे हेर्। य्रहास्याप्यामया हेर्। सम्प्रह्मयायेष्य कु मुद्द्यगदेवग्रव्यायस्य तहेव। वाह्यकुर्भ्द्रके रव रव रेर् रव प्राप्त सक्रि हिसाले रेर् क्रांभिट्टित्री कुराच्यात्रप्रक्षात्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षे ने बन्ना भर्ते । विरायदर स्वा के उरार त्वीयायमा मन्त्रा वा विषा कराय है। यह साह र सेन्यार्रामहर्पत्राष्ट्रिक्षिक्षकण्याष्ट्राप्तात्राक्षिकान्यात्राक्ष्यात्राप्तात्रात्राप्तात्रात्त्रात्त्रा पायरे प्रयुत्त्वा वादरह्या त्वापाने के ते वाकी त्या के वाकी त्या के वाकी त्या के वाकी त्या के वाकी विकासी विकास करारीयभाव भूरायदा हार्याच्या हार्याच्या हार्याच्या हार्याच्या हार्याच्या वार्याच्या त्रकार्के दर्गा ने स्वी धीवार्डा देवला बॅटसा दक्षा दक्षा मा केवा कुषा महरा में वा का वा देवा कुषा मा की हरवते देवे छेत्। देवे तबुव यते रद स्वादिवत्यते विद्या में देव की मुद्दा स्वाप यते ही . प्रम्यमा स्वारा रदार स्वारा विद्याना के दार्थित त्या के देश हो । द्या व्या स्वारो के से सिर्कद्रवस्ताहदराहिवाक्षरका वे स्वरंद्रव्यवता वास्तिविष्टिकात्ते सेद्रवतः लर्षिट्रश्रीट जटलिव स्त्विष्ट्रियाल अर्थात् । दर्राराम् रेश्यात् अवाता स्वात्व ्यः रर.क्र.म. यात्राक्ष वित्राक्ष वित्रात्र वित्रा रराज्य वित्र वित्र त्रहरक्त्रात्तात्रात्तात्त्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् हते वर वर हार देव दर दिया हते वर वर वर कर लेडे व वर दे के किया से ते दूर दे लर्याय्याय्या हत्याय्याय्येरावर्षेत्रवर्षेत्रवर्षेत्रवर्षेत्रवर्षाः मिवता क्रियाय्याः क्षेत्रवर्षः भिरास्य

2 Ba

क्षात्रात्र राष्ट्रिक्कवार्स्त्र म्यान्य क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र व्यवस्थाता क्षेत्र विष्य व्यवस्थाता क्षेत्र व् त्तिक्री वर्षे त्राचित्र क्षेत्र क्षेत ्रपरी रे.ब्रि.क्षेत्रकुर्यामणेशाकितालूरा र्वार्तास्यान्त्र्यं में यात्रान्त्र्यं में यात्रान्त्रियां ने पर्यान यस्तिववराज्ये सुर्दार्द्वार सं हररारा छो अहि मेंद्रसूर्र छो सुर्वेश छो. सुर्वेश मेंवर्ष भैरानेद्वाथरा कालातातीदायां व्यात्मात्रात्वातात् केत्रात्तात् केत्रात्तात् व स्तिक्षित्रकार्द्वेत्तं व्याका न्याका राज्याकी महित्रवार् वार् राग्रावर्गितं । द्रयंवरम्हवान्तुरावरावाद्यंतानंतः । हुःद्रशाष्ट्रः भवत् वर्गन्ति । त्रार त्मुता नित्यक्षे भारत्वारेत्। दार्दरदादादादादादादादादादा क्रिंचावदे भी स्वीर्वेत्याद्वी द्वार्ताया यायतःत्र्वितित्वितः कर्कत्तः सेयस्य वायद्वयद्याद्या स्थे लितद्वः सुराद्या यापे लास्ति दे सेर्दरा केन्द्रायाप्रयाप्रयाप्तायम् थेर्न्यायाप्तायक्त्राय्याया र देव राज्यर विर मिर मिर मिया अक्षान में बात्ते हैं। या भारती विषय की की की मान अकर में ते लिया लानेलाल्द्रका, वाललात्वीवक्षेद्रयतिकद्दशासद्देशाचा सक्ष्यां विष्णानिक्षात्वा विष्णानिक्षात्वा मिनायाता की रू में भरी यात्र रेट के पार्चे व ते र र व अरत देश दी याद र व के र में में में में में वयाक्षा दरक्षां वर्षा दश्या वर्षा दश्या वर्षा स. म्राचार्युका । सदादक्षार्यद्रां पर्याः नावकार्यात्युः से केव कर्यायात्यु स्वित । स्वा मिर्द्रश्याम्बर्द्रश्वाद्वेत। सर्द्रितास्यक्षाद्वताद्वास्य। सर्वेद्राम्द्रम् स्वताद्वि देविक्यायह्मा हरामाने मार्ग्य से के कार्य हिंदि हराय सिंह के स्थापन के मार्थ कर ले मेरी द्या करें े अन्तरम् अ ऑन्स्यवन् भ हरास्राप्तारात्वरत्री स्थानाकाम्यानव्यास्त्रायहरा दर्षात्रास्क्री भूत्यात्रमात् के द्वा वार्य प्राप्त कार्य प्राप्त कार्य कार किं। नरायस्य अधिका कार्यालकारी पहुंचा हेन्या राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र र राजा मारी श्रा माया र राजा हिंदे हें दे से दाया होते। कर के सार पर विकास के से 面型型 इट्रिस्ट्रिक वेदावनाराविकारणार्वात् । माउदादेशक्रिकीकिर्यते केदिन्तित्वस्थान्। कु: तुन्न व कारताम् १९१७ व १९८८ व्यानिस वरास्ट्रायुक्यायार्यः, राष्ट्रवामुखायार्विकार्या ंर.कु. वर्रा देश.स्यायेत। इरक्र देर वाद्याय यक्षर। देव ये र वर्षाय वर्षा वर्ष याराद्वारा नास्तुः म्रास्तुः म्रास्तुः न्द्रुः केवानुःद्रात्षुवाः श्रुतिःद्र्वा वावविश्वःद्रद्वति। हम्बद्धाः चित्र दम्बद्धाः क्रियाम्बर्धितः वार्ष्णायाम्बर्धतः मृत्रद्यतावा ह्याची द्वार्यवा हुत्यप्राप्तवः वोवायाः यादा ्रकारम्य कर भास्त्रास्त्र त्या मान्या प्रमान्त्र । वर्षित प्रमान्त्र । कार्य प्रमान्य का मान्या मान्य । वर्षित

मूराताअक्रां कर्या की नार्वन वु नार्वन वु नार्वन प्राप्त कार्य मित्र इसके प्राप्त वसवाव वे

कुल्लाकः द्वितारको हानासरमामारमञ्जूषास्त्रित्वरा राष्ट्रवार्रद्वितारको गर्का

ा भेजायभावमा पर्राया दर्भा मारक्ता में के नामा में के प्राया के प्राया में प्राया भेजारी मा भाग मा मा में र्वर्ण, विक्रह्ण त्यर किर के व्यक्ति के व्यक्ति के विक्र के प्राचित के प्राचित के विक्र के वि देनेहरमावर्वेदिकेताकता हिर्केलार्युक्तिकाराम् प्रहित्र्यूक्ताती रमका सिक्षेत्रकारा प्रहा वापानिया विष्याची वहित्याची कर्षा वहे में के वा विष्य के दाना है। वाद्या के विष्या के क्यानेयादिरा र्यायात्री अहेग. ही. घटा तात्र इं. युने ग्रारी तयावन रगरके अक्षी अर्थे यरा नुसुरकेवायरी द्रियाया स्वादा व्यवस्था स्वादाय प्राप्त देवा में विद्रार प्राप्त वाहवादे त्यन्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यक्ति रद्यदेन्नवव्यक्तियक्ति प्रति अप्रिक्षे मेर्निक्षे क्रेयाम्यर्थरहिरश्चरेत्रमञ्जररायमा कृतार्जनमान्यन्यन्त्रहेर्याम्यर्थः स्वर्थः। स्वर्मन्यर्थः , क्षेत्रेल्ये त्वाता केर्यकेरा कुलायंकी का तक स्वाता के आरकी खरकेरा वि खुकाला अयदकर । सुन्। वर्षीयेक्त्रतः । ११वे १ वर्षा नुष्कुतियासुरव्यस्य वे रायवना वरवर्षी सर्वे मुलास्त्रदिः भरए न खुवा लूरतारे ता शे. तात्रक्ति करत सरक्ति साक्ति किया तर साव विदा द्रान्द्रान्त्रेत् । त्रित्वार्त्ते श्रेद्राद्रावसायक्रिकी खद्रायद्रात्त्रात्तात् रहेत्त्र के वापवहरातेवक क कराक्ष्रियाक्षात्यदाक्षात्रः क्रवायते इराद्वा क्षेत्रवता वुष्य विवास खत्यवार्त्वे की वर्। वुषा म्रेटमाना त्रवान इन्हरतार्द्र वृत्यायत्रवावत। दर्शेत्यमक्वार्द्र कृतार्वेव क्वाराया धिरास्ता हेन हे अहा वर्षेत्र वर्ष स्थान करा तहा मार्या में देश से असे संपर्द हें दे विषाः भरा द्वितः यरि म्ब् वरता के जा स्ट्राह्म व क्रिंत । क्रिंत के जारा का वा वा के वा वा कर वा वा हु राज्दे वेद रहर रहर रहा क्रांचा वा वा की की ना खुवा तर् केंद्र केंद्र केंद्र रहे ना अहारे र मिया तर् देर हैं देर की देशकती बज़र की देर के कि बोजा है अहू बेब के हिंदे हैं स्वार्थिक निर्मायवर दरदेर हा अहिती लु हे वा खेला स्वेर्थारवर स्वार पर्देव के दा लु देव देव देव। मिन्द्रता दवादलाकेटामुख्यालक्ष्यालक्यालक्ष्यालक्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्याल यां इन्हें रेजालकी आयतार कें ५८१ वी खास कें वे खें त्या वह दे वह ते वे केव रेजा की वार तर्णे रदा मेंबायरी देवावाहर्भावदि यही सुद्रादेशकार्की वावरादकी दर दावरविक्षेत्रे सेवा भ इर्. तथी जमाक्री अवरायों व ३८१ भु ज्वलाही वृत्र अविवा है विवाय। वर्केवायुत्यवातुत्ववातुत्वा रात्रिकृता दि विद्यात त्रुवार के अर्थुर ख्वानेश ब्रिक्वियानानान्यिहिर्द्धित्रे दे रहेद्वे स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्याने स्व वर्त्र-वर्त्व व अवस्थापवरि श्रेव-अरिअक्व । रयतः श्रीटः तस्त्राधाः वरमः स्रेटः सर। मि.मर्यातारवर्त्त्रं अस्त्रहत्त्रात्रक्षेत्रम् व्याप्तर्वे यास्त्रहत्त्रम् सार्द्रात्वे यास्त्रक्षा वर्र क्रिक्रक्ष्य के वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्रिक्ष क्षेत्र वर्ष हिर दे दे वर्ष वर्ष वर्ष क्षेत्रभादतः वार्णान्यहियालानीरामिति। विदेशान्। मक्षारामा माराज्या माराज्या व्युत्वत्वत्यत्यान्त्रवानीः वादवान्त्रेदवः वनातःस्वार्धरम् रेदर्यपदाः व्यूप्तरे रूट्र ग्रेयान्कीतान्या अरगणस्याने के मल्यान्यान्यान्याने महाना नार्यान्याने

म्यक्ष्याम् अर्थेव केटम् म्यापटा में द्रा क्रियाय के अर्थेव क्षियाय के क्षिय के क्षियाय के क्ष्य के क्षियाय के क्षियाय के क्षियाय के क्षियाय के क्षियाय के क्ष्य के क्षियाय के क्षियाय के क्षियाय के क्षियाय के क्षियाय के क्ष्य के के क्ष्य के के क्ष्य के के क्ष्य के क्ष्य के क्ष्य के के क्ष्य के क्ष्य के के क्ष्य के के क्ष्य के के क्ष्य के क्ष्य के के क्ष्य के के क्ष्य के के क्ष्य के क्ष्य के के क्ष्य के के क्ष्य के क्ष्य के के क्ष्य के के के क्ष्य के के क्ष्य के के क् गुमार्था द। तीयाकुरापरामायात्वात्विताक्षारः महाकुरामाद्वेवक्षाद। कृता क्षि मस्दरमाद्रलात्येवप्रा महाद्रमायायायायायाया देवीवाम्नारदिक्षेत्रासुद्र म्भुन्द्रात्र्र्वहर्भ्यःक्रूरः। दःरदः द्रापःविताया वम्नामायतःभवतःवसःक्षायादयाक्षा क् केन दान मृद्धारके ता के निया के करा ही क्षाया कर के के मान करा है है। स्था र्रमी त्यभावभीतानाहरं ही रहि तर्र ग्रिशिका परमायरी भाने मार्ने श्रिशिका क्रिका मुर् तार्यः विवासनार्थः सेनासनार्थः युवासर्थः त्यार्थः स्वास्त्र स्वास वाडेलासुवादरा हरियारार केरा देश दिस्य द्या स्था तथा तथा त्या विवाद वास्या सम्भित रुन्त्रमा गर्वन्द्रयायात्रात्रम्यान्त्री क्रावस्यायद्वात्वर्षात्रद्वर्ष्यायद्व पर्वनित्यं देवाला अहीं सुदारी लाइ अकुता याला क्रा के दाई वायां वा महत्यां भी वा र्'यो अस्ति। येरी रवारपावावावा, रसर केर्'वस्त्राया सुरा पुरा पुरा होवा, दर केर्'र्र सुरा पुरा करमहा भरतः हेर मस्यापिति विविधार्याता व रव राव राव राष्ट्र व रेप £41. उर्वनिर्देशक्षानम् । वर्ष्यावर्रा रहेरात्रमान्या के मर्म् राज्याने वर्षा क्रियान्वन्त्रहर्ष्य बहारियां केरण केरण मिराम्या विकासे ताला निकास हर्षेट्र पर्वेट केर मित भुलाकर। भुन्द्राष्ट्रायम्भूभाभूभावर्। स्थाकेवातव्हर्द्राद्राकेत्त्र विकालायाद्राव रुकालानियामा गिलुदान्त्रामा मेर्न्यामा मेर्न्यामा विद्याले मेर्न्यामा विद्याले मेर्न्यामा स्थापति । क्रमास्वरत्तर्द्राह्य । तह्यास्वावकानी क्रोसायायदा रेदवरी कृताह्याहुताहुता उरेबा ।र.ज्.रट्.ज्.चर्.वर्षेर्रेर्ी ज्यायायायायायायायायायायार्थेर.र्वेदायारर.केवरा लुन्नास्य र अरात्मावाद्यात्रात् विष्यात्रात् विषयात्रात्रात्र्ये अत्रात्रात्रात्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा रा. कुंचरा, ग्रेटा विटाक्रवा, प्रियाता, प्रिम्बाक्त्रां, त्याना प्रमुख्यात्वर, प्रमुख्याः विवा विद्याना विवा विद्या विपावसानिहरू श्रेवारे श्रवार स्वार होता । स्वार स्व को नारा हरी हो ना है त्य है र आ हो है। तरे त्या देश का त्या त्या है। ने हैं हरे त्या ही व्यर् ते ते इत्। वन्नास्त्रं अहर कर्ति। यहर का दिया वना स्तर यहर कि में विने त्या सर तेन महत्र ने पर्ये ्राः वायानानी अपन्यामा मिनाहिन ही नावना होरा गर्ना नामाना करारा पर्या

मार्यम्भरादुरम्भराद्गारायां मस्या द्वानिकाकुरायसारस्य रायसी तामस्यायकी सुरा वार्यभावता राजास्तिता वारा रहिता दुर्ग दुर्ग द्वारा सुरा सुन माना के वार्य के वता महिवा वार्य र वक्षी तर्याद्यां भेराह्यां भवायां के। व्यहुवावानुकी वाह्तावाकी । मुतायतिकाय द्वीं वृत्यद्वात्ता मिलदर्यार कि. व.रे.त्यात्मी कि.वे.कर.तरार र्यात्मी व्राम्नर में कुन में महामहिमा किया अर्बर.जेग.वे.त्रेच.त.श्री जीवा.रेनरप्रह.जूर.इ अरेत.श्री श्रेकुन. ग्रेप.श्रुम.व परत.श्री विश्व क्यामानतार्द्रियामा देवमातार्वुत्यरत्यवया वाद्यक्रियर्द्वमार्द्वमा वाद्यक्रिय बिन बार्ट्या न बी वा अस्ति हो। रूआने वा दे वा निकार्टर देवर देवर देवर हो। के त्या अस त्रक्र.भ्र. प्रमाद्रेश रहेर्त्र, याच्यातिययार, केर्यर्ये । यात्रायाति, ध्र.क्र.त्र्री वर् स्त्रेर. ध्र. मास्तर्ताः केवत्रत्रहेत्वराह्मेरातः । व्यास्त्रवातराह्मेरातः। व्यास्त्रवातर्वास्त्रवातर्विवाहः स्व रवारातवरवारे। बुदारयवायते नेशुदारना वे त्यायाकी नयवाकी दुरानदारना रामस्वाने प्रभावत्यास्य हेन हरासी वायुवातर् । हाक-विकास्य क्रावयात्य प्राप्त द्राताद्र प्राप्त द्राताद्र विकास देशाधिव, क्वांच पुराद्वाया थे राये राये है। स्वयाता स्वया यदि द्वां विवा वेता सेस्या युवाववा कुटायार्द्रद्रयम्। जैनाकुकार्द्रवाद्रीयादाद्री कूर्वक्यात्रात्यस्यावद्रस्य वद्रास्ता विवास्य प्रवस्त्रास्कर्तित्वर्रः वादेवःवराक्षेत्रुवा रूपात्त्री केवायात्वर्यर्तित्वर्वा श्चान्यहर्थामध्यात्राचारार्द्राम्या रेत्रणायार्युः त्रादार्यात् ही दर्भरमाथुः रवान्यात् व १६.) रूम.वर्ग.वेम.वंमत्मत्यत.व.द्री कैल.द्रांतु.वेस.पाद्य. स्व.वमा द.ज्येव.ग्र.प्यंतु.वे.व. कारमा दर्शसुर्यमात्म्वार्म्यायो द्वनात्म्यां भे छेराद्वारमायायवर। न्यार्परदाद्वाचे क्षार्या देशहासीलायमालीयने मरायममामानिकारिया रे रेर्टरावसेर्यायो ला दंगुअशालेबक्द्रिंदराजारावद्दा सावदाश्रदानावावदादेत इस्त्वर्भेवदावद्दिरसील्याहरी वर्वाभेर रे केर्टर मुक्ते खुक तर् । खुक रर र्र मचर रेवळेव द्वा वलकार यते खुका खेवासु यासा मानेत्र मुस्यहित्रप्रदरप्रापुर्वायवया वर्षेत्रपरि क्वापाद्धा राष्ट्रप्राप्त सार्द्यवदाराक्त्रपायाणः द्दाद्वरः। दुर्दानारे के कार्यायनेता व्राथायनाभेराद्वामुवायरः। त्रायायनाभेराद्वामुवायरः। त्रायायनाभेराद्वामुवायरः। में करा श्रामावर्षात्रीर मेर न्या रेजा र उसा में पर रे ब्राह्म में अर कारा ने के के के के के के के वर्षेत्रद्रादर्श्वा वर्षेत्रिरं देरासूत्र ।वयमाञ्चलं कावहरादाहरात्त्रहर्णात्या सार्धर्थाविववदेन्तरहर्णे र्तः विकिद्रमाधिरात्वा एवं रावारा लूटबलमाखाकाकाकान्त्राताना कि मिर्मित्रम् तां विश्वस्थायद्गर्यार्याद्रः द्वात्वराद्वाद्वात्वस्थात्रेत्रं विश्वस्थात्रेत्रं विश्वस्थात्रात्रः विराधिता द्यात्वदुर्वभाभवतिः भ्रांकिन्दातात्। श्रीरादगर्गर्वरदुर्वित्यक्षेत् केःकुणाभूकाः बर.यर.गुर् सेर.४क्ट्रार १.इंग्रें ब्रेंबाकुरा तुवी पर्वट ब्रेर. अट.सेवा. व ट.एक्. ३१. वेदाया है. स्थाया है भूत्री र्वटार्वाषु त्रीता एस्टेटावर्ष्यानीया भूत्री विश्वट्या से राजर्ए में दे के दे हुई। सर्थः सूर व्यान्यमात्वयात्ववाधिया हर्नेत्तुत्वमात्यक्षित् व्यान्यम् व्यान्यक्षित्

23001

製作知器

三年3

र्रातः रे.ग्रुं हर्म के. व.संका वि. व्रेंद्रका तर्ये व का वा व्येंद्र के वि व्या व्येंद्र के व्या वि व व्हित्यालियस्याकाः साहराद्यायदादराष्ट्रम्या सद्विष्ट्रायावद्वायादादा द्वाताः शक्त्वाः सेरारायाः क्वायराम् रामराम्याराह्याः सेवा दायवाष्ट्राक्षरावाया हताः इर्डर.केण.त्र्,सेल.हेग.एक्ज.हर.झे.कंगल.कि.वेग विव्यक्तिका हो.टव.श्रु.हो.यर. उद्देश्यक्षक्षक्ष्या । कियास्त्रक्षक्ष्यास्त्रम् वर्षास्त्रम् । वर्षित्रम् वर्षित्रम् । अवस्थात्या नेरायक्ट्रायाच्या हरायाच्या हरायाच्या न्यायाचा निर्मायाचा निर्मायाच निर्मायाचा निर्मायाच निरमायाच निर्मायाच निर्मायाच निर्मायाच निर्मायाच निरमायाच निर्मायाच निरमायाच निर क्रामक्रेर.प्रवर्दा शुन्तवाक्रे केरलक्राह्मा । भर्त्र मुर्जर प्रमुखं वरा रमप्रमे रक्षितायामवकः क्रिम् स्टारीयावायायायायायात्राम् राष्ट्रवायाम् भवत्त्रायाः भवत्त्रायाः भवत्त्रायाः विद्यायाः न्।यद्राह्म , द्रदेशद्रव्यवाद्रद्राह्म प्रदायद्रव्यक्षित्रम् मार्गद्रथवात्वद्रवा अस्त्रेतायद्वाद् रात्वरात्यां वर्षेत्र देवराद्याः हिर्कणायर मास्टरा केवाले के वा यरदेवर्गा अद्या र्भा मिलेश प्रमूचितालाकाकात्वा वा वारा मार्थे प्रमुखा का वा वा प्रमुखा प्रमुखा करें क्ति. येद्र त्रात्र वित्ते त्र र्या राष्ट्रिये शे में या शे अपूर्य में में दर कि में या दे में दर दे में या पर क्षे अपालवान्त्रवे नःतर्देवःयर त्यानेदः रहाक्षेत्रदे र मूलायावोदः वर्षः वर्षः वर्षः दे दे दे दे दे दे दे दे दे क्रीमहिन्द्री है। वीरामहामा कामजाताना समहूद्रममिक् कार्यरपार्थी यर् में र्यात्रिं विवादर्गः स्थातात्ववत्यत्यास्य स्विद्याः व स्वायहर्द्धवात्यः भेरत् ब्राम्बरीमास्यातात्रास्त्राः स्राम्बर्गाः स्राम्बर्गाः स्राम्बर्गाः वार्षेत्राः वार्षेत्राः स्राप्तिः स्राम्बर इसायके यहा वीत्रिया विस्तित सिक्षा सिक्षेत्र किया विस्ति वर्षेत्र के किया मिला देव त्व साम्प्री सारदेशसर्ख्यात्यसम्बर्धा संवदः त्रियायते और उवारेदा दः दरः दः सम्माना से बहेवा श्चिर्दरस्री त्यां स्था त्यां विश्व क्षित्र प्रत्ये क्षित्र क् अत्वक्षर्वायुःश्रेष्ट्रेवादुःभवा रदःवक्षर्भवाक्षरःदेवाद्येव या अहेरत्वकाश्वर्वातिवः री अवारावरानी में ह्यामीया मारोबा हमाराव्र रें स्ट्रिंग्रे प्रत्य स्था परायह्य र्मा किया निर्मा वर्ष तर्। भ्रेंके.बटलर्ड्ये, पर्ते । वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे के वर्षे वर्षे के देव के देव के देव के देव ए स्वराताश्चरक्रेनवर्ष्यातालन सेवार्शन्यात्राता है। हो हो हो थे स्तिकालक वर्गाला हैर्ज़ है दैवालवं के व देश है देश है देश है देश है देश है ने व हैरा व देश में स्ति हैरा मार्थ म् वर्वरावर्षा भराजाकर राजा रहा वार्वशायात्रा स्था काराया काराया काराया विवस्तवादारास्त्रीते द्वरार्थानुस्रवादाराम् स्वत्राद्वात् स्वत्याद्वात् स्वत्याद्वात् स्वत्याद्वात् स्वत् स्वत् यतुःशुः वेशल, श्रह्मत् व्युवः देशल वयुः श्रूशक्रेटः विष्णः क्रीता क्रिया विषा विश्वा मरी क्रिंदेवित्त्राम्भामा मुक्ति वित्तरित्त्र के नित्त्र के विवादा करे वित्ति कर्

भुराष्ट्राम स्ना महत्राम क्रिक्त कर । भुराभावविद्यास्त्राविद्यास्त्राविद्यास्त्राविद्यास्त्राविद्यास्त्राविद्या उद्देशकी अन्तर्भाती दरासेन असदरमायम् वास्त्रा महिता दे हिर्मा महिता है। केर्भवः वालेरुवार वितेष्वार करिया है। देश हैं देश में ति तर्य आहे। वाले राह्द्यात्व के राह्त ताहा है। इत्त्वराद्भार राज्याके से हिर्देश रें के के वर्ष राज्य राज्य राज्य का के सम्में नाता देवका यग्रभागाम्भातद्व। कुलायां अद्याद्वारका कार्यात्र में त्र्वायामा विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास सेटामाम्यात्वां स्वाद्यं कार्यात्वां यह स्वाद्यं कार्यात्वां स्वाद्यं स्वाद्यं स्वाद्यं स्वाद्यं स्वाद्यं स्व ल्ट्रा पहुंबायायकार्वायवद्याम्यात्रीत् र्यतास्त्रवाकात्रवामान्यायाक्षा वायम हिरायक्ष्या देरमायर् हराष्ट्राच्यात् हरा राज्य हराष्ट्राच्या नहस्यां र्द्रान्यसभावतः भूरराहे हर्ता वितवार्थे के मादरक्ववर्त्वर् श्रुत्त्व सुराह्य दार् क्रियम्हिन्द्रान्त्री छो। सुप्तायम्यामाराभित्र, उगार गरान्त्रेरावायदा देवायानवित्रावर देवलद्रातादात्वकुरः कुलक्ष्यार्द्रक्ष्यार्द्रक्ष्यार्वे र्म् दृद्धियके मानायुवायद्या रेट्र स्थावायुक्तात्वाय्य राज्यायाः रि.च.कुअन्यत्यत्वा मेयात्वराश्चात्वात्वयत्वा क्रियहरायद्यात्याता देवहत वारम्रित्भे भीवन्ने मार्या महत्त्वर वास्त्र वास्त्र वास्त्र मारहितासि है। तर् हित भीर हर राद्यार वर व्यूरा द्वज्रद्रवावात्र्वववावात्त्वव क्रियावात्त्व क्रियावात्त्ववावा स्वतं क्रियावात्त्ववावा स्वतं क्रियावात्त्ववावा हैं र श्रमियं केंद्र द्या नेरी बीट के अमार्का परें का के वाला के वाला मार हैं के प्रविधार करें रदा दिलाम्बाज्यकुष्टिश्रवद्मामाल्त्र्रा रवित्रवादवावकाक्त्र्यद्वदाल्त्री केंद्रलेला पदापक्षिणा तहिवानेवान्। ब्रीरायतिकीरानद्वरानद्वारान्ति। रान्ति । रान्ति । रान्ति । रान्ति । रान्ति । रान्ति । मुन ने मन्दर्भ कर कुन वेर पना पारी रा की देशके महिर आसे पानी ना हीर केर पने पाने के यायर्। स्टायम्भात्रात्यायाय्येत द्येत्रास्याम्भात्रात्याः भावताती कुंतान्तरव्यमात्तरक्षात्ररक्षात्ररक्षात्र केत्र हे.वि.हि.रट.प्यूर.वयाता.इटया वे. र्यतः वृद्धः बृद्धः वश्वः व्यापारः वश्वः वश्वः

क्षित्र हैं से अवरवा दुन्हरी । बे कें केन अदुन अपर विषु च किया अर्के पर पर विषे या वे देर में वा पर रा रदावर् न वश्चिरामध्याम् छेर। द्धिर्भाववनायतः हिराभाषा र्वाः स्रिम्यहरा स्टाः हुद्धुरवा भुरितरम्यायम्याराष्ट्रभाग्रहिरी देरितरमापरियाक्ति। मेरितरमापरियाक्ति। सामायीववृद्धवस्त्रिमार्यः वर्षराप् हें। द्वावालुविते द्वादन्त्र ।तनुद्वास्त्रिवेद्यायात्वास्य म्यात्वालय द्वार्ये स्ट्राया कुब्रायवंगायायरविक्राकृत्यर्थे। । यद्यद्दामक्षायद्भावाववदा सैदासपुः सैत्यपुः क्षेम्नायवंगः ता ग्रूर्रगर्भेभवातास्य वदवात्वर। मृत्वते तुर्वासी विभवातितातासी केवा छे देशहीरावरार् केरायक करवलाव प्रदेश यति वृद्धवाकी या व्यवस्थिव यूपादेश प्राप्ता कार में त्राप्ता के त्राप्ता के त्राप्ती का अपर वर्ण कर त्या का लावा के त्राप्ता के त्या के त्राप्ता के त्या उन्म्यं युना सहर. सहर. वर्ग अमिन हैर त. त्री हुमन त्यर यात्र कि. क. क्या भीता त्या वीया. क्री वे ते ते में में के प्राप्तिया सक्षे प्रवे वे वे ता क्षा ता क्रिया क्षे प्रति वे वे ते के वे क्षा प्रति वे व्या वा ८र. ५९६. ठवे वास्रियाका क्रांत्र प्राचा सिर. ५९. पर्या प्रदेश प्राची शहर रेतर प्राची सिर. १९०० वि. ११ व्या १९० र्वे अस्वर्यः परस्त्रः व बद्धः व व ववं अद्विष्ण के स्वाता अस्याद्भे वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वस्त्राक्षण स्ति है। ह्रोरास्यायते मार्च दी एट करीनाय में मान्ये क्रिकेसरी अलबरायवलवारवायहेमावसी अवभक्षात्री हिंदी राष्ट्राता अवस्त्रहेंगा म्ब्रम्भेषा रामन्द्रमण्येत्रवाम्रायन्त्रात्। देरावस्यायम्बर्धाद्वित्ववाद्यायम् यातीत्विष्टाप्रकुणातापरी कृणाइकारिक १८१४ कु इसआपक्षिता विद्याय हेया है दाक्ष्य आपिटार तरा अक वरावारा अर्था हे सेर्म्या विस्तेर ही विस्ते वर्षिया वर्षिया है स्वास्त्र में स्वास्त्र में स्वास्त्र में स्वास राष्ट्रासाद्या स्टारा वार्यस्य । व्यापादरं न्तरं द्वारा व स्थानम् अनुस्यते नाम्सायाः स्थानम् मार्गिया रवार्वाक्रियायदावर्वम् राधारे स्त्री मुवाद्वे मधुदारावार्यस्य । मुद्रकी वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे भूते हरे नद्र बुंबर्क्स म्या व्या वर्षा बुद्रवा के वर्षे ने मुक्त के मुक्त वर्षे रा ्रेस्माल्या बयरत्तेत्रक्ते से तत्त्र हर तत्ता वर्षा वर्षा वर्षा हर से स्वार्थ हर के दे के दे के त्या हरे हर वर श्रीश्वर श्वर तरे हिर श्वर सार्था । अर्थे अह दो हु। छो. श्रीश्वर प्राय स्था रेर । श्रीखार पर साथ तात्रातातात्र्री व्यापाता के त्रात्राक्षेत्रकाष्ट्रका के त्रात्रके व्यापिकी व्यापात्रका व्याह्री वरासिव्यवर्थरात्राम् हो देशायते भे लार्ट्स्ससहरी सरमहिवासाई रात्रण ही। सहरायते श्रीलाद्यलाभन्वाभहेद। दलावतः वाद्यावं पातः व्रत्यवेषुक्षत्रभवाभविष्यं महित म्य विविधानाः मान्याः । विद्यानाः निस्यव्यक्तां नेयायते नरम् राया विद्यान्य प्राप्ति । द्रात्राहा मदानुनाया छो। यदावता वाका मही कारामेंदा कारामा वाका काराम वाका एम् वलमा दरतिय नेट में वा भारत कर प्रियमित केर ता हो एमें वलमा परारम में में में में रस्यानेर्त्रे वसाववर्षक्रियात्तात् । मार्थन्थरम्यत्मात्तार् कृत्तात् नासार्गात्

ण.चडवाता वैज्ञान्त्रवान्द्रुश्चवतःशुःखवादे। कुर्रद्वदःपर्जालायहणाकुः खरी क्रिलाकुःकटः कुर्वहेर र्यात्रवर्तिक्ष्यात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् क्री भर्द्रवर्षान्यायक्षेत्रवर्षेत्रिक्ता सम्मान्यम् सम्मान्यम् वर्षात्रात्रेत्रवित्वयुव्यवर च्यावशा भिषात्र्यः में (ववशान्त्रे में सेवशा याता विवास के में दे दे दे विवास के प्राप्त के प्राप् मक्तार्भराव र हैंदरदा त्र विकास देश हैं तर देश हैं ते विकास कार्य विकास विकास के तर हैं दर हैं दर हैं हैं हैं वनदा क्रेबान्यस्थात्त्रेद्धरःद्यतःबह्याध्येव। क्षेत्राद्धःहेदाक्त्यह्या क्षेत्र्यस्यह्या वर्रात्रामाभेरी वाष्ट्रभाग्यां अस्ति स्वाह्याह्या ख्वालायायात्राम् रेतित्याम् री हिर्देशलीयाई, क्षेत्री पर्णात् भेषाच्यायायायायाया केरान्युक्षेत्रभाषवीय । भेषा व्या इए,यलर.पा.चून,त्यापड्डी चन,त्रु,द्र्यालक्षेतात्रात्रात्रक्रातः पर्ड्डिर.हैगाणावाक्ष्याः हर्राहेतः महूरी प्रमूक्त्रीयां शुक्षाताः आस्ताक्री हरातः । वास्ताक्री स्मूक्तरायम् वे स्थिता विका क्री क्राम्या क्षेत्राचे क्षेत्र वर्ष क्षेत्र विस्त्रें श्रेवार्ट्य । वार्स्ट्रेट्यायमें वसता । म्र्रियं त्रित्ये त्र्यामार्थिता वी वर्ष्ट्र विद्याया सकर्भम्यस्य मुद्दा द्विते स्त्रात्वर् वर्ष्ट्र देता सुद्धाद्य देव स्त्राद्य देता मुत्र स्त्राद्य देवा स्त्राद्य इत्या म्यानिया निया मेर् दे दे दे वर्षे वर मर्तास्याक्षर्तरेरी र बराक्षेत्रासरक्ष्य मा हूर्या कर्मिया हिमारे मांबार कार्या करा का कार्या का करा के करा के यायत्तर्तात् वयायावितः स्थावरङ्गात्ति रधेरात्वावयास्त्रात्ति वर्षायात्ति स्थात् मियारीयामेद्रत्र्यात्राता सेदक्रम्मकतामाम्बर्भिक्ता पर्वत्तात्रियार्थियाम्द्रात्तात्त्र द्राप्ताद्रम्पत्र्यास् देवियक्षत्रस्य द्याराष्ट्रस्य देव्या देव्या हो द्याराष्ट्रया के स्वत्यवर्ग्य वत्रवा वर्षा प्राप्त द्रा पर्या वर्षा अर्रर्ख्यक्रेम्लयर्थन्यन्त्रम् देन्यर्थयान्यम् व्यास्त्राह्यां स्त्राह्याः स्तर् प्रायान महार महार व्यामित ह्या हिन्द्र नार नार महिन्द्र मार महिन्द्र म भारव्यायात्रा भारव्यात्यात्वात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्याः वर्भत्वास्यात्यात्याः स्वर्कानुस्याः वर्भत् ल्या मंत्रेवन्द्रसम्बद्धवर्षित्रेवालाला स्वर्भकृतवीतहलाले र्यादा रहे नेर द्वारायाचा वर हो राज्यवा मा भारता विश्व के त्राचित्र के निर्देश के विश्व के निर्देश के विश्व के निर्देश के विश्व के वि वा नहिंग्या वेद्रवेर्ष्य वेद्रवृत्वे वृत्व वृत्रक्षरक्ष विकार भेषा विद्रमद्रवा की विकार विकार विकार हेर्यार राज्याता वेवाया ग्रिट कें वन्तेर अक्षेत्र केंग्रिय विश्वेत क्रिया है या है या देवाया देवाद म्मत्याक्तरम् म्याक्तर्रम् म्याक्तर्रम् म्याक्ताक्ष्याक्षाक्ष्याः वर्षे म्यान्त्रम् वर्षे ।

कीं त्रुश्याम् भेरम् वारेन् कायायायीदयामें रेन्नायदा त्रुम्र स्वावायायित्रामे विका वता सेनुवानासेनासूवानावाबुवारीया । वाइवाद्वातिएर्नेनियायाताना व्याना म् एकिरारक्रियारक्रात्रेया। वश्चार्यक्षात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्था राजिनम्बरिजिनिभेमत्रया तुरिक्तम्बर्धाः । अर्केनरिक्षुपूर्णन्तराक्षेत्रः देवपादमान्द्री रेवेदर। यत्रदेशदेखा त्यायान्त्रा वृद्याया त्रदेदद्वते यक्षरेद्र। स्रदायाः प्रवास्ता वर्गाया सेना सेना में या में अपरेता हिंग भेट त्या त्य भाग सेना के वर्ग वर्ण में केस रेरा वायारे देवाकरे के हा तह गरा दरदरदेनेयायसवा वायातववा वेतायरे वरकहराया म् हेस्याश्यक्तित्यः मेर हिर स्तितासहिता दुन्ने के निरा मायता पूरे के दावता दुन्ता वक्क हित सुद्रस्थे भे तर्। अर्चेशयुष्ये खुद्रवशद्दमा द्वतव तर्देवादर हो भे तर्। वर भे खुता ब्रीट वर्षे वारत्यातः विक्रित्रासर्वेत्रक्तिकारिवार्त्रा द्रात्रक्षाकाकिवाल्यर्र्ये येवाकाका ्रमराम्पत वार्मिरावितास्त्री देशवासिक्तित्यास्त्री देशवासिक्तित्यात्वास्त्री हेर्यका स्वरामित्री वर्षात्वास्त्री मुंभे भें भारां दे निवादि । या निवादलादगरा है त्वा भारत प्रमान है निवाद । प्रमान है निवाद । प्रमान है निवाद । क्षिर्याद्याचीवातापर्ववतास्त्राम्यववता क्यात्राचात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याः रार्गण्या राम् द्रम्यावस्यावस्याचेर् सुरार्केट हे कुत्राचीता व्याता है के सादे सुमार्यवस्य ्रियामा इत्यूम्रेरिवरवाई तत्रयाइसला तर्डेर्डियी तथादे द्यावरायका विक्रामा तथाड्याया मामानान्त्र वहनामा वर्रायम् कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा वर्षा वरष्य वर्षा वरष्य वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर विर्यान मार्थिया दिस्त्रीया वर्षित्रवाया केलेयाकी वर्षे रापवित्या वर्षात्रात्रात्र वर्षा करावर्षिया यर् विश्वाक्षरायु पाकुरामुगा केरदार् कुनायमुराव भारत्या मुना सद्रमारी केरते हैं। ग्रमातात्वका रमेर्रर्ष्ट्रायम्बाद्वायर्गित् स्ट्रायात्र माल्यात् स्वास्त्र १स्रमा दुःरहेवे:क्याःयर्पायवया देःश्रवःत्यवार्धाः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः विदे देलाव करा हराये कारा कारा कारा कारा के देश में कारा हर हरा हर हर हरा भूतर्टः प्रायास्त्रातिर ब्राया भ्रीत्रवास्त्र अत्यास्त्र प्रायास्त्र द्वारा स्थाप्य स्थाप्य न.किलाजूआड़री राजवारमधारहाक्त्रात्मात्रकालात्री डेराक्षारत्वात्मात्रावात्र्वी अक्षा र देवरात्र रवारावरक्षेत्राचामवव्यक्षेत्र। वनातः व्यवस्थिता वादुवः वया वना वमवा वमकेदा वस्था भेराप्ताक्षा वाम्बायक्तिक्षाराक्षाक्षा क्षान्ता क्षान्ता क्षान्त्राक्षाक्षाता क्षान्त्राक्षाता क्षान्त्र सरात्य्र रार्म श्रीवार्य्याल्या में मर्च्यावित्य व्यास्त्र व्यास्त्र विता है स्राञ्चाला रर.हैश चर्टरात में त्वत्री में राष्ट्रमें में प्रत्में प्रकार के प्रकार में अक्तात्रम्यात्वात्त्वात्त्वात्त्रम्येशहरी भ्रत्यात्राक्षात्राक्षात्राक्षर्भक्षात्वात्त्रम्याः द्रभगद्रम् अः हिंद्रताः ययता नदः तेना त्यसः द्रभगः विनाः सेरः कीता सुनाः हेन्दः देदः स्ति स्तिः वहदः

ला यूर.त्. मेबा.बेज.र्ज्य.त्.ब्रूरी बाल्य. रीर्जया.या.प्रेटावर्त्त्रेय.केला मेट.र्ज्ये

वर वर्दे देन भी सूर त. हैं र हैं र तूर्य में छूरी यालय में रेशवा यी रेशवार त्र में छैं भी से स्थाम वनामातरा श्रीयातर्कीता। वदाद्यात्तरमा भक्तात्व मार्गात्व मार्गात्व वदास्त्रेत्या स्रद्भः रत्नुः त्वायायवत्रम् वायायाः द्वामान्ति हिर वैन हिसा विर र द्वामान्ति विर र द्वामान्ति । विर र द्वामान स्वनाराजावी विद्यार रहेत मार्गा रहिर हर्ष वद्य द्वा वर्षेत्र के प्रति त्रा मार्गित रहेता वर्षेत्र के प्रति स्व अर्बे.रे.८. रंगया.रेन्.केंग्रां.स्या सै.रयम्बेम.मावतः प्रदश्यः कुर्या परः प्याः तमारेन्यः यार.कुला सर्थ. खुट्रमम्बट्र वर्षेरेजा पर्वेया. स्रेयुर्र तता स्वेयुर्र त्यूह्री प्रवर्शक्याकेव. में कुल. ह्रूट. वट. वद. वदा क्षेत्र. से या. से या. से ये. भी या. भी या. भी या कि या होता है व से ये हैं हैं हैं के से या में या विश्वास र ललद्रमन्द्राक्षात्राक्षात्रात् भी श्रीद्रवर्श्वर्ष्यम्श्रीद्रम्भुम् द्रमान्द्रवे सेते सद्रवेषण सा प्रमार्थकारे मेरे देव प्रमाय से राष्ट्रिया के श्री राष्ट्रिया में के वार्य रहे के वार्य रहा वर्ष स्वार्य के स्वान्यस्थाको केववलक्षश्रास्या विद्यस्यनिमार्श्वास्त्रा द्वास्यक्रात्म्या मिद्रावतः वृत्ता स्वतं व्याववातविवात। रद्धवाताना रमवा व्याच्या म्या कृत। वर्षे व्याचे र स्वर संदेशतर विता यविश्वकतार्यर्यात्वर १०० क्याकृतानुवादनातातहैन्याकोर्ददा । सित्रम् स्युर्वरम् वर्षे मद्रम्द्रक्ष्ट्रत्वित्त्विताद्यव्यद्रा भाष्ट्रम् अप्ता अप्तित्वत्त्रम् द्रा म्याद्रम् व्याद्रम् प्यालमारमया विद्यास्था क्या वदश्चित्रम् विकास विकास मारावर प्यास्त्रम् वर्ष स्था वर्ष के क्षारमर्था वर् केतार्यः निवर्षे मार्थित स्वर्षित स्वर्पन्य । वर्षर्भेश केति वर्षा कर्षा रद्रात्यात्मर्भार्थयात्र्यात्र्यात्रेशा में हर्रा मान्यार्गाता नामा स्वर्णे के अक्षेत्राके न्यराता द्यम् रत्र्यः रे रे ते रे अदरा विवदा रहें ला रा राम वा वा अक्ता रहें भा ते किया हिर पुना वा साम हो ने हिर रि चर्रकेररगरास्त्र्रक्षणक्षेषा वर्षेश्वर्ततवतात्त्रक्षाः द्रात्रमान्द्रतत्त्र्रम् रेर्। इत क्रिक्रमहर्मा (यर पार्में विषय) विषय क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष हे में क्रिक्ष हे में क्रिक्ष के में क्रिक्ष क्रि द्रभवा य भेरिकारदर र्ह्मेन क्षेत्राच ब्रिका एसिकारिक क्रिक्स क्षेत्र क र्दा स्टस्याम् मार्थिता क्रिया क्रिया क्रिया मार्थित म्राया म्रिया मिर्देश मार्थित वर्दि मेर्देश मार्थित स्टिया यक्तारी ही रे हिन निर्मित्र के दर्श्वन प्रमास्ति स्वार्थन में देन देन राम महिन प्रमास मिन के कि महिन के कि महिन व्या भर्याद्वम् मानुवायकुर्तम् रेते विष्रार्थः वर्षाया वर्षा वर्षा कुरा क्षेत्रवर्षा कर्रा मान्द्रः वर्षेत्रं विमलक्षित्रहरूक्ष्यक्षित्रक्षत्ता । विद्याय व्यवस्थित सद्दर्दर्दर्दर्दर्दर्भाक्षेत्रक्षा स्वास्त्रक्ष किया ता विश्वरा ब्राट्सिट अला वर्दे एए अता राजा है अला अला जारी वर्षेट है। सिव आहेर पहि श्चरः भे भी भी भी वाद्याया देंदा श्चित्या वादेव । विकायां वर्दु रिक्के के वाद्य देंदेवे। या वर्दु वेदेवे देंदे तपुः अदशः क्रियो चट्यः प्रवे वूर् कुः क्र्यात्रीतो यात्र वाषवात्रः क्रियावो मेवः तार् हूं अभारायः मैवः में! प्रदःस्रम्भर अभरभाइदर्दः। अर् श्रीर विभग्नेश्वा क्षेर्युश्वर्ण की स्वार्वे विदेश्वरे विदेशाया म्भरा बैंब.हुर.) क्र.बर.वे.भावर.क्षेब्रे.भूष्ट.बरेर.दे.ब्रा ग्रुभरा (स्रुम) विब्रशासर देशम् ( येश्चारती अत्रेक्षियां र.अपु.केषा.म्.री वजानावतः बातामा.के त.र्जात्यती वजानावतः बात्र्वे व्यावतः क्रिक्टर.रूवात्रश वयात्रावदः मैत्रायुः मैत्राक्त्यंत्रश मेत्रावहतः मक्र्यः वर्षात्रात्रात्रा

वर्षेग्रां न्यावता त्रवात्रया द्वी त्रिमावर रक्षे व्रेट वर त्रिमा देवा है के या त्रां व्यवसाय रर्दे द्वराष्ट्र इक्टराम् कार्स्य विकास १ तर १ र जुला द्वरावर हो । वर्ष र्वे वाये वा मैं व कि वात्रुवाला दुराक्ष्रेवालामात्रवेदित्रास्त्व । दुर्गलादालाग्यमार्थे ला मार्ग्यु साद् मार्ग्यलये। दर तितामहर्यका हिंदि सिमावरक्तावर के मावर के बार कर्या र दरहरू सम्बन्ध वेम बेह सेवे. मुलम्बर्ग वस्थानवरम्थलकुष्यर्ववस्थानवः वस्थानवर्वः क्रिस्र्र्राच्या वस्थानवरः , र्वित्य किया रात्य क्षेत्रयहतक्त्र महिमारी वरम्भवयात्या संदर्भ अवामनास्यात्ती होत्रक्षे से देव के में रवण होत्रके महम्भान्य होत के मान विदा होत्रको सक्ति के याम्यारम् मेय । रविषात्रेर् क्रिम् क्रिम् केर्त वेद्रा वेद्र क्रिम् क्रिम् लिस्से स्ट्रिम् विष्ट म्पर्या मिन्न म्पर्यास्त्रीयाक्ष्याक्ष्याक्ष्यात्। यर्द्यायाक्ष्यं म्प्राप्त्री यवार्ष्यित्र सरकुनमायुन्त्ररी कियायमायास्तरासेरान्द्रान्त्राच्या १.रहायरास्त्रान्त्रात्याः सूरी किया अवारास्वायावर्राः देशायां में गयां में गयां में गयां विदेश मावयायस्य में राजयायां वर्षे केवातां न्न (एड्रेन) महिन्स्य। हे हे रेवारा मी साववाव के दे। दममा वे विवेश व वटा स्वारा रेपेटी सेंद हैरिंदर के किए कर कर रहा देशकें में मुख्य की आववल में दे। स्पर में दि तहुं भरेश हुन से प्यूरा मैकामित द्वाकेर्य महिला यूर्य त्यानी अववतत्त्री द्वार महिला प्रवासिकार दुरसेट.कून.भेर.एकर.जहरीमा जमाक्चित्रमाक्चित्रमात्रात्रमात्र्ये मायतः वर्षेत्रा केट.गूर्यं वर्षः प्रवास्त्रा म्बल्येयान्त्रित्त्रिक्षेत्रात्त्रा वित्यत्याच्यात्रम्यत्त्रे । वित्यक्षेत्रात्त्रे वित्राच्यात्रम्यत् श्चित्रमायाचारे सामेद्रा के सरद्व पर्या म्याप्ट्रा वेवे बुद्दमायपास्वेव ये किश्री ह्यू च्यामित्यते के द्रात्रां वीद्रद्र्य माम्यावर्षेय्या भिया कर्त्रक्ष महत्या भवावर्षेये न्त्री प्रिष्ट वर्षेत्रतापद्देशवास्त्रात्री द्वान्त्रवातवापद्वेत्रस्य म्यात्री तवास्त्रित्व नपुर्वास्वास्त्रीया अवत्रद्विद्याकूदःतपुर्ध्यत्यासारद्राः सुर्दाराच्युःकुःस्त्राः वादेवादुः। लर्याक्राक्त्रीत्वे वरालवस्ता विवस्तारम् दुरम्राम्भ दुरम् स्थानेव्यक्तम् रेशक्षे वर्षाः इंट चेंबे में द सेंद मुलामा द्यायते केंवा युद्ध द्या गार्च एका विशेषुद्दयाया स्वाका के मा सर. बुंबे, ब्रवजा अंत्रेचे, श्रेचा श्रे. ब्रव्यान्त्र प्रक्षा अम्त्र होत्येला यद र्रेर. ब्रया प्राप्तिक व्यापा मि. रे.मार्था मिरे.पाट् । एड्र्याहेवायधनाकी वारवाणा ववत्यातामार्था मार्थातास्या कुलारायात्राम्मना वेदावा। यम्भावेदावाना मान्याना विदानिया । विदानियाना र्शिताबरायको श्रिताक्र. वि. जारियाक्ष वि. वि. प्रत्या श्रियाक्षेत्र विषय अपात्र अपी व्यर्पः

अर्थात्रास्ति देवी.अर्थात्तरा र्या.अर्थातद्या देवा.अर्थातद्या देशा.अर्था.केंगा रमवे.वे.म्.अ.अता.वे.स्.त्या.व्य रेशन. देशा. रे जर्र. ए कर्में हो. रे छत् प्रताम के अभिया के अभिया के अधिक के कि के कि के कि के कि के कि मिरिए रेग्रेज विजयेत मेरे रिग्रे रेंग्रे मेरे किया मेरे जाता का मक्स में में में मेरे के मार्थित के ता.का अर्थन्त्र अर्थन्त्र अम्भित्वा है तर् रेरी विका केंद्र के के जिला है का अमेरिक है तर है तर है ने प्तराष्ट्रियकेके के त्रिया कर्ति करार कर कर कर मार्ग मार्थे व्यक्ति प्रवेश प्रदेश में विश्व कुरद्रमेरी धवासवार्यद्रम्यायवीता ब्रामकवास्ट्रस्य अर्था करायाला मान्या से वर्षा है वर्षा है वर्षा है म्ला असीर्श्वावदुःवालाल ब्रेस्ट्री वर्तिकृतुः बाल्य ब्रेस्ट्री वर्षेत्रेशव वे वर्षेत्र वावतः वर्षेत्र वात्रा क् अक् लाजूर वर्ष अराही क्रांजुर में महिन्द के कि ते कि निकास कर की अवस्था क विवासीकाथीवान सत्ताहराहर द्राराष्ट्रिकाली काले ना नाराहरा है। तार धिकार हर रहा क्रार्निक्षेत्रेन्येन्यन्त्रवाहराक्षामा वन्यवाकावाक्षावाक्ष्याकरायवेता क्ष्रा स्वताहार्य रूप्ता रूप्ता यदंदरात्रात्रात्रात्रात्रा । अरा हिरासेर्टा सेर्ट्यारमा अस्तरम् केस्र्रापा बद्धिरमुद्दात्रात्राप्तम् कृता स्टायुत्या विदासावराष्ट्राकाता स्राद्धाराद्वाकाता विवाद , पत्री वश्वाला में बार्ट मिला हिंग दिवात त्री अक्षेत्र अत्तर्भ देवात है के स्वास मिला में बार का प्रवास की रमगानि हेयु पालावग्री विव स्त्रां कुला रंग जाता मर्द्र हिमावा रूरी किट गति है स्वा केरा महिमा क्षी क दीमानकिर्देवारि भिवतात्रकातिया ।वरिरक्षनक्षणावलम्बर्धिवर्श्वमा समानकर्रेवारि भेषानकर्रे परीय पिर्वतासिष्ट्रिकातार्भे अवावनामुक अअवबिरियसिष्यानमप्रदेश । प्रहात्रे असावरार्द्र त्याना व्यविद्वारिक । दरकारा स्व दिन के विद्या प्राप्त माना विद्या । दरकारा माना विद्या । दरकारा स्व बाबिन्वरुका ह्युंदरवेदग्रदुक् । सी एड्सा सार इंसाविका १ ० ५ ता । विद्याद्वरक्षा क्षेत्राओं दर है रा ० दुका । ध्ववसा अर्रित रि. में कि.चार्चरस्वर र्री तिवावित्राधी व.पक्टरायक्टर र्री व्यवनाकी व्रायक्ति। विकला परेक । अलाकी में अक्रका हिर अर अर के इपा बर पाला बर पा के इरी दमा बराजा है. द्विक्रमण्यक्र म्र्रिचेर्वर्वर्द्रम् भेर्मेर स्थान्य द्वर्गाम् भेरा भेरा क्रिक्र गरुवा ता द्वर्षित प्रमुख्या व द्यवार्ह्य के मानवाया क्रियमा वार्ष्य विवास्त्र द्वार क्रियमा वार्ष्य क्रियम क्रियम विकास विवास क्रियम विकास विवास क्रियम विवास विवा =: र क्षित्राया त्रीतार्थे,वर्ष-सरीयातात्रता सराया थुनाकां द्राता रग्ने कराकेवातायाता र कार्या र्वे व त्रराधिया वें किर लेब वाधर दुः खनायाने भेरा द्वारवार गर धरे त्या व गर्ने दे होया के.बेर.र्यार.त्राश्चारविद्यात.कुता स्त्र्रात्वाप्तरत.रे.परेश.केता मूर.वया.क्र. क्वावहरन्वविवत्री वर्राम्ब्रिंदिवहर्ववर्षः वर्षः क्षेत्रः अवनः क्षेत्रः अवनः क्षेत्रः अवनः क्षेत्रः वर्षः वर्षः म्राह्मारासारह्मासी कारेका सार अस्तिकासाम्म्रम् करादी क्रिकारिका र्याः रें। रयात्रेतात्रेत्तात्रेरायमभावी क्रायात्रार्यात्र्यं प्रामिताता के र्वेगास्य यर्थे ये अ.जा. जूरी श्रेंच जमा भारत यूर, जूरी देर भार अपूर में करी केंदरी रे.क्रियाचाराक्षातीते र.चेवाता र्व. बेवर्यार ग्रह्म क्रिंग्यात्री ब्रीटरिया विद्यात्रात्रात्री. स्रम्प्या विस्वत्ररार्शक्षेत्रकार्शक्षेत्रकार्शका दम्मुयाव्स्वावस्य गामास्य देवा

मूद अगूर इम्रयम र्मार्थित स्वार्थित स्वार्थित । स्वार्थित स्व म्रा विक्राम्य कार्या कार्य हर सवयम् । विक्र के वार्यो विक्र के विक्र माने विक्र के विक्र माने विक्र माने विक्र के विक्र माने विक्र 2 कुलग मिल्यास्य द्रान्ताम् द्रात्राम् स्थाप्ताम् साम्यास्त्रम् स्थास्य स्थाप्ता 2217907 क्रेट्य में या द्राया न क्षेत्र मा ना द्राया मा द्राया में वा द्राया मे वा द्राया में इयालावी केंद्रवन्ताना विदाता पर्राविष्ठा हो। कर्तावना रूपा हैया पर्व देवा सेवा विक स्वत्यात् स्वत्याद्वेवा त्रेवा क्षेत्र क्षेत्वा विकास्य व्यव्यातः क्रुंता, वर्टरंत्र वयमा जयारे वयमात्रीय अधिक द्रवालायी वर्टरंकु मंख्या अप्राप्ति ूभक्षत्र प्रविधासितः रमणातिवःस्रात्तवता स्रित्यात्रह्तात्त्रात्वात्त्रात्तात्त्रात्तात्त् गव.परेव ।र्नायाकीरवामार्माकीराकीरा किरायावनानीतारीयम् भेना प्यायक्षात्राप् ग्रांदायेन्ने र्याया सर्ता क्रियायते म्रांदायेन म्रांद्रिया स्थिन क्रिया स्थित म्रांद्रिया मानेद्केन्थते में द्येव के द्वाया द्यकेन्यते के इत्येव के द्वाया हु अक्वित्यय म्राटिना मालकार्त्रा विकास कार्या क्षात्रा विकास करा माना स्थान करा करा कार्या करा करा करा करा करा करा करा करा र्वेश्वाद्यी अवर वर्ष वेष्य केश विष्य में स्वरस्थ में वर्षा वर्ष के वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष मूंबाक्ष्या प्रतित्वा क्षेट्रका केंद्रका केंद्रका वाद्या व कर्रो याने वान वान है । वेद न दे । विकास के प्राप्त के क्रि.ह्या रित्यं सर विव पहला हीर क्रम के क्या नियं की या वे वेया महरदेश सुखर. नसेन हैरक्षा हिराल वभक्तिरमय सिया है। सिरादमया धरादमय स्था है। 12.42. पर्तिस्य द्वार का.ण.का.जा.ण.पुर:रूर.वे.लक्.। सेवलक्जाय.के.भक्तः, धवलाजा.परेरी इं.र्यूचा. यासिमाताः स्यात्वरात्या द्रेर्भेरम्येद्रियाः । ह्रिरी प्यास्त्रभ्या रहरमञ् वरत्या द्वानाम्यान्यक्तानक्तानक्ष्यान्यः वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् त्रुं गर्या में विवाला देर्दर से अवद्रिंग करहे । यह अवस्था विवास सम् होता रेज्याराजा सेवाक् ता रमक्ष्यविवाम् मानाक्ष्या वाम्यान्य सम्मानामा क्षाद्वार सुन्धाः प्रत्या र्दर्भविभागेष्ठरक्तिः विभागः या भागेतिरा त्यात्वात्वात्वात् विम्बरः स्वाक्ताम्रो के.यम्स्रीराम् क्रिंग्रंस्थावय। वया.त्.य्रीटाम् याम्यावय। स्यास्या व्यास्यावया वि.पर.इ.प्रद.इ.प्ययम्भव। अक्रुवि.प.क्रिया.ग्रद.ग्यु.बरी अर्ब. य में अश्या अर्था वर्षे अर्था वर्षे अर्था अर्थे देश वर्ष अर्थे देश अर्थे देश । क्ति. ख्र. बरलेश हीय. पहण स्थान क्षेत्र का क

4

ह्ये अ.जी. से.पी.पी. केंद्र से र मेंद्र ही अज्ञ भ इव भ अव कि के का प्राप्त के हैं र केशल, वेद विद्याकिल अर्थ अर्थि क्षिया विद्य विद्या कि भेग ता लेख विदय पाःभिषदः पर्वेतः में महर्थारेश के त्वां सेश्राध्या करे वदे ताव मूरा मेरा ता भी राजी राजी वा वा क्षेत्रत्त्र्वेश्वर्त्वेश्वर्त्त्रेत्र्येत् विवाग्यायात्यर्त्त्रेर्ट्रेट्रेय्वयावित्रेष्ट्रेवयाभारद्यात् अहरी क्षाना कर्रा कर् ता कथा मू र्या मूर्टी कथा मूर्य दर सिर्म् कुमला मु क्या कथा मू दर वल रवा वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्रायस्तित् हेनातास्त्रं अत्या संवद्या संवद्या स्वत्यं सम्वत्यं स के लेट्ड ने ने तार है। देनी त्रमें बारा पर्देशी अवस्ति है में बारा बड़ी आवत त्यमें प अधिरायम्युः मृत्यूर्यात्वात्यात्वा तथाक्ष्रीरावार्ष्यात्रम् वार्षात्रम् । विदाविद्यात्रम् दालां हरा केंत्रे माराता का मेराया माराया स्टार माराया स्वार माराया स्वार माराया मेराया स्वार माराया स्वार स्वार माराया स्वार 13 एटर्डिंग १ए। स्वारव्यरत्यवतः क्षेत्राया युवायेतुरर्वा वः तह्वः देवत्तर्वा वे त बाली ब्रिटिट सुद्धार रायहर्ता । राज्या क्रियं कर ताल क्रियं विवास राज्या रहा रहाता श्चित्रादालावस्त्रीक्षवलवारेती कार्यावादा विष्याला स्रियानिक विषयित विषयानिक स्थानिक विद्याद्यादात्रात्त्र विवास्त्र वार्तात् वार्तात् वेळकेवात्रात्रे प्रत्यादुवाकेद्या दिन विवासेकां वेता नए. ह्या बिव. पर्ते। क्व. रस्क्र्यक्रमरें रे. अभयात ग्रेरी विव. हर वे. रू. प्राप्ती विव. न्त्रेशविकास्वरः द्वर्भः द्वर्भः द्वास्त्रेतः तथाद्वरेता कार्यादा श्रुवः यते श्रुवः व्यति द्वरा व्यति अद्भादा द्रिल्या हार के अद्भारत विष्ट्राया विष्ट्राया निया मुना के निया मुना । लदार्थ्यातास्त्रभाग्यात्वरात्र्येय । श्र्वाक्ष्रम्भाग्यते । स्रेटार्राय्यरे स्रेटार्राय्यरे । रदर् देशारा में में बार्त्रदिर्य मिता व र्याया में सूरी म्यायामा वर्ष त्ये में संस्ति। पर्रद्रियास्त्रीयसर्द्रियार्वेद्रियार्वेद्रियाः सद्द्र्युत्रास्त्रस्य विश्वतास्त्रस्य विश्वताः संदर्भन्ता से अ स्वापदी विकाप हर पर पर दे दे हैं हैं ने कर हैं से का से अपर एवताश्रद्भाश्री पर्द्रम्पाद्भद्रात्म्यास्यत् र्यातास्याया मध्यम् मन्त्रमा न्यान्त्रमा तर्गार्वित्रां ना ना ना ने मिला में त्या प्रथा प्रथा में में में तिया प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा प्रथा र्रे : सर्द्रम्सस्य स्थायवतः वर् स्थाया त्राम्य राष्ट्री में त्राप्त स्था में रे . भेराता र्रियमायस्ति मृतास्त्रकार्यास्य विकार्याः स्वर्तान्याः स्वर्त्वातास्य वायारवर सैंयाता केया राज्या से राज्या सी रहेगारही से रहा से राज्ये पर्वता में की र्णास्यान्त्रवात्रवतः रशायास्यातः यदार्वतः साम्याः वारात्रम् स्वाः वारात्रम् स्वाः र्रायद्वार्श्वराव्यात्रे व्वयास्त्रवातास्त्रात्र्यास्त्रात्र्वराव्यरे र्यं.ज.स्याना कर्रयूनातास्थानात्वरात्रात्रात्रां स्ट्रीयरा स्ट्रीयः स्वायस्यास्या 

एकर हैर के मन् रहवा मारिक का रेंग में में के में के प्रकार कर ने का में में यद्रद्रश्रास्य विकास द्रात्य स्वाता द्रि ष्टुर स्वाद्र विवास स्वाद्र विवास स्वाद्र विवास स्वाद्र विवास स्वाद्य हिदारता अमार्श्वेद्रतिय वश्च वामर्थेदास्त्रं वश्चा देवा सर्थिद्र हुद्रां वर्थित होता ताद्रद्रम् तास्य मात्राय त्राय स्त्रम् स्त्राय स्त्रिक्ते हेत् के व त्राय मात्र मृत्र देन्याद्राता अव क्रि. व्यास क्रिस्नेमाण्ट्या श्रीराम्यक्रके व सिर्ममास्मास्य । श्रीराध्याके क्रम्या ता में हिना हरें। भारी क्रम्या तार्थ हेना हेंना हुए के के प्राप्त मारा मिनमास्याम् केन्यास्य प्रमानम् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् । मेर्स्य रामस्य वर्षात् । मेर्स्य रामस्य वर्षात् वर्षात् । प्रमिन् स्पर्यास्त्र राद्दायाक्षां स्ट्रियम् वर्द्द्रमहेशःस्निन्द्राः स्ट्रियः भेदेलस्स्याः व्याह्मस्त्राचिता रद्ध्यालयात्यात्याद्यात्याः व्याद्यात्याः व्याद्यात्याः नश्चरा यानार सर बाहुस के राज र वा वा मि स्रेर्य मानार तर तरा मि सर भेर भेर पर तर्वत अवे से ह्रेट ख्रमाम् वता नर्दर छाए स्वी क्रिक्स में के स्थार के स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार रद्ध्यात्यात्रात्यात्र्यात्रेयात्रा श्रीत्रा चीदान्त्र सूद्यात्रा स्टास्ट्र स्ट्रियात्या सावरात्रात् स्त्रात्य यहरे एक राज्य वार्य राजि के मार्ट्र ति मार्ट प्याणमार्थमार्भेगान्तरम्भा नरम्बर्षाः नरमिरार्भावरेरम् इ. र्यात्रमा सम्बर्भारग्रात्मार्भेरम् रिर्म् एका बितु हा ब. स. एर. जूर। रहेका बे.क्य बरेब विषेत्रकेत राखा र त्या तुरी रदाए था पा सारवा विषा मुक्ति श्चर श्चर अर अर के वर्ष वेशा भारत्य एश्चर प्रवेश के से कार्र के वर्ष के प्रवेश के स्थारी र्द्रास्ति वर्षात्र वर्षेत्र राज्यात्येत्र त्यात्र । रदात्या तायात्या विवादात्येतः नत्यात् स्तित्यात्र वर्षे मार्थमारी के कर कर मार्थ के लिए प्रेवी क्राम्य मित्र के राम हा के लिए हैं। वयानिहरण्यन् वद्यमञ्जाता एत्रेर्केरक्ट्याः क्षायाः त्रियामाः स्वर्धः द्यी । देलद्यान्द्रियान्त्राक्त्या भ्रमा स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया अध्यक्ष तक्ष्य नाथ महत्त्व म्यावता स्वत्य वित्र माने ना के त्य माने वित्र माने वित्र माने वित्र माने वित्र माने देलता देलता ने प्रत्ये प्राप्त प्राप्त प्राप्त विकाल हिना करते या है ने प्रत्य प्राप्त विकाल विकाल के प्राप्त म श्चित्रस्यासीयहरूद्वया द्यांस्वायायहरूष्ट्या महास्वायायायायाया हें अन्तर्भात्रा देश देश हैं विकास है के विकास है के विकास है। के विकास है के विकास है। के विकास है। उर्वर.स्.स्टर्म्य क्रिया के प्रत्ये वित्यव वित्यव क्रिया है वित्यव क्रिया वित्यव क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क रद्द्यालगर्भवात्र्यात्र्यात्र्याः द्वा द्वा मुद्देत्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः अवस्ति क्षात्र के त्या दिनया यत्ते स्वे त्वत्राता स्वे व के लूटी रह प्रया पाश रेंगया विया सा हिरा महिरा महिरा महिरा महिरा महिरा महिरा रयतातामें सुराद्या राज्यारा द्वाराद्वरासुरव्याकुः व्यक्षा प्रत्वरायभाद्वामा विवासे कुल विश्वर केब सूर बैं अर्च वा अधिर भुर के र विश्व के प्राविर हूर वेश बेट त वे ला वि क्रिकार्त देलदा अर्देर एह्मार्थ्य केंद्र विद्यालय कर्र खेंद्र

े हिल्

えつ

व्यति एकद्र क्रिंत्र हिर्द्य अस्ति ही से अर्थे करित के करित है। कर्षा रेखिरिय त्यत्यमा हिवासे राष्ट्रेया हर में मेराने भित्रे कर देश देश देश हर में मेरा है। र्. लट.अ.ब्रेर.एड्अ.प्र. क्या. केट.र.बर.य. बर.क्ट.वता केट.र.बर.य. बर.सं. रे. त्रैट. घट खट या निक्र माने की हैं रे रेगा या है कि स्वार्थ हिंद की एक रेगा अपने स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्र स्थेन नाउँदान नवयादवर्षे वर्षा वर्षात्वर नाया वर्षात्रा दे वर्षे दे वर्षे दे वर्षे दे वर्षे दे वर्षे अ.र्जर. एड्रें अ.प्रा.कीया यें अ.अ.र्जर यें अ.र्यर अरवायातर शुन्दर प्रायर यायायाती वर्षा वि गार ने वर्षा देशमर्यक्रेर.स्रायवर्श्वातक्षाक्षाक्षा मास्याय र्रा राज्या में हें हैं है त्यर है लाय के कार कालवा वर है पहेंचे रे ये खेरी अक्टरतिराक्षेत्रवान्ति वर्षात्र अवाववान्त्र हत्र त्या त्येत्रवा वरवाववान्त्र भरत्र इर्यायमा मार्यायम् प्राप्तायमा द्रम् त्राया के के मार् रेंच । या में हम्की मदन या स्वाक्षर्वाक्षर्वाक्ष्याक्षरा व्यवसार स्वत्राच्या स्वत्रा द्वारा स्वत्रा द्वारा स्वत्रा स्वत्रा स्वत्रा स्वत्र तस्यान्यनार्वार्वे । १००० । १०० मेलिनान्यने स्वस्वत् वरस्वता वरस्वता । वला इत्यम्बर्यवारिक्षर्र्यं सेर्द्र्यं विविद्या स्थारे कर्द्राद्र्यते विवाद्या क्रिक्ष अंशक्तित्र्यान्त्रान्त्रान्त्र्यान्द्रम् द्रास्त्रम् द्रास्त्रीत्रित्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् मेंद्रः रापुः श्रीदेश्वापन की प्रात्मात्रा . . . . श्रीलमः वर्षेद्रः व्यविदाप्ट्याः श्री डिमराज्य में ने मुलक्षकी केल के विकास मेर तर्ह की रहा है। त्राष्ट्रियायते त्रु देशेत्रेश्च इतित्रेश्च स्थापने विषये । प्रवालिकान्त्रमा द्वरातीकात्मवाक्ष्रवाचार्द्वात्त्रम् द्रद्रद्राद्राम्त्रम् वाद्वाद्वीदावीकाकः वस्य भिषाः भक्त्याः हीरान्। हे व प्राप्ताः व प्रमान्त्रेरा हरान्याः व स्टार्स्याः व स्टार्स्याः व स्टार्स्याः करमारः त्रालान्यायातातः मुख्या मुन्द्रः भ्राया मिन्द्रः भ्राया मिन्द्रः मिन्द्रा मिन्द्रः मिन्द्रा मिन त्रीयाव चरा मार् की परास्तराता या समार्थिया थी. स्वा स्रिया हरा। स्ट्रिया स्ट्रिया वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा छर्। वर्गाः वर्गाः राम्याः रमग्रस्य स्वास्त्रम् मेर्रा देमेवास्त्रम् कर्णाव्याः हवस्यस् यासदा श्रीर राज्य स्मार्य मा किया होते जा यात्रा द्वा ति त्या यादी दे त्या यादी दे वा मा यादी दे वि स्था दे व थुन्त्री रतप्त्वचर्यत्वत्रक्षर्त्त्रार्थर्त्यर्त्वाच्ये स्ट्रियं कर्त्या देवाकर्ये णु-र्रा क्.सूत्र-मेर.र. को.इ.वलमा प्रकार क्या क्रिका क्या वस्तर क्या वस्तर क्या वस्तर क्या वस्तर क्या वस्तर क्या है। यर.स्ट. मिलाक्देवप्रचन, त. प्रथा प्रचयता म्यान मित्र मेर्ड व्यक्ष मेरे क्रिया कर है। यर के

22

र्ग्यान्त्रुम् देदलार्ग्या कराराम्बुरारादेवन्यायम्बर्ग्या इटाक्टर्व्यार्म्याः किर्वन्त्रस्थार्थ्यक्त्रस्थात्वा वासुरः। वाल्य्यस्यार्व्यक्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्याः विम्ता एकर तक्षात्वे दे हैं है से अब सुने कर वर्ष अने व विद्या है किया त्या व तर को से विद्या है। लुड़ी र.म.पर्या.यमनता.प्रयूत-पूजाक्रिया श्रीटार्ताड विर्टर पाया विराय प्राया क्रिया विराय ्यात्वक्षाच्यः स्वातः श्रीयालाश्चीरात्राशे द्रः हिद्दास्याः वास्टरं सुर्दे स्थिता हर्त्याः अर्वास्य अर्थाः स्व त्तियान्त्र विकार्त्य वर्गात् में वास्त्र देशत्र विकास विकास विकास के विकास में तिकास के विकास के वितास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विका 32 र्त्यान्त्रहरक्षेत्र वाह्मवान्याला हरावन्याला वाद्य वाद्यात्रात्याच्या अ.ब्री.इ.यू. डर.रे.तरे ख्रीयहिंदीर्थी। अस्ति व नवेशताय व नवेशताय व नवेशतास्य रात्। गर्गारा विकास क्षेत्रा रहीरामा स्रीरामा स्रीरामा का स्राह्म का का का त्यारामा का स्राह्म स्राह्म स्राह्म क्रियास्त्र द्राहरा द्राह्मेश्चर्यर वरिवाले केर्यया द्राह्मेशास्त्र क्रियास्त्र त्यात्र भू ज्ञासाला में श्री है। त्यारामा हेव अनेम इन्त्रारा महत्या सामाहिय त्या हैत त्या होता वर्माहेव वर्मा भीविद्वद्वद्वद्वत्त्र्री क्षेत्रव्यद्वत्त्र्या । व्रश्नाव क्षेत्रव्य मान्याव व्यवस्त्रव । व्यवस्त्रव व्यवस्त्र वि.च्.माइने. टरक्तवाइम् सैंबरवीं माइनी वसवत्त्यः क्वीं जात्मप्तिके माइनी केर्द्रस्ताक तायर् आहेवत्येत्। व्यासुलान्त्राण्याः अद्देत्। ।देवताः ताय्वन् कृत्या वायर् वाद्याः क्षणा कर में स्वा क्रिया के सामा है सार में हुना है। स्याह सामा है साम क्र गावस्तानेता सम्दूर्भ से मार्था वर्षा देदला देदला देदला क्र मार्था सम्दूर्भ सम्दूर्भ सम्दूर्भ रहार द्रान्तुर विरावर्षे रेरा स्रानु अरानु काकुवाह्मव तह के वाल, रेट सद्य स्व स्वर विरायुक्ष रेट्। राजाराक्षित्वास्याक्षेत्राद्वास्याक्षेत्रात् क्रेंब्लारे तायाता यात्राचन्त्राद्वा वन्त्रे हेते विभाषायायावहन राषु यार्थातीयवानुरा द्वलात्रेत्रात्तात्वत्ये स्वाह्यववात् हात्राच्यात्रात्वात्रात्वात्रात् संक्षित्रहें अलदर अलदुवाथां ने अवद्यापकेवता विभूति वे से स्वति करायात्र स्वायानाम् वस्ताना हेल्ला । हेल्ला । हेला निवायाना है अया निवायाना स्वार्थ हैं । किया है। यह कर्न पत्र क्षाक्ष्या ती तर कर किया है। विदास मान प्रतास तिया ता तर्में भूने मा क्रिंवनवामामार्थरायम् र्वायामारा राज्याहरायात् क्रिंत्यामा वहरते देश वहरत्या कर क्षेत्र है। में तु अष्टिम् के देश है। के देश है। के तु अष्टिम के देश है। के ति अष्टिम के ति के देश है। पद्रताश्ची श्रीराक्षेत्राक्ष्याक्षी हेवराक्षात्री हैलाड्यावा हैलाड्यावा हैलाड्यावा हैलाटवा श्रीराक्षेत्रा र पहेंब्या भ्राप्य विभावतितार्थः करकेवत् विदेशास्त्र विदेशास्त्र । विदेशास्त्र । विदेशास्त्र विभावति विदेशास्त्र

विभाग्रेग्रहर प्रमुप्तां स्था प्राप्तां स्था मार्थ मार्थ न्या मार्थ मार्थ प्राप्तां मार्थ मार्य

नरेव पर थे भेला रहा हैं। त्या मान के हिंद के लिया मान मान के लिया मान मान के लिया मान के लिया मान मान प्रदेश देत कात्रेश में त्राम्या वेश लट वस्त्र वस्त्र वस्त्र व विकाय विकाय विकाय विकाय वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष ड़िर.क्.रव.सूर.ज्यात्रव, इरव. श्रद्भातात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्ष दर्भात्तीता । व्यवश्यति संभाता का एवव वर्षेत्र भी वर्षित सदमार्थों क्यूनाहिरीय में सामायात्रातात्री कालकाजातात्र्रीर हेरी कालकाजा लन्तरः मेदनः भ शुः अक्रिकेन गुरः सूर्यः सं वर्यतः क्रद्रलायः सुः से क्रिके क्रिकालः मकः। सरः सर्के में शिर के बे बे बा में ये के के बे बा ला करें। यर सर्वे र केर विस्त विस्त विस्त विस्त विस्त विस्त विस्त नाथरं वर्वा व्वत्रक्ति के के के के के किर विश्व के विश्व वर्गर्ना रियम्ब्र । रेयम्ब्र्स्या स्थान्य म्यून्ये क्रिया तर्वे क्षेत्रकर तर्व वर्षेत्रकर तर्व द्वालाभेदा हिंदानेलाकेवाश्वारेतलायदान्यता हा विदानेला वार् मूर्त्र्रिणकी लद्रम् देनिश्चात्र्रिक्षात्र्रे व्यापायम् ला ग्राम्य वर्षेत्रवादरमाराक्षेत्रातात्व । । धानेत्राच हत्यायक्षेत्रमाराक्ष्यात्वा र्यान्यायदार्द्धाः गादाः हेक्यायदेवनातद्द्द्दाः मात्रम् क्रियायदेवन वसार्थाः गुराशित्रितः तर्मेणदरम् म्याप्ताः त्यावम्यवस्य द्वायात्यस्य सेत् एड्स श्रीटाश्रदकुशक्क पार्टा का अवए एक्स केंद्र श्री राज्य मार एक्स केंद्र श्री वर्गर्त्यारेत् गुरावाक्षायातरावरावर्गा वे विवर्त्ता मात्रा महास्त्रीरा रवदके रहा र रंद्री र्वट्सुश्यक्वाश्चिम्यक्ति। वेद्राक्त्यक्ता क्रियविस्य द्राप्ति। सर-देश्य-सूर-धिर-अर्वेश्यक्ते जय-वयरक्तरत्तः ववर्याः वी रूक्षेत्रः अर्थः भेषे त्यव्याता सेर्ययेश्वरयार् छोक्ष्यायाः . शुक्रम्यायायारे वक्षार् द्रायाया

20

क्टीला अर्थ में अक्षरी रंटवारंटा है। अर्थर करा मा श्री में बिया ता वहाय केंद्र ता देते देवा वा सम्बर्ध था की क्षित्र भागा वाताकु कुत्रमा सर्वत्वर् क्षिरे ने क्षिर त्या वस्त्र वस्त्र वस्त्र त्या वस्त्र वस्त्र वस्त्र त्या त्यवः भर्यदे नाम्भः नाह्यः मह्यः । भवः त्रः भवः त्रेवः त्रामः नामः । नामः नामः । मानः नामः । स्ति वार्षात्या स्ति वार्षात्या स्ति वार्षात्या स्ति वार्षात्या वार्षात्यात्या वयमान्यावयामान्यम् हिर्हिर्द्यार हेर्द्रायर हेर्द्रायर हेर्द्रायर हेर्द्रायर हेर्द्रायर हेर्द्रायर हेर्द्रायर देशाधिव। दरातायदुरादवान्नायादायायदा देवदायदान्नेवारवातायादादालायदा भीता भीदान्नाता त्रु गर्दरवाहिद्या । भूत्रत्यार्या कुलात् कार्याक्षात्रा दान्त्र स्वत्रात्रा प्राचित्र कींद्रा द्वेशकरावसवादाम्यवादा राम्यात्राचा विष्या केश वेरावायावसव यरिवयम्भमन्त्र। द्रिवयभागेद्रवम्भवदितम्ब्राधर्यदिन्द्रवाद्यदिन्द्यदिन्द्रवाद्यदिन्द्यदिन खिराया की विता रहेता वित्राय मारा यहका धरिर हो मात्रा रहे ही मात्री स्थर की निविधिवान वास्ति स्वारिक स् ा भरम्यत्र ध्रिकेत्व विक्रिकेता केर हैराया विकास स्थान स्था ुमेबाबर्टात रहे द्राविश्वर्त्ता वार्षात्रा । यरायरावी रसेटारम्बावरायायायायाया अवर्गाता इ.डेबालाप उत्पर्धाता कु अ बिबार्टर अव जाता है। जार्वा एक्षेत्राका कर्तर ही अववार्टर अववार्टर अववार्टर भवन्त्रभवभादरः। वाद्रमाने क्रांनाप्रमाप्रमा के स्थापरि वार्यर तहाः हिरामास्या के द्रानास्य हिरामास्य स्चानाकी मु रका रामाला र रामेराला पुरता है वारा के स्वार है ये प्रति है। सु शामा के से शिर मेरा अत्यातातारार ताम् रेरानाया सुवता कुतावक्ष मक्ते मक्ते तातात्र है सेमर क्या ह । यह . तम्वायि श्रिवरे या एड वर्षेया वरका में प्रत्या के वर्षेत्र में प्रत्या के वर्षेत्र के वर्षेत् एरे याद्भागाया वेशा वर्षारक्षेत्रा वर्षारक्षेत्राच्या याद्राद्राच्या व्याद्राद्राच्या वर्षेद्र्ये. एक र कुर्या राजा के प्रश्नित हैं ने पर्य के स्थान के स्थान है से पर्य प्रश्नित किया है। राश्चात्रा साधातक्रमाम्बद्धावयात्रसावता सादरम्यत्यात्रम् हेर्द्वास्या 521811 ह्युत्वरे ह्यू रं भानेतान का का का का का कारायान हो हा का निवास का निवास का निवास का निवास का निवास का निवास का ही मुंभते मृत्युय द्याद्दा विय वदाम्भानामामा न्याद्दा नहीया वदा समाया है द र्व सर्वावया मिल्किन्द्रान्त्रात्वर्थाः देकेश्चायोष्ट्रेभकेर्द्रिया देख्यार्वनात्वराष्ट्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्

त्रात्रा प्रति स्व विकास के स्व विकास के स्व के स्

श्रुवात्तर्भात्वभावभावतः स्रीवनः वर्षात्तेत्र । सद्याः अत्यास्त्रः वर्षात्वर्षाः स्रोतः । स्रुवाताः व्याप्ताः वर्षाः वर्

हिनानिदक्तायरि सुस्यारे भेरतिर्द्य तर्दर्य तर्दर्य स्थानिक वित्राम्य । या बेरा वक्ष हव वनवे पर्यर देवर देवर इर भूर हव वनवे यार देव अर बेरा वि हव वनवे या ११ श्व ? वेद् यविवा क्रिक्टरनुदालुका एक्टरक्रिकात्रकातात्रका मान्यात्रका मान्यात्रका क्रिक्ता क्रिका क्रिका क्रिका गरित्रियालकी व्याम्बर्धित्रियामक्षिया वर्षेत्रियानिक विद्यारि । ददक्षां मुख्यातः दयवाववाद्यवादेशा सेर्वा वहा वदाववभाभरा थर हे मुक्त मित्रे, प्रतेश हर एड १६६ १ विषा दर के ब्राह्म द्रश्यायाये । तिन्धानुहारे वाचर स्वाप्ता है। स्वाद्यातक्रयातात्वारायात्वातात् यां मान्यस्थितं ध्रित्रकृत्यम् । यदावर्षः हेरत् प्रतेत्ताताताता । वादाववुववावायस्यूते या मगानया तहा तहार्यहार मेर्द्र केल के कृता दूर विद्यान यदि अप केरवण सुपरि स्तिमार्यात्रिक्ता यामवाविषयायात्र्रात्त्रं रत्त्रं स्त्रात्रा वाम्यः विषयात्या नित्रित्विद्यं अद्भावतिकाराक्षेद्र्यं द्वाराद्यं नासम् वास्त्राच्या वास्त्राच्या वास्त्राच्या वर्गाय: स्वारं में वार्षिताराता वार्षित्रायात् वार्षित्रायाः वार्षित्रायाः वार्षित्रायाः वार्षित्रायाः वार्षित रवरास्त्रिया अस्यापासुः हेवायापास्त्रात्या साञ्चरारेवाकेवादरासुः वासवा स्वायापाधेवः ुर्धन्तर्। ववान्तरास्त्राः रेग्रेन्क्रेस्क्रेश्क्रेश्क्रेर्यान्त्रा भरेवार्यात्रक्षेत्रवाराभवाराः स्थिति हिल्दात विवास कर्मा देश में मेर्ट्स अकर्त माना कर कर कर कर कर के किया देश विवास साहित्यातार्दः वर्दर्श्वेवर्धतातातान्त्राद्वाकात् यत्रम् वर्षातातात्त्राद्वाकात्त्रात्तात् त्तर् क्षेत्रीराता वरातर् क्याराकुणद्राता वरावर् क्षेत्रिक्तारावाळ्या कर. ट्याला व. की. दिया दि हिटारट ट्रेरवा हुया हे द्रावा है। इस्तेय वे वाव वा वहिया गाला स्था र्जियुर्क्यमान्त्रियादारादादादादा में इ.श्राद्यमानेयाद्वाद सुशुर्वायनेयानुक में कुव.र्.रदावाड्वाहादादा वायरवे.वायायद्वात्रायद्ववाक्षर्रदादात् वावनाव्राद्वायायवा हिन् राद्विव दावाल्यकराह्नर वर्षात्रे विवयत्त्रिय हिन्द्रे स्विवयात्त्रिया यान् श्री त्रायातात्तर्तिरायान् क्रायद्वन्त्रवातात्त्रित्राय्या व्यवावित्रत्त्राह्मा व। द्वार्त्,र्वावी द्वाराहरू दिराईवा स्वीर्ट्या हे हरा है हर कर लिए से प्रदेश रक्षश्रह ये. दक्षश्रह ये. दक्ष नीर अध्य । जिर सेयार ति से या किर या हैया रताय किर रत पार के या किर अधिया भर्यायस्यान्त्रान्यान्यात्रात्त्रम्।यामकी कर्तात्त्र देहेत् वयात्यात्याक्री मते भी मानुभाषाद् हुराद्वा द्यवायां स्वानक्ष्या स्व ते ते माने मानद्या स्व व सेन ४०५:

का.धि.काबाकूणतेव चिंगावंत्वीतरेतरःकरः पूर्े एर्डेब.वंत्राचा तावः देवे परश्चात्तर

×31

(301)

त्यवानेदः इवः यदे वे नहे । यद्वत्र दुर्द्द्रात्या दे र विक् मित्र दे विक् ताला द्रत्यक्ष्यां सेंद्रवर्देश केंद्रा करार हार है। इस केंद्रवर हार हा से क्षेत्रा प्रमान क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र लगाक्षेत्रालवी दरातक्षित्रत्रात्रवात्त्वतः क्षात् अस्त्रवास्यास्य AU. 291. Bald. 29. Will : C. E. St. 22. MAN D. 201. 12. \* L. 750. 2. B. Bal. 21 1. Ba. ल्। वर्र्यवात्राक्षात्रवात्रकृत्याः स्वाध्यार्तात्रव्यस्येर्वेत्रवित्रवित्रवित्रवात्रात्रात्रा अर्थत्त्री अक्टुन्हें द ं ं विवयत्त्रेरी प्वीयत्त्रा दर्शाः विवास्त्री दरायास्त्रवास्त्र रदःक्षाःश्चितं कूर्तानानु क्रव्यात्रान्त्रात्तान्त्रां वाष्ट्रभाताक्ष्णेवा रियायवनःश्वी विर्धतः स्ति। धरकुरायकुरायर् लाया कूराकिताये नेर्यायायहर्यातास्य विस्तर् विस्तर् विस्तर् लुन। सूर.पिया.मे.पडीरं नापुंत्रातालाला विक्त्याच्या.जया.स्रेर. द्या.लुन। वाल्यरायाला म्। एवरं सूरी एवंवतं वर्षे का वर्ष्यां सूर्या है वा वर्षे राष्ट्री सुरी के वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व स्रित्रातात्रेशस्रित्तात्री वि.इ.वि.स्याला स्रित्रात्री स्रियात्री स्रियात्री द्वार्थितात्री द्वार्थितात्री द्वार्थितात्री द्यतःवहवादेःवःवदुदःदरःवद्। वहुर्केव्कुवाविःवर्रःद्रा मःयद्। ववुवार्क्वविवायवः अक्षान्यर्द्यव्यायेर्धिरास्त्र हिर्द्र र्यत्यु तथा द्वार्य विष्यु व विष्यु व विष्यु व विष्यु व विष्यु व विष्यु भ्रामित्राः सूरी वरः उदर सूर्यात्राः भाषा वर्षः वर्षः क्षेत्र वर्षेत्रः स्त्रीयः प्रति हत्। क्षेत्र वर्षः यति श्रीर यदे श्रीद दर्ग द्वायवत्वा कु श्री ता स्वत्रा राजातः के यह यह श्री वात्या वर्षेत्र जानी न्याव स्वाप्त मिना मिना ता कर के वे ना बिर तव या से राव राकर मिन स्वाप्त या. प्रदा अद्दर्शन मान्या विश्व द्या विश्व व म् सूरी अद्दर्श्वास यानी में ह्या प्रधिता भर्षः भूषा भर्षः भूषा भाषा भूरी याती.के. प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति । विवाधिकार्त्ते प्रमानु विवाल । विवालिय के देश प्राप्ति विवाल छो.चेर.सेयायाका.चेर.येचा श्रीर.रिय.श्रेमपायारे सिरावल्या । 1 3 × 31 = 5× 1/2 क्राज्यान्त्री, क्षेत्रवाताः । त्रेश्राथ्याच्यान्त्रात्री, व्याप्ताः भू.वेर.दे.रर.जरम.पे. मै.च.दंकी व्यूवतप्रकृ.वर्द्धरंतरा लुव.लुव.भावतामद्या यी यार्थात्राद्धर्याद्धरः। रश्या त्रार्धरताता के कैंवार्वा योजना नरा त्रार्थाता क्र्याताश्चरी सेराजारह्,विगतर्यस्त्रेत्त्रत्त्वा रवा.व्यार्ट्राविवात्त्वता प्रविभार्याता रदः एहें दूर देवा वा कक्षिकी देवा वा या मेर बेर केर ही पहें से र हर वा व्या 

य दार्था स्था में व स्था में या में या में या में या में या में में या म क्रूटर्ड्रिक्ट्रिक त्रेया.म.केयो.बर्ट्रावेल्.१.. ट्रह्रद्राज्ञात्रेरात् क्रिम्रेयात्रुर्वात्रेयात्रे स्था वेजाअवयुं-रदाअदरम्या वयापासूव् स्वीवार्त्याक्षेत्र होवाक्षेत्र होवाक्षेत्र होवाक्षेत्र विकास पहन्न श्रीर हिंतु के अ वर्षेर जाय । दराय देवा मूर्र र र र राजे । देववा स्वर र व्यूते हेवा स इर्.सं. र्यारम्दअपदारावर्षायर प्राच्याया भवा द्रांचे अभवता द्रांचे विकानिर 一色まで चाल्यात्त्वेत्रभारत् चाम्भास्त्रभ्यात्रभ्यत्तेत्त् । सक्तरक्रक्रवात्रभारत्ति रावतः मिस्त्रिरामविष्य्यार्थात् स्राप्तिया स्रापतिया स्रापतिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्रापतिया स् ्यम्। १४ वर्षाः स्तर्ताः तर्वित्वरात्यायम् स्वयायायम् मान्यस्यायायम् वर्षाः \* स्यामकः यात्रयः तर्येत्रः तर्यात्रः देरः सरः दुवाक्येः दरः याः वा चुरः कुषार्यते वासुरादे आवावायः ्ः वृत्राः वर्ष्वाः यरे वाक मार् कार्याः वाला कार्यं वाला के व म्यावम्ब्रायरीयवर्गदानम्भरात्। नायवर्षायात्वाम्यानम्पात्रा वश्त्रायात्रावात्राचार्यात्राचा विवयमभायात्र्यात्राचात्राच्या अस्त्रादास्त वर्द्रमाध्या स्ट्राटकवाङ । योद्रभर्व्या । विवर्षे द्वायस्ट्रमः की वार्द्रवर्षे श्र.मंक्रेलक्षेत्रं रात्रादा । सायर् सेराल्या क्षेत्राल्या क्षेत्राच्या मक्क्षे ्रमक्त्रमम् रूप् मुक्त्रम् बेरम् प्राप्ता साम्प्राप्ता साम्प्राप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता साम्प्राप्ता साम्प्रापता साम्प्राप्ता साम्प्रापता साम्प्राप्ता साम्प्राप्ता साम्प्राप्ता साम्प्राप्ता साम्प् विकान्तर राज्य व्यानासम्बद्धान्यस्य स्वर्तिकार्यः हिन्दिन्द्रे व्याद्वर्त्तरः पर्तिन क्षेत्रकारे तक्षेत्रकार्या निया का राष्ट्रिक्सि क्षेत्रकार में क्षेत्रकार में क्षेत्रकार में क्षेत्रकार चारपार्शित के वर्ष प्राचित्रिया के कार्या प्राचीय विद्याले के ब्राचीया के वर्ष के व्यापार वर्षे सं.ला. ७ र.ए. ११ . . . . चे अ. अराय अ. य के अपर रे. य के अ. रे र्य के रे ये ये अ. रे रे वे अ. य के अ <sup>1</sup> मिलेश ? भ्र किरश्चेयामर्प्रद्रक क्रिया र प्रत्या र प्रत्या मार् प्रमान वर्षा में में में में प्राप्त मार्थ में में प्राप्त में प्रतरमार्था ववरत्वक्षात्रमात्रीतर्थः वे विवर्तः क्षेत्रं र्याराण्डला वर्षेट्रक्षियाव इत्रमालक्षा विजयहण्यात् व क्या विभयाविद्यवद्यद्रवस्य विश + = 3 = · हैं वह का कार अर अर में में बा तथा है है। वर्ष हैं स्था देश में हैं ताम आहें। देर बस आ में बेश पुर लिर पा अर । स्वार्यरावरे व्यतः स्वराद्वावादि वर्वे देवान्द्रीव क्रूर चेरव वायर स्वार्धिक की वायान्त्र वाया र्यत्वर्राद्रम्भद्रर्तरक्ष्याताः वस्वत्यत्रिष्वयार्रावयार्र्वायात्यार् 9 343! कर्णाहर क्यारता. यू.मूर.रत्त्वाकुत्रायकीरकर. ए वेच.रा.ग्रूर.ता.योव:प्या.रूर. मे.सूर.कीर.प्रिक्याया. लूर.क्रेर.क्रर. क्रियाता.लर.त.पंत्त-त. अरर्वाश्वाती.क्षेत्र. व्याप्तिता.

द्यतःबहुद्विक् द्वरायश्वम् । केंग्याश्यारम्थितः केंद्वरायश्यारम्थितः केंद्वरायश्या श्रदशाम्बर्दरशालहाः त्रा रागोरामाव स्टारकाः दास्रव आस्त्राद्धाः तर्गा वन इट्याया द्वावन स्मित्राच्या व्यवमाया व्यवमाया व्यवस्था श्रीदम्बे ह्यामात्मावविव । हेमानेरहरादमात्मारमात्मा रेप्ति वा वार्मा वरदेर ष्ठानिरात्मकात्रात् रदाया सामरा वावभाकेरियारायाका ना वायरात्रा मि.च.आवे. राजावेशका में प्रधाना प्रधान प्रधान मार्थित प्रधान प्रधान द्याताश्रक्षरं म्यात्रमाश्रहेतं वाहेवत्वच्यात्रात्तात् स्यात्रात्तात् व्यात्रात्तात् व्यात्रात्तात् व्यात्रात्ता तर दिन दिन महत्त्वा अत्वक्षात्रः द्रिया क्रिया प्राप्त त्रिया रिया गर्दराय्यं में हार्दर दारायायाया है। हार्य नव याद्यम्य से इराद्वार्थन्यते द्वान्यः अञ्चलास्वायत्वाराः काम्यक्रेवास्त्रास्य महाना अराष्ट्रपात्र । तर्पतिवा क्रिकाक्षा मार्थित स्थाप लेथी केवाकर पर सेरालेथी वालेर्स्वाव वाला मुकायते दुवा वानाः नेररापरान्त्राधेन। सेरापरान्ताः ह्वाधिरेत्रा सूत् यदतःश्चितातर्वातः । इसाथवावेवाक्षः है। त्याः । केरियाष्ट्रात्याः ्र स्राप्तः वात्रभवावन्त्राव वार्ववार्ववार्याच्या देशास्य निर्मात्रः विद्यारः डिम.की करावडियात। पर्यामा वर्षा कर्या हार करा पर्यामा वाम्भाव वर्षे पर क्या माया मेरा मुकार् अद्राध्यायभर् सुरायार । द्यम्भर् धाराया विश्वास्य क्षाया तर्य क्षाया यल अत्य कर् निया विकार कर विरमित जिल्ला की मिल मेरी क्षेत्रमण की मिल कर मेर में र्स्टिंग्या क्रुपान्निक्तान्त्रा अस्ट्रायानेत्। येभणाभक्तान्त्रायान्य वर्गात्य वर्गात्य वर्गात्य येशनास्त्राणाः भारत्यात्रमः दर्दरभ्रम्। तर्मात्रमः हेश्यात्रमः हिरम् अत्रात्रायायम् स्वरात्रमः द्वाराज्ञरी यदः शुभन्द्वात् वावता तावारा वाष्ट्रभारता तावारा वाष्ट्रभावत् । विद्यार्थित वाष्ट्रभावतः वाष्ट्रभ यथियाक्षेत्रभक्तिवरक्षित् रताराष्ट्रकेष्मभागात्राच्याः क्षेत्राक्षेत्रभागात्र्रणः

ल्याः नर्पात्मित्तरित्तिः हरा तथ्ये। देश्रीकामाम् सार्थाः यो ने से तम् तर्पात्मा (A) एड्नाराज्य । पद्याः क्रूट प्रेरवरि प्रायम् । द्वियम् राष्ट्रर क्रियम् । विराहर अरे でが र्यतः निष्यार्वे वार्यवार्वे वार्या वार्या द्वार्या कार्या वार्या वार्या कार्या वार्या , ह्यान क्रिया प्रकास के प्राप्त का क्रिया प्रकास के प्राप्त के प्रकास के प्राप्त के प्रकास के प्रक्त के प्रकास के दे ने मार्ग्य ने मार्गिय विश्वार व्या मान्य दे मार्गि के मार्गित के मार्गिय क ७ हो र ·夏季. Scame as देशक्षेत्रस्तात्ववायरः प्रवाशनार्धातातातातातात्वारेना विवाहराता ह्यार प्रवेति द्वार् ध्वारेना में मार्थन ने मार्थन के ते स्रान्ति । दरद्वाया मार्थन विष्ट्र दे हैं दे द्वार मार्थ हैं से विष्ट विष्ट । विराट्ट हैं म् रेवेरेर्याः विर्मेश्वरं भर्षरमा उर्धे राष्ट्रं रत्र देते र कराया स्वीता । "से र्मेश्वरात्र क्रियर् दायन्त्रा याद्र रार् देरे द्रा द्रा प्रवायक्षिरा के सांध्या क्षेत्र हे ने सांध्या 10 ब्रेंग्स "अत्वेष्य नदातालद्भे वर्षित्य प्रमान्य क्षेत्र । प्रमान्य क्षेत्र प्रमान्य क्षेत्र क् in a pass य निम्दारिति । निर्देशका मिल्या मिल्या मिल्या मिल्या मिल्या देश देश देश देश देश देश हैं से महास्त्री त ,3 rost वयम्बर्स्य वस्यतं वहमायम् वर्षे देशायने देशायने स्थानित हो स्तर्भा मिनातालान्यान्त असातान्तातात्तात्तात्तात् स्वान्त्रम्यम् मानान्त्रम् . 7 अग्ला नियामहर मिर्द्रिया देवार देवार है। या गार के शिक्ष मिर मिर ब्रिया द्रापर पर वर्ष । वर्ष कर्षर मार्चिय विषय सम्म 10 किया मूर्या देशाया तमम। टास्रेस्मयास्य ब्रह्मदेशानेत्र। इर्विन्त्रे मा वायायाय देवता देवता देवता देवता है 17 mag ; रदायाः भिन्नि द्वाक्ष्रिया क्रावस्थान्यमा श्रीराता हरायाते। द्यावादेवा भारा अताकृत Menge entring में अर क्षेत्र निका नकरी हैर कु बाल कु याने तत्त्वी । रिका क्षेत्र कार सिका कि की कार कारा में तिका हिंकी वार कि की क वरास्त्रः स्वाद्यते के त्युत्तात् । वासकेवातः व्यत्यत्यात् स्वात् हर्भावायाः भवावनाताः रात्री रवकात्रा वारवरवारकात। रमवारुवासीर रमार हिरायाक्रव। यासीर सिवास सर हत्त्व में अक्ष्रिवर्ग संग्रामकारा वर्षेत्र भारत्येत मान्येत में क्ष्रिक्ष मान्येत यनवर्यात्री र्द्रिर्वाण्याक्षेत्राक्षेत्रात्री हामावराश्चितात्रीहर्यावविवर्ण्या ।वास. यूर. हुने. त्.चवा. प. वर्षा वया. पर्वा पर्वा पर्वा विका पर्दे व पर्दे व पा से दे हिंदे शु. या स्थिव करें प.

थीव। र्युर्देशक्रदेशक्रिक्रियो विद्यायतेमानम्हेर्न्यार्द्रामिला कर्वाक्षेत्रेदे व्यवन् म् रेव भेग वर्षा वर्षा वर्षा वर वर वर वर वर कर कर कर वर वर वर वर वर्षा वर्षा ने रे वर्षा भर्द्र वर मुरास्य विद्या विद्य न् । इरम् ब्रायम् वन्त्रयायो हर्द्य व्यक्त स्वायम् यांचा अस्तर्महें भावत्वस्याधेव। कर्रात्रात्रात्र के निवादगार ने मुंभाकर स्वते लाभामिन। वर्षवया वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या । वर्ष्या वर्ष्या द्वाराम्या । वासवीयार्गाहर तिकास्य र्यार स्तार ते स्वार राष्ट्र कर वसवायाः यहर यहर यहर यहर यानवाचेत्। में श्रीरारुवासव्यवस्यवस्यवस्यवस्य विस्तान्त्रात्रात्त्रात् स्रात्मवा केन्द्री क्रि.च.द्र.अर्घरक्षेत्रा रंगएकि.च.द्रथंत्रवाद्र्य कुलावय्त्रेत् कुलावयः विराहः रिवार के नाम निर्धिक कर में बार के रिवार के रिवा में का निया केरे ने ना योहर । हर्रहर यह मार्य में राहर तिया के मार्थ हर्ष में मार्थ में राहर प्राप्त कर केर के मार्थ में राया है। विश्व के मार्थ में राया म राम्यान्त्र मान्याः विद्यात् । विद्यात् मार्टासालकार्य विकास मार्थित है। विकास मार्थित है। विकास मार्थित मार निया भरे स्वाद्भारता अवादित स्वाद्भारता क्षाव्या हरा द्युराधित ने रहाद्वादत मूर्यानियाश वसार्वता के शिर्यप्रत्येत्र विकासका विकासका विकास विका रर्भातात्रकार्यात्रकार्यात्रम् इति हिस्सा वरास्त्रिया राजात्रम् दिस्सा पक्रा तिर्द्धतिविज्ञातात्वर्गे विष्णकृतिक्षियां मृत्यात्रात्तेत् । अवार्षियाव्यत्तेत् र्गाराक्ट्रेबायावा न्यक्रेयर्वेबाक्ष्यायावा क्रियाच्या विष्याचे द्वार्यदावाया कार्याचेत्रदर चेरादेवद्वद्याचेद्र द्यलकुः करीत्यात्रवायाद्वद्वया स्वत्यावर पद्मात्रेव मार् क्षेत्रमान् म्यो म्यो विष्णर पार्श्या स्था विष्ण हिल मारुवामां ने ले हरद्यद्य न स्रा के.क् बेबाल.ज. पर्तरहर, मृ.वर.१. व सव ताज, बेबाल, बेबाल के माने र बी. पर जिर धरना अप्राध्यात्रात्री। श्रिष्ठाताष्ठाताष्ठाताष्ट्रात्रातात्वात्रात् IIm

ارس

Time र नेरावाचा हैवासवाचा में किया के स्वापका नेरा ने किया के राजा के राजा के राजा के राजा के राजा के स्वापका निर्माण के स्वापका निर्मण के स्वापका निर वार्यात्रात्रात्रात् विवास्य वार्षात्रेरायायक्षेत्र्यावा रहेतास्य वाक्रात्वेवसामहरू िन्दर्द नेया नेया रेवा रेवा रेवा रेवा रेवा नेया नेया नेया नेया नाया उर्दे याताक्षेत्रात्तरत्वेव। यावान्यात्रात्रक्षात्रः वेते। क्वाचातार्त्तेत्रकार्ज्यात्रात्रात्रात् र्वित्य स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या हिता स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वति । = स्वत्यके रेनर.त्.येत्री अ.पर्.अ.इ.जयाज्याज्याच्या स.लेखाकेयावरात्राज्य. रूरी र.रेर. स्त्रिक्त द्रामान्यान न्यान न्यान न्यान्यान्या क्रिक्टरम्यान्या द्रामान्यान्या न्यान्यान्या र्ने निवर्गिया है। राज्य में निवास म त्य शास्त्रभागाये मध्यम् कुरायति या । विकास विकास विद्यानमा विद्यानमा विद्यानमा विद्यानमा विद्यानमा विद्यानमा पिक्रिक्त में में में विविध्याम् विस्वा विस्व विस्वा विस्व ्याद्भाम् कृत्या । विश्व राष्ट्रम् । विश्व राष्ट्रम् स्थार दुर्म जिया दु या अभराया सं के थे दि ता के अरायर वर परिवा क्रिका अव । करम्याः त्राम्यायायायाः यद्यायायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः 'अवह व सहस्रायकार्त्युं राज्यकार्त्यात्रां । ताल्यं क्रियं स्थान्यर्वास्यात्रां यात्वराचित्वरक्षिणात्यात्रामात्र्या । । । । । । । । । । । । । वर्षा वरिया पराया । । । वर्षा 1690 ११ े कुरायायी लुवार्स्य अरस्य अरस्य अरस्य मार्थिय त्नारहित्रहाआतंत्रर तेचा स्टेर्ल (अपनान) । । न्यारितेमकेत्रायामकन्यूनाया ख स्वयद्यंत्रेयाः सहदर्या राजातातः हेर्यानक्ट्रिं से राज्यः पात्रवित्रवारा स्वर्धिता तार सिक्शिहराम्यात्रमात्र वर सिद्धार्यात्रमा मुद्देव वर रिम् वर्वेबाम्यास् वामवादर्वे । इर्वरे बहुभर हिवादिक रर् एए हर्ष रक्ष्य के बनेस तर्का या तर्म वा ता है बहुर एके था। ्रे हरायार्थविक्तां हा हा द्वाप्ति व्यापातां ध्वाप्त्व व्यापातां ध्वाप्त्व व्यापातां प्राप्ति । क् त्यालाका प्रवादिव हिला केंद्रकृत्तात हा क्षित दिवार करण कार्य काराश कार्याविक ।-लर्द्य्यस्त्रकेव्यवनर ्व तकक् बहुबाक्रावव ात्यावाद्यांक्रियः क्षरायाद्री ार्नामव मुख्या महरवाहर हेवा विस्ते शुराकर वाहर मुख्ये पान करिते विभावन न ्वहेवरारं वातर्के हेवरारं कार्य अर्थे अर्थेवातर वेवस हेर्यत हुवर्ध वादव हेक्यारं रा र्वाष्ट्रवयाने तात्रकेष्ठवयाने वा राजा किरहे वा हा । नमानवव वाह्रवता वव देवाया दे ्रां ग्रां अर्भवावता कराता प्रदान पर्देव या स्वास्ट्रिक्स अस्ट्राची में अट्रावति वेते. यद्यालाभ्या : हिंबी = कर्त्यालया देंग चराम्रेर वद्दलास्याम प्राथ स्था म्बाह्य स्थायम स्थायम स्थायम् विकारत्याम् स्थायम् म्यायम् स्थायम् स्यायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्या

याम्बर्भायास्यान् वीवारद्यायारे न्यां भारतः हित्रव्यक्षद्यदर्दु स्राया तयरया हमाला द्रावत हो किरवरणाहुता दे किय है रायत माला सेवा से काना वा तव द्वार्यम्पर्यात्रायद्वाद्वाः यावादवाक्ष्मेक्ष्यावकवाक्ष्यंस्व । सरद्युवाद्वरवनवा रा अलानिक क्रिया में में मार्टिय पर कार्या क्षेत्र क्षेत् म् भारताम् द्राह्म द्राह्म के महामान क्षेत्र के महामान के महान के महामान के महाम के महामान के महाम के महामान के महाम के महामान के महाम के महामान के महाम के महामान के की ।श्राद्धालाक्ष्राचार्यक विकास कर्षा के विकास करिया है वह कर्षात मानुस्रकाल व्याप्ते विकास कर्णा विकास में स्वर्ण हरणाया प्रदेश है। अविके यात्रम्भ महिल्यास्य विवासम्मित्रे विवास द्र मान्यास्य विवासित्रे र्वार गरामा कर्णे के त्रा राजा हात्य सार्थात । राजा क्षा वा वा माने का वा वा माने का वा राजा माने का नि संगत्रहेरिकंदरराज् = म्यामावरायक्त्रेत्रहेरकंदन्त्रवा = नाराया महादाराया सर क्षेयतरे तामहन्त्रात्वयम् हर्मा ११-१८ लागररमर सम्मायुम्ये भेरहरूना , एवास्त्राभरता रदरवद्य व. ेवार क्षेत्राच्याचारा सेवाराभरत प्रम्या राष्ट्री सेवाभरत. WERNAMORY TEXMONERS STANDY TO SERVICE ONLY THE WAR वाहर स्थापति । प्रति । वाहरी म्यारी र पश्ची म्यार्क म्यार्क म्यार्क म्यार्क म्यार्क म्यार्क वर्ष अर्थित प्रवासाय म्यार्क स्वर्धित स्वर्येत स्वर्धित स्वर्धित स्वर्येत स्वर्येत स्वर्येत स्वर्येत स्वर्येत स्वर्येत स्वर्येत में हरा त्रें अध्येत में त्या ता त्रें में यह में यह राव के ते विश्व में में में तर रहा भेवा त्री के अध्याम पर्तिनार्रें देवभाराता चमव के ता चमर क्षित्र राष्ट्र च्राह्म वास्त्र के सम्मूचाकूत हुर र्युर्स. नात्मका दिवानाकात्मारमारविद्यातात्मेरहृद्वावानवः दिविद्यार मूर्याताः मेदायाः सानाविद्याः । र्वाक्षेत्रामकी मानवाम विदानिवास स्वापन कर्मित्र के क्षेत्र स्वापनी महाराष्ट्र वाने वाने । बर्गने स्वाय सेवाय सेवाय सेवा रहेता सेर रे केवाय से श्चरत्रका नामन्दरविवद्भवाता विवासकारियात्ता स्वास्त्रकार स्वास्त्रकार विवासकार विवास म् भारतियानी मृत्यान्त्र । स्ट्रिंग मृत्यान्त्र । स्ट्रिंग मृत्यान्त्र । स्ट्रिंग मृत्यान्त्र । स्ट्रिंग मृत्या स्ट्रिंग न्यान्यायात्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या

در کاران

120 できないないないというないというないことは、これには、日本のはないないないとうないという。 में स्था त्यं यान्यामा व्रद्धिक भीदावाकोदी मान मित्रांका तर्वाकी भाषा व्रद्धा देवीयान देवता व्यवाहिती ्रवयार्वा र परवारायप्रधारभराद्यात्वर वस्त्रेमायास्यस्त्रेत्व । रहत्र्यभाभावत् त्युवा प्रमा ्रात्रा प्रेस्त स्थान के प्रतिक स्थान है वस्ते यात तह है । स्थान है वस्ते यात तह है । स्थान है वस्ते यात विकास るとなるとはには、これには、まないとは、はないなのであるといれば、これをあれるので न्येसविद् ना न्याप्त कर्ण प्राप्त नेता निर्मा निर्मा कर्णा है। यह प्राप्त कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण क 大学一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个 एर्डिस्कृत्वीत्वरकार्तः एड त्या द्वारा पर दर्जिस्ट्रिस्क्री अञ्चेवत्वा द्वार वर भाग गर्ने । प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति वा द्वारा माने प्राप्ति विकास माने प्राप्ति । केव क्री. जारमा देश नारकर जुन क्रिया गार समा वि. हर महिर खू त्या जारमा द्विस्याचित्राभावरात्री महरता व्यवपानस्य विद्या व्याप वर्षास्यात्राभावरः होने या प्याने ले हर अरहर । अवने से ने ने र १६९० ११ १० १६ १०० इर्ड्गायाहराय नेत्रामा (अरामार्) विश्वीतित्रमा । त ही खेत्रा जरमा र देशायेचा न केंद्र प्रविचा कुर बारे आज्ञा अंदर्ग मा पर ही ता है। हरायाद्वारा हार के अंबिहर्मित । तालिंदाना छात्य वार्का वार्षिय द्वार्ति वार्षिय वार्षिय वार्षिय स्वार्षिय वार्षिय यम् विभादी यर विभाव कर्म स्टाइन पर स्टाइन पर स्टाइन पर स्टाइन पर स्टाइन पर स्टाइन पर स्टाइन स र्यस्याम् वर्षायतेश लावतहेवासहर ररायक्ष्यास्वावहुवसहेव र्वाश्रेश्व サーバーでになっている。 6.2020 1. To Bull Sec. 2 1-1012 MAN ALBUIT EN 1-11. ीर्याकार के अन्त्रिकाराष्ट्रवरामाध्येत्व। यहायम्हे वहमाय्या रहता न्यास्त्रक्र निर्वादित्या वित्या मात्रित् द्वरायर्ष्ट्रवादार्थ्यं प्रति। ति । म्मायन्त्रकेशह सहन त्रवामा अर लकारा मा निर्मातिक स्थापन या. श्रे. जा मार्च के किया घरण हैं हे या ता है हे या ता है है या ता है हैं या ता है हैं किया में हैं किया है हैं इर्डल। घरमाधुन्दरुक्त्वास्ययार्श्वास्यम् इत्राच्याः द्वीरावह्यास्याः स्टर् चलामा रेक्ना रार केन रेक्ने में राय में मेर चलामा केन्स् ग्रेट रें यो में यो या सम्हरी हैर त्याको कर्रास्त्रास्त्र रूपा चल्राकरर्वे केष्ट्र स्वाहर्ष्या वर्षेत्राप्त राष्ट्राप्त वर्षेत्राप्त वर्षेत्रापत लाव.जियायक्र.य.ट्.हेर.लवा देव.बाज्यक्रवा.ल्ट्र्या.ल्ट्र्याचा.व्या अवाया.व.याहेट.ल्ट्र वस्ति । द्यारक्षा के व्यवस्ति होते वास्तर त्या के वास्तर प्राचनकी वा विश्व कर क्षेत्र वास्तर प्राचन व्यापी

याह्यात्ता, तास्त्रेर्वा सेवाराद्वा अलावात्वास्त्रेर्वा देन विष्णा कार्यद्वर् चारि वि स्यापकोर्वस्य वित्य वित्य देश्येत्रः या व्यवित्र विद्याल्य वित्य देश्ये वर्त्रम् क् बद्धात क वर्द्धात है। या पर द्वार के दिन के दिन के ता है। इस व शुक्रेत्रक्तार्त्रेणार्या नंसन्तिस्यात्रात्र तान श्रीतातात्रभ्यत्यात्रात्राची द्रवर् रलम्दर्वाचा राजाला सेर्वेषाचा सुर्वेरस्थात्रेर्ताचा स्थाराक्ष्येर्वेरस्थाचा क्षित्राचारमा के विश्वास के विष्यु के स्थान के स णार्दरमाश्रीमा प्रदेशरणवा १ १ गार्द्यप्रेयो सम्मानमा विकासमाना मेर्द्राया के वा सिर्मेर प्रवाद्मा प्रत्येत्वतात्त्वतात्त्वतात्त्वतात्त्वतात्त्वतात्त्रत्ते देत्त्वतात्त्रत्ते देत्तात्त्रवात्त्रत्ते देत्तात्त्रवात्त्रत्ते विष्ट्र इरश्चामान्त्र, यम्बरतान्त्रवी क्षेत्र अपूर्य लार्टी कर्र क्षेत्र क्षेत्र कर्षा कर्षेत्र कर्षेत्र कर्षेत्र कर्ष स्ट्रिया त्राम्यास्य स्ट्रिया रियाला इस्ति । अयः श्रेत्र सद्वालिशान् श्रेया व यहः। श्रीदालालयुवा द्यान पदार प्रियालये स्वित्रवासर्गत्वरावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्याच्या । व्यापार्याच्यात्वर्ष्याच्याः स्वित्वर्ष्याः विवास्त्रवास्त्रे लात्री द्रातामात्राक्षाद्र १३ व मा महिलासेश्रामात्री हरिलालेस्मान्द्रीराक्षात्रीहर्य हराहा दास्त्र निया साम्याया साम्याया साम्याया मिया देशमा हर ते की देश में भी त्या देशमा हरे की देश में भी त्या ते वि रिदायदा चेत्र चेत्र देयदा नेदा स्वानिका संविष्ण सेता स्वापाय । एदा यदा स्वापती केदा विवापती केदा विवापती केदा दामर द्यम यति क्रिया ्यास्य हो। नेर्पष्ठ ता हो। अर्देव नेवर्र हो। नंर्य कर्र ता हो। दल कु अर्देश र ही वाय था हो। ही हु युवास्वरा केंद्र. एक्ट, बाट, बी.वधु. सेवरा, सेवा. के. होर. सेंट्र सुरा द लुपा वयदवा सेव. नियामात्रयक्तिक्वामात्राचा कुटमाईट देन स्मामर एक सामान राज्या हता वियासम्भेत मियामामाम्या राष्ट्रामामाम्यान् मामामामाम्यान् मामामामाम्यान् । विष्टामामामाम् これにはままれるまでは、これには、これには、これはないないできているというできない स्टिन्तरा । १ १ । रचतामाला राज्याम मेनाहरद्रात्रेरा भर वहेंन देशायते स्वतुःको धिवाला देशायति वाह्रमहिवाधिवानम् । निर्देशान्ति है। प्रदेश विवेद द्रम्ति तर्वरातात्वात्वारे। वनवायां पात्वार्वाताया देवाराया । ष्रात्वा क्रें र्यतः दर्वारा तर्वारा त्यात्वे विवर् दम्पद्रस्तित्वा र १ वर्षा १ वर्षा १ वर्षा १ वर्षा वर्षा वर्षा देवाय देवाय देवाय देवाय वर्षा वर्षा पि श्रेम्धिया र विव रहा पर प्रमाण और हुन धोनी कि । के नाम रहा रहे की प्रमाण कराय । र्यान्त्रस्यात्त्रः विर्ववारान्त्रस्यात्त्रवान्त्रात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्

प्राण्ने क्रिक्षियात्रर्म स्वायम्य स्वयाध्ये र व सम्यायम् वितरहेत् र मे क्रिंट्र वा मार्टिया अरि वा तहिया छात्र। तथा त ख्रेंद्र में के किंद्र मदा त्या निवास वा निवास वा निवास वा निवास रमस्यात्। तथात्वीत् नत्यस्य महत्। यस्य पर्या प्राप्ता । हरा वर वस्यात्रपूर्वे भूत्राचा वर्षे देश्यात्राच्या देश्यात्राचे केत्राचे माने विकास माने वास्ट्रा तवावायासास्यर्त्यामुन्नासेयासेदा -नेयासेस्यामास्ट्रास्य म्यासा यम्रा इद्यारे हेर्य के अपने मार्थिय मा वनवायानाम्बर् वेरते केवा खेलाला अदल धुवात पत मान क्रिये देशरवना वर्षे बार्युयात्मा पर्वे हैयार्यात्रेयात् वात्रात्रेयात् वात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेय रदम्येवायाताताता प्रायात्वर्द्धात्राम् प्रायात्वर्द्धात्राम् स्वार्थः व व व द्वी.क्रयः म् गर्गाम वाथारवाम क्वा वारा व्यान वार्या में भाषा तक्रावामा में वारा में वारा में वारा में वारा में वारा में यात्रभाष्ट्रम् तर्मात्रम् विद्यात्रम् विद्यात्रम् विद्यात्रम् विद्यात्रम् विद्यात्रम् विद्यात्रम् विद्यात्रम् इं .. क्रान्याः । वर्षायाः वर्षायाः क्रान्याः क्रान्याः वर्षाः क्रान्याः वर्षाः ~35× स्था का स्था हिंद्र के स्था है कि स्था करी स्था करित के स्था पहुंचे के स्था प उद्देश स्था के स्था के स्था कर स ८ लेक्य याक्ष्या भर्षत्रामावतः हे से देरे । वर्षे वर्षे देरे देशमार हैवायाय वर्षे पर्मानर नात्रनास्त्र स्वापिया। हो तेर स्वापायी के तेर होने। हार प्राप्त राज्य स्वाप्त में भारती वार्माय देश मारा राजा राजा राजा में किर हिव भवें वा होता में हैं। है. ल. यून वरन हिर हैन । दाहि ल व्यावर हिर देवल नेरा दे के के खर वह जा है। ्प्रहार्ग्या वाजाता वाजरम् त्या मान्या वाजरम् । वाज्या न्या वाज्या वाज् त्यासम्बद्धार्यात् । वर्षात् व स्मार्टी ट्रेन.पर.वर्षात्र अ.पट्ट्रा.व.पत्र वर्षात्र क्षात्र स्राप्तरावर कर्ता क्षेत्राच्या है द्वारा मान्या है तारा मान्या है क्टान्स्य। रायनभागविवायां भावस्तृत्वद् । वित्तः रात्राः विरायाववाद्याः वासुर्या रयत्वर्रायस्यः स्तर्भः सार्रः। सार्रः। श्रीरःम्खर्भते ह्वार्वालायः वानवःयश्रेमः र्षाय्यर्थेयाचा इत्या देर्याचमन त्रमाने स्थापादे देरमा र ह्या हे ह्या साम्या है । ह्या साम्या हिला का दे तर त्या (0.274) यरें अर्थात्र अर्थात्य अर्थे देश देश के विवान शाय वा देश ने शा में रें रिया केंद्र " वाह्य र्यात्मनायरे वाद्रभाद्रियाता दावन्त्रं यात्री दायात्रे तर्यात्रे तर्यात्रे व्यापन्त्रे या

45

चंद्यानियं प्रथा, य निर्मान्त प्रतिस्तित् । प्रथानित्तित्र प्रतिस्तित्वार्णेत् वर्ति स्तित्वित्तिरकेर नध्स्या.ज.रनए.ल्ट्ड्यो इस्य.ब्ट्राज्यहर्षे द्राया में द्राया में किया प्राया में र्म्भेश्विवानार्दः तोवे व्यरः ताववेन । व्यव्यान्त्रः व्यव्यान्त्रः त्रास्त्रात्म् क्याहरामान् वर्षात्मात्र्याणमात्र्यायम् देश्वितायतिष्ठवासातायवित जायहिर्मुहर्ते॥ र रहराही रहित्र विद्या वरविष्य विदेशाचा नियम प्रमान्य स्थापन THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY नेर्निक्षत्वरः । वन्ने अवेद्याक्ष्यपद्भाय पर्यास्ट्र द्रयायस्यापस्ट्र्याक्ष्यतेवस् स्वाम्यान्त्रात्म् ररायद्वरः व्यम्भार्ष्यक्षण्याः विच न्यर्कान् वर्ष्यान्त्रः 大大型的电影、大型大型、中央中央大型的大型的大型的大型的大型的大型大型大型大型 ख्रीसहित्रहा हारा महामद्दे का म जाता का ता का 到けてあいれていていて、多いろとまたのあて到てい、そうかいことのかいながあってく मार्षक्षिकारम्य देवक्ष्यस्य विकारदाना हिर्द्यात्रम् विकारदाना हिर्द्यात्रम् विकार विकार विकार विकार यहारियाल वह नर्यालक होन विकेम्पा द्वारम् स्वर्णायाः स्वर्णायाः स्वर्णायाः स्वर्णायाः स्वर्णायाः । १०३१ AB ABUTANTENA SENENT STATE OF गुर्नेद्रमहिरमहिरम् मेर् ए । इन्याकित्या प्रभूतिका ए हे है सिन्ति । CAS TOTAL TO गरमार्थः वर्षम्यवर्षत्रवर्षात्राच्यात्राच्यात्र भ्रम्भवत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्रा गरम्मान्याया । दर्भन्त्रात्या राष्ट्र याद्यं याद्यं याद्यं । यद राजेवाश हर करा है। यह स्थाप करा स्थाप करा स्थाप करा स्थाप स्था र.जेंचे.श.भ.कंद्रांश्चर त्यात्त्रीते व्यवस्थात् । क्ष्यंत्रां व्यवस्थात् । अवस्थावहः केंद्रांशाक्षेत्रांश्चर व्यवस्थात् । अवस्थावहः म्बर्यायस्याध्येतः इति स्वरं । स्वरं स्वरं । स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं । स्वरं स्वरं स्वरं । स्वरं स्वरं स्वरं स इरहास्यायाः महिनामिक्तान्त्राम् । इति विकासिक्तान्त्राम् । विकासिक्तान्त्राम् । विकासिक्तान्त्राम् । विकासिक्तान्त्राम् । = र्र्यान्यायहरः र्र्याक्षांकः । भर्काः कर्राक्षः कर्रात्याः कर्रात्याः कर्रात्याः 四元字中型 是是如果我们的我们的一个一个一个一个一个一个一个一个一个

, बहुतायते. . Z × देका न्यात्रवास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र म् अस्ति । व्याप्ति । व्यापति । व्याप्ति । व्यापति । व whorpor per charada or secretary and exercised of characters of the characters of th पर्यात्म वर्गमा ने स्वाति हो। यह महिल्या स्वाति स्वाति स्वाति स्वाति स्वाति । वर्षे स्वाति । वर् वश्या रात्रां स्वार्थित वर्षे संस्था रात्रां स्वार्थित स र्यतात्रहरू र्माविषात्र । स्मार्थन्य सम्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य डिक्रा राज्य । विविधित्र विविधित्य विविधित्र विविधित्र विविधित्र विविधित्र विविधित्र विविधित्र विष्य विविधित्र विविधित्र विविधित्य विविध खुललाश्वा वार्यसाम्बर्भार्यस्थास्य व्यवसाम् व्यवसाम् क्षेत्रमाने क प्रवास्ता मंत्रदेशम् हेव स्ट्रेर्शन्य म्याद्यात्र स्वास्त्र स्वास् सम्बद्धित है। हेरहर देवार भरत्युर करा हैरा केर के स्वर्ध करा है। इसते कर करा है अपने अपने अपने अपने अपने अपने अ भिष्यद्रवासीय ने मान दें हैं के पूर्व पार्य पर के पार्व में के वा में के के के के के के के के कि के के कि कि क 12 fate द्वराकशेटलाता श्रीटार्य राष्ट्र श्रुवा ही रदा हर तमस्यार्य से ते के किया क्षेत्र या या वर्ष बुद्धानिवारी विधानाम् कुर्कर्त्री र कुर्कर्त्री र कुर्कर्त्री र श्रम्म वार्ष्ट्रहत्त्व स्वाति । द्वस्त्रम वार् दम् । त्याम्य स्ट्रास्थ इवा राते विकाय वा क्षावकीर वी के क्षेर्रा हेरवा हार वी विकार धवा वर्षा रवा के मार्थित अन्तर का त्र देवता शु एक मेर मार्थ मेर का की यो देव का की मार्थ में मार्थ का मार्थ का मार्थ का मलद्दार्श्वा तरी दमा हुन रमादशु त्र वृत्र त्या देरल है तदी विवा र्यो । विवा महिन्दी दिन

मुख्यालाष्ट्रात्रदातात्वरा वलकेकवितारः करवयात्वत्वत्रित्तेत्वदावसम्बाद् त्रात्वर्वात्रम् वावशास्त्रम् वावरायं द्रम् यात्री वे संद व्या दुवता हे तर्वा व स्रायास्त मा है वहुव हिंग दगर है भी है। वर्ग मेर देहर अभी मुनाय है राजवान कर मेर मेर है वर्ग प्रकार के वर्ग प्रकार प्रवीतात्रात्वे । या अवारदामक्ष्मिन स्था देश के स्था प्रवर्गात्वा । वा वा व्या क्षा करे प्रवित अरात्व्याव्यत्त्वा स्राध्यात्रात्यार्थात् वरात्रात्वात् वरात्रात्त्वात् वरात् अस्तित्त्वारा द्रुं हैंग्रे दर अ. श्रे. ब्रेस्ट केंब्र द्या क्रेंगर र में श्रेर पे खेर केर पा एक्र मण मचम रमार के थेव रेट कियर क्षेत्रिर केया मार है। हिंदार क्षेत्र ही अंदर कार कीर कि है का केर का मर कार के असी उन्हीं या थाताता वार्य नहरात्रा स्त्र मेरत्य है नहें त्या होत में हुन राज्य है। उतिकाश्चरी प्राकृतिका निक्षित्राम् में कार्यास्थित्रक्रमात्वाचील निक्रवर्श्विक विद्युर्तः भ्रीरामभदम् । मैकामक्षरः य विव्यवस्थित्वस्थित्वस्थित्वस्य । दर्रास्तर्भवा किने रे रे रे वा स्मार्गिय है राजहारा वर्ष के राजा राजा राजा राजा वर्षा के राजा वा च्यातिकार्यात्ता । अस्ट्यंर स्वेदं स्व त्यार्यः यक्टम्यस्य व्यक्त्यस्य र्ग रम्भी मेरि सक्ष सम्होरा का खार एक वर्षेया वात्र का खार मेरिय वर्षेया भागता । ने प्रमुख्या के मान के मान के मान के मान के मान के मान के किया लवरण प्रवाहर । अवस्थित्र । सम्मान्त्र विषय । समान्त्र प्रवाहर स्वाहर सामान्य । वर्षात्रा भेदेववायवारकरत्वा १३१ १०० १०० र म्यूनंसकर यासस्यावर की में देवलार का वा वा प्रवास के के के बना का का मार्थित है में वा का का का का मार्थित है की मार्थित के के की का मीयां भित्र रेमायां पुंचीय वर्षेया स्थान कर यह वर्षा वर्षे प्राप्त कर कर वर्षे म् स्वाकी कात्रभावां ता । । विस्ति रूपर्भव । उत्वर्ष्य कात्रभ म् भीवा वर्णरः मदर्व वार्षकाळेश्रास्त्रीराचनादा तस्रास्काल हरा देराचयाहरा हर द्वारा तरा राज्या रोस्राक्ष्य रात् रामा । श्रीराद्रमस्य वर्णायां रात्रे श्रीदाष्ट्रमान् वर्णान् त्रामान्या निर्मित्रमात्रात्वरमे । त्यास्ट्रद्राय्यस्ट्रायावरम् । त्यात्रस्यायम् मित्र दर्भात्ति । व कर्मा विक्रिका विक्रिया । विक्रिया विक्रिया । विक्रिय । विक्रिया । विक्रिया । विक्रिया । विक्रिया । विक्रिया । विक्रिय । विक्रिया । विक्रिया । विक्रिय । विक्रिय । विक्रिय । विक्रिया । विक्रिय । विक्र मिर्ष्ट्रित्रेभ विक्रंभेगायाय । । । । । । । । । विक्रंप्रमायायायाया मान्यायम् क्रियाययः स्ट्याव्यस्य वित्रम् वित्रम् वित्रम् भविष्येत्रमा रद्यवर्गात्यः क्षेत्रम दः क्षेत्रस्रवात्रात्रः द्वास्ति विपार्का मद्द्रभाभा क्रद्रमम् स्पर्पर्य कर्षा मान्य कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्ष गम्भूता करा कर्मिन मिलावंभूता न्यानंदर्गम् यार्म्या गर्भार् वद्यान्त्रभा । अत्रव्यद्यो शुर्भरो धेवस्य द्वार्ष्यभा स्रित्रम्भ

इ.ल्ट्राउट्टी र केंग्रा करिताल लाजतामा मिल्यूए प्रदक्षित्र वराष्ट्री वेक्ट्रेट्रे के ले लिन प्रमान कर्म के निकार कर कर कर कर कर कर के कि कि कि कि कि कि कि 2 नाडेना one:(1) उद्यमद्देन स् उत्याद्वे व्याप्त व्रद्याप्तर देवाराभेद प्रतिम स्म के देवाराभेदी 3) रक्षण नेवा स्ट्रेस भाग ही हैर राजारी करा से सार है राजारी करा में सार है हैं। इस मार स्वार है के सार ह あいかだり はなからのからいいののからく できていていている ्याम्यते हर पूर्वता कासहित्री है।। कुरायारोद्द कुरायी किराय यानर, रायहार अदम्भ्येष्यात् विद्युरायायुर् same as द्रम्य प्रेश ता प्रदेश ता प्रदेश ते प्राप्त के प्रति के क्षाः स्वायमायरेवलक्षा क्षेत्रं स्वायः या या वाह्या द्वार्ष्यं स्टर्ष्टर वर्षेत्रः नवर्त्र हिरक्करहा द्वयदिग्वे धेवो अदः नव मुन्द्र के विद्रुद्वे लेंच. व. प्रांतर. सर्व त्या र जेंच कर रे से मार्थ के के मार्थ ता जेंच हुन । से साम ता मार्थ त प्रत्यत्वाभा श्राभम्कद्वम् अवत्यक्षात्रात्ताः व्रत्यत् श्रादेश्यात्वाका व्याभावत्यवाः ्राभिर्धित्वी भर्षिर्कर्म्यावरत्मत्वी न्यानुक् न्यानुक् राष्ट्र में स्थान मैणक्रमारात् संस्थान्त स्टार्ट्सान्यात स्टार्ट्सान्या स्टार्ट्सान्या स्टार्ट्स प्रतिस्था । तर प्रति । वर न विवस्तियारी । वर के वे देश वर देश वर देश िर्यात्त्ररायः वद्यायंत्रर्द्रायाद्वायद्द्रायाद्वायद्वायुत्र संदर्भक्षेत्रः वहारक्षेत्र्यता परम्याः वर्षाः १ व्यामाना कार्या महिना वर्गारावर महिना वर्षा वर १६४ व्यानिकामेर् किला सेवार्त सेवा कर कर कर सर्था नार हुन के वार हुन हैं परिवास्त्र स्थाति च्रास्त्र हिर. बावलापरेत । ज्रानिस्वास्तर प्राप्त स्थार प्राप्त सम्भावति । व्यास प्राप्त सम् यद्द्राचे यद्द्रवित्रियति वित्यम् । द्वारं विवायव्यवास्वायान्त्रीत्यं वित्र ए.र. अरर्व्या दे.येगर्वा देर्। त्वा अवि वावेग व्यामायव र वावेग वितर्विका

. अहते नास्त्रा र्यान्य क्षाता व्यायम् । यायम् वास्त्रायम् वास्त्र नम्बर्गर्था र्वा स्थित हैं रेश तिश्वाक्ष स्वित्यात वाविवाल होते वे स्वाप्त क्षेत्री. ल. वर.री क्रानप्र थे.सेपायरे.पात्र हेरीर रेपु पाया हेरवार हरेगे। हेर कि रहे । अग्र रेश श्रेशीरा त्याव द्वारा में बीट उरा है। या वेर में रेश वा केर हैं ता ता दे विशेष विशेष विशेष में रग्नाम्द्रमार केमवातायम् । क्रार्तार केमवातायम् मन् के तरे धेरी स है साहित तियोपन्ती एक इरव.व. .. . यामाता पर्या विमान देवा । .. भाराद्वी से उर्देशको म्यात्याः हाराद्वाराक्षेत्। यक्षात्रेरवात्रक्रात्यात्वेत्यात्यात्यात्रेत्या वक्षात्रवात्यात्रात्या नामवर्गक्रम्यांनदार्वाता द्वरादाचान्त्रवाता हुःमुद्राम्येद्वर्या सेदा सम्ब्रिते सर कार्ने दर त्योरवाया। वर द्येव ये बेद्व प्रें देव ते वे बेदे ते ति व देव प्रें वर्षा ना वर्षा ना े.र. हायका को राष्ट्र में र. वार्षरका एवं र के विद्रायां के र वार्ष के की विकास सुनाउत्राक्ताः वानेर्ववसाय इस्त्रास्यास्र्रात्रास्याः वाभेर्ष्ठवराभेर्। क्याय द्वेश्रव्यव्यव्यक्षेत् स्वतः यतः स्वत् वादारवेरवाया अवमानाः र्वेयम् स्यामेरम् विरम् तो भेव। मध्येषानुस्य वासर्वास १७ । । स्याने रत्ये व हिरास क्रिर्गर्य येर्वरत्या सेवा विद्या विद्या सम्बद्धा व सहिर्देश द्या थे हिरा विवया है हैं रेंगा वेहेल एडर्बे. जे. किराजा कवाव तथा रहा व विवाव तरे का गर से में मूरी ने starte ? यान्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त् त्या क्षेत्रा वे. प्रांता वर्षेत्र प्रांत्र वर्षेत्र विवाल । विवाल प्रवी वर्षेत्र विवाल द्रा याधी नर्द संक्रियाता कर्णायाची रेद्रश्रिष्टराता क्षेत्र वर्षा स्र स्रित्याध्या दवाक्षा नास्वारुत्वाता धेवा या ज्वावे व्यक्षाक दुवा दया केर यति वय इस्तरायरायवरायवरा हल्यं श्रीरायार्ट्यायात्रीत्रा हर्त्यायात्रीत्रा हर्त्यायवरा हिं पत वनान्ध्राप्तक्रिकाल्या क्रा क्रिक्निक्चिल्या द्रियास्य विवर्गक्रिक्या सैवानित्रवान्त्र हरात्ववर केश्ये वर्गार्थराव्र राव्येरक्षाक रेर्गाये हर् पा.चर्ष्याके.गुर्ग मूट.ब्रेट.प्रयाह्रट.प्रवयताकिंद्र्य यटपाराम्परीयापक्रिक्याके.गुर्ग र्रचास्त्रिक्ताव्यव किल्व रही रेयु तयह स्थायात्री रवा बेटा वय केर रेवर्षे में दें तहतास्माक्ष्म मुत्र के प्राप्त में विश्वाम में विश्वाम स्थित स्थान स्थित स्थान क्रि. प्रथिताता डिर्रेर्ताय वर्रेर विल्डिर विल्डिर वर्षित कर्रिया कर्रिया कर्रिया वर्षा प्रविव्या कीलक्षात्यात्यात्रेत्रात्या नेवाभार्ववात्यात्यात्रेत्रात्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्यात् अम् विभागिक का का का का का मानिक के निर्मा की मुन्ति की

1 2 by feet. हर या है : अर्दरहेट महिना है अन् के अन् के विकार मिना है। न्यात्यः वालिमारतरमात्यम्दः विभागावतःद्रमःवान्तवाः वर्षाः वर्षाः वार्यातात्वीं विवाभा क्ष्मां अक्षा क्ष्मां क्षेत्र द्वारात्वा वर्षेत्र दे वार्षेत्र दे वार्षेत्र वार्पेत्र वार्षेत्र वार्य वार्षेत्र वार्षेत्र वार्य वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत Maria NI युवाभा में अयामावाकुरातीर तात्रका क्रमायनवायां योद्वामें अपन्यायां 5 hors ह प्रकारका क्रि. क्रि. क्रि. क्रि. वर्षात वर्षात वर्षात त्या तरा वर्षात त्या तरा तरा वर्षात त्या तरा वर्षात तरा ॥ डेश मा पुर्निया माल्य दर्श र के न्यतः क्रिंग के राजिका : अध्यात्राहरा द्राजनवायात्रावरायवरायावभदावः । त्रिवक्षेत्रावरायम्। खर्भरहुक्वराद्यः स्वामिक्ष्यम् द्रम् । स्राध्यादान्तिः स्थतः वर्द्र वस्तः । रक्ति अर्थे रस्ति स्वरं राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र तह्वात का मार्थिकेराम्य दायदाम्ब्रेराम्यवयाभेदायमार्थ्याः मेंद्री अकर्शी क्रांस्टर न द्राम्या मुनायद्रा र्यारस्टर्म्य अकर्शी अकर्शी मेंद्रिंग य्यारासहर तर्वत नि एवं अरे से अरा के सिंह ता है। म् अर्पत्रिः स्वा वस्ता रदा का वहर वनवा यह नहुरा वनवा व द्वार स्वा स्वा स्वा स्वा राभायातारद्व द्वारा त्र्या त्र्या त्र्या त्र्या व्यापाता रयलकुर्क्षकुलयां यतुन्य समित्रा महारक्षित्व द्राव goodsed horns. छ। र्रियद्वी व्वकाल केन्त्र एक एक विकाल विकाल मान्या है विकाल के त्रा के त्रा के मान्या है। रभक्तिवर्षि भवाकिता भवे वां अदिवर के वहर हिंगा भवे। वादवाय रिव कुर्श्नित्वदेश्वदेश धेव। सद्द्रश्चिक श्वक श्वक विकासित अराधिराको खेदवादिवश्चित्री थेव। इंगर्गराष्ट्रेराकी रर सुध्येव विदार्गर सुराक के अर्र्षाये रेट सर दुला छे । खेवा का त्या सेर्याजानु रेर्या सेवाल ररी उर्द्रायने रेर्रे क्याल ररी इंग्नियन प्रक्याल ररी भें अन्ति भें भेंदाने ते ते दें वर्ष क्रियर निया ते ने निया वर्ष भी निर्देश का दर निया के ने दें। वृद्धा मार्ग्या स्थर के यो दर् वतर तम् अत्यं र स्ट्रा क्रियम स्थित स्था स्था वर्षा स्था वर्षा स्था वर्षा वर्षे

कुलाकी दरम्रेरवक्षिशयररक्षर्रः स्मर्वक्षः मेन्द््रिक्षे वन्तर्भावराष्ट्रा यह वा रदःनिनेत्। बावुःभक्षवादगारात्कवा तक्षवास्त्रिराष्ट्रिय तक्षवा स्ट्रायवा वाद्याय वाद्याय वि अर्वःशवाःस्वायक्षाःवकषाःवकषाःकान्रःश्चिषातकषा कान्येरःश्चर्व द्वा हाः वक्षाः देश ह्या विष्टा राम्बारा क्रियानावरा त्या भेषाम् राम्या महामारा क्रायत क्रायत क्रायत क्रायत क्रायत क्रायत क्रायत क्रायत क्रायत रगरहाक्षे मुंबहुराया मुक्तिकेला याचम्प्रधाने सम्बद्धा द्यो स्रिका का स्वाव सारा की विक्र उरवित् शुरेश्वरत्र्यर्स्यत् स्वयत् शुर्द्रस्य वर्ष्यव्यक्ताय् यद्युग्य व्यक्तियः मिने मार्मा तम् द्रा है रम् मिन क्रिम मार्ग न न महिन्द्र प्रमान है। वा महिन विकास कर याचीदवायाः परावका प्रविक्तिति स्वित्ति स्वति स्वति स्वति स्वित्ति स्वित्ति स्वित्ति स्वित्ति स्वित्ति स्वति स्व होत्र स्वायाक्त्र वावया अक्या नेया रवाउठिकारा भेरा वक्तिका स्वाय विभक्ता स्वीत विवाय विभक्ता या रद्रविष् स्रेवेश्वर द्वां मावररा श्रापद्वा क्षेत्रद्वा वर्षेत्रा देवार्य क क्री वार्षाया पर्वेद्या यदवादर एक दिकाराया सम्मित्राय कर हरे हैं के स्टार्थ में - निया विवादर श्रीर द्रारके थर क्रा स्वय मलयात्व्वी मेर्डक कर त्या के सुरस र्भावरः भेन्यमार्कर्श्वरर्गर्भागवर्षन्त्र एर्परदावर् ११ " " मान्यवर्षार् प्रस्कात्रम् स्वरापर वारत्याव्येर्ध्याप्यम्पत्याप्याप्याप्याप्याप्रस्थाप्याप्याप्य निरास्त्र देखावारात् हर १० गा था वाह्यातातर्य राज्येवाराते काहरावाह्यातुरः करतेर। द्राह सर श्रे कर मान्य हर् गाप्रमायारम् द्वायायस्य स्ट्रिंग सुर्याद हुत सदत्यदत्या यव । हु ः वस्य सुर्यो र एक व्यास करा रहा लिया सम्बद्धना कुन्द्रश्चना समावना समावन भराद्यम् स्र वर्षास्य भरतरम् त्रवेतकवेद र र र यह मराद्र स्र देवे के अवस्ति। मरागरी मेजमारीशर्म्यानियानारमद्रायाय = क्रि.यव व्हिर्जामारम् अयो मुर्तिर्ण ठर्णया मारा भी तार्ज्य वयकार्ये की मियत में से प्रत्या में वर्ण में व स्राताक्षेत्र विवाधरक्रियं सर्थार्। तस्र विद्वार्धर्व तक्षात् विवाधरहरा सम्मात तह्नादेश्यद्षेत्र ता यत में नेनेन स्वास्त्र स्वास्त्र राज्य राज्य राज्य स्वास्य स्राक्ष्यां हर। रवा कुरवा वदारवा हर या सा स्राप्त क्रिया हो दा त्या वा हो त्या वा हो दा त्या वा हो त्या हो त्या वा हो त्या हो त् विश्वत्यराचेदा का चेद्या त्या वर्षेत्र हारा स्था ने वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्रमाना भिरत्या हिया रमणाया मिर्दर में बेर पर्वे माना किस्प्रमा

वेर्याचाराज्यातः प्रदेश्यरक्षेत्रास्त्रास्त्रास्त्रात्रात्रेत्रं वाक्ष्यात्रात्तेत्रं व्यवात्तात्त्रेत् भिनातिग्रेश्वारमप्रे। शैवाबिद्द्द्राप्तिविद्वा र श्रेष्ट्रियायर्द्रायायर्थित द्वार्थ क्षेत्र विकास राक्ष्रक्षात्र राग्युद्धार हिर्द्धातवदुद्धायात्रास्य विद्धार्थात्रा अवस्यद्र। स्वाक्त्रं सेववद्याः स्वत्राहेतः स्ट्रिस्ता वाहिद्या सेक्ष्रं तिमः क्षिया अवश्याद्या सम्मान्ति । सम्मान्ति । स्वत्यात्याः स्वत्याः स वया येगाया रहा हिंद है । चयर्या यावा के त्यर वया रेगा के मायर ्रास्तान्ति। तस्य विति त्रामारे हिन्या स्वाया वित्या मिला देने व्यवस्थानित मिताश्चार् से स्ट्रिय प्रकारिय हा द्यायिक स्ट्रिय केंद्र क यादादाहर भारत की हर देव कारत्व केंगा प्रवास हरी किर्ये वर्ष थेंगा वर्ष भागा २ तकेन्या ता व उस राज्य वेर के हिंदर तो सूक ति वेर के वे या वे वेर के वे क्रियार में मारा हमारमाहर हामा देर दर दर दर तर का विश्व क्रिया में में में में ्र । वहने प्रवास्त्र विशेष्ट विने पर्र हिन पर है । प्रवासना उन्तर में कर राज्य के अके न्द्र ता की स्रोधन के के स्रोधन के की स्रोधन की स्रोधन के की स्रोधन मन्ति वहन क्यां से प्राप्ति हरा दर दर दर कार्या वररा केता हैं ने वर ति वर विवास के ति वर ति वर ति वर ति वर ति व लवान रेवाय में र्नाय के मान्य हैना यापवार में यरववाय देने यह तर हैं दर महर वर्ष राजा रही स्ति । स्वास्ति विकास्ति स्वास्ति । स्वासि । स्वा मिलाक् रमर रार श्रीयक्ष्याच्या श्रीर वी रमया व्यवस्था सार मेर् स्थर वर्ष हर छ मुक्तामा में रहा हर दार्ग में हिंदी पहरायर हिंदा के स्थार कर के दर मिन रहें है। ्यत्या वित्यत्तर्द्रा द्रा वनवायवेत्रह्या हरहत्र द्रष्टे वलवेलते मु सकर्दुरत्विर संदर्भन्त्र दवण्यस्यर ह ाम्बद्धारेवर्द्धरार्द् हिटा हत र श्विष्टि करतर राय धेव हर देन हर रदार विवाह विकास समिन राय सं द्वर राजर दिवर रदर रद्वेषर क्रिस है किया रद व महिन राज के प्रेय त्य व्या प्रवेद राकर् राक्षर्य स्थान्य करा न्यत्य स्थान्त्र सुवार, सत्य सक्ती क्षेत्र हैरा एक ग्रा म्दा राष्ट्रकेषाता वादालस्वर रहात् सिर्द केर बदर रहारे क्रांअहर्देशकी श्रीकाताम्परायम्स होति। पार्यद्रासी सैर्वासिक्रांत.

मावरक्र स्थावता द्वाप्ट्रार्थारक्ररावदाद्द सेरीर्थरस्ति आवर्षर्वता

ार में वरवारवी शिंदरंशर उपायक्ष ्रहेर देशर पर्ध में वाहें में सहूदी परीपर्वणा मेर सम्बन्धियास्त्रा वार्यस्य द्वार प्रायम् वार्यस्य स्थाने स् अमेगान अन्दर्वर्गिक्षित्र । अस्मा अस्मा क्षेत्र वर्ष वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत् र्यतातिक श्रूर्तार्य वर् करके करिया रहता है। वर्षे करिया वर्षे तक्षाध्येव त्रायापरिश्वेद्रद्रम्वकवर देवल देवल्यास्य पुरा श्रीय सेर्यान्त्रम्यात्त्रं श्रेक सर्वेमक्दरीयं वे नहीं ने ने कर्माप्यं वर्षात्त्रम् महुदा कक्ष्यपूर्व है है कर्ने विद्याल कराव देव हैं कर करा है की र्वार्यात कर्य हर सहस्य प्रमान क्षेत्र म्यू पर पर कार्म के वित्र में स्थान कर्य के वित्र के व र्गार्यान्वास्त्र व्याद्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र क्रियाना श्रेम्या द्रम्यात द्रम्यात द्रम्यात्रम् वर्षाम् म्यात्रम् द्रम्थम ना य्यालेन्यपुर्द्राष्ट्रमायाध्याद्रम्यात्र के.याष्ट्रायाद्रमार सूप्रांच ता. रहक्याया ता म्यास्त्राप्त्र । ज्यास्य विद्वास्त्र स्वास्य विद्वास्य । त्य विद्वास्य । विद्वास्य विद्वास्य विद्वास्य । विद्व लिमायदेवमति मुखानेर। विकास मेरावारि छे महिसायर प्रांचर त्रामा हरायाः र्षा ग्राची र अवा गर्मे श्री में त्राची से त्राची हैं हैं हैं के के के त्राची हैं के व्याप कि विवादी के कि व्याप कि विवादी के हरता थर सार्यापर हर्षकारा हर कारा हर कारा हर सामा हर सामा हर माना में देवापकी ये प्रकार के वाला हात्रीये. यह ते व हिंद हर राप व में व किया में प्रकार के व द्वारा गुराहर रा रा देश रवर स्वर । जार्ष रायमभाषा द्वार्योभी द्वाराय । विविधा म्बर्दिर एक्टिक के कर्ण व नेमालय उद्देशका वासी में अवसीय प्रदेशका था णायाः रद्द्वस्तर्भर्माक्षणद्वात्रम् रूगान्नात्रम् रायाद्वात्रम् भेट्या रिश्वार के दूर में रें में बार में बार में बार में बार में राज वाय में जारा पर्कारिक में बेंबा अभवात से मा परे परे वा में पर दे किया है व दे हैं । अर में मित्रिः निर्देश्वर्रा वर्षात्व अवराद्याहरः द्वताह्यात्रास्य क्षित्र क्षिता क्षिता क्षिता क्षिता क्षिता क्षिता यारान्य क्रामिन्द्रियुत्ति वर वर्षेर्यान कुरहररा

भारता सम्बद्धार्थर राज्ये द्रम् स्वित्रे विव्यव स्थापे । के भारता हो स्वयं स्थापे प्रत्या स्थापित स्थापित स्थाप - प्रियाद्यात्मान्यक्षात्माक्षात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात् राम्यार स्थापा विकास स्थापित विकास स्थापित विकास स्थापित स्थाप रमद्भीसर्वा विस्र माददा १०० माददा १०० १०० माना माना माना के वा श्रद्धा ABONDON'S SECULATED ALL CONTRACTOR OF SOME OF CONTRACTOR OF SOME OF CONTRACTOR OF THE SECULATION OF TH दन्त्र मासावक्तावर तहा द्वार देवकहतालय का देवरा मान के स्वता का करा स्मेर्राष्ट्राम् तक्कान्द्रका प्रतास्त्रता ता वा स्टर्ग महत्वा सहता महत्वा रहार्द्र म्बार्ट्सिय वर्ण वर्षे वर्णवर्षित रहिर्व रहिर्व राज्य स्वर्ण में राज्य स्वर्ण के वर्ण かるかれていないまなかいとれるのであるか、気はちかいれている」 किंत्र ने ने ने का का रिराय सुर देशवया कार्डिस अवता र सेर्वाय थे महित्य महिते हैं। स्तित्वात्ताः म्यावया नहत्वद्यायते वहावस्यात् स्राप्तं स्टर्गं वृध्यं स्वाधः पालवा राष्ट्रन्थतिकवाहेक च्याहेक च्यालहरी व्यालकर् है करता ते व्यस्तामंद्रमं सुम रद्रा एड्रिंग हिम्मा सद् ते हैं कर्ता वर्षेत्र दे स्ति दिन राज्य ने दे में दिन प्राप्ति का राज्य में वा वा वाद्य के वा वाद्य वा वाद्य वा वाद्य वा वाद्य वा वाद्य म्मान निकास क्षाराकार्गा प्रश्नेद्रा यार्थरः । वर्षार्थः । वर्षाराक्ष्यं भ्रास्ट्रद्राव्यं वर्षिर्वत्ये । वर्षार्थः । वर्षार्यः । वर्षार्यः । वर्षार्थः । वर्षार्थः । वर्षार्थः । वर्षार् ह्यार्याए । विश्व स्थाप त्यारका हिंद्र हर्रिया हिंद्र स्था हिंद्र रबेटके भेर है। गर्मदेनदेन स्माप्त देनदेन देन हैं है देन हैं से हैं भेरी हैं। (84mmg)))) (84mmg)))) मा प्राप्त न निर्मा के निर्माण के . 'अट्ट. अंचनात्र कड़्त यथना प्रयोगात् हिन्द्र में द्राह्म अत्राह्म हैं कि 

MC

ही राहेगाय एत्यायकी राष्ट्रस्य हर्षे वय हाक्या वहस्य व्यागिय एक हेश हर्ष र्यायेश अरवा एतर रहकावयारहिरलाउराकारण सन्वर्भाया के वर्ष में में जान बरातामा त्या है। विस्ता में विद्या प्रवेश र केंद्र कर के वार वर के देश म्यान्त्रीतित्ती क्षेत्र क्षेत भूतिरारीकुर्याता मुख्येयां द्यातार तंत्रकार्दर परायाद्याकारेशा र्यात्रया मदानुद्रा नृक्षेत्रा म् अस्त्र ने स्तर है । स्त पालकाते । या कावात्मकाताती हत्या हायरकाकाकेद्रवर्षे भागार वसकत् भवाष्ट्रीत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक त्रस्यर्थस्यव्यव्यान् वर्षे द्यत्यस्य हिंद्। ज्यारवका वर्षेत्व । वर्षे मदामहाता द्वादादा वादा । विद्याता वित्रेष्ट्रे के वित्र सहि। के वित्र सहि। के वित्र सहि। त्यास्थित्वातात्वात्यास्य वात्रात्यास्य द्वातात्वात्यात्यात्याः । व्यास्यात्यात्याः । व्यास्यात्यात्याः । व्यास्यात्याः । व्यास्यायः । व्यास्या अभिन्द्रं विद्युवा में ल पहिलालाला स्वाभरार्विद्रिर्पेर सरप्रका क्र-रालागाइरवरात्वरा - परिम्रियाह्रअध्यानम् वन्तर्ते दार्थरात्रिव्याम् मी तम् तर्ग अरत हरास्त्रेन से में भीता में भीता है अस्व स्वार भाषामा हरपहार लामा विभागालभरवर्दार्दाय व्यामा द्वाराय के में द्वार्यात निर्मार योजाय के अपायरी इस्याम क्रिय ए प्राप्त के अपाय किया भए प्राप्त के प्राप्त किया भए प्राप्त के प्राप्त किया भी किया के दिया के द おれなくなるのかかからは、これはないまるがくなるなくなっている。 कर्रकर मना १०० तर वर वर वा एक वर वर वह १५ वर मन वर्ष के कि ्रातः वहत्यातम् स्वत्त्व । ततः हत्त्वस्याः । ततः दतः देवदे हः हिराहरे हर। उसर उ नाम्बर्क सम्बद्धा हिराहरे रहे सम्बद्धा पर र्यास्त्रम्थ्रेयुक्तर महत्त्व कर कर सं ईर सम्बद्धार र नेतर र विहर कारराधारक इत है। दारा । दमता तमा बहुदाते को देदाया हिरादा मही केमानीयमद्द्यमद्द्र पर्वद्रम् स्वारम् स्वारम् स्वारम् नेया देद्रद्रम् श्रीमान्त्रवर्षा नेयावा पर्यं हर कर द्यता ते या बंब मलक्ष निष्यं के गाय दर वन वाम द्या में वी 

XX 88 (अ.स्.) हरमाहरी हर्षेत्रभए मूर्यूर्य स्त्रिंग रार्मण त्या भारते । या रेर्दरायामा हु के त्र देव त्री तर्विदक्षेत्र में में दान के या नामा में से हिर देन तर के देव देव मर्ग हेन्यातरेम् हेर्याय मे श्रद्धार हेरी हेरी हैं द्वात से मुना हिर दर 3 आ असीट रदय है अर्दे यर स्वर्य या गुराव के या द्वार वर के र दर ले हैं र से र हर ता मारे र विवालहर हेरा मेंते लक्षे हेरा महीरामा हा रासे महारामा महीरा दल देर देव दला है। 495% अध्यम्भेरता त्यायकार्यकार्यक्ष्याद्यायक्षात्र्या हरास्यवादरक्षर्ये। निवशात्वर्थयद्भाते सर् हेरवेनस्रवहर्द्धार्यं स्त्रा दर्भाभरत्वर्थर् रूप नियाले रावस्थाना न्यूट्यम्बस्यान्यर्थान्यत् यदम्बस्ये देर्दराक्षात्र्ये स्थान क्यां या ही रहेता है या हेर हेर हर दर्य के खाँचल माना लय अर्द्धन श्री न सर्देश ब्रियम् अवाह्यम् वाह्यम् यदारारेश्रार्थराताताता मुभ्यवरातहेत्रायते वर देर स्वत्याधुराष्ठियां घररररायदा वेदः वावदः रेट क्रिका विकास काला का का के देश हैं। इस है के के कुर है के के किस के किस का कर के किस ्रक्र्यामभाषात्रभाष्ट्रवाद्याद्यात्री हो। देर्दरात्यमधि महराज्याभाभहरी अष्ट्रेष्ठ्याद्यास्त्रावास्त्रभा र्थारकोर्द्रायुवार्थार वेला देरेर स्वयतिर्यं कारोव्यक्त अर्द्वर विवास्वयार्थार विवास नता च वेन्द्रविद्ध्याक्षित्रवात्राक्ष्र्रा देहरावे राम्द्रा क्रिक्ष्याया हरी वीदार्व्यवाया विद् र्स्वर्यात्या वार्यात्यात्र्यात्र्वादेवष्टवाध्यात्र्यहर्षे वराष्ट्रद्रात्यक्ष्म्याद्वीद्रात्यद्र्यात्र्यात्र् इन्येर अवरमाना हो । विक्रिय क्रिया विक्रिया विक्रिया । विक्रिया विक्रिया । र्वहर्ष्णिक्ता रेक्यारामा के कहा न रमारामा हेरा हेरा रेपरामान वर्ष्णिका हेरा हो राष्ट्र केरी केरादेश वनवारान्यरम्प्रा श्रीरके क्यायां सरकेवादर, रमताता के सुरादे नास्वादी, जनाइसा क्रवातवराक्ष्यकः ,राष्ट्रिया तनवारात्ववस्ति क्षेटाताष्ट्रयः यसायार्यवादवार्वराष्ट्रदर्द्रदेश ल्याम् रावन स्राहर हर विकास में अवाता में मार्थ र र र विकास के र व र्शर्या पर में विराद्व मधीर, देखें हु सेर्छे द्यताल हर। देश वन्न धते विर्देश मुंबिक केर का विक्रांतरनारदावनायात्रा नर्द्यमा म्राम्यक्षात्रात्रात्र द्रावनवाद्यत्र द्र रा रामे वहें का विदेवके वह राया व्यदायां केंग्र दरया है रायवा वाय विदेश निर वर्द्धवर्भावरभ्राक्षेत्रदे। द्वर्थानुस्क्कित्रायाधेव। ववायानुरक्कित्वद्वार्थिव। वता स्ट्रिकरियाः थेवा कर्द्धरायायवराद्यां भवी र्याद्यम्बीयर्ट्द्रितायावेर हर्ने न्यंने वनना न्यंने रहन तेरे रंगेने वहरी हर्ते हर्ते द्वराया हर् मियान्ने के निया है। के निया क मरास् भागातर् तर्ता । क्षांसाध्याक्षेत्रक (गाया) व्हेंसाधाकक वितार्मारे सम्म

द्राताल (श्रेम्या) द्रावनम्याव्यक्तिम्भ्रमाख्यात्रम् व्यापालयद्र द्रात्रातालयः द्व

क्रिया ता तस्य देश ता ता त्यव । क्रिया है । अत्या क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया म्मार्गायत्वावा कित्यम्भायातार्थरात्र्रातातार्थः । द्वाक्षायावकरावाक्ष्रियाविक ।भारत क्रिं रेंगाणवं ट.केंगेशामु बादुलचलभाववी वतु ट्वांश्रिमें कुरावकी वादेशवादी देशदेशवादी स्वाद्रावादी सम्मुत्रमानरम्भः निर्मात्याः (यार्कः ने मेर्स्स्ये स्वरंक्ता द्रस्यस्य परीयवर्षः एकेर.य.जाला र.जा.चें.र.जूबारअर.कर.ता.रंबाडा च रें अ.ब्रांच्ये, का.केंट्ररंबाडाजा.ब्रंटरं दलारोत्रेटाकी अही अर्डेटा वादाला वालला द्या रहित्यर बला अर्ल हिंका वर्षे वालवार्य विदेश विवासंवर्धनावासि । देव पर्वा विरायातावास्वरातासि राज्या वार्यात्वास्वर स्राम्मकाकम्याकाकाकरार्थायम् अर्दार्थायम् अर्दात्यवन्द्रद्भान्नेवन। स्वाप्तरावस्या नासिया बी. अभागमासेर, प्रा. या बूर, द्रा. कुर, रन ए. जा कुर, रूप, का कुर, का कुर, का धरायमाराम्ब्रियास्य स्ट्रायास्य । दास्यायात्रे दार्दातात्रे देशायात्रे केला बेर केर कारता तर्क कर्य भी स्वरूप स्वरूप E. 472. 4 11 कर्रस्यामानेद्राम् रेट्यर्रियामा में व्यवस्ता है वर्षा मार्थिया वर्षा कर्षा है वर्षा म्मार्यस्तर् । वाद्रवादे व्यामार्यह की द्याताता दरास्थ्या कर्ये वाकि वराते व्या विर शिर्द्र के विरमाया । श्रिमाद्देश हैं शिकात श्रिमाया सामाया सामाया मार्ट देश्या सरामर केर वेश मायत है। मेर मह मह मह में वेश गायतः अहः : , हः : । धरे ह्या अर्डिरं के द्राय बिरं तहा ही डिअया राष्ट्र में बिराहर यो श मन्द्री कुल,के राष्ट्र मुर्तप्रमी रहिरे के मेराबेल एट भी अवेल तप्रमी गड्डा है वर्षे गुजुक्ती केजारवायातात्र्रत्याती । र्वत्रत्यात् क्रिया यन्त्वास्रियं रातः मर्द्रम्मेया हिरेद्रिर्द्धारा वर्द्दम्मा यद्द्रम्मा यद्द्रम्मा स्वर्धाद्दा द्धारायते स्वर्ध मुस्रार्गः विश्वमा श्रुतिर्दित्वारितर्वेत कानुति खुनुश्रद वाद्वयाया । अपने ववसायान्त मार्थाकी द्वाराया के अदा हिमायती के त्या त्या के त्या है त्या के त्या है ते विकास त्या के त्या के त्या के त्या र्दर वर्ग भ्राप्त प्रस्ति के नुरा विभवात वार्ष के हिं के नुरा र्वे कर बर्ग हिंग है नेरी र्राराद्रात्तरक्षेत्रक्षायार्। क्षेत्रमान्ने वाहेतावत्राया त्युवार्षेत्र । यदत्यावा सुरद् कुल्या क्याज्याताताता क्या क्या विश्वे र्यास्तिय क्या क्या त्या त्या त्या क्या त्या त्या त्या त्या विश्वे । श्रिट्यार्याणा मुसम्बर्वहर्यर्ये र्वाशिवर्वियायायार् मर्विष्याक्षक्राम्यादा वर्षायवर्षात्यात् वर्षायवर्षात्याः क्षेत्रहर्म्य। देवलादायाः व्रविष्टाताः र्रेट्र र्याता त्रकी विवादी दाले विवादा क्रिया ता. की. पार्याची प्रत्य देश देत पा. पा. क्रिया पार्ये र्रह्म्स्र अ.श.भेष्रत्री र देतपाला ह्रिया अ.पश्चा पर्या प्रमा हरामा हराम रंक कु को नार्तरयात्वरुद महिरा, बनारेरके के खेलार्ने लके में नामक करें के लिए इ.इ.स् इपरामराष्ट्रिया हेरार्वाया होरार्गा स्ट्रिस है स्वाज्ञा वरावेगा हमाया

जर्भी करणद्वीत्वासामा हिन्दादा १८० दर्भावाद प्रदेशता वर.ही. मुद्दः यः स्मिता वतः (यह यध्नित्त्र पादलक्ष्यः र्द्धल्या राष्ट्र लाद्यमञ्जयमञ्जयमञ्जयमञ्जू द्वार्द्धल्यः दे हेर् लियाया का लातियात्र यात्रात्रः कुर्ट्सर्भराभर्दे र केंद्र र केंद्र र किया र प्राप्ति किर तर्दे कु लेया था है. र दक्षित्रको करुण मञ्जू मञ्जूषा यसातानियः वीता होता है। रवकार्यार्यात कैरायहेवती ः न्यूरायभारा मं केरा हैरा रवका पेत्र महिलायां अर्वः अड्डितं दगरायां महरायां अद्यो प्राप्त म्रा महलायां वे प्रत्यां प्रा 3201 शरामायरकार् ररायालयं वयवासहर्रा प्रचि सेयालय्री वयवालक्ष्यी वयवालक्ष्यी लेया.जाय्यालेंद्र,रदाया.जा में अक्ष्में में अक्षेत्र,ताय रहर हैं हिया क्षेत्र, क्षेत्र, यह यो जायू मिल्लामा राज्य मिल्लामा स्थापका स्थापकाल स्थापका स्थाप र्रायः तारा केंद्राभार्या । केंद्राभार्या । केंद्राभार्या मारायाः मारायाः विष्या किंद्रा हिंदा ता के विषय अपति श्चर्रमम् भ्रामितास्य । कृता यं कोर्नुयो स्ववलायेर्। दे त्वार्याय स्वत्यं ये ्रिल्ला कर रित्र तिया है या कि बर ति व के विकास र्वत्यक्ष्यात्र र विक्रा मानविष्यात्र । विक्रा मानविष्यात्र । विष्यात्र मानविष्यात्र । विक्रा मानविष्यात्र । व यार्थाः यात्रे हो हैर हो। विश्वे विश र्वासम्मा महर्त्यामा नेत्रा अत्रा र वर्षा र वर क्षेत्रकृष्टी हर्त नेमहर्र र यह तारातार र तिमान के का कर हर के ता हिला ही महर्ता वालवे यह र वह ता है चर्राकुरकेरक्र ग्रामा के वरार स्थाय में वरार स्थाय में दिर विवास स्था में दिर के वर्ष राव लाई वर्ष रेहर । मेंत्रात्रात्रे, यूरारी, प्रयास्त्रात्यास्त्रात्यात्रात्यात्रात्यास्त्रात्यास्त्रात्यास्यात्रात्यास्यात्रात्या श्टरम् म् म् म् र्या द्रायद्रायायवल कुटा ह्वा ह्वा ह्वा ह्वा स्वारा में वा को हरा यह हा स्वरता वा

क्रिज्ञातातात्रवाचनताका कृति कर्तत्रविद्यात्रिक्षित्व विद्यात्रात्या क्रियात्रात्यात्र क्षेत्रयात्या ब्रिट्रम्याश्चर्यात्र्यात्रम्या व्यवस्य हराक्षेत्रं स्वेत्त्वरात् द्वार्याक्षेत्राक्षेत्रम्या स्वाया स्राप्तावरात्वी रयम्बनावतर्यातर् स्राप्त्वा निवार्ययक्षा विवार्थया मुलायाकार। द्वालिकाक्ष्राताक्ष्रात्मेरक्षेत्राता स्वालिकार्यात्मा अमरतर्वाथवरिरवरार्भा अद्यक्षिते वाहरेकवर्ष्येव वां स्त्युद्धरथ्यवर्षेद्रवा वा ला र स्वास्थात में नारा थाने मेर वर्षा ताना धार देर के महिला में नाम मारा में करे के कार में नाम के करे के नाम भ्रम्भार्यस्यम् स्र्वास्ट्रस्यम् राष्ट्रस्य राष्ट्रस्य स्था स्वर्धिय स्थार्थिय स्यार्थिय स्थार्थिय स्थार्थिय स्थार्थिय स्थार्थिय स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्था स्थार्थिय स्थार्थिय स्थार्थिय स्थार्थिय स्थार्थिय स्था स्था स्थार्थिय स्थार्य स्थार्य स्था स्यार्थिय स्था स्था स्था स्था स्थार्य स्था स्था स्था स्था स्था स्था महन्। मुन्निश्नामारः दासा निर्देश मिन्निस्य । देशस्य देशस्य । व्यानकावर ह्लान्डिनाह्लान्डिमाह्लान्डिमाध्यारा हर्ष्यायतेह्ताल्येर संबेद देतुनार्यदक्षेत्राया रक्रिकेन क्षिनायम्बद्धार्यर व्याप्त । अक्षित्र स्थित्वर व्याप्य प्रमान मिरित्रहिनाले में इन्या नित्रानित के कि मिरित्र में कार्य में मिरित्र में कार्य में मिरित्र मिरित्र में मिरित्र में मिरित्र में मिरित्र मिरित्र में मिरित्र मिरित्र में मिरित्र मिरित् विराधारम्बी मान्याचरायांचर। व्यक्षा व क्याप्तुरार्श्व पर्दाहः सहराहि मर्वाया नि वाचेर चेरवर्गनिमारे वरेवारवार्ग किलामुंबाकेक्ट्रामाचेवात वर्गनवान व्यानाया क्षेत्राष्ट्रे ल्या अहार वर्षा लार करिमा माये हा कि मिया में में में रेश तर वर्षा है। मिलर्वे वडेर् । किंकिकि कर्र्ड्टि क्रिया हर् रु**व्य**र्जरमा भारत्रहरू अर्वित्र स्वार्य अर्थः क्षा विविध्य मात्रविष्ठ स्वार्थः । त्या मुना त्या न्या न्या न्या न्या न्या न्या इन्मार्थमान है। तर्यात्र । व्याप्त प्रमानेत्व विद्य विद्य विद्य विद्या या सर रेवा संदेश सार्था आहे । त्या पर माया अहर हर स्वाया सर्वा रहेवस ही मुंब हर माद्रका ताव तार का श्रम में तर हैं में में में में में 1風からずがり वाकान्त्रमात्रावतत्त्र्याता द्वेनवित्रवित्रक्षान्यत्यावत्तरेवता दुर्द्दः (दुराव्दः) वकुद्रिः सार्व्यः ता त्रीकाकुर्यः त्ररः हित्र हित्रः प्रवणः के यावभाकः वारावाधेयमः वाधाः वाधाः त्राधाः वाधाः वाधाः वाधाः वाधाः व वं मर् वर्षेत्रा के वाश्व : हार् हिला र द्या र राष्ट्र वर्षा सेर व्यक्ति वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर गल्दी सार्ट्या खेलावी पर्या में के कार्य किया कर्ता किया है। दर्दर हर्ष अध्यावी पहें खेर क्रिक साम विकास र्यक्ष्यःस्यः द्वारमःह्व। रिवादः वार्रः त्वस्यायायः त्वः दरः विवे वुः वत्यावादवः वार्षस्रः म रिन्यम् र्यास्त्र रेविट्डरः। रवर्गरान्वेलक्किर्डित्मा स्वास्त्रेर्प्या 1र्-ध्रायमान्यतम् अस्य अस्त्रः रयार्यर सेव.राष्ट्रः में अस्यर्वेग्या संस्थित्या ग. पर्याय । र्रायश्रद्धाः या प्रवास्त्रां या या प्रायः स्वास्त्रां अस्त्राः स्वास्त्राः स्वासः स्वासः स्वासः स वि। रहरक्षेत्रः यते सुवक्षत्रात्राक्षेत्रः यह वाराम सरक्षेत्रः वर्षेत्रा सालदः स्रोव। स्रिक्ताः 

5 141

क्यायात्यात्रात्रात्र्रात् त्यायात्रात्यात्र्यात्रात्यात्रात्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात् व। यूणरव त्यिष्कि यद्भिल्दा कैटलक्षरक्षरक्षयकि सुवक्षेत्रका दिल । मह देवस्यक्षिक्द न्त्रा क्षित्रात्रात्वनद्कुते कथारास्याभेदा दर्रद्रश्चरभे कर्भाके न्या के मुंधके का भेरादेशके इ.स.हीर्भाकारमा भवरण वर्षेत्र पायमेर् पायमयायम् वर्षेत्र वर्षेत्र है स्थाय रवार्ष्य वर्षेत्र य इरामक्रात्यराम् एक्षेत्राचे मूक्षाचेरत्रमायाखार्यात्याक्षेत्राक्षेत्रात्रात्यात्रमा है। मीर के यह रहेन नहें में माना में नेयर नहें नहें त्या ताया करा है र नहें न के में में र दें र नहें न के में में क्य अध्यविश्वेदरेक्ता क्रिक्टिविदक्षिरकेष्ठ्य रहवदेन्त्वम् क्रित्यस्वेदः स्वर् विवा वी ख्रुंदार क्रोंबाकी दवार करार खार दूर र तहुआदमारी आदवार त्यार प्राप्त का स्वार क्रांक क्रांक करा करा विवास र्यार हिर्दराय क्रेक्ट्र वर्ग वर्ग में क्रायर स्वाहर। स्वायवर रिवायर हेर में त्यावा अन्या क्यापर्येश्वेशक्षाणा नदर्वालक्षानपुरमेत्वरं ता प्रवेशन्तरवाक्षेत्रकेषा भ्राप्त शरेशनास्त्राम्हर् कुरारायिनास्त्रार्द्धार्द्द्रायाः होरा इत्तर क्षेत्रभावविषयाद्वायाक्ष्या दर्दर देवायदः कुक्रतात्री एह्मभूराश्वरक्षिकेतात्त्री क्षे.एक् लूटलक्षित्रसूर्यात्री स्वायक्षिकारवलार्या संचल्यास्त्रेच्रवना तद्वार्यात्रेद्राचेता वद्दे त्याच्यात्वेता स्वार्षिका स्वार्षिका स्वार्षिका स्वार्षिका स्व पत्र.रे. ब्रि.म.ह.राष्ट्र.स्या । अर्थामाहाराष्ट्री श्री.हा.त.राष्ट्रास्या श्री.का.पी. क्षा बरकिर शुर द्वार दिन स्वर हैते. अहरता तार्था तार्था तार्था है देव हा है है के ता है तार्थ होते हैं के स्वाहरता के देव हैं के स्वाहरता के स्वाहरता के देव हैं के स्वाहरता के स म्यायाना श्री मुद्री र्वेयात्रक्त अवाय करा की मुद्री क्षित्र महत्व महत्र महत्व महत्व महत्व स्था स्था स्था स्था मुक्ति-दिन्धिमाला न्यायः सर्वत्रत्वक्ति साही हिवस्त्वताक्षेर्यात्रीर् तर्ज्यः) रूजा यायर्त्रत्विमः शुर्द्रभरतकूरी एर्स न ने सुर में देन करी में केंद्र में यर लिया पासे ये किया है दर्भिया, हिरा। श्र श्रेर्श्वामिणालरीय विश्वयाक्षित्रेयानेर्श्वयानेरा। भ्राम्बार्करम्थार्थयानेरा। रे उत्तर्ता सरमाहसामेरा र्यवस्य बेर्यरे सेंदर्रा र्या बरे में स्या बरे में स्था केंद्र यादे। कुद्र विवाद मार यह वाला र्भायका स्वयानेता क्रिक्टीराणविष्यायार्द्या विभक्षेत्रक्षेत् लर:वर्ष्टिशमः वर्षः वर्ष्याः कूर्यत्यं अत्यत्रेरत्वं दरः पर्यो दरः भरः लवः तरः र्याः क्रिंतः त्या चाल्या ता क्रेया ताय के भ्या यहता पर्या देव तेतु मार मिया हिर क्रेड्री विभागत ते पर्या ट्सीलक्टा वारमाराज्य कर्णाट्सा पर्यात्मा वामटालु करायम्। स्वाप्तात्मा णमायात्रमायो त्या तर्ममुमायते स्ट्रम् क्यार्विसेन्। रममाष्ट्रमेते तर्मार्केर्भेषायो क्या मृ.चयातावर् मृ.च्यायायर मृत्या व्याप्तायार मात्रायार मात्रायार मात्रायार मात्रायार मात्रायार मात्रायार मात्रायार मात्रायार मात्रायार मात्राया 6 Talas र्वायायान्त्री पहें श्रीट अंट के विष्णायां या र्द्या व्यापना र्द्रा विष्ट्री दे स्थाया । 75021 कुरास्त्रियास्त्रियास्त्रामा लूरम् स्वक्तास्य र्या चराक्ति। ट.केल. त्रा चेर.सेर.प्रामणता त्रध्री र वानम् ने से से से रायते वाप्या रिक्षः ता। सम् याजार से सामन वाप्य ने से से सम् याजार। यो राया याजार वाप्य वा

न् न्यात्मित्रे द्वात्ये वयायवन देर्द्र सेवाया सूच । योद्वावन वाद्ये सेवाया या विक्रात् मुक्त दास्यामी स्रित्यावरायम्। द्यत्मुक्तियात्रिव स्थायायम् ।देन्रीवयिः क्षित्र विराधित के स्वीति स्वीत्याला वर्षम् वर्षा के स्वीति के स्वीति के स्वीति तब्वाक् सेंभू ए.र्यू द्या नर संवा ना पर्रेर्य पर्रेर्य विष्टेर्य विष्टेर्य पर्रेय पर्ये के पर्य के प्राप्त के युः अदतः यम् वायुः अद्भार्यः स्वायाः स्वायाः यवि वा यदः द्र्यायायः यवि वे व्यवस्य याः यायुः क ब्रूर द्रात्म निर्म के भेवा तह्म ब्रूर कु वर्ष वा मित्र के वा के वा के वर्ष दर्देश क्रियायां वटाक्यायो अपार्यायायां या होता है। हे अपार्य अपार्य विवास्त्रीर क्रि.लूर.मुर्चभवावसालार.वर्ष्ट्या. हे. जैनेवायुवारेन.र्रा ज्वास्त्रीर. चामर्रियारी की प्रामक्षेत्र देश में रहा हार्यर देनहान्वर्या क्रिया में यह दार किया है तीया पर्या के में माना यह है माना यह स्थाप स्य नसमायश्वरास्त्राता वृत्र (८८) श्रीरायाक्यायाव्यायुक्त राया थे। यस्य यावरायाले गार्चर म् अर्गेनेना , स्वायर्यम् द्याद्यमा ह्वास्येवद्या स्वरः वर्षे वर्षे यस्यस्ये स्वरः यस्ये। स्वरः स्वरः श्री रेक्टर विवाहाता है। इस है एक लाग देवर के प्रमुख के ग की सहिद्देश हैं। हैं वायवायवायेर देश कायेर यमें देश था ' निवासी अंदेश के विद्या विद्या वार्क में सम्मादेव है व विवास वार्व र र्रेट्र (हरावेंद्र) म्यायित्रिक्षरावस्यात्रः साम्रस्यस्यात्रात्रम्यम्यस्यस्य द्वाराष्ट्रम्य। न्यायास्यायतित्वरावस्य

मा गर्मिलक्षेत्रावए.ए ब्रे.क्रे.कि.चक्या क्षेत्रयन्त्रायवित्रक्षेत्रप्ते वित्रवित्राप्ते वित्रवित्राप्ते वित्रव भन्भन्। पर्भरक्षेणागर्दायाम्री स्रद्धावारगरायतःगयान्यरात्रार् श्चि. य पर्देशुः सूर्यम् पात्रयाः यावपः पर्वा प्रसाधि स्वा या स्वा येथा म्या या वायपा हेर र्याम्या रेरी व.०री.प.म.रीय.भ्री तीयक्ष्य.प.यू.वाक्.की.मू.मू.री वा.सम.कित.भ्रमूया.पर्वेदस.तापु.वतेमी विवाद विश्ववस्तुः ता । १३ द. मूर्य राम्यतीय विश्वविष्वता वक्षायते श्री मुं अकेद यशिवाददा र्भरायते धीर्विवर्षेरस्य द्राद्रा दलत्वर्रस्या याचेयाद्यरम्यस्य वलस्य वित्रायरित वि। दल्लासम्बन्धिरहराता सेर्रे मेवमित्रमेर मर रेर्। सेर्रे सम्बनमेर मेर्रे र्गा.जा.जराजारा वर्ष्या के ला.जराज राजा राजा देवाया वि.चा.जा.च्यारा तर्रा केराजारी यो अपना वास्त्रेयः दःध्ययभाद्येदःश्वयभारद्ग । न्यराये गर्यायाये याता भागविभा वर्श्वयात्रे वासमिदःस्रीदः र्डक्रियावम्यात्वात्रम्यात्रम् मृत्यात्रम् स्वात्यात्रम् । व्यात्यात्रम् । व्यात्याः व्यात्याः वित्यात्रम् । व र्यमुकाक्षेत्रः व्यूरा दसरायामितः देवकियाम्याक द्वीतिरामाना रावक्षेत्रायते द्वा व्युद्धवते रयुद्धाया अवगार्यक्षित्रे के विकास्त्र मिन्द्र मान्द्रया वर्द्धाया वर्ष्ट्रया वर्ष्ट्रया वर्द्धाया वर्ष्ट्रया वर्द्धाया वर्ष्ट्रया वर्ष्ट्यया वर्ष्ट्रया वर्ष्ट्यया वर्ष्ट्यया वर्ष्ट्रया वर्ष्ट्रया वर्ष्ट्यया वर्ष्ट्यया वर्ष्ट्यया वर्ष्ट्यया वर्ष्ट्रया वर्ष्ट्यया वर्या वर्ष्ट्यया वर्यया वर्या वर्यया वर्यया वर्यया वर्यया वर्यया वर्या वर्यया वर्या वर्यया वर्यया वर्यया वर्या वर्यया वर्या वर्या वर्या वर्या वर्या वर्या वर् त्ने। क्रियानीवर्षाण्याल्येद्रियारी सम्पापन्यामान्त्रेयान मदावनेत्रात्रेया र. प्र. ध्रेयः लूरी लदः रवाल क्षेत्रः महीद्वि बालवा क्षेत्रः वायवा क्षेत्रः वायवा क्षेत्रा वायवा क्षेत्रा वायवा

र.एक्या.के.झर.तपुः जलामाश्यालदेश । कू.धीर.यु. मूज्याता.क्षुः पर्ट्य । मू.टरज्ञा.टर.

श्रायम्प्रश्चीर मुक्त्रम्यामा प्रमृति द्रम्य मने दरा क्रिक्ट समान वित्तर में दरा pair. राट. ट्रम्यातम् याद्धः त्रे. संदर्ग व्यक्ति स्वाद्धः वेर्यद्धः वर्षा अर्यवेश्वः द्रश्यः द्रिः मध्यार्य यात्र विभागत्त्र विश्वास्त्र के अति अव्याद्य विश्व प्राप्त विश्व विश्व के त्रिम्द्रित्र द्याद्रा मार्था देतुः द्याम्बद्धावस्य स्वनः भवतु नावतु केत्रः दुर्वता द्रम्द्रः देववा 3 भक्तं,रद्वअल हिक्राक्रंद्र्या विकार्त्रद्रा रद्रा रद्रा रद्रा रद्रा त्यायात्वात्वर्रित्वी वाक्वाक्षेत्र. रता. ग्री. वेवताया वर्षे । इत्यंत्राय विवास तर्य देव तर क्षेरा भाष ग्री त्वास में दे शिक्ष । भीषा यरिवमार स्मिन्य हेर्ब हीसा द्वा वर्त वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष हैर्य वर्ष हैर दिले वह ना वर्ष ना वर्ष ना क्तर्रक्षियात्रक्ष्याक्ष्यात्रक्ष्या र्वस्या र्वस्यात्र्रार्यात्रक्ष्या रम्ब्रियायार्थः याच्यात्रिया मेल्यकिकिसर्यणसीयमा र्यायप्रस्याप्रियात्रियात्रियात्रियात्रियात्रिया ह्यातक्ष्यात्रक्रिया ध्रेम.पा.मे.पर्यात्रहरतस्त्रदः। मक्ष्यात्राम्द्रात्त्राम् यो स्त्रास्त्राम् प्राचा स्वाक्षियात्वराक्ष्यास्त्र स्वाक्ष्यात्वरा स्वाप्त्य स्वाप्त्य । त्रिमान्त्र स्वाप्त्य स्वाप्त्य स्वाप्य भ कृत्वा स्वाक्षियात्वराक्ष्य स्वाप्त्य स्वाप् सर र्यास्मान्यराप्यम् वर्षा द्वारा द्वाराः स्वर्धिको मेशाम्याणा अवश्वात्यार्थाते। म्ला में क्यात्रकृतायल वर्षेत्र वर्षेत्रकृति वर्षेत्रकृति । वर्षेत्रकृति । Sgrain लुवा इ.हैरंअ.धरणत.परुक्तिरी इ.च्.लव.पा.जवक्र.जुर.क्य.च्राकुर.धेर.घर्या 6 महेल या इस वावनः वादः दयतः वर्दः दः वानुः ध्रीतानुः वनवः श्रीः श्रीवराः वेदः वेदः तोदः तादः होदः श्रोवरा।

नर्रात्र्वाषावृते तकेर ख्वाचेर वादेते वसमयम नर्रात्र्य वर्षात्र के वतात देवकेव वस्तराधी लर्बरहरा द्वायरतह्याचीर सेटक्क्यक्कलय्यस्त्रां लेकायतिवासर देवा प्रतेश धीर.पर् वेषाता. श्रीण होर जिया अश्रीजार अर्थे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हा हो ज्या वरपरे वे हिन मारायाद्या रे धीयां येदायते ताया तदी विवेदा साथा य उदायां भेदाव तारा की पायता से दा त्रेचातर्रिट:अवभाष्ट्रणात्मुनायावीयाक्चीनान्त्रान्त्राच्या कृत्रकूरान्त्राच्यानार्थाः व्याप्तास्याक्चरा

षिक्षुरातातर्वेत्राधराक्षवाचेदारवर्दात्वेताधवाद्याराद्यात्तात्ताक्षव ।देखेवत्वेराधिराहेद तियात्रक्षितिक्षेणायपुर्द्रम्त्रवर्षित्वर्षात्री

क्रिकेट्रेन्स् व व तामायावार्यरन्त्र छातात्रमातारन्त्र सुम्बद्धर्वेगर्ग्रम अक्रिवाइस ने श्रियासकी व्यायक्री व्यायक्रियाधीयमा सुर्द्धना स्थायक्री वार्कर ने सुवार्क्य सुर पर्यात्रास्त्रेर्य काम्यस्य क्रियक्षितक्षिरायमात्रेया भाष्ट्रअद्धायलायान्या कर दैशाल्य का वाक्ष इंद्राचिदा रिटें मधे दाना कर का ताप का पर्वा र में बा कार्ट्राविस् रूटी र:दर:दर्स्स्मेन्स्य यरावयश्चर्यरेदेवम्द्रिया वाववित्ववावी रावरेद्रिया भरे त्रवे अक्ता र रेवा न्या पर्टा अवर त्रेया र हे,र्ये वशा यी वर्ष्य केता की प्रयोध त्रवारेता र्राया र्राया स्वार स्वार

80321

793

somewhot like र्र्ट्रमें विस्तर्यह नासुमाकी र्ट्रहे छातु पकेट स्वेन धीन। या क्षेत्र नाहिन क्षेत्र भारतः मित्र. नामा रद्द्रायात्रवात् वाहेलास्वाहल। वर द्वार्या वरद्वावतात्रात्रवाहल। वर्षास्था पर्ताह रमहे मेर्ने १ विषय पात्रा मान्या है ता है विषय मान्या म् उक्तरकारकारकार केला विवाद्यां विव क्री प्रमार्थिक स्थानिया देश देश देश रेश की देश की सर्थे में देश प्रमार्थिक स्थान प्रमार्थिक स्थान र्वा.के.वश्या चाग्रवरदाधिके.कुरा.च.येमाग्रदा कारा वर्देर.केयाञ्च विकासाता हिर स्वा अप्वा में मिला जा अराम के जनमार र जी रहा के वा मार र सेर में बाजा मिला स्वयाविक्रास्य वस्य त्याव दर्। विकाल सुरह्म द्रमञ्जाल। द्यताल से खुर द्रार पर्दा मवंभासुमार्थावर्राद्याभाषा कृषामार्द्रियम्बर्धाद्यार्थाद्रा म्बर्धाद्रम्भाभिक्षास्त्रम्भार्षिक मुद्रियंद्राक्षावियावे, वर्वा अलुर्याक्षेत्रकी देवरात्राकेरी वित्रम्य आदेशकूलाकु परिवाके परी हिंग अस्य राक्ष्या भाषा माह्या में के वा मास्या पर्वे के मान स्वाप्त के मान स्वाप्त के कि के कि के कि कि कि के कि कि कि क म्भर्भार्यद्रास्त्राच्यात्रा अर्थे । अर्थे तर्द्रभागरमा की रायाणा वाष्णु तर्व्या व्यवे अर्थे र र स्मर् (करर्स संदर्भ प्रीयः ता स्रीयायः यरः । लटक तपु पर्या सामानेका पहण्यासूय रे में या अर्थे महिभादे। वस्राद्याश्वदात्रे श्वदायाद्याया वर्दरायावरास्त्रवाया द्वितस्त्रियात्या वर्दराश्चर अक्रमणा कानुरास्य रगरदे। वादयासुवायार्षदर्भे हीरायकदा ए। सक्र सक्ची केवाया हीरायते विस्त्राया मुंशक्षकी, अक्टरं दाता के लाताता कर प्रें प्राया में लाता कर के मूर्त वा गर्या है. क्षित्र मात्र तामा स्थित दे हिममा लेशस्य प्रति अहर विद्या प्रति । स्थानु वर्द्धत्त्व्यायावतुवा अधारितुषा तदे तद्ति विभवने वास्तरमुवाया भर् देर दस्य मुर्वि वार्विया की दि कि विभव ्रियात्मा वर्द्रास्याम् स्वरस्थायस्यायस्या स्वरायाद्यातस्यात्मात्मात्मा वर्षास्य स्वर्थात्मा वर्षास्य स्वर्थात्मा वाराधित। १ मन्त्रीवार्षरापारप्रवातो सेरा विर दवा पंक त्युवारा स्टर्ध य ते द्वा पादवारे उद्ग्वा वात्पता चात्रे वित्र देवति ववात्र अय्ये वित्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्षेत् त्रिता स्ट.के.याग्ररक्रिकी जाक्षीजालावी खेलपुत्र जीवानामहर्ततपुर्या सुटार्विप् स्ट्र. ब्रुव यह देश की वाता सवा है कू ताता र गरा द से वास वा है। रू के र गरी वा व व ता केर ह वा वा वा रत्यात्रम्या इ.स.र्म. प्राणायमाराया वावरा वाका वार ही वेका वाका समाता वावरा वा 18 ब्रा प्रत्या स्थाय स्थाद ता स्थाय दे स्र स्था के त्रिक्त रे ता है। इस स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स् अला अस्त्रात्मवास्त्रस्य ते देगवार्त्य के वालका सर्वात है ल हैल। वर्ष मराजालारदाक्ष्यार्रदी अवाकी के अक्षा हिरापर्या हेरापर्या हेराका का किर्म के किराका का माना माना रदःशुभवाक्तिक्षभक्तरेत्री यदःवी.वी.स.स.दे.पा वर्रःश्वे क्रिं क्रिं स्व.पा.पर्वी मवार्वात्रेत्रहेते केराक्ष्मात्वद्यात्वराखेदा यदाद्रम्यानायाः प्रख्याक्ष्मादे ववतावि वरिः

65

र्रे त्येवायामावसुयाकोत्रे त्ये त्या रयतातरे व्याकृत्या व्याये त्ये वेता दे अवेत वर्त व्याये वास्या वाह्यावां वे छ। इत्त्रीर सुब्बा । छोया है यूर् है। हैला बेराहिट द्यता वाह्यादर भोवाकुला वाववामकेर होरा देवाहु ब्रें लेवा यही ह्यादे सुर्वाहर प्रमा ११११ विद्या मुक्या हे द्वीत्या स्वाहर विद्या सम्बद्धा मुक्या स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्व पर्यो क्षिपतियो मुलाकरा देरी वेकाभावपाली लावाबरा मुक्तररातहरा मुक्तररातहरा मुक्तरातहरा माम्यावरा माम्यावरा माम्यावरा क्षेत्रचावताःगरमा विवायहेबात्रेश् क्रवरवता व्रेन्चियः श्रेवक्ष्यं राज्याक्षेत्रारः ग्रंभेर्भेर्भेता देवालावने संवत्त्वाति त्वात्र कुलावभूरा वसाभावत रेवासे से प्र ट्रिलिम स्रियर्ट में हिया बीकर रा हुम त्वर्थ से सि हिर तर क्षेत्र की की कूर र र ब्राचित र की तै.लु ५.८६८४.४१.वे८४१४५.वी.५८.५१.१३८४१.५ और हिन्देश हैं। शुक्तामायायायारी दर्दि। आतातामातायार दर्दामा दुराव्दरव्युर क्षित्रास्त्रवात्रवत्। त्तेत्रक्ष्यः तर्स्तिव्हित्यवराष्ट्री यन्तः वारवविवासायविकात्तापावर प्रवृद्गारम्ब्र । देत्रमादातायवाक्षाता मायद्गमाद्राम्भवा श्रीदासीयाअबूदावकिद्वी वी रं रादराटारास्थाय केरक्षिणलामुन्धाः कार्यराद्वा दर्भेषाः मास्याकी त्येदारा स्थान भावतालक ति कि क्रमाल हें जो रगरंभर तिमान में ने तालकी वें ने ग्रेट हैं विस्तान में में एड्सिल्लाहर के प्रमान है। विकास मार्थित है। इस किया है। उन्नाय विकास कि मिल्ला धीना को स्वयं के स्वर्धा वर्षे दिन होता है। इस देनत वर्ष होता होवा हैवरा होवा वर्षा देन 3 Laugh 255 @ प्रमादेवापेव। देवलारालाववा हु ला के वेतिक तं के के हि। के व लक्षेत्र पर यताक्यामर्वास्याम् वता मद्रसम्बन्तियाः विस्तर्वात्याः द्यासम्यात्याः द्यासम्बन्धियाः ववःक्राक्ष्यां श्राचा क्राक्ष्यां व्याक्ष्यां क्राक्ष्यां श्राच्या क्राव्यां क्रायां श्री देशवा स्थाता श्री देशवायां तरे प्रमण्यत् भर्भात्रात् मार्थात्या वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षा र्भेतालका र वित्यादाशका या प्रायदासका शिलाव वावसायां सारा वावसायां सारा वावसायां सारा वावसायां सारा वावसायां स किर लयमा त्या है से हे के के ते के ति है के विश्व के विश्व के ति के विश्व क श्रद्धं च्रत्यत्यां श्रद्धायावत्रत्यः र विणाविणारेरी मी रंभग लेंभ वर्षा वर्षा कर्ता केटरमण वह दया य ताला मालिस सर। ्रको अस्ताचर १११८ दशका एह्रद्रमान्या श्रीकालका प्रदा। प्राधीतिमका प्रवासमानिका कर्ता किर् (अ.व) चरकी १.२६. ए अल. र. अर. तर करी जया शुर रेड्ड रेड्ड हैं रे. जया शिया सेवा त्या रेट ये हैं जा जा रेडे क्राता.क्रियुना.म.मंग्रामा भराष्ट्रीराष्ट्रराष्ट्रियामः रहा क्रियाता होता वाता ने विम्पा विमाल क्रियावि द्वांवि तर्वावि । तर्वाकी वेरा हिमाल विक्रा विमाल क्र्र. में व.त. प्रियार द्वरा क्रिया वर वर वर वर प्रियार प्राची श्ची.पर्वी.प्रविद्याला त्रवातिया । त्रि.कर.पर्यातावाहर्य द्यातावाहर्य द्यातावाहर्य

य। यात्रावि दूरायाक्रीत्वकार्यया । श्रीतिश्चित वाद्वीतात्राची द्रायात्र श्री द्रायात्र श्री द्रायात्र श्री क्रि.स्टब्रहरणतार्वात्रक्षत्र हिर्द्धार्तवर्वात्रक्षत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वया स्वामान्य रात्यवारी हेरा मेर्नाययर हैया हैरा हिम्हेन्य केराकेराया क्रेट्सवमाभेद्रायाती वार्यकार्त्र दिमवास्त्रह्या स्वार्मित्रम् वा कर्षामा स्वार्थितमा स्वार्थितमा स्वार्थितमा भरम्भात्रं स्वामात्क्रमावाता हित्यत्रात्रद्वात्रवात्राद्वात्रवात्रात्र त्र संस्थात्र स्वासित्रात्या म्.विर. अरे ते अरे रेवव अ. अरे । व्यर रेक्य अर्थे व्यक्त प्रकार के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय सेत्राक्षात्रक्षे ति.से.पे । किर्बिकार्क्षाक्ष्ये स्वराक्षात्रक्षे क्षेत्राक्षात्रक विश्वास्त्रक प्रवास्त्रक विश्वास्त्रक प्रवास्त्रक विश्वास्त्रक प्रवास्त्रक विश्वास्त्रक प्रवास्त्रक विश्वास्त्रक विश्वास मुन। मी.त.र्भायाक्षिणात्ताना एह्यामान जैनमा सून कुमा पह्यामा देश्यापह्यामा द्वालिशियदम्री सद्यी श्री आधारमेटला मिर्द्रलाभरावयावालावतिद्वा रिसर्वे के मान्द्रव वयाक्याम्याम् वावायति द्वा द्राद्रमञ्चाता त्रविवायते द्वा मात्रति स्वर क्रिक्षाता क्रिक्ट्नारापुः सरक्तारववक्रिःहार्थं यसपायक्र्याताः ए से सरर्। में से क्षेत्रक्तारणक्री उत्ताता भूता दे में द्रविधायावर, वालया स्टान्स के कुर्यु में यह है में भूता है। यह वास के किया भहताक्षित्री चामकावद्रक्रमाक्ष्याक्षित्राक्ष्याक्ष्याक्ष्याचात्रात्रे अस्तात्रे स्वर्धितास्त्र भागत्त्रे में वर विभवात्रात्रुवार्यवात्रवार्थेन देशार्ययते त्रायात् के विवाय्ववाययते रे असी क्रिक्र विद्यानिक क्रिक्स देश देश देश कुला क्रिक्स क्र मन्द्र। वित्रत्यात्रायात्यरत्यांत्र। वित्रद्रक्तायांत्रेर्घववायेत्। वेवावायित्यः भववाव्यरः रस्यान हार भारत होता ने किल्ला है से स्वार के स् इस्टार्ड्स्क्र्र्प्यं केंद्राय्ट्ले हीया द्वायाङ्कर्ष्यं क्रिर्द्र्यायाः क्षानासद्वास्त्रद्राद्रात्र्री तेस्स्तियः यात्रस्य द्राद्रात्रे वलमायात्रेन् प्रास्त्रे वत्रमार मदुर्वनायतियोवी से स्राम्भव्या व्यान्स्यायर्देनात्माय बुद्वा क्षेत्राव्याये हिर्देश रेता रेता विद्वा कर सुद्र सुद्र त्यविर ऑद्रेस रेद। ह्युद्र स्वर्य रिवेद ऑद्रेस रेद्र। दे के व्यर्द्र गर संस्था ता व नुद्र। स्थाले रियम रेगर मार्जे मार्जेर या समारिट ता में ये विस्ता में ये किया किया ता स्टी गयाःस्रावनश्चर्याः तर्दरम्य। दयतः वर्दरमाववः श्चेतातर्ताः स्रायः वर्षा महस्यां वे हो शुर्वेते हत् फॉयहिचुत्तू। डिला गर्भरार्टरासुरावसूवाही क्षेत्रारे सम्बद्धाया विद्यापार्याय तवात विवा वीतावी ने नेते वासुर देस सु व्याय लर्डिर्एर्य । एचएविवानीसः स्राह्मार्यस्ति अर्थास्यालर्डिर वर्षे । एचए विवा नीमातहतः रदः तदे । तहीता चते ह्याँ रद्या तुरस्य दरामा मार्थे चति द्वयाया तुरस्य त्याया वि रेतुः भरः कृत्यरः गातातुः स्रेश्वरः ग्रॅरः भरः स्र रः स्रेशः वः स्रेशः विभाग्ये वर्षे नावर्ग्यातमातमा रमराभराभर। प्रायम्बन्धात्रक्षात्रम् सर्दे वसामायस्य । राजित्यत्तातात्त्व। नाम् हुरात्रम् हुराक्षरायते श्वरारे विवाधरात्य्र

मी अर्थर दिर। वरा अर्थे ता माण देशवा अर तरे देश विश सेव तर्श र महर हैं आ

**1**5< 68. रार्ट रेका माने करा है मोन श्रीने भारे या केर सूर की रवाका मोन रे रेवा तर्र अस्ति मिलाव. ता मानिधार्याता मिरता हो होते वापना विदासिक र तिहर के क्या के में तिहर देव क्रियेशकारिका वरिवालितामा केपात्र की क्रियादी में क्रियादी केर वर्ष के प्राप्त का क्रियादी केर वर्ष मार्थ Select गिक्स्ति हर् देर् में श्रीकाम श्री हर ता ते ने हा का ता ता हर दे दे ने ता सरामात्वीवाला राष्ट्राची काली पर्वेश सरादरायरी कुवा सुवी अक्षेत्र वा बेरने सापती राष्ट्र द्विवयत् हो स्वित्विष्ठातात्वावावायायेता सारदेशाद्यांवयवा तर्यार्भवा वर्षात्वायां मेर्रा स्वाप्ता रगरयति निविद्यियार्ता कर दरर र स्वामेलना नर सं त्याप्त में दि हिर्द्या स्वता लार्दर र्रझ्रे में मार्था रीय प्राप्त की देश वर्ष द्वार्था व विवस्त्र मेर एवे पा प्रवासित मेर स्रीयाता केविए यतर श्रेये प्रिया पर्या एडे छिए क्षा स्था स्था स्थाप स्था यर वर्राता के विदेश देखे देखे हिं के वा वर्षा कावन अधि देखें पर तर के विदेश हैं के दे रहे हैं है है भक्षाना अस्त द्वास्त्रेत्र किलालद्रत्वा हैला के वर्षेत्र एति रात्रे प्रकृति लाद्रत्वा स्वित्ते वर्षेत्र देत् अक्षेत्र मिलास्यित्रसम् विश्वरावात्त्रिं भाषा देशवाक्ष्यत्ति विवासदेश्वरात्त्रात्ते तथास्त्रस्य बिरामानार केरानुरातर्या ।तर्वर केनारा है। तर्दर केरा तर्या । देश नामा सके अके वात्रव नेरा तर्या दर्शके स्वालामा महीसर्थ। विद्वेषके बद्दा के क्यर दर्श के स्वर्थ के विद्वेषके विदेश र्वियम् कर्षे विर्वियम् त्रिया । र्रास्ट्रिय । र्रास्ट्रिय विर्वेश विरेश विर्वेश विरेश र्रेट.श्राचनार्वात्रे.तेतात्रयात्रे वावन्तर्भात्ववात्र्वायात्रवात्रात्र्या व्रट्.व्.व्रट्स्ट्रेव में में हैं में में हैं में हैं में हैं में हैं में में हैं में हैं में में हैं में में में में में में में में 8 Shark ण.म.स.क्रेंक्री यूर्त्त्वेत्व्याववक्र्या रामाभक्ष्यक्रियाव रूर्या १वात्त्य मर्गात्त्य मर्गात्त्य मर्गात्त्र रिकारेकः 10to hice कूर्य। श्रिमायम्यात्र्यात्र्यात्र्यात्राद्रा सार्वात् सार्वातः सार भी.रशर.चानावाकिवारर.एरी केवाररअपु.माष्ट्रवाताये.पा वानापात्रपा.केर्भावप्रयाय्या हरा दालर कर वित्रक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्षया दरदर्श्वरक्षया करक्ता रिते र्रदेर तरुवा केर व्यव भवा भवा देर विवाद केर के विवाद केर विवाद क

गालामाहर्युत्ति। सुबलबल म्यास्यं यास्य यते स्वारिक्ष अभिन्य पातान्त्री कारा पान्य पार्य देशको वाषण हिर्गह्य वर्षक्ष प्रवृत्त सामा सिक्य हिन गुर्भास्यत्त्व्यं स्थिता अत्वर्षाक्षेत्र्वत् मह्यान्त्रवाद्वात्त्रव्या भ्राम्भास्य । :रवार्टात्यम् र्वारोधानाध्यक्षया। सट्यक्ष्या परे ब्रच्यानुः इवः यरम्वेव । सातः हीर्ट्यारः मालिलक्री केरवननावरात्र्यरात्रुवन वर्षरात्री युगलावाव नी पर्व वर्षराम्म्यूक्री यारमानुःस्रोताः श्रीः अक्टरः हेत्राच्या सन्धः स्रवातावाः त्यवः यतः त्रिवाता। त्यार्याः त्यूक्तावरः त्यवः मितेथुला ह्रेट्यवंवाह्मकायां सुरायां वर्ष्यवंत्रवर्षात्रकारते सुरुष्टा वर्णायदुर्द्दिरा । Fate र्वाश्रद्धवारा वर्षेत्रस्वारी वास्ता श्रद्धार राज्य राष्ट्र होते । वेस्तारी वास्तार वास्तार होते । वेस्तारी वा वस्याम्युरायद्वाको तक्ष्यकार सुरावदेश वहदद्वा स्ट्रियमा देवताह्य द्वार्पावद्व देवते म्बर्भा चीरार्ट्र्याच्यानिमार्थ्याता हीरतहराष्ट्राच्याच्यातात्रातातात्राताता सम्वतात्वात्त्रेते न्यहर. 3 द्रा मा सुरर्गराया नुवारकरत्वर रेरा सुरार्थर्यके क्रियाक्ष्या नेरा सुराष्ट्र सुरायाक्षेत्र राया द्रायः त्र्रेत्यः स्ट्रिवः स्ट्रिवः स्ट्रिवः स्ट्रिवासः सः विस्ट्रितः स्ट्रिवः स्ट् क्रियारमास्य क्रिया क्रिया दर स्ति सर्वा स्वाया स्वाया स्वाया सर्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया र्त्यम्बर्गातार्थारम् स्त्रा संस्वा वाव्यवेश यो मेंहर स्त्रा सर्द्य्या सेव सावत्या त्याव ह्या हिर हिर हिर लिया हर स्वालक्ष्ण। हर हर हिर हिल हर स्वालक्ष्ण। यह वार वरकर सेला वर देश। श्चिमातव्यात्व्यायर्वे वित्रायर्वे वित्रायम् वक्षत्रयार्भे वर्णायर्वे वर्षा वर्षात्वे वर्षात्वे वर्षात्वे वर्षा स्रम्कवासर्त्विररमाम्कुलारेरा वर्ष्यस्त्रम् स्रम्भवायार्वेरवनवायारेरा म् स्वाक्ष्रिक्षत्त्रातासः विरागक्रिक्षात् मान्त्रिक्षा । र्यत्यक्षित्वितारम्बह्तवस्यर्गं त्रवाह्मिनानात्रम्वेन सरकारम्बर्गः १३ ३वनः ग्रॅर्यन्वयास्य मेर्स्यो ध्वर्रेग्याम्मर्थिण व्यः देशाधिव। देवतास्य रामराद्यायपुरा स्थता डिला ही यह वी प्राची प्रवृद्ध में से वा ला कर हो है के मा मा मी मा मा मा मी का वर्ष है । वर्ष श्री अभावरेष्या श्री वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्य वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र दरम्भभभादरावसभायादगाद। दगर्यास्मास्मासम्भावत् सारम् व्याप्तासम्भावतः स्विद्धः क्षेत्रता श्रास्त्र हैं। ये ताला या अता की वर्षे हित्र विष्या के ताला ता स्रिवासितं वर्षास्त्री होटाया हेरा या से सम्माद्यार पर राष्ट्राया हेरा वर्षा वर्षा स्वार्थितं वर्षा र्वे.च बेटा चानमार्ह्यक्ष्यंभू भुत्राह्यात्रात्र देने च । बीटा ही में में महत्र हिम देने च

जिलायर्कायरः सूरक्तिकाक्षरी यावकातान्त्रदान्त्रवित्रं दूर्यायाववाल्यी ज्ञावतान्त्रीरा

क्रानिक्षित्र क्रिया केर द्वाय द्वाय द्वाय क्षेत्र विकाल क क्ष्यात्वयानुद्धियात्रदास्यायाकीस्वयाद्या वद्वद्दाः बाह्याद्वा वात्वत्याया व्याया संस्थाद्वर मति रदःष्ट्रीय भारद्भेश्वेश्वेशा श्रीटाप्येश्वेश्वेष्ट्रिक्षाः मूर्राद्वाश्वेष्याः द्वाराष्ट्रवाश्वेदः प्यदः स्वाधाः देवार् लुवा कुंबक कुंबर वरकर अंजा वरक्वा । इंडे दिर्देश राज्य वेश विवर के कुंबर हैं । देश अरक्ट क्रया. प्यूपा. वर्षः क्रिया. क्रेरी देशः परासे देशः दर व में या परासे बीचा तर्षः क्र्या वर्षे वा तर्षः वर्षः व वृत्। तर्रिक्वराद्याराज्य । वर्रद्रर्थयवर्र्याव्यक्षात्रका । क्षेत्रभगक्षर्थयम् क्षेत्र्यं विवर्धिका र्रम्भर्याकु अभूत्यत्यत्यत्यत्यत्यत्यत्यत्यक्षे वरत्यत्यक्षे क्षेत्रत्यक्षेत्र क्षेत्रपति सूर् रेन्या हेन्य द्ववाला न्यस्तिवारात्रवात्रकारावतः वास्त्रीवारवाद्वाः स्वास्त्रे तद्वाः धार्मात्रे तदतः शास्त्रदार् दुः धार पहिंगानुदावान् रादरदिला स्वार्याच्यात्राचार्याच्यात्राचान्यात्राच्यात्राच्याः एयरे करकेमसंप्रविधा देशके सेंग्रेश्चित्रवाला सेंग्रेश्चित्रामा के वर प्रविधाले क्रिन्ध्वयाः सेविद्यः त्वात्रायाः क्रिस्त्यः स्वाद्याः स्वतः स्वाद्याः स्वतः स सिवाही राष्ट्र राम् यत्र वास्ताता सेत्रासा स्वास्त्र स्वास्त्र राम्य स्वास्त्र राम्य स्वास्त्र राम्य राम्य स्व ने से र इव केटा स्वालकु वारिया के द त्रकेला वार्क विद्यालक गायति भवतारेग कु से दिवया बर्जलात्मेत्रज्ञाता नैवान्वला मूल हर्दिर्याम के लाला स्वरित्र रात्र के राविस्थानर गिक्रामहिन्द्रे हैं। श्रीश्रामायायायायाया रेदा प्राप्ता वादल्या यातीर समेर्द्वाया स्वायक्यास्ति सरमा स्थाप्ता स्वाप्ता त्रारमा स्थापति सरका मे स्रीति सरका मे स्रीति सरका स्थापति र्दा मितासिर्वासवायाम्यायस्य वस्या वस्या विकास वसे वस्य के वस्य के वस्य के वस्य के वस्य के वस्य स्थान र्गरात्राक्ष्मक्षेत्रभाष्टी चार्यात्रदेवशाचात्रात्ववात्रक्षात्रक्षेत्रा हिंबे प्रवस्थात्रप्रतायववात्रमः इसावात्यवाः च्या दिस्तरता अम्बता रा तरे राद् त्या तयानेता सरावश्वासीर ये पक ता स्वात्रभारवद्यीतावद्रमामत्त्रक्षा श्रीदायायात्रव्या स्वात्यायात्रम् व्यात्रात्रम् ग्राक्तिमार्यद्रमा सरस्र स्ट्रस्स्र्यामार्यः स्ट्रम्यास्या स्ट्रम्यास्या स्ट्रम्यास्यः स्ट्रम्या रहेमास्य स्वामिवविते एस। र्यरे रेर समावित्य वहवाहेरा क्षेत्रमा समावित्य हेरा वहवा न्त्रास्यास्त्राक्षेत्रेत्रात्स्त्र। द्वापर्वरात्र्रात्रेत्रास्त्रिदास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र द्यार्वास्वान्यान्त्र मार्थेन स्त्र । साधार भार्मा वर्षेत्र हिर् हर स्राम्य स्थित । मुर्क्यार्के स्वराज्ञियारा कराया कराया मेर वर पहण्यर रायर वर्वा वर्वा पहले में वाराया की सामी केर्जिन्न स्थानिक कर्तिका तर्तिका तर्तिका कर्तिका कर्तिका कर्तिका कर्तिका कर्तिका कर्तिका कर्तिका कर्तिका कर् स्थिर का में वे राष्ट्र में का तर्रे व राष्ट्र ये आप या हु य शह में ये। कुरमा त किरमण देरमा ता ता र्थं.परितार्ताएयुर् गेर्डेग्रासिनी अरम्बेशनके नत्त्र्याम् र्ट्याता द्याता प्रकृतामरक्ष टर.क्रिंग्रेर्यशन्तुं, प्रमूद, त्र्त्यं वीया। पर् हिए कर क्रमाणक्षेत्र। हिन्नत्रं, प्रवेश्वरिक्षावक्त्रंद्र। व

दर.म्. शुर्द्धार्द्वयः वर्देदःला सङ्ग्रस्ट्रा कुर्वाह्या किता में कामा क्या श्रीहरी वर्देदः Son Zing तिराक्षेत्र तर् अह्यारे ख्रवता के बे द्राय वर्द केंद्र रे हिंदी शक्ष अपाक्ष के हिंद ख्रा कि विकास सुना दवर्ग 2259 मीराजात्मार्केषावमा क्षेत्राचमाना क्षेत्राचमाना क्षेत्राचमाना क्षेत्राचन क्षेत्राचन क्षेत्राचन क्षेत्राचन र्त्रेयात्म्वयादितात्वरात्त्रेराविरविरा भवत्य्वियाक्ष्यात् म्रीरामात्त्रवया इत्रक्ष्येत्रम् प्रवादित्या 3=3:33 4 Mite वकरा श्रेर रवा दूर की बीर अरोवा का सेका विवाद की विवाद का विवाद की दरिया विवाद का की विवाद की रूप्तेया र शर्मायकेरी राजका धुरारदारामा पर्यकात्री प्रतिकात्रामा कृष्ण करिया स्टेस्सेर्यपा ्भग्राद्रह्मान्ते त्यार्यक्षिया दर्मियार्वद्ययाः स्थायस्याया मद्भुमार्मियायम् र्योत हर। द्रभावनात केंन्यां यह वस्तरा देश वना द्रभावना केंग्राय वह वस्तरा देश वना केंद्र वह न्त्रा रदःश्रमाश्चावार्येयावयाता र्वाक्रेयावात्तिः त्यरं रद्र्याता यदः र्वातार्वेयम् ण। श्री कर्त्र भावतामार्थेर कारावर्षेत्। सरमञ्चराक्रमामार्ग्यर महामार्था के व्यवतामहिमाया किन्ध्यः द्याः जाइत्राक्त्या किन्धः श्रीदः जालदः द्रात्मक्ष्या स्वाम्याक्ष्यः द्वाः मातः द्या विकामेदः श्रीराकीयानायाम्य विवास्त्याने स्थित हो रेट्सर अस्तर व्यास्तर व्यास्तर विवास व व् व.अ.श्रद्भात्र रिम्पुत्र विभागतयार्भिण,वराक्षेता मदार्थ्य सार्थात्यार मुद्र ह्या - 7 रावा क्षेत्रभार्यक्रमा महर्ग । व्यवस्था स्थिति स्थान र्यातक्षराहर्सेचयामद्री वचवत्रमायत्वसाविद्याः चरक्षर्वत्वर्षा किन्द्रम्द्रित्वत्याम् र्वेद्वत् 85 7 1 वामार्नेचाता वर्दाराष्ट्रीया के.पर्वयावहूमायमायनवाताकेता वहमायीदासदाक्ष्यकेताता.का १ अला। १ वर्षा के द्वाक्षेत्र का किया के ता के ता के ता के ता का के ता क स्र र स्या से तीया रूर र र पूर्रेश पहिंगारी र में वा पर्र के या पर्र प्रते हैं र प्र तिया थी र र र र परीया परिवास में स्वायके स्वी के साम प्रति देशक सम्बाय कार्य देश के तावनवाय वर्ष वर्ष शुर्रे में श्रेर्श्वरश्वरायम् मेर्। की में या वारवाया वर्षा मान्य में या या ना विश्वर्शकी स्थान की री रव.त.येथ.ब्र.चर्र के.न्री र.वलम.केवलावशमालय्वस्। यथव.त.ब्रेट.ल.ल्रीट.लल्री क्षेत्र, अष्ट, एवव द्वारा या लूर, रामा त्रावा क्रिया ग्रांती क्षेत्र ग्रांती व्या मारा देवा त्रा विवास है। स्व वनुदा । अँभाई सेंद्र कूं। हिला वार्डररायर । शुद्रात्म् राष्ट्रस्यति इतर इसक्रा वसमामम् के मुन्द्रा के महाराधि महाराधि । महाराष्ट्रमा द्रायन वा पर्दर हर् चार्या भारता में त्रा के का के माने के त्रा का के त्रा का का में त्रा का के त्रा के ता के ता के ता के ता के त पर्या उपमध्यायारेशायार देशी. पूरे सेर.धेरणाया। मिळाता. हु रहेर हुं। धे.ब.पाराणार अ.श.र्र) स्थला.ज.मुर.ज.मू.र्र.व.ली श्रीक्रिव.देव्चिव.ठ.र्यकालामाहर भरेव. यसरामार्ट्यमात्रकारा हार् । व्याप्तान्य वित्रमात्रकारा वित्रमात्रकारा वित्रमात्रकार वित्रमात्रकार वित्रमात्र भावतः तर्मेर्यत्ततः व्रात्त्रमाक्षेक्ष्याम। स्रात्वताक्षेत्र्यते वर्ष्याष्ट्रम् वर्ष्यात् वर्षास्य वर्षास्य वर्षेत्रक्षे चावजालयात्रमा है। तैयायव्यत्येत्यत्र श्रेवः इत्या वैयावक्षताः १वः की सर्वात्याः वा

म्क्रिया माने क्या के माने र त्यववया अर्घर वर्ते भू ता र र या हो। यो वर ता हो र वी हार्य हिर् . यद्वाद्याः स्वायाः सहताः तोतेदा देःदराव याः ने वावरा स्वरावदेश द्वाप्तः हुत्या अकेदः द्वादरा विका श्रीरायते स्वराधार्य वर्षे मस्याद्रा सर्वे वायवादरस्य वर्षे देश वर्षा देश स्वरास्त्र वर्षे रावते त्या वश्या सर्थितं कीया श्रीद्वर्तावर्येद। सद्द्व्यालेन अव सेवायावर्वेव। देश्यदेशक्रवायकणमञ्जूदा भूशन्तर्भुत्रीतार्द्रतात्र्व। वश्यावयायहरात्रीतर्त्त्वी विद्वात्मेर्ध्यात्रियात्रे वरात्रात्रे सरसिरकर यात्री व्यत्वित पराविव निरामा भाषाविस्त्राकी तर्भात्री श्वेवस्त्रायाविवर् देवदरा णड्यालटा वि.शुर्यारास्त्रं वासुरादवादी क्षवायते स्वराह्याता वा स्वराक्ष्यावास्त्रं वासुर भूत्री पर्वश्रवित्वावश्रातिवाद्यात्तरात्तरः रवापाल्यक्तिरः लाच्यापः देवःक्षे पर्दश्रविद्वणात्त्रं श्रव्यः णा ज्यात्रेत्रम्णतःश्रावृद्धा श्रीरादगरश्चरावदुर्वरश्चित्रश्चित्रश्चर्वात्राद्वात्रम्भत्यात्रात्रात्रात्रात्र हैं गुर्भासद्वास तहेव से दे। वनात विवास वास वास नाम कुल या विके देलद्वा हुन । यूवस है व देवी णबुकाददायालक ।द्वयाव बुदाने क्षेत्रियावरा कुत्रते कास्य कास्य त्या हरा तहका हेवा कुत्रा कुत्रा मिलात्या भवाका त्वराष्ट्रस्यम् वराष्ट्र। यथरावी द्रारास्य त्वर्राता द्वराता द्वरात्रात्र विष्यायायम्बद्धा विष्येर्वयायाम्यक्ष्याची स्कितिवात्वविर्द्धात्वेत्व्राच्या ८४.८४४.ती. सेवा.साड्या.ता हिंरच.सैयाक्ष्र, रेज्याता क्रीया वाहर कर्ण तार्वर त्रार्यर दर्ग हैं स्वर्भ संस्थर - मुवार्श्वासव्याभेद। तदीत्या धरादमवातव्यात्या त्या व्यववात्मवाति स्वाक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रात्रा स्थास्य विवर् रस्मिन्दः सेचा मूर्त्री शहरायता क्रिर्यात सर्रा रहा मुक्ति वार्य रेख्याय देवता स्वत्या प्रतिका क्षः त्याला ति.रिष्टेरल. बीर. की. बाइवाया अहं शार्वे। भारब्वा श्रीराता वावे वाया र्वाया अहर। अवर म्ब किरामपु में कार्टा पर्यानप्रयाम् राजवित्राचरयां मानहूर। रेयापवर क्ये संदेशमान विवी प्रदेशविद्विणायते वास्तर र्वासा अहूर। वारत्वरायक्र वाल्वार्यर वस्ता क्रिसायते से वस्ति वार् यर्रम्भहूरी पर्रातमायरेरमाना क्रम्मामा क्रम्मायामा याप्रात्मायामाह्य वापर र्वापापहूरी श्रम. ब्रिस्मिटालभ्रतिबेश्वा त्रेवत्रपुः क्र्रास्मिर्विक्त्र्र्र्राहा राष्ट्रास्त्र वेरास्त्रास्या क्रुवा वास्त्रात्वावरत्वरावी पातव्वावायभाग्येयभावर्द्दरमात्री रादर श्रे मूदर सामान्त्री सिसिया मायह्मार्थ्यात्त्रम्त्री विद्यात्वयात्रम् व्यापाद्याया वात्त्रम् मान्यात्रम् विद्यात्त्रम् वणायमार्स्यान्त्रेरान्द्र। रद्यवाद्यात्रेराधाराकारात्त्रेत्र मालवास्त्रभक्तास्तराद्याः वास्रेक्षेत्रे केवलाल्याकरा सरारम रहेर के लगा है। तर्र हे वर्ष देश हैं दर्भा सेरा हिर्मार में र्त्ययःशुः पर्यामा भ्राम्बन्यमानार्त्रमणान्द्रः। भ्राम्बन्धनामान्त्रमणान्द्रः। द्विस्यम् सूर जशकी रवा तए छट देर अहण वर सूर । यह श री द से म अ अ अ कु अ रह मर् भेर र तहारा वरम्य । नारमार प्रमाधी प्रथा है द्वार है दार है व वर्षेत्र ता तहारा है व वर्षेत्र है व वर्षेत्र मिन्दीर्वारवर्रम्भूर्ययारव्य । तथर्रद्वा वस्त्रम्भास्त्रम् व्यावस्त्रम् व्यावस्त्रम् । - कि.क्.यु.यायीर.क्या. खंताकाहण.की जार.जार.रेंदरीयाथशातार.प्यो रे.क्.के.यु.यु.वीयायायविशे 

क्रिक्र नेवाकी रामकी वाडिवाहित्रीर देश तानी वाडील श्री वाडील केवा केवा केवा वाडील हैं। क्रिक्स मूर्वर्धाला (देवाल) चलवाललात् सैंवतल जवाईल सैवललाक्। क्रिलक्ष्ण नेत्र भी वर्षार क्यामात्रुतामवकासेदा स्राक्षेत्रक्ताम् अस्ति हिल्लाम् स्राम्यात्रास्त्रीता व्याभक्तिक्तिक्तिक्ति द्रान्यावयद्वस्यायात्वक्षे त्वाद्वाक्ष्यात्वर् देल्युका केशवादगारका केशा दाष्ट्रा हुन्या । राष्ट्रा हुन्या हुन्य कराभेदाश्रम्यते कुलायाल्या द्वाराकेलाहमा इन्द्रायत् दार्थाय कुलायाल्या द्वारा त्यार्भित्त्यताक्षिताक्षेत्रा देवानावात्रम्यस्यार्थित् त्यार्थः विवादात्रात्रम् (का का अपनित्र । उत्ताम के मान्य के निकार के निक भूगायविषानविष्टिक्षियो अर्थिक्षेत्रक वनायति स्वाताता स्वाताता । त्यात्वार्याच्यायति क्यातरी स्वात्यात्वार्थाचेद्रवेशवावस्वा क्षानम्बाक्षितः स्वानात्त्र। भ्रान्तः व्यान्यस्यान् राज्यसम्बाद्याः स्वान्यस्य म्ब्रितिक के के कि त्यातिक के त्यातिक क्रम.व.यात्र्यात्महणत्यरद्वा के.माहारात्माताः द्वारात्माताः द्वारात्मात्मात्मात् **अ** अहियु है। रेल्य अर्थ अर्थ स्वाधाः त्याचात्र द्रवा विवा प्र はよります。いなからいいできていていいないといれていれていまっていることによるの म् रम्याभराष्ट्रवाश्वरः। स्वाक्तिम्यास्य स्वाद्याद्राक्ष्यः भागायाः वाद्यक्षात्रात्राहः व्यत्तरः हर ही वर्र व वव हो वर्र र सरायर भे सर्वर हर है। मद्रद्रात्म्य कुरा,रंभया एट्र्राच्यमा ता.कुया.सुरा,कु.परा.भाव्याचा क्रि.कु.कूरा,रकुरमासी वधेरी. स्या विवादा,विवाचयात्राचयाः युः गुत्राया विवादा वहरेत्। क्षेत्राया देलदः त्रादा वहरी रूरभ्रेरभ्रद्भावतः स्वत्रार्भक्षेत्रतः देन्द्रतः , न्याः हरायाः स्वत्यान्याः सुविक्षाः िअइंटर् र्रम्भिरर्भाग्या मुमल्यर्भमाया मिन्ना इत्रार्म्याम् मिर्म्यात् । व्याप्तान् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् क्षे. क्षेर्रभवारदातिदावकेश्यूचलाभद्धातीमार्ते,विभक्तिभाष्ट्रतिदात्त्रीराष्ट्रभाष्ट्रति क्षात्वात्यात्रक्षाः राज्यात्राह्याः । । त्रविक्षाः । तर्विक्षाः । तर्विक्षाः क्रा बाश्वार देश रात कर्त्र त्या है। है। देश वर्ष श्री राज्य वा वा कर्त्र वा वा विकास कर्ति वा वा विकास कर्ति क्षेत्रेते वत्र मार्के शक्षियं महत्य महत्य राजवार् में राद्र राद्र राज्य राज्य विषय देवाय विश्वरात्तिवादात् दे मार्चे वापादी वापहित्रका मध्ये हिं वा भारति मार मूरी द द्भरायरायर् द्वरायात्रभक्तायायायायात्रहरूद्वायायात्र हरावयमायाक्षाया इ.र्यात वर्रा देशमालक् अम्याय वर्षा क्षाया देशका के वालिर खेट दे अहूर देता । वर्षेट्र धी वर्षेद रर्दे से र विरयः स्री 

र्राम्याधिराम्बामात्रारः गर्रम्यते क्रियामायायायायायायायाया । /बाउदा हिमायवमा राटाउहराया राज्यातमा सार्देदमा १ वर्ग्युर द्या पा अकरार्य वा वास् 2 वादाया ीर्वार्त्सिक्ष्यान्। त्राराम्भ्रमाद्राम्बान्द्र। द्वाराव्यान्यान् अवनिर्वार्कान्यान् त्यादरालद्। धीवाद्यक्रदाष्ट्रवर्थिवास्यादर् नाम्यायायायेक्रदायाव्यवस्थात्वावरद्रि खिरमानत्त्रेरायर्वति विकाला वार्षाक्षणायर्याः रावन्ते। भेरमेलार्वत्याः वर्षा रकार हैशा अवादभराधका तर्वरेष हैं हैं तथा रामार रामा विद्यार विद्यार में द्राया निष्य अक्षरं वादरकार हैला हुर हुन में तर्वते मुक्का ता कामरर ते मिर्म में ने बरे भूर सम्बद्ध म्या द्वार द्वार हुल अवविदे रच्च र में कुला ता अर्घ त्य वा बुद तथ अर्थ से स्था भूतः श्रीभःग्रा ड "अल्यस्यास्य द्रायं वर्षाक्षेत्रस्यः रद्याये अव्यक्ष्यः वायुत्याये रेदः देवसञ्चीरद्रम् र्यवसृद्धं स र्शवादरकेष तान्व व्यवसाय न्या विद्या रास्त्र म्या हित्यो रास देव सहिते त्या दाया पारा 4 gz वर दिलाई लियक करात कर साथ अवास्त्र कर से के ले विविधान करें। रथत इताह्या हरा हरे स्टिक्रिटा महाम्यास्त्रम् स्वास्त्रेणम् भेराम्या महत्त्रम् तयरम्या म्यास्त्रम् वर्षास्यम् 5部河 व्याप्रस्तित्याधीयः कर्यक्ष्या स्मार्येत्रा स्मार्थिता स्मार्थिता स्मार्थिता स्मार्थिता स्मार्थिता स्मार्थिता 6वार्वरास्था वर्षेत्रयम्भवस्थात्रम्भवस्य हर्मेड्स्या १००० । विक्यायाः विक्यायाः विक्यायाः संभा न्याया है । विमान हिन्द्रमान के विमान हिन्द्रमान है । विमान हिन्द्रमान है । सा के दे विका दे विका र विक्रिके मेरी किए के बहुति में स्पार्ता सुद्द मात्र विक्रिके मेर स्वयम् इत्यक्तात्व राज्यात्व व्यवस्थित व्यवस्थित व्यवस्थित स्वयस्थित तहत्व कुरियः भे या वर्षा स्थाप प्रवास कार्य के वा ता तर हा वा ता तरे वा वर्ष द्वा स विवास विवास विवास मार्गा में क्रिक्टरायक्षरम् सार्ग वार्षित्र मार्गित्र भवात्राचा विकास मार्गित्र भवात्रा मार्गित्र मार्गित् स्त्री के अस्यह्य द्वार अस्य अस्य भारता क्षेत्र हे त्या कर्य क्षेत्र हे स्वत्य कर्ण विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र

कर्तिकान्त्रात् क्ष्रिक्ष्यात् वात् व्यक्ष्यात् वात् व्यक्ष्यात् व्यवक्ष्यात् विष्यवक्षयः विष्यवक्षयः विषयत् विषयः विष

भर दर्गान वर्गात राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र मानस्य स्थान मार्थे हरा व्यापाल राज्य स्थाने स्थ

्र त रे.वर्ग्य विदर्भर प्रदाय वर्ष कार्य वर्ष कार्य वर्ष के.वर्ष के.वर्ष के.वर्ष के.वर्ष के.वर्ष के.वर्ष

मार्थिकाश्चित्रात् कि मुन्नाचरायक् विकास स्टार्थिक स्वास्त्र मेर्थिक स्वास्त्र मेर्थिक स्वास्त्र मेर्थिक स्वास्त्र स्वास्त्र मेर्थिक स्वास्त्र मेर्थिक स्वास्त्र स्वा ११ क्रांचा है स्पेरास्त्री भूषाया अद्युद्धा पर् से र विर शरणात्री द्यों अवितासपुः किपाञ्चारमञ्ज्या अर्था वायकाशुः वर्षाता(वर्षा) ही वृद्धः वाद्देवासा वर्षुद्ववासालराद्वरावहस्यराज्व भित्यराय्वाकेष्वतादरवराव्य भिवारपुष्वता स्त्राक्ष बद्वारावता हराबीवधुर्केरास्मारक्षर्या विषय्वत्यास्त्र । विषय्वत्यास्त्राक्ष्याः व्यवप्रवर्षः के का विषयः (comb मिला सेवात्ता स्वायम् विवासि सेर्मिरालया स्वयः हारावतः नामवादे त्रीया वार्यस्या ठम्कीर्वेद्रायान्त्र रव्यक्षर्यस्त्रयाक्ष्यातात्व् रेर्द्रायदावस्य वाहेशातास्त्र । केट्रप्रधर्यते प्रमातात्वा तर्तेत्रव्यक्षम् भेष्यात् रहा स्वरम्भावते हेरास्यात् देववास्तरः भ्रम्भभारम्भरास्त्राम् चारास्यायाभारत्यास्यास्याः स्थान्द्रस्यास्यात्यात्या देणदार्यस्यस्य स्वायिक्यानीता द्वितायित्व्यर्गे स्वायाक्षेर इर्मे से से से से से तहर ले हे में में विवायन मक्त्रमें मा देन उस यसि धेर्झ वर्षेट्रा एर मवी वर्ष मार्केर्य व्यव अंतर में एर्ट्रा व दर्गरक्षर्द्रश्यूकार्द्रमाष्ट्रभादर से द्वा साम्यास्त्र से प्राप्त के प्राप् दस्रक्षर्वा सर्भक्षादर खद् दारा दर स्वा के ता तथा दर ख्या के अहर द्वा खुरार् स्मिन्द्राह्म हिते क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष विकास के स्थान क्रिक्ष क्रि क्राकातिका त्रा त्रान्त्री विश्वितायम्बायहरारहिताता कराप्रदेशक्यामधेवातारवाया मक्र्यादगरायाः भ्रांतर् रक्षायाता व्रवादराश्वास्याक्ष्याद्वारवाता स्वरत्वाद्द्वायाः स्वेत्रायाः स्वेत्रायाः महत्रदारि हिर्गिष्ठभाने ग्रम्था अक्रमासूर में अक्षा महत्राय महत्राय वर्गित सेर. मैंगासुन्नायवम् तहराण्या १ ११ १३ १३ १ अधरामतम् वह के मेन महास्माना के मेर . थ्या त्रिय्य र प्राय क्षा जा च यप भ्रम् त्रियाच प्रमाय प्रमाय प्रमाय क्षेत्र हिं या के प्राय प्राय प्रमाय विषय परी ह्यारेशराचलीताइत्तर कार्या अपूर्णिक मित्र अपूर प्रवास का दरवाता मुसर द्रार्थेया विरक्षितिस्मात्रमात्रवालिसत् मंत्रित्रमात्रा वात्राम् विरक्षित्र देर क्रिक्ति हैं कर राज्य है जा में का के का के का की का के प्रत्या के हर का विवाद स्यामान्यम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् । वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् म्युरः यद्भात्वात्। व्यापिभद्भविष्ठता छात्यर्भद् हात्वत्राता यात् तर यात्राम्भाता कर्तिभारति हेर्स्य देशक्षेत्रा १ वर्षा विकाय के क्यान्त्ररी क्यान्त्रया तक इर लक्षा नेयान्द्र सामित्र विषाल्ती रापल्य मेर्ट क्रिर प्रविषयर विवादी द्वामावनाद्वमातकेतालो महिन्द्रीया नामेरकेतानारामाते तथा प्रात्यवस्य प्रात्

य र मराध्या कुरा अम्बर्धर तर्व य्वावावा वित्र भूमेर राज्य अद्धे वह असेरा रहेर केवर्यूर्यायानेविधाताः श्रीन्यंत्राकाष्ट्रवावेष्यंतः वित्तिहर्वतावास्यात्तात्ताः वर्तत्तिनेवानामान् लासदेशदा इसक्तान्तर निरानित पात्रा राज्य वाक्रित पुराष्ट्र प्यादा र इसस्टरासुरात्स्य सम्बर्धनावनावनावन् । सम्यासहवानम् तार्वमात्राक्षमात्राक्षमात्रा इरिश्रिक्ताता के विकास कर कर कर कर के स्थाप के सिरिश्वरकी हर सुना ता कार्यना स्वार्थ बाह्याल हुगाल द्रम्भ सद्दर्भ प्रदेश स्थ बाबमालदाद्र प्रदेश द्रमाद्र स्था केला सम्भ र्रानुतायक्षरायात् । राज्यात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राय रमणाकी स्परक्षियाल स्वावावर्यन्त्रायाय है स्वार्थर्य स्वार्थर्य हैला स्रायुक्त र्यदा न न अवावताला द्वर वनव धालका । क्षें यह यह पूरे हैं।

रेर्नित्र केर्नित्र केर्नित्र देश्रीरथ इस्मान्स अम्प्रदेश महार् के महार्थिक यत्रक्षेत्रः वृ (क्राम) तर्वे वायाव्या तर्वे वारि स्वयादेश : स्यात्वास्विद्धि वस्रमाध्य देसपर किलान्त्री वनातात व्रवाधित देव देव देव विकास कर्षा कर्षा देव विकास कर्षा विकास कर्षा विकास कर्षा विकास कर विकास र्वस्वर दर्द हैकरायरा दे । दर्के राजार राजार मेरा में एति हैरा है र एकर वश्वासी या हमा वियम र देश या या भी में हैं। कुला में दिस के ति विदेश विवास ते ति ति विदेश विदेश के ति विवास के

शुः तरे लेक्स्य वादतः गिर्क्रा के मेर्स् ही श्री का प्राचित्र त्या मेरी का जाता म् लास्तर्रात्रमा अर्वामात्रिं अवस्तर्वे क्षेर्ष्यको के तिर्वरत्त्रवे केव्यक्षे क्र्ये उराभर रहेरमानेयाहैयाय हैंसारा ने उस मार्थ है यस मार्थ है यस मार्थ वर्ष वर्ष स्थाप के या नि अक्टर्रिक्षां रा.पर्द्र पार्ट्याप्रेयाचा वर्षायाचराच्याचेरा दर्दर द्वायाप्रेयाचा दर द्वाभेराध्या गुकरवादाय। भेरतायुरकी केंब क्षेत्र होर। रहुवाधरावस्थार वक्षर्वण यर्राश्चरक्षेत्रकार रहिल एक राज्या हो स्वावर्राक्षकार मध्येत। नारा हो के वारी करियों रावा यार ह्या दर ही सेट पट वा तहत कर में तरित गुर हिंग गुर हिंग में भी भी तहर के दिवे में पार पार मर्टर्रायहरूकेवानम्म द्वायरिक्षेत्रमानम्। द्वायरिक्षेत्रमानम्। ह्वायहर्षेत्रमानम्। परिया काष्ट्रात्मानम् वावता ्यांकि सर स्वमायहिकारात्मा । मन्यावमाया तस्याता त्यातिक्राधराम् त्या प्रवताच देवातक्षी द्रारा स्वीवाचारलातायक्षिणाता वालीत्याविलेका वर्षा ११ पहुंते के देव वर्षाया प्राप्तीय प्राप्ता कर किर वर्षा कर किर वर्षा के देव के देव के प्राप्त कर किर के विकास कर रर.रर्रेयादायुः पातासस्ताक्तां वाता (अवतः अ) सर क्षेत्रातविया स्तर् राम्क्रास्य प्रवेशक्षिरं ता रशवः अक्टरं वक्षु व्यूरः वः जवः क्षेत्रा परे त्रवें विणः वर्णे दश्चे त्रवा हो।

न्यों र्वेदानास्पर्धवास्त्रस्यस्यक्षाः तर्षेत्रत्वासेरस्यातव्वास्त्रस्यात्वास्य म्बर्भाराक्षा रहेरवायावव्यावविवादकेतात्रा रवादरवादवविवाद्वातातात्रा विस्टारी भी विविद् क्षेत्राती रूटा भूतर्य विविद्व विवेद वार्टेस ती दी धीत्र श्वाकर्ति ती दिला विविद्य विविद्य भेदा कि.ए.चित्रकृतिकाल स्वार्थाविक्तिक्षात्राच्यात्र यास्त्रीकृत्यावर्ता क्र क्रिर्यं में प्रिक्त में ता के ता में ता में ता में ता में ता में ता में ता के ता में ता ता ता विकास के ता के ता में ता ता विकास के ता के यथानात्र्वितित्रार्या द्वारा द्वारायरायर्वाययाक्षराता यटाकुरायरक्षेत्रवित्रार्या अस्तितः उद्देविष्यामात्रायम् दर्भन्दर्वर्वर्वर्वर्वर्वर्वर्वर्वर्वर्वर्वा wash. ्रवातारादेर वर्ष्याया एट्रामे त्रुवात्युवास्ति वर्षात्यक्षेत्र दार वर्षास्त्र देरे देरे देरे देरे वर्षा द्विल इरड्ड ज्युवाकाल ज्यु द्रिवा वला वला की वाइमर सर 18 का किया है। जिस्सी के किया है। प्रवासारविवास्तुविवासाता प्रमुखार्द्यात्वर्तास्त्रम् व्याद्र्यात्वर्त्वात्वर्ताः व्याद्रविवा क्रिक्यारम् र्रद्रक्रेट. दे. मधास्या तर्व स्वाप्यक्रे बड्या के ने विकास के महिला है के मिला है कि मान है। मारा अर्थाता विवास वर देशवर देशवा क्षेत्र वर्ष देशवा की वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष र्में बर्सियरियरिया के वारितर्यय एटरा विस्वर्क कर्में के कित्रें कर के कर के वर्ग कर के वास्त्रत्यातर्रात्र्त्त्रत्ये राजास्था वस्त्रत्या वर्षायामार्थेया केवातर्राष्ट्रारामायाक्र विकेश्वर्तित माना के कार्या के के कार के किस के किस के किस के के किस के किस किस किस किस किस किस किस किस किस के देशहा डेरडके लडकेर मर्रा केर लर्ट लाहिक देश केर दे लड्या है केर खका करा ही हिका परे हिंद के मान मरबर्टा इ.स.च.१ व.स.च.१ में से वड्डा र रेलक् रेट्डी वर्डा राजा है। वर्डिंडा सेब्लक्या न्या करमा कर रेवा रेले हिंदा रेक्ट रेक्ट होर पा केंच मार र प्रकृत की मान है से रेले रेरव्या ब्रिक्टरश्चरायाद्र अरुभारक्वा याधिवर के श्वर अहा वाकिक के विवस संग्रह के विवस संग्रह के विवस संग्रह के विवस स वृद्धार्यी सेटमालदाव वृद्धावल वायलसे । ज्या विकास मार्थित विकास के विद्या करें ग्रिंगार्द्र र्ट्यार् ग्रेंगा द्रिया राज्य गराय्य गराय्य मान्य के कार्य प्रदेश या या महिनाया **. है** वर थानाविभाने घरवर सम्बद्धा कर तहना वीस के कार सम्बद्धा कर समानित कर सम्बद्धा कर सम्बद्धा कर समानित कर स र्वेश्वर्षरावर्षात्र्यात्रे एक राजितात् वात्यरामहिष्ठेका वेरावता ह्यादि भूरारकतः からないのでいいろこれが出これっています

प्राप्तिक स्थानिक स्थानिक विकास स्थानिक स्थान

युवासारेक्सलातात्र युरे कतिववता हिंद्रकार का का का का का का हा हु तरिशुर्का ने लावा रारम्यरी मुलेक हुमा वक्कर केर । रार्य यह अध्वेता आ माध्यु रेतुरी तर यह दाया और यह मा र्राराष्ट्रभावतुवासंदेद सेराष्ट्रभात्रेराकष्ट्ररावाह्रभारेत्। ततुवासंत्रेरवाकरदेरो देरस्यरः त्यमार्थर्यद्वम्मारेर रेक्यर्विक्यार्या कर्यराष्ट्रिक्यमार्था कर्यराष्ट्रिक्यार्थिक्यार्थिका कर्यारेया श्चित्रायाः अर्द्ध्वार्षः) बोक्कित्। अर्थते स्वाद्यक्षेत्राचास्यत्त्व् । मस्यर्थते राम् त्रेवास्यकेतः वार्षुकारदेव । त्यार्ष्ट्र (यमान्त्र) है. संवारमवाकारदर् सान्द्र सान्द्र का निराकार क्षेर दर की देवा असी क्र्यातात्त्रीतात्त्रात्त्रा क्रमक्रम् क्रमक्रम् वर्षेत्रा पर्वे । सेव (समर) निरम्भाति प्राप्ति प्रमात वया दम्य वत्वाया ये क्षेत्र वे वहता वा ये रक्षा वत्य देव देव देव देव वा वा तर् को क्षेत्र वा त्या हा वि क्रिवाःवानुभातर्व । अव्यक्तिमञ्जीयःदगरःवाविःद्वीतार् । क्रवानितःश्रीयःदश सुवाःयः अर्ट्स्वर्त दे र्याकुर्वात् ए दीमायाक्तिस्वतार्थाः रादरा वर्गाविषः वरादः वासाकेवा वदवा तह्मह्यर्ष्ट्य मेरेहे मा त्वमंभर्धिरविभव्यस्यहे केथेलभवस्यावनुवासस्य द्वा द्यापायतिकाषायादयुरादरदेवल। द्वायति द्रभवाकीकीकाकीदार् होदादर। तह्यायतीकाके अववदार्भेदावाली विवायदेशयति वात्मायश्चर में विवादान्ति द्वारे में वात्मा देशका देशका देश तार है किया कुर्त्रर्वरहर.जया ग्रुम.दे.(दे.) व.वर.रवी.ल.जवी चक्त्रा.दे.हे व विरावर्त्वतार्यात्व क्षेर क्या श्वेव नासे व के सालदी नार रेंके दर वेल नार वसर। दर में के त्वेल लगा स्वा रें वसाहीर रगर रथत वर्त्य कर देश हर दस होर ता सर्वे केरता है दे का से से किया की से किया की से किया की से किया की अवरम्या कि ने तर दिना वर्ष मुक्ता के रावि तर के ता का का का के तर के का के वर तर के वर तर के वर तर के वर तर के देर सर हीर यात्रें व ता क्षेत्रमा केरे र त्यारे यन देहर तर्वा विषय में के विदेशमा के विदेशमा केर सर्वक्षेत्रम् विकास्त्रम् । १ पर द्वारासे रायत्वसाक्षेत्रं याववरक्षेत्रयात्त्रम् नाति लामके मेंद्रायि ला तह अववा तका मां वहुराला सदावित का वहुदाना वह दाना तह दाना विदेश देश । पहुंशाचिरक्षितातानकूर्तमा ३० मा अव तह्रवराष्ट् यताकरमेर रायात्राक्षे राधेका यहर्वे वातह्यात्र हेर वेदकरात तथामाव वारी मानरतर्भित्। नर्रयहार्भर्रात्रेर् क्रायव्या रे त्वार्यतावर्र्र्रद्रम् व्यायव्या स्राम्भर्रथावितर्वात्र्याः करा वर्षे त्यालकर्ष्ये लाम्री नेबालक्र्येत्रास्त्र भरत्ये वारमात्रा भरत्यक्षेत्रास्त्र भरत्यक्षेत्रास्य भिन्ते। म्मिन्स्य विद्यान्य निर्माणितः द्वार्ष्येतः विद्यान्य वि र रास्तिकार्य राष्ट्रियं विकालरे। एरा भराष्ट्रीय रहिष्ट्या एड्डियार देशयासेता श्रीतेवस भर्याभाक्षेराद्वामहोत् क्रायक्षायाम्यकाराक्षा एक्षावद्वाक्षिराम्यके र्यालयाम् क्रिर्वेशः

भरमार्या में होया तहुक मते सुर्व क्या र हे हेर स्वया भरमाया मार समाया मार समाया मार समाया मार समाया मार समाया

र्रहर्षिभरस्त्रेग्रह्मात्र्याः हरः। यर देशत्राराभ्ये विष्यालय। केलास्यु विषयक्षिम् देवत

त्यका ः स्वारदासार्वरक्षेत्रकात्यका यदाद्वालाश्चीदाद्वाराष्ट्राकेत्रेत्वरा साम्युत्वदेक्ष्वाताद्युद्धात

र् गर्यादिस्वारार्धरत्रत्। युवाकेवार्वेवास्त्रेष्ट्रम् रवावावरः वीवास्त्रार्थः।

नेद्वद्यत्। 名的多

कार्रेट कुलका वारे र तर्हे रूटा रर व बतवाधित स्वाने वडला क्षेर के सते तर ला तरे हे रेनू धेन े ब्री मी वर्षका दराया वर्षे का वर्ष का वर्ष का वर्ष के साथ वर्ष के साथ वर्ष के साथ वर्ष के साथ कर के साथ क मान्या निवस्ति । वास्त्राम् विस्तित्वा निवस्ति । वास्तित्वा विस्त्राम् वर्षामा न्यान्यात्वा । वास्तित्वा प्रमारी लहारेग्रेशास्त्रका क्षेत्रमानेहर्ग काक्ष्रहरी यहेगारहर्णा वर्णमान्। इस्मानेहर्ग वर्णमान्। इस्मानेहर्ग क्याम्यान्य म्यान्य विकार में क्रियाराद्यमावर्षे हेर्यक्षिता ग्रायक्षिकार्था व्यापति स्वाप्तिस्थित्रहराष्ट्रिया म्मान्त्रवास्त्रात्त्र्रः यरवाह्त्। यरकार्त्रेविरे त्रायाय वरायाहरा हिस्की हार्याया १ वासभी स्वता १ नार यरे वर सर्दे वाइस देखें धवाता वृक्षिता । क्यां सर्देश हैं। कुलानालर. हरती, देल रहेड्डा सरक्षा उराया गर् पर्वेच क्रार्क र विस्था स्टेरिय हर् क्षित्र रत्त्व अभ्यत्व क्षित्र त्या रक्षेत्र स्व क्षेत्र क् र्त्वाश्चिर्द्रम्मः श्चित्वरात्माकः यास्यस्याभेद। क्यायास्यस्यस्यान् विद्यायम् ने दिरादरा कियान निर्मा त्या हता हता हता है के विकास का कार के विकास का का तर्दर की विकास का का तर्वा का का तर्वा का का व भ्वाया मात्रे त्या में का वा वार्य में मार्ट वरामा में या वा वह वा मात्रे का प्रतास में के प्रकार क्रिक्टर.दे.एडल्कानाप्टरीप्र किरापर्व । क्रिकेस्पार्टर प्रतिविद्याप्त क्रिकेस्पार्वित द्रारही बार र र प्राप्त र तथा करते एक एक र विस्था की। मिंगहें भेरे हैं। श्रीश्रामां के तार का मेरा का मेरा के मेरा के महें समाय के महें समाय के महें समाय के महें माय के महें माय के महिला के मह अवाह्री भूरेशवरीराद्यप्त केतियात्रह्री प्रीह्रका गूमापक्षा केरारहरेगरी मिल्लिक्स कुराउडिरायम्त्रातम् हेर्टा इन्त्रात्यात्रात्री महराक्षितातप्र, पविताविक्ष्यातमान्य दिल्या राजा या या सम्बद्धाता श्री रार्यामाने स्वी मितर र्यूश्यूर क्षेत्रा वर्ते या अराशका या या अर्थ इंद्रवर देशक्य शवर्था है। वर् क्षेत्र क्षेत्र वर्षेत्रा मृष्ट्रियाचारीमान्त्रद्रा पर्वेचीक्षणायान्त्रद्राकान्त्रद्राताः भागायान्त्रद्रात् । विकासम् मिन्द्र नेर्ने त्रा त्व्वा मान्य प्रे त्ये राष्ट्र व्या मान्य व्या है। मान्य मान्य वर्ष है। मके बुरक्षर र्व्रद्भवावेयवावेशवर्गात रेश कर्म केंद्रवित्या र सम्दर्गात र्थाए.र.व.८६.। प्रत्रीर.प्र.व.प्.केवलारमरणा नक्ष्यायभाद्यात्रास्यकाल्या मद्भववाव, श्र विषायं वर्गायां अर्था । र वहर्त्तर्वे अर्के वा यहरा र नातात्वर वहर्ता वा विराधिका र्त्य अत्यवद्रशातात्ववृद्धार्थः अक्रियावातातात्वविद्याः त्रेयाववाद्यातातः ॥ त्रात्ववाद्याताताः ॥ त्रात्वाताताः विनेक्द्रक्षा वहेन्यभभीदन्यथायाजिने स्ट्राह्म व्ययदन्ति । हरदन्त्र स्ट्राह्म सम्बद्धरे क्षेत्रातित्रकातिस्यातिस्यातिस्य वर्षा वर्षात्रियात्रम् वरा हिवाक्रियात्रम् हिवाक्रियात्रम् ।

कित्रहराक्ष्य एटररस्यो र । रत्रवरुर्यं धेर किरोवना केरा दवपति सुराधाववेषस्व वर्षवा

इर रमस्यर हरेर अवर्रमध्याहमभयम्। त्युवास्ति श्रुर्थया विद्यार्थिय रहरत्रक्षिरावारहितराय्रा पाइश्राक्षेत्र्यहर्त्ताक्षेत्र्या २ तरेयुक्ते तम् इत्वर १००० हर इत्हर्ष्य स्थापे १ मिरतकेव इत्य रम्भेरतका । १६०० स्थापे प्राप्त कर्मा स्थापे एत्र। हुन। प्रविद्यानार्वा सर्वा स्वा स्व क्षेत्र विर कृष्ठे वेकाम विद्य क्षेत्र सहितार्। रराम रद्या एक विव्य ५ वस्त्र । वस्त्र क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्ष र्जिन्द्रिं। वेत्रत्र म्वत्स्रिं स्त्रता रेर्चिन्द्रिंश्यरः। यर्ष्ट्रत्यस्य स्त्रिं। मह्मारास्त्र १ मिटालका हिमये अद्भाषी ्र लिंग हिमहिमाल्या रेर प्रमास मिटा भिन्न । रमण्डीरामाध्यापरित्या । राराव्यास्यवसमावसमाम अर्ष्ट्रश्चार् कुर्र् व्या गुर्ग्यत्मेरे स- क्रियतिवास्त्रकात्रपत्रात्रपत्रमें आरत्यु दि.हे.सहत्यवतायरेश भरवत्रसूत्रभदेरतास्त्रम छल। दर तदवारा रात वर्षेत्रवारा हिंदा, रक्षात्म स्वादा मार्गातम् विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास कर्भरक्षंदराव्हेंव एक्षावर्दिर हा हुलाके रहाक हैया वाहुअ तर्दा के ले त्वराद्ध व वणायद्राव्ह्रभावहर्व स्ववं द्विविव्युद्धार्था कुराविष्ट्राया 4. A.C.

B 25



वर्गा रिस्ताः इर. ग्रद्धाः सर. बालि दंगाला पर्वेशास्त्र से स्वित्र साम दर्भ देशक्षश्चर्यात्राक्षण्या क्षेत्रात्राक्षण्या देशकार्था स्त्रं स्यात्राम् कार्यक्षात्रा दल्यं सल्यं सल्यं स्थाप्त्राम्यास्य स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य स्थानवराम्यमा रहेयदेनान्त्र्यंत्रे रहेयत्। म्याराहेयात्रा स्त्रात्त्रः ज्यास्त्रम् स्त्रात्त्या हिस्द्रहरात्त्रात्यात्यात्यात् श्रीट्ट्यात्रास् वास्त्राहर्षात्या वर्षात्राहरू वर्षात्राहरू । मिर्द्रभेत्राम्या देशस्य प्रायम् स्थितं विष्या क्रियाम्या स्थान्या मित्र त्या संस्थानद्भेतःस्वानित्ता क्षेत्र्यंत्रप्राक्षेत्रेचार्यान्ताना रचरः लयास्त्रयास्त्रो अन्तरहतासा वगतस्त्रेरात्रास्त्राह्यास्तर हेते. विसार्तामा द्यामामा सुरूप्त्र ग्रामाने मान्य सुरुक्ता वा म्मान्यस्त्रा बर्चरत्ता र्यस्त्रात्या र्यस्त्रात्यात्यस्यात् म्यान्यस्यात् स्त्रात्यात् स्त्रात्यात् स्त्रात्या त्रेस्त्रम्। त्रीस्त्रम् त्रिस्त्रम् त्रिस्ति ब्रम्बर्ध राज्या स्त्रात्त्र विराज्यात्र विराज्यात्र विराज्या विराज्यात्र विराज्यात्र विराज्यात्र विराज्यात्र श्रीया वयास्त्रायन्त्र्रेत्रायान्यरायक्ष्या सि. प्रथमायन्त्रेत्रे यात्रे र्वेत्रअर्वेता वर्त्वरम्,एर्वेर्यवर्यता खेर्च्यर्वर वर्ष्या ग्रिया। नावनातिर्यक्रेंद्रायान्यात्रीत्या। यास्यास्यात्रेंवरात्रीया यूम्युरा तर्मेत्रायार्यम्यात्रेत्रायात्रेत्रायात्रेत्रायाः त्रायात्रायाः ガナダル ダインコンダルはんだいがくかん ロンダンゴンガルオリタル स्यार्थ्या रार्यास्यस्यास्य विश्वार्या त्युमास्य स्यार्थ्यास्यार्थान्त्रा स्रायम् त्री द्वामा केरा निया त्या । इस स्त्री स्था केरा केरा केरा है । वस्ता क्र गर्भावसार्वसार्वप्रकार व्याप्त है। विस्तर वर्ष प्राप्त प्राप्त प्रकार विस्तर प्राप्त विस्तर मार्थियार्थात्र्रात्रा राजात्या राजात्य्यार्थात्यार्थात्यार्थात्या स्याम्यास्य स्थान् स्याम्यास्य स्थान्य राष्ट्रसाम्भारत स्थानस्यास्यस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य त्यसंक्षित्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रा इस्रेन्ड्सेर् हेरा देशस्त्रिय लेंद्र होताहाता विस्मिता नेर्ह्य म्यास्त्रास्त्रा रेखेत्वयास्त्रेत्रास्त्रात्यायव्याः ठेवाचेरहर्स्यारे

**く**で भाषास्त्र हिर्जिर्ज्या एटेयास्त्र माल्ट्रियास्य प्रत्यास्त्र में माल्ट्रियास्य प्रत्यास्य प्रत्यास्य प्रत्यास्य नावर्रे संस्थान स्थाने सामित्र के त्राचित्र स्थाने सामित्र साम रामरेज्ञ जयाद्भरेर्यस्यर्गरेर् यस्यार्ज्यर्गरेर्द्रस्यं स्ट्रिंग् はたない、ち、おはになか、対し、ヨニオはい、おといれば、キャンのことは、 とないない ヨセガ・インダンコンナダ・ガナンダンコンス・アンダンダンダンダン क्रि.सटु.सट्टेंही वि.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स. सम्यादी यस्त्रेत्रस्यात्रियात्रतिहित्रत्यात्रमा तहत्त्रम्यस् नहन्त्रं रातरेहर्यातमम्बद्धरामेन्या हर्षार्ध्यात्रा दर्दरस्ट के सार्वेद्रास्त्रीया के तास्त्रीय होता के तास्त्रीया के तास्त्रीय के तास्त्रीय के तास्त्रीय के तास्त्रीय के तास्त्रीय के तास्त्रीय क त्यान्यान्यान्यात्रेयान्या राम्यायान्त्राम्यात्रान्यान्यान्यान्यान्यान्या स्टिश्चर्यान्तरम् स्टिशा सिन्द्र्यायान्त्रते हेर्न्यान्तरम् १४५. यहेत्राद्रीयव्। यव्यक्त्रायलद्द्रायलद्द्रायान्या साल्वायान्या पर्यम्बद्दार इ.पर्वेद्यरमाध्यम्। य्रामित्रम् स्थान्त्रम् E NI स्ता है.सूर्यकार्यस्य स्ता विद्यायस्त्रस्य है.या.सूर्ता त्रस् क्षातिःल, यहेत्रास्यक्रात्यक्रात्यक्रात्यक्ष्या त्यर्थात्राप्तात्रात्यात्यात्या मृत्यात्यम् मृत्यात्यात्यात्याः मृत्याः 5.57365 यार्ट्र्या मित्रा स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स य्यान्तर्, त्यायायाता श्रीवार्त्रस्याय्येयायाय्यात्यात्यात्यात्या रचंद्रपरंद्रतेत्रकार्त् वेद्रवर्द्रप्तियां सेट्रस्त्रा इत्यस्य. यद्यानीद्रात्त्रम् स्ट्रिस्त्र्यात्र्यास्त्रेत्र्यात्र्रा या। स्यान्त्रेत्र्यं स्ट्रिया। स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया 

अन्ता विदानम्पानेना नेन्यत्रकात्रकान्यन्यात्रकानाः वर्णाः म्मलास्त्रेर्यते मार्थर्याता मार्थर्यः सार्थ्यात् मार्थियास्त्रेत्रा र्यरात्रेयायसमा संराष्ट्रियार्र्र्यायसम्। यर्रायाः म्,रर्र्यम्,र्यम् द्रयान्यात्रयात्रात्रात्रिया याद्रयद्रयायाव्यात्रात्रात्रात्र्यद्रयाः विद्रवृद्याः यायर गाया रेंगा वर्षति वर्षदेशेषाते । यह गारे हो रद्रोके ता ल्रेस्रा ल्रेस्यालयात्रमायूर्वत्यायूर्यकेता अत्यानेत्रात्रम यतित्या स्यानार्वाहेकातवित्यार्यात स्रीमाले वास्त्रात्रेत्रा नर्रास्त्रामिकीयात्रास्त्रेयरार्तेषर्। त्रमार्थर्त्यात्रहेर्योद्यतित्रा षर्रे से मेर्स मारिक कर्ति से मारिक कर हो से मारिक मार यग्राप देदसासायहे असेतायायां। मार्याद्वरायां मेर्यायमा देश्रेस्त्रियास्त्रेत्रास्याप्ता राज्यर्रात्र्यंत्र्यंत्रात्र्यः स्राम्येया साराकार्येत्रा अत्यास्त्रवन्त्रेराक्र्यात्। व्यक्त्रियार्यस्य रामार्येत्रा क्षेत्रसमा सेर्द्रे सेंसा सेरासुसा लेशसम्बद्धे में से मिनमा मानेर सेन संभवात्वात्र राजेराव्येव्य यो यो सम्भवात्र राज्येत्र राज्येत्र राज्यात्र राज्यात्य राज्यात्र राज्यात्र राज्यात्र राज्यात्र राज्यात्र राज्यात्र राज उद्देश्या रेर्न्यस्त्रेर्स्यांश्चेत्यां स्वतः इत्यार्ष्येर्त्याः द्वतः श्रुप्तः त्रिक्षाया।वर्ष्यः। स्वर्ष्यः वर्ष्यः वर्षः ।वर्ष्यः वर्षः ।वर्ष्यः वर्षः नस्था राज्यस्यानुन्त्राया। वयानगर्षरायाम् राज्या र्यात यद्रद्रम्माध्यम्द्रकी देश्याष्ट्रियातर्देर्षाक्षेत्र विद्रम्माम् स्रूर्वश्येद्रश्रदेशकेषा वर्रास्त्रयाचररवर्ष्यक्ष्यत्त्रेत्र्ये विक्रास्यस्याचाः श्रीरत्वराध्येरा वस्यराहेरानुसार्व्यास्याम्या स्वराचेत्रायकरायारा र्। क्षेत्रः वर्ते त्यावस्यायहरा क्ष्यार् क्राय्येतर् हें क्ष्यं यान्त्रत्यान्त्रा स्ट्रियान्त्रा स्ट्रियान्त्राक्षात्राक्ष्यात्र्यात्राक्ष्ये इंग्वेगा संयवदाद्वेरअएसस्याया संतित्यद्वातियातमतदादेरा

यरपार्वर हेर्रा प्राप्ता से से से राष्ट्रियास प्राप्ता रेवसा प्रमा रेस्ट्रिंजीलाहरा स्वयासाम्यारेगार्ट्स्रे से तर्रेन्यूर्येत्वरेखाला. इस्या लाजार द्राय इन्द्रेहें हें र प्रहर् र र प्रमान्ता वर र में या राम र में र्जित्यस्य क्षात्रेया स्वार्थित । इस्यत्य समान्त्रीयः समाना । स्वार्थित समाना । समान ुर्द्धकार कार क्रांस्ट्रिय क्राय्य्य मात्राचार कार्या क्राय्या क्राय्या क्राय्या क्राय्या क्राय्या क्राय्या क्र चर्रायंत्रासामार्यर्वे स्त्राच्याता ब्रियर्थः स्त्रित्यं र्वे गर्ते व कर्रिया वित्राम्येत्ता देल्यस्यात्रात्रे त्यार्थात्रात्रात्रा द्वित्त्रस्यात्रः द्रत्यातर्यात् रात्रा त्रार्थेत्यराध्येत्रराद्येत्रराद्येत्राराद्येत्रात्रात्रे सार लिएर्येयते पर्येष्ट्रम्यास्याम्बर्धारामानाता र्रत्यक्षाम्बर्धारामाना त्या भी मेर्ने स्वास्त्र मेरा स्वास्त्र मेरा स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् य ने ने स्थानिक त्या त्या स्थान इस्त्रेस्त्रेत्यावरंस्वात्यते। इत्वत्यस्यात्यात्वा। ब्रस्त्रव्यापाः चंगक्षरकरा हिन्द्रयंत्रसंद्रस्या चेत्राहर बहुरत्तस्य द्रिया त्रवराति एते.सर.सेर्जा.पर.संरेग्ना व्यापड्राक्षर.संपृत्ती.प्रवाकरी युत्राया च.म.र.सुर. मज्ञात्व्या यो सुरा । स्वरासाय्या यहो वस्त्रीया वराया। र्यत्रका द्वार त्रार पुरते वार्ष प्रति वार क्षार प्रति वार प्रति वार प्रति वार प्रति वार्ष इत्तर्भारता देन्द्रेश्वास्त्रास्य देन्द्रेर्यास्यामा योत्रेन्य्यूया द्वर्रा दर्भराष्ट्राय्यार्थराष्ट्राय्ये द्वाया क्राया क्षेत्राया क्षेत्रा रेबललेरास्यात्र्यात्र्यात्रारा तरीलेल्य्यात्रेयसासेलेरी शेक्सास्येर मुस्यर्भर देरा व्यय् नाम् राज्या हैरा वर्ष स्थाप वर्ष सिते वर्ष सिते । एत्रा स्राप्तास्य क्षेत्राच्यात्राच्यात्रा र्यान्त्रास्य स्राप्ते । र्रात्म्यम्। श्रीरर्तेश्रीस्थापाराता स्रेरतिरम्द्रास्थापाराताः श्रुमा स्रोदान्त्र स्राद्रीत्मराख्ये मन्त्री। यामामस्याख्या ख्यास्या क्रिया क्षेत्राच्याच्याच्यात्रा त्याह्यात्रा क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या ह्या क्षेत्राच्या ह्या क्षेत्राच्या ह्या एने शक्त श्री मालकेर प्रांचा नेर एर्.। रेर लीया मारे मान में में में मारे ही.र्या भित्र स्वेत्र सामा दिन्य मन्त्र सामा देश हो मात्र र मुख्य स्वा से से माया वतीयस्त्रम्याराचेता अर्यद्रम्याराम्भ्रेत्वायम्। वहर्मार्यायाम्

न्त्रा एड्रेब्र.सं.एट्री र्विर्देख्रक्षेत्र.स्र.चं.लंब्र.स्रा क.ब्रार्क्स.व्रेर.ब्र्. कर्त्यातस्या रिसेर्ट्याणर्षोत्यात्तर्यात्तर्यात्तर्याः स्यात्रेस्यान्तर्भयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या मञ्चारत्या कर्तामा द्वारामा होत्ये राष्ट्रीय र्यं र देश त्या विराधि र सामा विराधि । इस्यान्यामाल्येर्यास्यास्यास्यास्यास्याः अवत्यास्यास्यास्याः अवत्याः विकारः २.इ.स.च्यातालूचा ल.इ.स.स.स.म.इ.५५५ ड.स.इ.स.च.च.स. ज्ञानकर्यात द्वान्त्रद्वास्त्रद्वास्त्रत्यात्राच्यात्राच्यात्र्यंत्रत्य संस् इसमान्यसम्बद्धाः के माने के त्या के त् सुरासाम्यसार्द्धाः सुस्रायाया स्ट्री दक्ष्यात्र सुरा महत्त्र महत्त्र महत्त्र महत्त्र स्ट्री सासुरा राजरार्येरारसमात्रमात्रमा हिरामानुसार्क्ररारमेलास्यरार्वर श्रुराक्षात्रर्भाष्यामामाञ्चार्यात्रामानाञ्चार्यात्रे न्यायान्यात्रे न्यायान्य क्षरं अरमान्त्रात् विभूत्राची सर्वेद्धाः । व्युः क्षेत्रः स्वास्त्रास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्व राष्ट्रा कारायाम्त्रातास्त्र्रात्र्यात् द्रायात् द्रायात्र्यः व्याप्तात् व्याप्तात् इत्यमा अस्मायते व्यामेय हेत्य या मार्या प्राचीति व्याप्त पूर्विसंगानमा गानुस्यासास्यर्थेत् हेर्रहेरी गरमार्थात्रहेर र्रियुन्त्ररावसर्वतस्या सस्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्याः द्रेयन्त्रस्य प्रत्येत्र प्रत्या । देन्या राजात् वर्षेत्र त्या क्षेत्र स्त्र क्रे. लेना तरे ले सरान्य मातरे नदी रेने न से खे खेवा माना प्राणिया यक्षान्तर स्थानुक्षात्रमान्यवस्यान्यान्यान्यान्यान्याः तास्त्रीत्त्रात्ते। वित्रवस्तात्रत्त्रास्त्रात्त्रास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र मेखान अखाले द्रारी रेगसाने यस केंद्रिय समारे राया मेला। मेलिस सर्त्रात्त्रेर्त्रात्रेर्त्र्रात्र्रा वर्षक्र्यंक्ष्य्ररात्रक्ष्यंत्र्यंत्रात्रे द्वर्षर्द्रात्रात्रक्र्र्यम्बर न्यायायात्र्रव्यन्तर्यायायात् होतः श्रीरादगरक्ष्मेपन्यरेरियगरभेरियो। अक्षात्रीयोजिकेमायेन्याया। श्रीका द्वीयाचेराक्ष्मात्व्वार्भात्या वर्राभेत्रेर्याव्येष्ठराज्या देवः श्रद्धार्मित्र स्टास्ट्रिस्ट स्टास्ट्रिस्ट स्टास्ट्रिस्ट स्टास्ट्रिस्टर स्टास्ट्रिस्ट स्टास्ट्रिस्टर स्टास्ट्रिस्टर मार्थित्री सन्सन्तराखेन्त्रासः त्रीत्राक्रेत्। स्तरहत्त्रात्रास्यादेशेत्रस्त

या अर्बे यथु अप्राप्त म्याय स्वेयमा वित्या स्वाप्त स्वेदायमा या आन्याया " श्रेक्षात्रार्द्धियायात्रयद्राव्रद्धिया यहस्यात्रस्य राज्ञ राज्ञ द्रवाद्वाद्वाद्वाद् र-८-१८ ४-२१-४-४ सेट्र सेट्र म्यूट्र में यह सेट्र त्त्रेयानाम्यस्य स्वान्ता क्ष्रियं यो स्वान्तित्ता स्वान्तित् क्षेत्रकार्यः प्राक्षेत्रकार्यः। श्रीयद्विग्राच्यक्षिं १९८४ त्यात्रस्याः १९८५ वर्षः स्रोत्रते स्रोत्राः स्रोत्रा म्यु जाता हुर्। उर्वेगास्त्र गलासिद्यर हेर्। सार्जा मार्जा स्वास्त्र स्वेर जिसा देरा. इत्याल्या स्रेरासायरेट्राक्ट्रास्यार्थेर्रायस्यार्था प्राधासास्यर्थास्य स्रिक्रास्यर्थार्थाः रस्यस्त्रमेरासरेत्यस्यरेत्रिया अध्यमेराभ्येर्भित्रेर्द्रमेरा इस्क्ररः क्षित स् रच्नेर से रच्नेर से रच्ने र से रच्ने र से रच्ने र से रचने से से रचने से से रचने से रच शुर् वर्व या सक्तार्था । व्यानसंश्चिराया वर्षराचरारी संराष्ट्रा हिंग्ये प्रस्तरा इ.५६४.। रगरम्भंसं अत्यस्यायकाया। मुधिराल्याताया. ल्येन्द्रे स्याद्वार्याचे निर्देश्यात्रा क्ष्र्यात्रास्त्रात्रात्राच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् एड्रबर्रे प्रदेशलेजासञ्चलार सुर्धिमार्चेचया। सर्द्र्याच्रेरल्ट्र्यास्यालवः .स्रा इस्क्रिस्क्रेर्न्थर्यत्रेयत्यायत्रात्रा यहसारहराष्ट्रिक्षःक्र्यर्यस्यात् रस्तरायक्त्रेर्यं बेर्यक्री लेगक्ते राज्याक् के स्राह्मे वाल. लएसरएर्गल्या हे तरासकतरे हे राज्य तरी सेर्ट्या स्था स्था से रेंग्रेटा सेट्रियामाः भिरायाने याक्षेत्र प्रवास प्रवास है। येथ्या होते. विस्त्रयास्त्रीता खेरत्यास्त्वास्त्रम्यते। यद्यात्वास्त्रयातासः चित्र कार्यम्यतः दर्शके विद्यान्त्र । यस्यान्त्र त्यात्र क्षेत्र व्यात्र क्षेत्र । व्याद्य क्षेत्र व्याद्य पर्तत्त्रमान्द्रवामदोद्रसेलाद्वावद्रा क्रेरव्यावतः सुरालासुर्। महस्रादे कु.लर्य.ज.जर्ज्य मुर्री व्याद्धेरश्रद्ध श्रीर्विश्चरतात्त्री र्एकेश्चरेत्र रं वित्रर्भन्ते वित्राम्य एम्यास् संस्थानम्बर्यं यद्दे र एवं या स्ट्रेस् संस्था カノナンチ、ゴイエノイン、ロイノダ、シュとい、まならいれて、から、マデノス・ガイと、.. र्रायम्यराचरान्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या ता.का.जा.जा. मा.अयाचरायपुरम् द्वायालमा क्यायाचरा के यादमात्र. इत्या शक्तियाम् ने सार्थायत्या सहरा अर्थस्य राज्यायात्यातः

हिल्ला । मून्यप्रह्रित निर्द्धाःमः स्रोचए ए मूल्ये हेर्मे र सम्मान्या नेया से भावध्यान्त्रं मेर्नु । १९५६ हित्रेनुग्यु गुर्मेर् भावत्या । इत्रेन्नेन्द्र ग्रीया मानत्ये न्ता न्यायायायायायायायायायाचा न्यायायायाया मित्रावतर्गेन्द्र। स्टाय्यामित्रीयाम् मेन्यावत्र्रो यहसा यद्गाद्दात्र्रोः र्वास्त्रस्त्रभागा वर्त्रस्याचार्यार्त्रस्य वर्त्तर् हिल यर मार्ट्र तियर पट्टा मध्यर र के मध्य में मध्य में मध्य में मिल्ला हो है या चार हो है एस्रेर्यक्षेत्र्या। एष्ट्रायर्र्य्र्यक्ष्याचार्त्वरा अल्यास्र्र्यः रदेजा छि गरमार सेरमा ्यका सर साम्य सेरो सेर मेर हैं सेरा छि है र्रप्रमानात् देन्यायायात्। मलयन्त्रमायात्रम् यात्रास्त्रमा शुर्गान्यर्भात्रेत्वर्भार् होत्रामार्थेत्। मार्ल्य्याच्यामार्याच्यामार्थेत्या प्या स्वार्त्यं भूतर्त्याया स्वित् सर्पर्यात्रास्य स्वार्त्या स्वार्त्यात्रास्य स्वार् त्या श्रीत्त्र्र्त्यात्रात्याय्रेत्यंत्रा गत्रात्यात्रात्यात्यात्रात्या स्यम्। र्षित्रं मान्यत्यास्त्रत्यात्र्र्यात्र्याः । यास्यत्यत्याः यात्र्यत्याः । दश्रव में अते में द्वा कर कर व्यो द्वा द्वा द्वा द्वा देश हैं में दर में व्या द्वा देश प्रसम्भेद्रस्याः स्त्रीत्रा द्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम् सार्वार्याने से हे तर्ता ब्रियर ते सर्वा तर्वा स्था से रासे रायर । कुक्ताद्रा स्रेराएड्साकुवयार्थर वेराद्रा सामित्रेस्तर हासार्थ्यार्थर वगालेजात्र में दें ब्रिस्टरा में लिसरार गर में देरेकतरें। सहर में ते में वर्ष एकिरस्य सप्रेस्ता लेखे.जार्युर्य्ये ज्यास्य हिंद्रे है। हैयाहिस्य य बर्ट् यह त्यं अर्थे स्था र्योष्ट्रिय हराय हिरार यर्त्रिया र्ये र्रेट्राईर देश हिरार्थ गल्ये अं केंद्रता संबुक्त संदुक्त स्थानिया स्ट्रिस्ट्य स्ट्रिस्ट्य स्ट्रिस्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिस्ट्रिय स्ट्रिस्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिस्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिस्ट्रिय स्ट्रिय स्ट त्रसम्प्राचनरात्र्या भारत्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्य । स्टूला वर्षेत्रे. द्यात्यात्रक्तेत्। यूयत्यात्यत्यात्रेत्रत्याद्यत्यत्यत्यात्रेत्रा यस्रास्त्रास्त्रास्त्राम् त्यास्त्रात्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्र त्रेत्राना श्रीत्रका के व्यास्ति वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्षेत्रका वर्त्या वर्षेत्रका वर्ष 

त्रवा। ।स्यस्य र्यास्त्रेत्राः। तस र क्रेस मिं या स्राय तेरस्या प्राया। स्रायाः र्विः परितर्वा व्यवस्था व्यवस्था द्वा सेरा देश सेरा देश स्था विद्या विद्या द्रमाबिश्वास्त्रेर्त्यार्द्रर्र्ता वर्त्रत्र्र्त्र्यात्रावस्यावस्यात्रस्य १०सालहर रत्रव युवाय तित्र केयरिक लावे युवाय स्वा हिक्तरे के माराव दे से राम्ये ब्राह्मस्ति स्वात्तात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् अर्थस्ति स्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात त्येयात्रात्रे से राम्र रामात्रा र्रायदेवमार् या तरे स्वायद्वा रहा स्वायदेव रा कुत्रस्ति देशयान् गर्त्रे जाके। एवं ग्राजूर् में ये द्वारा होत्य करा है स्व निर्धेत्रस्यित्रस्यात्राच्यात्राच्यात्रस्यात्रस्यात्रस्य स्तर्धेत्रस्य ्रः रक्ष्यावर्श्वाच्यार्यावसाय्यायस्य स्वर्षात्रेरस्य स्वर्षा क्रांस्यव्यक्षेत्री श्रीक्षत्रकाताता स्थानाताताता द्यास्य हुस्य द्वास्यार्त्यः कुं करवया असेवासपुः सप्तिकं कं कं कुं स्थाना सन्दर्भ सर्वेद्रमायम् के ब्रीयन्त्रवाता देवाया व्यास्त्रेरप्वारस्त्रेवार्येरप्यामेत्या यार्र्यायार् तियानिया स्टर्स्यालेयाच्यात्रस्याच्याता लेक्ष्येत्रस्य स्ट्रिया । नः अयः गर्ध्यास्त्रग्रेना अयिद्वयः स्रोतान्य र त्रात्रम्य स्थान मिलर्सेर्र्यस्यर्रस्यर्रस्य द्रास्य नामा वियालर्सेर्रस्य व्यास्य मास्या अमें प्यान्धेरास्यात्यम् स्रान्धेरात्रा स्थान्धेरात्रा वारत्यम्रा वित्रवित्रम् द्वायाल्याम् व्रद्रा रयास्य स्वराम्य राज्या क्रिया दरवडरकालां प्रक्रिक्ते हेर्न सेर्वेयकार देनस् वास्या एक्ट्रिकरा क्रियाएड्सेस्ट्रेस्ट्रेस्याल्स्स्ट्रेस्ट्रिस्ट्रास्तरा यर्थात्राचार्य्यसा संस्थान्त्रस्यानेत्रात्रस्या द्यारद्यामत्यान्त्रस्य सद्दर्भेषाः यद्दर्भे यस्त्रिक्षः क्षेत्रं प्रत्या त्यं यात्रात्रात्रेत्रं रामक्ष्रामक्ष्याः मान्यात्रात्र्यः की दवर संवक्षेता वीरत्यम्स्ति कर्यक्षात्मेत्वेता तर्ये वस्त्राष्ट्रात कुर्याध्याप्रात्रात्र्या। विस्तरः कुत्राक्षेत्रक्षाता इक्षियः वृत्रात्रात्रकेषः स्र चरत्रन्त तयद्वाक्षांकृतेन्द्रायामार्द्रम्ता न्द्रियातास्य में

त्या इत्स्रकायान्त्रत्ये सुस्यान्त्री भन्त्र्यं स्वायान्त्रात्वे स्वा व्या यात्रेक्ष्रेन्द्रक्ष्येयाचेन्या वर्ष्य्यातहत्र्रात्र्र्ये क्ष्यावराष्ट्रान्द्र मायान्त्रे विरस्ता र्सम्रह्मा लग्नाग्रदार्गाता श्रीरहित्रेव र्स्त्रिव. अन्य करा न्यस्त्रकृत्यक्ता स्रोत्यत्रस्यस्य दस्यात्रस्य । स्रोत्रस्य स्तिवस्य वित्रस्य एकेकत्त्रती देखेर अष्ट्रिका कार्य के से देखेली स्राह्म रके कार्य का ता का 2名1 रम्यान्यात्रात्रात्रात्रम्याते रस्यान्यात्रः स्ट्रात्रा स्ट्रीस्यान्यस्य स्ट्रात्रस्य स्थान्यस्य उ तुन्धा नविश्वा श्वास्त्र स्वास्त्र देते। तर्सार्य न्यायेषा स्वर्षे स्वास्त्र प्रेस्त्र स्वर्षे क्षेत्राक्ष्यकात्राकात्राक्षा यात्रस्याचक्रावेत्राक्षात्राच्या कृर प्रत्यकृष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक भवेषक प्रति मुक्ति मान्यक्ष्य मान्यक्षय मान्यक्ष्य मान्यक्षय मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान्यक्ष्य मान र्श्विक्त्र्यस्य । सामर्श्विक्र्यस्यर्गः। श्रीरास्यर्भावारः वद्यास्येने। केए.चर्.सेर्च्यानु.मप्टू.। च्यानुस.मरम.महत्रामहत्रामप्रमण.चर्। युर्यार्थः ्वरवक्तार विराधित स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य विराधित स्था । विष्यक्षेत्र स्था । विष्यक्षेत्र स्था । विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र स्था । विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र स्था । विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र स्था । विषयक्षेत्र स्या । विषयक्षेत्र स्था । विषयक्षेत्र स् महिम्यान्यरा रद्ररचारहेर्द्रद्वावेषात्येषा रस्मा वित्वेरित्वरेक्ष्र्रारख्याः रस्याम् । रस्यक्त्रमारहरमायादेरसा द्वागावरमात्राहरमा स्यास्त्रित्वास्त्रित्तर्भात्रस्य स्थात्रा सहस्यास्त्रास्त्रम्याद्वास्यात् । साम्या सिस्मा यकतः तर्रा पर्मा स्था स्थानसम्सा से त्र्या स्थान यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र्यात्राच्यात्रच्यात्र रदाविषाताम्यात्वात्वात्वात्वात्वात्वा सोर्ट्यम् सुर्वास्वात्वात्र्वेता स्ट्रास्त्रम् २०११ वर्गा वर्गा है या त्वीया। सुर्वहर्मियास दराष्ट्रे सास्ता। हि रवहर्मा सम्प्रे रे रे रिस्ट्रिं। दवः न्यत्रे देर् से त्रात्र्याक्षा सर्वे वरिस्को द्रार्भात्रा वरिस्या स्वार्भाहे वर्ष् लयाक्चित्रर्भा सुराष्ट्रियाद्यमार्ग्स्याक्ष्याद्र र्रेतार्यार्म्भार्भरर्यरस्या इरा अक्रूर्कार्यासारा है मायामात्मवा रामार्थितासारा क्रिया वर्षे में। व्यासिर्धिर्यात्या नेर्याल्यास्य स्ट्रिर्रिस् वर्यायर्थात्यास्य x 32' म् सिर्मात्र्रेत्वेना स्राप्त स्योर्धा न त्रार्म्य त्रात्र स्यात्र स्राप्त व्यार्थ स्वात्र मानायान्यान्यान्याया प्रायायायाया त्या मान्यान्यायाया । व्यायान्यायायायाया रंगारकामीत्यम्यात्यकार्ररा अत्यत्रक्षर्यात्यते सेर्प्या देर हिस्यायत्र्रीत्रेत्र्यत्र्या भ्रेत्रित्र्ये ग्रुत्राक्ष्यात्र्ये व्याप्त्रात्र्ये विभागे लेसकारमञ्ज्ञस्या द्यांनातीविदेनुः स्री चेत्रा नेत्रा देवना यायम् दराष्ट्रा स्रे

हियान्त्रध्यात्रक्षत्र्रम् । क्षेत्रक्षेत्रकार्यक्षत्रक्षत्रम् । क्षेत्रक्षेत्रकार्यक्षत्रक्षत्रक्षत्रकार्यक्ष स्र्रेश्चि.य.यद्युतासक्रेर्ज्यूस्यर्भार्यस्यातरास्यावत्रात्रव्यव्यात्र्यः १०७० अत्त एर्ट्र्स्स् भें में से मार्टिस्ट्र्स मार्ट्स होता विस्थात सामा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान य.लूर.नर्.ग्रावमार्थेय.वृर्त्ताःस्रर.नेराधस्यारं.लुवन्त्रायाः श्रीवाध्याःस्र यः वित्रास्यान्द्रत्यः स्टेश्येद्रयद्याद्याः स्ट्युद्रयः देशाद्याः स्ट्युद्रयः स्ट्रा ल्यू सर्वे स्वीत विकास के त्या के स्वार है। विकास स्वीर स्वार त्ये र्यस्थान में अस्यासंस्थान स्थान स्राम्यान स्थान श्रीव्यत्त्रत्यस्य स्वापत्यम् दर। स्वीत्वत्यात्यस्य दर्षेत्रः वित्र वित् द्वारेत्वता केम्प्रस्तित्वा स्त्राप्तित्वा र्यास्त्राप्ते र्यास्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्रापते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्रापते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्रापते स्त्रापते स्त्राप यात्रात्रात्रात्रत्वया। याद्रात्यात्रीराष्ट्री द्रियात्रेत्रा। रायरत्र्रत्वया यद्यस्य सर्भा ल्यास्त्रस्यस्यस्यस्यःस्त्रन्त्रात्ताः स्रात्र्यास्त्रात्ताः केलान राजा सार्वा सार्वा सार्वा स्थान स्था र्रा लिल्ह्रियं रूर्मियाम् र्रा र्यायास्य यह स्वयं स्वर्धियाया र्रा ्र म्रास्त्र ह्र सर्द्र स्ट्रेन्सर् स्वर्स्त्र स्वर्स्त्र स्वर् स्वर्गः वर्षे स्वर्गः स्मार्था द्रावियाः स्मिर्या से म्राम्ये म्राम्या तर्मा तर्मा तर्मा त्राम्या स्मान्या म्याने या में त्रे द्वार मेर् द्वार स्वाय स्वया माता माता मेर द्वार हो हो से दर्रा इ.स. १ इ.स. १ चरायुः माप्युत्वमारे रा के स्वार्यात होत्या कर रही। ह्य यः स्त्राम्यार्ट्र स्वावस्याद्ती । वस्त्रीस्त्रीस्त्रेवात्वात्र्रस्याद्रात्याः स्रावेकार्त्रेः वर्रेश्चर्याया। द्वेत्रम्यालेष्ट्रम्येत्स्याद्वेत्र्यं 7 m2451 वर्र्या १ र स्म्रिस्स्र हिरार्। मिलास्युन्स्य संस्थार हो छ। यो रेपा स्त्रेन्त्रेन्त्रं रात्रेन्त्याया। सर्ग्रेन्न्यायाः सर्ग्रेन्न्यायाः सर्गेन्द्रन्त्यायाः रम्रर्न्यरवर्षर्वरावर्ष्ये हिसार्ता सिर्देश सिर्द्याता हिवार् हु. सामा। क्षित्रमम् सेन्यात्रस्यात्रम्यात्रम्यात्रस्यात्राः। क्ष्याद्रस्य स्त्रम्य स्त्रम्यः क्रियं ते दे दे हिंदे र व्या कर्म माना मिला है कि कि विदेश कर में माना मिला है कि 

वन्।। ।वःत्रेत्रानारयःर्यात्रसा व्यानात्रत्योत्वत्यः क्षेत्रा देदःसर् र्यक्तान्यामाल्या भिरास्ट्रीयात्रमास्त्रीराता वसवानाद्रास्ट्रीरास्त्रमा क्री इत्यारा अव्यक्ति विवास स्था स्था है । इत्य दिस् है विवास क्षेत्र क्षेत्र । विवास क्षेत्र स्यान्यसन्तरायम्। यद्यंत्रसन्तर्भन्तर्भात्रस्यायम्। व्रियान्तर्भन्तः राष्ट्रियः उर्जन्मत् नेश्वता वित्रं म्रेयामी वित्रात्याया वित्रात्याया म् वर्ण्याय वर्ण्याय वर्ण्या अवस्तरत्तर्त्रम् अति क्रिक्षिता । गुर्स्य कर्ला कर्ला कर्ला क्रिक्षित्त । भूति क्रिक्षित्त क्रिक्षित्त । भूति क्रिक्षित । भूति । भूति क्रिक्षित । भूति क्रिक्षित । भूति क्रिक्षित । भूति क्रिक्षित । भूति । भ । त्यान्तर्यन्त्रास्त्रस्य स्थायास्य अर्थे देत्रात्त्रम् । त्यारी क्रिक्स स्थित् नव्यवारी । क्रिल्या र्गालेकात्राक्षक्षत्रा केराव्यीत्याव्यात्त्रात्यक्षत्रा स्ट्रीयात्रात्यक्षर् अर्राह्मा विराजवरा। खेना अपर्याह्म या विराधा महिनासती अहस्या अद्देन अद्देहरी द्वार हरी सामा अतिहास न्युद्धाः म्यूद्धाः अत्राद्धाः स्वाद्धाः द्वाद्धाः स्वाद्धाः स्वत्यः स्वाद्धाः स्वत्यः स्वाद्धाः स्वाद्धा सर्दा स्मार्थन्यायातीस्यासा रहीराकेर्देरस्यायानेरात्याता रवालहा सस्राध्याक्षेत्रयो सहिता। स्रोत्यामान् स्रियामान स्रियामान स्रियामान रेशान्त्रकार्यद्र। तर्भाक्षेत्राज्ञेद्रन्तेर्यम् वास्त्रक्षेत्र। त्राद्रम् व्यत्रात्रा वित्रस्तरा अस्तर्तित्वित्यक्तिक्तियक्तिक्तियक्तित्विता हेया हेरहर्त्त्वारे स्वर् रेहेल्यावाववायास्त्रराचे रेखेसपाताम् राख्या देते। याते यही यासेरा वहेरायेर्वेल र्राबुर्यायाक्षेत्रया व्यास्येत्रया वे वास्ये देशवानु गावागाने गायके राजी वास्याया वास्याया । यार्ग्यात्र्याः द्वीस्तर्याद्वीरा य्राक्षास्तिय विवास्त्रीयम्यत्यात्रात्रास्यत्या असल्यास्यामः गत्रम्भन्ते स्ट्राष्ट्रमाष्ट्रिकास्यास्याः स्ट्रास्य स्ट्रास्य क्रांस्य सर्द्रेश श्रांस्य स्थान स्थान हो। स्थान हो। ल्यानेयासूर्यते विषया इंगचिते मानेर रचेमानो द्यूरा मान्या नेर मराचिते चित्रमा वर्षार्देश वर्रम् वावस्यते वर्षे स्वामा सहरा वर्ष्यर्भाषा में देवर्षा र्यत्यस्यत्या स्रिक्षानीयस्य स्याप्तान्य वर्षेत्राच्यात्रा यते यात्रया। तर्रम्या १ तर्रम्या १ म्यार्चिया स्ति यात्रा स्ति । स्ति साम्यार्चिया स्ति त्यात्री । तरा रमरत्रमातुमास्रेतिवायवी द्वायमर्भेनाद्वायमाम्परिते। पर्देश्वाववायते महिर्मेना सार्देशी सार्देशियराना से सार्गा भवराया शक्तिकरमे अर्दा श्रेरेलाहे स्पर्धिता राष्ट्रेलाता प्रक्रियं में वर्ष. मदया मेर्स्वास्त्रेस्कार्भस्याम्स्यान्त्रात्। होराचक्ष्ययानास्त्रात्रीत्रहरा

त्वक्रयकेत तर्रात्रोराष्ट्राता क्रियेता द्रारात्रात्रारक्षेत्रा अ स्रास्त्र राज्य स्ट्रा प्रत्य प्रत्य स्ट्रा रहेर से द्राउनसाम्रद्रा सेपास्य हर्रे में स्थान हर् वर्त्स्त्रा वर्ष्यस्त्यदेन्यदेन्स्क्रेन्द्र्याखेत्रा वर्ष्याव्यवदेणसाद्राद्याः ्रेराम्या सेवानंक्यरस्यात्रा व्यव्यस्यक्रिया स्थित्यक्र्यांकेयाया स्रीर न्त्रम् स्कित्यम् त्यम् द्यम् द्यम् द्यम् द्यम् द्रम् स्व 4 W(1) सहरगर्देश्ये तर्गा दगतः सेर्छेग्या स्थर्यक्षयः येदा सदस्या सेर रश्राच्या अ तुलितात्विर्त्रमास्त्रीत्। र्त्रिस्सर्भरम् र्यष्ट्रस्ता द्वेश्वर्यात्वात्माक्तः एर्सास्तरम् गा द्यंद् स्रास्त्र्रिक्त्यं स्त्रे स्वार्था प्राप्त स्वार्था स्वार्थाता 621331 यवरारम्भ्यो रशिस्र रा यर्गाणालेयाम् हे त्वीसा १० प्रास्त्रस्त 79.51 ४ वेदववन त्रात्ते रात्र राजार राज्ये क्या क्षेत्र राजार के राज्ये का क्या के त्रात्ते वार्टर विकार का विकार का न्यतः देनः यत्रात्तः। यमयः मेन्द्रन्यद्वी केय्ययः प्यतः। द्यत्यति सुद्धिस्तर्गतः नवने न वर्षा मत्रेरेनामा चमार्येष द्रोसार वर्षेत्र यार्वे से सुर्वे स्व न्ज्यात्रेर्ता व्याचीतेस्यात्रं स्ट्राक्ता न्जारन्त्स्रीरायातिर्द्धा भवत्ता देवा। व्याकार्यः स्व व्याक्षरः स्व व्याक्षरः स्व व्याक्षरः व्याक्षः वार्षः स्व व्याक्षरः । व्याक्षः स्व ठ्या। क्रॅर्यामस्यक्तिस्याया स्रित्यक्षियायार्ट्यक्षिता -Haira) द्वाना से विद्यास ने कार्येया ववद स्ट्रेस्य स्वर्ग स्वर्ग १९५ की १३वर मान हि । गर्ने सिंह सिंही देर वय व्येत स्वर्तन ने मान हो ने कर का याद स् नगरान्तिःने। वहनायन्खादावनान्ति भेरा विस्वयक्षेत्रकेत्रखेत्रास्ते। हिर्दर् भी नहें र्द्या प्रमेरा नहें रायो र्वेस में न्या में में में में प्रमान में दें प्रमेर १८५ मान्या पानान्त्रं नियम् प्रत्याम्य महर्त्यान्ता यवरान्ते ते क्रिन्त्य स्वत्यान्त्रं स्व 165 क्रियात्त्रात्रायक्रेराद्यातास्या द्वायात्त्रेराष्ट्रायात्त्रात्त्रायात्ते इकास रदालाक्रेरादक्षा अदा निर्देश्चार्यस्य सदार्या स्ट्रिट्यूर स्वार क्रियार्य प्राच्या रेस्ट्रेय्यं देरे वित्राणायात्र वर्षा या व्यवस्था या व्यवस्था या व्यवस्था या व्यवस्था या व्य यार्वस्य स्टा व्याः क्याः क्यां स्थान्य स्थान्। विष्यः स्थाः व्यान्। स्थाः व्यान्। स्थाः व्यान्। स्थाः व्यान्। याराज्यस्तित्ते। दर्दर्द्दक्षेत्स्येत्रम्याद्वर्दा द्यादावदः व्यक्ति

My UF SAN लगा। विरायती मेस्विम्यायीयमानीयायदाया केंगलेयाते हरे । संगाती। न्द्रमार्थुत्रः त्रीता स्वित्स्र्रम् मुद्रिमार्ग्रीत्रात्र्यत्रम् मुद्रात्रः स्वितः स्व संस्त्राक्षित्। यरिमार्कालत्रक्षालत्रक्षान्त्रप्ति नावस्ति। स्यार्ट्य विकार्ध्याच्यायातारे क्ष्यायत्या हेन्यायारे स्वार्थ्या द्या सरेन्यायम्भित्रायम्भित्रायम्याये स्वार्थित्रम्यम् स्वार्थित्रम् रक्ष्यास्यायरारक्षेत्राम्याद्देश्वरात्रात्रा श्वरावस्यात्रीरक्षेत्रात्रा क्रिस्केर्यत्यं मार्टियमा क्रांस्यास्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्ति क्षेत्रक्षेत्राक्ता अवरक्षेत्रक्षेत्रकुरेत्रकुर्द्धा एरंग्राज्यक्त्रकुरात् क्रमम्बाहरूर्र्र्यं स्थाने वर्षेर्यं के वर्षेर्यं के वर्षेत्रके वर क्रीन्दर वरवास्त्रद्राविकायते रचे द्विर त्विया स्त्रित्ते त्रं से गण तया हो र साया र्वेर-यर्भास्य-र्वेर्यात्र्यास्यास्यास्यास्यात्रस्यान्यस्यास्यास्यः क्रिक्री दरकिर सर्म मुरेस दर एवंग स्वय प्रकाल गया स्वर के में कि लोर कर प्रकार संसम्द्रियाकातायद्दा इन्त्रा स्त्राच्यास्य वास्त्राच्यात्यात्यात्यात्यात्याः । त्रेत्रे स्यम् द्रम्य वाया स्यार्थित व्याया स्था व्याया स्था प्रति । यह वास स्था वास स्था वास हिंद क्रेर्ट्याद् उक्षेप्रतार्वेशनरात्या। ट्रेय्याराज्यायर्वेश्वा। यात्र्र इंज्यान श्रीर में प्रसुर्गे तर्षर् स्वार्स्य मार्रेर वा मार्रेर विस्त्र स्वीर स्वार्थित याष्ट्रिया क्यांत्रेरावात्त्रम्यात्रा तयाच्यात्रात्रात्रात्रा र्नास्त्रेयत्त्र्रायद्वायद्वा तद्वाश्चर्ष्याय्त्रेय्येयाय्त्रेय्येयाय्त्रेयाय्त्रेयाय्त्रेयाय्त्रे अ.स्यूस्तरसाम् सा. एड्या-ने.ग्रेट्याम्यूर्यः व्याप्त्यः। व्राप्तः स्याप्ताः स्याप्त्यः स्याप्तः स्यापतः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्यापतः स म्रेस्र्या यर्वयम्भाम्भेर्याः श्रेम्याः भ्रम्यान्याम् मालासा भेरत्या भेरत्या मार्यम्यो मोर्मे के क्रिया नर्ग असूर्या भेरत्ये र् मल्यः युक्तः द्वाः द्वाः द्वाः विकानी से द्वाः द्वा देखेता कार्यद्भाकत्त्रेम् इत्रा स्वास्त्रेम् हा स्वास्त्रेम् स्वास्त्रास्त्रास् हिर्देश्चीर्रिस्स्र स्थान्त्रस्यात्री। क्रियाद्यं स्वाद्याद्यात्राद्यात्राक्ष्याः व्याप्तयः वृद्धवाया सुक्रम्स् त्रयात्रेया सर्वे स्यास्तारायायायात्रास्त्रमः। स्राप्तास्यायाय मूचारा भक्तवारीके त्रत्यात अव्सिता रक्ति विद्या स्थानित स्थान

र्याम् अस्य मारास्य राम् गया। ।को सम्य स्यान्य स्यान्य स्थान्य । I have a'-सूरक्षितार्रेग्रेग्रेग्रेग्रेन्स् अत्। क्रियंत्रध्यार्थ्यार्थ्यार्थेन्यत्। स्वरक्षिः 32011 त्रस्तर्र्भेत्र्रेश देरसर्त्याक्षेत्रस्यात्। विस्वक्षेत्रत्वात्रात्वात्। र्द्धराम् नते नते राज्याता देखें का मार्थते मार्थिता महें वर्षा उस्यानं न्यु विक्तिरसर्। स्यार्थ्यानं स्राप्त्रे स्रोत्याने स्रोत्याने स्रोत्याने स्रोत्याने अए.लुर.ज.स्रेरा लरस्यूल.एह्मश्चरश्चात्रश्चाता स्टूर्ट्यस्य.स्रे.हेग. टर्रेगा.संस्ती एर्.गन्नाता.सं.संकारस्राराजार्ता वृज्यासिएर्रेट.सं.यहर. रेरो सर्वासालीर्वारावा वेर्वित्वेष्ट्रायाक्ष्माक्ष्मात्रे व्यापा सर्देते द्वराराया वसते सर्दे लया होरारेव स्त्रीता दसरावसका माया स्तिति वस्य हराया तर्वासंस्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थान स्थित स्थान स्थित स्थान स्थान श्चेरश्चार्याय गतः स्ट्राब्वेरा वद्यायाग्य मृत्ये स्वार्ट्ये व्यास्त्र त्यास्त्र ते क्रियःल्यूरः। ती. जंग्यां क्रियां नायाया त्यूल्युरः। सीरार्यरक्षाया ता.र्. तिरा. भेड़कारी नार्ज्या। इस्त्राहेश्चर्नास्क्रास्थ्ये। देवाचेर्द्धरहेश्चरहेर्द्धरहरसंग र्रः अस्य प्ररातः र्वायाता स्यरात्मा यते स्वयार् द्राया वे क्राया प्रतास्य त्रमथार्श्वास्त्रस्य स्वार्था ह्यूं सन्त्रस्य ह्यू त्रा स्वार्था ह्यू सन्त्रस्य मत्त्रया दर्त्राथमा अभिरायकातात्रेर्त्रयामा म्यान्त्रकातात्रिर्द्र्या ड्रि. ८ह्रेरी चर्रात्रेरत्रक्त्रका क्रिक्टिया सहस्य प्राप्त पहेंचिय ,6 ख्रुवा य अ.धूर्य्यूर्य्य्यं तर्वे विश्वेत्रीत् वर्र्य्यं श्रीरायते रचता स्कूर्यः सहरा . र्ग. के तु सि.स्वर्ग्यूर.मं नेता यश्त्रस्या स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्यं स्यान्त्र ११० र र र र स्थार के स्यान स्थार स्था स्थार स अंत्राचियात्वत्वा महिनास्यित्रिक्तेम् महासामा द्वात्वत्यात्रा त्या र्र्न्स्यर्ग्नेत्यर्भेगर्रित्र्र्रा ह्र्य्यं हिर्द्ये विस्वर् अर्दे यार्थेत्र यार्थ्या देख्ये त्त्रेता द्वास्य द्वास्य देश्चरेत् स्वतेत् द्वास्य देश इस्रयारी हिम्मिया पर्वा विमाने इस्रयारी सिर्धिया पर्वा दव्यास्त्रिया इसकान्त्री,लूट्:विस्कालावा र्ने.विद्युरंन्यान्त्राप्तवर्रदेशी वार्थनः सूर्वाद्धकाः त्मयाग्रद्दन्तरविषयाः लोवेत स्रेवात्यानेयात्ययाग्रद्दत्त्यं देशवात्यद्दरः

त्या । इस्ययः द्वः द्वयः ब्रेटः क्रिंग्यः ह्यायः यात्यः भवः। म्स्रिर्वकरा वरायार्ह्स्याति सेर्वेच्या देवस्यस्य केर्स्येवस्य व्यक्तरा अरवगर्ञेन्त्रीयवात्यायाचेत्रायाचेता सुर्रात्रेत्रास्तरार् तियासा राज्यारेत्र्यः क्ष्यारेत्रार्त्येत्रार्त्येत्यार्त्यक्षेत्रा विरुद्ध्ये विरुद्ध्ये विरुद्धियाः यतुमास्य स्वरासंदर्भ्यारद्विमार्शेन्सा स्वराभिनास्रेरसाह्य रिनुसानारोश यक्तित्रेर्त्रेत्तर्द्रदर्श याष्ट्रयाक्त्र्यक्त्रम्भेतर्द्रतर्द्रा रसक्रावितानोद एरं एरं ता। वावयस्येय छर्स्यरस्य स्थियते। वाष्युस्येयेय वेर पर्वासं प्रता याप्तर्मित्रेश्वर्ष्ट्रस्य अस्तर्रा क्षित्रवयाकात्त्रात्यासार्म् तार्तेरा रायमार्दीतर्वेतितरेखेरासमा। मेरार्क्स्य मानमायोत्या है से माना । क्षेत्रसाह्न सहित्या चर्चे वास्त्र प्रतिवास्त्र चर्चे वास्त्र चर्चे वास्त्र मान्य देन्त्र । क्षेत्र स्वर्ण र्यतः व वरः व १वृष्ट्रं प्राष्ट्रं । र्यः स्राध्या प्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप स्रेत्राम्यात् देत्रस्यात्य्येत्रात्रा हेत्यात्यात्र्याः हेत्यात्यात्रा में मुस्या महत्या महत्या में मुस्या को मुस्य में मुस्य में मुस्य में मुस्य में मिर्म में में मिर्म में में में षर्मित्रिक्तिस्त्रीत्मन्त्रवन्ताः स्रेरम्भूवते वृत्रान्यस्ति। हेन्यवेर्निस्तिते । रूप्ताप्तवा सर्भरका र्रस्क कर्षा भारत्रिर्भ मार्ग्य हिर्द्य कर्म स्थापर स्यापर स्थापर स्थाप तिर्देश्ये सुरायकेरत्ते सर्वा मुक्ति त्रार्थि हेर् हेर् में स्ट्रिश में स्ट्रिश में स्ट्रिश हैर कुर्स्वया १९वामा स्वते मद्रुत्युति यसे राम इसया निवाहिर सहिया या स्वतं महर "वस्याया यत्रं। इ.सर्गार्श्वर क्रिकेट्य्यं राष्ट्रिकारा भियायायायेर म्याश्चर वर्षे अंग रयसाक्ष्रियाचीरकीर्यरयाच्येर्ययतेस्यतेस्य नेतरहाने स्वर्यस्य रंश्चिमन्यन्दर्भक्षेत्रकेर्यन्दर्भ छात्रसम्बर्गे खुरसास्य स्थित हस्रम्थल्यात्र्यात्रेरार्क्यार्गेरार्क्यार्गेराञ्चलेत्रम् सामित्र सम्बद्धाः स्तरात्र मान्या स्तरात्र स्तरा स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र सुक्रायः इटः वर्ष्ट्यः सेस्यक्ते स्विकायित्राक्त्र वायानायः स्वादानादार द्वारा न वृद्धारा तर्वतिसासंसित्रकारीवर्वे स्वाप्तिसाराया मुक्ताराति सर्देन्सं भवता म र्रा हाम्यस्य राज्यस्य म्सायास्त्रक्रीर्यातः क्रियायर श्रीयाव्यक्षेत्राच्या श्रीया श्रीय

मया परवा-

name of cur

क्षात्र विद्या ता क्री.सु.सुर्क्तिर अंत्यार्त्र हि.र अंत्र र खिंग स्वर्के अरद्या पर्हे दे ता र खिया स्वर स्तुर्रस्त्रेर्द्र्येश्वर्यात् 2 done श्री हिते क्षत्र त्या की वेद दुरें दें दें या वदाय हो श्री केद हें या वादा प्राप्त कि देन शुर्र से ग्रे प्रत्य पर्य देश देखा दूर में याद्या या दा है बेर कूर्य त्या त्या है। विया में स्याक्र तिस्ति, यालामा वर्र रे रे रे यालामें स्थान रे स्थान रे स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान यलनार्त्रे याल्ये र स्ट्रेंसी यल्युस्ये यलनार्ने से जि.हरा वि.जनाज्या स्र यद्रम्यक्रम्यरे अय्याद्रा अयालद्रायात्री केत्रात्रा । र्वेसार्रायात्रारहणा अर्थेद्रस्याय्त्रीत्यायाः से मन्त्रेर्द्रस्य हेले द्रतिस्य यहार्या लेलायार्ट्यिकाम् बुर्याराताद्वातम् वेद्विता वर लेस.कु.जेशक.ज.र.रे.एडूर्स्याक.एक्.रेश्व्रांकाराष्ट्रिकेर्य्याक्रांकु. २४७.1 रट्स्. गे.स्.स्.ल..रस.र्र्स्ता.८क्ट्रेस्य.यो.संस्थात्तर्रा. इ.यात्रियत्ता स्याच्याक्रियात्त्राक्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा न्त्रेरलकुर्। स्वाज रसियं ३.८८ से अस्त्रिर एस् रत्या रस्ता प्राप्त र चर्रात्मग्रस्य सार्वर्या राष्ट्रेया र्या राष्ट्रिया व्यापा । र्यात पर्दे राष्ट्रिया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् त्रेयात्रत्री, लेक्षक्ष्यक्रत्रत्रेयत्रेत्रत्र्यक्षात्रा, याय्याक्षाः वार्यक्षाः याव्यक्षाः वाव्यक्षाः वाव्यक् त्यः विकास्य प्रत्येत्रत्यः विद्यत्रेत्। व्यक्षित्रः वाक्ष्यः स्ता विद्यविद्यक्षित्रेयः मला द्रायास्यास्यास्यास्य स्त्रास्य स्त्राभ्यत्त्र यास्यान्य स्वर्ध्य स्वर्धात्य स्वर्धात्य स्वर्ध्य स्वर्ध स्वर्ध्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्य स्वर्ध्य स्वर्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्यः स्वयः स्वयः स्वयः स्वर्यः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स १०१मन्। दीनमास्य गर्सदीसर्गन्तर्भन्ता दीलमास्टरमी मालका नेस्देर दिस्रान्यत्यत्यत्यत्यत्र्यत्रेत्राच्यत्रत्यः स्ट्रियः दर्द्रः रंभः भवेशवा श्रिकः तर्देशः स्यार्भाता रयात्यात्रावध्येत्रीरास्र्येत्रायः। ल्गावसायवर्षेत्रस्यः सस्यस्ति कीयत्रेत्रसम्भा केयत्रसम्भा नियात्रस्ति। विकार्यस्ति कियात्रस्ति एस्या यहारी ता विदेश्य वहरा सिवा तह सि द्या मा तो वाया करें लेंबा अस त्रंत होर्के असे रा या स्थिति हो सामा प्राप्त । तहसा सेमाबुद्धारारर एम् मेर्ना क्रिया ये एर्नु संस्थानिकर

200

उठ्या । भ्रित्रदर्श्वरक्षेरक्षेरक्षेरा स्थान्य स्थान येते से के देव त्य्याचे देश वाया कर्त्य से से से से के दे ताया के से से दे दे ताया विश्वीत श्रीत्रिता भूगाने अर्दरको अञ्चरामा अञ्चर्यम् स्वाया स्वितिता स्वाया स्वित्राया गर्भरद्रतेवरकी हर्द्रे राजेरा न्त्यक्ते तरवक्तित्वेवार्जेरा इक्त्यालेख श्री मार्टिश्वी श्रेमश्रीमारात्रेश्रीतात्रां केता रहरेरवे में वित्राया केता यत्। हीरेबारहात्मार्यादेद्वारम्यात्मात्मात् क्रीत्यात्रात्मात्मात्मात्मात्मात् रेंबबराय नवाक ता प्रकृतिरेंदरस्य स्वर्णे नहेंदर तरे लेंद्र वा वाया. सराखें।या के वर्राक्षार्य के स्वर्राक्षार्य के स्वर्राक्षार मार्थित के या अहरा सन्तियो सहस्राचेयवाती। स्राम्यू हित्य वतिस्र वासारिववा। इत्या द्रा अताबर् ताक्रिक्त स्थाना द्राक्षेत्रास्य स्थाने द्राक्षेत्रास्य स्थाने द्राक्षेत्रा विद्रम् विद्राक्षेत्रा स्थानिक्षेत्रा देश्चेत्र स्थानिक्षेत्रास्य स्थाने स येक्ता रहाते। व्यक्तिकारा रहायाकार्या विकासिक्ता । विकासिकार्या विकासिकार्या । विकासिकार्या विकासिकार्या । विकासिकार्या विकासिकार्या । विकासिकार्या विकासिकार्या । विकार्या । विकासिकार्या । विकासिकार्या । विकासिकार्या । विकासिकार्य क्रीहिरात्स्ययेरा रेह्रेयायेराके हिरात्येरा रिया के हिरायरे के स्थाप के विवये वे रुरेर्सार्हेरायादारिया खेरकेयहरयहे झेख्यरे। त्र्वास्तार्येर यासीरवत्रमा रेख्नेस्लेर्शेक्र्यंया क्यास्क्रीयक्षेत्रकेराक्षेत्रे प्रसाया स्यां हिंद क्रिक्ष्या हु. यह गा। पर तासा कर ति ए हर राष्ट्री होर पा कर ता. स्यानकी वहस्यान्यात्रात्रात्र्यात्रीकार्योको व्दर्हत्त्रते वात्रात्री १ वर रेलरहारान्स्रक्रेररा डीरेकरिवर्षेर्से भेगरे। सन्तर्धर्रास्र चरु-अविवास्त्रसम्बद्धियात्रः व्यद्भा नर्गन्तात्र विवास्त्रम्यात्र विवास्त्रम्य विवास्त्रम्य विवास्त्रम्य विवास द्रहें ने कर प्रमुद्रेय संदेतिया। या द्रस्ति स्थितिया द्रार्थिता देश ने प्रमुद्र व सर्भेर्द्धरम्भरम्भरम् राज्या सम्य क्ष्यातिए। स्थान्य मानवात्रा ररःस्ट्रेस्ट्रेर्ट्रत्ये तो स्ट्र्यंति तर्ये स्वित्यम् ता स्विया वावय तर्। मेंद्रवेदेशेर्द्रातात्मेंत्यासे यद्याद्यातात्हेदलेदसा म्यादताद संस्थित विकास करामेन क्रांस्था क्रा दक्षा देखेब्सेदसेदसम्मनाषास्य या व्यद्रा व्यद्रदेशेषात्रे तो सावसार्याता

श्चरक्रियर भारते द्वाता होता हिंदर मत्या में स्वात में मान्या स्वयं होते. प्रिन्द्रम्भान्ते रामान्ता र्दे दर्रात्म्यात्र्यात्रेर्यात्रेर्यात्रेयात्रे ल्यात्रेयत्तात्रव्याः जात्रात्रे से रस्यात्रात्रात्रात्याः सः मून्यायात्राः करी-रेग्रियरेवर्ष्यमा स्रियमार्य्यस्य प्रयंत्राच्या रेवालास्य मायपर्यास्त्रस्त्रस्त्रस्य स्तरा र्रम्स्य तार्यायस्त्रात्रस्ता सीत्रातः त्यादर स्वीत्रवेत तर्वेत्रात् स्वीत्रात् स्वीत्यायद्र स्वित्त्रात् स्ट्रिसे यारे द्वित्रवत्यम्। हेर्नूत्रहर व्यापा त्येर वे हे प्रेर्त्त्र त्या र्जनरक्षेत्रचरायसायाः रेत्वयात्रयात्रीयाय्यस्या रेराक्ष्यस्य चाराश्चेत्रावरेत स्वर्त्यम् स्वर्त्त्रस्वर्त्त्रस्वर्त्त्रस्वर्त्त्रस्वर् रिस्ट्रेरेट्रिश्चरावर्तिस्यार्र्स्य स्त्रेर्येर् की मितरिस्य मित्रित् ल्लान्या हो हो से स्वाक्ष्य स्ति रेसा स्वाक्ष्य स्ति। र्वालक्षा सेर्द्र इक्षराक्ष सेर्वाच्या नेवानंद्र ज्यानंद्र ज्यानंद्र विकालित. स्रियात् स्याप्तात् व्याप्तात् स्रियात् स्याप्तात् स्यापत् स र्ड्सार्यात्याम्यः है बर्डाने सिस्स्यून्यात्व्या स्मार्यन्ते ने त्यार र्रदेशयार्जुः। त्रद्रेशस्र्यं स्ट्रियास्य स्ट्रियास्य विकास्य द्रेर्यास्तर्भार्यद्रमार्थद्रुवारावव्याता। रराचरास्रास्त्र्रे मालयाच्यर्द्रा E 21.49 क्षेत्राच्यावेष्यायायायासस्यायात्। क्रंड्याद्वर्यास्याक्ष्यप्याप्राप्ता रारे-सा।०अन्ता तहसाहीराखेराकेत्रक्तास्यान्यान्ता सुरावकासलसास्वाया 3son of beggar. इरा वर्म्या वर्मा वर्मा स्था के स्था के स्था है स्था के स्था स्यान्यत्राचात्राचात्राच्यात्रा स्राम्यान्यात्राम्यान्यात्राच् त्विष्या रत्रायध्याता स्त्रम्यायद्विस्त्रम्यार्त्रा स्त्रिं स्त्रम्यार्त्रा ख्याज्ञीरातात्विरातात्वरा यात्विज्तर्त्रयतेर्या जेस्स्राताः क्षेर्स्य्यात्रं। विक्रम्ययायात्रं वते देवा। त्र्रात्रं मात्र्यस्यं सत्या र्र्रास्त्रमण्यरेन्यराता एड्यार्थरम्यत्यास्त्राः रेरा दर्भागमास्त्ररवर्षरस्य सर्वा स्वार्ष्ट्रिक्रेर्न्वर्स्त्रस्य मानियास्यानामाहर्द्धार्यात्रात्रा स्याचरात्रास्त्राच्यायाः स्या संयु श्रे श्रे र र प्रदेश के स्ता या अर मि खेर स्त्रि से प्राय हे र य सूर । श्रे प्राय हे लुडिए स्रोहेर्र य गुरायर्गिता। ये.चेर्र्यर सुरु,यलका स्रेत्रामानी कर्त्रे

क्का। १रस्य स्टरमार्थेर स्टरीविका। दूसासिरिस्तार ख्रीकाता भवेंगा अनुरद्गर्यरेने मध्येय व्याप्त द्यायते । विवादस्य अति। विवाद केर्यते स्लर्सेगातात्वा। संगर्रयार्श्कृतियद्भरी संभर्ति संभर्ते दुरावुमा। रतप्त्रुं पुस्यार् स्रोमायाविका। श्रे मेरन्यर् मेर स्रिम्स्या र्बर्यर्र्द्रेर्द्रेर्यर्यम् । व्यवस्थार्यः अर्द्रेश्यय्यस्य अर्द्रियाः याप्याः द र्रेस्स्य कर्ष्ये स्राम्य र्याती क्रियं स्थित क्रियं स्थाने स्थान याक्तक वदा क्रीयाकर, भूचा। रयर रेंग्य्यार्टर वयार्ट्य वया। सर्वेत इंट्र यालुप्राताक्रीयाता । त्यात् प्राय्याप्राय्येत्राप्रमे द्याप्राप्त्राप्ता इस्पेर्यते के ते वुष्य दर मुस्युस्य के सुख्य दर। नार्थे में दिसा वृति स्थत अरसहरा श्रेर्विवश्चायम्बार्न्यार्न्यार्ना व्यक्तर्रात्रा र स्वास्यास्यवानी तर्ने एकाराने। न्ययं मियन्यते मृतदेत्वीत नामसः प्रायम् मस्याप्ता स्र्रित्या मित्रेति । स्र्याप्ता रेवसम्यार मृत्रेत्र स्रायार स्रायाप्ता स्रायाप्ता स्रायाप्त पर्वेद्रक्षितातात्रेगा र,त्रकारिकार्जपुर्रातपात्रुर्द्रार्द्रा रत्रपाताः मुहिरार्यारः योगिना गार्नेक्षेत्राज्ञतासम्यद्दा स्मान्ते वरावज्ञतासम्य रहेया। चल्युन्द्रियान्त्रेत्र्यान्त्र्यान्त्रान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्रम् पद्यक्तिरक्षेयक्तियाक्तियाक्ति। ख्रीस्यवाषात्याने वर्गया तसान्ते स्मर्भ्यत्यर्थरम् स्मा स्वीममहेर्न्नाष्ट्रस्य स्मार्थन्नात्रे। दयतः से स्मा स्याक्षास्त्रा गुरायन्ति स्युत्ति स्वान्ता द्रान्यस्य त्रान्त्र न्त्रत्या वयान्त्रीय व्यासार व्याप्त प्रवेश होरा। कुला होरा दिया हो एट्य हो सा होरा। उर्वे.पियाना प्रमाक्षा यायकार्स् रतिकान अनुस्ता। स्नुमह्यात्री स्तुरियात्री रारा १५% कुका स्वास्त्रद्रायस्य तायक्षामा स्वेवयाह्यास्य स्वास्त्रात्वर्यास्य स्युक्ष्यं युर्वे वार्ष्यं स्थान् । स्रोमहिता स्थान्या स्थान्या यात्रा राष्ट्र स्था। स्राप्ते राष्ट्र क्रिकानिर्दिस्मादरा रेला यहित्रका य्याप्या प्रया केरासित करादराव अ क्रांगा मधनाधवाञ्चितास्यालरागत्रम्या म्रान्यम्रान्तर्थास्या इस्यान्याना से स्वास्त्र । स्रित् इस्य स्वास्य मार्थिय साम्यान्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास सर्ए से सर्र स्थानिक स्थार ने स्थान निकार स्थान सर्द्रिसर्द्रिक्रिक्ताम् कृष्ट्या स्वयायाम् र्यास्त्रे स्रोता विस्यक्षेत्रसम्भागतहरम्हेर्। हर्मायन्त्रस्य स्ट्रिस्ट्रेर। रेवस्ट्रेर्युयः र्वेयुनिय्येता बादम्यात्रेष्ठे द्वर्ष्ये द्वर्ष्यात्रेष्या स्वात्यात्रात्रेष्येयाताः र्कुलर्वे प्रस्था १० वर्षि देश्ये स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वरं स्वयं स् रेतियरलीय भारतराञ्चर इस्रया इस्रया इस्य हरे से हे बा की वस्रया से र हे दे हे दे स्थ

JAN-4241 १११०१६ से.सेय.स्या.चलवा.यप्या प्रधा.संस्थात्रसेता.युरे.ख्यूर्यं ति.पट्या. प्रक्रिया स्रेरसेरसेयर्थ्यस्य स्रियंत्रस्य स्थानेया स्थित्या स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने हमें हु ले अपर प्रत्यास्य प्राप्त रामास्य रामा क्रियं असी असी असी असी क्रियं के असी क्रियं तियं तियं तियं ति स्वार त्यूर देवात १ श्रम् अत्या तर्स्त्र । राष्ट्रयान्य या या या या राष्ट्रय समार्थित समार्थि नुरास्त्रेत्र्यात्रास्यास्य स्वार्थियाः स्वार्थितः । त्यम् इस्यास्य स्वार्थियाः संस्ट्रास्त्र स्ट्रिस्स्य स्ट्रास्य सन्निर्दर्भास्य स्थाति। धट्ट ए. पूर्तर्भेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्र स्.के.र्यात्रात्रा अराविष्ट्याः एष्ट्रात्रात्रात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र हि.र्जुर्क्षक्षक्तर्र्द्रा है.स्वाइस्यार्स्चेय्ज्ञे द्वायाया स्वाद्याया स्वाद्याया इ.स.यशुक्रक्य: एसूर्याक्षा अर्डे केवत्यः स्वतः सिक्त आर्वर । वर्षः मध्ये। उर्, ल ने किर ता जिस सा अर में प्राचा के वा चार के वा चार के वा के ने बात स्या <u>Second fart: - रित्रयायात्राच्यात्र्यात्र्यात्रात्र</u> स्वत्रात्रात्रात्र स्वत्र , स्यवया से अवस्ता द्रम्या र्राया र्राया र्याया राज्या या या स्वार्थ माना र्राया या स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व ७०७२,जा किर्जुम्सून्य ररस्रारा महर्ष्येत्रे ते मिर्जुम्स संस्थ्रा कर. चल्यानुःस्रःस्र राद्राय उत्यन्त्या वृद्या स्याम्या तास्त्रा त्यास्य तास्त्रा स्रोद् यभामानुदाश्चीरादम्याद्याद्यास्यास्यात्त्रात्यास्यात्यस्यास्यत्यस्यात्त्रात्त्रः सेयता। रंग विरास्त्रभाषां सम्बन्धाः वाता कर्ति द्वार्ति । यह सामा यह यो ति 9 12/21 ल्या द्वास्य स्थाता रह्या छ । र्यासकी स्ट्रायक्ष राजा वार्षराह्या एर्नेग्रा गर्नक्रिक्रम्भरक्रेरर्न्स्याः सर्वे ह्र्यायाः सर्वे ह्र्यायाः लयान्त्रं में वर्षायम् नेया। उरण्डा संयाप्यायान्त्राया माण्यास्त्रम् । त्रिन्यस्याप्त्रम् प्रतिस्यत्रिस्यारे स्रेर्द्रिन्याव स्वरित ल्यु सर्व सर्व है। स्त्र श्री श्री श्री श्री श्री स्त्र स्त्र हिंद श्री त्या स्त्र स लर.सर्ट्र.चूर्य.इं.र्यर.स्.सर्ट्र. ४८:पर्ट्र.चू.च्.च्.सर्ट्र.

क्रियार्थात्रे प्रत्यं विद्यम् विद्यम्

क्ना। । अरमे असे दःसन्ते समाया सम्दा सिहेर से नेतासा द्रात यो यार्ट्यक्ट्रा काश्चरस्य रहास्य । स्रुस्य प्राप्त स्वास्य स्रुवाईकाः विवाद्रेस्कित्येत्रा भ्यायाध्येत्र्येत्रेस्यास्त्रेत्रे ह्यायाध्येत्रायरीत्युद्रित्रे उरा रेड्डिकारा तुवा ने प्रतिसिता। अवारकी स्थार विकालेट लेखा हराने प्रशासित्यान्त्रम् न्यम् राज्यान् राज्यान्य साम्यान्य साम्याय साम्याय साम्यान्य साम्याय साम्याय साम्याय साम्याय साम् रहलेक् वाक् र व्याप्त अर्वा वह व र यो व स्थित व र व्याप्त व स्थित व र व्याप्त व छन्देर्यकार्यस्टित्वरात्यार्यस्ता नात्राकार्यस्य सक्तरम्यस्य नात्रास्य स्ति स्थान्य विकास स्थान स्य लि पर्सा त्राहिता विरेत्त्रम् । वेकाव्यर विश्वास हिर प्रेरेस्य विकास किर्यास बेबाबी महिरत्यवें। श्रेराच्यायणस्या बरता तर्वे एसा द्वा वक्षा मलियावूकारीताचा क्रियाकी यात्रीता है। र्यंक्री स्त्रीता क्रिया क्रया क्रिया क्र रश्चार्यात्वालर्था कुल. ज्याः जरुत्रायरतः एर्ट्यस् रायदी स्वयक्षर्द्राच रवया स्यान्त्रे स्रित्राच्याया। विद्योग्यायास्ये स्रित्यात्यास्य होर्टि कार्री के वृद्ध में पर्ने के परिया ने रामा गरी हिर में मेरिकारी शर रहेर्र अ. १.१ इराका लग्ने श्रेता त्रा त्या हो स्वित्त से लग्ने श्रेता से लग्ने अन्महेन्स्यहिवा रूपा रेतिरेयर येति गर्र स्राहेता अपार्थेर स्मार म्रिस्स्य र र र र र र स्थित। र स्वालवा के स्व क्षेत्र स्था होता। सहत माज्यानातात्रात्तात्त्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रामात्यात्रामा स्रात्राचानामा के मार्टा स्ट्रास्ट्रेस्सा प्रियाता स्रीयास्त्रास्त्री स्रीतिकार्त्र स्यस्यास्य स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षः । स्वर् रायराक्षेत्रः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः । व्यत्यम् व्यत्यात्र्यम् त्यत्यम् स्यान्त्रम् स्यान्त्रम् इत्यरक्र होर्ने वेया हुर। संस्थाय प्रमान्य प्रमान

मूर्यत्रेत्र्यायात्रम् म्या यात्रहितात्रं त्यां व्यविष्यत्रेत्रात्रम् एर्डे.चे.। जुरासे स.ज.स्रेजेर पर्डेका सैयास मधिय्येयायस सैयास स्याप्ता स्ट्रावि १ स्थाप्ता स्याप्त्ये स्ट्राह्मे यह स्थापा स्त्राह्मे स्थाप्ता स्थापा स्त्राह्मे स्थापा स्त्राह्मे स्थापा स्त्राह्मे स्थापा स्थापा स्त्राह्मे स्थापा स्यापा स्थापा स्य हिर्स्ययार्चराय्यस्य रण्ड्रा रयार्ययात्र्यस्ति सहयातात्रात्रा 20181 वर्ष्यात्र स्रोत्यात्रयर् यायात्यात्रक्षकाः सर्वात्रयात्रयाः स्राज्याः स्राज्याः स्राज्याः स्राज्याः स्राज्याः - योकिसे प्रदार प्रियामा विषया रेत्र प्रिया केमा विक्र स्थिते . 3,93 न्स्रायांत्रा न्यात्रेत्रा न्यात्रेत्रात्यात्राक्ष्यक्षात्रा क्षात्रक्षेत्रक्ष्यत्यात्रात्रा 2-921 सरचरे व्यं र सर द्वेय त्याय रहा त्याय ते से वा स्तर हो र त्याय ते हैं इ.र्ट्स्कित.क.प्रेयात्र.क्र. र. एर्ट्रायन.क्रेर्यायात्रीत्यात्राचारा यहास्य न्वेनय्यान्य म्यान्य स्वर्ता हे हैं के 19 हा व्यान्त है वानयुयान्त त्रासंस्था। सान्यात्रात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस् वर् यानानमञ्जूनका वियादेनायासदर। स्ट्रीद्रसार्क्रयायोग् देखेर स्तर्भित्यर्याय्यम्यायावराहेरता विषय्यार्थातीयतीव्यम्भूराया वार्थे न्युर्स्स्य स्थित म्युर्स्ता म्युर्स्तित्व स्थित । स्थित । द्विरक्, स्म्मास्यरस्यगर्। जस्यस्र त्येत्रस्यकेत् तर्गाः केत्र यली. क्षेत्र्या यक्षेत्रस्त्रीया। त्याप्तायात्रेत्रात्रेत्रात्रेया व्याप्तायाक्षेत्र क्रमायानस्य निर्देशन्त्रमानस्य निर्देशन्त्रमानस् यान्त्रता रे.म्यायाद्यात्रारायावयायात्रीता ह्यास्यायात्राद्यात्रा あってきらい युस्याद्या क्षेर्यसाद्वास्यस्य स्थाद्याः म्यायिया स्यायाद्या स्र 5年前 स्यानस्यान्। स्राह्मात्यास्यामान्यायाञ्चला हुमार्थयथास्युद्धाः are, गरलवारी संग्रहराम्या क्रियात्राम्या स्थापना स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन 6गाय या में स्कृतिक म् राज्या है या त्या हर साहिर होता वा वार वार प्राप्त साहित होता है र दिया हु दे सिंग की प्रमान स्तिया यह स्योगाया यह स्योगा कर स्यो के यह SEC4) संयदिया विता देन देश सम्बद्धार्ग वास्ति त्रुसारस्या यह देश दे। इसल्यया श्री श्री जाता दुः या असं लिया द्रास् अर्वा श्रया श्री वर्गा

क्ना विद्यात्यार रेक्ट्रक रखरा बर्ष्ट्रक त्यात्र विवासी उसकी सहस्यान्यात्यात्रेक्ष्यकेष्ट्रिया देवस्य स्थाकेष्यायाया तर्मेयायी हे नुष्ट्रमासुर्वे। वन्नेन्र्रत्यव्यक्ष्यात्र्युर्। वर्ष्युर्वास्त्राहेशायमुस् भाक्षेत्रदुर्योद्यामाररक्षेत्रया। देर्देन्यायक्षावेरेत्यरक्षेत्रेरा देवसाहरेत्य स्यक्ष्या रक्षात्रास्त्रेस्त्यरायस्ति द्रायात्रिक्षात्रात्र्यात्रे ज्यक्षक्रमान्द्र। क्षेत्राम्ब्रमान्द्र। क्षेत्राम्ब्रमान्द्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रभागान्यभागान्त्रभागान्तभागान्त्रभागान्त प्रत्यान्त्रात्यास्यात्रात्याः विरादरास्यात्रात्रात्याः स्वात्याः स्वात्राः स्वात्याः वितायतः स्वात्याः बिष्ठायालया तक्तार्द्रत्त्र्वाक्ष्याद्वेत्रायालया अस्त्रीयालया अस्ति। न्या क्षिरामालयायरेक्र्यायात्रिया क्षेत्रहेक्यात्रेयात्रेयात्रेया ल्यालामान्यत्यारे हिराधिया रेजात्वा हिराख्या हिता या स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना सेर्यते स्र मेर्रेर्य महत्रा संत्रोतरी जीवा त्या रामावा मिया द्वारा स्तर महित का अध्य स्रास्त्रेरा द्यतःस्मकातरेलाक्षेकेत्यामाराका। इर्यतः म्यास्यामारा हिरामली ही ह्यायकी राज्य राज्या। देल्युराय सम्मासा सार्य एत्यामा स्वरं राष्ट्रीर fathom. किसालकाताल्यूरक्षकात्रात्रात्रात्रात्रा एड्रेन्ट्रिक्ट्रेन्ट्रिक्ट्रिक्ट्रेन्ट्रिक्ट्रा स्यारीक्षक्षा त्यावकार्तिक्षाविवासे अस्य स्थापिकारी वर्ग साम्बर्दर्दरल्दरायमाताल्दरावकात्मलद्र। महिम्मन्त्राम् वर्गाद्ररा かんとというないないが、といういとどかれないないないとない」はたか、当然… रम्यार्ग्यस्थित्रस्थित्या हिर्द्रस्ट्रब्रास्ट्रब्रास्ट्रब्रास्ट्रब्रास्ट्रव्या यहम्पन्यस्यवतः १८६० वर्षा सम्मतास्त्रीस्तान्। व्यवन्त्रित्तान्त्रास्त्रीस्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त् रम्मान्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा रत्युर्भेर्द्रभाष्ट्रकेत्रक्षेत्रमायर्भेर्ते। हिस्ट्रान्यक्षित्राक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षे र्रेज्युं त्यं क्र क्रेट्रा रेक्क र्यं र्यं क्र क्रें क्र क्रें क्र क्रें क्र क्रें क्र क्रें क्र क्रें र्राष्ट्रियक्त महस्यहेन्द्रात्मारायक्त्रास्त्रात्मारायक्त्रात्मार्थिक ल्येन सम्वयाचीरमान्स्रीरम्भाता हैयाचेरमित्रणा स्थाने स्यस्यक्षात्रस्यक्षित्वस्य स्वत्यस्य विषय्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य । लर्यस्य या त्राया है त्य स्पूर्य स्वार विषय स्वार विषय है। (रावश्रास्त्र) क्षि.श्रेटतर.मधिरे कुन्निस्तात्रावश्राः झे र रप्तार से । क्रिक्सिक्यो ्रिकर्षेत्रमञ्चर्यराण्या। संत्रसम्बद्धरत्यराज्ञस्यर्षेत्रा र यले.सं. या.

20m

प्राप्ता र्तुनार केरा सराया अपना दि स्थान सह त्या केरा समासा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान क्षेत्रामास्त्रवा यातरेयारंसावेयसा इरायस्रस्तेवेवायसा इरायस्य रेर्टरेर्ज्यानुगर्भ यात्रमार्जेर्ज्यायात्रीर रूसराह कुर्न मान्य के महिलाइए में सर्ट्लून में में स्त्रे में में में में में में में गुर्भार बार्ग्यास्त्रार्द्रवात्रा श्रद्ध्यानत्त्र्र्यंत्र्रम्भाम् त्रात्रा हिरल्याः वेश प्रस्तार से या सूर्या साम्यास्या है। स्याप्ता साम्यास्या सूर्या स्याप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता स्थाप्ता साम्या स्यत्यारम्यायायायायायायाया यरेवाद्रमयाव्यायायायायाया अहित्यो, यायद्रसित्रस्य इत्। सर्यविवायद्रस्य केष्ट्रस्य अर्था सियाता वाणियवा. वियास्य प्रित्य राज्य सिया स्थाप सिया स्थाप सिया सिया प्राचित सिया प्राचित सिया प्राचित सिया प्राची स्थाप सिया कार्रेट देंग न्यत्यस्य विकास्य के व्यक्तिस्य स्थापित्र स्टेस्ट्रिक्ट स्टेन्स ने ने स्थापित स्थापित न्यरस्यान्यात्रया। यहमान्य्यात्रयात्रास्यान्येत्रस्यान्यस्यावरस्य क्रियास्यात्रेस् मत्याया रामरायाद्वीरा हिराचाद्वाराराचेराहेरी मेराराख्याद्वीराजीराहेरा। द्वर स्राय्त्रेत्र्या स्वार्य्येत्र्रा द्राक्ष्येत्र्या द्राक्ष्येत्र्या स्वार्य्येत्र्या स्वार्य्येत्र्येत्रः स्वार्येत्र्येत्रः स्वार्येत्र्येत्रः स्वार्येत्रः स्वार्येत्येत्रः स्वार्येत्रः स्वर्येत्रः स्वार्येत्रः स्वार्येत्रः स्वार्येत्रः स्वार्येत्रः स्वर अंग ता त्यर त्या म्यर से स्वार्थ । स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ के स्वार्थ स्वार् यद्भा क्रियायार्रेष्ट्रेत्रात्यारार्ट्य्यातस्याचेरा केराप्याद्भारार्द्धाराया रेन्स्यान्त्रीत्र्रात्र्यस्य मध्यम्य मध्यम्य । स्रोतिः ध्यायानीः सहतातह्याद्रा रित्रू 8 राही स्तित्रमञ्चरता। त्यातिने के विषयि देरेरेया सरस्मित्या संस्थित ब्रायमात् मेते ते तरम्भराया येरधुमात्मस्य यहेतार स्रा तस्र स्रीरमेर रक्रेरलगराया। नयर जगानस्यावहेलारे स्टा रस्कित र स्मरानेर याता। या केमार्या के या ते अस्य मेर्दर दर्ग। ब्रिट्स सम्मेर्या वापर वापर ता। बाध्यक्षतीन्द्रित्तिराष्ट्रेराष्ट्रेराष्ट्रेराष्ट्रस्या सन्बाल्यक्याक्याक्याक्याक्या स्मार्थे के स्थाने अन्तर्भित्रकार्ये में स्थान में ष ज्यातासी व्यवस्था से देन। के में बद्दे नात्या युगा से में ते ने ते ने दे ने दे ने मलकारा नारार्गम्य वायां मार्चित मार्च मार्चित मार्च मार्चित मार्च मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार् तर्गा। तरेन्यू वर्षे क्षय्यारे। व्यू वर्षेत्र वर्षेत्रात्त्रेयात्त्रेया गुरुषेत् इयम्तेक्ष्यान्यको न्यून्य विरम्य देशको त्यूया त्यूयान्य यते । रमञ्जूकी वहेंसमर्छिनंदतेन्यर र्जेंसा रहस्यन्यर तार्वाकाकोबीरन

त्रद्रा य्यमक्षियमान् यादस्रक्षककाताताता। क्रिक्ट्रियंददर्द्वमाद्यस्याते स्रोत्य देखानावस्थरेशतस्थातस्थिता रे सिस्ने नेद्र्यार्त्तिराद्वन्य रे देरेर २ छ। देखे ्रेस्ते सर्द्याराता। तिवादर्भास्यरापर्यार्थात्रेयात्रेतात्रेता स्ट्रास्त्रेस्य उभरतम् यद्यस्त्रभ्रद्यकास्त्ररा यस्ट्स्यल्यास्य प्रत्याक्ष्यरा द्रस्यकास्त्ररा द्रस्युकार्यर । यास्त्रीं । वर्षेत्रा क्रियंत्रा वर्षेत्रक्ष क्रियंत्रा राजास्त्र स्वार्थित एकाम्बकात्वीयस्त्री सक्षेत्राद्रमद्र्येद्वरे रेन्द्रेश वर्षेत्रदेसाहे न्त्यात्यर् स्त्रित्त्रकृत्ते कार्यक्ष स्ट्राह्म स्ट्राह् रस्यक्षिर्यक्षर्यर्द्धराष्ट्रराष्ट्ररायस्यरम्यास्येत्रः। विराद्यस्यराय्येत्रिर्द्यरः विश्वया स्थात्यम् अत्राद्धमार्भेर्यात्मा स्वायत्ये राजयमात्वर्म् मार्यस्थितात्वे १ ४० वर्षे র্ষার্হিশ্বর্ষীইশ্রুমারাণরশারীশ্রানারীশিক্ষার ইশ্রুমার্শ্রিকার্শ্রেশ্রেশ্রী य्रस्तर्भिरास्त्रात्रार्थार्थ्यार्थयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् यत्रस्त्रेर्भिरास्त्रात्रात्र्यास्त्र्यास्त्रयात्र्यस्यास्त्रयस्यात्रेत्रयात्रेत्रयात्रयः १ वर्षस्य नर्वे राम्त्रेयी मार्ग्हरेर राष्ट्रिय नम्म्रेल यी दूर राष्ट्रे मूल्या या राष्ट्र से प्रतिस प्रतियात्र स्थाने स्थाने स्थान स्था सीलेयकिरेक्स्यासेक्षा रेन्यर्म्हरत्राचायावस्यतेस्यानेक्षा क्रमा अर्थिर श्राप्तरे स्वाद्र तर्वाद्र तर्वा स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ ख्रुंस्वीयहें हैं। क्षां का का राहेर या में रेना ज्यापा संवा त्यं रेना ष्ट्राध्यसम्ब्रित्रं वात्रयाची रतास्यीत्म व्यास व्यास व्यास व्यास व्यास विता र्मर्सम्बित्यकेत्याक्त्यित्या सःलगाचेत्रस्य रत्यम्बत्या समारः हारिक्ष्णयार्द्ध्यार्द्ध्यार्द्ध्यार्था याद्ध्यार्द्ध्याव्यात्रा इत्राच्यास्थात्रेयात्र क्रियंदा राद्रायस्याप्याया के योक्त्यकी सात्वा आसेते स्वार्थित मिन्यान्त्री सिन्यारस्यायतेस्री स्राप्तात्री विक्रम्यास्ये स्रित्रा क्ष्म असम्बागम्बागम्बाक्षेत्र त्याव्यंत्र वर्षात्राध्यात्रते हार् वर्षे हार् वर्षे हार् वर्षे वर्षे

110 अभित्म) १० व्यक्ति स्वाद्यात्र । वात्यवात्र द्याः भूत्र द्रशत्र । स्वर्म्याद्र त्राद्र स्वर् विद्राविद्य प्रिया नरावर्ग अस्त्रिनराक्तीताक्षेत्रक्षात्र्य प्रत्येत्वराक्षीता अद्भित्ती मि idolo तर मी खेर से र प्येत । इर अमी तर मी अंगा के ता प्येत । द्या त्या तर कर कर दर् the as वरम्। यो स्ट्रित्द्र तद्दर्देश्यां द्वाबा ख्वातो व्यवस्थिता 2 7314 3のまずま स्यंतिस्तर्तेन्। विकातार्विकातितेस्य स्थाति। सर्पस्य स्वा 改成, 1 क्रेर्यां करा। यालया यात्र्यां सर्वायाय्यात्रारी व सम्माराख्यायिकावः 一个多人 यवत्वेरा नार्यस्याव्यासरिकेगर्गरक्ताररी कर्मावरिस्तारविस र श्रीविकाः Black स्रेन्त्रेन्। त्रेम्यान्त्र्वत्मात्रेत्यान्त्रेत्रान्त्रेत्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्र bambor. त्यातायावरात्रीत्रीर्य्यात्री द्वरक्षरकरात्रात्रात्रवर्वरा केल्वे 6 वर् त्याययावन्यरेष्ट्रस्याता अर्गवेयात्रस्यारकोस्याययेन इर १८ १९ १९ व्या में त्या स्ट्री रेज्या के द्रास्त्र में स्वास्त्र के द्रास्त्र के स्वास्त्र के स् इगरदा अवदेशमें देशले प्रदेश से महिमा। देशमहै भाग स्तार्थ साम्या स्वर्ता हिन स्रेरा सार्ट्यासार्द्र्यास्र्रिं संस्थायक्षा ज्यासर्व्यूरस्रिद्रा असस्यक्षराक्षराता हरात्र्येस उद्दर्श सार्यस्य र्रायर्ग्य सामस्या यायान्त्री। दरायते हो राज्यते त्यांत्रां अरादेश साधिक रहा न्या है। इ.च्रेर्। केल.स्ट्रियाएं व्रेयः लेयेष्ट्रे क्रिया अय्वायाय्याय्यायाय्ये वर्षा केशे.यासि सामप्रभागरातार्ग्यामास्य स्ट्रारी र्यायार्थास्य प्रमानेशास्य स्ट्रिस् याल्यं दर्वे याः स्रेयः स्रियः त्या विस्त्र दर्वे दर्वे दर्वे दर्वे यात्र स्वर् वाक्ष स्वर्ता वस्त्र यात्र याली अर्थे र असे । से जार एक विष्यु के र या खेर का से विषय । से र या देर सद्याद्र्यार्त्यायान्त्रेदा। द्रायायाय्यः ह्यास्याद्यः ह्यास्याद्यः मुस्यद्राद्यादः सःरवः अः। रेलदः त्यरः क्रियः स्त्रीयः द्वायः स्तरः। द्यरः तर्द्धः स्तरतः वातः नुरान्द्रिया नर्राद्रेयाययाहिकाधितान्त्रा क्रेक्ट्रियायावत्राद्रीय मस्यायातहरा मग्नियाताल्यरमात्यराताल्या स्वायामस्य सास्रेससारात्र्वा केत्रात्रिस्याः केत्रात्रिस्याः व्यात्यारादेः ग्रीमायाक्त्या मेंत्राया व्यवन दसवातमाता रे वेर त्येत्र सर्वार रे वेर । अर्बेन तकातः रे वेर् त्रेत् अस्ति वा व्यवेश व्यवस्थायायायायायायायाया

220

बन्। र्दस्यू प्रकृतित्यम् या संभागाविकावदेत् वदेव प्योत्रा स्यात्मित्रतार्ध्वाध्येदान्त्रेदार्श तह स्राज्ञेदास्त्रेवास्त्रायायाः । ध्रायायावर (मर इस्तार्थक्षे रावस्त्रमा। श्रिकार्म्यास्यास्य स्त्रास्याः तः स्वार्थन्यः । स्वाराय्व द्यास्त्रेर्या सार्वतास्तायान्त्रेयाग्रह्याया रात्र्रेर्येयाग्रह्योस्तरा उर्वे. य.से. रहका त्या प्रत्या स्रोत्यहेयास्य हुन्या स्रोत्य र द्यतः यद्रवक्षद्वः दे। स्तिर्वातारा देरमातारा क्रिसे स्वातारा । स्रदर्भ स्रोत्रे स्रम्भे त्रस्ति स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् रेन्द्रीतंत्राव्यानेस्द्रनेखार्वेद्र। दयदार्वेद्रः नद्रयाद्रवद्रमुखंद्रेग अदतः स्रेयान्त्राप्तरास्त्रास्त्रान्ता रेत्याचलात्स्यासस्याने कालकास्त्राच हिना। हिन्द्रस्यक्षिण्यूनाचारा। सर्देश्याचारा नार्य्याः कुर्यरा स्यायुराकेर एकात्रवाकेरा हिन्यर्त्ररम्यहेर्व्यस्यर्गा स्यून्त्रेत्रक्षेत्रक्ष्यात्यक्षता द्रेत्रक्षक्ष्यत्रक्षत्यक्षत्र। क्षेत्रक्षत्यक्षात्यत्। मार्यातमा वरदसंग्यायम् संद्यायाते। स्वित्यार्त्त्त्र्रं व्यार्यस्य यार्था श्रिक्तं संस्थान्य होता प्रास्था स्थान्य प्रस्ति स्थान्य । हिक्क्न्येत्रेयार्थ्यार्थ्यार्थ्यार्थ्याः भेरहरा अधिरेश्वर्थ्यय्येत्र्वार्थाः से देशेर्थ्याः मेरिकार ल्युक्त्रियारमानुरः क्रालेकिन्द्रिक्षिक्षाता तहवासिद्वातिमात्र्यः. तर्वाको नेपा देवदेविजातमा क्षेत्रा देशेमा क्राया युव्यक्ष वास्त्र ने खेता त्या भेदा देर्दरक्षेक्षक्षक्षक्षक्ष्यद्वर्षक्षदेश क्षेत्रक्षक्षरात्यक्षयक्षेत्र द्वराविष् क्रस्याविकायती नामरक्षेत्रास्त्रीरकोर्क्यायर्तन अर्थन्त्रस्त्रियायेते नामसारत्य्रस्त्रिक्षेत्रक्षरस्यरत्वत्या। यायक्षात्र्यं क्षेर्यस्य स्विरम्। त्रेनिय यया भिक्षा द्वा यक्क द्वा दव् देवे या वित्र द्वा वित्र स्ट्रा विद्रा स्ट्रा क्या है की या वर्षेत्रस्वहत्रहरः वात्रमञ्जूनः सस्ति याञ्चित्रका स्रोत्रास्य व्याञ्चेत्रास्य सर्वावं वरल्रा केर्यस्स्वाय वत्र प्रत्य विवास स्त्रा दसर यान्यस्य सारा। यार्ग स्मान्यस्य त्युया त्यार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ म्यालरलेर्द्रायस्त्रेर्। विस्तायिकारेत्यायारेवायास्त्रीर। द्वाण्य स्वित्स्त्रीनीन्द्रः राजेन्। देवसः लेन्द्रास्त्रेन्यं याव्यना स्वस्त्रं स्वायाना यास्ट अश्रीसाल्ये। का संत्राया साम्ये हिल्ली सा क्रीसेर्ट्या साम्ये राज स्थाप इरा छिर सार्ययालाला स्वीव रीया र में अर्थ भेग र मार्थ स्वार्थ तार्थ । ता स्मा के या ति निर्देश क्षा क्षा के ति निर्देश स्था ते विषय लया.चर्रुप्तिः वर्ता दूर्वर्र्द्रके देशकर्रवृत्त्रके व्यार्थ्यात हिर्। श्रार्थिक वर्षा लयुक्तिरा हिर्म्यकासावसायकाम्या क्रिकेवरिक्षात्वताल्यावा

797 वयम् र्यात्यात्रेर्यात्रेर्यात्रेरा व्यायेष्या अत्यायात्रात्यात्रे मेरेरा [설시] र्युर्यालय्यारद्यप्रया। सद्याद्वातात्वारद्वेत्रस्थात्वाता य्त्रस्थास्यः यद्रेत्रद्रद्वात्वात्वात्। सहस्रायद्याद्वेत्रद्वेत्रस्थात्वात्। यद्रद्रहितः The second या निकार राज्य द्वार राज्य स्थान र्। अ.स.र्.रूर.र्र. र्रेयायायया। यरम्रतस्य स्किर्यस्य र् यालेन्नाते यति खेनाया को मुख्यान्या वर्ते द्वा सम्मानेया सामानेया के मान ८.म्.स.इ.म.स्याद्वेयाद्वेराक्षयात्येता यरास्यत्यस्यायह्यार्यस्यात्र्यात्यात् चत्रमास्यात्राहरूते। संस्ट्रास्य स्वयाहरा। स्वस्ट्रियात्राहरा। स्थाहरूतार्थरः। स्थाहरूतार्थरः। स्वयाहरूता लेका क्षेत्रे हुए या। ए वि १०० व्या देशाया या ते खेरा। संभूत अत्या हु अत्या या या एक्ता भिराम्यान्यम्यः द्वास्त्रम्यास्त्रम्यास्त्रम् वत्यादेः तार्द्वात्यादेत्ताद्वातातात्त्रेता बूदरिताकुर्तायामा तार्रे नमराकुर्त न्या न्या मायाय रार्ट्या मायाया ल्याया हिर् स्या होर सर्गिया राज्या संदेश राज्या स्थान स्थान स्थान स्थान हुन-नामन्त्रियातह्रमाम्बर्गन्यक्षरा। स्वावस्यान्त्रस्यास्यस्या। इम्द्रा युम्पाम्य म्यार्थियो द्वारा म्यार्थिया स्थार्थिय स्थार्थिया स्थार्थिया 大きるとかがいい、あれてはたらればといっているがとからはだく」はインない मूस्यान हें हें दें हुर न प्रमार्त की खा के रंगार पा ए यर न हें हो। पा की अवका हिंह यर रे. श्रें प्रावेद कर्षे वाता । स्ट्रान्य राज्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ है स्वरेष है म्बरावम् इत् स्त्रेय्यात् त्यानरहेरा ह्रास्यायायाः साह्यायस्य ह्यायस्य ह्या। यथायः यान्यान्तराहरे होत्रे से देखा ह्या ह्या हरे हो राह्य राह्य राया हो हो या का विद्या सामा यर् ताए हैं दत्यम् ल के भार्या द्या द्या अस्टिश्मा प्राप्त का स्टिश्मा का स्टिश्मा का स्टिश्मा के स्टिश्मा के स देवा यह महमारे मार्थेदे। इन्हरी क्षेत्र मी भिया महिन्द्र में पारा मार्गे नाया यह में केट्र नार । तसर है का सर र्वात खेमका तीया कर में वा खेर खेला खेना या है व मुरमर्मम् भेत्रप्रदेश द्वान्यस्यायत्यत्यत्यत्यार्भ्याः ये.की.करी इत्याना वर्षाता ही राष्ट्रिल्य में इत्यादा नाया वर्षात्री यादा स्त्री संस्था शु लुकुन्य के इन्द्र पर्देश के मालया मानुन्य मान्य स्त्र स्त्र भी कुर श्रेत्र मालया मानुन्य मान्य स्त्र होता हो ह श्रद्धान्त्र वित्रत्रेद्धा । भी श्राक्षाकात्रत्याक्ष्रद्रा अवाद्यरायाक्ष्र त्तरत्रेत्। हैं.लर्. मृष्ट्रं मध्यू मृत्यं मध्यू म्यार् स्थार्यस्य स्थित हिर्स सम्मे रूर्दर वद्रात्कार वद्रमिनेनेन्द्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र वद्रम् वर्षः

नर्युवार सर्महोन्द्राक्षेत्रकाक्षेत्रमान्त्रहोत्रा, वस्यायकोव्यर्तस्य विका

यारद्रभादेशाविक्या अद्ध्यक्षास्त्रिक्त्र्यद्रभावेष

न्। इत्राद्यद्वितायंत्रमुक्ता द्यत्युद्रस्यद्वाव्युद्धव्यवस्त्रम्

स्ट्रा नालराजायाम यद्श्वरायाद्रा नाम्हर्मामा अस्ट्रिमामा अस्ट्रिमामा तया अभेतेरे स्वयक्ष्यम्। उत्रक्षेत्रकात्रकात्रक्ष्या स्ट्रिं स्ट्रम्ड्रस्यूर्। सम्प्रम्रद्राचर्च्याचर्चार्याद्राच्याक्रेष्प्राद्र्याः तहत्रम्भात्रा हर्द्रतेतर्क्यास्यक्षाकार्यक्षेत्र वस्त्राद्वार्यक्षेत्र श्रीतर्दर। विस्तरस्य विद्याम् मार्ट्यरद्वा माद्रसम्बन्धाः सार्थ्यर्थः स्थान्यत्वः वेत्रायाः स्थान्यत्वः वेत्रायाः सार्थ्यः सार्थ्यः वेत्रायाः सार्थ्यः विद्याः सार्थ्यः विद्याः सार्थ्यः विद्याः सार्थ्यः विद्याः सार्थ्यः विद्याः सार्थ्यः विद्याः सार्थ्यः सार्थः सार्थ्यः सार्थः सार्थ सुन्यता संराजरायालाक्षित्रद्रमास्रोता दर्नेरहेरास्त्रमास्रोतास्रोता ब्रेन्स्अद्भा विरामकार्यानात्रम् स्वेन्द्र्यात्रम् । नेद्रयात्रम्यात्रम् । नेद्रयात्रम्यात्रम् । विरामकार्यानात्रम् स्वेन्द्रम् । नेद्रयात्रम् । नेद्ययात्रम् । नेद्रयात्रम् । नेद्रयात्य सरदालकास्त्रस्त्रेजादस्त्राद्रस्त्रद्रवाद्रेतः तस्यरदेशः तिराता तस्यर्भः स्त्रीता क्याः क्रेन्य्य स्ट्रिय स्ट् ल्येनस्त्रान् स्त्रत्वस्याक्रेयावस्त्राक्ष्यात्र्यस्त्रान्ताः स्त्रत्याक्ष्यात्रान्ताः र्नेबेर्न तक्ष्यं एसर्ज्य अयम्होत नामकर्त्रेत्या अस्त्रेन्या स्ट्रेन्यर बेर्न च रत सेर्झ्स्स्स्य स्वयायकाराय रेरा हेर्यर्चे चेरिक्स्स्स्य है सेरावेर्यक्स है किरका दे। तद्यान् र स्वक्रियर स्ट्रेंट स्ट्रेंट्र स्ट्रेंट्र त्या के त्या है नार । १९ नार । सन्त्रिः क्षेत्रः देने हे । देशक्षित्रं सर्वे स्थितः सर्वे देशक्षेत्रः देशका । देशके वाला सदेना । १००१ ष्यां के विष्या विषय के विषय के विषय के विषय के देश के विषय के में राज्य के कर मा अंदर राष्ट्रीर राष्ट्रीत के का कर कार मार्स मार्स मार्स मार्थित मार्थित । वर्त मार्य । वर्त मार्थित । वर्त हैकालाक्कार्यरा अतिरस्वती केंद्रिया केंद्र हेक्स सकी वहसायरे। रेक्ट्क्रायानकान्द्रिमानेब्राटेश कर्षकान्त्रेट्स्य्यंब्र्ट्राट्काकेट्रा यावादरका साम्युष्ट्रकार्श्वरा क्यानावरात्रीयिक्षां कार्यात्रा क्या । १ वराया र्वाका के देवा को यह या त्या वरा क्रिक्ष वक्ष यह । देवा को विश्व के प्रोहर्षेत्र द्वीत्राहरा संहैकानमान्नितास्ता नुस्यानमान्त्रिकार्यहेना नेर् स्यान् वहीरे चया विक्रायात्री स्यायते वह दाव वाली स्यायाता हिंच्यं वाया राष्ट्री सन्दर्भ नर्दे याने न्या मस्तर्भ सहें । न्या से या प्राप्त रे पर्राट्टी ल्युप्त्रचा के रहिया गुर्था पर्याप्ता हिन हिन है से हैं में से इसा स्टेंहियाक्तायेरेना देसेमजाहमारेयरायुगायास्रेरा व्यवसार न्यसम्बद्धिरीया देतस्यवित्रद्रस्यम्यो स्वस्या व्यस्तर् होत्स्य वस्याध्यम्दरा क्रम्हेक्कार्यारम् योदी नर्यक्ष्रिययरित्हरे वस्या सर्मसारीदर्भनेम् इयोता द्वार्यस्तिमार्डेयार्डेन्से। द्वार्यस्तिम्रोसी

सराना निरंशाः कार्यास्थार रहेराय्या श्रीरायरेखात्रेन स्थारेके क्रियाती इसदार्यद्वाक्षेत्रम मार्चे व्या न्यायाक्ष्यम त्याद्वा द्वार्थे अ केटबा महस्यरम् स्यामितः स्यारा एक्स्यात्वारा विक्रम्यात्वा विक्रम्या ्रिम्कर। स्ट्रिक्टिया इस्कालक्ष्यात्यात्राम्यात्राम् देक्रेयतास्मान्त्राम् हर्द्या नर्यः सम्भेत्र्यं याद्रयवास्यः ख्रीकामहर्ययाव्यास्त्रहेत्याव्यास्त्राहेत्या ख्रीका मुम्द्रमा तथ स्त्रे स्तर् हे या स्त्रे स्ता माराना वया स्त्रे ते स्त्रे या त्या या स्तर् तारामन्द्रितात्वराद्या क्षे-वर्षादेखात्रयात्याम्या नायद्रत्त्वरावाधी रूपार्श्वराच्या अव्यक्षरहराजीत्याम् सरा श्रीरिस्ट्रियायाम् या पूर्वप्रियः सेप्राक्या। अछ्रस्य स्थाप्या इस्याप्या ल्याष्ट्रेरास्त्रास्त्रात्या वास्तापात्तित्यात्यात्या सामव्यव्यस्त्रात्यात्रीत्रात्या सुरा। हिरासेंगायले.हो.रशवातास्ता। र्ये.सें.इंप्टर्ड्रियंक्रिक्टिंगी सा... स्यान्त्रस्या स्यान्यस्य हेन्स्य हेन्स्य व्यान्त्रस्य । स्वयान्त्रस्य व्यान्त्रस्य । स्वयान्त्रस्य । स्वयान्त्र वस्तुमा नावमाराखाराद्रः मेल्वराक्षाताक्षेरतद्वमा वेकाच्याद्रियान के.यंकाप्रदेशकरका से रांचरी से.वया। संस्थापक्षेत्रिके विरहित केर् न्यत्मेत्रातम् वर्ष्त् व्यायत्। यावम्यव्यत् न्युर्यत्यत्यात् वर्ष्यात्र्ये त्यात्रात्त्र् रक्षम् प्रसाम् दे । दे में यक्षे भी ह्या द्या र हिर र यम् स्मान सर्वे तर योगका सर्वे दर्भेरा। स्ट्रेलक्षामनमञ्जूनमञ्जूरा श्रुरमानिर्वरम् तर्याभी। तर्रः यहर्मार्वरहरूते। तहस्यक्ष्येयस्य स्वित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षे क्षेत्रंत्र्यास्य विस्तर्या । विस्तर्या । विस्तर्या । विस्तर्या । विस्तर्या । लास्ट्रेर्स्सा शाल्यक्र्रेर् म्रेत्रिक्ष केर्यर्स्स्य स्ट्रिस् ११वाचारिता चित्रास्त्रेर्ते अर्ग्यर्भर्म्यक्र्येन्त्रात्त्रास्त्रेर्ता स्टलवास्त्रेत्रास्त्र्यर्थरा छ.र.मे.लर.ज.रर्ट.अमेर.भरेर. रयदःच इर <del>अमेर्स</del>का ० मे.प्रांच प्रांच स्था इर्ट्याक्षेत्र अक्ष्येत्र वसम्मद्रम् वसम्मद्रम् विकासस्य विकासस्य विकास ल्यसारवर्ग स्यायास्त्रक्तिकात्मा क्रीमेक्सालक्षकी महरास्त्राया या नस्यस्य स्यान्त्र स्यान्य स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान सुयायप्र या रामकारायाता है। रूरा क्रियायाता र प्रयास्त्रायायात्या झा ब्यायान्त्रवारात्रयाम्यायायाः तोर्। द्रम्हेन्यावेकान्तर्रियारात्याः व्याप रिग्रतियाता । विग्रतिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया विभवा मान्येत्र मान्येत्र मान्येत्र स्वर्धियाता विभवा हेर्त्र स

एक।। ।श्रद्भवद्भवाः स्त्राः दरायुवाः स्रद्भवत् द्वराद्वरात् द् क्रियायाधीता हिंदश्रीयाश्चर्यात्याया यात्रास्त्रात्या वेत क्र.इर. ११४४ वर्षराचित्रका अत्राहरू हैं समस्तिया अस्तिहिर त्तःत्रभवतःह्ना द्रांष्ट्रविक्तातःक्षाकृत्वा क्षाविद्वाक्ष्यां व्यास अधुक्रेत्रास्त्रम् स्वा मास्यातात्रात्रमानामात्रात्रा स्वात्रात्रा देवात्रा अक्टें क्रायदेश द्वर्यक्र केंद्र कार्यक्रिक्टिया तो त्यादेश क्रिक्ट व्यवस्था न स्थेत्य चर्रा केरत्रक्ष्यं क्ष्यं स्वरम्भूक्षेत्रवारमा रम्प्यूम्पर्महात् । म्यान्यूम्पर्म यानेसामा जयात्रं पुर्स्य प्रदेश राज्यात्रं । क्रार्य प्रदेश क्रार्य प्रदेश क्रार्य प्रदेश क्रार्य प्रदेश क्रार्य प्रदेश क्रार्थ क्रार् स्थलाहीस्यार्केराकेराकेर्द्राता स्ट्रिक्ट्रिकास्तिमीमार्केचारिया। रायारीद्रयाक्षेर् १ १ वे द्रिक् यहेग्रा यानस्यात्रेप्रमात्रे ग्रेलायात्र्यात स्रम्भेश्च्रियात्रेत्या वामस्याः १ महत्रात्रेत्या वामस्याः १ महत्य कर्यास्त्रक्तामक्ता हुर्प्तक्षान्त्रहेशान्त्रक्षान्त्रहेशान्त्रक्षान्त्रक्षान्त्र व्यवसाय सार्थार स्पूर्य संस्था कार्य कार्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स च्रामान्त्र, यर्ष्ट्रसेरातात्त्र्रातात्त्र्रातात्त्र सालामात्यात्रात्त्रे वर्ष्ट्रस्यात्र्र ह्यर् केर् स्थित्य स्थाने त्या ति । ति । विष्ट्र स्थाने व स्याम्या रेखावराम् रावर्षायाम् सम्मा म्यूर्ट्य कार्यास्या द्वस्थायः द क्रेर्टार्ट्सान्यस्यत्रत्रः द्वर्त्यत् वात्रत्रात्रः क्रेर्ट्रायः हिन्द्रः क्रेष्ट्रायः लर्बाक्षेर्र्त्यम् अर्गः रत्मेयक्ष्यायहेम्यास्याता स्रार्व्यस्य द्रास्य र 当人にくれる セイカンラに、まないがくのからからからいかいというないという。 あるかん रूर्य विरु प्रमाता के तामक के रखायर के खार करता के से तामक के स्थान के स्थान कर के करल्या च्रेर्तासवार्त्रेत्याद्वत्यरल्या स्रेजातासवार्त्यक्ष्यात्र्यवार् स्रोद्राक्तम् कुर्केत्रका १०० व्यालहा का अमा किर्द्धात मुन्न मेरी किर्वाली प्रदेश मेरी सर्वास्तरर्रे के स्वीर्या द्वास्त्र तर होता । स्वत्यस्ति स्वर्धात का स्वीर्यात का स्वीर्यात स्वर्धात स् नियंत्रात्रुक्त मुद्देर भुद्दिर को प्रक्षित्रम्या हिरस्य मुक्य मुक्त मुक्त क्रियरेर जनवेत्यावर एक्तिस्यायम्तर मेस्रिन्द्रियम् स्यायान्तर्या स्रीतिस्यायान्त्रिया स्रास्त्रमावसास्यासारा क्रांच्यार् मार्म्या स्राहेन स्रिक्षा स्राहेन

'Second name to Hor 大きないかとかにされいかとうことにないない」 ストックかればないとうないがってし में नामहित्यात्माहिता सारावयकाता चारावरात्री नेव्हारी विता नाराक्षेरासीहित स्यक्षेत्रवक्षा कार्यस्य र्वेश्वरात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर् उर्द्रात्र्रात्या यक्षेत्राः कायद्याहेकाः यत्वाद्यः देवायाः स्वरेशः । द्वारक्षाद्याद्याद्याद्याद्या म्या लहे नाक हमाया मा ने ना हरा तह रामक है एक वह रहे हो। तह र हरम्याय रेस्क्रिक्येया त्यर्य केसाय संगठेस यास्या रेमास्यायम यस्य के हुन्द्रेरी हुनेक सुक्रत्य कुप्रक्षायस्य सार्व स्वरं स्वरं स्वरं साम्बर्ध स्तर्राष्ट्री नार्यात्र प्रत्या क्या हा वर्षेत्र स्तान हो। यावराया के स्रोन्ध्याक्ष्यं सम्मेन नायाक्ष्यं वस्य स्याद्वस्य स्याद्वस्य स्याद्वस्य स्याद्वस्य र्यः। द्रीसिन्द्र्यीक्षेत्रात्योद्दर्भ त्रियस्यक्ष्यात्रेखार्यात्त्रेद्र। स्रीयस्यद्रत्यात्त्रेक्ष्य महत्रात्रीहर्त रस्तेवेचलायाल् होत्येवलाक्ष्यं । यह रहेक् अर्थायावा है मुद्रा कुमालकात्वयाच्चरक्षणात्राक्षिता द्राट्यात्रवाक्षरकाद्रमाक्षेत्रवाद्रमाक्षेत्रवाद्रमाक्षेत्रवाद्रमाक्षे 4 कुटा では、」をから大はような、ちょうというのとこれなるが、はまればれているよう युर्दित्रत्यक्रत्यका। यहत्तिः भुयान्यक्षेत्रः क्रीक्ष्यक्षेत्रस्य द्वत्रस्थान्यन , बुर्द्धाकाते प्रत्या अर्था अर्था अर्था क्रिया की या प्रति के प्रति का का का का का की की का अर्थ य । विष्या स्वर्षा विष्या स्वर्षा । विष्या स्वर्षा विषय । विषय यत्रम् द्वीरतिम् स्याप्तियात्रात्रस्य स्याप्तियात्रस्य स्याप्तियात्रियात् 631 あならいのからできていることのこれであるが、日本はあるというと द्यम्यात्रम्या तथायार्ते म्याप्यम्य कार्यात्रथार्त्रे स्थार्यात्रम्य स्थान となくなかなされまからなくていくべい こうとうないしんからばれるいかれる हर जलेखा में दस्या रहेते रक्त तर्दर मेर स्वातह रहर रखे हे होराय हरें--7कर्भ ११ सहस्युक्ता मन्त्रावस्य स्वयं वस्य स्तर्भे वस्य स्तर्भे स्त्रा स्तर्भे स्त्रा स्तर्भे स्त्रा स्तर्भे स्त्रा स्तर्भे स्त्रा स्त् युर्य प्रसारकाता राष्ट्रिक करा विकासिक में क्रिक्टिया स्थापिक में मुस्यानान्त्रियान्त्राम्यान्द्राच्यार्थाः स्वार्थाः स्वार्थाः स्वार्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः श्रेमस्य भेर दोर नतर सार स्याप्त त्यार स्थार स्थार हो सार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्ट्रिसे वर्षेरलस्य सम्बद्धाः मा। इ.जिस्साटस्य विस्तर्वस्य विस्तर्वस्य याद्यरम्द्रात्राह्माय द्वारमाद्रियाह्याया महिला सम्मद्रा य तेयात्र स्पूर्य

।अहर्ष्या। देरद्वारा द्वीरेन्द्रवत्मा स्वाप्ता कार्य इस्ट्रस्ट्रस्क्रिक वेदा वव्या नेर्देश्या इत्रदेश्चित्रक्रिक सीक्रू मेर्ट्र कर्या देवे क नस्यास्य वर्षेत्रकेत्वात्रक्षेत्रत्त्र्यं स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य रीय तैयावेशिक्षे संभूतराकोरा व्यर्ग्यस्य भूत्राचीया समस्यातरे भूती र्यमारस्र्यस्यस्यात्रात्वात्रस्य स्ट्रियात्रत्रे स्ट्रियेरायस्य स्ट्रियास्य स्ट्रिया रस्के सिंग्य सहस्र द्रव्यक्षक वार्र स्ट्राय के राज्य के के के के के वार्य के राज्य क इसक्षेत्रम् नियाने ने वस्य निया ने देश ने का निया ने प्रति करिया न 先生我に、数大しのきもがとは、おく、といくないままだい、まちないのようなしいべんだっ होस्यारा दिस्यामस्यरम्स्य नियम् नियम् नियम् स्थिति कारास्य । स्त्रात्रकार्याकेत्रात्रेत्राकेत्यतीक्षकीत्रिकेकेत्राक्षात्रकार्यका देत्रात्रात्र्यात्र्य अक्ट्रिक्त करन्य करी क्रूरक रेड्डिंग्स स्ट्रिक्त स्ट्रिक्त के में स्ट्रिक्त के के दिन कर के देन । कर यला दिस मिलकार में बिर्यस्य में सम्मान किर्युरा देख मान्यसाम देवाया में ब्रेट्रेंद्ररजात्र्रे क्रायारी जुका बेर्जियो हुन। क्रार्ट्य प्राप्त क्राया र्रसा अवार्यायक्रीरम्ब्रीलयक्ष्येर्द्रिम्ब्रालक्ष्येन्वयाल्ये त्यक्षं स्त्रीता विरम्भाया स्था स्त्रिया के स्ट्रिया तरे देखा साराय कि स्वर्भा अपा Wind क्रेंबिकालक्षेत्रसम्बद्धः वागवस्यूर्रक्षेत्रसम्बद्धरातिराष्ट्रस्य स्ट्रीर स्ट्रियरम् स्यान्यत्यमा स्यान्या स्थान्या विक्रमा स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य सम्यरम् द्वार्यरम् स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य । एक्स्प्रेस्ट्रेस्र यप्रस्थान दुर्हर्स्य में, वुर वस्रसन्ता। अध्यक्षेत्र मान में सन्ते वे वर्षा ना तर्दा क्रिक्षेत्र स्रोदेशक्षेत्र स्रोद्धेयाक्षरा यलहरू यायायात्र स्यायाया लायद्वारक्षिणविष्या क्रियाक्षेत्रेत्रेत्रक्ष्या स्रद्धार्यावस्य स्रम्बस्य स्थानिक विकास स्थानिक स्थानि सुक्री क्ष्यवर्ष्यरक्रर्स्य भीत्रका देर्प्रक्षित स्पर्वरप्ता कलक्र र्स्ट्रेन्स्ति तरत्रपुर्याः। क्राम्महेन्यात्रेभावसमाय्यात्रेन्। स्मिर्स्ट्रेन्द्वीत्यातः सुरिल्लुन। क्षेत्रसद्द्राद्राक्ष्यस्त्रेत्रास्त्रेत्राः स्यासस्य राग्नेत्रान्यस्य मुबिरामेयकामुब्रकामकी का सम्भरक्काम्याका मुक्रव्याम्पर करा मार्च्यक्षेत्रं र र्वक्षा केरी कले.क इक्षरक्षर अवरे । वेसेन रे केर्दि संस्कृत तरम् केरिकार रस्या करे देश सेर स्ट्रास्त केरिका स्ट्रास्त सेर सेर सेर सेर कुम्प्री लम्प्रमाम्बर्भम्य प्रदेशम्य म्यूर्मिया द्रे द्रे द्र्यत्रम् द्रि द्र्यत्र यर्के द्वराष्ट्रेसरेक की बेक्षा वर्षेत्रक्षण वर्ष्या द्रयात्रया व्याधित

या लयनीत्रम् संस्थित सार्देश रहता रहता रहता स्वार्थित स्वार्थित रहा रहा था इट्याह्या हुट.यक्षक्रक्रकाक्रात्यात्ते विस्त्रत्सेस्याक्षेत्रात्यात्तेत् स्ट्रेस्या यक्षर्यत्र म्यान्याद्याक्षाकार्यर्त्रहेर्रा सम्मन्यत्र म्यान्याका । इस्कर्रस्य प्राचित्रस्य प्रत्येत्र । यहास्य व्यवस्य हिर्मेर्रिंग व्यवस्य प्राचीत्रस्य प्रवास स्यात्मात्वाता होत्यम् स्यान्त्रत्यस्य स्थान्त्रेत्रस्य द्री श्रीयात्राम् स्थान्त्रस्य स्थान्त्रा रहेरास्यात्रात्रस्यात्रस्यात्रस्याता सुद्गिर्द्रस्य वाहेर्द्वर्षाता कर्तास्यते म्यास्त्रियात्रम्याः अध्यात्रम्यायात् त्रिक्ष्यात् स्थान्यात् । त्रेक्ष्यात् स्थान्यात् । त्रेक्ष्यात् स्थान्य रमम्ब्रीयम्यक्ति रित्रेतिकोतिक्षेत्रम्यद्रम्थाद्रास्यकार्यद्रा हिक्यम्ब्रियः यु.स्यर्भराष्ट्रा काम्याम्यायायायायायात्रा क्रियम्यायायायायाः 419.21 のかっかいかいかいからいかいっているとうないとうないとうないというというころできると क्षीत्राठ्याकायप्रकार क्षार्याच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रक्षेत्रेत्रेत्राच्यात्रक्षेत्रेत्रेत्राच्यात्रक्षेत्रेत्रेत्राच्यात्रक्षेत्रेत्रच्यात्रक्षेत्रेत्रच्यात्रक्षेत्रेत्रच्यात्रक्षेत्रेत्रच्यात्रक्षेत्रेत्रच्यात्रक्षेत्रच्यात्रच्यात्रक्षेत्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रक्षेत्रच्यात्रच्यात्रक्षेत्रच्यात्रच्य इया इक्रमें यूर्य रेयार्य रंयार्य रंपार्य रात्यरा प्रियं रेपार देयाया विवास दर्दिन्त्रवाक्यां वाळात्रः। स्रांदरात्राक्षात्रेः। चार ह्याः स्राह्मरात्रका लेपस्त्रेत्। अनुवा 南大公司的大学之过数文·1 新女子之前大学大学大学大学大学大学 ই'ব ह्यास्यावयात्रकार्म् राज्येत्रिक्षित्रमाख्यां क्रियायका अस्यार् बराकार्यात ब्रीमाल्या रेन्द्रमञ्जू मेर्द्र महिना महिना महिना महिना प्रविकादर सका राजे हुना लूरत इर्ट्स सुक्षिय ने या ना सूर्त प्रकार किये सुर्वा किये सु は、とれておかれないというできるというというないないないのでは、 कुर वायीय हो सत्त्वेर। योग येग के का के का वे स्थारे वायो स्थार के स्थार प्रमार्थमार्से हेस्। डिसेमार्ल्यमात्रयात्र्या रलमार्स्यम् र्वाया स्रोतः । मण्याद्वाया स्रोदादे हो। यो दरम्या व्याद्वे के स्रोद्या स्र サンダナーナンロナインはない、なからからからからいからいからながら、

शुन्यमान्त्रराज्यक्त्रमान्यस्य रयराज्यस्य विस्त यावस्य स्वर्त्र

य. छ्रास्त्रेया स्यास्य स्यास्य

共争工、秦中心之后,西山大之生出如为,其知如,要少多少的之后也不是如此是是

वक्षा । नार्यस्यर्द्द्रस्यव्यवाद्यस्यस्या । तस्य वर्वराच्याच्या कुरियाने सार्यर यहरा दर्यार विवार विवार के क्रिया के क्रिया के के क्रिया के स्वरम्भरम् जलस्यालसंद्र्रयेत्रभ्रम्भरम्भः द्रम्भः दर्द्रम्भित्रभ्यः दर्द्रम् यर है। यालक याल्य त्रात्र प्रदा हैंदा की हैं वर का के का याला। याल सार प्राप्त द्याया भारत के इं या के रे की स्वेश के स्वर् के र र के भड़ित्र। नर्मे अर्डेश्वरके उर्ज्या में समर अडियक के नका दे । भड़िया दर्भावया ने के स्वार्थित महोता का वा वा वा दिया है। समया है महिता रेक्स्प्रमान्य महित्या सर्वेक्स्य मार्गिया प्रायम् गुउद्भारत्यकार्यः क्रास्ट्रस्यंद्रेस्यावकार्यः स्ट्रास्ट्रस्य भह्मरेहरमान्द्रदेश राज्यायाष्ट्ररयाण्यामा मेर्रहे। कॅर्रेट्रास्ट्रेस्ट्राय्रेस्ट्राय्या देरलर श्रीरको रक्षा कर्रा की स्वाद्य करें दें ते के कार् म्ने संक्षित्रमान संवद्भा मुकारवे याले के शुने में में मह में मह मारे में में म्यानितरा मान्यामीत्वीत्रमार्थसा १०म्ब्रीस्वीत्रमाराष्ट्रामार्या र्रेक्ष्यक्रिया वर्ष्ट्र्या वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया यान्यु ब्रेस क्री मार्च एत्रियो रमता श्रम ब्रेस ब्रेस मार्च दक्षेत्रमात्। कावस्यावरसाम् मुक्तिस्यरा स्रीटस्येर् बेर्म्स्यर् स्रीट्रेन्। मर्कातहित्सुतार्थियदिन सामा देर्यस्य नावस्यतिनस्य पारहिता। यहत्रकाश्चरक्षर राष्ट्र रेश्वर्षेत्र रेश्वर्षेत्र राष्ट्र रेश्वर्षेत्र राष्ट्र रेश्वर्षेत्र राष्ट्र रा क्रायायास्यायन्ता नयत्त्रेयास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्या ल्युरायास्त्रित्यास्त्रेत वयास्त्रेत्रक्षात्रस्यात्रसा हेरास्यायस्य इकामक्ष्रम्भेर मार्चार्यम् विरम्भायक्षित् वीरस्वरमा निरम्भी स्वास्त्रा क्रियम् कुम्प्रेय वराक्ष्यात् द्रा द्या द्या अवत्रात्माल सुद्रा मार्केक्ष्याल हि मालवाद्री विमालीमामाध्रमात्रीकेहार्द्रा रहरद्देरामान्यात्राक्षा द्यान्यक्ष्मव्यान्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्य री वर्तेम्य्वेरक्षाव्याव्याचित्राचित्रा वहसञ्जूरेक्ष्यंत्रेत्यंत्रम्यं यानकार्के का मासिक के का माने के किया है। देवान माने कर्म्यन्त्रद्वसम्बन्धान्त्रम् न्यन्त्रम् न्यन्त्रम् पहुत्रकास्तर ुद्धर्ष्ट्रेराक्रेरकास्यायासासासासामा इर्ह्यास्य मिनुस्कार् नारस्य राष्ट्र सार्थित वर्षा केर्य । व्यापना स्थानिय वर्षा स्थानिय इप्रकारकप्रास्त्रिक्षकार्याचार हर्त्रेयायले.के.ह्या.यहेर्त्ये सुर

कुर्यान्य कि. यं में या के प्राप्त के प्राप् करें हैरलेका हु कर से का प्रमाणका केर स्पार करीर का प्राप्त की राज है। かいかんななるならないできないがく せんしょうまなかいいとかかかいかいしか याय तुर्मित्राम् सार्थियाता । इरत्याम सी पर्यासिक स्वासिक सी स्वास्त्र इर्. मुक्ता निया उर्ज्यारेया या मिक्र के का प्रदेश ने या का का सुर्थित त्रक्षा क्षात्राक्षात्र । क्षेत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षात्र । द्वित्याक्षात्र । द्वित्याकष्णात्र । द्वित्यकष्णात्र । द्वित्यकष् क्रुंद्रसूत्र्र। क्रिंरल्यानाले.ले.च्याच्येर.चु। क्रियर्थाल्र्रज्ञ प्राम्निकर सुर्द्रप्रमुक्तम् माराम्यायाया यहा। यहामात्रम् मार्थेदर्भयाः देल्ये। १वर्गातका शिक्ता स्ट्रास्ट्री स्ट्रास्ट्री साम्या स्ट्रास्ट्री साम्या स्ट्रास्ट्रास्ट्री स्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रा रिक्षमान्। क्र. स्या खुराया छेर्की रक्रर्र्य क्रिया खुराया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क में भिरान्त्रस्थितं। यापरंत्रध्यंत्यामितः यादःल्दर्। यले.क्षे.यं.का न्दर्गामासाइदर। द स. के. के. यमार केर्याय राज्य देते। संस्टरंगावय ताया. हिर्द्धाः राष्ट्री याः काराम् तर्वदेशाताः मालका तर्वा हिर्दे वारावा सर्वितः यः अर्देशाः व । श्रामान्त्रेशाः व । श्रामान्त्रेश्वयाः क्री विद्यास्य । विद्यान्त्र । विद्यान्त्र । あれがい、はれから、まる、まる、またいとうでは、でんだい、とうれるいっていると स्रम्जामार्श्वरम्यार्श्वरम्यार्थित्रम्यार्थित्रम्यार्थित् च या स्यूर्ण रहरे । व स्टूर्स से ने वर्ष से हो हो रहे हैं हो र न वे ने यर रेट । स्यासे व ३ म्याया स्थाया स्थाया की तर स्थाया है या तर स्थाया है स्थाया है स्थाया है स्थाया है स्थाया है स्थाया है स्थाय स् इंद्रिक्स थी. है। इंद्रिक्स खंद्र हो है राष्ट्रकार ब्रिस्स्या काव व द्रवर्ग. मन् स्रियमान्त्रीत मक्त्रिर्ध्याकात्रात्रामानात्रीरत्या स्रियान्त्रात्रास्यमा न-रेया.ग्रुंदुःसार् अप्टूर्व्या वया स्यूर्य्स्यार्थार सार्व्यास्यार्थात्या 104.21 あたか、美男シズでは大きないてることをなっているなり、ある र्भेद्रमुद्रस्य म्यूर्या त्रस्या १ १ म्यूर्या मार्या मार्या प्राचित नाम्भरमायद्वा मोस्रदेवसाम्भरदेशसाम्भरदेशसाम्भरम् 到了如多少多人

क्या भेट्रा क्रम्मूप्ता क्राम्या व्याप्ता क्राम्या व्याप्ता क्राम्या व्याप्ता क्राम्या व्याप्ता व्याप्ता व्यापता व्या 29.51,040 ब्रम्स्यालाकायाव्या व्यक्त्यावरात्रारे द्वरावरात्रा । यात्रास्य मुच्या वया। म्भूनाता। करस्य अल्डिइस्सेन्सा अनुस्य होत्य अस्ति मेरी 3252:201(0) は、くと、み、ちがなり कारमाञ्चल की वनता होते हो। वस्यता हिर केर होर में या वित्र मेर म्राश्चीय हिरामानद्री स्यामानस्य स्याद्रिय द्रास्त्रेरास्य क्षि स्रेर्सेर्स्य इरक्राय्याम्डेयात्रकार्यद्वात्रम् रयत्रीरेय राज्य इमायोधीया विस्तरेया होत्र म्यायोधीया इम्याय में एतर्य सर्थिय विस्तर्थिय रा म्यामक्यानकावरावरावरा सामुक्तिहारा मार्केरी रेपरिवर्ते १ वर あくれがいせいてき、ションを大きらかみらい、またないかかいとうなる。 またいないないかいます これではないがらかいかい おもいなるこ कारमास्त्रास्त्रका के के त्रात्वराया दिस्त्रायास्त्रेयात्रायां उपात्मेर्गाण्या कुरेन्द्रियका रेत्रक्षकार्यक्रमकार्यक्षेत्र स्ट्रम् यसरम्बर्भरम् राक्षेकायाध्येष्ट्रा ब्रीयरयाख्यात्र्यायाव्येत्राचीत्र्येत् कृतासीर्थः मक्षेत्रम् कुर्या र व्यवसारम् रायाराकाराकाराद्यारात्र हारकारार द्वाराकारा मक्तियार्थमा रेक्षवक्षकार्थे हिंदर्श रहरवसमा मद्दिराद्रीर हैरिस्ते विकास्त्रा वर्ष्ट्यम् रामप्र दे स्रिक्षिण्वियवसम् त्र वर्ष्ट्रायावियासयिक्य मुक्त रक्षमक्षः सर्बेष्ट्रेराक्षेत्रेयक्षा स्वाबाद्वायक्षेत्रेर्ट्रेर्ये । । सम्मान्ते सम्भार्यका दे द्वारात्या। ऋडेरारे भवेत्वका वर्तात्रात्रा हु क्रिंद्य घरा श्चरक्षेत्र । म्यान्त अहर्यक्षेर हे । क्षेत्र क्षेत्र के निकार के क्षेत्र के निकार क इस्यारिया के वार्षित्रे के विद्या के यह देव कर विद्या के त्या में से हें हैं। यरे य न्या मा अवा है य ये ते। नात न में ये से त्या अव कर के न में न वस्तर्भाक्षकत्तेत्रस्यात्तात् क्ष्य्रस्थ्याञ्चरदेवसङ्का स्रोत्रस्यत्तेत्तेत्रस् त्या अस्य अस्त विद्वाहर हो करें सा स्रोधिस स्टिश्च स्टिश करें। स्टिश करें से यत्यावयाता मिल्यू इंबल्यक्त्र्यंत्र्यं व्यक्ता ठ्रमा ब्रम् स्ट्रिया देस्या यदमारामाता देव्यक्षेत्र मान्यासारामा एड्रुक्य रामान्द्र निर्देश वर्षा प्रत्र निर्देश वर्षा प्रत्र निर्देश यहत्रक्रेम्यान्त्रेर्येष्ट्ररेर्यात्र्र्या क्ष्रियात्रेर्या क्ष्रियात्रेर दुस्के अथला असी यन प्रथित के किया है या है या स्थान से अप स्थान रहा कि से ए या ए हैं छे

121

इस्ट्रेस्स्रिक्षित्रे द्वाराश्चरकास्त्री क्यांस्रिक्ष्यास्त्री क्यांस्रिक्षास्य नुस्र कार्युर कार्युरा केर्युर मार्थित केरा केरायू होता केरायू के मार्थित केरा केरायू केरायू केरायू केरायू केरा र्तान्त्रेसर्भुष्ठास्त्रेम् वर्षाम् वर्षाम् स्वरंत्रस्त्रेरस्याम् कार्याः उर्देशकार्यक्त्रकार्यकार्यकार्या करकार्यकार के जातकार्यकार के स्रात्ति क्षित्रक्षरक्षरका स्वित्वक्षेत्रके स्वत्याक्षेत्रत्याक्ष्यत्यात् । क्षेत्रवेत स्मित्रिकार्या स्वर्षाताता सम्मान्यार त्या स्वर्थित्यता त्या स्वर्षाया देवता विद्या यस्याल्याः वा क्रिक्तित्यात्र्याः स्ट्रिक्ति स्ट्रिक्ता स्ट्रिक्ता स्ट्रिक्ति स्ट्रिक्ति याद्राती यत्रात्त्रियावद्रिस्यायाद्र्यस्यात्। स्वताक्ष्याद्रात् याद्र्यस्य स्वताद्र्यस्य यात्रात्रात्रः याद्रस्य यात्रात्रः याद्रस्य यात्रात्रः याद्रस्य यात्रात्रः याद्रस्य यात्रात्रः याद्रस्य यात्रात्रः याद्रस्य यात्रात्रः याद्रस्य यात्रः याद्रस्य याद्य स्ति। देशकर्ष्यां निर्मास्तिकाता क्षेत्रमार्या वार्षिकार्या स्तितिकार्या स्तितिकार्या かいかかいていかいないかい かららいま、なからかないないなべて ずんとからない ひせ、彼な、私人がかりなって、は人をからなる、ちょうかれれた」をかれまれたける。 となったがいて、からくかか、新書いるかまかい 単いた、から、から、から、から、から、 स्तर सारा के प्रति का अपना का मार्थित के प्रति का मार्थिक का प्रति का मार्थिक サンサインが、できている。それになっているというないのかって、大きないない。 रक्षास्त्र राष्ट्रमात्मर्कत्रे क्षेत्रस्त केष्ट्रम् केष्ट्रम्यू स्त्रम्यावेकार्यस्त .. 日本をおいまで、からからからしかっていまることから、はいっかいがっちょうないない はないしいないが、はまれます。 あるようないとからかいかいましていまいます かれが、また、かんとないでいからから まず、はないないないないないと ररायायद्वस्यो स्वरास्या श्रीत्रायाता । ब्रिस्ट्रिय त्या स्वरायाता स्व अरतर् のはかれています。といればいるないといいないとうないできているといっているという लर.प्र.स्त. कुर्यं दुरस्ट्यायक्षेत्रायाता क्षेत्रक्षात्राच्याताता विद्यालया या मिलाकाया मक्षेत्रकारीया मुर्ग्यस्य क्रानेकार्य रयर ... サイスを出て、見ていまり、あためとかかいない。おからない、人はないからか、まない यादाः स्ट्रिया या दूरमदायायां के त्रामा मार्था द्वार में मेरिकट उरायरायम् । याम्भूयायाः असम्बद्धायाः स्वीयनायम् वार्यः स्वायार् दर्भ न्यस्त्रीयात्राहरूत्यार्थ्यस्यार्थ्यस्य वर्षस्यः द्वास्यात्रास्यात् स वरर्रियाकार्या रेस्स्यान्या रेस्स्यान्यास्य म्यान्यास्य स्थितास्य स्थाप्तास्य स्थापत्रास्य स्थापत्र स्यापत्र स्थापत्र स्थापत्य स्थापत्र स्थापत्य स्थापत्र स्थापत्य स्थापत्य स्थापत्य स्थापत्र स्थापत्य स्थापत्य स्यापत्र स्थापत्र स्थापत्य स् उद्दर्शनात्त्रकारा द्वेयाचेरावरेरावरे क्रियाचेरावरेरावरे क्रियाच्याच्याच्या रामा टक्मान्त्रेया द्वाराम्य वार्षात्रेया रामान्य वार्षात्रेया वार्षात्रेया वार्षात्रेया वार्षात्रेया वार्षात्र

2 Feeth

, 3 में करम

उठ्या । रार्यक्षेत्रहर्यक्षेत्रवातासम्बद्धारम्य स्वात्स्य स्वात्स्य स्वात्स्य स्वात्स्य स्वात्स्य स्वात्स्य स्व गुरा भियारी ...ग्रमानिस्यपरास्त्र्रां या रार्ट्सिमा स् वेरम्या ...यरतिस् यर्रायार्भम् म्याने माने का अति यर्थायाः स्मार्थायाः स्मार्थायाः स्मार्थायाः स्मार्थायाः र्तिकृतिका के मार्वे मार्था के कार्या के मार्थिक के विकास के वितास के विकास रायु रवया द्वीत्या रे ये ते या तर्वे या त्वी की क्रिया तह सामी दे यो तरि सहस्र के स्थान वर्षाके परे में का की हा नरे हिया हुरका को एक सामे कहे हुन इ.प्रा.इ.प्र.इ.प्र.क्ष.प्र.दूर्व कार्याया यूर्य्य स्थार्रहा यद्वा क्री भीक्ष्यस्यास्त्रारा एक्रेस्ट्रेयला इंस्ट्रेस्ट्रियलास्युयद्यद्यस्त्रीत् थे.. सम्तर्येतेन्द्रप्रें र चयः क्रीयष्ट्रता स्वेत्रस्र्येर्यतेन्द्रस्येत्रातेन्द्रयो सर्। र्युरस्थितारान्य्यायात्यायात्यायात्यात्यात्रात्याः स्रोते स्तर्वात्यात्रात्याः प्यर्त्यक्त्रात्रस्य स्थार्द्द्या राज्यात्रस्त्रत्ये स्थार्थ्यात्रस्त्रत्ये स्थार्था विद्या श्चिरमाम्येत्रेर्यत्यत्र्र्रम् अस्य स्वर्षम् स्वर्षम् अद्भरकोत्यर्षात्याः स्वर्षे नस्यतिस्वेतररत्यान्ति द्रा द्रिक्तर्यान्ति स्तिन्यान्तर्या अक्रेत्ररे दीभारे असे समाम माना रमात संतित्व के निर्मा के माना में भार ने इक्ष्मिकामा स्रवंदर्देवयात्राच्यास्या जैसाववाद्राक्षेत्री म्बर्द्धा रकाक्षिर्दिरम्यर यात्रास्य स्ट्रीर स्रोत्यास्य र यक्षेत्रकर् स्थारित्या। देशतकर्त्यास्ति स्थार्ष्ट्रियः। प्रत्यार्त्या मुद्भार में हैं होरा १० में सेर जंसायी रेया वेसाय सरी संस्था सी बरेगा पक्षित्रहें रेन्डिं स्थिति स्था नर्रे त्रकार् त्रे क्षिया कर राष्ट्रिया म्यार के उरक्षेत्रवेत्रकारा समे राज्या द्रम्यकारोय में रेमरे में प्रतासामा क्ष्रीयरकार द्विक्रियुक्षायरकाकाष्ठ्रराज्यसा रक्षिक्षराक्षरा इसा देवसार्थः रेयारारमधार्यरेरायसभा। केरासायमास्यासमार्थिकारा र वयकारीद्रमाम्मम् क्षेत्रात्मका यात्रात्मा वर्षा वर्षात्रात्री यहित्यमा यात्रीत रस्टर्स्क मसूक्ताकृति खरावहीदकाहोरा। द्वारक्ष से देशकुर्वकाहीराचाः おかくるとうないないがようとうかいい、いまたかっかいとからいかい द्याकाम्त्रारा स्वारम्याकास्त्रास्त्रास्त्रात्तास्त्रात्ताः महीर्डे। युर्र्रारणर्थर्रम्याक्षेत्रकार्यक्षेत्रकार्यं अद्वासार्थे स्टिश्या क्षान्यन्त वर्ष्यम् स्वान्यम् स्वान्यम् । वर्ष्यम् वर्ष्यम् स्वान्यम्

13)

कर्र्य हर वश्चरा होने चार्यकार केर्याहरा क्राया विद्या करें यात्रास्यात्रीत्रार्शक्षेत्रात्रेत्रा क्षेत्रस्य स्थान्यात् महोत्रस्य स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः के. कुर्युक्तर रामका देशका अर अप अप क्षाक्री ग्रेट्या कर जिर से सुरी मर्द्राय्त्रें। सरमायत्र व्यानित्रेत्रात्र त्या न्त्रियात्रा いこのならいばく のかまがらのないないないないがらし をずなんない यहे नेकारर वस्ति सर्वाता चीरा रे केंद्र की नक्षासरी यात्रा सुवन सर्रा इर्स्यास्य अर्थित्या स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स् स्या श्रीत्रेम्स्य स्याम्याम् राम्याम् राम्याम् राम्याम् राम्याम् स्याम् कुमा मुक्तम्मर्वस्याम्भाक्षमा सम्भारम् स्थारम् स्थारम् इर्डेर्टिस्य अर्था देश देश र्रा वर्षिय रे स्था रे स्था रे स्था रे स्था राज्य स्था है स्था र हिर्देशक किया कर संस्थानी दे देनाता त्रिते वेसा सहिता है। देन क्तामा क्रिक्त देश्या देश्या देश्या क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त देश क्रिक्त सम्मा साम्रा साम्या साम्या स्ट्रिस्ट्रेस्ट्रा र्या स्ट्रिस्येस्ट्रिस्ट्रा स्ट्रेस्ट्रा स्ट्रेस्ट्रिस्ट्रा स्ट्रेस्ट्रिस्ट्रा स्ट्रेस्ट्रिस्ट्रा स्ट्रेस्ट्रिस्ट्रा स्ट्रेस्ट्रिस्ट्रिस्ट्रा स्ट्रेस्ट्रिस्ट्र्र्र बंदाक्षर्भेत्राक्षर्भेत्रे में रूर्रार्भ मीसम् दीतालार्या में में होता महीता स्वयार्थितार्थास्यास्त्रात्वाद्या स्तियात्यार्थस्य स्तिव्या रेंदैवरक्त) देत्रकः मदादर्वात देवाक्तीका देवा रे देवाका क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या केष्णाकारदा यत्रमद्भयाय्यायायाद्यीतार्यमारदेववार द्राद्रस्थ्रदा इ.लुक. इन्छता क्षेत्रे याल्येत्रे स्थाप्त द्वारा स्थाप्त क्षेत्र स्थाप्त द्वारा इर्न्स्प्रिया कथा। रचकर्र्य्य कथार्ष्य क्रिक्स्य क्रिया मर्नेन सर्माय दरहरा रे स्थार के मार्थ विष्य मार्थ मार्थ स्थार है के रा सुना के जारा दुन्य खराया की सानदार है राज्य सक्षा का प्रस्थ पर कार्य पर दे रात इन्त्रिक्ता, क्रानियक्रद्रति अत्रेश्च का देशका हुमाय क्षा क्रान्त्रेभका देश 少年をあるいってはないである。 あているたちはおればられるのかれるとれるよ मुर्देश स्रित्र त्रा वर्षा क्षेत्र राष्ट्र का स्वार का स रक्षका इस्रेश्रेर के का निर्देश राय दे रक्ष मान् के राय के राय कर र सरभराक्षे.रं.लाक्षाय्यरं सूर्येत्याव्येत्यत् यह यह यास्याय दे वेत्रास्य क्रम् स्राप्त में स्राप्त कर्ता कर्ता क्रम् स्राप्त क्रम् स्यास क्रम् स्राप्त क्रम् स्राप्त क्रम् स्राप्त क्रम् あ、山はめ、ち、くりと、大くなく、沙女」か、ち、おおいてが、こかなか、からし、からべて 

। अदिभयः हे स्त्रवाञ्चा द्रव्यक्षारे से से से स्तरा वेका। मञ्जूकारेन्त्रका देश्यर्त्तरक्षित्र्वाराचा अत्वरेनवित्रम्यदर्त्याया सर्देश्वाय नेवद्वायययकाया। रक्षाय्याकारा रक्षायाकारा विवेषायीयविष् यक्षत्रभेत्रस्य देव होरामीला वर्ष मे प्रकृत्य सेर्प्य सेर्प्य सेर्प्य सेर्प्य क्रुन्न अर्थर सम्दर्भन वर्षात्वका र मित्र क्रिन्न सम्दर्भन वर्षा र द्रे तकार्रेस्तानिक क्षेत्र के स्वीतिति है । की वेर मुख्या करा माश्रुवान रही सामर की सामर की सामर की र्शस्य स्ट्रार्क्रिके केर्ने विकर्त्या रक्षा कराया सामित के केरा कराया सामित त्रिःसूत्राक्षत्रकतरामान्येषाकराम्या कासरहरूकरमद्येष्ट्रा रेप्ट्र मर प्रस्थान के मर्म राज्य त्या वा त्र के त्या का वा विकास के त्या के वा विकास के विकास के वा विकास के वक्ष्यादेन योग्यायसमायक्षिताकात्याद्वा रेप्योद्यास्यद्वार येष्ट्रवर्षा स्राष्ट्रियमाता रमगार्यम् तथायवर्षि तथायवर्षा तेष्रमायक्षा रेत्रसुर्वेत छर। दररमंद्रम् मणन्। छिद्रप्रकृतिमास्यक्ष्यास्यक्षात्रेता स्थार्थ्य में वामकारोति वेरमाया। दमार्थे स्थितर ब्रुटा में दर्ग वरर त्रकारा केंद्र तर्बे का क्षेत्र के कर रंद द्वीया कर कर के के के के के के के के カマガ・スションス・カーガ・カル・ナット・ナット・ナター・ナダ・カカ・ガラカ・ガラカ・ガラカ・ガラカー・ स्रह्मास्त्रात्रा रचेत्रयां हित्रकां सी में में ने ने ने ने ना में का में के में में में में इस्रायमात्रा के.ब.इ.इ.इ.स.म्प्रेन्ता रक्षायात्र्र्र्यात्र्यास्ट्र उत्रक्षा रेक्ससरमर्यं मध्यक्षेत्र ध्रायाक्षेत्र स्थान्ये व्यासराराध्य अस्तर्रत रम्भण्यात्रवत्रविद्यत्रस्त्रियः रक्ष्रित स्रक्षेत्रर्थः क्षेत्रार्थः व यरस्टेश महस्य मान्याम्याम् स्ट्रिस्य मान्याम्याम्याम्या र्वडरा मज्यस्यर् ड्रस्यरा यदम्स्रिक्ता をかっますないというはないしませいというないないないないないできますが क्रीका द्वाराखन्यका क्रिसरकायरे क्रक्रेयके रायाखन्यकारी रार्त्र रममार्युव्यक्ताः व्यक्तिर्त्रे मास्यान्यस्य रहेत यास्यास्य स्थान्त्रास्य स्थान्य स्थान् श्रित्रेत्रत्यराक्ष्रहेत्रा यूर्यर्भे त्याराक्ष्रहेत्रा यूर्यर्भे त्याराक्ष्रहेत्रा द्यार के अधियासका मानवाकीत स्मार्का वर्षेत्रको अस्तान्त्र वर्ता वर्ता समानवित्र म क्रेन्जुर् नावस्यतिरिक्समत्त्र्वाराव्या रेन्स्यात्त्रान्द्रार

izet e

यास्यान्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र かしないとかよからまたし まず、だいい、よず、生はないでかいるかい あず रार्थिकार्थ्यास्त्रस्यात्त्रात्रा स्थानिकार्यः साम्रास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त とあるかのはないのかし、あかがままないないないかられていまない」 स्यासित्राक्षेत्राक्षात्रकारकारम् स्त्रेत्राक्षात्रस्त्रात्रस्त्रात्रस्त्रात्रस् यात्रार्भ्यात्रे देश्वाता देशवाद्यार का के अवाद्यार की दावा । रणातीस्त्रिया स्थानिता स्थानित स्थानिता स्थानिता स्थानिता मर्म्स्यान्त्रेराहरात्रेरात्राह्य ब्रोरकरोत्रोत्राक्षेत्रात्रेरा स्वानदेक म्यार हिमारहमार्यस न्यार निया में स्थित हिसा स्थार ने बाद छ. रर्का में मेररे लार र रयर का का मर्म मेर मेर परिया पर्या करे कीता को के मेरी के बाबर के मेरिक कर कारी रामेरिक यूर्या अरक्ष मध्या व्याका मध्या १ दर हो वा ११ सा में बा बरेंद्र विका । यूर्यो मरका हो। वयाका यह सारवद्य व्याप्त व्याप्त विकास य मामानिक माने कर्या क्षेत्र के कार्या क्षेत्र के कार्या क्षेत्र के कार्या क त्रमालाद्रांद्रमात्मास्मात्माद्री राष्ट्रामीयद्रमायात्मित्रीयात्मा というからかだべかべく イカイスの一大変ないできるいろう किन्द्रस्यक्षराश्ची यस्यस्यक्तिस्य स्थान्त्रस्य स्थाना विद्रत्यम् ययाताली लिला करेर दरायति दे ख्या य्राय प्राप्त व वर्षा याति उर्यक्तक्तिक्त्यात्र्यक्ष्यात् क्रम्यक्ष्याः क्ष्यक्ष्याः वर्षेत्रः वर्षेत्र मानेत्रामान्यरणात्मेत्रामा। यरदान्त्रमान वान्तर्रात्माना मान्वत्र ある、かっかっていないなんない स्रे स्रे कुर्मा क्षेत्रीता राजवंदार मुख्य खुर्ग राजेर वर्षा के वा स्रे रें र वर्षेत्र का यात्राक्ते वर्ध स्ट्राम् अध्यात्री । त्याक र्वे के से स्ट्राम केर केर र् ने म्याप्ता कार्या कार्या कार्या द्राया द्राया कार्या म्याप्ता मार्था इ.क्षेत्रकृता १८८ हर्षया का में का काला के बर देश बर य श्रम य लूद्र्र संद्रभूद्रातिर्वासम्बद्ध्रात्रेर्वार्त्र्रे त्याचलर्त्यार्वा संक्रिक्युक्रम् マンガー、至いしてはなるとうかららら、ういないという。またいのかんで यकार। केर्ध्यस्य रास्त्र्य महित्रत्रा श्रीरास्तरावर्रास्त्राताला स्व यलमार रामकार्यर्भे हार्याने वर्षा वर्षे स्थाने हार्ये हर्

/ तम्ब

ने में बड़े में रहे

3 z

लंद्राह्मारा संदर्भ श्रीट्राह्मार के सार्थ स्वर्धिया के शास्त्राक्ता व्यापायायायायायायायात्राक्येत्राक्यात्रा र्याच्यायायायायायाया र्यम्भक्षम् क्षिया। दक्षेत्रं देशकायाम् अत्याक्ष्या दक्षेत्रं दक्षे निर्याप्तराधिकात्रात्ते विभानेर विश्वानिर विभानेर विश्वानिर यर्राक्चित्वक्र्यर्थार्यक्तिस्येश्वर्यायायस्यर्थायाः स्वर्यास्य र्योत्। तरेनेरेन्द्रेरकावियान्यानेरावहेन्यक्रायस्य स्वीतिक्षितार्द्वेरत्त्र् देरेनाज् द्वार्यस्य सर्वाकारा यदास्त्रीय व्याद्वा वेद्वेर देश्वे वास्त्र स्वीतः न्द्र स्रेर्रर्भिक्षायाव्यात्रस्क्रिवस्यायात्रस् सर्यान्य केर्द्राया कर्राया रहत्या यह मार्थित कासी निक्या रहेत् से मार्थित क्रिया वर्षे र स्थान स्थान स्थान ज्यासाम् कर्यक्षर्यक्षर्यकार्ट् हियात्क्रास्क्रेम्सान्यरास्य स्ट्रियात् स्येरमास्यान् द्रान्ता वावम्याद्यम्यान्यम्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य रक्षक्रियाम् केर्या स्वास्त्रीया त्यामार्यस्य स्वास्त्रमा हित्यास्य स्यायमान्यात्या द्वानां स्रेरे स्रेरे स्रेरे के स्थार्य स्वामान स्रेरे स्रेर एकामान 型上型、あられらいないによって、あれ、上局で、イン、かかいから、くなかをす... पर्ता चर्ताति स्था स्थार रेट्र रेट्ट्र रेट्र रेट्ट्र रेट्र रेट्ट्र रेट्र रेट्ट 其かからからからからからないないないのできる。あれるからいままれる なかがらなったとうといっていることにいることがあるというというというというというと र्यराकुर्। राष्ट्राकाराकुर्यक्रिकाराक्ष्यकाराक्ष्यक्षरा की भेक् या त्याया स्थाया । देरायर की स्थाय हो या दिवादा रही स्था विदे मार्सेर्यद्रभयोत्मयंत्रार्था यास्यंत्रं देश्वेत्यक्तियः द्रियः द्रियः द्रियः द्रियः द्रियः द्रियः द्रियः द्रिय 4 Schot यमाराम्यामान्यास्य स्थाने स्तुर्धिकामान्यद्रमान्द्राम्द्रामान्द्रा स्वामानानुस्यान्त्रा लर्स्स्ट्रिक स्थाने रमर्थे र विसा नर्स्ट्रिक वर्षे विसा भरंभिंद्रं भाष्ठीयभारा सिंद्रा स्टालका के मास्य स्वरं या के देवा स्वरं स्यास्त्रीत्यास्त्रास्त्रीयास्त्रीत्रास्त्रास्त्रीत् रकात्व्यसायास्त्रयते द्रात्यानस्या वर्रा देवलाईलरास्यर्राहेत्र हेराहेरा देर्राक्षणां केर्ने वालका हराहा यलकास्त्रितारालकातास्त्रितालात्त्रेतातात्त्रेतातात्त्रेता र्रेस्स्रेस्स्रेस्स्रेयमात्यक्तस्यना यावस्यास्त्रस्यानात्त्रेरा ल्युन मिर्या वात्रा मार्थिया सार्थिया स्था के स्थित से सार्थ सार्थ मार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ स

1 द्वा । युक्त । युक्त वर्ष के कार्य ता के ता त्वासा द्वारा वर्ष द्वारत त्वा क्षिक्रमा अत्रक्षी विवसार्या हे स्वास्यक्षा स्वीतिक विवस्य स्वास्य । त्रास्य का नेता व रेंद्रम्य की देवा नेता के का का माने के बेद्र के के देवा है था। जन्म मार्थितया विकास सामिता कर्मा मार्थित कर्मा मार्थित कर्मा मार्थित कर्मा मार्थित कर्मा मार्थित कर्मा मार्थित मास्मित्रास्त्र र रेक्स के नेर्य दे हुई एक्ट के महिला है से हैं के स्वास्त्र के महिला है से कि से महिला है कि ³वाक्षेत्र रामस्यभाराका। देसं इ.सि.इ.सि.इ.स.स.स. वे.विकासंकी देस्यर्स स्त्रेलकामा वर्ष्यरप्रदेश्ते स्टब्स्योधेनेकामात्या वर्ष्यर्र् चर्च्या चर्ता वर्षाक्षेत्ररेत्यावत्रयारायाकः व व सरमायद्रितः ब्रिंगालद्र। अयव्यक्षायद्वयः क्रियाक्षेत्र्येद्र। देश्यादायाक्षेत्रयः कार् 等色之事的西北西北西北京 大大学中国中心大学的中国的中国大学的 अस्ति स्वतिक्षेत्रः त्रिमा क्रियात्रेत्रः क्षायात्रः स्वत्यात्रः स्वत्यात्रः स्वत्यात्रः स्वत्यात्रः स्वत्यात्र इस्र माराज्य में कर्ता अका अवदिस्य स्था का ते विद्या ता । को अक्षा हिना की かれはないないないます。まてないが、なみとうなべまって、はないないからい ·美文型的 或是正位是型如小 少生如何大生如子的子的一直不知的一种如此也会到小 कुर्र में या का यू पूर्या दिका ने से देर हैं। दर हिर हैर देर का रामा। यह र हे में की को रामा 四日本大學大學大學大學大學大學大學大學大學大學大學大學大學 र्स्ट्रेर.की.। रमयाहास्त्रं वं एत्राच्यायात्रायात्रास्त्रराचराव कुलाका लेका संख्य おくというというがかかんとうないなって、ようないというとうとうとうないない उठ्डाक्त्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम् なるからから マンとないはまたことになからいないなかないなられていてなかってん अयकार्र स्थार्य त्रा त्र में केवाका रार्ट केट सार्ट्र ता स्ट्रिंट मी सार्ट्य माना स्थार सी ६ वर्षतासुरः। सल्तुद्राम्द्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्याद्रयान्त्राद्रयान्त्रम्यान्त्रम् केरामुक्तिद्वास्त्रम् मुख्यान्त्रम् स्थानस्तर्भात्रम् द्रम्भितस्तर्भात्रम् र्रुट्रियुक्तिः स्वर्यस्ट्रियः। क्षेत्रक्षायः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर् पर्वेक्षक्षित्र मातास्त्रेत्राद्रात्याद्रात्म मायास्य व्यक्तिकार्यात्म स्ट्राह्म र्यासमाम् क्रियार राज्याका में या माना में समामा में समामा में के किया है से क्रिया में समाम में समाम में समाम कार्यास्त्राम् स्वितास्यास्य द्वार्यास्य द्वार्यास्य स्वर्धास्य विकार्यास्य द्वार्यास्य

単いいいストスメンシュキ・ギンさってい、さいひとはたらせいできったとう。キャ・

म्यास्यास्य स्वास्य स्व एक्सा के बुबा रहा रह से राष्ट्र मारा माना माना माने राष्ट्र माने हो हो हो माने होते. र्रम्यास्त्रस्य विकासीयम्या नेर्या कर्या मन्त्रस्य म्या मन्त्रस्य कर् かか、はら、うかがか、あれて、ころのようとうしてかかったが、ないからかい。 मै.चट्रया.चेल.स्ररंत्रतंत्राय्त्रंत्रं र्.हेश्रारहेय.सेट्रहेटियाररंत्र्ये. र्श्तेका यहाया ग्रह्मा व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था मूर्यार्थर्यरक्ष्यं अञ्चर। हेर्रास्त्रायः के तर्वर्र्यम् क्षास्त्रायः स्र र्तुभे,रा.डि.स.सूर्राताका प्रकास इराइम्ड्राइस्यातमका समा स्रीर रू. १ क्रिया भूमित्राम्के मान्ये वादावाद्या क्षेत्र हे ... स्टाम मान्ये स्वया द्वार 我也去如此道是我是本人本不管不好不好不好了到,我也不会是我也就是我 ないないくって、おっているのでは、これできないとう。 あっていかってあれるという。 क्रीत्रे प्रस्थानिया के रात्रा मार्थिय क्रिया क्रिय क्रिक्रम्भेस्त्रेत्रे क्रिक्राक्षाकारणक्रियेत्र क्राल्यक्ष्येत्रम् 高、知道出土业、出土的大学、一部中的大学工艺工艺、工艺、大学工艺的 था। चरता से मृद्धायलका डेरार्टरा मृद्धाय का मासकार्टरा विसेश है एड्न ख्रे.र्ट्य अपूर्त र्डे इंक इंक क्रिया है। क्रियं रहेर क्रे क्रियं रहेर よくよれが、とうか、よく あれなんかのままかればないがられる यथः उत्राक्षत्रात्रहेत्रायात्रया। द्येत्रात्रात्त्रत्याः रेवेत्रात्रात्त्रात्रात्र्याः त्र्याकुरा कार्यस्य स्थान्त्रेरा केलान्त्र स्थान्त्र विद्रा लपुरा जंकातात्र्यस्यत् विगर्यद्वाराद्ता निस्त्रके छे रयरस्य नेर्र おもって、ませいが、またメナナ」、生、コナランと、これ、とうから、からかいし、ころからい 与子女的一只是我们的我们的我们的我们的我们的我们的一种是一个一个人的 तक्षान्त्र विराम्प विरामान्त्र नेत्रान्त्र नेत्र नित्र नेत्र नेत्य नेत्र नेत्य 

きょく しふきん ヤサイナからから エイタカ・ない かんかいしんせい とうべ क्रियापारहरा। कार्यस्यारमान्यात्रा मा। वस्याक्षाम् रामाध्या ह्यादेशा करार अग्रविद्यार दरके हिकार होर मेर केर वर्ष सकार प्रकार カルションをなったなからかって大大小できたいから、またられて、イン・ストイン シャンサインシートライ 大変をからがまれていたまたからかいからます からからかかん (क्रमात) क्षित्रकार्माकीकार क्षित्रकार्मा क्षित्रकार क्षत्रकार क्षित्रकार क्षित्रकार क्षित्रकार क्षित्रकार क्षत्रकार का क्षत्रकार का क्षत्रकार क्षत्रकार का क्षत्रकार क्षत्रकार का क्षत्रकार का क्षत्रकार का क्षत त्रात्र्रेत्ररामणा क्रमाके क्रमाने वहार् रह्मा स्थार्थिक क्रमान वर्षे के हिंता されるなべかってからかけないかいなとれるとうできるかれるととなるという महरमा रेत्यालेत्सरहा रिक्स्य में स्थान में स्थान मास कर्या स्थान स्थान सीस्टेररम्स्टिररम्स्टेन्स्यर्थन्यात् द्वर्रम्यर्थन्यः हेर्त्रम्यात्र्यः हेर्त्रम् इरम्यासने क्रमें द्रा वरकेया साम्यास्य स्तर्मे । द्रा र्यास्य असीत हित्रस्थितः नसम्बद्धत्रम्याप्याः द्विम्मूस्या नर्यस्तित्वयायस्य वेदरन्यः कर्मित तरीर व्यर्भिने हेरिहिल्युव्यर्ग व्यवस्थान व्यवस्थान ं नेतर्राचित のからなが、まならいかれんかったとうとれたいろれからかれれるころのでまれ क्रिन्यक्षिर्द्रत्यराक्षेर्रत्येक्षणक्ष्यात् । अक्षास्त्रकेत्वर्त्वर्त्तर्त्ते सूर्यास्य प्राप्ता विक्रियात्रीय स्थाने स्थाने स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय いるとうだっていますがないましていいとうないできないできないないというとうかってい あるないとうないかがっていまするとうというできないというというとうなっているとう सके वसेर्रार्भ सी राष्ट्रसासका त्यांक रास्ट्रार्भ रस्कार्य समेर्वा कर् स्यूक्तिक्याक्षा वयामास्याद्वात्राद्वा श्रीयाद्वात्यास्यूया म्ब्रिंग तरेलेम्लर्मस्यम् द्विमा रेक्रेमनस्मम्बर्भक्तिग कुर्मा मूर्कियायमारक, कार करत्यक में कु जी कका क्षेत्रत य कर क्षेत्र के के के क्रियात्वरुरमा क्रिक्षक्रियक्रियक्रियक्ष्यक्रिय श्चीरा जलासी रहें रहस्केसरहेरासी इस्स्रिक्स के रहे ग्लाविद्रा वं स्रायास्यास्यास्यास्या रच्या रच्या स्याप्तास्यास्यास्यास्यास्यास्या ह्यान्द्रद्रम्यान्त्रेर्द्रम् मेर्द्रम् मान्द्रद्रम् मान्द्रद्रम् मान्द्रम् मान्द्रम् मान्द्रम् मान्द्रम् उम्बाक्षितिर्द्रात्र्रत्रास्त्रूर्मान्त्रदेत्या। विकत्यद्रार्याः दस्यादेवस्यास्यास्य क्रिंद्रम्ये के कारा में द्राया तर्देरहमा त्रमा क्रेंद्रमें तह्रमा द्रमा सुद्रमा तर्वरमा क्रार्ड्स्क्रिल्ट्राज्या देन्याकाकात्रेत्राक्ता मुख्या मुख्या र्भारं क्ट्रिक्टाराव्या वस्त्राचार्यात्या रस्यान्या

युका

4 Eay

२.चर्यायाण्यात इ.का.प्रांड्रीयाच्यात क्षेत्राक्षात क्षेत्राक्षात क्षेत्राक्षात् । व्याप्ता ग्वस्त विकासीर्द्धाः स्वास्त्रस्ता व्यास्त्रम् स्वार्वे तर्द्द्राचे स्वस् 生のないからからまって、多からからないというとうというというとうとうとう いてき、から、後になっているというという、あるいできるというというとなっていることとと स्यासी तरी के जाते से यह देशा अस हिर तर् यह रे ते के शास के हिर हैं। स्वर स できないで、あいまなななないのなるながある」から、これをあるとうでできます。 かられる。それでは、からいいない、からいのは、れいというないのか、からにはなってる。 ですり、ちゃかなっていていているとうないとうまではないとうないとうできるからから क्रांदरेक्ष्रमञ्जरमा क्रिक्ततेयक्षेत्रः क्रिक्तम्यक्रिकार्यस्य कालाकारादेशताथरात द्वारामास्त्रेतेत्वत्याकोरत्याकेत्यक्ता वस्यक्ति वात स्वारं नर्ता स्राप्त स्वारं निकार न्या स्वारं त्रिकार स्वारं स्वरं स्वारं स लुमा द्रमत्मित्रम्भान्यावर्षात्म् इस्मर्यात् सास्रोहेस्यत्म् वर्षा यद्माक्तियक्ष्यात्र स्वर्णात्रात्र र्व्याय्येत्रारः स्वर्णात्रेयः विका あっているですべいというできているいとなべるがからいっちんとというとうと यलकारान्त्रेता इत्यस्य व्यक्तित्त्रेत्र्या केत्राम् क्रियाम् क्रियाम् あるいられているとうないとうとうできたいかがっているから इस्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र हेर्या सम्मान्यस्य स्थान्त्र देवयाक्षेत्रम् या क्षेत्रार्या है। या सक्ष करा सार हो राष्ट्री राष्ट्रार्थित सार सार सार सार हो के हो राष स्रेरे संस्रास्यस्य वर्षाति। स्रम्रास्यके विकेररे रेरे ल्यानामान पहार ब्रायम्यानमा स्रीत स्ट्रियाक्षेत्रा ल्या रहेता स्ट रार्त्यहर्ष्यात्रेयात्र्यात्राकार्यया स्वाद्ध्या स्वाद्ध्यात्राक्ष्या राद्रस्य साद्ध्या इस्ह्रेन्यसम्हित्सा केर्यस्य केर्यस्यान्त्रमान्यान्त्रम् भिकायार्थेत्रा। भुःत्रास्त्रेरायार्थेत्रात्तेत्रकारदाक्षात्रेत्रकार ब्रोट्टरे मुन्द्रात्रात्येयाकाः ग्वर्रातर्गा स्वार्थरमञ्जानमञ्जासम्बर्धरम् स्वर्गा स्वर्गर्भरम् यरायर्गा। नावस्यात्र्रात्स्यं कासमायस्येष्यात्या। द्वायास्यात्र्याः ह्येरद्रेश उत्तार यास्त्रीयाहत्मरत्यम्द्रां सर्वेद्रां दर्शत्याम्यायास्य स्वार्थाः

२८। विरुद्धारा मार्केट्सियार्ट्यामध्यामस्यता दमयार्त्पुराखेवासारतारा केंप्र 古る一 द्रा क्रेयकार राज्यकार मुंकी कार्यका कार्यकार कार्य द्राया कार्य द्राया कार्य द्राया कार्य द्राया व्या लर की के के द्राय रहे तो द्राय द्रे के के स्वाद के के स्वाद के के स्वाद के के स्वाद त्यात्वक्रास्यायः वत्राप्यः व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य वत्रास्यके विकासके क्ट्रिस्थाता रर्दे स्क्रीरेक अस्ति अत्र अस्ति क्ट्रिस् विस्व विस्व विस्व या य्यक्षित्र के विकारिया किया विकार कार्य विकार के स्वार देशा दूर かんととが、かんだい、おそれがに、 まかしていませいし をまいが あり... स्याया सास्यार्यार्यात्राचेत्राते के स्था क्रिया व्यक्ते म्यू स्टाया विक्रि र्ब.र्र्स्ट्रेड्ट.क.प्रंहिकक्षी यसमान्त्रेस्या राष्ट्रिक्याताता अत्या म नारेत्र ११ PARIS S बर्गुकार्ज्यस्यक्षेत्रः चक्रियस्यस्यस्यस्यस्यस्य रु. अ. ता. । दर्ग क्रोर्,रबार्य, रुक्त क्रेर्य, रक्ष बारम्ये,यर प्रिका लेडे वर्ष. 6 नवरा) सीन स्कूरक्यसेर्ने तर्क्यकारी रेने रिक्रेस्क्रिय केरे कर्भक्त्रम्यम् कर्णात्रं रहेत्यं कत्रक्ष्यं कत्रक्ष्यं वर्षक्ष्यं रेहिल्युं हेर्नेर केर्युं क्षित क्षत्र स्रेतर्र क्ष वर्षित के त्या वर्षा र स्राह्म वर्षा フタワ रीतिवारा र्वाञ्चार्यस्य सम्मारक्षास्थितिर्धार्यरा द्रार्वर्यस्य कुर्मुअन्तुन स्थानकित्यदेवसार्ब्यूर्यसार्वकार मात्राक्षान्य हर्म्यसार्वकार में ए जया का ए । या वदा मार्केस मारामा यह मा बुरा में इस महा बुरा मारामा विस्ता में स्वरमा उद्देशकर्षः देस्यंस्यत्यार्थेयः व्यवस्यत्याः द्वार्यात्याः र्रास्ट्रिक्त म्स्रिक्ती यावस्य स्ट्रिक्तर एक्ता स्ट्रिक्त कर्या कर्रस्तात्रहरेरा व्यापिका हरेर्डर्डर्कर हेर् यत्यार्ते याष्ट्रां ज्या योदायः गुवा वेया देश द्राया याष्ट्रा याष्ट्राया वेया विद्या इंदर्स्ट्रहेट नेता हिर्दे हे त्या के खेर्य के लेंद्र के त्या के लेंद्र के त्या के लेंद्र ब्रास्त्राक्षार्यत्रा अत्यायकारमारमार्यार्थः कर्षा हरू। हरू जानमान्याक्षेत्र द्राचीता हैया ने विस्ताति है स्वर्ता विस्ताति है स्वर्ता विस्ताति है से किस के स्वर्ता के से किस इमम् दर उंद केंद्र को क्रियां प्रक्षिया अध्या वार्य राष्ट्र के बीचा रूमार्मामः स्वार्धर्मरामः विष्यावते स्वार्धरा व्यायाने र 

स्यावसम्बद्धाः स्रोर्ट्स्य द्वायस्य द्वा द्वायस्य द्वायः यद्रा स्रोदरीमानीसामीधीमा स्वासादर दर हर होत्रसाधीमा सर् यसिराया विवाधिरामा ववा स्वाना दर्ग रामराम हरिकी सि सि विवासि हि र्रायदेश्चिकायान्त्राच्यान्त्राच्याच्याच्याच्याच्याच्यात् व्याप्त्राच्यात् व्याप्त्राच्यात् व्याप्त्राच्याः व्य य.रद्रिस्स्य केला क्रिस्त्र वित्र हर्र न्याम न्या के व्यद् स्याम क्ये धास्त्रास्त्रकातान्त्रीत कारामातास्यातास्त्रात्ता शास्त्रात्ता शास्त्रात्ता मान्येत्रमार्थरमोद्या मरक्त्रिसार्थ्यायम्द्रम्या मर्गाः र्मात्मा राष्ट्रा वात्र काता होता वात्र में राष्ट्र का मार्थ यद्त्रेर्शिलायाः माम्यूर्मात केषात्रामान्यर्थर्थः केषात्राम् 到,对之,如此大量也,我们,在生人的人也是也,我是一个好好,我一个大 सर् केया स्वाप्तर स्वापार का खेरा देवकार का तम् माला र र स्वर इ.यधुस्ते ता हर्रा क्षेत्रक में स्वेद्र ने न्या है से स्वापा है से सारेगानीत्रसार्वेत्वरिवीपर्यम्। स्र्यायात्यप्रसार्थ्यस्यात्रस्य र्जानुभर्यास्य देश कर्नाने हरे से देन 4 Junisher लरश्रीतः संदूर्य देशकार्ययेत के क्षेत्रकार्य के स्थान व्यरम्भिक्ता स्रित्र स नाकी खनारी देश दे की अपर रहा में में कि को देश के की सूर्य का शिक्षा क्षेत्ररे श्रेत्रा सरस्ये में लुका यावका श्रीत्राता को माना सर्वे ये वा का यावक कोर्रे.। हर्रस्यावर्षेत्यक्रियाचा जरिर्तर्त्रायाचीत्राय स्रोदेन स्रोदार्ड्स्यान्यस्यान्यान दरीत्यायद्वद्यम्यास्यायदिन्द्रस्या ला. भारतेराता हो मेर्ड्या मेर्डियामा यज्याय होता रया है स्थि माम्बर्भारा इ.स.र.माकायाद्यानमार्थानमा वायाव्यास्तर् ते नार्क निर्देश अवतः सामानिक ना नामाना देवा । याकात्मारकार् । र्याका क्रियाकीर किया ये प्रकार क्रिया देश यक्तीर्याधीया दुरक्षित्रमयुग्नेम्याम् रहेर्वे की की वहर यार्थिन क्रिक्स क्रेन्स क्रेन्स्य क्रेन्स्य क्रेन्स्य क्रिया व्याप्त क्रिया व्यापत क्रिया क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रिया क्रिय क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय लक्ष्यरत्यम्यं स्रोदेश वेष्वनादुनास्यते स्रद्भद्रत्य कर्षेनास्य श्चिर्त्वक्रियम्यत्यस्य द्वारा द्वार्यस्य विकायस्य विकायस्य स्टार्यात्रास्य द्वार

इक्षा । बहुस्सान्यस्य स्वयः वस्तान्यसः। स्वरः क्षेत्रः द्वाः स्वरः र्चेष्यात्ररादरा सामक्ष्यस्य साम्राह्मसार्वे । देर्द्रस्य स्थाताः क्रर्वाह्मा न्द्रदेशक्रयक्षेत्रहेर्द्या। मानमस्यित्रहरः हिमापर्हितरदर् क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया ्रेश्यात्यवष्ट्रमा स्ट्रेश्वा वर्ष्ट्रवा स्ट्रिया। त्र्ये सन्द्रम् द्रेश त्रा व स्ट्रा र्रर्रे देशकार्क का तर्या। वलाटर्या देश वर्ष के में देशका वर्ष कर् स्यान्तराता। कार्यायक्षास्त्ररमाविषार् नुरां श्रीरात्रास्रकारायात्यस्त्रीत्याः ८स्। भूकरभ्रे दिस्कार देवा कर्रा रश्चर में रक्षर र कु व अवसा देव. इराकारकोराकार्या द्रार्थितकारा खंद्रकारा खंद्रकार क्रिया सारायहर हेना द्विरा । र्ण्यक्ष्या वर्ष्यास्त्री स्वर्ण्यक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्षयः स्वरं स्वर्णक्षयः स्वरं स क्रार्ट्सि स्रद्धिक इस्मिन्द्र स्रोम रकारद्दिर हिस्सि इस्मिन्द्र सम्प्राधिक इर्.यो.य.भवका मेरासूत्रा, हैर्य हैरा में कथा कर देवीर प्रवास से मेरी रहा हुई मास्तित्रे भूत्राक्षा त्रम् स्राप्त्रे स्रम्यस्य स्यास्त्रास्य स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते ふっとがより ヨニをですべきとろいかし かいとうだられるとれるからな स्यास्त्रिक्त वराके वित्रमुद्दा वित्रमुद्दा वित्रमुद्दा वर्णास्त्रिक वर्षा स्त्रीत स्त्रीत व्यास्त्रिक वर्षा स्त्रीत स्त्रीत वर्णा स्त्रीत वर्णा स्त्रीत स्त्र म्रेस्ट्रेस्ट्रें द हिंदा व्यद्भे भेवर वरहे बेग्रेट्रेर वर्षे युः क्रमा में बुर्देश्चर हिन्द्र अस्य द्वारा स्ट्रा स्ट्रा हिन्द्र स्ट्रा हिन्द्र स्ट्रा हिन्द्र स्ट्रा हिन्द्र वेबाररारवाता रमजारवर्ष्यम् मर्द्यकः तत्यात्रकारेन वर्षराभपसूत्रितः क्षिक्षकारा राष्ट्रसम्बद्धकार्यकार्युक्षकारा सीरम्बिक्षकारीवयुक्त デュアンスト メング、ことが、ことがナナナンかく あいかがからまながかがって あみ अवस्था प्रकार स्थान स्यान स्थान स्य है केवाहवा कर्ते। केर्स्त कर्म रागिया ध्यारिया केर्या केर अस्तिक्रार्थकार्वकार वसाल्यास्या दुर्ना अंदर्श के स्वास्त्र के स्वास के स्वा मकावत्रम्हिरा पर्तम् संस्थितस्य कात्रिकी कार्यस्थान यत्रेतरमकाद्येत् ब्राक्टिर्सी ह्यूरातकामरकका नाक्षेत्रम् स्ट्रास्ट्रास्या केंकार धुर्खेष्ट्रक्रा इंडकार्ड्ड केंद्रक्र क्षात्रक्षा क्षात्रक्षा केंद्र हैर से पर्ड हैर

क्रम्मन्त्रेद्धाः स्रे इ.अ.ज.च.एरःअ.ज.दूर्। क्राप्ताताः

क्षेत्राक्षेत्रदेशस्यवा स्वयक्षेत्रस्य वरोद्देरकाम्साता नामसानित्यप्रयोग उर्वेशक्तिया वरक्षरायात्यात्रद्वियात्यात्रस्यात् वरक्षेत्रस्यात् उद्यान द्र्याक्षात्रका विद्यान्त्रका यात्रेत्रात्रका याः 当から、かなるなどからはあい あっかっているかっているから かれかっ स्यान्तिकराव्या अर्धितावलाङ्क्ष्यर्भात् रहिराक्षकेतितावहितः सहरी रेनेक. सुनंदर सेद्रस सूर्य सुनंसर संदेशन यालक. का हरी ヨルヨウン・オリス・マクン・メハンサンノ スタ・ロッカンカン・カン・カン・カン・ र्यस्यात्वे मार्से प्रस्तात् पा न्यम्यात्वे मिन्न स्टेश्वर् स्टेश्वर् देवर はなれる、ものできる。これをはないというはないしてもになっているというないできる。 न्त्रकार राष्ट्रास्त्रहेराक्षेत्रकार्यस्य वर्त्ते वर्त्त्रे कार्यारेयस्य कर भी नेत्र वार्ष में मुक्किका रात् सावकरित्य के के विकास हिंगा दसका イスダーナーサインといか、中国をあるかり、シュターボインできまっていまっています。 उत्रक्षरदे। इत्रे ब्रुक्षे हुर्य दुन्य दुन ह्यू रे लुई। दुन्य व यासिरनका लियाना रमस्रिक्कामण्याकरित र्यंत्रक्ष्यां स्टिकाम् म् न्याम् राज्यसायायत्यस्य राज्यात्यम् । -कुलार्यक्रक्षक्षकार्यात्रम् मेन्द्रा म्यावन्त्रम् म्यावन्त्रम् चलालेसा सरेयारा रेसालाप्र इंदर्स सार्ट्या के स्थित करिया यार्थेसा रहुसा स्रामा द्याया द्याया हर्त्या स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स् द्येत्रकारः। सालस्याक्षकार्वस्येत्रेस्तार्वदः। द्रेत्रकार्व्येत्रार्व्ये 例れないあいらいれたらいちないし あからきょうかいのかがんろうし もちかかっかっ कर्रे के अपूर्ण प्रवेद मेर के क्षेत्रका है लाद करिए। स्मेर्ट देख है कर है देख है रदरक्षमाद्वरिक्षात्राचार दरवसमात्वयाद्वरि स्मात्रिका हिमानेद्वर いいかは、またいからは、からかいかい」がないかっていることでいることでいる。 केरिक्ते स्थितरसंबयका इत्रिक्त्रराक्ष्या क्षेत्राक्ष्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्ष ます。となるとなるとなるというないできょう。 コントンことが、コスコンデストライ・ まれあるが生いるいとうとなっているからないなれているかられていると 百年的知识,以外就是是我的人的人才的一大的知识,不可知是不知识的人 लक्षान्त्रात्रका त्रिक्तरम्द्रम्यक्षरमेन्द्रत्य्वर्ष्ट्रव्यास्य प्र. दे. देन र से या. क्र र में का व का का सार अपने दे अपने हैं अपने के से स्थान के से से स्थान के से से स्थान に、大きまる、はいないないないないまであり、からのままさからあるかいあいましている न्याका स्वत्यात् । बुक्के के के दे के क्ष्य र तरि शुम्बर्थ के न (क्रीवः यातिवा वश्ववः व

1236

्यता ब्रिस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रे क्रिस्ट्रेस्ट्रा ब्राह्मस्या कार्यान्द्रसम्बद्धाः विद्वत्याक्ष्रेयान्वेद्रसाम् विद्वत्याम् केर इन्द्रका०सक्त्रक्रकाराक्ष्यकार्ष्ट्रा क्रूरक्षरक्ष्रिकास्याकाराम्। १०का रेनक्र क्रेन्स्र रहेक्स्यर्थेया क्रेरकेर्द्र क्रेन्स्र स्थिता क्रे (\$ a) 5 要如本大學。 है - क्षेत्र हरेरा रशकारहार ह्याराका हेरेकारी सोकाराव विकास प्रसार्वेस न्याकी स्वाक्ष्यक स्वास्त्रा होर क्रावते र व्याक हमस्य र マシナイ おかえかがらし かいまいい かいばい おくずのないかないかれ रीत पर्वेच केश्वराष्ट्र में प्रतिक राष्ट्र या वा ब्र्य मा ला खेर करार । का यहाँ में रामा होते तथा विकार में राहें यह वह वह में में राहें राहें राहें राहें राहें राहें राहें राहें राहें र्तरव भर्दरमा स्त्रिक वर्षक वर्षा स्ट्रिक स्त्रिक वर्षा स्त्रिक स्त्र 2 to lose. द्या अक्ष्मकरसेद्यकार सरायस्य भरद्वारोदेकार्ये रखेरू をおけるとうからなるななるとうだっていまっていまっているいかって なかかい 275:05 तस्रुत्यव। ररत्येर्यक्तिकारीक्रीके वर्षाता प्रदेशकार क्षेत्रिया वर्षेत्रा वर्षे हेना स्पर् कर्षा स्मानिकस्यराविक्षेत्रा रमकरेर व्यासक्षक्रिकाकी। 3नारीस भयकारमञ्जू क्रियामा क्रियेर्ट्रा । अभ्यामा क्रिये क्रिया क्रिये क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्र तक्ष्यराजा । ナコマスラー、いいろこのないないとかない、 スカンマンダンマンマーラングン वर्ष्याय केरा त्यां हिर्देश क्रिया व्यवस्था यात्र वारा प्रतिकार के वार पर स्राधेरवस्कृत्यरी। कन्द्रवर्रक्ष्य्यात्राचलयात्राची। स्रायक्ष्यक マンス・か、数とかっている、こか、いてかって、あいまでは、これであるがだ。 १वर्गार्थका क्रिक्रक नामर की। खिल क्रके के का का कर दिने हो। बेंद्रा कर्म का क्रिक्र में वर्ष्यत्रेता केवलस्य हेरे के स्याद्दि ए करत्त्वार त्र्याकुः य्यामान्या सर्वेत्रायक रियान्या मिन्द्रिया नियान्या । म्यूर्ये स्रोक्षा महीरावर् हीराश्चार कार्या स्रोति है साम्रा あるとというというとうとうというないないましていましてからから कर्तिना देन रिक्सेडोर्निक्सेसेड्र द्येतिकाराध्यक्त स्रेसेस्यरा क्रीबर्धकाव देवकाव वेद्वका । यक्षत्रमेवका द्रक्ष्यक्रित को धन्त्रक्षि च्यामक्रित्यवेदा अलदास्यादद्वार विकायम्क्रिय स्टर्भेमक्रिकि

इक्स्टिन् देश्वल्यात्रित्रक्त्रिक्ष्यात्र्यात्र्यात्रम् देश्वर्षेत्रक्षयः शिव त्मात्रित् अदले नद्येत्यालेश्नात्रे अत्यात्रात्यात्रात् नद्यके से मुद्रम् देव विद्या देश व्याप्त वा दे के करे हो हो है र विद्या वित्य के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त है। बुर्र रेन्द्रस्थित्ररूअम्या मुक्कात्यरस्ट्रिस्ट्रेस्ट्रस्या स्ट्र कार्यकारक्षराहरूरा कर्षेक्षर् मुन्द्रकारम् ती. यहुकारी उर्वेकासीरहरू मुक्तियान्त्रम्याः सन्यात्वन्यस्यास्यात्याः स्वयान्याः देद्रविदः युक्त त्रें के स्वादेशन व स्यायार पर काला का के के देन द न्यूर देन कर मिल यही श्रेम्यत्वर्ष्ट्रिय्य्ये स्वार्ष्ट्र्या स्वार्ष्ट्र्या सुर्-स्याल्यान्त्रेरम्बिका रेन्द्रित्यक्षान्ययन्त्रेन्त्रा सरक्षेत्रम् द्यायप्त छारदःश्चीतःत्रकारणद्रः। दर्गत्यालेकायहरवर्गः ने कार्यरा छन्या छेर्द्रप्त यशमास्त्रव्या श्रामात्रे वर्षार्ये । र्षाष्ट्रित्रक्षाकात्यार् अयामक्री इ.क.म. एड्रेट्री०स्र. । अम.म.स्यास्त्रीक्यानिमा र्पेयकस्त्रीत पर्वेशक्षात्रं रामाव्यक्षियं योद्या विकास देन । क्षेत्रिक्ता प्रत्यात प्रकृति संग इ.चूर्रेयुक्तकाकाद्येर्युर्गे र.डि.र्य्युक्य्यरकाल्यूर्र च्यान्यूट्रेसेचेप कान्यक्षेत्रतं शुर्द्रद्राध्याक्षय्यस्य स्थान्त्र वात्रात्यस्य वात्रात्याः वा कर्रिन्त स्मित्रस्य राज्यत् त्राचे स्ट्राचित्रत् र्याच्यात् र्याच्यात् र्याच्यात् र्याच्यात् । श्रीता हिरानदादमाकायाक्षिराकार रेप्ट्रिका०मामान्यसानिमा मुक्तारारी सरिकाय विकाल होतार दें मिर्दे हें स्थाय हा मिल्ली मार्था वर्षेत क्षे द्रिया अस्य वर्षेत्र एक्त्र क्षेत्र केत है वास्य द्रिय वर्ष के वर्षेत्र इन्द्रेन्द्रस्य स्ट्राह्म स्ट्रिंग स्ट्राह्म स्ट्राह्म स्ट्रिंग स्ट्राह्म स्ट्रिंग स्ट्राह्म स्ट्रिंग स्ट्राह्म यः याद्यारा प्रत्यात्रा के ते के त्या का त्या के त्या क 是如一三大學、大學大學大學人 医型生物大力多大多多人 इ.छिभः मुद्रियम् चर्ना क्षेत्रत्यक्ष्याम् स्थान्त्र म्यान्त्र म्यान्य म्यान्य वर रे.केंट्र व. फ.कट्रक्स. र प्रमु.च सफ. है. यह वा क्या महेरा देर होरे. क्रिक्ष विस्त्र विद्या त्या दासुदा अदा से सह से स्वाय ता सन्वय पर त्या स्वत क्रिक्ष में विष्य पर यायायाः त्याभावद्या चेरवयाच्च अमुवार्थद्रायहिनाया कुमायते द्राद्रा हुन्द्र्यभवादेते स्मायदार् स्वसार्ग देशदेश्वावारध्याद्वीराश्वरक्ष्यकेतात्राक्षेत्रकार्यात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात सिर्करते देश्रास्य रदास्य अस्तित्र किर्य हेर् किर्य केर्य केर्य केर्य किर्य केर्य किर्य केर्य किर्य केर्य किर्य 

738 नियारमारकेत्या र व्यवद्वायायद्द्र म्याविभवहेंद्राया स्मान् केद्रामावययायहेवया मरिट्रदर्भिवर्गम्,न्याण्यालामक्। सर्पर्राक्षेत्र्यानामालावर्गा के.सेवाझ्ये प्रवासी माराद्या केनारर विद्याय देवाय देवाय विद्याय स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान मार्था मने महा मार्था है। मार्था है। मार्था है। मार्था है महा है। माद्वर की के देव साला दी व्यद्यत्वति के इत्व्यक्ति द्वारा स्वास स्वाक विक्रियाला मिन्सामिक केर्या है के प्राप्त के स्वार्थ के प्राप्त के कार के किया के किया के किया के किया के किया के किया के द्वित्यद्केंद्रम देवयद्वाक्ष्मकुत्व हातदेशायकाक्षक्ष तह्यांवीदार्द्धते से वर्तन्तरा मित्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रास्त्रा रदररद्वात्रवात्। व वत्रवाद्वात्त्रवाद्वात्रवात् सं च ने राष्ट्रयाय महत्र महिन्यावरा म्यापर्क तार्त्य विद्रा विद्रा न्तर में वा राष्ट्रिय विद्या स्त かかくかいいことになるとうとなるとなるとはしていまれることできますることでは、あるとは स्वयावेद विश्वर्द्धवार्ष्ट्या स्रियद्वत्यावस्त्रस्य न्या । विष्युत्वा विश्वर्याः भारतिकार देशा स्थानिक क्षेत्र स्थानका क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षातिक । पुरानमार्केशया वर्षमध्य बन्धारी कार्यात्र कार्या वर्षातिक । न वाक्याक्रम केया सर्वाया विदेश क्षेर्रदर्श क्षेर्रवाया विदेश कर्या विदेश देवाया देव मार्कियामर वित्रित्र्यामा वित्रिभिद्वासक्य यहार स्थानित्र स्थानित्र वित्रा त्रित्र 見とそのようなは、これないできるできるとう。 あるがいは、まなかのでもと ् स्राप्तिम् स्राप्तिस् अर्थित्रे क्षित्रक्षेत्रा स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति लूरी -यादान्तु जाताक्षरावर्षित्रक्षित्रा यूर्किक्षित्र व्यक्तिक्षित्रक्षात्रा भाष्ट्रमानिद्रत्वसम् यामेर् भेन्त्वाम् कर्वाभवस्थारं पर्यः अर्वाकामुक्तमस्त्र व्वाया पर् प्राम्धेवापाव कर्रमात्वहमाधिता त्ययावहैवाकर्कराकर्वता स्थाप हिस्तार राजा देशकार राद्र १८९ वर्गा वर्गार व्यवस्थिति रावस्थितरायम् सर् क पित्रात रदानिवास्तर के अस्ति की वाहरत्य । तस्तर वर्णमाक्त्रीं मार्थी स्थापर्या । राज्यात कार्या वरायर्वा 6 माना वल्यावियाक्ष्मास्त्रातात्वराचित्रात्री क्षित्रात्रात्रात्रात्रीत्रात्रीत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र न्हा व लिंद्र के वर्ष । वर्षे वर्षा हिर्द्र वर्ष स्ति स्ति वर्ष । वर्षे वर्षा मित्री तित्वकार्यात्रा केर्यात्रा केर्यात्रा केर्यात्रामहण रेख्यायकार्य विद यातामहित्र वर्षेर वर्षेर महत्राचित विमानेत्रात विमान क्रिया वर्षा वहारा वर्षा वर्षेत्राचित वर्षा वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र स्मित्राला हिर्देश तर देश वाली हिन वाली से मार्थिय के मिन के मिन

अर. डिर. के. रहा र ए एड्रेंस. शरमायाद वर्षियाते किंद्र मुचियारेंग. प्रदेश क्षेत्र । अवारम स्रीराविश्वराश्चिरातातक्रराद्रवाध्येत्र नाद्दास्व हर्त्राह्यात्यात्रात् द्रभगवन्त्रवात्रात्र्वे र्दर स्ट्रेस के ला मार्था परंभावा परंभावीर मिला प्रायम के मुस्र रहार है त्या परम्प मिटम्रेर्वाप्तरमार्ग्याप्ता सार्वाप्ता सार्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्व विवयावावस्थासावर्द्धाः विवस्थाः विवस्थाः विवस्थाः विवस्थाः विवस्थाः । द्रमावद्द्रवाः स्थाः विवस्थाः । विवस्थाः विवस्थाः । विवस्थाः विवस्थाः । विवस्थाः विवस्थाः । विवस्यः । विवस्थाः । विव म्पर्यास्तर अस्तर्भवत राज्य म्या त्र्य पर्य पर्य पर्य पर्य पर्य प्रमासिका हिला हिला हिला स्ट्रिंड ने र्य म्हर स्ट्र मित्र मित्र विदे तिस्ति मित्र प्रदान होता क्षियां मित्र प्रदान कर भेने भी सम्द्रमा ता स्त्र । स्त्र मित्र प्रमा श्रीरार्श्ववातालार् एस्काला हुरा हरा मरश्रवाद्वा श्रामाला स्वार्भम् हेवा लाम में वाद्र नविन दिन्नतान्तर्यत्रम्भद्रमञ्जूषाद्द ए न गर्द् हर् दिन वस्त के के न दिन कर्र हरा व्यवस्तित्। वर्ष्ट्रम् मुक्राम्याम् म्यात्रः द्वाल्यम् केत्यकाद्व्यम् स्थाद्रः द्विकाकीत्तर्वत्वत्वत्वत्वत् म्यात्रः मैं एड्सि.चल्हरा र्यायात्वर्तरारः सरायेश्वरात्रात्ररात्रे प्राचीतार्थितररे स्यामित्र के पात्राय परियात है इसे किर्मे किर्मे किर्मे किर्मे किर्मे किर्मे प्यायाश्ची रंजा केल परवकेश हरवा र रह सरवर प्रयोग र यूरा मार्वे वेषा र व्याप र व्याप र वालकारात्मा काला काला काराता करता वाला काराता करता वाला काराता वाला काराता कारा कृति असिलाम्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा ल्यादित या ते ते हे ति है समस्ति हैं। ही दे हे के के कि के मानिय के किया ति विकास ति विकास है यी. सेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षित्र क्षत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित र्यंतरविद्यांत्या न्यर्ष्ट्रम्ययान्यम् । र्रात्यसम्बद्धाः विद्यास्त्री स्ट्याकास्य रचने स्तितिकारः वुद्वस्थात्रावति याविषाध्यक्षात्रमा क्षेत्रक्ष्मक्षेत्रक व्यवस्थात्रम् मित्रकाराचारी अत्या ययाक्ष्यक्षा वर्षा वरव मेवला लजाकुरास्त्रे त्या वर्षे क्षेत्रक्ष्ये अवाक्ष्ये अवाक्ष्ये अवाक्ष्ये अवाक्ष्ये क्षेत्रक्षे वर्षास्त्रास्त्रित् राराश्वाम् वाहिलामा महत्या (गहर)या विस्तराहिलामा विस्तराहिलामा विस्तराहिलामा विस्तराहिलामा गर्डर्ड्स.प्रमा में कार्या हैराहर्रियर हुए केर में में चे कर जिस के अप र देने र भेर्। रंजरेशतराश्चर्वेदलारद्धरातविता क्षेर्यारत्यावधितावालात्या रणावर्रिता

्स्रक्र्रायतेष्ट्र। र्वायतेषुरुवासुन्तान् । सर्वेश्रमक्ष्यक्षराव्यद्यात्रान्त्रान्त्रा ल्या दामाअभाद्वास्त्र हात्रहेला जालर केव ने न्यूर दिवायरेला ने मने प्रवास देन वा तर्ता देन वा क्रियारम्बर्स्स्र रिस्ट्रियानेश्वर्त हिट पर्वेषात्र राज्याने विष्यानित्र यातर्थात् नार्वात्राकार्षाकार्यात्वा तः वारास्कावराष्ट्रया निया र श्रेव। संस्री देवी त्रे शुर्ति दे रे रे वरा अरेप रे हा वहिला के असक्या लेखें के विषय में विषय हैं विषय हैं विषय हैं व ्यर । इं मास्राक्तिक्र क्रिक्ष क्रिया क्रिया है । स्मिर्य प्राप्त क्रिया स्मिर्य विकास ्रमूर्रम्यर्वर्र्र्र्राय्ये वाड्याक्ष्यः रास्त्र्र्येद्वर्र्यात्यात्वर्त्रात्यं द्वयाव्यद्वरः शुर्भित्रत्वरलामल र्भवन्तुर्विभराद्यभरत्रत्वत्य वा मल कृत्यर्वत्य रहत्या सुर् एर न न न न अर्थेश अर्था अपीय तर्मित्र र र र र असे के रेश दे । ता चा नेपा की हो हो त 3 हेबाल हे. अर उर्वेश हैं देना देवह उरवि का दलही निया में निर्देश में में देन में में देन में में देन ही जार वर्षास्य द्वार महत् वरा देरहारद्यवावस्य स्वार्ष्टरस्य द्वायुवास्य सुद्धाता स्वा देश पर स्थितिक के मेरा है त्रिकार के रामे हैं रामेर के रामेर के स्थान के स्थान के रामेर के रामेर के रामेर के र रगमन उरम र हिराष्ट्रित विवासवायां राष्ट्रपास्त्र स्वति हारान्य हिरास्त्र विवास विवास धीन भीन अर् केंद्र) त्यार यायहरा के राह्यराक्षक्रमें यह सुर्वाह के सामित मुस्ति में राह्य हैं प्राप्त के स्वाह ता है क्षेरकेष्ट्ररूप मार्गम्द्रल न्याय के व्यव १ वर्षा १ वर्षा वर्ष्य वर्षा वर्ष्य वर्षा वर्षेत्र लेवा अम्लालहिन्। यम्लरपुत हुर्न्ता द्वार्यका द्वार्यकार्यकार्यकार्ये दूर् ने महितार पर्म स्व यर्भवीय वर्षाय्य वृत्र वात्रात्र राष्ट्रात्र राष्ट्रात्र्येत्र । विद्युत्यवा पदाचले वारावश्चवा देरा हिन्द्रीया ११ हुता मेर्द्रा का पश्ची राकरा रहता रहातर को वार्या मेर्द्रा मेर्द्रा मार्ट्रा का ल्रालामी में में मार्यवराकेंद्रालका न काललायां महत्ताखरा नर केवा खेका वार्णवर्षा काली सका काली तकरवत्या गर्म नाम ही अर्थन द्रम् केलिक्ट्र । हिरान्त्र में से भारता है स्रम्भ्यावस्याहर । रहराक्षेत्रस्यस्यम् म्हाप्रेयवस्य म्हाप्राचित्रम् र्ड्यार्ययाम्भराष्ट्रियातार्थं र रेरा देवा देवा त्या प्यान र मर्ग देवर अर्ग देवा त्या प्राप्त म का बुंगा विधः वर्रे किरामुन्यरवा केरामुनास्या पर्ता । भागी क्या करा प्राचित्र स्था स्था स्था स्था । उने गानि द्वारा त्या दे त्या दे त्या दे त्या का वादर देरा के यह दय ता पर उने वा किया की वा विदेश में दिन दे र र्रस्त्रेहरामेश्वराया विशायर वर्षा र्येषा (र्या) मता विष्येषा वर्षेट तरी वर्षर या विश् हर्रम्थि चला दे. ही बर्गर पर वहर अहरा लाव (प्रकेश) वह वरा वस मान हर हि का रास्टर हर है वा रास्टर हे वे रास

MAX

मार्ट्यराभाग्रद्धवानुद्रातुर्थायात्रुभार्यस्थात्रवाद्याः रामाम्यानीवरार्ट्याः स्थान्याः के. अर्त्या श्रेस म्पर या दे व्रथमा अव या वावश्र र्या वाद्या वर्षा अवस्था का सर या देव अर्छे. णमानुतर्वा में में भारत वर वर्ष माने दे स्थानी दे ग्रामी रामें र वर्ष केट । दवा स्था तरी सेव में में इमलक्षर्धः मुर्वा वलम्सूर रे.से.व.क्षरावर त्या लर्गा वर्षर वी व्यर वी व्यर वी व्यर वी क्षियावनिवस्तिवहा देववर्त्वीरद्भवास्मायावन् वर्त्यात्वर न्यर द्रिविवहरस्यायायात्वरंत्रे हर्यमायक्षेत्ररहार । विस्टब्रियिक्षियार्थिक्षेत्रस्त्रम्यक्षिक्षेत्रस्त्रम् र्यर्र्यात्वेशक्षात्रावतक्ष्य । क्ष्यं हा क्षार्यक्ष्यं स्थान्यः वाद्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः विद्यान्तिः विद्यान्तिः । विद्यान्तिः विद्यानिः विद्यानि श्रीत्वीरकीयास्य स्थान वित्रकी स्थान म्सलामूर्यायर भ्रद्रात्वका मिनाम् यात्र स्वार्टर विभागम् विभागम् विभागम् विभागम् विभागम् विभागम् विभागम् विभागम् भेथान्त्र रहेर्निसर् यते स्वयः र र्येर्ड्निस् हार्यः विद्रार रे श्रीर स्थानिस स्वास्त्र न्या वित्वत्यम्यान्याः । व्याप्तियाः स्वर्थित्यः म्यूनिस्ट्री कु, धानामक्राक्तान्त्र हित्तिक्राक्तिक कु भी कि मिल्ली च्यत्मे अर्थे के देता के वर्षेर रे. क्याय सिंद रे बक्ष असी क्रेंब तप के सिंद रिंग कु बाउया दक्ष वर्षित. द्यवः यद्ये के हुँ दे के वाश्यक्षेत्र वार्त्य के देश के वार्त्य के वार्त्य के वार्त्य के वार्त्य वार्य वार्त्य वार्य वार्त्य वार्त्य वार्त्य वार्त्य वार्त्य वार्त्य वार्य वार्त्य वार्य वार्य वार्य वार्त्य वार्त्य वार्य वार्त्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्त्य व न्यतः नरमायायाय्रेरक्ष्यम् राज्याविक्षात्रम् क्ष्याव्या हार्यवाहास्या हैंगा निरासीन यते हुला यति क्षेत्र लुकार स्वता ते उत्तर रूपाविवासी र समाविदे न्यवायी मिहिता लाया कियर वाश्याक वरमार्थक अवासी वा वार्ता वर्ता मेरासक पर सिता मेरासक पर विकास कर वर्षिया शुःषा ह्यःदानमः भेरानात्रद्र्यमभूता सैन्यस्यन्तिः चित्रवित्यिकाता र्वत्रक्ष्यंसिक्यं र्। अराबेराद्राक्षिमामाभवादराक्षेत्। या देवेल्ख्रालाक्ष्यातीन्त्रमा वहारामामावताता वा वा

विस्त्रविद्याया दारदारकारामा स्वाराष्ट्रमायां स्वत दे दर्वादमा नादारु तद्वासुं स्वता स्वारामा से देश वर्षा तदी हिंदि है रस्वास्त्रास्त्र्योत्रास्त्रास र्यात्री र्यात्र मित्र हैं। द्रमस्य हैवावा मैंवायात्रा मैं। एव्यावये एहे। वह वह द्राह्मा वार्या मेंदर्द. उम्रेबार्ट्यक्रीक्णम्तरप्रियार्थ्य। र्ह्रक्यायाम्य प्रत्या याच्या सेवरायान्य विविधायर्थे। याच्या प्रमाणकर । द्रास्त्र स्थानक । प्रमाणकर । प्रमाणकर मान्य । स्थानक । स्यानक । स्थानक क्तिरिंद्र द्रियात्मात्मात्र केर्म वर्षेत्र वर्षेत्र न्यार वर्षेत्र द्रियेद्र मध्याकामा कामा भर्ताक्षरार्डा देशक उर्देश्याताम मेरहीरहर प्राणका र्नुत्विमान्यराद्यदात्रकादर्द्यदार्द्यदार्द्यका मान्या स्वादे स्वाधमारम् वद्विमानाद्रात्यकार्द्यः यो क्रियार्थराई की श्रष्टातास्तरत्वार्यर् मुत्रे भूरहर करी माणा हातिया पुर जम्र र्टमाणा देलामकडिम यावेशहर राट्याम है। राह्माके डिश्चीर पावकेरी यरम्बित्यरम् राम्सी असम्भित्रद्वत्यम्य । सरमाहेश्यास्त्रम् वर्धः अस्यादिः वर्षास्यः ्रमेट्रब्वाया वर्त्वेय । सर्द्रात्म्वरार्थात्वयात्मादर श्रद्धिवाद्याः । त्रात्मेत्यत्तर्भावन्यता र्वारितर वश्रमान पर हिवाल सिंदी में कार्य के देश के हिर्मे वाल करें आपरेश द्राप्त पात्री बिरामार्से भूपुर्यातला हैर. र. ८.८८.८.इ.भूमार्या हैट.तीपासक्तार.सैंग्रांत्या शेंहैं साम्या. 65901 किलान्त्रं स्वा श्रिक्यान्त्रक्षियान्त्रक्षियान्त्रक्षितः त्युव अवस्य विकार्षे भर्यः पर्वा पर्वास्त्रिः मर्यः भर्दः पर्वा विस्ति क्रिंदासिक्ष्यः भवार्षः । श्रृतः मर्वा विस्वासायः । पर्वास युवाका रतरायर पर में मुक्ता राजय स्वर्धाय स्त्रेर्वा काखेरी स्वर्धा स्तर्धिक विद्याहमाला यालदर्भर द्रात्मक द्रवन्त हिर हेट हैल विवाय हरेंदे हिर मर्दर विवाय देंदर यहसूरी हिंशकर (हम) पर्वर देशायावावववा सेर. युवः ता. तीता हेव कर सुरी में विरदर न्यू वर्ष वरवावस्था वरवावस्था क्रवाकिरासुरी अभाराविर्यालासार सवायी व्यवासिर्वेत्र मुश्डिरामर सुरी कैलावहिता. मुंद्रित के ने ने ने में तार की र मिर सार कर अचिवान के ले का कर र तार वार कर की की र सार कर ता स्वर मद्तिरी भारती रत्ते त्रांक्ष्यं दे क्या मन्द्रम् र्या मन्द्रम् न्या सम्मन्य क्रिक्षे "बरेया वहार्यातहार्ये र र ११११ र वे अवस्थाति हो स्ट्रिंग के देशहरेने वामया बुनायार क्रिक्सिताल्ड्स। हर्विवान्त्वामवाक्रिक्सर्वनर्तं वार्ट्डवावाक्षेट्डल्द्रिक्ति ह्र र्यारे रहाश्री अधिअर्द वादाता के हिंद रहा अक्टर श्रीर भी मुभगा महिना मक्ट्र मिन्नी हिं भी मक्टर री मध्यात्रियमध्यात्राभामहवार। श्रीदारभामत्याप्रदामप्राहर्षाहराङ्ग्या त्यापश्चारेरायभ श्.रवरः। रर.लेण.बी.वर्ष-अहणर्वद्रभर। र्रेर्वया र्वाज्युत्रश्रीरवरः। येव.रअर.बेर. त्मानार्य्र मी दर्भन्ता। दर्दर्दशहर्भावानवार्य दर्भने हिर्द्धर्भने हिर्द्धर्भने वार्मने वार्मने वार्मने म्रा व्यावरम् अत्याव विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या

wind

इ. श. इर करें के हुवा में के हुर। में मू (हैर मू) सार कूंच बेद जाव केरे वर में की क्या प्राप्त है। विकारम्बर र्वाम्रारीयात्रायात् मार्याम् स्थात्रायात्राम् स्थात्राम् विकारम् विकारम् विकारम् विकारम् विकारम् विकारम् थीत। दसाम्यामी व्वाप्यकुदादरकेवरदी कार्यामा मेरान्या किरमाने खुवक्सायरपानेपा खें चेर क्रियायकी चेर क्रिया हेल चेरवल की वर्ष क्रिया करें क्रिया स्था मिं खेर की अद्राय का वेश ने की सूर इट. राज र र्वेण (एस) । र्वेट भवेश तर हे किया र्वेश मुर हिर श्रुच । व्या मे रा राप। प्राचीके कर से कक्षर तर्देश । एड्डिश का नापु से द्रिश एर्ड लाम लाम नापु रद्रवक्ष में किर के द्रिश का गिक्राक्षक मेरे ही। का. श्रीकालकार्यर जन्मेर्रा कालल. लेब छेट व्याल म्राप्तिका व्यक्तित्यात्र्यात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् अ.शिव.की.म.च. त्रा. में पर्तिमा लूरें अववत्रकी महिया मी रदा में वातपृत्ती वारहें वास्ट्री र्षाका कराश्रीक्षा एड्र वर्षाका दिन द्वा र्र र्षे अवग्राहिते री भेग सेव श्री वार्षित रिक्ष रिख्या देश श्रीकृत्यायाम् होता हारावहुकाक्षाकारे भवार्षावाको वरुरावहिकासासादुरावा भित्रः देरेरा वित्यु कर्षता तरमाय अवर्षिका द्वाया अविवर्षत्व अवविवर्णते विराद्वात्र वाहेता क्रमान्या हिस्स्य निक्रात्या गुर्द्वारकाहेश नाक्ष्रिया हो गर्धा स्थान हिस्स्य स्थान है। रदः वर्ष्ट्रेन सहित्र हुन्ति है । वर्षे क्षेत्र दुरकी श्वेतरमानी कारा दवद सहित्र वाधार्थः श्रुत्याकाकृत्रियाकाकृत् केला हा तरहर का दे देरा छा बुरि र्युवा श्रुद्धियहरी यर्राक्श्यर्यायास्य एषायाः (पद्मा द्यारा आह्री साडि दि वितासीय हे हरी हे पर्वरेष स्वानार्द्या तर्पेद। क्वाक् व्यद्भार्यक्ष व्यवस्था । ल्या (यव) इवहरल द्यारी है वह । त्यां कु ल्यादा त्यां विका । यव मेरा त्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा विका प्रह्मान्यमात्रये । प्रत्यान्तर्भे कार्या । व्यवन नर्भे । विद्वप्रविद्ये परियो । तम्मानि तर् कियान देव कियेर। राजा विद्या कार महत्त्वेर देवर मेरवार भग्नामा वर्रात्रमान्यात्र्रार्द्रराष्ट्रमार्चे लादा द्वारात्यात्र द्वारायात्रात्रात्यात्रात्यात्र ।सं ४०८०। म्रास्यार्थित् । हार्यार्थः द्रम्भियाय्यं अक्ष्यायाः त्री ह्रमः व अरस्याय्याय्यः सूरामान्त्र विकास मान्या स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप म्मलाक्षित्रस्यमार् स्यालस्यर् यहिर्गातास्य । मान्यान मान्यान मान्यान मान्यान । क्रिंग्नर्रत्यस्याया मिं बर्बरहर हैर छेर भेरावता ती से किताय केर विदेश क्षेत्रस्त देवत्यतालकास्य वास्तादताहरात देवता देवतास्य विवास हित्यरा मैनाम् (देश्य) मैनाम् रामार्ट्या करायेर्ट्या होराया होराया सर्द्रात्या हैना हैना में चूर्यात्रसा ववानुद्रावसद्द्री त्वीया स्रीद्राया स्रेश्ट्रे स्रेया या दर्गात हिद्दी अद्राद्र स्रेया ज्याया छेर् से वर्ष र रहार जिंदा सहिव से एक एक वा कि हेर हैं से र प्वाव विवाय से हैं. गर्भे यह यह है। मुक्तिरायस बरबर तरे भूर बरकारों। प्राच्या है। हैं। प्राच्या है विकास मार्थ है के स्वास्था है । प्राच्या है विकास मार्थ है के स्वास्था है विकास मार्थ है के स्वास है के स्व अरअविष्यम्भव्याय्यवेश सीलक्षेत्रायाः रेव्यत्यायवेतः देवलहा विव्यत्यायवेतः

भ्राप्त्रम्त्रम्याम्याम्यात्मः हित्र्रद्रास्य मिर्य्यस्य मिर्यं स्थान्य मिर्यं स्थान्य मिर्यं स्थान्य ्रिकाम) स्वार्टराणवा रमराश्चितातातः दाम्बन्धर्टराम्बन्धा म्यामावा पर्दराभेदापटामे स्वायमा राज्य प्रकारकार हुए १८६ वर्षा में अवरित्र वर्षा के वर वर्षा के ्यंवर्यान्त्रें एड्रियं एड्रियं । राजवर्यं दर्वरात्रे भी राज्ये । र्जवर्यः क्रियाः भेर्ते । यर उद्देश वही वता स्टब्न हवलावर्षी बट्येरी स्ट. त्राच सामा स्ट्रेश वर्षे वासीरवात. स्मिन्यारा र्यत्वस्भात्वरात्वरात्वरात्वरात्रः । वर्षस्यात्रात्रं र्यत्यस्थात्रं रे ब्रियाम् । ११११ । एन यमामध्यस्य मारब्याररः वह्यस्यारम् र प्रदेशस्यारम् अर्वाताकरादवार्यात्वाकरमञ्जाताहरू । अस्यदेशवार्के के जिल्लाकर्वा रहराह्येयप**र्देश है** वक्राश्चर्तार्थारात् रक्षा दारेस्वरेणसूर्यवरार्वात्वस्ति। वर्षेष्वद्रास्त्रि। रेरेर 4 कर्न 5 में अथ ? १ में अथ ? सदेला सुर्राष्ट्रिर देन स्था सहित स्था से स्था स्था दे हैं है। दे हिर सहिता दे रहे हैं हैं हैं र्श्वरिक्षार्यं व व व व रामकहरमक महिनामहन वश्चरिक्षा वर्षे व व राम के विवरिक्षा के रेक्च अवाववादवादाः स्टारा प्रदेशालाख्यात्वायस्वव । यहंसवक्रार्यदेश 79岁之! रेश इंस्विर अर्पविष्य के प्रकार रया प्रायमित्र विषय के विषय विषय के स्वर्थ भूत्रात्रक्षात्रात्रः क्षित्रक्षात्रम् क्षित्रक्षात्रम् क्षित्रक्षात्रक्षात्रम् विक्षित्रक्षात्रम् विदर्भवति सेवस्य क्रिया शिवस्य देवत्य द्वार त्यार त्या स्वर्था विद्या स्वर्था विद्या । 9 Fai वनार:रे.छे.कर:श्रेवः यः दर:कदलं हेवा क्येंटलं यः दरः । १५:४१ में रहको व्याक्तर्याः यदियाया विवासः एँ विद् रा रातर्व अरभरत्वेवातवरमायमाम्याप्ति विद्यार्थित्वरम्यार्थित र्सरायकर ग्राहार । देरसेरदेशकर कराभेन हर देवल हैं ले के मान्तर रवत त्यार रहार र्यभाष्ट्रसम्भा ८८: यम्भी ८० मारेश सद्या हरा मरा। विस्ति विशे मारी स्वार्थि विश्वार्थ 1 35 क्षेत्र हर्भातार् र्वासाइवानिवाह केवरि केवरि हिंदा राज्यार हर्भाति स्वारा वर्गारके तर प्रमण्डिं सम्मान वर स्थाप वर दुर्ग सर्व मान वर दुर्ग सर्व प्रमान वर दुर्ग सर्व प्रमान देश स्था द्यात्रात्रात्वरत्वेवक्षर्यस्य वृत्रात्राद्वारा छिष्ट्रभावष्ट्रद्वाताष्ट्रभादवात्रार्र्युष्ट्वात्रमः वश्यान्त्रात्र्ये वर्वायम् अवसर्वत्र वर्षायान्त्रात्यम् वस्याद्र वर्षायान्य डिर्म्या किल्लूमहर्यक्ष्रिक्ताता हिस्क्रेस्टर क्रिय हिर्मेदर

मक्यान्त्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् त्रित्रम् त्रित् मेंद्रम् भी कर के विद्वारित मुक्ताव रूपार्थ वाववामाव वर्गाव वर्षे । विवर्षे वर्गा विवर्षे त्रारायात्र वर्षात्र क्षेत्रभयावनायस्थित्रात्रियते त्रास्त्र यते करत्त्वर्षात्र व्यापत्र त्रा मूर्याय्यस्य कुरा ति वेश सर् यार्यावशः वर रेर मिया यह या सर हा विवर वी स्वयं से ब्रुवाकी र वक्यार रेडए कुंग होते कि वया है स्थिति । किवार तर किवार पर अवया म्लिस्ट्र देर्विनामिद्रमण्डिक्सास्यक्षास्यक्षित्र । विकासित्र विकासित्र गाउँ कर हे स्टूड्न क्या ह्या हार तार्थ मेरा काला लायेट ताम् रेर्। वसावत्म्रश्चरं विश्वायत्म् वर्षायः वर्षायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः अर्थते वित्रहें अहरी वरमहें वर्य होत्या राष्ट्र के के त्वता पास्ति हें से स्वता वर्षे सम्अवितास्य म्या स्ता स्ता व्या राष्ट्रिवनायवनायहित्यः देनेदराष्ट्रा व्यति द्रुद्रवात्त्रवाद्यः रेव्यादाय विक्रातः र्यं दरायक्तार्यम् । तर्वायर वेरामुकावनात्त्रिवायका कु राज्यान्यार प्रिंश वीरत्रता श्रेष्य। कुरासिया से रट नरिया सिया के छ । सर सिया है पे स्वार से प्रार्थ से स्व वस्ता स्राम्याद्रभगद्रवास्य स्वापाद्रवास्य स्वापाद्रभाष्ट्रप्तात्र्यः स्वापाद्रभाष्ट्र नु'विभवित्व निर्मा सम्बन्धियार्थयव्यस्त्रस्य वार्थन् वार्थन्त्रम् सम्बन्धियार्थः श्चार्यस्थातर्थते नाम्यास्य प्राप्तान्य विदर्यस्थात् वर्षे वर्षे ना हैल। वर्षः वर्षे तर्रे तर्रे तर्वे वर्षे मार्थिया स्तिम्युव (वयुव) हुदले तर् से में साम राजा राजा अर्देश वारि हो व्यर्भे के ते तर् यद्भीत्रस्य द्रार्थित वेद्रार्थः विष्य द्रार्थः द्राया द्रार्थः व्यापाद्रम् द्रार्थः व नावसारी रेट्। म्येन्य रंग , ध्रिवानको ईथिव ह्वा धर्यत्वा प्राप्त । रव याष्ट्राणिया वस्ति पर्तास्य में की प्रमुख्या के कार प्रमुख्य के के व बेस्ता के के मार है। यह सामित के मार में मार में मार में मार क्री रेजेन यर्र तहाँ वारे रवाँवा अदर्वतार दि लारे कर देवन रहे । क्रेडि देवती श्रुवार्य्याता के साम्यापार है स्ट्रास्ट्रिया तर्वर या वार के से के विश्वरी से वार्य 1 विष्णित. स्वाद्यक्षा त्यार् द्यार्य के स्वर्ण दे व व रायत त्यार्थ स्वर्ण रे अरम्याद्यारे यादेराह्या सुराद्वा द्यमाद्यं युवायति द्युवायति द्युदार्गाक्ष्यायायम् ।देवता वाह्याक्षेत्रहार्याः यरत्र्वं म्रं पर्यक्षियापुरायवे। वाह्या(ह्या) श्रुरः वासुआरह्याः क्षेर्वास हीर्ट्यवसायामायसारे र्वास र्वा इव अक्रमर्ट्य वर्षेव धरे द्वा की हरे तर्वार्द्धराम्याये द्वांचा वानाह्याद्वेनायव्याचार्येनायाद्वेनायाद्वेनायाद्वेना की नायुक्षाच्याया क्ष्याक्षी स्वर्धा स्वर्या स्व

रे.रे.८ रेत्ये रे.टे. ये.व मार्ग हिंदर वा वा ने ने ने मारे का प्राप्त रे प्राप्त होंगी 25. Kalu i Store from E सेट हेर सिटा सिटा सिटा का मार का मार के में हैं है। क्र.यांववः ध्व.क्री.राजातेलाः क्रिव.क्रियांचर नायाः जनात्रेयाः वाहरी क्रियः चेतः चेतः चेतः हर्श्वादे सिरा देवाचरः हित्यक्षियक्षियक्षियक्षियक्षियः विद्वार्थक्षियक्षियः 3.bad. या तरमात्तर स्थादे। दरमा का मा की मार यो पर हर हिला हरका सार में राह्ने का कार में सेवला स्ट्रिट्य स्ट्रिय क्षेत्र क्षे सेटारी र्डिडियकरम् जमक्रितिर्ध्यात्त्वरी एडिकर्व महत्त्वरी लुब्बियारी ब्राम्मण र्शिता होने त्या के त्या है। त्या के व्या कि के के व्या के विकास के वितास के विकास क न वर्षाः रदः वहवर्त्रान्यसर्दरप्रवद्भक्तिया। सदद्यसम्बद्धस्यात्रीःवास्वयम् रूदःसंक्रि हैं व क्षा प्रकार के देश हैं कि देश के स्थाय तर है महत् वे में विद्या तर है में देश हैं। व्यविद्यास्त्री व्यादाताराद्यात्यास्य रत्याचा द्राव्यव्वद्वेष्यंवर्थला सुरा क्रें स्तर क्षित्र विवास्त्र स्त्र क्षेत्र क्ष मायात्रया र्वायात्रायात्रावरे वर त्रिया व्यायात्राया केरावर क्रमस्य वर्षे वर्षात्राचित वर्षात्रातक्रमस्य वर्षाद्रात्र्यं द्रवाद्रात्यं द्रवाद्रात्यं द्रवाद्रात्यं द्रवाद् म्मला यद्याक्यात्वयात्वयायात्वय विष्ठाम्ययाद्यात्वयावद्यातात्वा सक्ता र श्रुवायते विवेशक्षाता क भुत्व्वातिर हर हरकेव द्वा स्वरद्वराक्षातिर प्रमाणीया かされ केरवरका महिन्दरवर्षा चलरद्रहरमावद्रमानात प्रवेशक्षितवा केला महत्त्र है। तर पहिला कुरावाद दे दे दे र र से स्ट्रें विश्वराह्म या हर कर हो है से सामक्री के जनक्री. यात्रभाश्वेत्रकार्यवर्दा दवाश्ववाधीत्में कुर्वराष्ट्र कुरायर दि । ्युर्ख्य श्रेमक्रा श्रेमक्रा विषया प्रह्मा क्षा क्षिया विषया प्रमान स्थाप हिमान स्थाप कर्मा भए गुरु तार्रातरात र सर्भर वर्ष अंगरता रायते शुरुषा वार्षे हीरही तर्पति धरप्तरात् यरत्त्र्यात स्वर्यस्य रद्द्वत्त्रर्गा थदप्तित्वाषा सिव्यातकीरावन् व्यादिकर्यकारायुक्तिकारी पर्वास्थ्याने से सम्भिन्तिने विश्विद्भेषात्र्रेवामायाय्यून वर्ष्या वर्ष्यात्राचार्यात्र्र राम्याया वर्षा सर्वरायर्रायव्यापर्रं वर्षायापर्यं केल्यापर्यं केल्याप्रविवयम् 中は山と、日に、日に、日本には、「日本」という。 ある。西川田田では、日の田田田田である。 वामाकारा व्याप्त व्याप्त द्वाप्त द्वार द्वार द्वार द्वार द्वार व्याप्त द्वार व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व ्याना व्यास्त्राह्म त्याभद्रा व उटाद्याक्षेत्रीयमहर्ष्यकृतः वृत्यह्नेवानातः वृत्या वियात्रयत्यमा तहारक्षियात्रः त्यातरः सम्हरः तर्राद्वस्य स्टर्वस्य द्रात्वस्य द्रात्वस्य

निर्मातिकार् हिप्यानिर्मा है किया निर्मातिकार निर्मातिकार मिला है। विस्तानित्य के विस्तानित्य के विस्तानित्य के नाल्यकी वनदम्भावकारवन्त्रीयेव मेरदगर्भ निर्मानिकार वादगरम्भागर णव्यात्रभावहेवला तत्त्र्या त्रावर यात्रायव्या वृत्या वात् । व्याप्यवायाय्याया मुन्नराहेलराव हर रराभरेर मरायक्षित वाश्व । व न्याविवायक्षित हरूर स्र. प्रचाम स्रिमा याला न स्र राजवा रिमाइक प्रकार विरह्ण वा पहुंचा त्री रव्ही श्र सून् में रूव नाग वाया वाया वाया । दर भर्दर क्वा गांत स्वर्ग विष्ट में सिंदर में दिव हो भर्दा के हिं। याणविवस्तराविवायिकात्रका स्तिर्हार स्रेट्यका वाहर दही संभिर् र्भारकाल गर्भ देश द्राभार्द्र में त्राभार्द्र मिन्स्योप्तियात्रवाद्वात्र्यं अक्टार्य्य स्थायम्यायम्य केट्रद्राम्यस्थात्र अहिर्यं 39.01 क्षें विवाधित निर्देश स्थित के त्रित्र प्रमाण्य के वार्षे रावला वार्षे र यव वावला होर। वा अर ही प्रदेश पर वासी में विदेश के व भावरास्त्रिक्षेरानेथव। यश्चरहासद्दास्त्रमहत्यराता प्राचेरासेयासेयाहराताहा स्र विर प्रदेश पुरायकी अवर स्र प्रदेश विर के वर्ष हैं। त्यारे रहा वर्ष के कार्य का कार्य का कार्य के कार्य 381 व मुन्। क्षा स्ट्रा केर स्ववत स्वयं राष्ट्र युर्ग मुना प्राप्त स्वयं सेमरे र्राया नरमर्थर्वाया सर्वाया सर्वाया स्थान्या स्या स्थान्या स्या स्थान्या स् 3 वस्युंगहर यातामा सर्वा सेया सेया से एकर वेट बिया तर वित्व माता हैर है ते हैं है है है व नेसाप है। के वा कर न्यान न्या है दर्गा र देन हु। तर् वेद तर् हें दरे ति चुरते । व चुरते अर्द्धार अर्द्धा है हि वहें में 4 Son of mad bear. मार्चे रवेलक्ष्यलर्थर्वेदेव वर्चेरवेदब्र्येवस्यान्तिम् इरवस क्यात्यहरू नमर्या में वनशाक्ष्यक्षयम् । विद्यानित वर्षेत्र प्रवित नर्या वर्षेत्र रिष्ट वस्यानक्षेत्रः काष्ट्रतक्षाद्भाद्भाव भाग गुर्द्धाः दुर्वेद सुद्रविष्टा सुर्वेद वर्षात् सुर्वेद नकर्मनिक्षिक्षेत्र पहराक्षेत्रावर्ष द्वान्यस हिरानेगभक्षारस्थितार् भाष्ट्रायार् क्षेत्रमात्र म्बलम्बः हर्ष्टिश्चेत्रम् द्वार्थियात् स्त्रम् विकार्यक्षेत्रम् म्हरः रस्पर्द लक्षरे पर्धिवः ति विवयप्तवस उपस्य वर्षे उपने विवयप्ति नरः विद्या न्द्रत्यत्यत्यिक्षुः व्यवविद्रस्या द्रमान् द्रमान् द्रमान्यत्यात्रम् विद्रात्यात्रम् स्रम् त्यातर्ग विवास्त्रवनातः संकार्ष्ट्रीयरंक्ष अहर्षे वर्षे अर्थावस्त्रियायन वर्षे अर्थिक येद्रस्ता गाउलक्षेत्रके हेर्य हित्युलक्षित्युर्द्धात्रक्षात्र हेर्यव्यक्ष कुटा में जानारवात्रायु पूर्वाम्यान्य रात्रुका क्षेत्रान्य हार्य जात्र व्यवस्ति ।

यार्थि स्वावकाद्ये पर्यावकार्ये के म्योर सिक्ष वा वव के म्याया वावतार्यार

इरिट्रिय्ययारे। द्वायम् नातार्येययायतेष्यायतेष्यायात्रेयवायाः भित्रम्

मायर वर्षेदाहर में लासेवारादे। सेला हर्वराता करटा नधु में कारामा थेने र्वराता चरवार्त्रराज्या द्रात् वार्ष्ट्रमास्यास्यास्यायाः स्वायाः प्राचायाः स्वार्ट्रम्बलाचाहर रवाक्बरः । आवरवाधावाद्यरवाचा विवेदःचर्यम् । वाक्स्यास्यास्यदेवा यदी मेरायरिम्बस्तिम्यार्थे स्टर्कनेप्रहेमहरूर्वेदी र्श्वेद्रम्यार्थेद्रा रापरस्थिकेरकेरकेर्यं वर्षेत्रवर्षेत्राक्ष्यारात्राचाः स्टायमक्ष्रियम् वारभर्गर्या संबुर्धि है वर्षे केराने केर श्चिरावर्षित्वर द्वारावर देवसावायाताबुद्धाराखेट तर् स्वेत्रक्षा भारतस्त्र पक्षायित्वाः रद्वात्रकात्रात्रेया स्टाम्कारे में रक्षाव्या राज्या देवराभावत्व्यक्षम् मुन्द्रः हे कुलयत् ह्यू दुः कल धरे हरायः अद्भावता मुन्द्रः सुवादः प्रवादः री. में में मू प्रवेह पारेत. र वयम मुक्त मूर देर में में कर रे काम प्रमाणक्य पत्रे में म्राक्त्रियरे तरमिरमेवक्ता हेवल म्रान्या मार्गितर मिरारबी क्रिक्टलर्ग मार्ग्यहर पट्टममानाक्षान्त्र,देशमा क्षेत्रं के प्रति हित्त है । में भारते मार् भी मान्य देश है कर्ण किलाराष्ट्रासिक क्रिक विद्याना क्रिक्ष विद्या क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष र्वर:भर्प्याधिताधितामाः मृत्या द्वारा मात्रा । तहुन क्षेत्रवायर पार प्राप्त मा अअमिप्यित्वरत्वरत्वत्रमा सर्वर्ष्ट्रात्रर्थर्थः रहेत्त्रम् वैषायामा क्षेत्रम्यामा देश्याय विश्वताय क्रियामा द्वारा नार क्षा क्रिया मर में बार् केरा केर महिल्ला है । में मार राजार सर पहेंचा से अकर परी केर में इंटर मिणाय्मार्याद्माद्माद्माद्मा विक्रम्भ्यम् स्थित्याद्म । विक्रित्याद्माद्मा स्य रहत्यीयायाः ज्राष्ट्रम् स्रीयः रे.प.केणात्यावेयायाये १८ एकतः । व्याप्ति स्री। द्वर इर बर रे. केर. १८१ वररमा नर्षा वरण करण की भावन में करिया रें Ju2 122021 किला माक्ष्याम् क्षेत्रभूते भूतः विव डिर बालावका एक रह , विवाला एविताला प्रता वर्षाः भूत्रेशतावकाताः अक्षेष्ठ्यात्राक्षात्राक्षात्रात्राचाः स्वतात्र्रात्राचाः र्वेश्यह्याता हिंद्यवास्त्री वाहम्हिंद्रिया में क्रिया विकास के क्रिया विकास क ्याद्यर्गात्रा याया क्यायास्यामार्गित्रात्रा स्वाप्त्रात्रात्रात्रात्रा मिला मुक्तमालकार हीरावादिता हाराया हिराया हिराया

मार्गामा में देशकार्यायाम्या द्वाराष्ट्राच्या रामेकार्यायाम्या द्वाराष्ट्राच्या रामेकार्यायाम्या स्यान्या महार्थित व्याप्या ति विकास निवास र्येव करामादर । त्यवादवावाद्यवा सम्मादः । त्यां के देन सम्माद्वा देने देने विवादि । मरीबिरदेस्र रागरः त्याने रत्वर्यावर्ते । व्याप्तिकास्य प्राप्तिकार्त्रम् विर्वित्र भागित्रहें प्रमुक्ति एक सुवाद्य वर्षा देश हैं। तालार्त्तारा द्वारा द्वारा मार्गा नर के स्वाराम्या वरके सामा वरके सामा वरके सामा वरके सामा वरके सामा वरके सामा वयासी र्राप्ति स्वास्ति स्वास्ति वरायाया स्ट्रिक वस्ति । वरायाया स्ट्रिक राष्ट्रभाक्तिक मित्रहें हैं । यह वार्यात्रवात्रा मिन्द्रका के वह के मित्रहें मित्रका विवर्ष र कोर्ट ११ दरहर्द्धानेवाम मधावहुदात्ते हिल्ला मार्ट कर्पेवरहुवावमाल इतायति कृतायवया में में ता द्वायति में मान केर्षे के स्वास्था कुर संग्रेश केर्य क्रायीया ्याला सरक्षर्यः व रहेर्द्य राज्यहरायहरा । यरमहर् के यहरा तरेगवाकी भेगी क्रीययाद्विक्रम्ड्यात्वाक्ष्म्याद्विक्ष्मित्व क्षित्वक्ष्मित्व क्षित्वक्ष्मित्व विष्यात्विक्ष्मित्व ... र्रेट्रेन्येवाकिस्यार्ड्यायाः स्टर्क्षाव्यवस्थान्त्रम् इत्या देवा वर्षात्रा JARAI MUZIENT. ाः स्वाद्वास्त्रास्त्रीः वाद्यारः देरसदात्वाक्वांवरायायदा रवाःभारह्यांवरः किलान्द्रेटल राष्ट्रे करण राष्ट्रिक देवा में किला हरें में किला हरें में नित्त में नित्त में नित्त में नित्त में या हो। पर्वाकृत्रे भारतात्व भारता हैन त्वेता केंक्वा केंद्र है। त्व राउद्दालया देशकात्व. र् तर् राया। वा कुलार्तिनिक्रहुष्ट्रा व में लग्हें रा त्या की अनिवस्ता 1255 राद्राम्यातातात्त्व विवरुवायात्रीय वर्षात्म क्षेत्रायमात्वयात्यातामा स्थावनः 6321 मुत्रामभाष्ट्रम्क्रीरत्व्वित्रात्रेत्र महत्ति म्यार्टिक विद्या विद्या विद्या विद्या । अ.स.मी स्वायम् स्वायम् वर्रवरिक्रिक्ताराकरात यंत्रेश्यमावर्षर्थरे कर्मास्याया केर् मी दरायसारि विवास राम्य में रक्षेत्रमास्य है रियम वर्षात्री पास्त्री मायविष्यंत्री र्गित क्रियात्राक्षेत्र विद्वार विकास क्षित्र स्वास क्षित्र क् १ त्यू। रिमहारिक्षकार्य या अद्दे ता प्रतिकार तहिम् स्वया विकास Myd'5 इत्रम्यात्रे स्ट्रिया द्वप्रकृत्मात्रकृतः स्ट्रायायात्रे कृतः अवास्त्र 4美元到 12 young. स्रिक्त्राहरू । अप्रमार्थर्स् स्रिक्त्रात्र रहेत् हैं स्रिक्त्र रहेत् हैं वर्ष्य कर्ति स्वार प्रदेश 13031 त्यद्भवास्त्रस्थात् प्रदेशम् वर्षात् नद्र नित्त्वद्रम् देशवर्ष्यत्त्वद्र्यात् तर् स्रित्रात् । तित्रात्रे रात् अस्ति अस्ति वित्रे वाक्ष्य तात् वर्ष्युरात् भूम्यात् भूम्य र्दा श्रेक्षाके हुए ज्रिपरें के के कार्यात तह किरावेश मुख्य का स्थार कर कारा मुख्य के रद्भारामकाराक्षात्राच्यात्राच्या देवस्थाक्षियाक्ष्याद्भावस्य दरद्यस्थात्रवादेवस्य

रेग्नेरिहरूर पुर्वरवर्ग । अपे अहे सेर्द्री। र हेलसुखर' यात्रा. प्रेयाक्ष्या स्रेच किर्यूटमा त्रा व्यवाच्या व्यवाच्या व्यवाच्या व्यवस्थित स्या स्था कु (के) विद्याद्या वेदा द्रवारी कार्याद्र हैं। है मवक्षायं गर्भन् विव लेग भेरद्राधिक में विकास के किया में में किया में कि त्रिक्षात्रे वर्षात्राच्यात्राच्यात्राच्या त्रिकामाध्यक्षयात्राच्यात्र हिर्देशकर्षात्र विकास ने रवाहित्वपारीयसमाहरकं देता है। क्रियाती की महाराज्य द्वारा निया । निया के किया चर्चे एक स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र के क्षेत्र के त्या के त्य त्वलायुरायवायम् । सार्वलायम् त्यार्वे व्यवस्थितः मारीक्षेट्रेंद्र दर्दर्द्यमेला पूरतामुद्रक्ष्यम् देवाम् देवान्यद्वत्यात् वे र्दा क्रिया वसामाविसानिसानिसान कुर्वे क्षामा स्थापित के में मुद्देश हैं। सिनियास्त्रेत्रकारणः यद्यास्त्रित्रकारणः रवेत्रेस्वराद्यास्यातः रवेत्रेस्वराद्यां गर्म्यद्राः वैरिष्ट्र तर्मक्रिक्टिक्किके हेंगत विरायकरा महामार्थित है। त्वार्ष्य मार्थ שלוש מישאשמוש ארבעשרי אירישי יצייים אינישני אינישני אינישנים אינישנים של מובארשים र्टम्पर्टिकाल्य विस्मिक्ट्रिकाल्याम् द्राह्मात्रात्मात्रेय देन्द म्यार्षेत्राच्याम्यक्षा श्रीरवाद्य वस्त्रवाद्य रेप्टर् । या प्रतिकृत श्रीराणावाया एक यातिमार्चन्य के मेरारित केन्ति हर्षात्र हमार्च हमार्च यात्री प्रथम मेर्डित होता है। व्यक्ति हमार्थ मेर्डित होता है। विकास मेर्डित होता है र्थाकिरमिरश्रुविवयस्ते मचक्रांत्रच स्थान्त किरमिन्धुं र्वेद्रातास्वात्त्रेता विव मिरे मार्गायकार्य रहे अवस हिर्द्यियावमार्थिय। दर मधारखियात मुद्रित्य मेर ल् व्यवतर्त्वर लत्काः व्यक्षत्र एहं त्रत्रहेल् । हेशक्षव्यक्षणाः अवदा नेवानियाने शिक्षणात्यातः सुद्रते अतिविद्या प्रवेशयह । इया वैराय तेन सूर्याववर्षित्रायर बर्यात् यो अराप्ति के विषया अश्चिम् अर्थेद् देद्। द्रविष्ट्रद्रिया चेत्र हा भारेद्र। के वदेते विष्टुम् द्रविद्रेत्।

हैरअतेलअकुन्न्वत्यं अदेर तहीं सुर एक छुन्याह्य या के न्या के लिए के के तर है। त्रा र्या कर्त्र में मेरे देन के प्रमेष वर्ण मेरे करा में हैं जो करा नर मेर के ते मेरे हैं ते 7到~~ द्रायक्रितक्रात्ता. परणअतिह्यु हित् पर्वाक्षात्रक्षिक्षात्र्य भूत्रेर. ज्रद्भारम् रत्नम्या गुजर्यहर्ते विवर्षेयान्त्रम्यान्त्रम्यः यहक्ताःद्राहर्ताः स्टार्यात्स्र वृत्यर्गम्याव्यात् स्रीत्र्यात्रेष् वत्यात् स्वाद्वात्रः ्अर्यास्यास्त्रीं र्रव्यस्त्रेयं विष्यात्रेया विष्यात्रेया हित्यात्रेयात्री かい、ヨエ思いは、日日とのまるのとかかますは、日本のでは、からいいというかん 日本「とかいっての当れ、西山山本「山山中のから」」の大きは、西京山路中の海 されることは、ことにはいいいから、いない、はくからからはないはないというというできましている。 द्यार्क्टर्स्य द्वारा मार्च रहेर द्वार अख्यारा वर्षेत्र वर्ष वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्ष देशकात्मात् वर्षा वर्षा । न्यति श्रुष्टित्वदावदे भूमावद्र्यामा क्रियाहे में हैं। की ह्यु लेट हे के दिला दें आया लेट ला के देर हाथा देश का विते के रहेरण उभवर अविवर्षित्रकार राज्य है। या स्टूर्य परकार्यका अविवर्ष या है। क्रि. शिक्षकापद्धाद्द्रभाष्ट् म्बायानार्य रहे अखरावारेत रहर रहे अवता अत्रहरहे ने रहेरे रहे अतिवासका लवाओं अर्रेश मेंद्राहीतार्दा मार्ट रियार्टा में मेंद्राहर मेंद्र मेंद्राहर मेंद्राहर मेंद्राहर मेंद्राहर मेंद्राहर मेंद्राहर मेंद्र मेंद् में त्याव रात्राह्माश्चर त्रवता भवतिवार महित्य हर्षित हर्षेत्र महत्त्र स्थानिक विकारमेरामान्य いっているできないではないないないないないにはいいいいとはいいないはいないできること हित्या वर्षेताकार्वितिका मार्केत्राच्या हित्याच्या हित्या वर्षात्राच्या वर्षात्राच्या वर्षात्राच्या वर्षात्राच्या रहिलयी द्वारा पहेंचे हैं स्तान दिन का निर्माह किया के में के दिन मानद हैया रनदर्गत्रदा है के प्रयुक्त व व विष्यवस्था पर विष्युक्त स्था विष्युक्त स्था प्रयुक्त वर्णा मार्थ रहे वर्ण १ श्रीस्ट्रे दे रामस्य कर्मा वर्षेत्र रामस्य कर्मा हिम्मिन क्षेत्र क्षेत्र हिंद すかできているはいないないとうかいましましましましましましまっているというにないないない 902 रतिकेद्योत्यात्वस्त छ ग्रास्थलार र गर्यो किरान्तिस्य की हेरान द्वेव या मन्द्रानी में देशाह से महिंदी के किया में देश के अवस्थान किया के अवस्थान के विद्या के तिवासी केंग्रह्म क्षा अरि. प्रत्या प्रयो क्षा कर क्षण रहिर है प्रत्य प्रयो कि केंग्र में प्रति प्रवर् विभा भेरासेचारित्यास्त्रिर्द्रिक्री मिन्द्रिक्षा विषयात्रात्वरात विषयत्वरम्भिक्षा म् भी विकार क्षेत्रके दर्श कर्र के में के के कर सके दा में के के कि कि के कि कि कि कि कि कि कि कि कि कोर्यर द्वार्यतिये प्रतापादक्षेत् कुवायाकेरकेष्ठ्र ११ केर्यक्षिके व्यत्य स्थापाके केव 10 agg Zi あいないとうながら、四くをとはい からさいが、あるくないなく、からないなっていというとう

म् अर्यात्र विश्वति क्षित्र क्षेत्र क् あののいかがいかり もとがとなったことというと まっているというにといいい かんのうれてはないには、あらそのかまれななない。すべいないないというとうしていいがい (मर्थाताकरवाताकरवाताकरवाता न्यंदेश है व लिखा में महामूह में एक प्रदेश के विद्रक्ष्या अर्था अर्थ । विद्या किर्या किर्या किर्या किर्या किर विद्या है। स्पर्मित्रमें द्वास्त्रमा असे महारात्मित्रम देवला अवाद्य में अही है ते के प्र विक्ताना व्याद हरार मुक्केरकार के त्रके त्रके त्राचिका स्वर्ध का स्वर्ध व्यापाय स्वर्धिक महोत्यायत कियार महेया हैन एक विकास मान्या पर विदास मान्या विदेशिया मेरिया असेर्या असेर्या मेरिया मेरिय वरहें अल्लेश वर्षेत्रहा अन्यहें स्थान देरवें न्येक्ष्यं रहित्ये कि व्यापक्षित कर कर कर निर्देश । र्। में श्रम्यादित्यदाव के हैं। यद केमा अंदिद । केम में में में में अंदरण बूद जा। विवा रथताचीरप्यत्यकात्वररे हुक्ता केराव विवाद विवाद विवाद 大はまる あいないとうないできていいからいかいかいかいかいが では、くれん म्यान के विश्व मिल्या में किया मक्ष्रभाष्ट्रमात्रात्मा अनुवादात्रात्मा अन्ते । द्वादार्यमात्रे । प्राप्ता प्रमुद् रुवामात्रेयात्रमास्टर्यक्रकेरवर्धः यसक्षत्रक्रम् व्यापः नदानवीदाः तरापादर्धः यापः नप उद्दर्श्वास्त्राम् । व । स्था स्थिता वर्षः १ वर्षा वर्षा मान्या । वर्षा वर्षा गडाँस है भेर हैं। एंग मुखा पहार्थर कि मारहरभू देश मेर्यार अलालाकर वार्यर व्याप स्थाने में में मेर्टिंग र्यान सम्मान करें में राम त्यक्षत्रेत्वत् सर्वेद्रस्थल दिवर्गात्रात्या । १००० म् मार्गान्यायक्र स्राप्टर - कर्णायक्री देश धर्मा वर्षे वर्णित वर्षे अर्थे क्रिक्रे के क्रिक् "न्द्रक्ष केवीत्रात्रात्तात् निरंगविष्यात्त्रात्यात्रात्रात्रा वर्षे प्रवाद्येतेस्रायात्। ्वरत वार्रकारम् वार्य प्रदेशकार्य वार्य प्रदेशकार्य हर्ति वार्य हर्ति वार्य केटलायरमान्यान्द्वो वहायलावहें। क्षेत्रके त्रित्व ता नलर एन क्षेरहेते दिए र मुद्रभाष्ट्रमा राष्ट्राचारा मान्या केवरकेवित्यादी राष्ट्रमान स्वाचे प्राप्त कुर्धकारी केंद्र देशका कामा कामा क्षेत्र केंद्र देश वस्ता स्थान है है. किता महर स्थितिक वी व रार् के तर्वा वारा विद्यहत ही वा ताहुवा राष्ट्र वारा सुव राष्ट्र हो स

いた時で NA E

र भ्रे

श्रित्वर्यः यावविष्ठवर्ष्ट्रव्यवस्ताः वृष्ट्रिय्यव्यान्ववाद्यामालवाता सर्व वर्अवर करणधीयभरत्य के विष्ण हिरमे अध्यक्ष भाव भेरा देश्यापर वर्षेत्रकारण क्षेत्राच्या वस्त्रमानुवास्य स्वर्षायास्य स्वर्षायास्य देवर्राच्याय स्वर्षायते देवा त्यार्थायाः रमम्योते त्यस एक्स एक्स कराम अत्वर्षिय हो न के अव हार क्स अनु साम अनु का कि करा हो कि साम हो है कि साम हो ह्व स्रात्र हराइ रेल सर्वेशकारात कार्यात्र स्थानिय के अन्तर के स्थानिय के स्थानिय के स्थानिय के स्थानिय के स्थ ना नाम नारा अस्ता वर्षाय कार्या कार्या के दे हिंद में ताम ना मार्थित में में दे में व में में में में में में हिर्द् प्रक्रिके जार्ड हैं से स्वास्ता है। नवद्र के के से में के पाक्र के में है या विश्वकार राधीया, त्यामवात्रमे वर्षा भरद क्षेत्र में के व्यवस्था मुक्त मुक्त में मार्थ में श्री में मार्थ में स्था में मार्थ में म ेर्ट दुर्ग न्वर्ग महिल्मका नेप एकर हिंद्वरेषा खुकार एउनु ह्वरकाल कुलचेर्ट हा बेंद हिंद्या हिर्यानवर्य, हे न्य विवस्वयादेवरा के देवराद्वेवदेश्यव्या अहर अविवस्वक्याक्राहे। राम रामका में देया है त्या महत्त्वत्ते । अवनामविद्या रे त्या रे त्या त्या है त्या रे त स्टरास्य क्वला द्व हरामाने देलहव हवल है। देवल मायसीत्र भर्दे । बर ह्या वर्षे さんとうない しょうしょうないきょうない これになっているできるといろいろ एक्ष हर सामन हे तर्वात्त्रकी र महिन्द्र वराम एक्ष क्षित्र महिन के मान वयाद्यर के स्थावर तार वारवी लाय के कार्य के केर की र में प्राप्त हैं से वर्ष हरा है। वर्षे माना रक्ष केंद्रक करेंत्र के लगा अवा वीर रेंद्र कर्द्र काय स्वीस्था सर अयात रेवाक्ष्यात हैवा दूरा मेरे अहर ता केला म्याना से से व किर मर के मेर हैं व हैवा मूरी सर्दरस्याकर्त्वेत त्यं तार वेव ता स्रामाण माला में में विद्याली सरहर्य वार्येत. 大きてられば、ヨヤニーといれずないという。まで日のはないとてている。 あっくかくめん राज्याक्षराय्यक्ष राह्यवार्द्ववार्यहावतः अवर्द्वाक्यात्रस्यात्रः स्वर्वाक्यात्रस्य अलारलरुद्धार्यं सरदेलद्दीय मलंडील्य पन्तरः करिनेस हरायादिताराम्

म्यानस्य हर स्रोकेन करण मद्यस्य हे स्रोद्यास्य स्रोद्यास्य हिर्द्यास्य हर्ष्या

र्मूम् निकामा स्वेग के जार विकारी विकार में विकार में विकार में विकार के विकार के विकार के विकार के . २९०१ है।= देर्नेट के अते अर्भेट ता शुरुके हक के वादते के देर तर्के वात्र के कर कर कर कर कर वा ता भर क्षेत्रमा "नद्यहर्षाक्व सुर्ययवित्र प्रमुखरमा क्षेत्रने में मानिव्यव्याव करणा में में मानिव्या है। प्रमुख्या वर्णवेता चर् विज्ञेशसवितव देशाच्येताम् वर्णात् सावतित्य पहेंत्रेश्वर्त्तां कारा देशस्य वर्णाता रर्थाभर विवय के अन्य नेरे ने वर्ष र वर्ष र वर्ष के के के के किया के विवयं का किए के विवयं के किया के विवयं के क्र भार आपार्य व परवा त्रें हुन क्रवा पार्व रवा मान स्टब्स वा हैरा हिर्द्धाय वहुता क्षिक्षक तक्ष्यक्षत्रकात व्यवकार्य द्वाति वर्ष्य क्ष्रिक्षक्ष्य द्वाति क्ष्रिक्षकात्रकात्रकात्रकात्रकात्रकात्र 3 व्यापा त्यवारच्यक्र वर्षा के मुद्रो वर्षा अक्षा क्षा क्षा क्षा के व्यापा कर मुद्रो में वस्त्र वर्गारक्षा के के विकास ता वर्ष की रचने विकास कर राम कर रिकास कर राम कर रिकास कर राम कर रिकास कर राम कर र अविदिर्देश्यार् विद्यार्थ क्षेत्र विद्यार स्वाहर्य स्वाहर्य विद्यार स्वाहर्य स्वाहर्य स्वाहर्य स्वाहर्य स्वाहर मार्चर्याप्रस्तारम्यार्थिक वर्ष्येष्ट्रा अस्तिम्बेर्येष्ट्रम् वर्ष्येष्ट्रम् वर्ष्याच्याप्रस्तात्र्यास्त्रः देशवा सेर्नेत्रम् (त्यर्भ ह्या प्राम हर्षारायामा यद्या दे यत्य पर्य स्थानेता वर्षा में म्म्याय के स्टार्थ के स्ट्रा के के सम्दा के कि के सम्माय के के स्ट्रा के के स्ट्रा के स्ट्र के स्ट्रा के देरुक्रद्रथात्वमूक्त र्वेभक्षम् मुः निवेश्व ११विव ११aa विभागम्बाद्यामान्याचे प्राप्ति । व्यवकार्याचे व्यक्ति स्वाप्ति । व्यवकार्याचे व्यक्ति रे.व.बेट.खा म्मय वर्षिकारे रेयारे त्यारे प्रति कार्य कार्यका स्वर्वका स्वर्वका स्वर्वे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे ななが、これを大きないとのにはいまといいできるというできるからはない、からものなるないとなって ्रिहरसम्पत्त स्थित्रवहर त्यत्वावतवव्यत्रे रक्षेत्रव्यक्षेत्रव्यक्ष्यात् र.भ.र्ट्र.६नएवर्डेलाकी, भट्र.३मल प्रतराज्यात्रवाव राष्ट्र व रामक्टराने से एड्र. धर. करायेक , ही स्ट्रेड अवद्राय में माणाविक सार्वा करा भी करा है विकास करि १ स्वर्षेत्रको दवः कवराहेर १३ १६०२ महत्त्रहेत्रारवेतारवंद हिराद्यः सार्वादिका कर्षेत्रास्त्र ल्यं स्मराह्य व्याचार्यात्रा व्याचार्यात्रा क्यांचार्ड स्मराह्या とかいるなのはかんにかられていましていましている。これには、これのは、ある、とかいかいとれる。 とからない かいれかのかといかられてなっているかって はらればるし できないかと त्व्यान हरवार्यके अहरवर्ष्ट्र क्या देशका के वर्णाय दे कि विवाद के वर्णाय है। くなっかり あいれていてはなるはれんしかいろうできるとうしてはないでくらかっていく

शार्भाक्षेत्र द्वावतक्षेत्रवद्वतक्षेतायद्वात व्यापात्यात्यात्यात्यात् व्यक्षेत्रप्रत्यात् । या भारत्या मार्ग भारत्य प्रमाय विकाय हिराय है अध्या स्थाप के मार्थ से मार्थ प्रात्मात्र विषयाम्बर्गात्मा विषयाम्बर्गात्मा केत्रात्मा केत्रात्मा केत्रात्मा केत्रात्मा केत्रात्मा केत्रात्मा लिए प्रहासी र देवरा प्रविस के व्यास्त्राक्षण दे हैं से प्रविस्त्रा के प्रविस्ता के प्रविस्ता के प्रविस्ता के प क्षेत्रअ.क्षेत्रीयोजालक्ष्यभावरी देराद्भार्टर.क्षेत्रेर.प्रवृद्ध्यालरी भव्षभाषावर्षःकेरावया. पववातावरे क्रान्यार्थाराष्ट्रियार्थित वर्षेटावमणायाः क्रियार्थार्थः वर्षिति सर्वास्त्रे अवाविक्षेरामावेवयायत्। वर्षव्यक्षेत्रवेवववव्यव्यक्षेत्राचेत्र एदए नुस्बर द्वा वादव संदानिक हैं ना वर्ते वादव से हिंदा सु ना वे सार्वे स्वर्ध के दे । श्री र ख पर् देवनायाम्यराक्षं दरवया एड्नायाम्याम्य म्रामा म्रामायाम्य ब्राट्स्य व्याप्त व्यापत व म्हालकार्यमा व्यवक्ष्यतिक त्रात्ति अवक्षात्त्रमः वर्ष्यः कीर्यव्यात् राम्राध्यक्षिति । मिं बुदाधीया यात्रावस यात्रादरे हिं हो येद के के बहु के हिंद लायर है ने विद्राद्य है है है । La. Asleri केंद्रभगविष्ट्रं शियाकेम्हर्द्वे वाद्रम्वरुषः श्रीत्रक्षायाक्षेत्राताक्ष्रं वाद्रे वस्ताराद्वित 日 かかいかり कुलकुलल्युवा । प्रदाह्म उटायादिलका लाकर स्थर । या वस यह व व दा हर दर र ge. AU. O) भूका स्वायद्वा ्यम्स यामान्त्राम्यान्त्राम्येम् १८ हेस्रियासक्यात्रास्ट्राहरा हर्षेत्रास्ट्राहरा यः व योष्ट्रायदेवा चारदा यास्त्रप्त के क्या एवं चारदा हिट्या के क्या जब से चारदा ইবাইবা रयतः कर्रा सुरक्षा त्वर्वरवावता हिरक्षे मुख्यात् व्वक्कितात्र्व स्तित्तात् वित्रात्राचेरः hard, strong. 653 मूर्यूर्म् मुला बर्धिरस्परविधियातातवव दिरामक्षार्थः लिया वर्षाद्वा मिर्धिर पर्धिर चेडलामुरे,लूरी एवडल झे झे चेडल प्ररेडिताए झेलाझे रथूल इस की वरेड सेबाह्र के कर स्थार मुं मद्वे केद्र मिराववया यालक्ष्र्यक्रियक्र्य्यक्षेत्रक्ष्या वर्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्या मार्थ्यक्ष्या अर.क. थवान्त्र श्रेवा ताव त्रवा अरदः व दव दक्ष मुराक्षेत्र क्षेत्र ह्या अक्ष्य ह्या हित्र व दवव यात्री अर्वेगश्रम्वर्षावाद्वरमञ्चनायात्री हिर्श्यक्षिताम् वर्ध्वरिक्षाम् - अर्वेअडिवधिराम् राप्तिका वाप्तिका विकास मान्या विकास मा त्यादर्गाटकार्म्यात्रात्याः अस्त्रामठकामक्वायात्रात्र्यापकर, महत्त्रात्रात्याप र्भ्राम्बर्गान्त्राम म्यार्थ्यावर क्या वाकार्यमाया क्या त्र क्षा वाक्ष्र त्राम्य

्रिस्टर्य म्वारम् तहराम्य विष्या मार्थर है।द्ववार वहराम्बद्धाः तहराम्य वर्षाः द्रम्य। विष् क्षर्यात्र्रहेरहेर हर्याक्षात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र र्यालकाररयाल् विश्वरादल कर हरी परे का परेवा के पार्चे व के जात सेर परे परेवा अव र न्यान्त्रात्वा हेवारा अदक्रियायदे त्यावदे त्यावद्वा तक्ष्यात्यात्वा वा हेवायास्य की वद्वद सुवासक्ष सर्भिति एवे भर्षात्य भरकर एर्वा लाहा के देव लागी। व बेब लाहे, तर् देव देव साम र्रे रहेर व्यवना अक्रमा के किता मता एडिता में देव एक प्रकार के प्रमान के मता देव मता देव महिल्ली हरम्भातं वीस्र मात्रे मात्रे मात्रे प्राचित्र वित्र के मात्रे प्राचित्र के मात्रे प्राचित्र के मात्रे प्राचित्र एक या ताता रू. इ. व. दें . चुर किर के व. क्रिंग ना हु . क्रिंग ना में में में प्राप्त के में व. है न विशे ्रेर्वश्चारास्त्रायाराम्यायात्रवतः सार्रेष्ट्रस्त्रम्याववर्षः उत्तायास्त्रेरस्रिरस् ्रक्टा वाकार्य क्रिकेश्वर्ता के जिलान एर के लानपूर्य के के क्रा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र करा श्रेट क्षेत्र मा सर्दर्य के राव राद्र अरबेकियायाता रेप्ट्र केलार वेलक्षेत्र हिराण रवर विक्र वर्ष प्रवर्गम्यवामालाषुरवतितु मकेरायाः महत्त्वा राष्ट्रियाः लावतामानाषुता मर्रक्ष्याहर, म्यम्बाद्यार्वार्ड्यारात्वाराचनारा वाराष्ट्रवारात्वारा ることは、まい、至いて、からいからい、 なられがいない、ないままである。まないのでは、いないとなっている。 बिन्द्रिश्वरमार्द्धराम् र्वात्मार्दरक्रियात्मार्थितात्मार्थितात्मार्थिता क्रिया न द्विवयास्त्रीत्मा विराप्तरारं राज्यात्रमेत्रविकास्यात्रात्रात्र विराप्तराप्त्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रा がいいとうなるないできるというないないというないないできるというないないというない हम् अक्षा नामराद्वाताको स्तिरक्षितामक्ष्राद्वाता गार्य क्षात्रवाक्ष्राक्षराचित्राच्याद्वात् के त्वरादम्ब्रेक्टिवास्यक्षेत्रक् विश्वाप्त्रका देवप्रक्षित्व रात्त्व प्राम्द्रिक प्रमुख्यात प्रमुख् वासवाराध्यार्ष्ट्रियार्ष्ट्रयाः स्वत्रद्रायाः सुर्यारद्वरा त्रेत्रया एत्राय्यायाः स्वास्ट्रियार्यः रद्वाभेरावहत्रद्विक्तं व्यक्तिकार्या व्यक्तिकार्या व्यक्तिकारी व्यक्तिकारी एड्रेड्एंद्रकी स्वाकेटल्यान्तर, विद्देशिलक्षियाव म्यका विकास क्षेरक्षिया त्यारहुव्यात्मराम्याद्यः त्रेष्ठुर्द्रभगभगः भाष्यात्स्यात् । ग्रेष्ट्रराष्ट्रायां यात्रायक्षयः ताभवविद्याल हेरेद्रार प्रत्या देशक में भेरतिय के विद्या में में रहे व वर्ष वर

अहें देश अवर्त्ता रहेर हेर के महे रहर दर वस्ति वस्ति वह प्राम्य मेरे (१९११) केरक्रक्रिय म्म अरक्षाक्षात्वात रमवाक्रम्यक्षित्वरम्य म्म र्वास्य म्याक्रेयकारीय में वरा ना करा वर्ष रहे देशकोर की मात्रक महत्रमाल स्वाम की हरतहेव क्रियाम्बर्यायम् हिल्लह्याहेराताम्यायाम् विवादान्ति हिंद्रम्याम्बर्धातामक्ताम्य मेर्द्रक्ष) वदारोभ भाउवायायरे भ्रीद्र हीवायर्द्द्व। कृतायकी यगता विभाग वदवा धार्याया। विद्रास्त्र तापास्त्रमान्द्र सेवलिमक्स्मार्थाते वर्णात्रमान्त्री संस्थान्यात् वर्णा वर्णान्यात् ह्या क्रिकेट रहे हैं। रद्या है अध्या के प्राथन के प्राथन के प्राथन के कार्य है या प्राथन के प्रायन के प्राथन के प्रायम के प्राथन के प्रायन के प्राथन के प्रायम के प्राथन के प्राथन के प्राथन के प्राथन के प्राथम के प्रायन के प्राथम के प्रायम के प्रायम के प्राथम के प्रायम के प्रायम के प्रायम के प्राथम के प्रायम के प्राय जिमानमार्थे भवावत् मक्तिवानामार नरह्या श्रीवर क्षेत्र सिरासरात्या मिन्द्रा के मुक्तिया के मान्य से अड़िअम्प्रस् डेट र र विश्वास्तान डेट. जम में र्ट्र राज में जाता पु. से वरके प्राया र ट वसर्धितन्त्र । द्वारहर्भेत्रत्मक्ष्याभेत्वरः क्रिकेत्रास्थार्थार्थः। भारत्वसार्थः मन्यक्षा वर्ष्यास्त्रेत्रवर्षवर्ष्यस्य । वर्ष्यस्य वर्ष्यस्य स्थान मास्त्री मिर्केशिव वित्रिक्ता मान् अधिव वित्यक्तिया मान्यार्थित वित्राम्यार्थित मिल्याक्षेत्रत्यक्षेत्र हेन्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्षेत्र हेन्यक्ष्यक्षेत्रक्ष्यक्षेत्रक्ष्यक्षेत्रक्ष्यक्षेत्रक्ष्य एवव,सिर्टरात्र्यं वर्णक्रित्तालितं काविश्वयणात्रपुः देव स्तित्रां के कात्रे ३ वार्ट्रते वादायात्रा राष्ट्रवाद्यात् मारस्युतात्रात् प्रात् प्रकेशवाद्यामार्थित त्यावाद्यात्रात् व्याम् म्या महिल्यां है। या विकार विकार विकार के विकार के विकार है। विकार है। विकार है। मिलामिभरा देशवर्ष अस्तिवर्ष देशवर्ष देशवर्षिक नता गास्त्रिक वर्षात्र में प्रिक्ति उसर कर्षीरवरे भीर साममाद्रक तर्यहर एक वरहरा येत सामक वित्रक वर्षा वरहरा येत सम्बद्ध वार्ष रहे वस्तरहन पादमा विवाहितिहर्षिक क्रिक्टर्ग के मक्रानिता कर्ण है। त्रिक्रा के प्रतितिक वराईर मिर. वरहर्म्ब्रिक्सेन्वत्यम भविक्षेत्रवेषाक तर्ने वेषाक्षेत्र रहेर वर्ग प्रत्या मुन्नम् वर्ग रहा रहेर निकिध्यातिक । राष्ट्रायातिक क्रियातिक क्रियाति म्ब्रियातरमा इयावन्दर्भन्ना मृत्रिया भरतात् । इया भर्ता देश त्राम् त्रवरावते हैं वात्वेर तर्दर करायुर डिकितिके हे स्ट्रिंड करत्वीर नर्दिक्र वर्षेत्र राष्ट्रिके कर के रेकेर्य रेकेल हे कर्षेत्र नकाम में ह्वा क्षेत्र हुते तत्वामारे सरकति कर्वति करवति का माने कर्यति मार

यविर्ताको स्वाद्यकार विक्तार विकास विद्यालया । विकास विद्यालया । विकास विद्यालया विकास विद्यालया । वर्षर्भादेक्षर्थाते वर्षक्ष्यं द्वरत्मवाक्ष्यकार्थात् । मिलात्त्वति क्रांत्रां क्रांत्रां क्रांत्रां क्रांत्रां विद्याय हिंद कर्र दे सरकार के मुतिरक केर बार्य का का दिए माल रहे कर देव खेते के समर हैं कि सहभारत्वत्रे व्यावकतित्वहरायाचेरा र्वायस्थान्यम् स्राप्यकतित्वास् ्द्रम्बन्धर्वत्रेतः । भूरद्दुव्यक्ति क्षेत्रम् व्यवस्थान्यः। क्षेत्रेवरवक्ष्यरताच्यर क नारक व रायम्बर्धिक मार्वेशमध्यय हैवास्ट्रिये न्य भेरत्रहर्षाम् अरुक्ता म्र रहरत्यमाश्वरत । व व विदेशे अर्थर सुव अपने विव विव विदेश कि राय्य स्ट्रोत्रिहिट्ने र्यायम्ब्रिश्चियावहेवद्यामः हाक्ष्यां सेक्यराव्यम् स्ट्राह्म स्वायात्वा स्वायात्वा कुर्वास्त्वास्त्यास्त्यास्त्यास्त्याः विवास्त्रास्त्रात्वा विवास्त्रास्त्रात्वा रह्नाधिर्धरातुरात्रुरात्र कर्षुत्रीराधार्थ्यत्यात्रेत् अन्यर्धन्यकेर्पत्याः वर्षिकेता र्धातवर्रवर्करतात्वस्य वर्ष्वाकाष्ट्रवर्षस्य क्षावर्षस्य वर्ष्वर् यस्त्रभेतर्वावर्भवात्रभाष्यः भवने स्वर्भागात् द्राम्यवित के त्रविरक्षे सम् क्षेत्रा हिस् रिल्ये प्रदेशकात्रेत विकास के कार्य के कार के कार्य के का ुर्द्रात्येरे ्ह्रार्थ्यस्त्रम्यअद्येष द्रमण्डम्ब्रक्षर्वायअद्वेष हेर्येवः まれたいはないから かっぱいしいとうできていましています あいいまかい या छत्रसम्भावत् । छोर्नेर्सिर्म् देश्वीरमिष्ट्रे। यश्व द्यायम् भवत्यत् वर्षे द्वरम् अवस्था विद्रार्भित्रहार्य केंस्ट्रे दूर हैं। र्यात्म्याम्य र्यात्रहार्य क्रिक्रिक्ष यार्ट्याप्रस्थात्राचात्र्यायार्थेलवात्राच्यां देवार्थ्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य महत्महा मेलायानवर् किलान्य यास्तिम में वित्र महत्त्व प्रवासित के स्वाप्ति स्वाप्ति मित स्थित्रियं रक्षेत्र भरत्यं वारत्यात् की कुर्ण दे अहर्तित्यं के हें का खरा कर में में में में कि देश हैं की णमातामा स्यान्ति दे व चटा स्थान्यति स्थान्यति स्थान्यता स्थान्यति । दे प्राप्ति । स्थान्यति स्थान्यति । स्यान्यति । स्थान्यति । स्यान्यति । स्थान्यति । स्यान्यति । स्थान्यति । स्यान्यति । स्थान्यति । स्यान्यति । स्थान्यति । प्रक्षितिक्षेत्रः वर्षः मेर्यक्षा अक्ष्रिवर्षः । अर्ट्या प्रकार्षेत्रः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्ष क्रम्भूद्रक्ष्यम् भारक्ष्यम् वाक्ष्यक्ष्यः व्याप्तित्वर्त्तः व्याप्तित्वर्त्तः व्याप्तित्वर्त्तः परम्भेगम्बेग्स्केवराष्ट्रात्स्य राज्यास्य विदास्य राज्यास्य स्वत्र राज्यास्य स्वतः यद्भार्यातं वार्ति द्वित्वाया देश्यास्त्री द्विता इसमात्यात क्षेत्र के वार्षित त्वासार्थी कर्णाः वहरत्यार्थरत्रिमारान्यार् स्वयंत्रे पर्वात्रे विष्यात्रे विष्यात्रे विष्यात्रे विष्यात्रे विष्यात्रे विष्यात्रे हेत्रवार्ष्याता द्वार्केट्समा मद न्य र्यत्यम्वम्यम्यक्षेत्रं व्यक्षम्यताहेत्रार्थः वर्षात्यात्मात्रम्यं देत्रात्वराष्ट्रभावर्ष्यक्षेत्रात्रात्मात्मेत्रात्रात्रम्भर्देन्वयर् य हिरा हेर एक प्राप्त में हुल दिल, का ह ला चार ही अहम तहन । देश मर्द्य पर्या भी मार अवन なっていていまります。ない、なっていまいというないとうないとうないとうないとう。は、まただけいないとうない。

बिद्याद्री वेशविद्यव्यातातात्व्यात्रात्य द्यांत्रद्यातात्रात्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्यात्

र धेका।

गिळ्याहे दोरही। हो श्रुवारियाम्याना सेरा बिट्यर सेर्बट्याया मित्रीताला,णालाइ, रेडेंचेता चीर्रम् भी जेडेंचेप अर्थात्रहरें र म्लास्टिशक्रदेत्यरें से रेडेंट्यर, मक्री मेर्। मेंग्रेनर अवलाग्या हेर्री कार्य कार्य कार्य एवं राज्य हार्य स्था विया ह ظامر بري المرك يرام المراج في المواجع المراجع المرا एक के निर्मा करा के में के कार के किया है। विश्व करा के किया है। विश्व करा किया किया है। विश्व करा करा है। विश्व करा करा है। विश्व करा करा है। विश्व करा है। व म्भवास्तिवातास्यः क्षेत्रकात्यं ग्वर्षकात्यं ग्वर्षकात्यं ग्वर्षकात्यं विकासाम् ग्राह्मकार्यः からかいのからないないというないとのうないとのうないとなっているいとなっているできない रेन् मेथरक्वायरं वन्तर्दिने ज्यान्त्या क्षान्त्र मार्थिता महत्वाय क्षान्त्र विद्याने क्या को दे दिया मुकार भारत्यका देवका श्री दर्गार देवका महता देवका तह दरापुटा को स्था हुए हैं अ मिन्द्रन वहामारी भूगण व कर्यन्त्र के चण्या है के चण्या है के के हैं के के किया है के के किया है के के किया है के के किया है किया न्यान्यक्षी व्यान्यान्ये व्यान्यान्ये स्वान्यान्या । स्वान्यान्यान्याः व्या भवार्यम्भवः भवार्षः भवा भवा । श्रीराद्यान्द्रवावम्तानः ववारदे स्टाइन् भविवादावताद म्रह्मिया मिर्ग मिर् हैं । हर्त्रेर्प्वदक्षेत्रभर्ति । द्रिप्रमान्यिके क्रिक्रम् वास्तरपति के तत्रभद्रात्यके । हार्ष्ट्र देर्ड्य द्राया कर्म विभवित कार्यायके क्षेंद्रम्य । वाद्यां नामः विद्यम् स्वाया वाद्या विद्या । विद्या स्वाया विद्या । विद्या स्वाया विद्या । ्रात्येक त्रात्रे के व्याप्ता त्र के के प्रत्या का के के विषय रे देश्यथाओं केरत लेव इंबर्डिंग स्वास्त्र हर हर प्राचारिया रण र प्राचारिय के सम्बद्धा के पर कार्या मार्थ मिलार्केस्य स्राच्यायवार्गा मर्यास्य स्वरूप्तार्थात्यात्रा वार्याद्वार्थात्यात्रा क्षेत्रवर्ष्ट्यान्त्रस्य में स्वार्थित । क्षेत्रस्यम्य प्रतिस्थान्त्रित । त्रास्य स्वार्थित । कुर-रित्तिम् केर-विश्वतिकार्याः वर्षाकेश्वत्रम् वार्याः वर्षान्यः वर्षान्यः वर्षान्यः वर्षान्यः वर्षान्यः वर्षा क्ट. व. मेशना. जा अधारह्म हर देरे र राम की त्या है। रवा प्रमेश कर देर अर्थर भी र्वानायानानानेशाता हरामराभेर। हो नेराक्षेक्षेत्र के व्याया तर्वा वायान्त्र मेरे प्राप्त वायान

2 मंदिन केटान

woran & wife.

रमण्यम् वस्यान् स्यावरात् वर्षाः वराः वर्षाः न त्रान्ते द्वार्थित क्याद्रः न्यायम्याने द्वार्थित वर्षायाने द्वारेद्वात्रमायविष्यम्यम्य मर्यान्य प्रदार्वितार्टायात्वरत्युरायुरायात्रिक्षात्र्या व राववार्यरेवितावक्षात्र्यरे प्या रमणात्मरक्षरातर्रहिलामणः स्वाधार्द्रम्दलदाः व्यादास्यात्स्य म् वार्षकारम् । व्यास्त्रात् । राष्ट्रात् । राष्ट्रात् । राष्ट्रात् । विदायत्वस्रात्वस्य म्य 'ट्राम्यान्द्रमा द्रात्तविष्ण्याचेत्रमान्त्रात्त्रमान्त्रात्त्रमान्त ह्यमसीस्टर्स ने दिस्तितामा श्रीद्राष्ट्रेत्रे अवस्य निर्देश हिला देशातीसर まっまいかっち、とはままかのでで、ようかかいは、またらははは、あってきてくとり、気で नियम् मुलाह्याः हैन देशिषद्वारम् वान्याः हीर्याम् नेयाः मुलायाः । दार्यास् हिवायरम् न अ । भार प्रता चर्या वा चलवयारवा वहारा वा विकास कार्या वा विकास स्वार्थ विकास 五人をたっているがなる。 からいるというない、いいは、これは、からないないないないないない カマンターをは、というないはないない。こうこうは、こうというないとは、ころいとは、 ब्देशण है। इश्टरक्षणः 京大学/土屋上でいまいまかいいいけいいかいはいいいいいいいいいいのではない、大小屋高く विभाग्ना वार्या कर्ण वार्या विभाग वि と、いればいいいだけにはないとし、これはいいはいいはいいかいまれて、まれまれば श्रिष्ट्रां केंद्र रंग कर कार्या वर्षा वक्षेत्रविवाद्वर्षा महारहेता राष्ट्रकरात्रा पर्यं वर्षेत्र । वर्षेत्रविक्षेत्र वर्षेत्र । न्यामा मान्यामा कार्यामा विश्व स्थान स्था स्थान स्था स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्था स्थान स्थान स्थान स्थान ्या मरि अरुवारु शेलदाक्षेट कर्णा श्रीट श्रीट प्यादक्षा मार्ग वालवायां कालदर कारवादी द्यार 4日日本では日本に、「新の多、安日にして、大きないはいまくをは、こう、 あかれたとうかんがあり रुटा दिरक्षेर्भारमात्मेरामः हार्राद्वार्यस्य दिस्यात्वार्यः दिस्यात्वात्वा द्माताकेर देश तर्विद्यात्री व नाम निर्माह न देश हैं में देश देश देश देश देश देश देश देश देश हैं ने またかっている。 まいまれるいいはいいままいい、そばるとののはないとの インエイで、コラング、コードインエイの、インド・イングは、アインでは、からいから、からいかい、あいていて、ころでは、からいから、からいから、からいから、からいから、からいから、からいから、からいから、 عاديد المراز ودر قدر هدالا برا العرف محروع فري الأعلام فرد العرف بوذ ما مرف بود ما مرف ب 

लूरत्र. सूत्र. प्रता वर्रायम् वर्रायम् वर्षायम् राम् । साम् प्रमान स्मान वार्टर.वनमाना झे. में झे वर र वेबाल कि में मुस्तरहुवा र अरमेर कर कि लाम कर विदेश साम का मेदामका व्यवादरेव । का प्रित्म एता सम्मक्ति मिरमारक स्प्रिति सूत्रामारी हेर्द्राका त 「おころれる」」は、とうないないのの、いないいいいは、はらればらいて、かかいからい महिला त्युर्वियाय्यात्वेदरद्वराष्ट्री केल वर्षः वित्यात्राहरा भारमाजादी संस्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स् यथा तर्वेश्त्रेत्रिया केराया वास्ति हराया किराद्या केराया बिद्रुत्मेतुराध्यायम् । १ दिवार्षायम् । १ दिवार्षायम् । १ दिवाराष्ट्रायस्य । १ दिवार्षायस्य । लायक व्यापनामा सेन्द्र्याणम् स्वापन्य पान्ता । व्यवाद्रा । व्यवाद्रा । व्यवाद्रा । व्यवाद्रा । व्यवाद्रा । व्य म्बर्ट्य विक्र में के के क्षेत्र के कार का कार का का के का का के का कि के कि के कि के कि कि के कि के कि कि के क हैं र. वर्र एक् क्रक्ट्र क्षेत्रा हुटला नात । वालका हुटला हेववा के खेवा हुट एक्ट वीका वर्षी र देश बट खेवा されては、ましては、これには、まない、 ないまでのなんには、していましては、 न दान श्री स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स लूर्त श्रम की रदावया के बी ने गया मान्य वार है से र बद या या ीक्षांकर नेर् ही भा शिक्षांकर ता नुरावा का जा का का कर नेरा अभाग्या का की में त्रा हिंदार कार्या है के तिया के विकास के वितास के विकास के वि द्ववारमञ्जूदाललल्या । वारहेल्या । ने । वडवर विवासमा विद्यार प्रदेश दर्भ でいるいろうないというないないないないというないになっているというない。 यी द्राला हैं। ब्रेट्रांट्रे नेत्रां ने मेर्ट्रे नेत्रां ने मेर्ट्रे नेत्रां ने नेत्राहरा नेत्रा रार.विर. रे वियमित्रात्य सरवास्त्रात्री सरवसेर.नह्न र्यालारी हिंद्यान क्षेत्राचार के ्रक्तानाता है। तर्वावर से गाना वित्र देशा । वा वित्र वित्र हैं के वित्

न्ते वार्यवासेरावयावास्ता रात्ररत्वरद्वारायाचेरवी क्षावास्त्रवर्षात्रकात्रकात्रा स्र मिर्ण स्याप्त एक्ष्या दे भावा वात्मर एक्षिण है वात्म विकाय के वाय प्रायम विकाय के विकाय क मद्रव (प्रेक्) वाव्यव्यक्तित्व । विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्र विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क दुशा में इंजलायना यह अया है दि है वहराय भेरवला मा पर से मानवा के भेर केला बारमार ए. तेल देवाराकावाश्व । विरास में में कुर्य है। हैं रहा में र्वास्कित्र्रा व्यास्य कर्षा कर्षा विष्टुटायुटावकायर्वित्रवेषात्रीया । एर्डाकि मुक्कायर्विता ्रया कर्षायामान्यक्रात्वरक्रात्वरक्रात्वरक्रात्वरक्रात्वर्थात्वर्यात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्यत्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्यत्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्यत्वर्थात्वर्यत्वर्यत्वर्थात्वर्यत्यत्वर्यत्वयत्वर्यत्वर्यत्वयत्वर्यत्यत्वयत्वयत्वयत्वयत्वयत्वयत्यत्वयत्यत्व न्तर्भरे वरेनरेर देन के निर्माण के वार्ति के निर्माण के त्वार्विकार है। इललाइका कार्य के विकास में निरम्भन के नार विकास के विकास

X EV!

मुभरके. भुभगग्रापा केरदर्यके वर्षेद्रभए १ द्राः पत्रापत्रा विवाद्राः र र्राण्यवाद्यक्षेत्रकीयमा व्यवस्थिति क्रियास्य क्षेत्र क्रियास्य क्षेत्र क्रियास्य क्षेत्र क्षे चामका नामवरसर मर्देश्य अंद्रम में द्रायाता में वेश में वेश में वेश में वेश में सरस्य वात्रात्र अध्याद्य वर्षा वर्षा दे देश्याद्य सुवाकी वात्र ने वर्षा कर्षा वर्षा तहिनाहेन प्रमायकीयार्या या वनन्यते श्री श्रावरीयाना की देहे विदाना का वार्षिय कार् महास्याम् महाम्यान् वित्रम्याम् वित्रम्याम् वित्रम्याम् वित्रम्यान् वित्रम्यान् वित्रम्यान् वित्रम्यान् वित्रम पर्पर्शेशनुक्रेणवामर। देवानेमित्रुं पुरानुस्या । अग्राहे पर्रेन्द्री 1 ask 311 न्तराय नदास्तरा । वर्ष वर्ष वाहर्षित्रत्रात्राचार केरायर केवातर वाहर चरदेर.रेनएक्.को.केच.सेच्या.क्.सेट.उहुत्र.चलन्तृद्यंत्रेच्यात्त्रेच्यात्त्रेच्यात्त्रेच्यात्त् रर शुलरे भेर शरकार्गा यात्रा द्वातातातातातात्राम्यद्वाया श्रायम् वात्राम्यम् वात्राम्या स्रायित्वात्रात्रा स् वयायावतरम्यायमतासेर्यतेष्म् यारत्युरस्यं वातुरावस्यम् ह्यायापतिम् । कुला ब्रेन्ड्स अरागर ही। महाक क्षित्र । त्युवायहरा हा त्युवा नर्त्य । की त्ये बेहा किया एवाका नाम । नहीता किवावहेन से पार्याच्या माल्या सहित सा स्वापार एवं मार्ट्रमा मिरेश्वतिर्अर्थके अर्केट्र कामह्र विनेश्वास्त्रात्त नर्किट्रिक्श नार्ध्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् यान्य की एवं राष्ट्रायाम् मायवाता वद्यं राजवा नाराव्ड्याम् इर्ट्य रहर्द्द्रमानेशाची देते. इत्याप्टर्स्यर्था देतपञ्चाक्षक्षेत्राधात्राचर वर्षर्क्षियातात्वापः हैरी एतर उरी के गरिता केंग हिरहेर। रेत्रमार प्राचिता केंग कर्र वन्त्र यह महिरहे। भेवह स्व क् मुक्ताता ह्यानुद्रम्ताक् विक्रान्त्र मिन्द्रान्त्र त्यान्त्र त्यान्त्र विक्रम् र्याप्त्रम्तिः। देताल क्रियर्ग्यः एस्ट्रिंग्यं विद्यान्त्रः तर्वाच्याः त्राक्षः तर्वाच्याः तर्वाच्याः तर्वाच्याः र्वे देशकार्यन कर्ट सर्गरा में ता में ता करा ने में ता मे रवः भूगभन्दः दुलः हे । की स्वः भूगभनः देवगः पुरा देववः लया देवसः देवलः देवलः स्वातः स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्व क्टावसायहताता परा विकारता परायात्रमात्याता विवास सामायात्र मिता त्वक्याना प्रभावर् अर्पेर स्ति श्री र्राप्त त्या ते विद्यार त्य स्ति र्राप्त स्वास्त्र मारा सामा विवास र मावराग्यन्तर्गार् देस तर्वार तर्द्वाय नेरम महंदे तर्वायर दर्याको द्वादिकोरेत। केर्यादे वरहणवरात्म विशेष । मारदर्गाता हेराहा, वर्षाद र मार्चर अक्षत्रमात्रम् भेरा द्रा हिर्यव सुकार में विस्त 6 \$ 32/ सरतहर्ति । वर्षेत्र । वर्षेत्र स्ताव देवर्षा त्राव देवर्षा वर्षा स्वाव स्वाव देवर्षा वर्षा स्वाव म्रायर ने रामा करा देवल हैं ल रहा है मार न न का मार विदेश में के मार के मार के 四天 र्मा केना क्या द्रमर मं व ते ता सेरा दार्रित के के ला के प्रमासेराम्य मेरा की मायविर्या यं त्रस्थायम् । द्रस्थेतं त्रीवात्रुराम कुःयवं मृक् वरव्यात्वात् । द्रयः द्वीः वर्षात्वाः वर्भरावस्तरमा कुर्द्धवसारमान्य गानवामिवसार्वसा वामवतः कुर्द्धव्यवातर् तर् देन

विष्ठवा । इर द्वारामार्थे एप । यह द्वारामधिवादर तालाकार्यकार विष्युवस्पादावस । वा रेरी वेबात्यर एडिसेबा लर्भना बिवायलकार सर्हेर विदेश हो राज्य राज्य स्वाद स्वाद । व्यक्त्रीत यरमानुरामाना सेनेहिट्स् व वर्षात्वरह्मा वर्षात्ता हिमाहातम निर्मा पर्वत्रिय । विवायन्त्रात्यान्त्यान्त् स्थान्त्रात्याः विवायन्त्रात्याः त्रं त्रायाः भूता प्रदासिवादत्रतात्राः दारद्रम्या वर्षणाः स्वर्षाः व्यापाः वर्षाः वर्षाः छो:नेर्धारायाकी नर्वा कुराहरान्ये दिवानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरिया र्द्रिंद्र वर्ष्य्य व्यव्याचित्र वाद्य विवासिक विवासिक विवासिक क्षित्र विवासिक विवासिक विवासिक विवासिक विवासिक यहसामेराधिमा देरीरालवृद्धारम्मराम्भिर्भिर्नेरा मक्तावित मुद्दालासारविद्दामा च्यारा हार अग्राथित स्वारा क्षेत्रकार में व्यवस्थान के मार्च विकास कर्ष कर्ष कर्ष कर्ष कर्ष कर्ष करिया कर 高いるからかり 「そいます、そのか、だ、ち、の」かれることはないはこのかい、つて、いまとういれること वद्यात्र्यात्र्रात्र्विषात्म। द्याच्यास्य विष्यात्रयात्रयात्रात्र्यक्षेत्रायः विषयाः देत्रत्यात्र्यः एकदम्स्यान्यान्य व्याप्ति देत्रमञ्जरमञ्जारकदम्मान्त्रीदात्मान्यवाश्वर हेरादेरावक्रियां वर्र्र्र्र्यं केंद्रतेश्वास्थान्याः वर्ष्यं वर्ष्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः न्यावसाम्कावद्व। दयतायोदम्यवावसाम्कावता वद्वत्यस्वातिक्तं क्षेत्रः सावद्याता त्य। शुर्रअग्रे किंग केंग्लर् अग्रे विवास में विवास में (स्यास ) वर्षेत्रत में रेट से रेके विदेश द्वीत्रम्थुद्रा अहत्या । विभागविद्यायार्थिया क्रियास्थायत्या तया किंद्रक्रीन्युक्तवप्रविषक्षत्रवेत्रक्षत्रत्रेत्रक्षत्रत्र क्षेत्रत्रक्षत्र विवरक्षत्रक्षत्र विवरक्षत्रक्षत्र च्रद्वा । तहाद्वारा १ १ मेरेश्राकालाव् वार्ट अर्ट मेर्स्याक्ष्यात्राक्षात्राक्ष्य र्मित्राचार वर्षा । । । रे देरस्यावालरे वर्षम्याता करा । या से तरे हवा है। र्राट्स्यायावियास्यक्तार्थात्रार्थात्रार्थात्र्यात्रार्थात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या वशक्रिकार्क मुंगडुन्ड्रा दरार्थायाय विद्वाराय । १ विद्रविषय प्रथम अधिय र्द्धाः । राष्ट्राच्याः विकारः विकारा । विद्याने में विकार करिकेन णारेद्र देर्म्म त्रामा राज्या कारवाता तथार देवल के क्षेट्र अपूर्व में दर्भ के किंद्र के क्षेट्र विकास रमनामानीते नुरार् तकर्म तथा नुराद्ववायाया । वर्षित के हा (१) ववया या देना हैया। क म्राक्षित्र म्राम्बाद्य विकास मार्थे का क्षेत्र के निवास अरे.वरेशकाराधःयी.पर्.पेर.शिरशःरा मुल्या व्याप्ट वित्र हैर। हाला तार्या तार्या र वा महत् व्रामी ती ती ती हर की देश अपितः मुत्रक्के, थावानात्त्रयां वर्षक्रकात्तेत्त्यः द्वत्तरम् मूर् वर्षद्वरम् द्

7166. र्जुल लहरवल। वरहे ले लहर हर संस्था सामिल वर्षे रे अहर है। अहर तिस्कृत र्यवाया विद्वारित्या करतीय होर क्षेत्र स्तित्य होर क्षेत्र सित्य क्षेत्र सित्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विभवविष्य नात्रेसार्अस्यता, प्रदेश्चरविष्यिसार्द्यानेता हिटलामक्तार्यक्षार्यं वार्यात वार्त्यार्वे वार्ये व देर, युरमातावर्षणयां क्लेवल, युवातावर्राद्युत्वात्रार्थ्यम् केलेस्स्रित्त्व व्यवायात्रेत सम्मान्त्रियाः वर्षान्वसायम्बास्यादेन्त्रसाद्वात् वर्षाद्वसार्वाद्वात् वर्षाद्वस्य 3 ग्र.ता दाता अअंकिता सार्त् वर्षारात्रात्यां भूषेत्रां यशवत्रतिके पर्वत्रतिय । या वर्षे देशवास्त्र वर्धेतरेदे हिटलाचर्द्राताता वर्षेत्राक्षेत्रास्त्र वर्षेत्रास्त्रास्त्र वर्षेत्रास्त्र वर्षेत्रास् ्रियावर्त्रात्रात्रात्रात्रात् स्राम्याक्षरक्षियायात्यक्षर्यः स्थ्यात्यास्यास्यात्रात्रात्याः म्राम्यानिक रिक्रकार्ये विद्यात्रिकः स्ट्रिक्षात्रम् स्थान्यात्रकः स्थान्यात्रम् 445 ्रात्य व्याप्ताता देवदेर्पर कार्याच्या द्रम्रकारम् वावस्य व्याद्रम् व्याद्रम् क्रिप्र्याच्याय त्रमाध्यक्षात्रात्राचेत् दर्मात्राव्यात्रम् । व्याध्यम् व्याध्यम् द्रमाध्यम् । रात्स्रात्रात् । वार्ष्यात्रहरात् रात्तात् । द्राणाव्यात् स्राह्म्यात् स्राह्म 6 वह्ने वबरक्षार् नार्याकारहः दक्षाया के तेन नार्याया की दक्ष के सव की अवास्त्र तरेरा की उर्वेदम् में द्राया द्राया द्राया द्राया वार्या वार्या वार्या में द्रमें क्या पर्देश में प्रवासिया विद्राया 730531 इस्टार्डिया महिता वितर्ता । वितर्ता । में देलायक्वालाया बेरद्वालाश्रदा कि व्याविता परिवारिक्षा एकवादम के त्रिम् में बर वर्षात्वी दिला हुता सहस्र के केर वर्षाता में कर वर्षाता है व राम्यान्याः वार्षे र्यमाः भरामरे राष्ट्राः । ना मा ना ना ना ना निर्म्यान् विर्म्यान् विर्म्यान् विर्म्यान् विरम् ではないない。 これできるのはないのは、またいではいない。 からからない चार्ड्र्स्नाद्याद्यात्रात्ताः त्यात् द्वात्यात्रा द्वात्यात्रात्यात्राद्यात्रात्यात्रात्या कर्यात्र राज्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्रम्यायाः साला वरामालेर मुकालकदारहेग्या केलदाउद्दाक्षिता होतेर सिकार होतेर की मेर्वायसम्बद्धां दर्भन् द्वाने द्वाने द्वाने कर्ण कर्षा मुद्धान कर महत्त्व । द्रात्मराष्ट्री सराक्षा इरामा स्मार है। इराहा त्यर पर का अर वह से बाववाता स्वार पर के अर ह 1,50,351 123,54128, QC. 212, 290, 60, 200, 21,127, 2,0,0000 1 100, -१० म्र्या मामा स्री भर हे से दे हैं दे भर तर है ते भर तर है के स्था तर स्था है ने के स्था से स्था तर स्था है न च.क्रे.ह.क्रेबाल देव्या दाएट हिंदा व रे. खुल नलके । नल देवा अर्थ कर दे स्था क्रेबेल

क्रर्नेहर्नेहर्। श्रीरातास्थात्रास्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रास्त्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा त्री वक्षात्र स्राप्त वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा हरा हरा हरा हरा हरा है। त्राक्ष्या है तर् हैं। क्षे. भीच पासाग्रह सामारेटी काणुद पासा पाता रेटी नार केर वेतानावत स्टामलेव, नेमामप्रकृत्यामात । इ व्यायावतम्बराद्वरायाद्वी वर्षे केव्या はきから 自のかけらないかいしょ あっちょう こうし まれる はらいいいいかいかい भरालवलारे। निर्मारामा वार्षा विक्रियविक्रिक्तिर्म मुखरे मुखरे मानवला छातुरी म्यानिस्य ।र। देवराश्चिम्यान्यान्याः स्या प्रापदारा वर्णवर्वावान्यारे। एक यत्वाका गर्याः स्रीयानासर्वियास्त्रियः सर्वाराष्ट्रियास्यामा विभागवानम् ने वात्र विका मिन्द्र में का मिन्द्र में का मिन्द्र में का मिन्द्र के वार्ष्य के विभाग का र्ष्ट्रान्नभाग्यात्मात्मरात्मात्मे द्राध्यात्म् व्यात्मात्म् । अराष्ट्रित्यार्थात्म् द्र्यात्मा ्रिकार्द्रात्मित्र विकालक स्थानित स्था म्रानः तमक्ष्यवर्षायात्रवर्षात्रमः स्वत्यात्रम् स्वत्यात्रम् त्याक्षणाद्वाव्याद्वारात्याः । अद्याक्षर्याताः (वात्रात्यावाष्ट्रेते व्याक्षरः । प्रकाल। विकास्त्र में मान्या विषा के त्र प्रतास का के मिराये के में कि विषय य्यात्र्यत्र सरा वराजावार् स्वतं द्वार राष्ट्रियार मान्याया । १ रेटर हो महार वराज्य अही । ता शुरुष्टिष् त्रवासेलालरकेला व्यास्तान विवासमान स्थाप वाक्रवारमस्यर्थरर मिल्यूम् किया विवासित स्त्राम्य । किया प्रतासित विवासित स्त्राम्य है। रिम्पार्य के वर्ष के नर मान कर माने कर कर है। नित्रिक्षणाया विकास के वितास के विकास क TRI BRAIT SOLE PARNET - LEE SE MENTE PORT TE TE LE REACH र रिस्मिट्यर्थाता रक्षाभक्ष के भूर व्यवह श्रे में केवा कर्षा करिय मुक्ति । अर्थात्रा हिराद्वा रहता । व्यक्ति । व्यक्ति हैं । रमणामानी मिर्देशमान्त्रं मिनेट्र्राट्यार्थमानी मिर्देशम्या देशमान्यामानी सिक्रारेश्वरदेशस्वरविश्वर्थन्तु स्वर्धेन विर्वेश विर्वेशनिक्र के विर्वेशनिक्र भार्षी अहिंदुर्द्धी छै। इत्रहित्यकार 当られてる。人 कालालक्ष्यं देशका द्वार मंद्राहिटलक्ष्या म्यान द्वाराक्ष्या क्षेत्र

इक्ट्रेस्ट्रिय केट शर्य भगवर्षकेत स्थार्थ्य र क्रुवास हर्त्र वर्षे वर्षे रेवास हर्त्य वर्षे हैंरहैतरः विवाहतार प्राप्तापदा विवेशवर्थनेवामा क्षेत्रात्रिक्षात्र विवाहता रद्दरवदमेव दलक इर देकेर रहराकेदा के कहराहा दुवस के या राज्या गर्म प्रदेश धेने क्रियाय में बर्ब है वर्तर देवर तीय वर्वरत्य कर में हैं है है वर्ष हैं वर्ष हैं। . ले केंत्र मृत्य केंत्र हम केंद्र हर ये केंद्र मृत्य कें 2NTBB! महत्यत्यहर्षात्रम् हर्षा भरत व्यान स्ट्रम् है वर्वेद्रां सुत्र्वे पंत्रां प्रें प्राप्त के वार्वेद्र वर्त स्वर्थ के स्वत्य के स्वतुर्वेद्र वर्ष के स्वर्थ कर्ल्यात्म के मेर्स व नार र र र र विद्यम्पन्य के के वलमा दम्यलम् की वर्ष त्यम् वर्षे वर्षे रेषे वर्षे र केष्ट्रद्यार अस्य क्षेत्र रस्ट्रम् वर्षे म् वर्षे क्षेत्र स्ट्रिक् マナインション ころのならできないないない しこれにはないいろいんに であるいできない र्काल्यान्य वरात्रः वरावत्र वर्षित रहता कह्मा हिन्द्रः स्थानात्रे क्रियाता वर्षे कर्षा तर्षः रहा में लाइका होरहे करेर इरका केर हैं का में स्वर में स्वर मा त्वर हो का हैका। केर में रच रच रच रच रच प्रकार देश्वर्थात् । क्रियाहित्रेर्द्धा व्याप्तकात् व्यापतकात् व्य स्मार्थित कार त्रा त्रा कार्य । केर्याचनकिया त्रा तारम्य कार्य मार्थित कार देव मार्थित विकास कार कार्य मार्थित म् र क्रिया कामवा र्य तक न न तर त्ये वा व्यक्त तक्ष्म मा विकास वर्ग विकास क्ष्म क्ष रमण्यास्त्रेत्रं त्याराहरूत्रेयायवस्योद्यायायाया मे वर्ते रामाहत्य राह्य राह्य सुध्यास्त्रियाय गित्युन है हो है। का श्री हा जा जारहर जा मारेरी स्थाजा का जा मुरमेल

अस्ति केष्ट्रद्र कुल्ट्र किर गर्म का क्ष्म क्षा क्ष्म कुल्या कुल

प्रमात्रीरामाना प्रत्ये से केय में केय में केय के केया केया कर्म मार्थित कर्म मार्य यार्चान्यार र्वाथायवयार्वयावयाया त्वायावयायार सर्व्याचे क्रव्यवयाया इं र ११ के स्टिश्हिरज्ञे स्टिश्हिर मेर ने राज्या कार्या कर मार्थित स्टिश्हिर मेर के राज्या कर के राज्या कर कर के स्टिश्हिर मेर के राज्या कर के राज्य स्रात्रिह्र्यः। माण्याय्रेष्वरायारीयाञ्चान्त्रवार्तः मानुस्र वर्ष्यः यात्रेस्र दृष्टियः ह्रेट्रा ध्येत्रपु कतर्यारे भूराध्येव। रेबस ज्वरहर्मार्यम् कथात्व। हिरासहावेर वेरारे प्रेटारेट्। र्यस यात्र प्रवायका रमक्षरा भेनक्षेत्रकार्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य प्राप्तिकार क्षान्य ता सुर्वर्ष क्षान्य स्थान वालहर्यार विभाग वस नए देश विवद एरेर किया का लयाता मेर यशका वरक्ये के वेर की ेर्यानेवाहरकेल्य हैं। इस स्थाय की सर्वारी तथा की स्वारा राज की निवास र रिमान्या स्थान के स्थान के निमान के निम स्रेब्राडिररेर। प्रवेश्रेत्तवार्तेश्रेस्त्र्येष्ट्रा स्टेर्ड्क्रियर्था स्टेर्ड्क्रियर्था ्रिका क्रियर क्रियर कर्ने क्रिया हर ता वर्षा वर्षा पर्य प्रमा क्रिय क्रियर पर्य प्रमात यांभर्य ह्वांभरिकाहुआ उत्पर्वतामवयाम्भरेतीत्वा दे त्राष्ट्रदाकामेरी पूर्वादेद वरवयाः वर्षेत्रारद्व। क्रेकाप्त्यवरवयाया वृक्तिक्तः वाव्यक्षरायावे वर्षेत्रायायाया वर्दिक्षे वर्षात्र । ये से गर्डिक व्यवस्थित वर्षात्र । नवत्रवर्षात्र वर्षात्र । देशदेशात्र मधावायायरी वस्पन वर्गान वर्गान स्थान विवा । इसमेल व क्रांस्ट हिर्दे। वर्भेद्र स्थायरिक हिर्दू स्पर् छा बरे तार्श्वर है। दें ब्रेंर्व कुन्निय हैं अ या तके बरे ता स र ले सरी रेशकेर विरम्भर वारेवा वाकार वरे व्यवस्थ क्रिया रयवाचारे व्यवस्था विवस्थाना यर वाह्रम्य द्वा सूरी के वार्षि अवस्य द्वा प्रवास्त्र म्या हुर वस्य हुर । देरद्यतयार्थ दरायदारीर वाधार वर्षा किरा प्रदेशदेवमान्त्रेर में वहमासुर में एक रेट्ट रेकी वित्रहर म् वर्षेत्र स्यास्त्र पार्ष्या प्राक्षिण स्र मा स्वास्त्र स्वर्ति द्रित्र स्वर्ता स्वर्ति । श्राश्चार्यात्राच्यात्र्यात्राच्यात्रा वार्ष्ठवावाथाः शे क्रुंताभक्ष्याः दे रेटार्यायायः वार्षेट्यं वासाभहिता विकास विभागायः हिर्मर व्रेम्स्रेम्सर रेमर र्णे वा म्येवक स्वक्षंत्रक क्षेम्यरं क्रेन्क हिर सवाहर ले लेवा रवा लेवव्या यद्वातहताद्वादेश क्रवायुद्वरावायुद्वा क्रिक्रायक्तरा स्वायुद्वरावायुद्वा गर्भार्यः। त्यस्यमा क्रिंद्र्य यहार्सुर्वः विदेशीय द्रिः त्याप्तः हर। स्थार्भार्यः प्रमानिकः क्यारा बारुवाकिरजावर्षयं यससूत्र वयद। क्रिक्षेणकैरवार्त्वण लुका क्रिक्रेराक्षेप्रतायः ग्वाके केत राउद्देश का केरे राहित वाया के वाया क्रिंगुव। विरारवादामुवसावावायम्याम् वास्ताना क्रीक्रार्यसायामानवस्थाया वास्तिरः

न्रिक्षित्रात्रह्याः श्रीटः कुर्याः केत्राद्राः केत्रायः केत्राद्र्याः केत्राद्र्याः वात्रायः विकासः वार्यत्रायः

म्रो नाम्यत्वविधासार्थाः वृति रदात्स्राहर्दा स्वाहर्द्ये केन्द्रम् त्याः स्रो न्यां हेर्रथायां प्रविद्वेता

रसंभिता यगर होते देवामा होते वादेशकेवासेन यादरा स्वान्यदरा स्वान्यत्या केवादरा यात्रे हैंन म्याहर की व्यव या वहता यत वह स्ट्रिंदेर लेखार की देखें खेता ने वा तर् ही दा र प्रक्रिकी कराय की कुट्द्रालुक र्यत्भेट्यक्रा यतः भी विवाधवा दे देर कुर्याते भवाभागा भी हर के कुर्र त्ये बहुर कि कार्या र्यतः छो तरुवा करें गर्या विवाध सर्दे । दं कर देवा ता स्वायन सह । सर्वित विवाध विवाध सर्वित स्वाय स्वय स्वाय रत्य उद्वेद्रशावद्वद्राताअत्मक्षर्र। यद्भ्य यहार क्षेत्रका उद्भयका वस्त्रम् विवा विवा विवा विवा विवा विवा विवा रे.च्राराज्यायावाकिकात्वर से सेवार्ट्ययाव्यावरतावेवातर्या ।रे.रेट्यंवर्वयावयाः स्टा वार्वर क्रस्यरत्याम्बर्धायार्। देर्दरके तद्व विमावताहर। द्या मे देव केव त्यम्यतावमा। देरे में तर्व विवान सर्ह किंग क्षेत्र के वस्ता होट की स्वर्ण योवा रवासर्थ तार पर सि अल्या स्वर्ण विवास र्शेन्या स्वराधित हेर अवोर रोल हेत्र देवद ह्या के तहर वर् हेरा हेक्रा हा सहर तर्हेरा हेक्रा हा से वहर तर्हेरा हेन्य से वहर तर्हेरा है के साम से वहर तर्हेरा है के साम से के से लेलालाभ्रास्त्र हुन। यहमाक्कित्रमान्य विकालाक्ष्य वर्षात्रिया वरमास्त्रिया वरमास्त्रिया व इंट.सुड्रा १९०१ वर प्रट्रेटर में रचन लव वर्षता व वर्षे वर्ष वर्षा वाला । विकास्ट के दर्श्य वर्ष्यकर तथा र वर्ष तथा से द्वार्षिण ता हिर्मा सार्वभाषा स्टिन । सर्था या वित्र वह ठक्षवेश वसर र्रे रमम में विर के इम्स धव के बरु कार्याट र र वर्ष में मुना वस में सुरमदावर्त् दवदासुरायम्स तहवारम्यवया वहर्यायात्मर्थियवयात् राद्वादीवराक्षात्रक्ष सरक्र-प्रकार से पा सवया या किवाअंत है। वर्षी सर्वेद्र सर्वेद्वर है। वर्षेत्रता से स्वेद्वर स्वेद् केवःयायम्बर्धरवम्याः । १२मःवर्षेदः वर्षम्भः मुभराग्वरः घरः घरः वर्षावयुर्वाराष्ट्रेरः । मक्षेत्राः र्यत्राम् मुद्दाने वर्षामा यर्द्रामेर्यम् मुद्दर्ग्रह्णा सुद्यति मुद्दर्गावर् भदम् 3 marnet राति केत्र तर् विषा हुदः। रेशव हीर देवना वरः द्रायक्षरस्य यति हेर के त्र संभाभेदाको स्थापरवर्षः भ्रास्थाला । भूक्षियाहे मुहत्त्वा के सुक्षा श्रास्था स्था रेटा कालायां वालायां वास्त्रात्रेशारम्याया वन्द्वाह्वायायायविष्ट्वरादेश श्रुत्या श्रुत्वरायायम् वर्ष्यद्व वार्णवा वर कूट्रेस्स्स्रिट्राम् र्व्यारा वर्ष्यायम्बर्यस्थात्युवारा स्वाकेवास्यवेत्रम् । वर्ष णुष्तामाना विद्रमेद्रवयालेव। याववासेद्रवयात्रीलयेक्। रवासाय्यात्वर्वरावयात्री केरः म्बालभवविद्यान्त्रक्षात्र्य वास्त्र राष्ट्रक क्षित्र मान्य वित्र मान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य र्वत्या वर्षा वर्षा वर्षा मेरा कथावर्षा है कर्शरवादया याशया अर्थ कुराके व मुक्ते ने से वर्षे नीदार्ज्याम् मिटायिक्षाम् विद्यात्रमा विद्यान्यात्रमा महाराम्यात्रमा मार्विदार्भिद्यात्रम्यात्रम् रहत्यास्त्रमाण्यर्थायाः यहावविभातर। स्वाह्माकार्त्यातरी सङ्ग्रायायायः (यादेवाभावति) वाकास्वास्त्रस्य केमलहेम्पेरा कविति र्यस्याहेस्टरः मैर्यते भरवार्वासम्मान्। 4 हे गला सूर क्षेत्रकार त्राया हा है तर्र विद्या है का राज्य विद्या है विद्य वास्वार क्षेत्रहर दुः भी ध्वया १२ ते १२ ते १२ ते १२ ते १२ ते १ ते वास है। वास्वार वास्वार वास्वार वास्वार वास्व 

र्वायानाम् त्रावेशायान् रहिशादेर। वाल्यास्वायद्वालाकी वाल्यासारारे। हास्रायक्ष्यास्वर्धायाने वाद्वाया र यरद्रम् सामा विकास व्यद । देरह अविदेश में मुलावर्ष । इंडिस्ट्रीट्रार पार वह । विकाद दृष्ट्य अवस्रात्र्रात्यन्त्रात्यन्त्रात्र्यः द्यत्याः द्यत्याः व्यत्याः व्यत्याः व्यव्यायाः व्यव्यव्याः व्यव्यव्याः इत्याक्ष्याताक्षर्वतात्रात्वत्वत्वत्वत् द्वक्षिक्षेव्यर्वात्रा द्वत्यत्यात्रात्त्रात्त्रात्त्र द्वाक्ति, विकायाम् त्यूरी त्यावतह्वक्तिक्तिक्ति वर्ग में भू हित्या वर्ग वर्षे व कूंब हु स हर के अहलाय में महर मार्थ हर मार्थ र महर पति र मार्थ पति कार्य है से के स्ट्री न म्जारकुरणातः याववासेदावयावादयान्तरस्व। देवात्रहेतास्वात्रराम्यात्यात्रात्यात्यात्यात्यात्यात्या श्रम्भित्या है। वेश्रम् व देवः यर्गाव देवः यर्गावित है। वह देवश्रावित वारी पर देव राज्या स्यास्त्र होता यह में याता हिंगारी यात्र ही देश पर्दे। देश पर्दे, रवर दे परेश में याता है अवस् त्युः अर्यक्षेत्रभार्यकरिताल। अह्वाअयुविर्युद्धायायरी रवाः अह्वाः स्वायुर्धित्वर। रियारायाचेरवारायाचेर। देवकेनचेरावाराया मारायरी रहे श्रीवे तरहे ता था ते वे ता ता विक्ट हो हो हो ता के वे वा ता वे वे दर्भ में हु वा की विक्र हो के विक्र हो के न्तरा भुष्याधीएर मेंग्रामानविश्वा द्वान्त्रमान्त्रीर किरविद्या । यून्स् मेर् हुरी बारीरयाजा। पूत्र, स्त्रांच,रहाए.क.इ.वेर. हेत्र. हेत्र. केत्रांच वर्रदर परी कुष्टेक कितानाम भिश्वास हिन्द्र हैं। या श्वास कार्य - मुंब किता व. मुवा अ. केश अहूर। अरेबल देत राज अक्य केंद्र थुरा अहूर। व. मेर्य प्रायमा बी.सं. अ. त्रा. क्या. रूपा वरवा रह्य में अपाय अपाय अपा आर रवा हाए क्यार ए से वर्ष द्रश्याचा अर्वेत्विवाशक्षेत्रव्याप्त्रेयाचे व्यामान्त्रविवाश्वेत्वेत्रव्याच्या क्षेत्रविवान्त्रव्याच्या व्यामान चलियं स्री अववातारकातर्वाता । वारकाशास्य क्रियक्षम् । के त्र हिवस्ति रहे मक्रे अरहा । पर सदरमायम् वतः स्राम्यवाविया ्या व्याद्वातः । वदः देशवद्वाते वद्वात् । दश्यः व यानुभाकी कर्म मुक्ति १८ मु पर्वति । त्यु स्वास्त्र विकाल के स्वास्त्र विकाल के स्वास्त्र के कि स्वास्त्र के कि कि स्वास्त्र के कि कि - को र अंता ता के त्या के ता विदान ते ता दे ता दे ता के ता विवा विदार ना में दे दे दे दे हैं । स्वा कि का कि त रेंद्रेंदेंदेंदेंदित के देवता मुक्त मान्य के मान्य के के के कि के किया मान्य के किया म

172 र्यत्वा अभूगार्युः वाक्षेत्रा अविद्यवयात्त् कतावाद्य प्रतायाय्य प्रतायाय्य प्रतायाय्य प्रतायाय्य स्थिता 19257121 ररायात्राधवाक्रेरकुला द्वरीयव्रत्यावक्रेरावावला किंद्रसेयावयात्वाच्यात्वभवाक्ष्यों मेले. · 2 nagraj एक्न्यलेशकार्यात्रात्र रहताता र द्रिया रहीत वर्ष हैं से ही से वर्ष हैं वर्ष रखन हैं में व 3 520,241 ; भागम्यायम् । का हत्रकी पाल पर दे ता न्यायित्वना मृत्येन दे त्या सम्बद्धा व्याप्त मरमरक्षेत्रवराष्ट्रस्य क्ष्यक्ष्यं व्यक्ष्यद्रवर्ष्यव्य मुर्धस्य व्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्य मेशास्त्र राहित द्वारा द्वारा द्वारा मुवाइम्या सहभार्ष्ट्र मे निर्देशका देवरका राहित स्थानिक स्थानिक विश्व के त्या स्थानिक करत्वतर। यूष्त्रदेखेयम्दर्द्वाद्भाक्ष्यः द्वास्तर्द्वाद्भाक्षाः द्वास्तर्भित्वात्रात् विद्यास्तर्भावतः विद्यास् 4201 रभवारम्बक्षावाक्ष्याम्बक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या र्थात्वात्त्रः श्रीत्वात्त्रः स्त्रात्त्रः स्त्रात्त्रः स्त्रात्त्रः स्त्रात्त्रः स्त्रात्तः स्त्रात्तः स्त्रा रमामुखा वृक्ष के व्यक्षमदेक्ष्यक्षर्रद्ध। सेवान्स्न्रेर्ड्स्न्रेर्भिक्षाक्ष्या तक्ष्यक्ष्या विद्याक्ष्य त्वर्ष्टि वसूरा विवस्तव इस्कार्यर वाय सवा दिव देव हात निवस मा व्यापा के द्यार ता वे सूरत्राचला इतरप्रवेशतप्रदेशकीला र्भातासाम्यात्मात्रात्मा वयप्रमेत्रकेत्रात्रित्र त्युव्यद्वायाचित्राची त्यार्थ्यवस्य। इत्याद्वरक्ष्यवस्य व्याद्वित्वयस्य व्याद्वित्यम् व्याप्तित्व ता र्रामार्थात्यातास्यात्रः वार्थः वार्थः विद्यात्यात्रः वार्थः विद्यात्यात्रः विद्यात्यात्रः वार्षः वार्षः व वाश्वाक्ष्येद्राह्यायाद्रदेशः १००० क्षेत्रद्रम्भकेष्रद्रमः द्वाता ब्राह्मास्य व्यक्षविवास्याया र्गममुर्भिभक्त सक्तर्र वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाय वयामः पर्काणकरतःश्चरद्वान्त्रमः स्थानम् । द्वानाह्याया द्वानाक्ष्या केला देशा स्थान एर्वलाक्ष्या द्वलाचार्या देवला विराधित है । देवला विराधित है । देवला विराधित है । 6 MSQ अपने स्थान विकास वरा मुक्तिवसम्बद्धराष्ट्रवाचार्यात्रम् यहेन्द्रवाचार्याः महिना वर्णायायाः वर्णायायाः वर्णायायाः 7 Kny Estay द्वाः क्षेत्रवत्। हर ह्या वात्रवा तक्षा दृष्टे द्यारा वोदान्व । विषा ह्या वात्रवा वादे । विषा ह्या वाद्या । Delle hor horise. द्रें स्वर्यति । यहरही स्वराधन्या का जादार विराज । स्वर्धि से प्रति । भीने वहवर्ष से प्रति। では、一日にからは、これにいるのでいるというないでは、これには、これのできる。 

म्रियायार्थ्यवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्षेत्रवा क्रियाद्वार्थक म्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया

म्बद्धरहेगाक्षायम्भवायाया श्रीरयभवासमाधिकारियाभक्षायत

Thrust in

वियातियात्रात्त्र्रीयात्रात्त्राक्ष्यात्रादे केयल्येता विद्रतेत्वस्त्यक्षिवयद्वत् व्या म्यान्यावर देल्या र्ड्यालर देलालर देलालर देल के स्थान के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के सर. ह्यायक्रीत्राया सेत्रयाके ट्राइट्रा यस्याके यह व्याक्षात्या के वाया तारा देवे अया यह द्या वा ता तर दिवा मूरक्राडमावराची हरहेगा, जिंदा गार्गी । व्यावाहिती ही माहामावर प्राप्त प्र प्राप्त प्रा नमूर भाष्ट्रमान्य कर्णात्य । । । । भारत्यात्रमान्य विद्यावश्यात्रमान्य व. र ति श्रीपर्यपद्भार कुराउद्देशकार्ष्ट्रप्रदेशकार्ष्ट्री रहिंग्यावक्षेत्रपट्टाति रहे स्थिभर्वर्डिरमवर्गाम्य नेयाता न्यविधिर्वस्य म्य म्य स्थित् हें या स्थान स्थान स्थान मुन्द्र न्या वार्षिविष्य क्षात्र के दूर मार्थित का वार्षिविष्य विषय क्षात्र के विषय क्षात्र के विषय का त्या कि विषय के विषय क्षात्र के विषय कि विषय के विषय कि विषय के से ग्रम्भा भाषात्राम् अहास प्रमेश व्याप्त व्याप्त व्याप्त रवता व्याप्त या वाया य र्श्वाद्यात्रेशव। भ्रेमात् १ हे । । । में हे त्राह्मात्रेयात्र के त्राह्मात्रेयात् के हे लहम ल्यानी श्रीरवायतिर्विरवीरमा प्रवास्त्रकारान्त्र भीत नाम्यान हर्वाद्यत्वर हर्वाद्यस्त्र्याते मत्युन्नात् राज्या वर्षात् वर्षात् । प्रमान क्ष्मित् वर्ष्य क्ष्मित् वर्ष्य क्ष्मित् वर्षात् वर्षात् वर्षात् व र्तमासिकवास्य व्यातानाता दिश्सिकायरेशवक्रताता प्रता क्रिक्स द्वारा हर्ता र प्रविधिका अंकेर्यस्तित्वारात् वार्ष्यात् वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः वार्ष्याः विक्रां व इराक्षिताम् । देवलप्रवर्ष्ट्वयम्बण्यू सम्यवन्तराक्षाम् । . . सञ्चलवावस्यवि क्रम। रमयारस्यानायरं क्रदाक्षात्रमः व्यष्टमारदाक्षमः व्यरमानारमारम् व्यरमानाद्यस्य स्थ मन्दर मिश्राप्त्रे वासमाद्वारा एक्ष्यामाद्वाराक्षारकारकारका देशत्ये हिरास्वामान्त्री हरा में इर् वर्देशक्ष्यदेशन्त्रक्त्यक्ष्या वर्षेया वर्षेया सीरायाजे सम्द्रात्यतेया। वर्षारेशयाकेदः रदः वर्षे १६, १४८० क् मक्षा वह की हैं की रहेट में ने देर तारकां कर देन में मार में मार में में हैं हैं है अदितरह का दे से अस्ति हैं। विर्यरात्ररकियानी वर्षम् रहेता, यरहारीया यहारायत्त्रवा वहाराया ग्रे. श्रेरक्र्यस्य विस्कृत्रस्य विस्कृत्य र्या र्या राज्य कुर्या क्रिक्य के क्रिक्य क देखाक्रिक्टरद्वमा मुना निवा कर्ति है। क्षियां के क्षियां के क्षियां के क्षियां के स्थित कर क्षियां के किया कर からないかれるというからないないはいかい しないまいないない かまいき シェスターを対しばし जुमार्थे। प्र. मे. हे. हेड र र र र र र र र र र र मा एकेर में एकेर में एकेर हैर जिया में हिर के यह हैर एक के मा एक्स्मास्यास्यास्यास्यास्यास्याद्याः त्यास्रियेदावरावक्याः विदाक्षास्याक्षाः सद्वास्या र्वाया अवक्रित्मिर्दिक्षिया व्यवक्षित्रव्या व्यवक्षित्रम् । क्यूना हु नहीं है। दें प्रमुख्या विकेदरी अर्थत्वका क्रिया क्षेत्र क्षेत्र

्राध्यरत्याद्वयाचे वे तार्मेर वयमावर्षरत्य देवमार् कार्य देवी तर् केरियर्था क्रिस्ट नेर्टी का धिरणान्त्रम्य राज्य प्रेम्प्र के विद्या क्रिया के स्थान 15213 ? ्यान्य विकालिकारामा मुन्यति द्वापातसुका में कार्या स्ट्रिय विकालिकारा विकालिक स्वव वाक्यायर्वावतवद्र इस्तेक्वरायायस्य । हर ना एक प्राप्तिक्वराया रिव्यक्ति मुद्रानेत्रा राष्ट्रा राष्ट्रा देवसहीत्रा र ने स्व हिंदि स्व विकास यकास्याम् विद्यार्थाः क्राया प्राया प्राया द्वी द्वाय सामक्षाः । वृद् र र विद्या विद्या विद्या प्राया । रिकास्य त्याविवादविषयुत् राजानाव वा तर्मा द्वारावाद्याच्या स्वताद्वारा - मकारामारी करवर मुस्यहर्मणय परा यहा यह यह रहार प्राप्त रेवह है तथा समान स्थान्य स्थान्य स्थान्य विकार स्थाय विकार स्थाय विकार स्थाय क्षाया क्षेत्र स्व हर्तिक स्वार्थित । व रा क्ष्या । व प्राप्त प्राप्त व प्राप्त प्राप्त प्राप्त निष् 3वश्चना े । राष्ट्र प्रमुद्धर्यमा पर्वे त्यकाञ्चावरः यो ब कु व ब के विषक्षित्र व मारस्य रूप रूप स्त्रात्ता क्रिया स्ट्रिया स्ट्रिय स्ट्र ने निर्देश में मिला हैन हैं ने केरा भर्ष केरा में निर्देश हैं में निर्देश हैं में निर्देश हैं में निर्देश हैं में भ्यक्ष्मक्ष्मा ब्रिक्स के के मार्यक के के पर पर्या के के नियम के के कि कर कर के कि के मार्थ के नियम के नियम के वयम्भासम्बद्धाः द्वराष्ट्रवद्वद्वर्यास्य वयः हर्द्धारस्य द्वर्वार्थार्थः र्ष्ट्रेट्या श्वालोत्रेर, के अक्टू मुकुत्रदूर्व रहा संस्था एक एक एक प्रान्ति हैं हर्में हें हें ते कि स्वाप्त के ते हें कि स्वाप्त के स किंद्वा हरेर रंग कर्ण मार्थिक स्थाप्ति वार्ट्या हराय हराय सम्मार्थिक वार्थ निम्मिर्टिशाल क्षेत्र मार्थ है लासूना दत्ता मार्थ प्रायति कर्दे ला मार्थ है। वह स्वायति स्व स्याकेर् स्वामितिक्व राष्ट्र तर्वा रेवलकीकेवाल रेर स्वा रेवल रेवल रेवल रेवल स्वामित स्वार्ट वरक्षाः सद्यः मुक्ताः वर्षाः मुक्ताः सद्यः महत्याः वर्षाः महत्याः महत्याः महत्याः महत्याः महत्याः महत्याः महत्य या भेर देन स्था स्ट्रा प्रकार मा के प्रति में के प्रकार मिल के प्रकार में प्र

्या है सेर देंद्या केंग वेर वेर केंद्र अदत में भेदत पर पर केंद्र केंप्य कर केंद्र केंद क्लानवित्रहेर से दर्व में के वर्त देव राजा महिनासद्र विक कर महिना तर कर विकास कर विक ्रध्यार्थे प्रहर्मक देर कोर्र कर् लुना ब्रिचिव हुर एक्टर वलना स्र मंत्र वर्ष हर मैं बारा तथा केंत्र जनक कर भर पर के श्रूषण निवस कर के रदान्या त्रेण श्र. से. स्वायल वार्यक्षा हिन्द्र विरायहरहत्र श्रायक्षा क्षा है। क्षेत्र क्षा विष्य क्षा विष्य क क्.इ.क.च्याच्यावाद्वीयावा तंत्रत्रप्रस्याता है। १०० व्याद्वायाया अस्य विषय अधिया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया क्ष्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व इर्ह्यात्रक्ष्रिराम्बर्धाराद्यात् । र्षेत्रम्भरक्यात्रेराक्षात्रात्रात्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा र्देवाक्तः कार्यक्षाक्रम् । वर्षवनवार्थरः क्रायक्षयाचे महिला मृत्यम् देवे वारक्षाच्यक्ष खुरा किलाइता खर दूर द्वार क्राया वार कराया हिराया है र क्राया है यह दे के खेर के का ही तर है में दिर कराया श्राम्याहारम् । भ्रा श्री श्राप्तर श्राप्तातातात्र रेरा आतातात्र रेरा मा द्रेरा आवात्र त्या स्थिवर्ग सत्त्ववर्गात्र्यते में कर्ममक्री रदायवाय में स्वाप्ता में एक स्वर्धिवर्गम रा गरेनाथर्थे अस्तर्थे स्वार्थिक स्वर्यिक स्वार्थिक स्वार्यिक स्वार्थिक स्वार्थिक स्वार्थिक स्वार्थिक स्वार्थिक स्वार्थिक स्वार्थिक स्वार्य सम्मेलवा में स्निवद्याहरा हरा हवाहवारत्यक्षा है। । इराजेदरणके व हुदला । वन्यान्यान्त्रान्त्रम् वर्ष्याः । वर्ष्याः । वर्ष्याः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्ष्यः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वरः वरः वरः वरः वरः व प्रदर्शक्रिया - विश्वर्षिक्षेत्राक्षारकपरिवादक्षाः स्त्रितः विश्वर्षः विश्वर्षः विश्वर्षः \_विष्ठिम्साध्याद्वी कुरान्ना स्वराम्यकालकरम्यः क्षेत्रान्नम्याद्वीयम्यापन्नामः रवतः यहुलाद्यां अदिराद्वाता है। तह्याद्वीराकुलाद्वी मुलहें मध्ये के देव देव पदान्या राष्ट्र ह हुन्त । दुव्याश्वरद्युर्द्या मान्या अवेता अवेता अवेता अवेद श्रिक्ष केर वेता वह वेता वह वेता वह श्री चूर्ताचुलाव:इअ:याश्रभावर्य विविध्ययात्रमातः वेला कूर्रवेशः हुलावर:सुअअवः सरहित। वेला भ्याप्तात्री र इस मार्चला दर्गित्यामा स्वापित प्राप्ता मार्थित स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता द्भवा रेश्रुवारम् राज्यार्वितारा । लक्ष्यक्षयायां स्ट्री रअत्याविताव्यित्रास्त्र ग्रेन्द्रराष्ट्रम् हैवाराकायमी वैत्राम्पद्देश रहत्तीत श्रद्धात श्रद्धात हैनात इस्त्य र याच्चानी में केवलाता रिक्ट्रियर सरायार रा माया विवास सराया सरकर दिन समाय म्स्रिर्फ्यरेश्वर्था व्याचेराले वाचेराले कालेका विकास क्षेत्राचे वाचेराले क्षेत्र केरा वाचेराले क्षेत्र केरा वाचेराले क्षेत्र केरा वाचेराले के यवि रार्तिन द्वित है। वह श्री राज्य प्राचन देश में इस मरी अवका में देश लाक वता के वासे वा के व अव:इ.स्या क्रिका: हें रिष्यपाया में से हें रिष्य अप्रेस हैं हैं हैं कि अप्रेस के किया के विश्व किया कर के किया

176 य्वत्र्वराष्ट्रयायविष्यायर्व अने र्र्यक्ष्याय विष्यायया । मुन्याययाय । स्वायाययाय । 1/25/ र्गर्वास्त्रस्य स्वर्भन्त्व । द्वार्यस्य विवाद्यस्य देन तह श्रीर्स्त्रस्य स्वर्धायाः । त्याः 2 ( ) वर्षे (त.रम.अ.रमंदरवाष्ट्रवा केंद्रक्षेत्रद्रश्चारमंद्रम् वाष्ट्रवा विवास्त्रक्षेत्रा विवासक्षेत्रा विवासक्षेत्र शुर्मे इत्यायक्ष्ययारद्वा शुक्रार्या मदारब्धायारदाति। द्रित्रह्वायात्राप्ति असी द्रित्या धुनास्त्रियारी इंदरस्युवन्येस्प्रत्री रदन्यव्यस्य स्थानी दर्भायार तिया ग्रास्त्रिया है स्टर्भी प्रवश्चाक्रयः यात्रे वस्त्रवस्ते । क्षेत्रेन्द्वी रेश्वयस्त्र वस्त्री प्रदेशः वीश्वर्षेत्र । वह्नाः वीश्वर्षेत क्यार्थः कृता भरण्यवतामायर्थाम् विष्वाचार । विर्क्षियावर्ष्ट्रास्त्रार्वामावीर वास्त्रः वेस्वयन्त्रा 2ववी र्वटर्यक्षश्चरक्षेत्रकु अन्तर्भा देशकार्यकायकायकायका सूरी सूरवर्ष्टर्या स्वायकार्यक्ष 3-र्=अन एर.सुएमलमहर.ज्राह्म क्राया वि.स.च. व्यान्यात्र व्यान्य व्याव्य व्याव्यव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य त्नेर.रद.अब्.ब्र्व. नर्नारव्य. राष्ट्राय.व्यव्याव दिर.रद.योष. धं ब्रिकास्य सुरी दार्ब्रिक वित्त प्रेटिक एकवाता नेद. र्जादश्चीरः। हर्ज्याचर्वणचर्वणचरविष्वर्ष्वात्री क्षित्रहित्रही भी श्रीवाराव प्रवास्ता लेक्ष्यात्रे स्थाने स्थाने वर्षक्रिक्र के देवलारावालम् इत्या नातरेशार्वमनेशवा द्वार्वरातेश्वते हुवयहर्तेरा द्वर्यर्वेशवा रिट्रियावन यासे मुक्स देश। अदम्बर्श देशक्ष प्रमुद्रमा मुक्स मुक्स के प्रमुद्रमा में प्रमुद्रमा मुक्स म श्वार मिहरवरदर ता स्वास्ता प्रायेश प्रतियासिया नेता सह स्वास्यास्त परित्रकर्भेव। मरकरमण्याराष्ट्राराय्याराष्ट्राराय्याराष्ट्राय्यायाः स्राम्यायाः स्राम्यायाः र्स्भारेशास्यास्यातरी सेवास्तर्भरार्यारस्यानेमा अरात्मक्रायतास्यारमाम्बी करस्या क्रिकार्शनास्त्रा सर्वा त्या त्या महत्त्व देवारमान्त्रः वे त्या राष्ट्रा हिन्द्र वि स्त्रा माध्या त्या प्रमात् यहै। श्रमा वदा एरे। व्हें हैं अ इ.मा यहे दर्द एहर्ने मा एक महारा हुँ अ वर्ष म्या मा विकासिक लादम्ह्रीयके दक्षक्रिय देश द्राया राज्यका मानद मानदा मानदा मानदा है ता मान मानदा मानदा मानदा मानदा मानदा मानदा राष्ट्रपाय केर्या क्षेत्रपाय केर्या क्षेत्रपाय केर्या केर तकलागम्भागम्हरते रा मनवार्षं र्यार्यं यामार्थाया सुक्रमावयाया सुक्रमावयाया सुक्रमावयायाया स्यान्यायायायाया कृषाय्वयाया क्षेत्रायाया क्षेत्रायाया क्षेत्रायायाया क्षेत्रायायाया क्षेत्रायायायाया क्षेत्राय प्राक्त्र, देव आश्रद्र। ब्रिस्ट्रकाश्रु, क्रा. वचर, वचर, दे। इरवा. देवी से र.व ए. ब्रि. प्रविश्वमा परी के रवी से र.

यधः विभावा पर्ते। या वर्षात्र्रास्य क्षेत्रां वारेकामा प्राप्ति इस्रायवारा र्या प्रकृति। द्वा वर्षेत्र हिंदे क् यथेएवर. यक्तिर। द्वया.श्रेयदर्द्यारात्राचारात्राः कार्यमान्द्राः विदायां केवान्द्राद्री यावीत्यवेदान्त्र्यां स्रेत ्बिटअला कुक्टरल्ल्द्रत्रर्थालाचर्त्रेया पत्तरकुट्ड्यिक्ट्राच्छलाई। ता विक्ताविराव्येक्ट्रियार् कं मानवार्ष्य द्यार्क ता दक्षर द्यार्ष्य प्रस्टल्ख्य केता के संस्टलक्य के का के तह मानवार मानवार मानवार मानवार अला वा वा का वा के ता के वा के व तक्षिरके व ने का स्वार्थित व वे वा के वा ते व व्यव्यास्त्रेश्यत् तहेवरात्तक्षेत्र। अहारात्रह्येत् हेव तो द्वाता द्यात्य रसत्य द्याताहित्यावरात्ये द्वाता क्रोनेद्भनेद्द्यम्यं कथावतः द्वताक्रेयद्दत्यः तर्का । वह्यत्रीद्रवेदकेम्कुतायद् यर् अति या तुरामा अस्ति । सुरा रे परिश्वीर भे यक्षर्यरतामा अस्ति द्वाप्त्या रहेरा युर्यूर्डिलायम्यूर्या वर्षात्रक्रा वर्षात्रवाचात्राक्ष्यात्राक्ष्यात्राक्ष्यात्राक्ष्यात्र्यात्र्यात्र साम्या द्वाराम वास्त्राचा मारामायहरम्भयति विषयायहरे। द्वास्त्रायकायहरे विष् अर्कुटला द्रां राष्ट्राचारदेवलदेवाधेव। क्रम्भेष्ठेरमन्यम्सम्स्मि रेपेरावकारामादेवलम्बू हैश। वरम् सन्दर्भ व में रेरेट त्यारा मार्येय महाया है या राम्येय वर्ष वह मी इ.र्ट. ७ वालाव पर्वतार्वाल हैला व.र.व. भरे व एहे. है। इ.र्ट. ७ वालाव पर्वता र्वाल हैला रेड्ड भे खाडि हैया है। रेड्ड वयायाय तर्व यार्य महिया में सेड्ड बर्म हैं से ला र्भर्यंन्याम्क्री भ्रायाः विक्यत्रका लात्यरहासायाः ।।उत्राचरत्वरा विकासायाः एकर.वैड.वया सेर.बशुवा.बेट्युवा.वर्केरता.केरव्यूवताएकेषा.जव्यहर.व्याता वसव. याम्ब्रावसासूरातावरावर। म्रेंपारक्वायावर्मका विकारम्यात्रम् अवलद्रा द्यतः तम्बायतः (१ देदेरता अववायः हर हा सेराया विवास रायार वस्त्रायते से राया विवास मृत्युर्यात्र राजा वर्षः स्मायुवयावेनाद्यायद्यावकेषुवयदिन्यवादेनाष्ट्रद्ववयते। みんが、よってよくないのではないなどのなくるからないというないかないからいからは、そうないない。 बुकार्क्चे गयाता प्रात्या संस्थात स्थान स् देशरा मू निरंदा कार्या चेराषुद्र यहंद्र सूर्या । प्राप्ते स्वरं हुमाता हरा तारा हुदा। विया या स न्रेटर्वर.बा क्षेत्रेर.टी.जर्डरव्यवग्रहर.ची.जर् क्षेराचरकाया।

अव्व।

द्वराह्म द्वर्रा द्वर्गर ग्वायर्था साधारवाम् विरिवरयाम् मह्र केम्प्रवाहिमामाध्या व्यवादवाक्षिकाकी विक्रम्यावाता देवी व्यवप्राचित के निष्ठा विक्रमात्त्र विक्रमात्त्र विक्रमात्त्र विक्रमात्त्र वकार ब्राया ता ब्रार्काया केर विरावका त्यवा परिव्या केररा वर ब्राया ता ब्राया केर विष्या ता विरावका विरावका वि त्रवायं वर्द्रक्त र्यत हिर रे। वायम्यते वर्ट्या उम्हें वर्षे व्यापे स्ट्रिक्षियताया दत्रः यास्याची स्वास्याचे। वहवा परामास्य विद्यात्या ह्या । दावता हिंदा वाद्वा वाद्वा वाद्वा वाद्वा वाद्वा वाद्व मंह्रिका हिर्देश हेर् में किया ने काली किया हैर रहे के किया के किया है कि का किया है में य लग्न (लग्न) या यहिवाल्य को दी सी से से स्थित यहित्य के सिरा के साम है । त्या वा प्राप्त के साम है । सद्यास्य प्रतित्यायाता मह्यारे स्व के स्रित्र दे निष्युता महिताय मेरा कल्यारार्थाता वासर्त्यापता विकास विकास विकास वास्त्रा वितास वास्त्रा विकास वास्त्रा व र्वायाभेर। अर्हारा गुर की चिवार्वायाया हुत्यायती विवयतात्रेव व्यट्ह मेरा वर्षा में गुर वीभर स्वाता ह्या यह कार्याचा वर्ष्ट्रेर्र अदयं या वर्ष्क्रे ह्या या श्रेष्ट्रे हिराद्या व वर्षे नेरा छेर ने स्थान विकास के से के स्थान विकास में में में के से मेरा हिस के से मेरा विकास में मेरा विकास में मेरा विकास में मेरा कि मेर र तररेयातारक्षे कर्याता इसल्यास्यास्य यात्रेयाचारायररे। स्थानारियर्भम्यूरेश्वरेया र सुरायुक्त स्वरासुका तर्वे व दे दिर है अदि तर्का काराय द्रवाध्या कुर्का र विदेशका विकास के वा र्वाति कर्त विद्यान्त्र त्या स्थाति । या त्या कर्षा विद्या स्थाति । यह त्या स्थाति । यह त् म्राम्यात्रेश श्री श्री भेरवर में एवं के विकासी में राव मार्थि के विकास के गुर-द्वायाययम्भ्य । ययाभद्यः अहतः मुक्तर मुक्त । द्वारापदाद्वार्यः भवा। प्राम्भारक मार्थ स्थायर अधिक क्रिया में मार्थ स्थायर अधिक स्थाय अधिक स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य स्कर्मा अरामा क्या हर विवक्ति स्वरास्था सामा विद्या स्वरास्था सामा स्वरास्था स्वरास्य ॥ डेल ने निहा अद्रतः विवा त्यारा हुर वया द्राता तरिः यायात्रात्यात्रक्षात्ववात्रवा । नर्षम्यात्रात्रकारहरा विवाह्वास्थ्यायाः देरी रत्रतामकामात्री अर्यहर्ष्ट्रायक श्रुप्त स्वर्था किं अहे सेर् हैं के ब्राज्य अधिर लाक्य नेर् हारा लाक्य ता ती नेर् वावयर्वाय कितान्त्रकुर्वद्वता क्षेत्रवाभस्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रवतः वत्तास्त्रवाक्ष्यानुसार्द्रदः याराजायद्वला अक्याक्ष मक्का मारक्ष रह्मा श्री मारक्ष मारक्र मारक्ष मारक्

「かいいいはないないないない。それようにないないはないないできたいとう

र्यर्यतित्रं वर्ष्य मित्रं तोत्। रम्र्यम्वित्रुयायग्रम्ह्। सम्मे सहित्रमा त्रार्यम् र

सुरम्भवायिवेतुः सेवार्वरात्ये। रमभवायिवादुः शेष्ट्रे स्टार्वायां यस्य प्याप्ता विवा री.कार किर के जा न्यूया है. जा व कित त्या व के जा का का का की की का किर के जा वा की जी थी यान्य क्षेत्र स्वाधित स्वाधित क्षेत्र क्षेत्र स्वाधित स्वाधित क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वाधित क्षेत्र क्षेत्र स्वाधित क्षेत्र क्षेत्र स्वाधित क्षेत्र क्षेत्र स्वाधित क्षेत्र में का.प. मंद्र यो श्री भारत संदर्भ में दर्भ पर देय पार्श्व भिष्य पार्थ यो भी स. पाराच यो श्री स्था पी देश दी स्वर्रक्ष्यामेश्वात्वेतात्र्वे व्याम्यक्षास्य स्वरम्भ्यात्र्याः स्वरम्भवत्याः स्वरम्भवत्याः स्वरम्भवत्याः । क्रमायमार्थिक्तामायाया व्यापने विकास म्युः वरः बाच अन्तर। दः दरः दः अन्त्रायः स्रम्य अभावीदः वी स्यक्ते। व्यवः हिद्यां वेसानीः सः लेबालान्त्र रेन्यदालकु लेकालाव्यक्षिकालाका रमस्य वास्त्रास्त्र ने के मुन्ने द्यतायति भेटातात्वीतियात्रम् भट्यक्ट्माता प्रमेद्रायद्यात्रमात् मान्यात्रात्रम् विका मिलाक्षेत्राहारी महत्यमान्यात्र व्यालाक्ष्यात् देव देव निर्मात्र महत्यात्र मिलाक्षेत्र में निर्मान रश्चिति र्मान्य । रायाः वार्याना मारा मारा मारा स्थाने वारा स्थाने स्थान スターを対からは、レナバシャーチーびたいないとからないということに、アイカンではないなってい न्यान । ।।। १ क्रियार्गने निर्ध्वे वर्षा संक्षा हिर्द्ध मेर् द्वे वर्ष वर्ष मिल्यान्यान्य महत्त्रके महत्त्रके स्थान्यान्य स्थान्यान्य स्थान्य स्था अ, उर. में शता, में उर १ र र में र में र में एक प्राया में यार द्वर प्र प्राय है। है र र में र में एक प्राया में यार द्वर प्र प्राया है। है। है। प्राया में यार द्वर प्र प्राया है। है। है। प्राया में यार द्वर प्र प्राया है। है। है। प्राया के प्राया में यार द्वर प्र प्राया के प्राया है। प्राया के वास्तानिवयानेत्यान्ति। १५ या. ए १ . जिलाके केदिरकेदम्याके विशेषायदेवाक प्रिस्थितके हिंग सेर्स राजा गायर राज्य र द्वार प्राप्त प्राप्त हैं । उस्तर राज्य वर्ष केरिय देवा विकार हैं इ. र्यत्वराक्षा माम्बाव्याप्ट द्रमिक्ष्या । सामित्र वार्षेट प्यत्रेत प्रतामित्र । स्रामित्र विद्याने विद् ्यानेया महित्युर प्रदेश ने रहे या भरा नमह मार हैया वहरा वहरा समावमकर मेर धर है रहे यह देशे 

र्थक्ष्यिद्दर्भाषात्वात । वार्त दर्भने अर्थद्वराध्यदः। म्याने केत्र्यम्यम्

म्बरी अद्भाषह्मत्यायह्मत्यायात्वर् पहिन्द्रिक्षायात्वर् महास्त्रात्वर्

सर्भक्षायरमाम्भी गाल्युवास्त्र । सन्यक्षायरमाम्भी वाल्युवास्त्र । सन्यक्षायरमाम्भी वाल्युवास्त्र । स्व

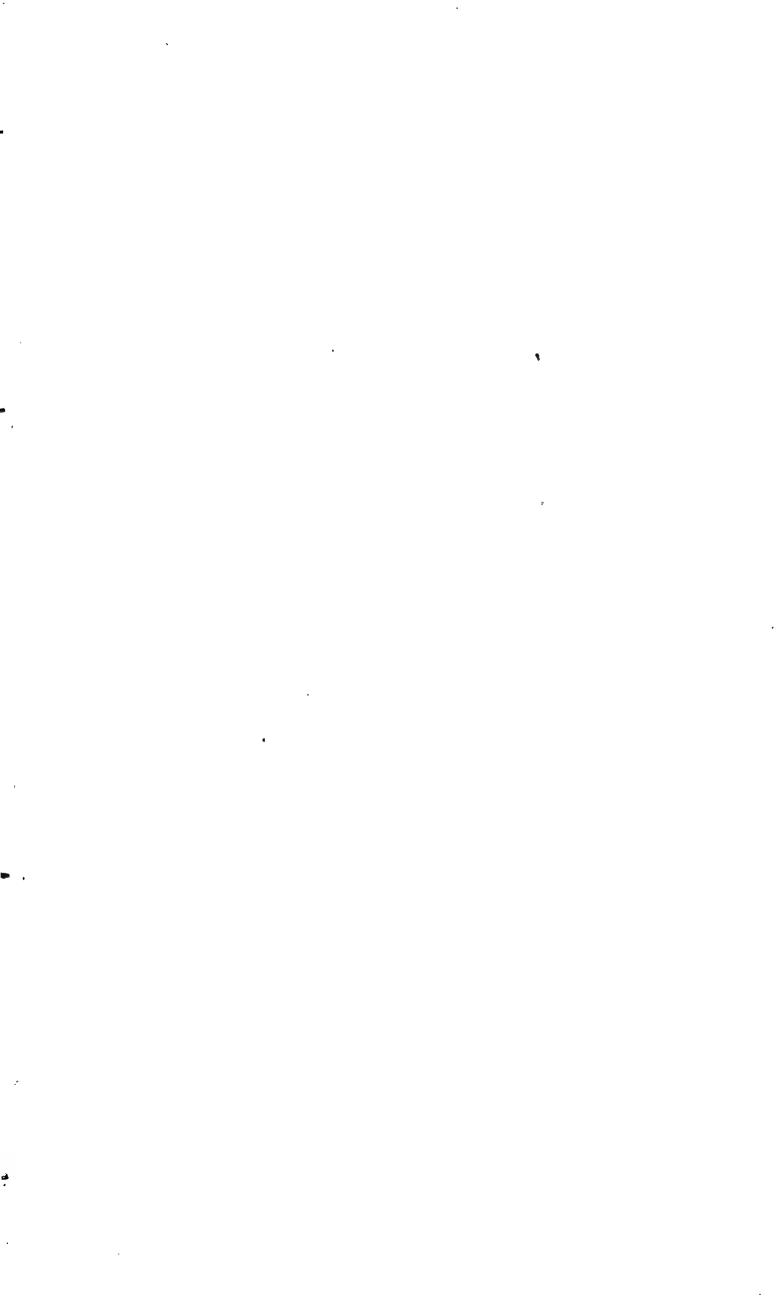
द्भर्यत्यात्यराम्याम् याद्रेश वाद्र्याणात्रम् स्वर्थायम् स्वर्थायम् स्वर्थायम् स्वर्थायम् ।

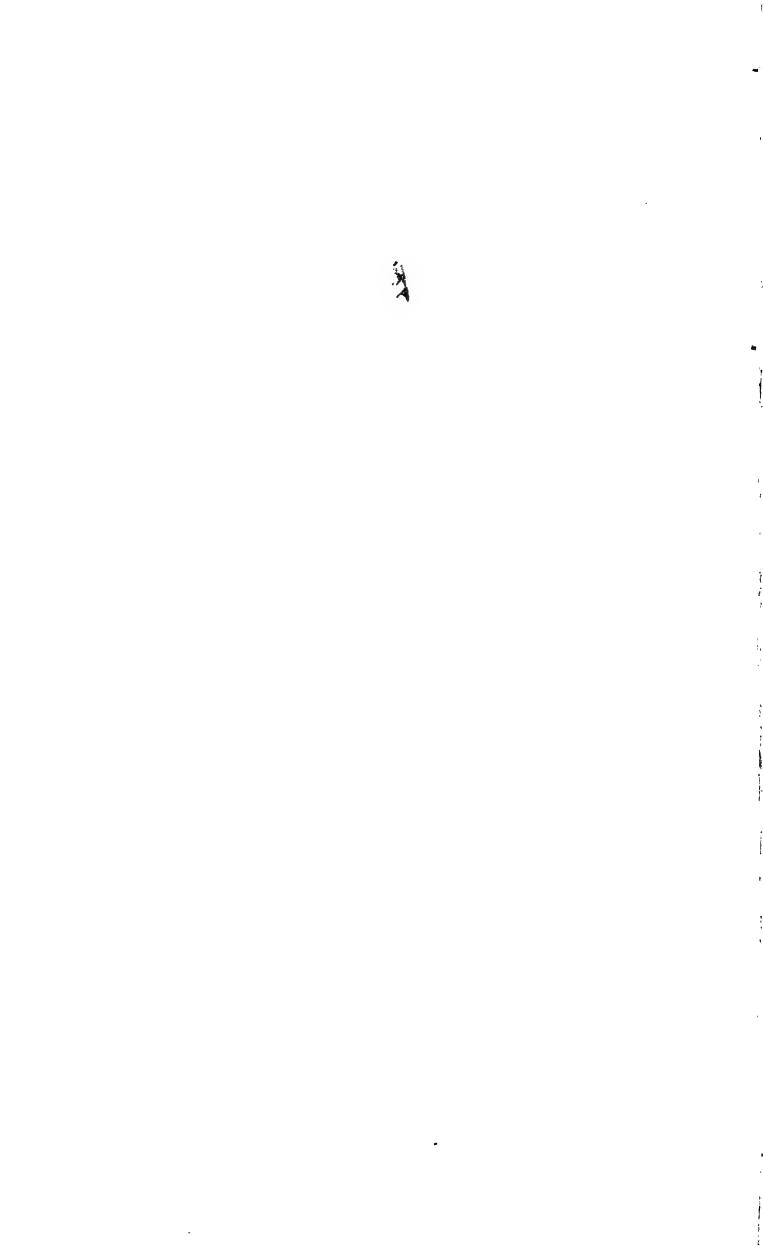
र्युद्रधाता से द्

न्यानिद्रालद् द्राप्ता भिवात्तर रामग्री पह प्रद्रा यादा वर्गा । या न्या लेशामग्री न्या वर्गा यान्यास्याद्रयास्य स्वाद्यास्य विकार्षेत्र विकार्षेत्रयास्य विकार्षेत्रयास्य विकार्षेत्रयास्य येष्ठिया श्रीता वाच्या वाच्या वाच्या त्या माने वाच्या माने वाच्या यर सर्दर्यर। वाल्यंर वार्यवाद्ये वाल्यंर वार्यवाद्ये वाल्यंर वाल्यंर अववायायक्या तकरण्यर वर्षेत्र व्यान्त्र्या अरेते हर रे मे मतापूरी अरत केर हिर वर व आत केरा व मुंचते 男というないないないないないできます。 たらいいはまないできまれる 「一日本ではない」 केश नेर विराधरक सेवाक का मार्ग के राजा के सेवाक र ने राजा के सेवाक र न र्यवरका सेरहेले द्वारा राज्य वा गाया । समका महर र्या सु ते स्वाक के ल्या राज्य राज्य स् मार्डिट्डम्बेट्री चरत्रिक्नमार्थात्रास्य नद्दद्रभाकित्यम् स्रेर्ट्याय अस्ति वित्तावत्य मार्थित विर स्या देशका मार्था मर्गा हर कर्षा है। विर कर्षा मर्गा मर्गा कर कर्षा कर कर्षा कर कर्षा कर कर कर कर कर कर कर स्रियायक्षित्राचार्यात् वर्षेत्रायायकाः वर्ष्यात् । वर्ष्यात् । वर्ष्यावर्ष्याः वर्ष्ट्रक्ष्यमः वर्ष्यायराक्ष्यायराक्ष्यायराज्याययः । अक्टर्ट्यस्र्वित्रिर्धित्र्यययाभावतः क्रम्या वर्ष्यमायते दश्याव हर्ष्यय सरहरी वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य रमकेनरथतम् द्वाक्ताको वरववात्यरात्यात्वातहेत्यहेंदा यातहेत्याद्वात्यात्वात सहस्वित की अराववर्गादर स्दरायद्भावरामा नकर अध्यक्षित्वी राक्ष्या भूका का यह स्ट्रिस्वर वहर हामवावाबुद्राभी नेयायमा देयाहोमा भयम । विद्युत्र म् विद्युत्य मान्याया अधिकराववस्वमार्थाः नेस्य । अवविवयात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात्रात्मात् रसुरक्षेर ब्रीयथिरसुरायावग्राम् रयत्कर्व रंग्यरहे दरायावग्राम कॅर्केरकीतालवर मेरा रसमार्थित्रभ्यात्रणाञ्चल्या रायद्वरात्रहवराय रक्षेत्रः वर्ष्येवेव १०१६म् र यति केर्यत्रावधन्य दरारतिष्ति वार्यायात्र केरा विश्वीरस्वतार्धिर त्म अवस्थानान्यकारा पति । म नार्ता म नार्ता म नार्य म नाम के म नाम हो म नहीं देशीय नारामदेशसद अरद्याता र्यत्वहूणः स्रव्हेन रार्यदार्यदावहराः वावतः कर्ष्यातात्वा मेर्वेद्व र्। हिरानीमानावानारेषक्रमार्यात्राचा में बरामारेनयात्राचा हैवर्षरार्

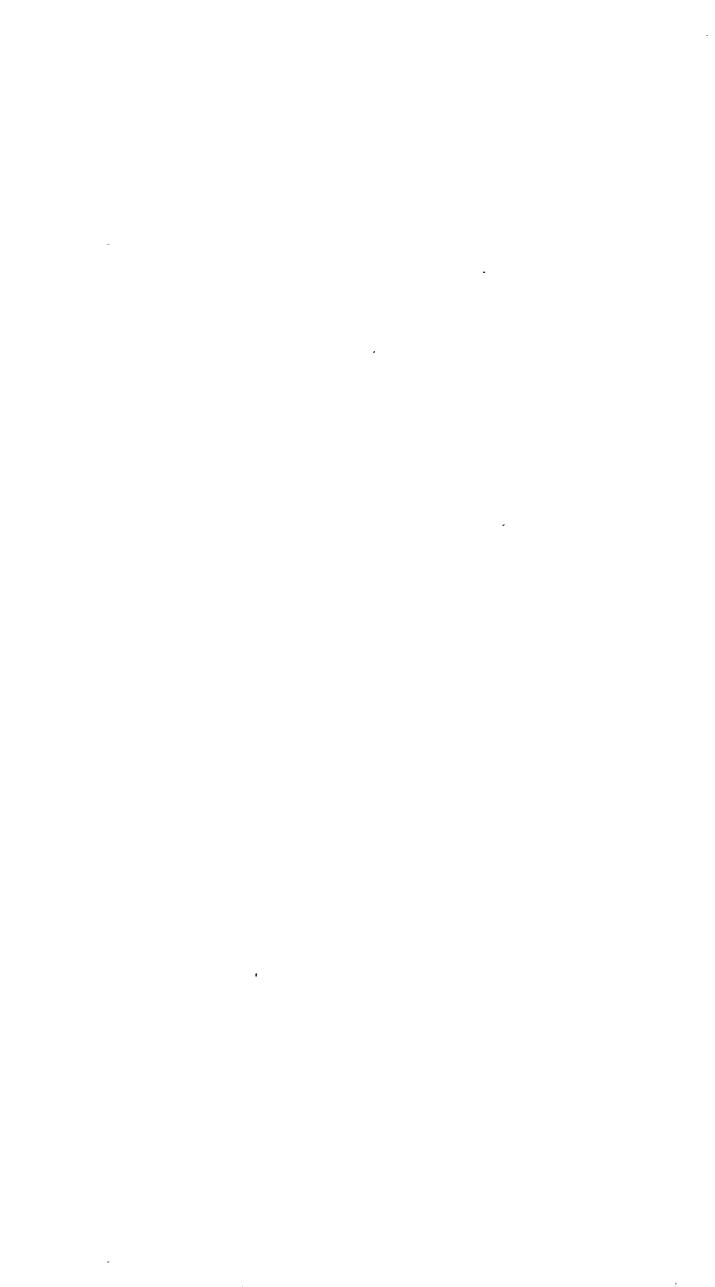
< निर्मित्रेश्विभाविकाविका केव्रास्ट्राह्म केव्राह्म केव्राह्म केव्राह्म केव्राह्म केव्राह्म केव्राह्म केव्राहम केव्राह विस्था : विस्थान स्थाप्य निर्मा विस्थान स्थाप्य विस्थान स्थाप्य विस्थान स्थाप्य स्थाप् राच्यक्ताम् व्यवस्था द्यरद्वातं कृता त्रवेवताद्वा मारक्रद्वास्य द्रस्य देशक्षे र्वातरीयान्त्रवातिक मेर्ने व्याप्तिक विकास देन्द्र हार्वात है स्थापन विकास के वितास के विकास विष्यास्थायस्थायवर्गार्। हेन्रेन्ड्रस्क्रियाराण्ड्या द्वीर्त्ते गरा मार्थराया के प्रमाद मार्थराया स्वार्थरात द्वाराधेवन के मार्थिक विकास 2 202 न्त्रायाधिक विश्वक्षित्र विश्वक्षित्र विश्वक्षात्र विष्ठ विश्वक्षात्र विष्यक्षात्र विष्ठवेष्ण विष्यवस्य विष्यक्षात्र विष्यवस्य विष्यक्षात्र विष्यवस्य विष्यवस्य विष्यक्षात्र विष्यवस्य विष्यवस्य विष्यवस्य विष्यवस्य विष्यवस्य विषयक्षात्र विष्यवस्य विषयक्षात्र विष्यवस्य विषयक्षात्र विष्यवस्य वि मन्त्रमानावित दर्दर मा अद्रत्मेन मन्यति स्वर्मेराम् । मनुष्या अद्रत्मेन मन्यति स्वर्मेन मनुष्या । स्यो रे.हर्ड गर्ए १ अवर स्रम्पर कर्रमें डे.क्ट्सेरी हिलाई त्यरकामवाहरू वारद्भेश्यते ह्वासायविवा । इत्यद्वाभेद्यते व्यापादविवा । विद्रद्रदे ब्रिया दक्षिणाय्त्रकरः द्वारा यायात् । ब्रिट्रंटरक्षिणअविषर्व । दक्षकेवाद्वारवयात् महिमात है। नमप्रकरियांगाचरहरू वार १०० मिन्नम्बस्यस्य महिमार्थना वालिस्यात्। व्याप्त क्रिया तकरवर्ष्य सम्मान्त्र ग्राह्मा अर्थके अर्थके अर्थका प्रमुला द्रेट्या द्रेटरवारे स्यापना । इया सम्ति स्यापना व रात्रिके भेष्टितार्थिया । काष्ठिक रावत्यक रावत्यक अस्टिन प्तर्षे हैंदा रेराष्ट्रम्ब्यव्यान्यान्यत्रम् तात्रवात्याचे दर्दरात्वेतात्। \*、この、コチャ・メンドでのはまかの、よくていないは、ころいとそくの、これ、 はたかずかのかない क्याहित्यहेतः त्युवावराष्ट्रद्योपवस्याद्वरात्रहेकायदेवत्रभ्यायाः वाह्रवत्य। त्य स्वा (विकायित तर्भे कार्त्या पर्या पर्या । रे रेस्ति रेस्तिर प्रमास्य वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता वस्ता क्षित्रस्रिक्ता द्वान्य म्यावर्षित्रक्षेत्र विष्यं का मुद्रा विष्यं का मुद्रा विषया मुत्याय मुत्याय विष्यं में सरस्य सम्यायायाया हरा हरा पाय निष्म परा राज राज सम्याया । दुरादेश्ययः वस्यात्रीराराक्षेत्रकत्यात्राचेत्र ख्य १८० । यद्या व राष्ट्रार्थात्राक्षात्राक्ष लेवारा-नरवार्त्तवार्ता ने देन्त्रवाराद । कर्षेत्र वात्रक्षे धरम्भवतः दे स्र विवाधार धरेन्ववव्या क्षात्राक्षात्र विवाह मेर्न्य करान देति हु है। के मेर देते के का कि का किया करा किया प्रशिक्षात ता में ता के से के प्रति हैं के प्रति के प्रति की मार्थ में प्रति की मार्थ में भी मार्थ में भी मार्थ म्यार्थित्व क्षात्व क्ष म्याम् वते वीरविते स्यापित् स्यापित् स्यापित् स्याप्ति स्वर्णे स्याप्ति स्यापति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्यापति स् とうして、祖母という、はいいないないとう。 あってくるとのはいいろうにいるとう

えて、これると、そのと、これが、それと、のあるかれるとは、まれたとうないと、とうないとく





हर्स्टरत्युरत्युक्तः 🎹



छों यह देन हैं। हैं। इंट वह देह हैं के जा का का के के देर देश या द्रायातान्त्र द्रायात्र द्रिद्धात्रकात्रेत्र व्यायात्र व्यायात्र द्रायात्र द्रायात्र द्रायात्र द्रायात्र व्यायात्र द्रायात्र व्यायात्र व्यायायः वयायायः वयायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायः वयायायः वयायायः वयायः वयायः वयायायः वयायायः वयायः वयायायः वयायायः वयायः वयः वयायः वयः वयायः वयः वयायः वयः व नाइर मानिता होते हैं ते व मानितिवह रवर ते व नाम व कहर वर है ते व है। प्रत्येष्ट मुर्धे अर्थर्था व्हार्य देश देश वर्ष हैं सह के करा वाह के वर्ष के कर्ष में मुद्र कर के देश में किया के का कर्वा प्रदर्गर केने यहिया यह क्रियं कारान्य रहा करियं कारा हित कर केर नेता म्यारावरदा दरद्वत्वत्वत् व्याप्यास्य व्याप्यास्य व्याप्यास्य व्याप्यास्य व्याप्यास्य विश्वत् व ला दिंडकद्वरावर्विद्धा विविध्वति क्षेत्राच्या अत्याद्धा अद्यावातुरावर्थिक स्थित्व वर्त्रात्ति। त्राम्नेन्ति केटम्यायद्वत्त्वत्य । कार्याचा मर्यायद्वत्त्वत्त्व । त्राम्याव्यायत्त्रः वर्षायद्वः अत्याव्यावः । अत्यावः । अत्य वित्रात्त्रक्षेत्रत् । व्यन्ति क्ष्या हिन्द्रा सुवाधिक विकार हिन्द्र प्राप्त स्वाद्ध स्वाद् र्शिकेटला विवादा विधिवादा के विवादा के विधिवादा के विद्या के कि विद्या कि विद्या के कि विद्या कि विद्या के कि विद्या के कि विद्या कि विद्या कि विद्या कि विद्या क वर वाय्याची वीसार्वकाता । हिं त्यारे सहर थ्या राकरें के के रार्य राव के राव स्थान विक्रिया रिल्याम्वलवेतालकाराक्षाकाराक्षाका । इत्राह्यस्य स्वते दिल्यम् विक्रम् श्चित्वत्यत् ह्यायवव्य । विषयेवकुषायस्तर द्राध्यः । वर्षेत्र द्राध्यः । वर्षेत्रः क्षेत्रयं न्यायट के खेदलायाता देशिवायर में ना हे खेतर वा वा के बरकी मुने दर सहर का नि अ. अअ.येशक्तरात्रा चल्यांद्री.चूट्ये.वालका.वुट्.वुट.वा मृ वडा.तेण.चण विज्यात्रायेंदेंदे. लुंश्चित्रार्य पहुन्। शुंभर्वा रद्द्यायाय सुक्ति त्यार वर्षे राष्ट्रियाय स्टर विव महिना (हिना ) अरेर) र दंश नुन सं पर्धि र दुर्म र सं विर पर र्भास्यमञ्ज्ञान्त्र केत्रम् केत्रम् अवस्य मान्य मान्य मान्य मान्य केत्रम् देव विवाद हमसद्भित्यसद्देश्याद्यापेनानीयस्थ्याद्याः वस्तियः वस्तियः ग्रीयः नेत्र्यान्यः १३अक्ष्यास्य स्वित्रेत्रेत्र्याया इत्येत्रेत्र्याया इत्यावत्यास्य

184 रमियाररर्र्डि सुनयम्भेयत्यमक्त्रिं स्तर्यर्ज्ञास्य सुन्तर् विसर्देद्रवरक्षणः मूनार्त्राणः यात्रके वस्तर्वेद्रवद्गात्रमाना स्वर्त्ता स्वर्ता स्वर्त्ते स्वर्ता स्वर्ते स्व चर्द्स्यवेता केमस्त्रक्र्याण्याचेकाक्षेत्रक्ष्यास्त्रक्ष्याहित्वयस्त्रम् व्यास्त्रम् इर्तिकर्त्त्रेय्त्रेर्द्रकरावि, नेत्र्यातह्यविमानाय्त्रे विमानिता नम्रेक्षेत्रम्याय्याविद्रम्याय्या यान्याति वार्यस्य सम्प्राचित्र कृतामा क्षेत्रास्त्र स्याप्ता देहेत्र क्षेत्र स्याप्ता स्थापता स्था येत्रा राजित्रहर्तात्रक्रात्रक्रात्रक्रात्रत्त्राह्मात्रत्त्राह्मात्रता यात्रत्यात्रात्रात्राह्मा ज्रूर्यर्थेयं कुर्रा एक्र्यं स्वामा न्या क्रूर्या क्रूर्या क्रूर्या क्रूर्या क्रूर्या क्रूर्या क्रूर्या क्रूर्या E GE 2035:41 चत्रेत्वं चेत्रेक्षेत्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वारत्येत्र स्वायत्या कृष्यचेत्रे स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वरं स्व बीयाबीयाबादवाश्वयायाववार्वे। वेदन्यायुवायेवीत्रम्यक्वायाद्येश्वर्षेत्वर्ष्ट्रकृताय्येतेवा मनगर्रमेह स्ट्वेन्र विद्या देवेत्वास्त्रीय पार् निम्यास्त्र निम्यास्य स्थानि मुद्रमा स्ट्रमे मध्या वेक्स्रिक्षेय्येयर्तिक्ष्यम्भित्तिक्ष्यम्भित्। स्वत्यक्ष्यम्भितिक्ष्यस्यतिक्ष्यस्यतिक्ष्यस्यति इगन्तेत्यभ्रम्भर्। देश्यास्तर्यत्यांत्यत्यात्त्यत्यात्त्वत्यभ्रम् अत्यात्त्रात्यत्यम् स्थान्यत्या यान्वेनात्मस्यात्रम्यस्य स्वायन्त्रसम्स्यास्य स्वास्यस्य त्रम्यस्य देरात् ह्यास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वा क्रियाचे विद्यां क्षेत्रक्त्र्यं विद्यायाचर त्याचे कार्यात्र क्षेत्र कार्या क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार्या क्षेत्र कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य बारक्याः प्रदेशः श्रद्धः स्प्रदेशः प्रदेशः स्पर्ते स्वतः DEN भूमाना रम्मभूत्विकमम्भूष्यात्रम्भूत्वात्रम्थेता सर्वस्यिकम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम् भूभहलरी अपकेलत्रक्षीरामधुन्नत्यमञ्चनन्त्रमात्रुत्रविक्षित्रकेल्यकेल्यकेल्यकेल्यकेल्य विराविर विराय प्रतिक्षा क्षेत्रम् । वर्षेत्रात्म स्पर्य न्यर प्रतिका वरे विर्वे स्त्रीर विवादिन न क्रेंद्रम्यद्वाकरत्त्रेक्तियक्षियक्ष्यम्यान्या देवतर्यक्षेत्रस्य स्त्रेत्राच्याक्षेत्र सीर्यु ज्ञानस्थाते अस्य मार्यु मानावर प्रोत्य केर पेर्यु स्थान्त्र या सेर्यित् लेवाप्रा स्थाना से स्था भ्रेंद्रके रवा यत्रवा भ्रोद स्वाव स्थापेद्रवीत में जाहवा एट् प्रोप्पेद्र। केंद्र से रवी वक्ष वा स्वाव के स्वाव से द्वां केर्नेर करना युर्धेन श्वन हिर्दी समयेव सने वर्ते रहा वेर्न समर्थि करेर्ना हिन्दा मार्थे वर्त राम् हिन्दा यंस्मार्ट्र प्राप्तात्मार्थार प्रमास्मान मार्थित स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स लितरं चीरअरकेलकुमार्च्यानेता कुवरचीर्भाक्याक्यामधेवयतिवक्षिरंभेर्भेवा... 形が多く क्षेत्राञ्चिति, वाध्यातर नेरातरे वाजुर। देयमर न्याक्षर प्रायम् वाज्य प्रायम् वाज्य स्थापनित नु को स्पेर बेरा देर होते ये वे वा वा वा सुरा हा द्वेत दर ता का दार विद्या हार हो व वेर सुर कः ल्याद्विमानतेस्यक्रस्यून्यमानस्य पर्वित्यतेस्य स्थात्स्य स्यात्स्य स्थात्स्य स्यात्स्य स्थात्स्य स्यात्स्य स्थात्स्य स्थात्स्य स्थात्स्य स्थात्स्य स्थात्स्य स्थात्य स्थात्स्य स्थात्स्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्यात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्यात्य स्यात्य स्यात्य स्यात्य स्यात्य स्थात्य स्यात्य स्यात्य स्यात्य स्यात्य स्थात्य स्य 6501 बल्रस्य प्रमेरा का.ज.पुर.ज.ब्राच्रेरवाचा अवसवी प्रचार्य वास्वाची की. गर्गाके ब्रिटियास्त्र (यत्यासा नामाये व्याप्ति मानेताय तर्यसा तर्त्या तर्त्या व्याप्ति व्याचीता श्रीमहिन्यां सेर्न्यम् त्येर्रियम् स्रोप्यायम् स्थापा स्यापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्था दरलुकुर्येदा अलदेस्यदेवालेगाने। इदरेदस्यवेरेकेंद्धलाला अञ्चक्षणकीसावद्शेर्दिदा

ノくご

रदरदर्स्स्नेमना सेरवेस्मयसेरस्ट्रिंचेन स्तेत्रेनना ह्रूर्स्स्यात्रायायायायायाया चेतिसे लम्बस्यलयेता दहीदस्यायम् तत्र्यस्य स्थाना क्रयस्य वाल्यस्य नाल्यस्य म्रेरा मरमाध्यावरेखेरमवस्राता बरखेरमतिह्वास्यते कारस्रा स्यापि स्रियमे विराधित सु.ज.तर् झेरेसुरा श्रीर बरक्यें र्याज त्ये वासका बर ये वसा वा वा वारा वा वारा ता र तिर तिर ति वे भुनिता प्रवासक्त्रितापुर्वेर विवानप्रित्यामा स्वत्वरद्वा वर्त्र मान्या स्वत्याप्र मुर्मिश्वरार एं मिया सामा वर्षेत्र रिस्ट्रिय सामा वर्षेत्र विस्ति के समा स्वास्त्र किया के समा स्वास्त्र किया कुर्यसं कुलग्रमा सुर्दरीयलस्म अर्ज्जायुर्धणक्रियर्द्धता सेयासराद्वरायाच्यास्य ला क्रें अतुः हैं राम लेल देर्रा केर अहे वार तववाय स्थायक्या रेगर्गति होर्गे रेवेट रह कर् त्तित्रक्री दुन्याप्तुः हुर्जी त्तित्रकर्। दून्यत्वापनु स्वत्त्रक्षत्त्रक्षा देन्यत्वापन्ते । वार्ष्यार् महर्सेर्ह्र द्वरत्त्रा अञ्चनिरमे अर्द्धराय्येन अर्धात्र्यो सर्वे त्र्ये स्था वर्राप्रावर्ष्यां केर्याम्भेरावी एवँ रवामान्यर्थेरारे। वर्षे विवयस्थिर की वेरिना वस्ति। क्रता वर्र हरे की खरम मेरा हीरक संबेर वस्तर समामेरा दसन त्वा मेरा बेर ने रेपवेर वयसेरा नेहेगसुलह्यहारसेरकेवरी ह्यूवर्ववयवेर्यरववेग्यवस्थाना रवस्यर् स्पत्रेत्रस्यापा द्यमा विकेशीर्योत्रायेत्यः स्थाने मार्चे स्त्याद्रस्या त्ये स्वापेरतिर्देश वर्ष्यार्थ्या केया रेखर्गवर्षेर्भरकृषकृषावर्ष रेखर्गवर्श्वर्षण्या अवेरहेली केमार्देरते मक्रेमात्याती वित्रमा दक्षते स्रातायकवादेरितेरा स्मार्द्रस्यमार्केर्यकारा वहेमसदेरा अरक्दरञ्चमस्त्रित्राक्ष्यविष्टिमसदेरा सववस्यविद्यक्षियक्षेत्रा लेकिएकरवरिवसक्त्राप्ताक्त्राप्ता क्रिट्यार्ट्रहर्लेलल्याय्यायस्त्रा वृक्षणः अष्ट्रवाश्वेमा अरवामध्ये सेरेलविक्तेरा हिर्द्यवाक्ष्र्यः अत्रेमा स्वाः दरनाबेवानाक्षेत्रात्माञ्चलक्षेत्रा न्यवन्त्राबवेद्धेरयातीः ह्याद्वावेदा वेददरव्युमानाक्षेत्र तमम्बार्कमा भ्रीतम्त्रास्यक्षियदिन्त्रमा महत्त्रकृष्टिसम्भेन्यक्षा श्रीद्रमात्रमा कुप्रदर्भकर। जैरादर्भे कुयालक मैलकुया सराइयम्भ्या प्रदर्भ कर्म्या. रुमासीरास्यासास्यास्य स्रम्देरस्थित्यमास्यादेवासमास्यासेरा नेकेरस्यात्यास्यास्याते उन्मा क्रस्ट्रस्यम् साम्याद्याद्वाद्याद्वात्यात्या सेट्यसाययायाद्वाद्वात्यायाय्या नाम्यान्त्रियाः भेता विरदर केर्जी जयार्यायारी स्वरक्षेत्रेयो राष्ट्री व्यवस्था प्रयास देरत्वेज्ञयस्यस्येवदेखेरा महस्यस्यस्यस्य स्वार्येदेरद्ध्येवा देखेवस्यत्यहिस्येद्धेयस्य जाक्षेत्रात्त्रात्त्रीयार्द्रम् त्रित्वा वात्रवातात्त्रक्रम् वात्रवातात्वे व्याप्तात्वे वात्रवातात्व में आकार्रिक अपकार के के प्रत्यान में में रहा कर में रहा कर में रहा के रहे में रहा के रहे में रहा के स्वार्थ दी। देदाराराष्ट्री परविकार जन्मदिक्षिक्रिया संदर्भात्र हिस्सीर कियान्त्री देदार है। एवं माने एवं युर्ग है। साही केरा सरद्वारी स्टाइ विवास्ता - देर वरवे बाद सेंगोंच वेरवा वरे त्या के वान वर्ष muddy,

クくら 186

यत्रम्या स्टान्यत् हे.क्र्यावित्राण महत्त्रत्रे मह्त्रविषाण्यत्रे वर्षेत्रा द्वर्त्यायाः इध्वास्वयमा स्राम् रावयाच्याचेराहर्षेता देवदेणकृष्णत्तेववर्षात्त्रम् केयाचेत लुरकाहरे हेर्न तरी सारे प्रमास्या । के सह कि हेर से से तर समाय संगय ही सुरक्ति वर वार्य क्षेत्रवर्त्रान्त्रात्त्रात्त्रवया वर्षात्राद्वर्त्वराच्यात्यात्त्रकार्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् कु, वर नरतिया अन्तुर्र अर्दर क्षेत्र वस्त्र किर किर द्वुव की असि या है कि जा कुष्टे क्रियं अप दर्श वैयानस्याद्यक्षित्रम्यात्मात्मवर्षेत्रस्य वक्षेत्रस्य वक्षेत्रदेश्वावयद्देद्रस्य विवेशस्य देद्रसदेशस्य इंस्ट्रेन के नाम्याकी स्वालित प्रवालित के प्रतिक के कि कि के निक्रित के निक्रिय के निक्र धुरायवना त्येय मुक्त श्रीराम् र वरम्परम् । तर् स्मरम् । वर्षे वर्षे स्मर्थित क्रा माना वर्षे । लम्द्री अललकर्ताम्द्रित्या मुख्यकालक्ष्मिन्त्राम् मुद्रमाति । एक्रोबाकार्रिका। विकालप्रक्षित्राधिरमात्री विक्ट्रिक्क्रिकालक्ष्माविकार्रिया वीक्रुक्षाल्यस्मावः मर्दरा मेर्दराहकरमस्यम् यादेरा विगवत्रत्मयमय्त्राम् देवसाग्यव्यक्षिण क्रुंतियात्रा एह्पार्ध्यक्षित्रकार्त्याक्ष्यत्रात्रकार्त्या व्यवस्थित्यात्रकार्त्या श्रीत्रक्ष्यात्रात्रकार् ब्रीयात्या वर्त्रकी करकरते स्वा रहरम्य श्रीताय करे हैं है त्यतरे वर्ते हैं है त्यतरे वर्ते हैं है त्यतरे वरा चर्ट्र गरुअभिन्दर अक्ष्ममी। क्रूर्रियमिश्वात्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र नर्दिश्यात्रान्तराम्यायात्र्या द्वाराष्ट्रमात्र्या स्वार्थिता त्यात्रमात्र्या स्वार्थितात्रात्रमात्रमा या.प्रचा.से.का.र्जुर.कर.ज्ञर्म्या विचाया.च्रिकाका.कृष्टिका.क्र.प्रचाया रत्रर.र्जिर.तीका.सक्ता. 2 कि विकासित हुरा कि ए तर्प रक्षित करूम कार्यकार था। तीया ए ए पर्टर रिकी ए एर मा केर्द्र अवित में की वीवित क्रिंद्रा भ्राक्ते भ्राक्ते भ्रात्वे भ्रात्य क्रिकक्र क्रिक्ति व क्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति क्यामा विकायतः विविद्धः साहारा द्वेमं से देवमा हो का सी मार्थिक का मार्थिक का मार्थिक का मार्थिक का मार्थिक का Hind this word an क्षह्रदेश्यात्रास्त्रा त्रार्थ्यात्राह्रात्राक्ष्यात्रेत्राक्षात्रेत्रात्रात्रात्र्यात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रा Thepage ज्ञान्यात्रमात्रमात्रेया स्वायम्बायास्यम्भयास्यम्भयात्रम् व । यात्रसात्रम् व । यात्रसात्रम् व । व 212 hot बरेव क्र कर कर करेव एर्का भेरी १९ छेर से रेवा विष्टु भेरी के नार्वेर छ्र कर कर कर कर कर कर स्यामिति। वाकि तारित्र वादता ताके मानुरायक कार्याच्या ते वेति का क्षीरा वी सुरायि मान क्रियार्थियक्षरास्त्रकेश कालाहर्याही हिराक्रियां में ता मायारे तहतातु । हीरावी ताक्ष्या इस्ताक्ष्या पार्द्ध्याक्षर्राक्षयात्रेर्याक्ष्यात्रेरा वक्ष्यक्ष्यात्रेरा वक्ष्यक्ष्यात्रा भाविकारी जुरकार्वेवकार्वेद्रास्त्रहेरासूराबुदी दुरेतरावधदालपुःचिलिकिव्याविकार्वे क्राच्यां मुत्राहरू मुत्राहरू में मुद्राया महीया साम्या मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्र ण.कुमाप्रदेशकुर्। किर्द्राह्मराम्भाष्ट्रीयाकुमा कुमाप्त्रक्षरामाध्या की. रम्रावक्षा भाववाविरवक्षाम्भराविवारत्रा दे.पा.स्यानाप्रमक्षाम्या क्राम्याचित रीत्रायुर्गा देलावहवामालेरामद्वेशा १० मार्राम्या से मार्या स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्व र्मेर्नेन्यानकरमा वर्षे वयस्त्रायान्यावयावरे मेर्नेन्यारा र्मेर्याययम् रिस्याय

he 1.

य मिन्सुत्य

あと引

35/14 र्भन

पहरत्यात्यात्या वीत्र्यात्रात्यात्रीत्यात्रीया त्यावस्वात्रेयात्रात्यात्रेयात्रात्यात्रेयात्रात्यात्रेयात्रात् चिंद्रचारकाला है.संकाकितासीह लोगा हिस्ता संवक्ता से स्वाति लोगा का स्वाति का स्वाति से विकासीया देन्त्रकार्का विवायक्र विवायक्षा परद्वीयादेन्द्रक्षियाला क्रिसेद्द्रकरी स्वीयाद्वीया देश कु.जब्र्ड्र.वलजानपु.कब्र्ड्र.क्र्र.का. बिक.क्र्यु.कु.कु.क्रि.कक्र्या.ट्रे. ट्रेंब.क्र्र्ये.क्र्यू.केव्र.क. इरा रेलर्जुर्रात्राकार्यात्रेम्कृता सर्वेद्रायात्र्राचेत्राय्या क्रेयात्रात्राया कूर्र देलर.मृ.सुर.लभ.युवा.र्डर.। बालुवा.नु.मृ.सुर.क.। वर्रेर.युद्रिक कर्मेरत्वी.सूर.लूरी म्रामरकित्रुविरामधीया कार्यक्षत्रम् मार्थनावर् जन्निता वाम अवेदाक्रिया वाम अवेदाक्षेत्रम् वास्याया वा चावकार्रेशस्तुःप्रचीत्रुवा श्रुःभवादाक्रश्चाराक्रुश्चार्यक्षात्रा क्रुत्वार्यक्षात्र्यात्रा क्रिकाः おか、多か、は、るからなり、たよくのかか、そう、およのかり なか、またらとういうとうできない कुणार्श्वराधीर् तिराधिमातमा किलात् कृषेत्र विवासाला हरार राष्ट्रिय के स्वीर विवार मार्थी बाधकार्, बर्ब व बडाकी र् बर्व के के का क्षेत्र का प्रकार वाली की हा की र ब माना करता. येरे.एरेवा,इरक,र्ज्यार्वेर,वार्यर,प्रमा केर.बुवा,र्ज्यार्ट्र,क्रि.म्र. विमानमाकी रवे.विस्त्रमा वर्षरमःमार्थर्द्रश्चरः। शुर्वे श्रेत्रे श्रेत्राम्य मार्थे राये द्वार्थर्वे स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थान श्रिमानिहर्ताता वह वात्ताला वात्रा हर्द्विया वात्रा क्षेत्र क्षेत्र कर्त्वे वार्ट्य क्षेत्र कर्त्वे वात्र क्षेत्र क्षेत्र कर्त्वे वात्र क्षेत्र क्षेत् भुवाकारदासीराजुकासीकाका। प्रविभिष्टाणवासार्दराजानामा व्याप्तासीराज्या सेराज्या सेराज तिमार्त्रेमात्रास्त्राध्रात्रीक्ष्यंत्रमा इराया दावक्षणात्र्यायात्रात्रम् द्वायास्य एत्रेव विदाहित क्रि.श्रे. रवा.स. त्व्रा. त्व्रा. त्व्रा. त्व्रा. त्या. े अक्टर्निक्र १ मिल्ले कार तिवाद्या क्रिक्षेत्राक्ट्रिक्र केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य रहूर्यक्षित्रक्षित्र्याम् क्षेत्रराज्यकात्रेर। देरक्ष्यद्वेशक्षेत्रक्षाण्यात्रहेरा श्रीत्रेदेशका दरालगातुः शबुरावीरावीं श्रुवासायते यरादेरायवर पत्यातुराकुराकुणा श्रीत्यात्र स्वरास्त्र स्वरास्त्र १ यान्यर्भेष्यक्षेत्राक्षेत्राच्या नार्क्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र अर रे से वेतर्णना र से नरगर सुनु रें के लेव का विरंगरण से के नर कुर ने रा सुने वा राजिये क्रिंगार्शी अत्रधितरीका क्रियंश्रेयाक्रयाका क्रियंश्राम्याक्र में त्राम्याक्रया व्यास्तिक व्यास्तिक व्यास्तिक विकास श्रुवा.क्रवाका वात्रर.क्ष्वाकाक्षरत्रर्थ.क्षेत्रक्षात्रेश क्षेत्राक्षेत्रका क्षेत्रकात्री.क्षेत्रका व्या न्या मह्या के मान्या १ मान्या १ व्याप्त के महत्त्व के महत्त्व के महत्त्व विकास के त्या के देश के महत्त्व के स्

185 राय अभया के हुन संस्था सु स्वया ला। दयार हु सरद्यार हुन है विषया। पर्सर से पालूर हर्रम्भर्याक्षेत्र । भागत्रे क्र्याला द्या ब्रियर्या यया क्रा विष्टे क्षेत्र युर्ग स्था स्थार हित्यर हे. ह्रेचाय केस्। रर असः सुधन्तर ए हं या कर्याया सुधिर भू का विवायमा का द्वास क लुय.नम.वेबात्रकार्यक्रियास्य देवत्यत्वर्त्त्रम् द्रायास्य द्रियास्य विद्यास्य विद्यास् वनमा अर्द्रमें मुन्तिनमक्षणद्वीया अर्थ्यराज्यात्मवात्रीस्या क्राडिशहत्ता. क्याल पर्यात वडरत्यक्ति हेर्ने वडाया कार्यस्य स्वत्यत्या कार्या विद्योत्। भीत्रायरात्रारहेत्वा वत्रद्द्ववित्रात्र्यं क्षेत्रम् व्यायम् व्यायम् वर्देद्द्वाते क्षेत्रम् वर्देद् न्य एति प्रकारका द्वा के हिल्ला के मार्क द्वार के प्रवाह सेन्स्टें चर्यते नार्वे चन्त्रा वद्ते वेद्या राज्या नाया होत्या मा व्यास्त्रा व्यास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा क. २०४० हैं भेरा के विद्या में से हैं है हैं हैं है है में है हैं के कि के कि के कि के कि कि कि कि कि कि कि कि राध्यक्षेत्रद्रहत्त्रम् प्रारम्भाग वेपराववेद्येग्या वाद्ये वेया वाद्ये ववी वायम् वार्था वाद्ये वि त्रकार्यका दे ये त्रहेराक्ष्यक्षेत्रका क्ष्रिकार्यका । यह के त्रहेराक्षा के त्रहेराका के त्रहेराका के त्रहेराक एववः इ. ग्रंदा क्वारा द्वारा द्वारा कर्य कर्य करा करा करा करा करा है वा करा करा करा है। करा करा करा करा करा करा र्वेग गरेरे मेरे होते के स्ट्रिक मेरे होते होते होते हैं के हिला महिला म य वी य के निक्स स्वाक्षेत्रा वव यहा को यह भी केरे ने देन के। यह लाके वर्षेत्र वार्य या मिन यह ने ने है वर्ष होरे में तर है ने के हैं होते हैं के में हैं होते हैं में हैं के लेखा दे हैं में के लेखा है के लेखा है र्वेद्याय क्षात्र होत्या होत्या होत्या द्वात्य क्षात्र होत्या द्वात्य क्षात्य मरचतेर्त्रेन्या देशकेत्राचेर्काच्याचेर्क्या द्युर्त्यात्र्याक्ष्या त्रित्यात्राक्ष्यात्रा हरना स्रम्यम्भनदेल्युवा न्यम्येक्याक्ष्येक्यान्येक्यान्याक्ष्येक्यान्याक्ष्येक्यान्या अवकारे मुखेरिक मेर त्युराह्मा रेकातात कर्रिक वेजाया करा स्वकारे राज्या अवकारे प्रदर् क्तुं वस्त्रात्यम् त्या देशा देशाद्वादायकात् में दिना विक्ता हो मुक्तादा देवर देशक्षरक्षेत्रकादेश खेंहराक्षरकार्ये हेराक्षरकार्ये के हराक्षरकार्ये विकास के विकास के विकास के विकास के विकास 

स्यान्त्रा वास्तारणक्रात्माक्राक्षाद्वात्या । स्रीत्रेश्वांस्त्री वासात्वात्रात् स्राह्मा

परेंग । श्व.रंब.रंग्याम्क्री,रंगरंतिगान्। रंग एड्यू संग्रंजरणमञ्जार्यार्थये । क्या ग्रंजिमानीर्यंदर

उनेक.द्रान्द्री वनद्रक्ष्यक्र्र्न्त्रेत्रेत्रेत्र्र्त् द्रियद्री देवक्षरत्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्य

स्व द्वारकारण भीता । वेया हेर विरायो वहार यो वहाता के वाह सार ते त्यार स्वर्थ।

लूका निर्मे । अनु नेर्बं जाती हे क्रेंगरिंगी विस् एर् क्रियं कर मार्था केर्या कर केर्या

15351 र्म मेल 4वम्बा

निष्ति । रह्मेल् द्विमान क्षेत्रामान क्षेत्राम क्षेत्रामान क्षेत्राम क्षेत्रामान क्षेत्रामान क्षेत्रामान क्षेत्रामान क्षेत्राम मक्तान्यम् सुम्भावास्त्राची विष्णात्राची विष्णे ग्रुट्न विन्द्री मार्ने । व्हेन देश में भावहेर वायु मार्थ विवाद महिला है निक् できたったとうとうとうというできないといいるかからしていますとうとなっているから भक्षेणत्र दिर हे महर्र द्वार के कि महर कि के कि के कि के कि के कि कि महर के महर के महर के महर के महर के महर के श्रीतेरा क्षेत्राव्यरक्ष्यक्ष्रिक्रा श्रीक्ष्यत्र्याच्याक्ष्यक्ष्यत्याक्ष्यः द्रव्यत्त्रेण । अक्ट्रेन्नवीयः व्यक्तिः विस्ता त्रेन्यते प्रीत्काद्रा वर्षेण । व्यक्त्याप्यः सब्देशवासी भुक्त्याक्रीतरात्राक्षेत्र । मध्देलिदातीण मस्णादरी हुस्पर्टर इवर्ष्ट्र न्मर्मात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्य अर्. जर्र केंबा भुर. बालर कुव. बाल. ए बेंबा जुण तार्रा देवम केंगा हा ले लावारी विर. क्षीरवरियम्भात्रात्रेश्याचरा स्थारवाव्यार्थात्यारवरियम्भारा तर्वाव्यतास्त्रीत्र्यस्य द्मावयाचेता रहेशवव्याक्षेत्राक्षेत्रात्वाच्या व्यवस्थान्या व्यवस्थान्या व्यवस्थान्या श्चीं गर्या ग्रीकिल रें नेरा स्वरं सेर मायु स्थायु से विमार एक र वर्षा के हिराह दर से मार एत्या। वत्रर्वक्षणक्षेत्रक्षणक्षेत्रक्षणक्षा देत्रभव्यक्षर्वाद्वावयभद्र स्ट्येख्यायात्रक्षणक्ष नवसा सरसीयितमालरररे हेर्। यर विश्वासम्बद्धान स्वासी हेरा हेर्नेय के। क्रांत्रेभेभवराध्याद्धरास्या तरहार्गार्यारीस्यापते हता वेररावर्षे भागाने श्रीया महत्वत्वे मायक्षेत्रसाच विकासारह्या होरा धाराश्चिरसा श्री स्वरं माने स्वा खर्चे. सर्सिर तो लेस स्वामा वर्द्रस्थाय ही।यद्याकी देया नराये वरे दे तर्मा वर्द्र प्राप्त करे हैं। द्राप्त करा देखा करा द्राप्त कर द्राप्त करा द् कराकुःसर्माता कुर्केरअर्वसार्वक्रतात्रा पुर्विराजरणवसार्वक्रतार्दा संसारवाज्ञा. पर्राह्मराम्भ्रीत्वसमा पर्वतर्विहेन तालिक्त त्रमानेम पर्वतर्व स्वीमान त्ये स्वामान स्वीमान त्ये स्वामान स्वीमान स्वीमा अणिरेयरश्यक्यक्षेत्रेया केंग्रिय हैं मुन्य ने स्वाप्त क्षेत्र केंग्रिय ने स्वाप्त क्षेत्र केंग्रिय कें नांभवाकारे की वर्ष होता देने स्वरंकी के नहीं कियार वाक्रिक महिला की मानिका हैरा मिल ल क्षेत्र वरा सेदा त्वाकर सेन्ये चेन्द्र साम क्षेत्र में मुक्त के मान्य के ज.अ.ववर्गा दर्सर.ईर.कें.जक्ष.जस्यत्यात्राचीत्रीया वत्रजला.अ.ज्ञासाव्यत्त्रेया । केंद्रवर्जित. विविद्यायकरा सेर्वनसद्याक्तरविदेश नार्वर्थन्त्र नार्वर्थन्त्र स्थाने स्थ न्त्रः वित्रेत्र श्रेष्यवर्षेत्रास्य हेवं यद्रा धर्मकेर्याः स्त्रः रहेत्यः तस्या वर्षेत्रः द्रावर्षः

176 रूवन्यर्राक्षेत्राक्षा देशन्यर्रेट्स्ववृत्त्रवात्राच्या किलाहार्युवेश्वर्थात्रात्त्रवात्रे स्रेवन्येत्रेश्वरू द्यायक्रर्यया अवःवर्यायहर्वाद्याया वर्ष्याया वर्ष्याया वर्ष्यायाया वर्ष्यायायाया । स्थिता / खुरा नामणा नपुर्व कर्ता किलान् विदेशी भावरकती देनमाकिलानु ए निलानी में किरवे विदेश विदेश विदेश विदेश यदी वर्वाकवार्त्वार्था अंकेर्रात्र्वा विभारतेसामित्रात्वा विवर्वासेर्विते सेर्र्याचेत्रा अर्म्भेत्रेयाम्यानम्यानाता वेत्रदेत्रिय्यार्भरदेश देश देश देशक्षाम्भेत्रम् श्रुवामायात्वरा केम बेर लिरे ल रेंब की हारे पूर सुरा किया है। येह की । कुल कें के विकेश दे विवाहर की कासर कर रणेयातः दिवाराक्षीरवार्याताताद्रस्तराताद्रस्तराद्रिकेदरावारमात्वे,मारावारमात्वे,द्रावारमात्वे। द्वीता हिवास विवयमाचा द्वीतो व्यवस्त्र व्यवस्त्र विवन त्वीता विवयमा विवयमा ह्रमञ्जानियम् स्ट्रम्यदेव्यस्य देनियनी स्ट्रम्यो देनियनी स्ट्रम्योन्यते वित्यते वित्यते देनिया हिने वात्र स्ट्रम् स्तियनियात्रात्रां स्कान्तरम् विस्थातमा त्वास्त्रां स्वास्त्राम् स्वास्त्रात्रां स्वास्त्रात्रात्रात्रात्रात्रा क्रि.म्री विर्देशक्र कर्तियावुर्यक्षितार परिरेत्रत्त्रात्त्र नमान्त्रिमाक्षियविरेत्रमान्यात्र मान्त्र नाजमार्यम् भेर्द्रात्रेश्वर्त्त्रेश्वर्त्त्र्येश्वर्त्त्र्यात्रेश्वर्त्त्र्यं साम्यात्रेत्त्र्रेत्त्र्ये वेत्र देर हिंद केर वृत्य की हों ता की तो बाका पा कुर का का किया केर प्रिक्त प्रकार कर का सूर् स्त्रिक्ताविक्षामान्यात्रिक्तात्र्वेषामान्यात्र्वेषामान्यात् स्त्रिक्तामान्यात् स्त्रिक्तामान्यात् स्त्रिक्तामान्यात् श्चित्ररात्रीक्षेणववसायात्वरा द्राह्मस्रीत्र्यात्रस्यक्षेत्रक्षेत्रवस्यक्षेत्रक्षात्वरा देरस्यक्षेत्र श्चाना स्वास्त्र से के त्या है तिरामहर्मा से किया है त्या है त्या है त्या है त्या है ति का किया है ति किया रेल्या त्रेश्मा स्थाना ३ मान्य प्रभादरम् यशेगाः प्रकार देन से त्रा देन से विकास मेर से अपना दिन मेर देन प्रकार स्थान से विकास से विकास के विकास से किया के विकास से विकास गलन्भेन्न स्थानित हिर्मेर तर्ये । श्रिक्त हिर्मेर त्ये । श्रिक मूल्ये अस्त वित्र प्रकार त्या । स्थान स्थाने । १ म्या वार्षित्र वार्षित्र विष्या वार्षित्र विष्या विषया विष्या विष्या विषया विषय श्चर्यात्त्रेयात्त्रेयात्यात्र्वात्यात्वा रेर्राण्येयास्वर्ध्यात्राच्यात्रा यर्थ्यस्थित्यतेत्र्यात्रात्ये मार्ची क्ष्रम् देश्वर्मात्मा मेलत्या स्वाप्ता स् ज्मवा देर्दरामुद्देशक्रियाव्या म्यान्यद्वरह्मा स्थान्यद्वरह्मा स्थान्यद्वर्त्ता केयरात्य्वर्त्ताः अ 70द्य नार्व.की के नारी नार्वनम्नामान्द्रान्त्रा मक्ष्यामान्त्राम् नार्यनम् नार्यन्त्राम् नार्यन्त्राम् नार्यन्त्राम् तर्रही न्येवाके रेराध्या प्रेयकिल्या कें विषय मार्थित्यरलया है। अक्रेरिका केवर न ०५२:सर्ना र्युरके तर्दर्य मार्चेरा रेशे ने रेशे न्यूरतिमा स्थान कर स्थान भावती नामा त्याने

या असा केरा मेर्दर वना र हिर्क्र मार्थर केरिया र मेर्द्र मार्थ केरिया र मेर्द्र मार्थिया मेर्द्र अक्षेत्रकार्ता पर्मार्द्रस्यारक्राक्ता स्ट्राक्षा स्ट्राक्षात्र व्याप्ता स्वाप्ता ह्य क्रिक्र कुररी चेल पुरस्य लग सेरकेलुवा जैगमवग जुप कुर्यस्य दिया ज्यक्र विभा क्षत्र अविया अत्या स्रित्य स्थित कुन्मक्याक्रे हिंवायाक्ष्या विरवर्तितयर के एक्षिया विर्वतर्तित स्वास्त्र विर्वतित श्रुक् दिया अर्। द करर्यु कर्त्य में प्रत्या अर्थेता रक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र में वर्षा में वर्षा में वर्षा के नस्रिक्यमालह्या व्यस्त्रस्या दुरह् तदी ताह्या स्वत्या । यह्र सुकायते तास्त्री यह्र स्वरः या भवतः हेव वस्तान तर् तहियाता की त्यां से त्यां भित्र से त्यां भित्र सामा वर्षे स्वरास्त्र से त्यां से स्वरास सिल्लिक् का व्याप्तिक हिर्मित्र वित्राम् नित्र हिर्मित्र वित्राम् वित्र र्धररम्भरकपुनित्त्रवाक्ता क्रम्भार्वत्यस्यर्भरहिला सररस्यर्भस्येवक्रियास्य वसम्यद्द्वात्वस्वद्देश्वर्त्वस्य विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट्रा द्वात्स्यस्य हेत्त्वरे तत्रीमात्रमाभेदा दलदमानिक्षेत्रेत्रा ल्यामेश्रीमात्रीमात्रीत्रा प्रवासम्भेदाः म्यान्य कार्या । त्रिम्य के विद्या के त्रिम्य के त्रिम के त्रिम्य स्रावेरा देखराष्ट्ररभाष्ठे श्री त्यभावेरायु सामवभागीद्राह क्रियभायावमा विस्तरमी बाधुबातिवामहरकाकाकाष्ट्राधारम् विषयाच्यात्रीतात्तात्रितिकावर्रास्त्रमेनकाक्ष्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र नुण संप्रतेरानुभावत्रभावी वर्ति स्थित विष्यते । स्थित विष्यति स्थित स्थित । स्थित चीवणवानुरामकाम्रा सालाक्यालाम्रावामा चीवियम्बर्धकाम्राच्या सर्वा. वस्त्रात्याके के का कार्त्रा विस्त्रेयायहें व के के कार्त्रा केर्त्रेय के कि का कार्य का कार्य नर्गादराएकार्त्वास्थास्यास्यास्या स्ट्यम्यते व्यास्यास्यास्य । स्ट्यास्यास्य । स्ट्यास्य स्यादराद्वाराद्वः क्षा अभियान्त्रिक्षा क्षेत्रक्षेत्र विद्याला क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क भित्रवाक्ष्या वर्षका वरत्यर विकास मित्रविक्ता क्रावरस्था महिला क्रावरस्था कर्ण हैं वर्षका इरा पर्रत्येपुः इकालर्यना अमर्म्यक्रीरा द्यत्यत्रिः पुः विकासकार्यः यथा देशातवातः रीमवार्रे स्वायम् ताया होता वार्रा मार्रा मार्रा मार्रा मार्ग मार्थ मार् अंतु म्बक्क् ख्रान्या न्यात्रदेश्रियामाता वार्ष्ये क्रान्या नेयात्रा म्याद्वारा एकर हे देन के के लिए हैं के किया है के किया है के किया है के के के के किया है किया है के किया है किया है

2192

पार्था उत्तरकायत्यात्रकाणका स्रितित्रेत्र्यहेश्यत्या सुर्वेग्यत्तरस्त्र्रे. भिना क्षेत्रायाम् महर्मेर भारत्या क्षेत्राया गरीया क्षेत्राया तरे तहत्य में वर्षेत्र महत्र महर्मेर महर्मेर स्थाने यात्रेयात्रेय्यते वक्षेत्राध्यम् वक्षेत्राक्ष्यात्रेया व्यवात्रस्य क्राम्य स्वाम्य विष्य या मुर्देश क्षेत्र क्षेत्र म्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त क्षेत्र स्व मेरिया महारेट्री विश्व हेर्स मेरिया हिस्से मेरिया हैरिया ह अनुवादिरेखें वा रिदेयर के स्वारी अधिकी सीरद्यार विदेश के वा का विवास सिस्त्रार् वर्गक्तिरी वर्षेत्रासा रवमस्त्रवास्त्राध्या मार्ट्राच्या वर्ण्या वर्ण्या वर्ण्या स्वराज्या स्वराज्या हेरा वास्त्रस्त्रहाहते व्यास्त्रहेत्यामा सीयस्त्रस्त्रस्ति वेत्रस्तर्ते । द्वास्त्रस्य भाग्येत्रयते म्दर्भर्थरम्द्रा अभीत्कीव ीवत्रववयम्प्यस्तात्वत्त्रत्त्वाचारम् कर्णस्तिद्रपुर्यवसम्पर् गरता देरक्रणज्यस्य केंद्रक्षणलास्त्रदातास्त्रीररयाम्भेगवास्त्रे गरास्त्रे निरदयगदे लरकिरलेत्री, में उपरेशिवमसुरलेरत्व के पत्त्र सर्ज्य अकिए यद् संसर्ज के से सिपाल से हिस्य बर्ज्य केर्य सम्मर्के वरा द्रस्किण त्रुक्त क्षेत्र म्या के प्रवित्त क्षेत्र हेर र क्षेत्र वर्ग दर्ग हर स ए इ.रेब्र्याचार्यरथकां एर्. १५६ १५४ १५४ ११५ १ तातातीरताके देरवा अवस्त्रात्रा अवस्त्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा सेत्रवात्री मेंतेवार्ष्यात्रात्रात्रात्रात्रा नहस्रक्रमदरद्यात्रवाराष्ट्रयाय्याः भेतव्याद्यायस्रीरावरविवासा तर्ववस्रवहर्तेन्त्रेन्ते करा विक्रार्थकोष्ट्रायर्भवा । अञ्चलकविद्याल्याहरू पर्भेवा देवस्वास्त्रवर्द्रात्मत्वरूर क्रिया कामभावामक्रिक्यविद्याक्रिक्या दुरभेरकामुरत्वेवामिकाक्ष्या नार्भरवादे नेरत्वेदरः पीर्याभवी चान्त्रवं वात्त्रेमा कुर्व केंत्रेरमायमा चीर रे.मेर सेववर्य पर्याण वेश सेपृत्या वे रचता मेररा योशिर्मुव्यस्यापेत्राभवा भरेवज्ञाभञ्चेवक्याभञ्चक्षेवत्रभा नातिकामराम्नेत्रना स्माविकाने. व्यानायभव। वात्तभा ब्रेरक्षे वाक्तात्रभा रूप प्रस्तिक्ष क्षेत्र विश्व ब्रेर वाक्ष्य र्वा प्रस्तितः रक्षराक्त्राच्या सामाक्ष्य स्वार्यक्त्राच्या विषय विषय क्षेत्राच्या क्षेत्राचार्य क्षेत्राचार क्षेत्र क क्रिका स्वाइंटर्येवर्मा विवयमाराष्ट्राया वाववामाराष्ट्राया से केते हिवासा के क्रूर्य हे का त्या के क्रूर्य है का त्या क्रूर्य है का त्या के क्रूर्य है के क्रूर्य है का त्या के का त्या का त्या का त्या के का त्या के का त्या के का त्या के का त्या क पत्रेरक्र्यास्यास्य विष्ट्रियार्यस्य विष्ट्रियार्यस्य विष्ट्रियार्यस्य विष्ट्रिया विष्ट्रियाः क्षक्तिकाला द्यत्येद्व्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्षया गणराष्ट्रवाक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्य केल्द्रक्ष्य रे इर्जी लीया अंजरकर के लाया अचा अचा अचा अचा अम्बर्ध में माना अम्बर्ध के लाया कर देशी भारत के लाया क कर्रमस्यास्यास्थिता व्यवदेश्राम्यतेष्ठे व्यवेणयवरा भ्रामस्यार्द्रियार्थ्यायवार्षार क्रियंदुए प्रियर्श्वका क्रिकायायायार विकास है। क्रिक्स हैं से क्रिक्श की क्रिक्स लुभावर्स्ट्र व र्वेमा क्षेत्रभावर्द्द की भारत्य हो। की द्रान्द्र द्रात्र के त्राद्र द्रात्र के त्राद्र व त्याद वर्ष्म्यवान्त्रियाः क्रियरात्याय्वय्वय्येत्रास्याः हिर्द्वास्याय्यस्य नासुः मुस्य व्यास्य

येवस्थानित्या केवरेरद्युरत्यक्रातेद्रा सूद्यासूत्रतात्व्यक्तेर्त देवसङ्गतात्वेवसः र् देर्रा र्रास्यवस्थितिकाणा ध्राम्यास्यित्रात्रा वार्गरावितिकेरर्र्यवा मी चार्यरस्वर्धवान्त्रक्षिरवसी देशन्यक्षणत्त्रक्षवाक्ष्मी देशन्यद्वतावर्द्द्रदेव्यवान्त्रस्थ प्तायमर्देश्वभीत्रम् प्रद्रात् भरतररस्यक्चित्रभी अन्तरस्य क्षेत्रस्य भरत्यम् महास्त्रमा स्ति नेत्र्वस्यस्य भया भिनेद्भेदेश्चेद्रश्चिद्रम्यक्षा विभवस्यद्वद्वादेष्ट्रस्यस्य स्थान र्भत्युर्भित्रभ्रत्येश्वर्ष्म्यः स्वित्रम्भर्भेत्रभ्रत्यः भ्रत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत विद्रावित्वास्यास्यात्रेक्षेत्रियर्भत्यत्यद्र्रद्वा म्यान्द्रस्य देशायद्रद्वा हाताः क्षेत्रस्य त्या के स्वरं त्या देशाय णुरे.क्श्रेत्रका क्रिण.मु.धूरे.बर्तियाका अर्देत्यक मुक्कत्तर एटण.धुरत्न ए वर्ते रेष्ट्रक. इत्ताववक्तर्सर्द्रस्ववाची वस्य वक्षय्यक्रित्यक्तर्मा हेत्य वस्तर्यक्षया स्वर्धित त्रीतःक्षिता अवार्षणःकुर्दरक्त्रिरःस्त्रीतःस्वातःक्षणः इत्तितःव्यक्षा इत्तितःवीत्रीत्रद्वात्रीतःक्षणःकृषि व्यतः रद्रश्रद्रभाषा अर्बेष् विक्रियंत्रविक्षात्रभा द्वायद्वान्तुं स्वायाया त्वाया कुर्भात्रेर्द्रभावेद्य वेतिक नामवद्दात्रीर द्यान द्यापवद्दात्रीया त्रश्चीरक्षेत्रश्ची विकारमारापक्षेत्रत्यात्री द्वसी यावरे वसरेरिर होता तरे द्यारि वहिने किया वास के मार्थ व्यायवर्गवर्गित्वेरणा देववबद्यतिने त्राप्तायायाया स्था सिंग्रेयप्याय्यूरण साद्रतःभरम् मेना द्रभगाव्यं चे चरेत्यः । त्र्याः त्याया प्रभाव स्था द्रभाव स्थापः स्थिति । न्त्रिसेला म्यक्षमास्याक्षेत्रकेत्वकार्यरात्वामा देरस्य संभाषां यात्रीय वेत्तरी हर अन्त्रभक्तिक्षा निष्या द्वार्या द्वार्या निष्या द्वार्या स्वरात्रकार्या स्वरात्रकार्या स्वरात्रकार्या स्वर्था विष्या मार्था विषया मार्था मार्था विषया मार्था विषया मार्था विषया मार्था विषया मार्था विषया मार्था तर्या स्ट्रिंदर महाराज विले विद्रासेरा के त्युवा तूर या वार्षे देरा द्वर सरदि के र्याक्तरक्त्रं पर्या विक्रीयनपुः अध्रेर्रे क्येक्ष्यं क्रिये प्रम्पेक्ष्यं प्रम्पेयक्ष्यं विश्वे ला कुलम्बक्षेल्यावयाम्पुल्लमा वर्र्यवयायपम्पुल्लरम् मार्यम्भार्या स्रोर्वस्थार्या । त्रिमक्षान्त्राम् क्षेत्रम् म्यान्त्रम् विष्ट्रम्यान्त्रम् स्त्रम् विष्ट्रम्यान्त्रम् । कुर्रिसर्र. कुल. भूर. संत्रुमतिमा वरत्ये त्र्यत्वेश पर्रत्यता मक्वाम क्रियम् स.एत्रेरमुका ग्रेम केंग्रम मेंग्रम मेंग्रम हेम्म हेस्स मेंग्रम हेस्स है। हरस्य में के केर्य है। स्पेर्कर्तरकी सूरक हो। क्हिरेसेर्वर्त्रर स्वादेगा देवे यथसाय त्युक रेप्ययत १ वहे मिन्न देस्त्रिकी अन्वभक्षणकाति हैं अनियान्त्रिका है विद्युत्त्रम्य । अदभक्षेत्रिक् वर्षेत्रा वीवर्यत्मक्ष्रवाद्याः वेराण्यम् द्रार्वेर्याते वर्ष्ट्रहेत्रेर्ये केरा देव्याके कर्येत् मुध्येता सिंग्रेलयस्त्रियंत्रात्रस्यात्रस्या रेत्रथ्यायस्त्रितिद्यस्ते। सुर्यस्त्रियर्थत्वसूत्र स्रेर. एर्ट्न ब्रिज्य पर्येय । किरमेण जुधुः भरप बर्भ ब्रुज्य या मुन्ते पुः कर् सेर एर्ट्स गत

7% C स्य मिलर् अवस्थित में सम्या वर्ष दिल्य स्रम् सम्मित्र । दिरस्रे हे स्रम् तिस्ति वर्ष वर्षा वर्षा भारत्यात्रेमानुमान्द्रता द्वार्ये विक्षात्या विक्षात्यात्र विक्षात्यात्र विक्षात्यात्र विक्षात्यात्र सार्याञ्च का पर्या वर्रा भारत्ये में विष्णा विष्ण होता है विष्णा के वा के दर्शित्यम्मिर्येद्वामारी द्वाके क्रिक्सान त्व्यक्षेत्रा निम्मेर्किता के मार्चेद्वारे क्रिक्रे शुर्द्धभररम् एम्स् भ अर्ज्य मार्थित दिरामिणायर में निर्मेश्वर क्रिया क्रिक्स क्रिया क्रिया क्रिक्स क्रिया म्यान्त्री बाह्रदरहोत्रा.लुपंत्रीयरहेकप्रमुखा काक्षाव्यम्तियम् तिरवस्त्रीरवस्ति द्यावस्त पर्यावर्ष्ट्रेविषक्षेत्रा पह्याम् र्र्युत्रेष्ठ स्थिता वर्षेत्रेत्र पर्यावस्त्रेत्रा म्यायाय इत्रात्रात्रात्रे मुक्ता द्वार्व्यक्षणक्षण्यात्र्यात्रमावद्वात्रमावा इत्रात्र्वेत्रव्यक्षणक्षण्यात्रम् व ड हेंजलामा कें।यारे मारी विभागते हारे हर मास्य मास्य केंसा केंसा के साम मास्य केंसा केंसा के साम मास्य के साम मास्य के साम के साम मास्य के साम के सा वक्ता देवकद्वात्रात्रम्यकार्याचात्रमा देमरायमात्रात्रम्भवस्यरप्रदेशक्रियर्यरप्रदेशक्ष वस्वमार्थर विविश्वार वार्या देविश हरती भर्ते किन में मानव निर्दे विवास कुरा क्षेत्र प्रस्थान द्रश्रक्त्र्याक्षक्रदा क्रि.रत्र. जन्न वर्षरमानपु वर्गन्तु द्रश्रक्ति क्रि.स्य.मिताम्स्य मेर् ल्रान्या केण सूर्तस्था कार्यात्रेयत्या कार्यात्रे तर्यात्रेतरा भीता कार्यात्रेय स्था म्यामा म्यान्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्रम् स्वत्यान्त्रम् स्वत्यान्त्रम् स्वत्यान्त्रम् स बर्दिश्चारका मित्रका किया का वार्त तरि देश कर मित्र के तर्य के चर भी में दिनामाता एर्ट क्रियर्स । एतिर में मूर्यर मिय्ये में विष्य में में विद्या कर मार्थ में स्मित्रसभे विकास का विकास का विकास का त्या व श्चारेश्वी लेबस्यात्वेरतेरा देवाश्चरणक्रेर्णेर्त्रेरा क्षीत्रहरूर्थक्रमश्चीतेरा क्षेत्राव्यरक्षेत्र वर्भे शुरेरा केरस्तेते शु. त्येदाका तवा वाकावी क्रीरश्चारा देया शुना व्याप्तर्दिन विकार णा भरार हुन सैनाम रूभ ग्रुश हुन्द्र है। किए ब्रुव त्याक्र विकास में बना मूर्य द्या लर रक्ष माना कारा शृक्षिण। का नायु प्रत्या में रायो का नायुं हो के रवर गर्दर रिराप्या रवे प्रत्या रायो स्थित के नायुं नायुं चर्यारम्। अविमार्स्याकुत्मावक्षेत्रान्। पर्ण्यम्भारत्ये क्यावराता विवार्यात्रीत्राक्ष्या एड्, वंश्यामा मायावायत्रकार्यरायाम् वर्षेत्। क्यान्यत्रियामान्याया । एवक्षरत्तर्वित् मिलवर्स्ता वडर वंद्रमेंदर्म् वेश्वर वर्षा वर्षा वरत्याव माला हिरवरत्तुवाव स्र्रित्स दिया । य. तेव १० पुरर्ते आ त्यात द्या १ वास तु की दे रह कु ता व प्रस्ति । वक्षेत्र १ वास व व व व व व व व व व व क्रिंद्रवर व व वा वर्क्ट्रेस्ट्रवर्क्ट्रा । एक्व या व विवस् त्यर देवे या ये के क्रिंव् व्रद्धा वित्व वर वर्षे रद्रमें बार्डिक ता कर्व के जूरी रह में बार्व कर में बार्टि के हो। के रव बिर्टिक वा विवास करें क्रिं हिंगू ए में हो। भारा ना विश्व वस सूर्य मूक रिका या अव अव अव विश्व में मुका सक्स हूर की तारी अर्थे. र्युः केरत्रत्रेय अवस्थात्रेय श्रेण से वाने जी ते किर्यं केर ते जा ता द्रास्त्रेत स्थाति स्वामान स्था है.

15.50 J

27

क्रैरक्र्यंत्राधुपर्दर पत्रात्मा बालरर्थार बला क्यू वसाक्र्रा श्रीर्द्धार प्रमाणकार्याचा विद्रिक्त का क्रूरमेर हिंशरिणवरदावशक्ता शुक्ता किला किलारे शुक्त परंदेश दिरदेवदा क्रूर का नाव. बु.बारका.न.पु.के.बैंबाकारका विवास्त्र, जुनावे बैजाबिण बैरा एर्नु पर्वे देश पूर्त सुर भूरी रवाबारर हबी बालिक रू. लूरा रे केरकरर बाधिकारी कुरा वावबर किरक तथा किरा रवा मा द्युव्यान्तिः श्रेषाः श्रुवा विद्वतिवयात् विद्वत्यात् विद्वत्यात् विवयात् विवयात् विवयात् विवयात् विवयात् विवय मर्भेश रेबार्ने बार्ने वार्ने वार्मित क्षा कार क्षेत्र राज्य क्षेत्र क्षेत्र कार क्षेत्र क्षेत्र केर क्षेत्र कि स्याक्षेत्री एकर्त्याचावविक्षेर्रवस्यम् वर्षा सरस्रव्यास्त्रेरान्ते स्रित्स्र मान्यास्य श्रीतिभावेद। एकोबाभक्तित्वावाकानुत्रेदी रेवाभारेदासीयावध्याद्रभार्यदेश रामर्था चर्चे बार्के का क्षेत्रे का क्षेत्रे का अपने क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क ें दर्शिश इत्रहेश्यश्चरारे विता ते दर्शि। दश्या तिया भेरा गुत्रे शे स्रेर् (वेव) लक्ष्मित्रकुष्टिणकुरला व्यापश्चित्वर्त्रत्वासूर्तर्वास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्या अक्षणत्यार विरक्षेत्रार्थाय विश्वा विष्या विष्या विष्या केरिवरी विश्वेषा दमत्तरहास्य वार्ष्वत् तर्रहास्र दर्द्या हिए वार्ष्व् स्थाप्तराव्देव । क्रम्सिकार्यावर्गाः एह्बाअन्त्रेर्वक्रिया व्यक्षित्विक्ष्यं निक्तिया विक्रिया विक्षित्वा क्षेत्र विक्षित्वा विक्षित्व विक्षित्वा विक्षित्व विक्य विक्षित्व व चति सी मुख्यादर । तकी सेरासुकारें द्वा में यक्षा दे तद्ते कुण र्से द तिव्य के करी। र्अड्डर पर्यक्षाव सुर्वा देवर्व विक्रिक्ष अस्तर् क्षेत्र विक्रा देवर्व विक्रा देवर्व विक्रा देवर्व विक्रा देवर ब्रियक्ता क्रीव्याहिरवाक्षीत्रे विक्रिया क्रीक्षा क्रीक्षिरयर्था स्वास्त्रेवकाता देवे व्यवस्था पर्देश कु अ. कश्व कश्वर एर एप हिंगा स्वामा श्रीर नाल व किर ए हिंगी र कुरा हुनी र कुन हिंगी बरामाने देशका कार्या विकार माने के कार माने के किया होता होता होता है। किया हिंदा के किया है। किया है। किया है। याती त्रिया मुंद्रम्य मुक्त केया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया भूरे. मूर्या अग्रिट भ वृद्धिर १० देव वासेरम देश के भू रूप राम पत्राचीवर वस मुलद वेदम वेशक्ष वर्तात्रश्चीर्राश्चित्रश्चात्य र्क्तिश्रिश्रिक वर्षा कर्षा के दिल के वर्ष कर्ति वर्ष वर्ष कर्म करिया है स्थित के दिल करिया के दिल के दिल करिया के दिल के दिल के दिल करिया के दिल के दिल करिया के दिल क क्षा श्रीरक्षण श्रेत्रिय क्षेत्रभावसाय एतराप्याप्य स्था विष्ये क्षेत्र क्षेत्र विष्ये क्षेत्र विष्ये क्षेत्र व वृत्रास्त्रद्वति देतस्वयकात्रिवत्रत्रेत्र्यात्वेत्रात्वतात्रद्वा क्रिणात्र्रत्यात्र्यत्त्रेत्रात्र्यात्रात्र् अहर्र नधुः भुषे की अधूभ न प्रा 🎹 देशका श्रीर देश श्रीर देश श्रीर तिर ति अर्थि अर्थ र असिक अर्थ र मुक्त राद्यक्रिका किरमिण रूपु. मेर्रेर्द्रा प्रसिण भिष्मिण भिष्मिल मेर्डिका मिलका मिलका मिलका मिलका मिलका मिलका मिलका पर्कर्रक्त श्रामान्त्रं द्रा हिरलेण देशद्रेत में मानुरा मार्ग्ने मान्द्र श्रेव भ्रामान्द्र में मान्द्र स्थान क्रद्रिश्चणक्रेरा म्अक्ट्रविश्चीमहराव्या मह्द्रस्य वाल्वा मन्द्रस्य वाल्यास्य हिया क्रवीमार्था भरत्युं में भूतिया क्ष्या कर्मा कर्मा कर्मा हैते भरता

196 भुरत्यमार्करत्तीपर स्वमत्त्रीरा करिता मुर्ते पात्रमारमा मार्था मामरा मुम्बासमार्थित स्वराम मिर ग्रेनियातर्थायरेश्वर्या नार्याक्षेत्रेत्र द्रियर्या न्यान्या अस्ति द्रियात्रेयात्रे व्यान्या स्तिन न्त्रदर्शकात्राम्द्रद्रकार्ह्र्यकत्त्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भावद्रा हर्ष्ट्रद्रम्भवस्यात्रम् कतरी केंजुन ब्रोबाकर मेंजा करमर्थ केरमर्थ का मेंचे हैं के के के के के कि के के कि के के कि के के के कि के कि के हिरशुर्वेश्वर्य्वे व्यामिर्तरात्या देवविवयमहिरय्यर्थित्यम् स्याम् रात्यर्द्रे व्रिट्यर्ये की विकास त्मरमान्तुः व्यविणात्मयाव्या वरवेरस्वेवत्यार्थितार्थिया पहेपर्दर्पूर्वे वर्षिवावया क्रुकार सर्यार एक्ट्रें वक्षाया विषय कर्त्य हैं विवास के किया है ते का का विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय रद्यान् वास्त्रेत्राचे वास्त्रेद्रा वास्त्रेद्रा वाद्र्य रत्या स्वरंत्रे स्वरंत्रा वास्त्रा वास्त्राच्या स्वरंत प्रयात्मात्रात्र्रात्म्यात्म्या स्यात्वात्र्यात्यात्यात्यात्यात्यात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात् रबाशीरकरणकिरी कुर्यानबरन्दर्भ, के.का किलाइ.सुरप्तेतालरन्त्रेत्रेत्रेत्राचार्थीय न पर्याप्तरमा क्षे र्या. व्याप्तरमा कालाला व्याप्तरमा क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका काकुर्यायकमाणायदेश द्वामार्कर्त्वराकुः अविकालक्षा मान्नदेक्षेत्रात्यकास्मित्रके क्रियान्त्रविका उर्बोर्ये अभ्यान्य वर्ष कर्ता इमन्दर्भीर हु ए के मिर्जा क्रियम विदर्भी एक रामहर्ये अप्ता मार्ट्स मार्ट्स मार्ट्स मार्ट्स किरानी पार्ट्स प्रत्या का नाया मार्ट्स का मार्ट्स मार् कत्रकता क्षक्रेवस्य मार्गियं के ने पर्रावे के स्वता के स्वता के सामित्र के स्वता के सामित्र के स्वता के स्वता १भावतान्त्रेते ख्याचते मुक्तिका स्परे है। मार्थदर विकृत मार्थदेश देगा मार्थ से सूरे में असमान के हिंद अस्त्रेत इब्रम्यायायाया वर्षमात्र्यं स्वाय स्वर्यक्षेत्र सर्वे क्षेत्र स्वाय सर्वे क्षेत्र स्वाय स्वर्थ स्वया 23 नैस्पन्ते. क्षिभन्नित्रे भेने विक्रम्भ के विक्रम्भ क्षरम्यात्वम्द्रत्यद्भान्यम् युगा युग्यायद्भागत्वरायात्वर्यम्या र्वेवलान्यात्रः त्यूर्यो यत्तात् व्यूवयं बुल्यूरा सुराष्ट्रे र्यवयं योभ्यः स्वयः त्र्या त्यास्ये स्वत्यः सुराय अर्थः भावतः व्यूव्यः विरायो यत्त्रे व्यूवयं बुल्यूरा सुराष्ट्रे र्यवयं योभ्यः स्वयः त्र्या त्यास्य स्वयः स्वयः त्यकार्दर्श्वेव यति की वास्त्रायक्या सुर्वेद ह्यो स्वीद वी स्वीत हो स्वाद स्वा न्या कार्य कार्य में कार्य कार्य के कार कार्य के रुभायरलूरा अक्यामाणुःभ्रवज्ञराम्ब्रिमा वृद्यां मार्ब्यामार्थे ता सर्द्राया सर्द्राया सर्द्राया मैणा अगानरक्षेत्रियद्यर्द्र स्प्रा रेल्ट्र मध्यक्ष्य हेर्य इस्म मेरा सामित्र क्षेत्र वासित्र क्षेत्र वासित्र व 241 र्गे. एरंक.र्क.र्क.क.क्.क.क.क.क. क्री. क्री.र्ट्र रहे ने कि नियम के नियम के नियम के वर्स्रेट्रा द्वाक्रवामावास्त्रवेद्र्यव्यवा । स्वावयमद्रेत्रेद्रः क्रास्ट्राक्रिया देलद्रत्यावतः क्रियेत्रा तैयामावरत्याषु विवयमान्त्री तैयामान्त्रीयात्रपुत्राच्छित्रा ब्रिरक्षेत्रात्रापायमूर 4.45 वस्तर्भे नहीं स्वा कर्षे हु है है र्वार्त देव ने अपर लक्षिण बर्चे ने देवर बार लिए करें राणग्या देण स्वाब्यायराज्य स्वयः देवभःग्रान्त्य स्वयः वेवभःग्रान्त्य स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः 708 ; र् क.कर्रा अर. धुत्र.के. अर. मा वा का वा वा वा वा विकार राष्ट्र वा विकार राष्ट्र वा वा विकार राष्ट्र वा वा विकार 

बिक्तकारी ल्यूर्करकाकारकार्त्रे हिंदा क्र्यंत्रक्षीय न्यर्त्त्रीर रवा देक्ट्रिकण न्युकारा उर्देश कुम्नानिस्मायुरातीर वर्षेत्रामणा कुर्वारि वायरवमा मुन्निर वर क्रिया वार के वर. र्यत्स्णार्यार्यय्यस्त्रीः यञ्चन्त्रस्यात्रीः यद्वात्रम् व्यात्रियाः वर्ष्यः व्यात्रेर्याः वर्ष्यः त्रुं केर्ज्य में व्यानिक में त्रिक्ष में ति. ण. भूर. ण. भूरदेविता की. कर महत्र महत्र महत्य मित्र मित् अड़िया अरअड़ियः अंत्र हेत्र में के नेर होता नेर होता है से के के विकास का निवा के स्वार ता का नाव विभागक्षणत्त्वरक्षेत्रद्रा अरक्षेत्रसाणक्षेत्राचेरात्र्या विदेश्यः वसाणक्षेत्रदात्या हेवार्यः क्रांत्रिक क्रिक्त होता है। देवा क्रिक्त क्षेत्र क्षेत त्याचे हि वया तत्र्रात्त्र रेते । क्वाचे क्वाचे क्वाचे क्वाचे प्रत्ये क्वाच्या त्या स्वाचित्र स्वाचित्र स्वाचित्र क्रीन्दरपक्रमात्रकार्यदेश विभव्यवात्रकारा प्रतिकृति के विभव्य क्रिक्स के विभव्य के विभ क्रीरवाकररेक्षिया विभवत्ताराम् राम्यान्त्रीर त्यवेत्रीरा भारत्या भारत् क्षव.त.ए।इर.दुष्त.दूरी र्द्रूर.के.ह्य.लुव.र्डर.कं.दूका त्यर्रव्या कर्रात्र्य कर्षण. रिमर्किर स्रोक देन तर् महीसा को रिची यह ही है रिची महिला के हिर हो महा महिला हो है एवं महिला है से प्राप्त न्रत्रविण्यान्त्रम् स्ट्रिंसा क्रिक्त्रंग्रेग्रियार् रहार्यु राजविता दिरस्थित हिला राज्यात्रा वित्र स्ट्रिय रमग्रे अंदर स्रेंगाय में वा विदर्श के के के के किर सर्में में किर सर्में में किर सर्में में किर सर्में में किर उक्क प्रमार्थिय में में मार्ग के मार्ग के मार्ग के मार्ग में मार्ग मार उह्यामान्त्रराच्यका रत्रराष्ट्रराविःसूराचान्ने म्यान्वम् राज्येराक्षराक्ष्यात्वे । रवः शैर्वासर्वा में स्थापिक दे। किर किर क्रिय क्रिय में या स्थापिक यथा ब्रिय ता सुर्वा रिवर् रही एक्रिय विराहिर्ग्तरम्प्ता एसर्सम्याविकारीमस्तर्राक्षमा स्वर्भासुर्याचेत्रेत्राद्या द् दरक्षातः वेर्वेद्वानाता ब्रीकातात्रेयाका है केवि द्वादरा व्याद्वा स्टाविका व्याद्वा तम्त्रामा विसेर्या के को स्वक्ष्या स्वापन स्वित् कर स्वित् के वस्त्री मा दे द्वा के द्वार स्वापन स्वित् के स्व वैन्द्रेरस्थर्थियो राष्ट्रियास्य क्रियास्य क्रियास्य स्थानियाः स्थानिय स्थानियाः स्थानियाः स्थानियाः स्थानियाः ज्युत्ति । अवार्त्रहें वाका प्रतिवास स्ति । स्ति वास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के व क्रियमान्त्रीर तमान्त्रया अन्तर्या अन्तर्या अन्तर्या मान्यत्य स्वात्र्रीय क्रिया स्वात्रीय स्वात्रीय स्वात्रीय वरीलें स्वायत्र में द्राये त्या भी स्वेर त्या की ने ना मुना में प्रत्म स्वित्य विषय माने स्वाय में प्रत्म त्वक्रात्र्व्यास्य स्वात्रात्र्या स्वात्रात्रात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्रस्य स्वात्रस्य स्वात् तिर शिरमान्त्रा देरत्यमान्त्रा भुवक्त्यमत्रत्यम्यत्त्रमा वृद्धणत्रत्यामा नेरमण्यान्त्रमा नु एक द्या मार्के प्रमुक्त मार्के मार्थिय कराय कराय कराय कराय मार्थिय कराये होते हैं। क्रीनराभर्गा तर्रात्रा विवासरातिवामाया वर्षात्री वारताता। विक्रमा ने विवास के विवास के विवास के विवास के विवास

197

714 अरक्र वहर वेश्वीर रमना सर्मित्ये क्रियाम्य कर्म महिना सर्मित्र क्रियां के स्वाप्त के क्रियाण विक्रमाने या के विक्रमाने अर प्रिया विक्रमाने या विक्रमाने कुर्दित्राक्षरप्रस्ताकुक्किया. जुबस्याका भुद्देर दर्दिवायका स्तरदेर देवासु स्थानका स्वास्त्र है। जु दरा क्रेंद्वर्रा विकाल मार्यद्वा केल में साध की सुर क्रेंद्र से दे सिल में से दे से दे से दे से दे से दे से दे क्रम्भार्षेत्र हिर्म्या हिर्म्या क्रिया में क्रिया हेत्य हेत्य क्रिया हेत्य हेत्य हेत्य हेत्य हेत्य हेत्य हेत्य रवे.की.वरत्तर अ.वर्ये यकात्र श्रीर.की.रशका त्रीर.रि.ली.सी.र.वरि.सी.वरि.सी.वार्यं वीका विवा का स्वीतिक विग्राहर्द्वर्भारोग्याययायात्वयात्वयाया कृतायं केव्यास्त्रियाताद्वकृताताद्वयायस्यायस्त्रिया वकरवार हे दवार इस्से वे के इक्षेत्र के कि वार्य राज्य विवास करिया करिया विवास करिया है के विवास करिया है कि विवास करिय है कि विवास करिया है कि विवास करिया है कि विवास करिय है कि विवास करिया है कि विवास करिय है कि विवास करिय है कि विवास कि विवास ह toreach. र्का में ज्ञान के त्या स्रेन्य्रेत्यवीत्रवीत्र्वेत्रेत्रेत्रेत्रित्रेत्रित्रेत्रित्रेत्रित्रेत्रित्रेत्रित्रेत्रित्रेत्रित्रेत्रित्र ज्युक्तरेतर्रा कु.जूर्याकारत्यानपुत्यवं मध्यक्ष्यक्ष्यक्षर्वेत्र्युर्द्वत्ये वीयाक्ष्याद्यात् चरमाना तर्र भर्म स्थार स्थार है स्थार स्था स्थार स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्था स्था स्था स्था स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार वाली क्रेंद्राचननात्र्यात्रेत्तिकात्रेत्रा वयाच्येव चे वित्रात्रेत्रव वयाच्ये र्रात्येय । बर्धियायात्रात्रार्थात्र्रिंद्रपूर्यः पर्दरा न्वाच्यर्यार्य्येयात्रे । के.म्रेर्ध्यवेषः ग्रम् रहेर्भात्रमा तर्रेत्। मामिले कार्मर महिर्मा महिरमा महिरमा द्वारा महिरमे के मिले नुका क्षेत्र्रियम्बन्यतिकार्याकर्ता देवभद्रायान्त्रवृत्ता भत्रदेशक्रेस्यानेभन्। क्र बर बुर्गिन नर् लाइका नेरा ररार र्यार क्रिका वावया में क्रिका क्रिका मेरा स्वायः केंड.का गयमा की से रंभेरवा द्राके रणरके ते केयर वहेता स्वाय गयंत्र की से रंभेगवा अपूर्य सिव्यान्तर्वित स्वास्त्रिया स्वास्त्रिया स्वास्त्रिया दर स्वास्त्रिया स्वास्त्रिया स्वास्त्रिया स्वास्त्रिया स वस्त्रां विकाल हो । व्यानिया व्यानिया व्यानिया के विकार क 355 N. 24 4 श्राराधेवक्ताणां हिंदा कहर्रवयाते वसावह लेखेरा नेवयावे वसाव कार्य हैं। हेदा हेवा वेताप्र न् केंग्रन ति ग्रम ता रहर है से सम्मान वर्ष ता स्ट्रिय में में कि कि दि वर्ष अधिन **बि**क्या नुरा रर.र्जेशतर.बुआव वेबाकाल, ब्रिटी भेवत्ववावर.बु.शर्ययात्रव.ब्रिटी र्वेश.ब्रियार्थर.ब्रेटिक. र्देश वीर्धेकार्या 6 2 4 3 किणार्त्र ए.स. १९ दर बार्गुमा सार्जे हुँ हुँ र विस्मा बारीया। दे बारीया ए विस्व ए से बार्वा क्या कुंगु, जन्म अर गहूरा रर्रर रङ्ग्गण के ग्रीर प्राथम वग्रा हु क्रिया भी भर्म र में स्थान कि 77= UN र्यातक्रीर्म्य क्रिर्णास्य विक्रास्य विक्रास्य विक्राण क्षेत्रा क्रीर्या क्रीय क्रीर्या क्रीर्या क्री चीरर्रे ए च्रिचामा स्थिम वा शर्रे से स्था मेरर सिक्षण चीरर् पत्री रमपाल्य से लेप पर्वे रिक्रिण र्रे.अष्ट्ररमा वर्ष्ट्रे.जबारवेरक्रिंग्जात्वेव रिम्मारिमरसर्द्वानमार्ह्मानमार्वेव रित्यवीय.

लक्ष्यकात्र्य दिल्लाक्षरभार् भवायालायद्य विक्रिक्षायद्यक्रियाच्याक्षरभार् स्रक्षेत्रीरे स्रम्भाया कृष्ये स्रम्भाक्षेत्रा सर्वे स्रम्भावे अत्या विकास्य इस. वहरा हुत्। कून्रेन् कारवाकी वृच्यातिका क्रांत्रा व्यालका कार्य मातिका क्रांत्रा केर्यात्वा कु। चरः तर् कर्रा कर्रा वावका वृत् किर्या वावका वृत् कर्रा वावका विकास कर्रा कर्रा कर्रा कर्रा कर्रा विकास कर किणान्त्रा नार्ष्यक्रीयान भीयात्तर १५ में द्रास्त्रीर तस्त्रा अक्षित पर्तर हैं नार्याण कर हैं। क्षेत्राय वर्त्वत्रस्वभार्त्र। केलअक्र्याद्ताम्भार्त्यात्राम्भवभार्त्याम्भवभार्त्या र्यम् ता.मूर्रे.क्रामा पु.प्रार वर्षेत्र क्रिक्षित्र प्रार । म.बू.बी.प्रेरे.पर्यंगर मामर बी.मूर हे.३×१९१२५२१ होर्रअगार्यरअग्यास्ट्रिस्य्यास्ट्रिस्य्यास्त्रास्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र भीरबाक्षाक्रप्रक्रप्रक्रिया होता वार्ष्य ता वारका के या विकास तरि होता है। विकास विकास तिरामा ती नेदिकाणका अन्तर्यक्षा क्षेत्रण बर्वेगरेंदर्धेग्रा रवा. विष्ठा मार्च केर्य नर्द्ध्य हिवल क्रेंबर हीर रेपर विश्व मार्थित है। या क्रेवक्षरमारात्मः केर्णाहरा वह्रमञ्चरक्रियेवलात्त्रा रार्वरप्रियेवला यव। सिर्ध्वात्रमावर्तः व्यात्वेद्रयव। वार्यदर्शक्रमः क्रमायः द्रायः स्थात्रमः विकास्त्रित्वे वर्षः वाषाः योव.पा.डिवा त्यार बुकाए बूचाक्त्री वयूरी ता पीर रे.बैराक. पर्र किर डिरा कर का क्रिणकी श्राचावकाता र्रेर्र्रिवका में एड्र ब्रोसिस्र प्रेवका विराम विराम रियमिस्र द्राप्ट अविण मूर्त्युर जा हुरे किर शुधु वसूर दर्श रव्या असे से हि है जा करत क्रुग्रेस्ताक्रिकास्त्रेक्षास्त्रेक्षास्त्रेक्षास्त्रेक्षास्त्रक्षात्रक् एकमः बुरा देशवः बुर्द्धारः स्परः स्वरंद्धावाक्ष्यमा सः देरः एर्देणः एवम् यात्रद्ध्यमा रः रद्रम्द्रिक्ष्यभाक्षर्णा क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क चाववकावक्षितरत्रद्रात्येक्षेत्रा कार्क्षक्षेत्रक्षात्रात्यक्ष्यात्रेत्र द्रात्यक्ष्यात्रेत्र वसीयाश्चाला वर्षावर् ह्यारमर पर्वास्था मेरा कार्याविकास के वार्ष हिंदा कार्याविकास के विकाल के विल् के विकाल के ला.वि.नर्वे.पर्वेरक्षेत्र.पा.पर्वरमा वाग्रर्यात्र्यं,पर्वरत्यं विवरं वर्षेत्रा रक्षेम् वे.जिवमः क्षेत्रात्रा श्रेर.संग्रंज्ञात्यग्रंभायग्रेशा गुन्ग्रयत्यक्षायक्षायम् वर्ष रं.च्छेबा.श्रुर.लूरे.। दुवरिशाचलवा.डिर.क्तिंब किरवर्षे क्रिक्ट्रशक्ती क्रिक्ट्र दर्भवमात्र होता महें चत्रदेश वित्वका के वर्भेदी मात्र के वर्भेदी चरकेत स्रोर्क्ते स्थाप्तिका । क्रिया मार्थिक स्थाप्ति । देशी स्थाप्तिक स्थाप्ति स्थापति स्था वादवाराद्रेवास्यर्पाराक्षेर्दराक्षें सावातीया वाद्रात्त्रीया से विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के व र्तिर देशचा मृश्नः क्रियर प्रमास क्रिया भारत क्रिया क्रियं प्रमास क्रियं बर्ट किर बीम मार्जे वम स्थान के महत्र के निर्मा के वि के र किर मिर मिर मार्जा

200 200

लर.अड़िबंजावका इतरपार क्रीं अरअष्ट्रेशक्षेत्रवेशको अरअष्ट्रेर अर हत्या होता स्त्री अष्ट्रेर रीया याप्तरी केंब्र ये पर या दूर्य देने देने सारी सर्वा द्या स्वा अर्थे सार्वे यह यह यह यह म् से ब्राह्म के स्वास्त्र के म् से अधार्ति प्रधार्थे रेन प्रमु एक् रेन के अधिया हिन्द्र में में के प्रधार्म हैं में में में में में में में लुवा अरश्माकिक, पूजाकिलुवा किर्द्रीर मैं का प्रक्रित प्रेयुर सेर प्रवास लोवी किर दे र्वत्यकः वीरद्रपर्द्रद्रश्यवाद्वसा अवा गर्देश्यस्य स्ट्रिंस्यस्य ते ता स्वतः विकाले ते स्वति विकाले विकाले विकाले विकाले विकाले विकाल विका ३ इंस्क्रास्त्राप्तः भूच क्रिवंदर्यकाः लूरवर्वंच्याः प्राप्त्रेय सिःहेर्यक्रियाकाः लूरविविविद्याः भूव रिकतः तुर् हिरतिकर्भावाक्त्रक्ष्या रम्पर्रिक्ष्येरक्त्रिक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्ये विष्टिव्यक्ष्येर विविद्यक्ष्य कवा रसरत्वना चेते अम्की केवहताहा दक्का नार्र नुरे भेरवरा केवी देखेव नार्युक्र वर्षात्रेक्षात्रकात्रां श्रीराद्यात्रात्राक्षेत्र्यकात्रात्रेत्र्यकात्रात्र्यक्षेत्र्यकात्रात्रेत्र बिक्षिम्भायवित्रिदेश्वम्द्रप्रम्था नात्रत्यसम्म्रावाणात्रम् तर्वे दे। तरेष्ट्रद्राणाके तर्वे सा रेश बेरकेर तारे क्षेत्र त्रेर स्वरंभवस्थान्य क्ष्याय क्ष्याय प्रभावत्य स्वरंभ तरे हेर तरे श्रेवर क्किन् हैं होर लेंद्र भेरे भर हैं हैं हो ल हे ल की दरत्या है स्वर्र अपर्य लेंद्र कर्य अर्दा है से स्वेव के लेवास्तर्श्वभाष्ट्रस्त्रमा वितरेष्ट्ररायुगार्हिरस्त्रस्यायुग्यरस्त्रातरे रेतिलारं वेर वाल्क्षेर तुस्यत्यत्वत्वार्शेस्त्वाह्यस्यात् रिस्त्रेरित्रेरित्रस्यते वरिष्ट्रस्त्रेरस्यो क्षेत्रा निर्मित्र

स्थित श्राह्मणायां भीरायां भेरी स्थायां मार्थरायां संस्था श्राह्म हैं। मरीमान्त्रामर शेंत्ये में त्या कर्या मत्या से रामान्या में प्रियो स्वीता देनेर त्या स्वीता ति वि मह्री शुर्वे भरद्य तयरमञ्जयदा क्राये त्या श्रीदेरयर में विकास के व क्षेत्रपति । अद्वायाय्यतः द्याः भ्रेंग्रेक्त्रपति व विदक्षणः यदि वर्षित्राधि वर्षितः वर्षित्रपति वर्षेत्रः वर्षि विवा सिंत येते सर्वे स्रे लेते । यस्केवा । यो से वार्वे वारो रहर हिर वेवा शिर स्युत्ति व्या अक्षेत्रके नरास्त्रेचा । प्राक्षरामस्य क्षेत्रका हिरादमकास्य प्राप्ति विस्तर नरिराण क्यान नपुत्री श्रीस्परिरीपक्रियत्वयमा रनपत्रीरिवरक्षेत्रापवेरी त्याम यास्त्रा धराते युः हिर्देश्वारदेश र्यात वाहमदेलयुः केर्का स्वक्व वर्देश्ये क्षर णरामे देवा द्वामेराश्चीरर्र्या स्थान श्वीयर्र्या स्थान बर्जीव.त्रका धरका पक्रेरिश्रराष्ट्रा पर्वेश्वराष्ट्रा क्रिया क्रिया विकासी दी हो।

ल्बं यश्रामा श्री ख्रामी क्या क्या के मार्टि में सक्ति में सादी करें तरें रामे स्थान करें।

क्रित्रित्र्यायाया अधियाया तर्वेद्यायी तर्वेद्यायी तर्वेद्यायी तर्वेद्यायी अथाय वर्षेद्र्ये अत्यायी तर्वेद्यायी

भीवाता किर जीमाभीकावमा मूर्य देवसमाईमा पर्दर सीचा पा लावी भूरे पा पहूं शिर सूर

3AAN'& resp. for to

यविल्या वर्षेवलाम् यति स्वास्त्राचिता द्राया से या से यो की की त्या की या द्राया यो त्या वर्षे न्तीर्यत्येराधेरा केलाकुर्येद्वान्त्रकार्या क्रेयालयाकुराद्वालया वर्षाणः में मेर्र हिंकिण लूरी याधवालर सूर्र ते वर्षा प्रमा प्रमा रमत लूर विकासिका सेर. फेर. पर्वाश्वासा किर. लेप. क्रेंट. कर्डेर. ज. लावा लूर. जुर क्रेंट. कर केर लेट. लेट लावा हैने र्वेत्रर्रात्यम्यो व्याप्या द्वेत्रःकृताःगुवर्द्यातःतह्यायाः व्याप्यात्वेता व्यापावेर्त्योर्द्यः बरसुवयः यतिसंसदतः धेता देरीरसी स्वरद्गात मेर्ड्सिनेदी हिर्गिके द्रावत्रत्य गास्त्र भुषी भएकरम्बष्यायक्षेत्रम्भुषा भास्य मुग्नयक्षित्रम्भामुषा हिर्दर्दरद्दर्भागुन म्त्री क्रीमक्ष्यप्रम्भूत्रा देश हत्यामास्त्रित्यम्य मेर् तम्यास्य स्त्रित्ये तम्य र्जिस्से क्षेत्र । क्षित्रभागतेभर भावता वाह्मेर तात्वा । वर देश क्षेत्र क्षेत्र करिय करित करित करित करित कार् न्त्रम रिवार्श्वराद्यमार्श्वमा विषयित्ताले विष्ट्र यश वि. ले. वर कार क्या श्रेर अरए दे बार की भारत के वर अरे वर के वर के वर के वार वर के वर के वार वर के वर के वर अरर्दर्ष्ट्रेव तहरा क्रियर तहेला लाहर्द्रिकी अरतः तहें में त्या कर लाद तहें अर्दे होंगे. मी किराहर ता तर्ज्या तरा में तर वर्ष में मार्थित के तर के के किराहर के के किराहर के कि लु. मू.सं. तर वर भासे वि वा ए क्रिय विश्व वि वा ए वि वा भा कि व यू र क्रिय न ये वे क्रिये र वय भा र्जियाका वार्ष्ट्रा कर क्रिया कर क्रिया कर क्रिया कर कर के क्रिया कर के क्रिया कर के क्रिया कर के क्रिया कर के र्यात्रस्थत्मास्यम् स्वार्यास्य तास्त्रेत्रः वित्रेत्रः द्वत्त्रस्य स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः वि अस्त्रिक्ष्यक्ष्यत्त्र्यस्त्रीरद्याम्स्यत्त्र्यस्त्रित्तेरा गर्दरम्ते वेच्यानस्य द्रभ्यद्रम्यस्यम् नायवात्रेदे। गेर्नद्रहेरस्यत्तुवा (द्रम्य्यस्य भ्रवात्रीय स्थायस्य के करारीक पर्वासना वार्टर प्रीत पर्टा मार्ग्य स्वास्था स्वास्य स्वास्था स्य क्ष्माणरम् त्राम् विक्तालका देराये ते वे दे से ते रे मेर वे रे मेर वे प्रकार के विकास विका वीवबर्धेसी हेर्। द्यत्रुर्देशकार पेर्स्या कृष्टे चेर्ये से स्वारेश हेर स्वारेत स्था पेर वर्षेत्रस्य अर्था वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षात्र वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर् रमप्ताम् में सुर्द्यार्ये वास्त्रमा सेर्येयोक्तेर्याते में राये विकास केरण ह्या श्री. ए. ए. सेर अवध्ये केर हैं का करत खेर अरत मान से मान के मान स्थान किर केर केर केर केर केर केर केर केर जाण स्री वा लास्य वि लिंद सी वाल स्री वास्ताल स्रिवा विस्ताल स्री वा विस्ताल स्री वा विस्ताल स्री वा विस्ताल स र्भारस्थायवरिक्ट्रिर्शंद्रासावाद्येवर्श्वरस्थाय्या स्थान्त्रं रहे । स्थान श्चित्राचार्याचीत्रा भाषातात्वात्रात्यात्रात्राचेत्र्वात्यात्रात्राच्याचेत्राव्याचेत्राव्याचेत्रात्राच्या भड़िया वर भड़ियं वर मुनिक् क हिया भर भड़ियं भ में स्वी क हिया मिहेयं मिहेयं मिहेयं मिहेयं मिहेयं मिहेयं मिहेयं

202

43 W

ं श्रेर अव।

रशरे संस्वारक्षा देवसार्वेवररर्या स्थानिस एके सीर्या स्थानिस्यका र्स्यस्थित मिर्त्यकारान्यस्थितः सर्द्रक्रियार्द्रियस्याता दतिक्रियक्ताम्यूर्द्रवातारिह्यायार्थेर् वि वरभित्रवारवात्वातर्रेकरकत्रा वदेरभेरस्वित्रुलेष्णेयरावा वाभवेरवेर्द्रव्यूक्ष तेना विश्वाभेर्यते सुन्ती। सिंहाभेर्वा विराणविवा रिसेन्नवा वाराभराने सावसाभेरा सावर स्राह्में अपने महाते या निर्देश निर्देश मास्त्र के स्राह्में अपने महिमाल से मिन हत्य्र सारचेते तररेला वा वेदवत बेर वर्त वा केरचे के केरवर सु बेंब लाजें वा तहला नम्भास्त्रित्या भ्राम्यात्रे भ्राम्य वर्षा वर्षा स्वाप्त्र स्वाप्ति । त्राप्त्र वर्षे के त्राप्त्र वर्षे किरम् यवा चगत्रतेत्रस्यस्यर्भेद्यता श्रेरचरेत्रीकेतत्त्रेत्यववा सुर्धेदद्यन् वेविण्येंगा विरम्पर्यात्र विराम्य स्वास्त्र स्वास्त्र में द्वार में द्वार में विष्ण के स्वास्त्र स अते हिला क्रें अहेर अद्भारेत्रे व तेन दुह च देर कार्ते । देत्यक्ष ए व्याप्त पर्वे । वा स्वार ध्येवक्रीवास्त्रयययाच्या नर्दात्येवस्त्रयाद्वात्र्या । देत्रीव चेर्ष्या स्वारीया ग्वार चॅतें इक केंद्र त्र्रीय त्र्रीय होता के अंतर होता के अल्ले हे मान्य का केंद्र क्रेश्ना विदर्भारवारायतीयर्दिस्यारेत्रे वलेव हेव द्वापन द्वापहें प्रवास्त्र से हैं राव्याने राष्ट्र क्री नारेंदर्यामानात्रमाने ने त्यूरास्या ने देगारायापया विच्छात्स्ये प्राचन्त्रसेत्ररा पनायेवः गरोर र्श्वेश्वरातीहेसु प्यर्थाया स्रेरेर द्वाचेर द्वाचार प्रत्या सर राजी स्रोत्यक लासी तरीसरा वर्विकीरायस्त्रिक्ष्यायाञ्चरत्रकीत्रे वासायते की विवादेर्यक्षेत्रेरावाल् स्नेर्र्यायद्वावना वसक्षावदेत्स्य स्टब्स्य हिं स्टिन्स् क्षेत्र हिं के विश्व क्षेत्र स्टिन्स् क्षेत्र स्टब्स्य क्षेत्र स्टब्स्य क्ष दर्भन्ना स्वास्त्रित द्वयाय कार्यमा मान्याची त्वत्या सुर्वेति कार्यकार्य व व ति व ति है व क्यरेन ; मह्रा स्ट्रिंड्रे क्रिक्ने क्र न्येत्रम् सुन्नदर्ययात्रहराष्ट्रेता स्राप्ता स्राप्त्राचेतिस्यात्रेत्रकेत्रात्रेत्रकेत्रात्रेत्रकेत्रात्रेत्र बोलाय। किरमारी ह्यायमालास्त्रेरते। कुंग्रिरनसत्यावयालास्त्रेरचेरमास्त्री विराल्येखियमः र्वारभःयाहःभे यद्वीर्याते। रयतः क्रेर्योरे स्ट्रीर्या अरवाया स्ट्रायक्रे यक्वतः ग्रायमार विद्याराचि। गर्ने व्यक्ति मार्गे रामति कर्ते तात्वाता द्वारा स्थल मीता तव तार्य क्रिया में विकास मार्गि विकास विविधानित वि यान्यम्यता , वें से १० हेवाराष्ट्रसायम्बर सेंदा सर्वेत्सावरे वेंवाने सारहेवस्थरिया क्रुंभकुलातह्रवामास्यर्दास्यक्तियत्। व्रिसीतह्रवामाञ्चमणुरातह्रवामास्यम्यर्दा राष्ट्रवासातेवार्दर ण वहरवसमेंदा अर्जादर युः युसाय हीरता हिरा दकी ज्ञवसूर अर्दे तो देश हिराय के स भग्नेराम् भूरित्में अन्ति अग्नेरता अग्नेरित्रे देशरायात्त्व । भिनाय्नुराधिरायात्त्र श्रीशार्क्षा व्यथ्यः ल्रिस्तर्भ के देभवाक्र ल्रिस्तर्भ सेवा विदेश्वस्तर्भ अवीय मेरा वार्वेश्वरेष्ठित गर्हरितो स्पेरा त्यानायरद्यार् २ १ भारत्या १ १ मान्या से वास्त्रीय से वास्त्रीय से वास्त्रीय से वास्त्रीय से व दम्भरेत्रेरक्षेभरेत्रम्भरामा त्यामभव्युरम्भरेत्रम् याप्यम्यव्या वार्ष्यस्य र्यरमाश्रेया वनसंक्ष्यमाश्रेयाचीराही तक्षेत्र महत्वमावतः ह्यारक्षायम् तर्पत्वेवा एसकर्भाष्ट्रणाम् वर्षेत्रम् वार्षेत्रप्रदेशस्य वार्षेत्रप्रदेशक्षेत्रम् । वार्षेत्रप्रदेशक्षेत्रम् वार्षेत्रप्रदेश

35.

हिरमास्त्रितस्य व्यवस्था यारेण हेत्वर्रस्य व्यवस्था वेशवेरविरस्य विष्ट्रस्य विर णवी वावयाश्रेती क्षेत्रवां सर्देशा सेत्या सामा वां व्यक्तित्त्वरा पर वी वां सामा सेत्रा सक्ता प्रमा र्नः चर्त्राणः की स्रेस्ट्रेन्न अध्यर्भराई लिया क्रिं हो स्याप स्ति की स्याप देव स्थापित व.िम्मुक्तिरेश्री द.मुरविणाविग्रविरित्तपक्तियी याविष्मुवक्तरिरपर्देशामुना यावुत्सेयामः गुनातार बोर्यात्र व्यराप्तातार विषय केर देश होता केर बिल होते तार बोर मेर स्थान पर्विणर्, लीवा क्रिरेरर रर बागुम मृत्री वि.क्रे. बाह्म क्षर त्या जा परे वा विवास करे । स्। श्रेग्राभरतः राजेले पर्तत्रेग् । भरात्भासरतः भ्रेमस्रिम् स्वस्रेरह्यान्यत्तर्ति। लर्र्या सुर्या स्वेत्रेर्ति। द्र्रारश्चिमत्याराण कर्पाल्यास्या यात्रात्या वात्रात्या रें बार्निकर्धार मुपुष्ट्रप्रध्यात्रेरी वृत्रर्थ्धारम्, पर्वेक ख्याना एक राजुर सुर देव के पडियोक्षा हिर्। देनेदेक्षीत्य वर्षात्ये सेनेदा क्षेत्रस्त्र म्यान्य वर्षे क्षेत्रा देनेद लगायायः पत्रेवर्र्यामान्त्रिया राज्यतुर्वमान्त्रम् राज्यति वृत्यायत्रम् सार्वाता वहवर्षात्रमार्थः २०६६०ति मार्विक्षेर्त्रेरा वेभाग्र्वाशस्त्रातिवास्यास्यात्रमार्द्र्यम्द्र्र्व्वारायभास्त्र्वारा क्री कार्य्य निमान क्षेत्रका क्षेत्र क्रिक्र भुःस् भुन्या दूर् क्रि. भुन्य हुन् वहुन ए हुर्यामा रमपनर् नामी स्तर्यक क्रियामा नाम रियानर र तेया है. म. यू. कीमा कारण या युमा ए मारामा या यू या में हैं देश र दूर के र र ते ते प्रति एक्या। रिअर्थरमाष्ट्रमाहामहामान्त्रियान्त्रीय नेत्र द्वा मार्थर दे हे प्रवशासित मार्थर है इ.ह्मार्मप्यदर्श्यावय्यासीरप्राप्यक्ष्यात्र्यात्र्यात्र्याः स्राप्त्रेत्रात्र्याः र वे वे मुन्तर स्रव के ता स्राय मान विवाद मार दे कर यह के राम के साम के स्वार मालाल्य दिस्मालगात्वारातव्यात्वयात्वयात्वयात्वयात्वयात्वयात्वरात्वर्थः ब्रा दिनरवर ता ब्रीरावा अस्वास मारीरमात भेरत कें बा बारी सामिया वासे रही हैं है है रमायारे। हेराकेर हो क्वर का श्रेक यथा श्रेक यथा वर से करे होर हो है सियर होता से पर से वर्ष वर हो खर हो। खर ण्यान्यान्यत्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रया तास्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र चरम्यत्स्यातातात्वर्तामः व्याप्ति रत्यात्यक्षेत्रयाः वक्षव्यात्रस्याः स्रोत्रयाः स्रोत्रयाः स्रोत्रयाः स्रोत्रय त्रिभारचा चार्तुभार्भर ( वर्षेय रेश वर्षेत्र श्राचेरा । इत्र रेजैंच भारत रिम्में से वाकार हिंद्र प्रभावर विवारभाने विक्त दिन्ती मार्गित स्ति के विकास के चित्रकारि हैं दे किला ये से दाय ही स्वाह सुर्वेर । विश्वर वीत्र श्रीत्वेर या द्या स्वात्र विश्वर है। यहरा ही मालिया सम्माहेसा। सेर्य केला यरे वर्षे कामुला तहेर्द्र यहर्ति है राष्ट्रा वुलेस तिर्वेद हिन्ति वहरे इक् स्रेर्त्रेगाला हेवा द्वर सर्देर यावका मति तुरावर देते यावी ययका हिरी तुमायर देवता या

र्यार्नुरी वहप्रभूष्ट्रम् संस्थाय वह त्या हा संरच्या वर्षा सम्मेता मान्त्री सम्मेवे

सर्वेरच्यार ए है ए करा इक्यामाय राष्ट्री सेर विमाना से रार्गु स्मेर एका गायदा से क्या

वक्रद्रशी वर्षियायायायायाया समायक्षेत्रभर में याभेर की अर्थे । संस्थिते द्वातयाया

53'4' 52' हैमा.से रिकार. मूर्ड्ड्या रत्या सर्म्य अङ्ग्रामा यात्रामा यात्रामा द्या से दूर हुर दून रामा में न

(AERENIA 85.4175)

भर्र गर्मसर्भे। समर्र समर्र समर्र सामर्र सामर्र गर्म । कर्ने ते सम्मेरी सम्मेरी ब्रेट्स्स्रेर्स्स्रस्य वर्ष्य दरवार्यया। द्या व्रेश्नियं स्यास्य वार्ष्य प्राप्त वार्य प्राप्त द्या द्येत दर एक्रराम्बर्गार्रम् दरम् मुखा हर्या तेत्रार्थिया हो मार्च मार्च वा मार्च दर्य ने स्था मार्च दर्य स्था मार्च दर् देर्तर्णक्ष्येत्रत्क्र्यास्तरेर। गहेर्क्षयेत्रत्वेद्रत्यतेन । द्वातरे त्यरेतर् वेद्याक्षेत्र र्दर्र्याणत्व्यद्वस्य । द्वसंर्द्रम्यसेते संस्ति मानी मानी माने रामेते से में माने माने से से में माने से से में क्षस्यादस्य विदेशवस्त्रेत्। सारास्य यास्य विदेशस्य स्त्रिया देदस्य यात्र विकासी विदेश सी सीत्यद्र मी दस्या त्यापाया त्याचिते द्रयराष्ट्र हेर् र्यो मार्ग्य दिर्यं यात्र हेर् का धीता प्रमा वसक्तु ब्रुस्माणर्श्वेषत्या क्रिक्षा क्रिक्षा क्रिक्षा क्रिक्षा विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या क्रम्यान्त्रमा देवसायराज्यात्यरावर्षिया गरारिते वर्षात्य वरेत्या येदरार विवि स्तिस्त्रुंत्र्वर्तेत्य्रि हेर्याय्रारण्यतिस्त्रम्यायाः हिसा वासेरवाय्रे स्रात्यात्वेर वतिर्या निवतिस्त्रित्यूर्योष्ट्रा हिर्प्रकेषतित्र्यस्त्रुत्या हैमा त्राभयति देता त्र्वां वर्तेत्या स्रार्यम् स्र्वारस्या रहेरा हेर्ने श्रीवतित्र स्वायाय छेता हा । यहेंती होर त्या के वर्त द्या इरमा वर्षा योग तहें तहें हो हर ने में भाग ति सुकर वहां वहां याञ्चिमा देतमा बदाया तर्वे यरिद्रमा हर्रसे स्ट्रास्ट्र तर्वे हेना हेना स्ट्राहेत्र क्रिया चित्रा हर रोधिसस्य असुस्य वा देन ने ह धेरासुरेन सकेदा देके कुल मेरी क्रेन माला होना वृत्राचित्रसम्भाक्ताः मेन ए दिस्ते विष्युत्रम् कृत्रायाः मन्त्राक्षेत्रमावतः वस्त्रत्यतः वित् चर सर्देर रेगर वें मरि हेम ए कुनम यस हो ता वेर नि मन रहेर रे रेश कर ए के रहा वेरा क्तरक्रियर्रियर्र्स्य विरायात्रेरि यर्द्रेल्रियावरवर विवीद्र्याय स्थाप्य विराधित्र चर्दरद्वमा एकरे मुर्भराह संसे पद्वर सर्वे वे मुन्ने मुन्ने मे कर् से के महिला में वक्रेर्यमाक्र्याचेरिश्वमानायाद्परवर्षश्चराध्यमानीयर्वाद्रा ह्रात्राचेन ह्रमाचेन ह्रमाचे हेर्या दस्रेश्वत्या प्रत्य वर्ग वार्षे मार्शेरदर्गे स्थाय के मानता स्वर्के मानवेश स्थाय के स्थाय मार्थित देश्यद्वक्षित्वमानद्रक्षिदेदा गरेदसंनामक्षित्वद्रयम्भित्वक्षित्वक्षित्वक्षित्वक्षित्वक्षित्व ज्दैल जिया तरवस्त्र वास्तरम्या दरद्ती सते मूर्रे ता देरवार कृत्य वार देर हर्द । वायक पासर्भ धरगर्थे केरा स्रद्रियस्य स्रित्यस्य स्रित्यस्य स्रित्यस्य वार्षेत्रस्य वार्षेत्रस्य वार्षेत्रस्य स्रित्यस्य स्रिकेन म् संस्थित प्रतियान्। पर्वर अवस्तर म्हारा बार्ष्यत्र वार्ष्यत्र स्वा कियर्षा दर:सावत्बेदिक्षेत्रामा वार्ष्ट्रेर् सुद्ध्य पहित्राम मेर्थितः स्त्राम वायमक्षेत्रेरे भेरतिता सिर्वे गमरस्रायक्षेत्र संस्थित स्वाम गर्भेत्र श्रे से देवेत्वा ते वे वास्त्र स्वास्त्र संस्थित से वास्त्र वास्त्र सं त्रितेवादत्र सेद्राता विद्रात्रीत्र वार्षे विद्रा द्र्या प्रत्याद्र विद्रा स्थिते द्र्या प्रत्ये स्थापन अवस्थाता सर्वरस्थातकर्यकालस्रीत अरद्वेस्यास्त्वीसर्दिन् स्थानेत्रस्थात्वरम्

12 = 591

क्रिया देरिक्रदेर्द्रवेषावाचायात्रात्राची रसेपावद्याव्हर्यदेशियावेचात्रा श्रेरणम्बू यचात्रावदेव. य्याल्या देरसदेर्यं अवसर्वरल्या द्रिक्वं अवस्थितं स्त्रेर्या श्रेर्यार श्रेत्रेर विश्वा Folmoon द्यारवासकार्द्रर क्यानार करा करवा वश्वी स्वकार हिर्म क्या केक मूल स्वर्थ कर् येदा वेयानमुद्रवेदावीश्वद्वयस्त्रम्हेतं देराक्षस्त्रम्हेद्रकेदायदेया कृषाचीहेद्रद्रकृष्णेय क्रेयवाक्रामार्न्त्र्र्यायम्भित्याय्यात्त्र्यात्यात्त्र्यात्र्यात्र्यात्त्र्यास् इ.रर.१ तुर.पर्वे.म्.एवर.जम.कर.ब्र्.क्रर.ज.पर्वे १५८२.सेर.ब्रेस्.र.म.वेर.जरा क्रे.ल्.जरवर्षेत्र क्ष्रावसावतःस्त्रेत्रं क्षेत्रायेवः दुर्श्वेत्रायावसः त्यायाः स्त्रायाः त्यायाः व्यापात्त्राः वक्षाक्रय तस्य क्षेत्र क्षेत्र का त्या करका ते त्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष क्रियार्थस्यर्थित्यर्थः सेत्रहेश्वाल् मेत्रस्य स्वास्यास्य स्वास्य विश्वास्य स्वास्त्रित्स्य वर्षेत्रः विश्वास अर्थेन ह तहोताची हुल में केत्में सर्थेन अनेरदेर देशिसनरें भी तह सम्भेष्य अपना भार देर्देश्वराधरात्र्र्वस्यवगर्ये निग्रात्यूरस्द्यते यति स्रवस्य स्राह्मस्तरे वेदिन ग्रास्त्या कृता येत्री धि सर्वेत्रित्रेग्युर्व्सासर्वेत्रेर्द्वाचेत्रक्त्वात्त् देर्त्वरेस्थिते स्थित्या स्थानेद्वाच्युस्य विद्वद्वा र् भाषात्रकेदर वीद्यरदरक्षेत्रस्य सम्होर वी वसूत्रयाय के विदेर सेद भेद न सा सहस्य यह ग्रास्ये भिष्यस्तिरियातिर्वात्यस्य तस्य वत्य वत्य देस भेरा देशेतर्तुरिते हेर्से केस यासुरमा कृत्ये रे स्मर्योद्यकीरा क्रस्य यात्राय येती सुत्राद्य तिया तय्यस्यत्य देत्रे श्रूष्य केर श्रूष्य विषेष मुवियातिरिक्ताध्यात्या देव्यत्विया। देव्यत्यतिरित्त्याच्यात्रम् मित्रेत्राच्या अदर वद्द वद्दे तिर्वसं याववरा सेवाय की या सेवाय ल्या वासे ता तदेव की स्ता कर सुवापूर दे धरकै सीसर यञ्चरा देवकुल येंब्रिसेन्ब्र नक्षेत्रीता द्वत्वद्वस्त्र संदर्श्वेक्ष्यकेर हीरेकीद्यमा अर्द्रश्रेक्तार्श्वत्स्रदेरत्व्यायमान्ने सेस्यायदे वर्दा विदेश्यक्तारत्वा मार्थे। देरीस्थाय यमत्त्रीर्श्वेस्त्रुवार्ष्ट्राय्यं क्षेत्र्या ये सुर्वा क्षेत्र्यं भीत्राय्ये क्षेत्र्या क्षेत्रं स्वीत्राया स् वसा वेदर्गर थें तेश क्षेत्रेल एक्स र वेदे सूर्य मत्य केरे राम तिया लवस यक्षेत्रसा सूर्यकः मनिवहे द्रदरमञ्जरणद्रस्यत्युद्रस्यत्युद्रस्यते द्रद्रस्य अर्थे लालुद्रस्युत्रद्रद्यतः दर्यस्य 4र्ह्म्वर हा स्वापित्र स्वरमाने के अहि येहा है। । । । से स्वाचार कारा देश काराश्या विरादेश वधी मुलेव मन्द्रमेन बेरेल दर्भ लेवा वरा खें बाल किया के कि का द्यर खें वा देव के के दिन के म् वार्यः ज्यान्यः वेशः राष्ट्रस सर्वेवा रजातस्त्रेते रसुरपरक्विमामुहेवा सर्वरेभारे सावेसत्। त्यूरण्या रेर्द्यूरे सामेर्द्र यहवर्षयाच्याक्ष्मितानित्। देश्यरत्यात्रवास्त्रीत्रक्षेत्रवेश निकश्रक्षेत्रविश्वावात्र्रत्येवा. रब्बागरेदा दर्दरदेशकेसता गतअवेविविद्यायययवेदा कुण्येदेशहेद्रस्वायायद्दा से श्रेयदेश्चेर प्रवृद्धात्यस्था अग्यायस्यर्गे स्रदेशो रहेशो रहेशेरवीस यर्ण स्थारे स्वी यमार यक्त वात्रवास्त्री द्राप्ति वस्ति विश्वेत के द्रम्भद्रमध्यस्यक्षयपिया मध्यप्रसम्बद्धराद्यस्य मध्यस्य मध्यस्य मध्यस्य मध्यस्य ग्रेभर के.जा एवं में में पुर्य प्रमें के प्रमान के प्रमान के किया है के मान किया है के मान किया है के मान किया चारिल्ट्री क्रिस्ट्रम् इस इस ईस ह्रिंग डिर्ट्या मेर्ड्स स्था विस्त्या मेर्ड्स स्था रवे पत्र हेर्स

दर्भवश्चिमवन्ता सद्तर्वेर नुषात्तेवश्चिमवन्दा द्वासेदरके द्युवागस्यदा द्यविषायात्तेर सुन्गस्मा न्या सेर्गावमहत्मस्त्र्त्त्वता स्त्रात्मर्यत्त्र्रा वेत्रावस्य व्या र्टर्रित्मूर्। बर्जा भुभक्ट्रिता रमग्ने एर्मा प्रमान् गर्म ग्रिंग्रिया श्रीरम्र राम्केता ग्रीया केथ्यरा वर्देरशुग्रसम्बन्धस्य असेरा कुरातहेत्रकृष्णेवतातहेत्रस्रदेरा देशेवकेष्णेरवेषः वसार्थेदा वार्षे वोत्राको वुद्कता वे त्याया वे वे त्यार्थक्षत्र के त्री त्याया वित्राची त्राया वित्राची त्राया अ.इ.डी.वेग्राय.त.र्य तर्र करत्यर वर्ष मंत्रेरेरेल करण प्रत्य प्रकासर यथा की या वाष्ट्र स्त्रेरे वाष्ट्र स्त्रे रहर्भ लेंग बीया व हुत्या देवा ध्येत्रात् व वरा श्रीदर्य वा मुख्या वर्षे व श्री व ह्यें महर वरी में कर दें। स्थाप के में स्थाप के में न्यसाम्यस्य तसास्य होरावे अत्राद्या हिला वे विराम स्वादस्य हिला से दे। अहे वर्षुवार्थितिवर्षेत्र मर्वे वर्षावर्षेत्र वर्षेत्र मर्पे द्रमा मरक्षेत्र स्तर्भ हो ये वर्षमा द्वर द्रीय सु भे वालप्य सार्गा सेर्गे स्रोहित्य द्राये से देश से स्रोहित सा स्रीत्र सी वास्त्र मा स्रोहित सी वास्त्र क्रेव्यन् विरा स्विति स्वार्धि वायय स्वित्या स्वित्यियां वित्यायां वित्यायायां वित्यायायायायां वित्यायां वित्यायायां वित्यायां वित्यायां वित्यायां र्श्वेतरो स्तिकृत में सक्त स्रेर स्था एर वस्त्र वास्ति से वास्त वार तहर है हा तरे हाल ल्यर चल्यान मालया नेमय स्थाय स्थाय स्थाय देश में देश में देश में माल मालया के माल स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय तमा सुरेत्यम् द्वेत्द्वेत्त्वमाते। सावत्रेत्व्यक्षियं त्व्यत्या सर्वे वायहेर्यक्षित्र वेव वावाया यतदेयदेयवेयता दूरण्यातस्तर्युगयेदेश दर्दरदेयवेयता वेत्रुद्रश्चर्यकृत्यते वृदा किलान् त्वापरेकर्तत पकुर्ध स्ट्यूर्लिकं कुले भुवा वाश्वा प्रवेश कूर्के के किर त्देत्रगस्या विंदुरक्रियेत्रे यती सेत्वता वेर्द्रस्य व्रद्धा वेरस्य स्था शर्ररावृद्धः म्र्स्र. व्रव्याचा वास्रर म्याचार्यक्षेत्रा वार्यव्यक्षेत्रा विरायम् वर्षा विरायकः खयात्रद्र। यद्रदेर्द्रमूद्रमासंप्रदेश सन्त्रम् मेल्यम् मेन्यात्रम् नात्रद्री यत्तिकेद्रभ्यक्षितहरूयात्र सुह्यो इस्रा क्षेत्रक्षेत्रात्रक्षेत्रदास्त्रवानवान्त्र वदार्ग्यक्षेत्रका स्त्रिकार् ्चकृत्रके तद्य विस्तरस्तिदेश्यकारोत्री द्यासर्वे विस्तर्भाष्ट्री विस्तर्भाष्ट्री किल मुखा वायका कर यार जून अर अर विश्व कर श्रीय के विश्व कर श्रीय के विश्व क भीक्रानी सेर्म क्रियेश क्रियाला है या मार्थिय कर केर केर केर केर में प्रतिकार केर केर किर केर किर केर केर केर श्रुभ्यक्षेर्द्रसम्भा द्रमायमद्रमायते विद्यस्य विद्यस्य । द्रीयद्रस्य विद्यस्य । लेवा सास्त्रकृत्यक्षित्रक्षित्रक्षा योग्रेग्स्याग्रेयद्रस्यात्याव्यद्रशेषा क्रि वर्तवाक्षिवत्यसीविद्देशा द्रार्देशक्रद्रसेस्ट्रसेस्ट्रमेती द्रावास्यसीसे व्राप्येद स्तर्भ देश अन्यास्ररम् स्याम्या द्वा अस्ति वर्षा त्यास्य भागति । द्वेत्रेश्चर्यका सर्वे के अक्षिका अद्देश्चरमप्ते स्वामावरदे स्राधेर इ.जधुर्यः मुन्ना । देश्वेत्रसाम् मृत्या । ते स्वत्या । ते व्यव्या । विषया । विषय ।

्रिट्यास्ता रक्षात्रभारते स्वर्थात्र विकासी। अर्रेणविष्य में सर्वा निर्धास हित्ये सार्शित है हित्र विकासी मार्थिता वात्रमार्था वे पर सुत्य द्वात्व पिया तर वक्ष र्वा वृत्य सर्वे वद्वा मेर दे वद्सार्थ पर्वे द्वा वर्ष क्रारा अहाकितान् वितानान्त्री देपर्यात्रविवाविताव्यमा द्रमान्द्रयाचीतात्रह्रमान्दरी सह. यमें के सुर्व मद्रा देवक कुल मेलेरके ते होता के रहें में मेले के विद्युत्य के से के किया के राम के से किया के र 28991 स्रुवाला दरद्यर मृत्रुक्तिवास वद्वायदा देलद्वाका लेबद्वाका स्ति। हिस्यर सर्वेदलेब स्राभेरी दंदभ्रुक्तित्त्र्तितीतिवित्री दंद्वा हिंदध्रिराणभरभवाष्ट्री चराय्वास्त्रियाक्षेत्रवित्रा र्स्स्किल्जूत्वेयात्रल्याता क्रायास्यात्मकण्यूत्वयमालाव्यूर् अवमान्निरम् 3 सेवादा, र्दिन्द्रिया विकास विक्रास्ति वर्द्धर मेश्रेस्ति वर्द्धर मेश्रेस्ति क्षेत्र मेश्रिय वर्षिय वर्षिय वर्षिय वर्षिय यति दरव्यक्तियार्थे के वार्थे वार्थे तार्थे वार्थे तार्थे वार्थे के वार्थे के वार्थे के वार्थे के विद्या के वार्थे क यामरीमा स्वरास्त्र हुर। द्यमासी यामके रासक्षेत्र तार ते में सामा तो से सुरा कुलाई विद्वा क्रेबर्स्मक्षेत्रग्रमा देशकार्या के त्याच्या के विश्व क्षेत्रमा देशकार्य गर्मे क्षेत्रकी देशकार्य स्वस्रेरास्त्रम्भावरस्रेरा वरीकर्त्रस्यायरमाभार्रस्यामस्यात्रस्या देरास्त्रमावरक्रिरा रिलालगार्त्र भारतमा कृताककरितिम्द्र प्रित्र प्रतासमात्त्रे मुन्यत्र भारतमा कृति स्तर र्गर्यरेन त्रुम । भरक्ष्य स्थाय में क्विमार सात्वत्र । विष्यत्र सावता यास्य हिन हिन्दा वि इ.१. लरभरता मेशा इता रेते म्याता स्ताता माता या वाय वाय वाय क्या के कर द्वारमान्यम् वुरव्रातरे प्रमुत्वरम्यो क्रियह के कि विके स्वाक्षाया विक रात्यादेरी काजाकाजात्वात्वादेरी द्याकाक्षात्वेर विवयं में यात्वादे वि वरता क्षित्रसूचभारीतेर्व्या रेक्कित्येरीविरसेरता वनाववरातवारी स्थान यवा देन्द्रकेंभन्दे वेविभाषा होता यवसह यह यह दिवास यविभाषा समस्या देवा स्थाप यव एक् वर्ने नर स्था र्यामामान ए एक् रिके क्रिया में के स्था महित के क्रिया है। ब्रिया सा भवाकतःत्वा लालक्षेत्रत्रेत्र्व्यास्त्रेत्। नलक्ष्यरत्याच्याक्षेत्रद्रा रवाद्याक्षेत्रस्यस्तर्रत्याद्रा स्वाक्षु कर्रर से बस हैं ये न कर। राज है कर्रर विवास न करा वासर वार्ष कर रहा है दिया है वि यवीर्रासेर व्यव वर्षेत्रमार्रास्य स्राप्ता सर्वा वाल्यवर्रात्यस्य स्रोत्रमा विश्वेत्रस्य वाल्यरः अंभाया वैरमवर्षता क्षेत्रीवर्षत्र्वेत्र्यमावता द्वरक्ष्णंत्र्त्य्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्या Tongs. स्वित्रमा तह्नुत्मकी वर्षे वर्षे नित्र वति है। दुरसी वाध्यास विकित्र ता स्वाध्य प्रदेश द्वार थे वस्याया वार्णवयातह वर्षेत्रप्रमेवस्या नेयसीस्यत्वेर्स्वययवा स्वाययप्र क्री के इस्या वार्त्य मार पहुर्व हेर प्रकार से भवते मार्ग में प्रमार के वी मार्ग देवी स्वापन Tong of Coral. वासेर सं सेर में तसरा वार्णें मार हैत हैर वासेर स्रायन्त्रसमा वासेर सी सुर्दि सर्वा वे देवा द्यालअवितितु क्र. भरतकरा चल्यान एहर हर हर समान्त्रेश एवं एके वक्र क्रा मेर है. 

यते भेरा द्रावें कर बी अर विश्व विश्व विश्व विश्व के बी सत्य विश्व कर बी सत्य विश्व कर बी सत्य विश्व कर बी सत्य

वयवर्गे सम्मूर्यक्षेत्रत्र हैसहरवर्गे वरसूर स्वीवात्यसम् त्रिक्षप्रकेष्य पहुंबामा सिराहासका प्रदेश वर्षा स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्राम स्वाम स्वा रेरी क्रियमवलिरहरयीमसूर्यक्रिय रेपिरतकसम्मिन्नेस्मित्सम्पिरेसीप्रसेर्तर हैवंस्। विरक्षितंस् जबुर्दरवय्या है विभित्य कार्यात्री क्राम्यवद्गात्म्यवा पद्यस्यव द्रात्वभन्नत्व इर्व्यं मुद्दावर्षिर सुद्द्रियायाय स्मृता सेयो स्मित्वे से वाद्या से वाद्या से वाद्या से वाद्या दरम्बस्य हिंद्यित्ये भेयुद्वास्य होता देतरा हाद्रवसुदस्य रेस्वरा त्वामे सूत्रायात्र अजीवरी शुर्हे पहुला भूत्रेत्र हा इर्जित्वी अंद्रश्री व्यानिवाल ने वाली वाला के प्राची प्राची के प्राची विकास के प्राची के प्रा द्गर्भेर्भेर्स्स्स्य्यं विवाय संत्वात्वा वेस्यरात्र्य्यं स्रीर्भरीय्ये व्यवाया स्रीरामते स्वायत्र्यं म्र्यातिकासा देवस्त्राम्भ्रेवास्त्रित्रेत्रास्त्रीत्राहित्या सङ्ग्रीत्वेतिवत्त्रात्र्राहित् वस्र व्यानिया । तवदा वेसा स्वान क्षेता की मारे त्या म्यान स्थाय ते स्वान दे स्वान ते स्वान ते स्वान ते स्वान त रीसक्षेद्रतिवा नरवासुद्रक्षाचे यक्षेद्र याता हिद्रम्या तात्मक्षेत्रम्य तात्मक्ष्यं तास्त्रं तियंस्ता तात्मा यत्रं वर्त्रसाम्य स्वामायररे स्राहर हिंद्वे व्याप्तर किए। स्त्रिन्द्रम्ययर्देनिरसिरस्र द्येवमा देनपूर्यक्षक्षाय देनपूर्यक्ष सरस्वर होत्वेर बुला लाई व के सायहेत से द्या यहा वेर कुल कुल यह दे दर सेर वसा 2 लाव। कृत्य थे ते व थे सु के क्या के स्वार्थ के स \* चेर्श्याभेवासंधर तेवायाधी त्याच्च्रात्स्ता स्ट्रम् वर्त्स्तेव चेर्श्यात् सद्दर्दर त्या मान्यारेते त्युर्वसूत्र रहेमा हार्रियार्य हा नात्यरे सामान्य रत्य रेत्य र्वा विता सर नेरा देल व सेत चे वेर्द्यापापर्वेसर्वे भेर्द्रवास्थिर्द्यापर्ये वर्दरस्रेवस् स्ट्रेर्वावस्य परित्यामा वर्दर्या भे कैंसल्रेंसल्ज्ना । हेसवासुरमन्यमान्नेर्वाचेर्षणहीं धेरला न्नेर्द्रेद्रेश्ववसास्रेते त्तरवस्त्रवंदरते में तर्रा केल मुर्गः लुवःत्रमा खेमावेस्यावास् केल मूस्यायरस्य तास्प हिर्नेर्जिर वर्षेर वर्ष प्रज्ञान कर्र दर्षेयम विकास एक दर् सेर् कर मधिक सेव स्वित स्वान हर वर्षे यक्षीरवीस्रासर्देश देनस्वरयद्भाष्ट्रिमात्यवीद्वादेररे ले जिर्दास्त्री जीवादिने से अंभावस्थास्यार्द्रवायसार्याद्र्यद्रद्रद्रस्यस्य विद्राक्षेत्रस्य नेराद्यत्यत्त्र्युं से से स्वा स्थानी यद्या स्था स्थित स्था स्थान स्यान स्थान स र्यमास्यान्त्री हर्नात्रराम् कृष्टिमामा रस्त्रिमात्रमास्य स्थान्त्रीय स्थान करहर शहू गमा दर्रा करमा में कुर बेर हेर स्थाया देर विर भी रूप से दर केर से देर केर केर केर केर केर केर केर केर श्चेत्रदेश त्रमण्यद्भयद्भत्यत् युवामावरद्भवाष्ट्रप्रदेशयाक्वामक्रेविक्षणद्वरवन नेया लेंगवसालर ले नर्द्वीरदस्यो अद्देवरक्ष्यक्रियसम्भा हीरणदेशदेदेर हार वी दगर भें याभव विस्कृतवार्वि दे स्थाने व न तर् हेर केर हो ता हो तर व सार्पत वर्ष द्वायस्य त्वातः द्वावा व्यवसाद्य संसे द्वारा शुर्भक्षेत्रास्य रत्त्यभ्रत्रत्स्यभ्रत्यभ्रमभ्रमभक्ष्यास्य स्वर्भन्त्रा हिरम्भ्रवावनः यार्द्धश्रकेत्रित्वत्या न्यतिमहिन्द्राक्षत्राक्षत्रेत्रत्या दर्म्द्रत्वात्रत्यक्षात्रत्ये

विक्रहिश्यार एके मेर्यर तथा। द्वा स्टिरेक्टर्को राष्ट्रिया विवया वा हिवास विक्रा साथ सन करें। ह्यं.शपु.पियातश्चित्रं कूर्यं केंद्र। क्यायत्म्ययाता पर्ताता यात्रात्रक्षिक कर्या कुर्ता है। सेंत्रा न यायमान्त्रः क्षेर्याया महिवास्यार्थर वर्षात्रेर श्रुस्या वित्रे भेरमरह द्रम्य वालवा हिर्द्रः दर्दावरीय में सुदेदाय विद्योद्धिया द्भववाहिते वद्धावाव विवदेवद्धार्थिक एया इर्द्धरक्षियाया त्रयाचर् की रसराया वालकायते सेर्द्धराय इर्द्धर र्वे वाला माना स्र्वी. नामव्यक्तर वसारितक्री तपु सेवसार्वेतर्य में तार वर्षेत्रत्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत् र्रास्त्रास्यस्य अद्भविभागाद्वात्रस्य म्या वार्या वार्या वार्या । वार्या । वार्या । वार्या । वार्या । वार्या वार्या वार्या । पं. ७३,५०। एकुण द्या व्रिस्ट वराज ब्रिस नमा किर एक्ट बिक कुम स्ट्रिक्यम तम स्त्रित जानवः (बर्वर्य) त्रमः वस्यात्रिमः मार्चस्यः देरः देराक्षत्र स्यात्र स्यात्य स्यात्र स्यात्य स्यात्र स्यात्र स्यात्र स्यात्र स्यात्य स्यात्र स्यात्र स्यात्य स्यात्र स्यात्र स्यात्य स्यात्र स्यात्र स्यात्य स्यात्य स्यात्य स्यम्बर्टरा र्युम्बर्क्र्रस्यर्यात्व स्मात्वास्यस्य स्वात्वास्य स्वात्वास्य इरएड्रिगमान्द्रस्य होरा हिर्वेरविषाद्रमरक्षर्त्रे र्येर्येर्येरक्षण मुद्रस्र्रामरस्र्रायम् म्पार्यर्भेत्रवृक्ष्यार हिर्दित्रदा कृषायां केतायां केताया का वाया प्राथम के किया के दार्य वाया र यतिर्यत्रेर्त्यवेशत्तर्तते । विद्यातिकाता श्रेविवेर्यद्रत्तेत्वेशकार्रिक्षेत्र वर्तित्यामहिंग्यास् श्वर वीहेश्यार ग्रद्शायद्वा । दक्ता में श्वरवर्श्व । वर्ष्या मृत्र्याये व्रत्याये 4 वरद्वसार्थायेवसार्थे स्रूद्धेर्याचीरायरेपातुसहरद्वीकातत् केरत्वा यदा कृतारेती बुवस ल्य चार्यक्षेत्र राज्य व्याचित्र क्षेत्र क् यान्यस्थित्रे राम्यादव्युत्रय्याच्याय्ये भारतेता हुलाने स्थायावान हेना भेदा विकास केरित्यु व त्ररामेरिक्या अरिवयम् स्वत्वस्य विद्वस्य केरा देव केरा केरा क्षेत्र स्विति स्विति केरा कुमा स्वाद दारा में त्यापादर काम स्वाद र कर्त्रा स्वाद के ने माने का की मान का माने वाद र कि में में योर देवना वर रेर सर वर रेर देर स्तु पूर्व हुर है देने के से प्रकार कर दे हैं भी रहे हैं। 52/3/ शिक्षेर्र्यार्थेवा गरेराव्या मेर्द्राव्या मेर्से हेर्रे से हें वा सेराह्में वा शेराह्में वा सेराह्में वा सेराहमें सेराहमें वा सेराहमें वा सेराहमें वा सेराहमें सेराहमें वा सेराहमें त हिर यो सुरदरमा मी दूर्य के वर्षों कृषावसा हिरद्य का विरिद्व सर सेर केर होर होने यो के वास स्वत सूर अत्येवकृते व्येवक्ता श्री मुद्दार्यर पर त्यर स्वर स्वर स्वर के विकास के विकास के स्वर के विकास के स्वर के स्वर त्येरकालान्द्ररा उपत्यालाला केराला केरेदा द्वायर अहिन्यात्र अहिन्या कर अहिन 669 यर हे विचेर अर अड़िवक केवग मेर सतरे रूपरे अरमेखाना मेले खालाई तार हु वार्षे देव स्रीर ने ब्राह्म के वाभवास नेरा स्वाने वेदारके अरुष्य कारेरा पूर्य अवाहें ने का यते हिर्द्रिक त्री क्रूर्रररर्भ्याम्भाना हिरासम्बर्गान्यास्त्रभावता विक्रामार्थ्यभागाने लर् श्रेश्वत्रामित्रात्रेरात्रेरात्रेरात्रेरात्रे स्वापनादर केत्रस्यास्यास्य देवे अर्थन्य केत्रम् चर्याकारा क्षेत्रकारा व्यक्तकारा वाहार्यकारा वाहार वाहार्यकारा वाहार्यकारा वाहार्यकारा वाहार्यकारा वाहार्यकारा वाहार वाह

न्द्रक्तिक्षित्रम् विद्रम् त्या द्रार्यम् या त्यामायस्य ते द्यास्येव सेद्र्ययोक त्यामायस्य क दिशाम महिल्ली हैं ए स्वाय के किया है। दिन हैं दिन हैं दिन हैं दिन हैं हैं दिन हैं के कि कि कि कि गित्राक्षेत्रभूको होत्। में कुण धेरे प्यारम्यदा गेग्युवार्श्वास्यस्य हुद्वारे देक्रवयसः द्वास्थान के देव नहें भेटा द्देश के अरे ब्रुक्करणा करे हो द्वास वा स्वर्क्त रही ब्रुक्त वरी व्यादन रवना व अ.च्रि.प्नी.कि करेरद्रवेरवणवपुत्रीव.ए.एच्याका क्रुप्रेरे.विवस्र्रेरक्षेत्रवित्रार्थात्रवर्ष्ट्रवित्रा श्चरणक्ष्या हो या त्या वायरप्रायस्य प्रतिया वित्र त्या वित्र प्रवास वित्र विवास विवा द्यत्वा यत् सर तक्ष्मणक्षेत्र कृष्णम् वस्य वर्षेत्रक्ष । त्यत्त्रम् । त्यत्त्रम् वर्षेत्रत्वा वर्षे २०१ स् रमार्ह्यात्रुत्रीरायाक्वीयात्रुत्रा रख्यायात्र्यायात्रहरतात्रुव रिस्तायात्रीयात्रायात्र्या मार्श्वमा दसर्यान यतुः स्राम्याकृत्रायाकृत्या के त्रेस्याया का त्रेस्याया विवादयार पर्देर् वहें अप्तर् वार्शमा देश ब्रुव्ह्रस्थ हिन्दात्रा द्वेवस्थ के स्वित्रिय त्या पर्वा सीता बी वधु पु मरेवे मानी एहुया बदर्व इत् मध्यमानी मान पर्ता वधुर हैसा मंद्री निव् विकार की अर्थेद दिले देर हिंद हैं का विकास की अर्थेद रिष्य स्वायम्या की देशावया श्रद्धाः द्वार्या केता केता का वारास्य व त्या या क्राया दे देनदा से वा वा वे वे वा वा विवा म् वितिस्य का वित्र के से से दिर स्वर स्वर से देन के किया के या बेर के देश र मान से मान र्भेट रे हीर्द्रम्य मुद्रभाष्ट्रिम कुरसायसाम केर दे एद्र से इंसे मार्स हुद तुवा कैंव विवा कुर स् भीव नेत्र श्रीद्येत यात्रीमा यात्र्यस्य यात्र द्याद्याद्यादर से हते सेद्र त्येत्र वेता दर हा भीद्र से ता हमविष्ट्राध्याद्येवध्येवै। मृत्वित्राचमादेरमाविषास्याध्येवस्यात्रिमाध्येवस्यावमाधेम् ।देशवः मित्रवः श्चरत्रेर्य्वासर्शाः धेतः वेरा कृताये वास्त्रस्या देवरको देवे वार्रः त्येव यर्वेव खर मेर्भमा होरद्यमाइक्षः स्रम्यवतः सत्तेद्रत्वित् वास्त्रमद्रत्ये । यद्वन् माद्र्य वे व्यद्वीः र्व्यास्तर्भर्भर्भ्यास्य विकारिया विकार गरभर से द्या द्यीत सुरादर त्य गर्ने ग्राम के स्थानिय तरेंद्र य यथा हीर ही त्या सुराई थ कृत्यम् तेश्वर्रत्ते त्रास्त्रस्य स्रास्त्रस्य स्राप्त्रस्य स्राप्त्रस्य स्राप्त्रस्य वास्त्रस्य वास्त्रस्य स् स.चयमानान्यातिषात्राराचाम्यात्त्वाम्यात्त्वात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्या अवरंत्रस्य विक्राम्य क्षेत्रा देहिमक के कि स्मित्र के कि स्मित्र विक्राम्य के स्मित्र विक्राम्य के स्मित्र के रेल्येर्जिया दरमेर्त्वरव्रियरियर्वत्व्वत्यस्य व्या यर्र्जिरेरत्यस्य यते यर्र्जि क्या वार्यात्रां वीतार्या तार्वार्यर सहिवार्यस्य देववार्यमारी सेव मार्यवार्यस्य विस्थान वी द्भुवायमार्नेद्रस्तिद्युत्पद्येस्माकेर्भेष्ट्रस्तिद्रस्तिवस्याव्यक्षुत्रवस्यम्बेर्शयमा विप्येम्प्यम देर यस अरवरवरा अवर अवस्था मार्क्स यह वर्ष वर्ष वर्ष के संस्था में क्वा की प्रकार में क्वा की प्रकार बाल्य्येयुक्षेत्रवर्द्वयम् नमा देशतेयुद्यत्यत्भद्रभद्रश्च व्यक्ति महत्त्रिक्ति भरतक्ष्मक्रूरकेटहान् से तास्त्रित्रकार्याक स्रोतिक के त्रिक क्षेत्रकार्याक स्रोतिक स्रोतिक स्रोतिक स्रोतिक स्र देन सुदिक्षेत्र वृद्यमा हीरद्य तयद्द्व देन देन स्ति दूर्द तद्या कृत ये प्याप्त स्वरास्त्र करा याने यु रेरेस्ट्रिं द्रभर त्ये यु की करर त्य सुबी। देर की दूर देर की तरेंद हो सही या वासुरसाय सार्थे

る式例

2 मुन

3 4 7 7 3

408m)=

अत्रयत्वर्रिक्षे अभ्यत्भेरत्भवेर् स्ते व्राप्त स्त्रे के त्रा से के के विद्या होता हिता होती दूर दे ये व व्राप कार्रयार्ज्यान्त्रेयात्र्यात्राच्यात्राच्या द्वामा द्वामान्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या त्रभक्तिकार्यात्रे के वर्ष तर्वा के सिरालर हिरा वाया लाग्द्रेया किता में सेराववा के बेरा ता के दिर केर्द्रा अवस्थाद्रसुर्गेर्गे हेमवद्गवस्वस्तुर तहेन्य यानु केर्द्रद्याय वर्द्रावस्थाय स्था केर्यके व्यावर चर.एर्च.मध्याप्राथात्राक्रीर सेवस.र्र.क्यात्रुध्सेचर.क्याक्ष्यंत्रस्यात्रा क्यात्राकर ज्यमन्त्रा विर्द्धः द्यारायवह सरात्वा नेम्यू स्वाम्य स्वर्ष खात्वे अहले अञ्चर यर वसक्तायसमा व्यादसमा व्यादस्य देशकात्वयः के व त्रात्यासमा विवाद्याय ह्यरक्षेत्रे त्यम्दर्द्द्र्यपतिमारमे अरम्भा देव्यते श्रीरद्वित्य में द्र्द्रियो स्वर्थन विश्व हिर्म हेरा द्यत्वद्रमालवस्य स्थायमा विश्व मे निम्सुनिस्द्वस्य मेर्द्रकर् वर्रादेशेदायम्यवेद्यानीता व्राष्ट्रदेण्यम् अत्राक्षेत्रकेताहरूत्वी क्षेत्रवाद्या सर्थे पर्डम्यारी होरके हेर्कर वर्ष रहर हर हर होर हा त्या वर्षेत्र हिली कार होर के वर्ष हेवा वस अर्द्भेन रादरहाने भेरा दे विंहरवीम दवान त्या ताले वास्त्र परि के के निर्म वर्रसुल बीस्यूवासयरे स्मासूर्कर वाहर्स असे खे विवादवर रे हिरा झस्यवी रूप केवरे हिरा सुवर्रव्याय विकामितेयर व्याया श्रेषा हिर्देश महित्वेच अपनातरे ब्वियाधिया द्रम्यक्रिक्वे व्यवदेश्वर्या स्थायक्ष्या येथिवावण्यस्य द्वार्या स्रेश्वाक्रियं विवाद व्यावी अवयात्य्य स्थावय्यात्य सेवया त्यावयात्य स्थावयात्य र्रेश पर्त्र गरा है। के में में पर्ति के से गर्म और प्रेर्ध है से में से में से में से में से में में में में सेर्वेटे तर्वेस तर्वेद हि ते तो राम्स वर्वेद्राम हसे वहरा केंद्रगम खु श्रु तरे देशे वार्यवेदरा र्वेद्यरह्ये वहा विद्यरक्षेणभूरेरेरी स्वायवायम हिस्रेरवेद्या श्वायकेव्यायेरकेष्येरा स्यायायाय्वक्रिक्षेरत्त्रेत्वा वक्ष्वसारम्बर्द्धराद्याक्षात्वया देत्रक्ष्रवत्त्वातास्या वाहेरः क्रे बाह्य का दें दें कर कर बाद्या कर केंग्रिया करायी वाहें रे कार्यों के कर है। देश में लेंग रबाबिका एवरा कुरविकास जुर पायर सूर्वा पूरी अज्ञायर लूरेव रवार्य वस वर्षेत्र विश्वित. और अभावाद पर्या अन् किया त्राप्त अव्या प्राप्त किया वार्त केरत्य व स्वास्त्र भावता स्वास्त्र भीरत्ये. क्षाया वर्षा विकास द्वा की अवे लि के वा वर्ष में दे साम देव से वी का वा ति ति व वर्षे एक्रम्बिक पर्वा शिवार बाइर की मुल पर्वेत्र प्रियास विद्याय गर्वे वा सेवी खेव या अवत्यस्य व्याप्त्र विद्यालस्य विद्यालस्य वित्रहेलः ताः मेत्र विक्राव्यक्तस्य विद्यान्ते स्दर्द्र्य भेभ स्रेर्व्द्रत्युरा देभ्य हित्यप्य स्थिति विश्व विश्व के भेस्व नर्वेद्र्या चरश्रद्रद्रश्रुश्राध्याद्वश्रक्त । स्यावितकेत्यत्रः त्रेद्रश्रेक्त । द्रार्यते स्थाया वित्र क्रिमा दिनार चेति देना अदेश्व में बुद्द के मा स्थाय देना क्षेत्र के साथे देन देन हिंदे

प्याचित्रवहरमा रत्याचत्र भर्तस्य स्वाचित्रस्य स्वाचित्रस्य मात्रस्य स्वाचित्रस्य स्वाचित्रस्य स्वाचित्रस्य स्व नरसर्वा अपर्रेत की सार बीस सार किर्देश बीद कर के महिला की कि महिला सार का बीच कि से दें विभावर स्रीता व्हरद्यमाईसत्ह्रियस्य त्र्रित्रतेत्तर्तेत्रेत्रेत्रेत्राध्येत्वर्ते वेर्युक देखना यर दर तरस वस हत्रवना से व स्वार से देखें विका देखें व दे स्रोते प्रसम्भवाक्षेत्र स्वाक्षेत्र स्वाकष्ठ स्वाक्षेत्र स्वाकष्ठ स्वाकष्ठ स्वाक्षेत्र स्वाकष्ठ स्वाकष्ठ स्वाक्षेत्र स्वाकष्ठ स्वति स्वाकष्ठ स्वति स्वाकष्ठ मेर्योर् निस्त्र के कि विविधित त्रीय त्रिया के त्राया के देश के देश कि विधित के देश के कि विधित के देश के कि व चर्याक्षे सर्वा विस्टर्रिक्षा मया विरायमा बेर्रिक्र हिर्दिक विस्ति विस्ति स्वास्ति देवास्य त्व्या वेदावेदावमा होरायद्वेषाक्षेत्राच्य्रेमायमाग्रेवाहेमायाविवाक्षेत्राव्यव्यक्ष्याव्यव्या कृत्ययेक्षेरवत्रकृत्वम्यस्वयमा दररण्यक्षेत्रक्तरेवै त्यक्ष्यक्षेत्र द्रस्ति व्यवस्थित्रमः दमतः वर्रेर, दुरवा द्रुवार सर्वे ब्रायवा स्मार हुर्वार विकास श्रेरके। यमवाया श्रुरमा दमलेंगा विश्वरवक्षप्रदारके हत्यावाभवकरश्रुरव्य भरभरवन्नवस्यस्व वस्यदेवा होर द्वा वस्यस्य से सामक वाक् वास्य से स्र नभाशे,रूश,नर्भार्द्रश्चित्रियेरिकेर्यस्तिकार्यक्षेत्रम् के कि विविधियोरिर्द्रण्यार्थास्य नार्यस्य नार्यस्य रर्दिक्षाक्ष्रिमान्त्री वर्षावे वर्षा वर्षा कर्ति वर्षा वर्षा कर्ति कर्त्रीत कर्त्र प्रमार्थित वर्षा वर्षा वर्षा दे दियायर दरायर सवसे सुरिदे दूर दे दे के अह की है । ११ से सुराय हाता शलरेरा खाललानेरालकोरेरा सुभारकाहेबनावया बर्गिर वे यह अहेब यर अहेब यर क्तंत्रक्षात्रविरञ्जान्त्री कार्तिकानुर्धिरक्षत्रत्रीरान्द्रा स्वाज्ञातिरञ्गुधुन्नुर्ध्याः स्वयः वि वणक्रित्वभक्षर्त्रेका मक्रिक्वाणकोरणेल्द्री रम्द्रेरिणक्ष्यावस्त्रेर्वे देर्द्रेर्द्रेर्द्रेर् देशकालीवा द्युरळेद्विकेद्वार्थि। होद्वा व्यवस्थातदेवात्वेयार्था क्षेत्रास्थ ररःप्रेर्व्यातर्रेर्धिरा श्रीरःविद्यस्थानाः भे श्रीसः कृता तर्येवः वसः तर्यवः त्येवः कार्यरः ता वर्वास्तिः स्रेत्राद्धरात्वेत्रासात्रेत्या रव्यव्यायरे स्रेर्द्यास्ति स्था तर्व यथ्रा अञ्चारमिराम्र्राद्रात्रार्त्राकरा मुर्घात्रा केंच्या केंच्या केंद्रिया तर्गात्रा केंद्रिया तर्गात्रा स्वाप्त में अ.म्.किरतिराधिशाधिशा स्तिरिवरिकम्प्रिक्रियाम् स्तित्वा स्तित्वा स्तित्वा स्तित्वा स्तित्वा न्तरभरम् मुझे रिश्वा पर्वे क्र्ये विक्रा क्षेत्र क्षेत दमपःस्रद्राशास्त्रास्त्रेव यह तो स्वेव स्वेव स्वेव स्वेव स्वेत स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय र्यास्त्रा अक्रुनिमानते र्वेद्यान्य क्रुन्य क्रिया एक मान्त्रे मान्य के न द्रा न्यून यती के यहे वस्था ता व्या देने या वा या वेद प्रत्या के देन वा विकास के वा विकास के देने प्रति विकास के देने विकास क

1 23

222521

30gr.

54591

**द**े विव

हिरा श्रीर में रिस्य वरीर्य पर्य वीकाली हिर्दिश में नरिया मुल्य कर कर्ण ख्री आवारक त्रानिया दिर्द्रश्चीरमधीयद्वस्यां कीताः व्यानाव्यास्त्रियात्या वाहः व्यानाव्यास्त्रा द्रभार्याद्राक्षित्राश्चरमात्राः किरभ्राश्चमात्री राजमानित्र किरमूर्वेत्मार नुग्राश्चमा मान्या स्थानमा स्थानमा विग रुभवाता तरि हार्स्य स्था क्रियारिये हैं। गार्श सारा कारा शामारेदा स्थानाया ण लेर्द्रेर्वेये। ह्यु लेव यहें वर्वेते विहेर लेवा हें व्यं केते विहेर के लेवहा स्टार्क केर्य चिराताता देवभार्यवर्दाश्चास्यावसा स्ट्रिक्टिर्ट्स्यानेसवा दार्ट्स्यान्या नेरतेगाप्यशक्तियां वार्ववि तहिरत्वत्यत्यत्ये येवा येत्रह्रूर्यत्वे देशः भ्रामित्रकेर्मे मेर्र केर्ने मेर्र विकाल केर्मेरवर्षे केर्ने केर नुरा लेभ अर्थर्थर कुर्व र दुक्कि भूर्य सम्दर्ध मध्य कुर्य स्ट्रिस है त्या है त्या स्थाप का स्वास क्रिया रम्याविद्धार्यर रमेरक्ष्रियमाना मार् क्रिया राष्ट्र क्ष्रिया राष्ट्र स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा श्राणक्षीत्रमानेता स्त्रियात र्योभित्य ररः वीतहरा सर्वे के के के को को लिया त्यार्य स्थेव म्, ७. ट्रेंग एकेर एकेरररा अस्व कुँव कुंग म्, वर् गर्म गरी क्रियेर क्र का क्री मार्थ वा मार्थ । रख्यातरवाद्वादिर वी भे हिंचादे। एकमलेंग्स्य लेंग्याकेरूपार सेंग्स्य स्वाव हायार्थ ही त्यावास्य दे। देण लेंदर्या लेंद्र वाही राजा हिंद्रें के के दान ते केंद्र वाहि दे। ता वाक ता का वाक वाहि वाही के या.मूरी क्रमन अंधितावति गणा क्रम्या क्रि.क्रम.ली क्रम्युर अविवःणभः श्वरः ववः ववः तकेरा वारः सेर्वे वतः र्वारे विवे ता। तिर्वा वावः वेरः यते तह वास्त्रां सुरी श्रवाभादेशका विश्व के से दे विश्व में विश्व के में हिंदी के में के देश में दे दे के में ति विश्व रभरक्षिभ्यम्भागत्रक्ष्या विषय्रश्चिर्द्धक्षेत्रं स्थिते विक्रायम्भानिक भन्नराह्मा हराग्रामा करावरावराह्मा क्रिया हिर्शिर्णर्भात्मा राह्मा हेव क्रिया हिर्मिर् मिलकी ख्यासन्तरी चालवालार्काम क्षेत्रणा चानवरने यते मुक्तिस्ति विश्वामेर स्वार् यय भेषा गण्यार यत्रिक्ष्यय स्थित्य । हिर्डियापिर यत्रिक् रहिर्ते। नेदा रेक केर्य ते होर नुक्या रमत रेक्का केर्य केर्र य बिदा वहिन मर्स्का बना केरी कु यान्त्र नेता रेके लिया बेट्से जार्या श्रिक्त या प्राप्त या केत्र व्याप्त स्ति व्याप्त स्ति हो स्ति हो या विवाद बराता वि.का.तुर छितुर्ध्वातर ती बार्षवक्तर वरत्र के सुन सुना क्रांक्र तुर की सून है। उरेगाती तेश के क्येरेश केर क्या है। वहार कुरा है का दर के एरे या है कि के के के के के के पर्याः हिरमे स्वीत्या राखर परित विवादित करिया में विवादित स्वीत परित स्वीत लुवा कुमानुरानुरा स्वामायमान्त्रीर र्याता श्रीरान्या राष्ट्रा स्वामारा स्वामार्था स्वामार्था राष्ट्र यते अञ्चर्ति दर् स्र स्र विश्व विश्व के स्र के स्र के स्य के स्या के स्य के स्या के स्य के स्या के स्य के स्या के स्य के व्युर्य क्षेर्र र्या हो वर्ष क्षेत्र क इ.. त्यु. ब्रीमा रहात्त्र त्रिया रहा एक्टिर बेणा मध्या अभाव या एक्टर बेणा क्रिया मर्था एक्टर बेणा क्रिया मर्था एक्टर बेणा क्रिया मार्था क्रिया क्रिया क्रिया मार्था क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

हास्या का क्षित्रात क्षित्र क्षित् यक्षक्रद्रीत स्रिदेश्कणम्द्रियात्रुम्तरेश्चित्र स्रित्र्यत्रेश्चर्यत्रेत्र स्रित्रेत्रम् स्रित्रेत्रम् विमालप्रक्रमा यस्य वर्षेत्र देन्यर्क्षमा द्वार्षित लिया ते वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत् संभीद्रवाध्याप्त्राचीत्वर्युं स्वरंशेदा वालुं सेद्द्याद्राः विवो ववविस्याविका विवास्याय विवास्याय वि. त्रीत्रदर्शिणाता पर्क्वाक्षरं में विकासर नियम् कर मान्य क्षेत्रं मान्य क्षेत्रं स्वतं स्व स्रोदा अवसादेत्रसीण वृत्यारीद्यात वर्षा वास्त्रा क्रायदेत त्वेता तर्द्वर व्याप दे से व्या वशास्त्रीर् रमपन्द्रश्वस्थात्रीर्द्रशास्त्रीर्द्रशास्त्रम् हिर्द्राभिक्षात्र्रम् वर्षाः भक्रद्रभायसायम्बर्भायसास्त्राचीत्रेर्रास्यास्त्राचीत्रात्रास्त्रेत्रात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्या क्रिमारद्रिया यस्रिया के दूर्या देश वे प्रदानी में अर यस सास्ट्रिय स्मिनी दे ने लाके यस सुन क्षेत्र्राभित्र देहियाका वर्षित प्रकार का का प्रकार के स्वार्थ में में दे देव का या का के स्वार्थ भागा मुर्भर यहर वस्त्र मार देवा मार प्रविभाग भरत्य व मारा महत्य राम देवे के देवर या बीलका यरकरतका अन्द्र अभे अव्युद्ध सम्ब्रीत व्युक्त क्षा व्युक्त के व्युक्त के व्युक्त हैं वित्र यरदर लद्यक्षेत्रद्रिय वर्ष्यद्वर्ष विष्या विष्या हिर्गा है । वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्य स्र अधेर भर से अर्थे अर्थे अर्थे अर्थर हैर यस से अर्थ के लिर लिर तर्र तर्र हैं ये यें रूप ये रे के विश्व विश्व पर्तेषुकाश्वरक्षेत्रवक्षाः श्रीतिक्षां प्रतिक्षाः प्रतिक्षाः द्रमतः त्रकाः चेत्रवेताः क्रीतिक्षः वर्षे य पाया नका मुंद्रा अवरा दलण लार्दर वेद वृत्वला या देश ही तव या वि विका हुर दिर देवसा सरमारवक्तरवन्त्रवा वा केया त्रिरभी वह मारके राज्य विकास के मार्थर यथा। द्रमतःक्ष्याःमास्युत्रमाभीःयवीत्रेतित्वेद्वाःभेदर्शे देन'द्रमतःयतुत्वद्वाःस्वत्यासः स्रायमा में में वाद्रा तस्याद्रायना वाले विष्याते होते स्राय में विष्या स्राय में द्वातःत्रभार्यमतः वर्द्दाः श्रीदरः वज्ञवः स्वाक्षेत्रः भाका वाक्षेत्रः वस्ति। स्व भारे आरश्चवः न निष्या निर्मातिक निर्मातिक निर्मातिक निरम्भित्र निरम्भित्र निरम्भित्र निरम्भित्र निरम्भित्र निरम्भित्र निरम् [यातीर:विदायतेगत्रेर्जिरखारवाशीकार्वेवा क्तार्यस्थित्शेष्ट्री अयात्रास्थित्रे केर्या द्भारह्रमाभावका र्भारे र्भारे र्भाये राम्या स्थाने क्रिमामद्रभारते पर्दे पर्दे में में द्रेति तीर क्रूदे य वते ति स्था श्रे श्रे मुख्य दे तर्पर्वे मार्थि द्रेश्य ं यक सम्या छित्रकरा। रमण चर्रम् स्थालम् मास्ये सार्थित मास्ये सार्थित स्थाले सार्थित स्थाले सार्थित कुः भेवसुंग देते यम विर्वाविकायका निकार्विके मादरा मार्के स्वेद् नकार्वे राज्य या विर विषर्भातमा दमरादर्रावाधवर्षम्यरम् विषर्द्रवाधवर्षे देवी स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने ल्रार्ट्स केरा किल्ल्य मस्राच्या देवसाहेर्द्र सर्त्येयरेय ते भ्रम्यद्वया केर्ल्य त्या स्थान भेरा अव्दरभ्यम् क्रेवियो एके र बुर्यर्य रहे से अवमव य वक्र राष्य हर्या वा यो वक्क व क्रेविया हर शुरा र्विरत्भवाश्वी के वसे स्था नया र्विर्यं वस्त्र श्री मात्र हर्त्य हर्त्य हर्त्य हर्त्य हर्त्य विष्य कर्ता 10001

22/201

2301.21

4 244

500 AUI

6 AEOU

रेकुल स्

एर्रे भे त्ये अवभा हाभी त्रामा क्रिय क्रिय केरा देवा देवा हो पर वस हो रस्त्र भे स्था स्था करा स्थर शुरा द्वावायार्द्यव्याय वाश्वाक्ष्रकृषकृष्ठे विद्यातिका वार्षे वका तावा वार्त्य के दिना या विदा दम बार्द्रमान्त्री वरत्वका बामूर की बाली विवादे । बीरमा दूस मार्देशमान्त्रमा वर्ष मानुर वर्ष मानुर वर्ष वर्षा क्रिला लाव इरवसा विराधिया गर्नर स्था ख्रीर या परी देश किर्ण विषय क्रिक क्रिक किरा विरावाली. अ. इर्यक्रिंग होया । क्रांतरम्याम् स्यायस्या र्यस्यायस्या स्यायही स्राप्तास्यास्या स्यायही द्व्रास्य रात्यावारा तार्व समारीक्षेत्र। तद्या वारवद्वाया तद्रामे हेर चेर्याण होंव ही या वस्ति होरा व्रशिताक्रिमानीमाना ध्रुरम्भानित्रमान्त्रम् विरदासि होराय देवात्व वर्षात्र मार्थेदामाध्येवार्यः देदात्वाव महरत्त्व प्रस्तु नस्युवसात्वर पर्यात्वात हाय्यद स्तरा त्वकरत्रक्षतरभरत्यम्भिकामस्य भव्यस्य भवत्यस्य भवत्यस्य स्तर्भात्रम् जुबक्कित्रा जुरुअब्बुक्षित्वर्गात्वर प्रकृति क्षेत्र त्यरक्षरम्बी। द्वाकितिकत्र्रम्ब्रिक्केनेत् स्वत्वारासे स्वरं हिर्मिक्षेत्र। त्वर्यरम्बर् क्रियाम्यात्राचीला विवायद्वत्याद्वत्याम्याद्वः भ्रीता सर्वायस्योत्तर्भाया विवायव्यवस्य जिंद्य के या दी मा के मार मार बावा का रार हा है मा के विका विकार है मार है मार है ना है। यद्रत्यक्षा देवसाववाद्वयावक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्षेत्रक्ष्यक्षेत्रस्य देवस्य व्यवस्थितः केल बेर केर खर्रिवाष्ट्रया सूर्यर खर्य वर्र क्षा हीता केरा होर यह लाहर स्राह्म कर स्था केर क्रियरेयतेर्द्धाययमा देलरह्तययेर्द्यात्रेष्वाय्येष्यवस्य स्वर्वेष्यक्रियम्भीयात्रेष्य र्दरातहतात्र्रस्यात् हिलेरायेक्या क्रियोरीत्यस्त्रिक्वा क्रियेक्या क्रियक्या क्रियक्या क्रियक्या क्रियक्या क्रियक्या रमगक्रेवक्रीसर्तत्या तर्वेसमा द्वाप्ततर् येवसवीरस्रस्याते सेव्ररोस्तर्रस्य तर्वेदर्यं । क्रर्वसर्तरत्तेर्वस्य कुलर्वेदेश्यायुर्धेवस्त्रीरक्षेत्रस्य क्रियारे स्वर्धित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र वर दिर्शिक्ष तर्वेर अधिर श्रेर श्रेर श्रेर श्रेर अधिवा हो मार्चु यर क्षेत्र य ते सर ये यम होर । सुर्वे त्या सु ता ड्रिं.क.ल.बे.श.प्रजाम्पायर्थातर्थात्र्राक्षात्राचीत्रात्याचित्रात्याचित्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत द्वां भी द्वार्योस वनाताके वस भार पहिला कर त्या के सार मेवरे वहार साम् में मेरे साम् वार्ष के विराधन हीक्स्मार्थिद्रद्रभेरास्विदेव्ययमा ययक्रस्ययायेवस्तरी स्मिन्तिरस्यव्यवस्थावस्य यसा साई न्सुत तर्पाय पासहें के विदेशके विदेश रूपा र्रायम में ते हो के वा कवर्वर्यों मा रे भेरवस के के भेर बेरा दुररणर मेरि हो के न लुक्के मेर्द्र यथा दुर की हो भेग के सम्राह्म के रेट्रि जनाम् अञ्चरा देशराको श्वासके द्रावर्देशके अके त्या विश्व यसार्थितर दिशस्य या वत्या भन् शुलहेत् श्री भेंद्रिये या तिहार देर से देवसा त्या द्वीत स्वर् चित्रस्य यस। क्रिया में साम त्या स्व व व साम हो व साम हो व साम क्रिया कर में वस वि पर से केर से स र्यानान्त्री यत्त्रे वक्कर्श्वी ब्रम् प्रति वत्त्र वत्य व्याने विष्य प्रति व्याने व्याने व्याने विष्य विष्य विषय कीलासमार् के.सेवंबंधालरत्मचाःक्रराचिक्रचार्थता नरा रेरस्रेरक्षेत्रक्षाः रर्ष्ट्रपाविदार्र्यत्यर

न्त्रिक्षेत्रा मार वेसवस्य क्षेत्र मार विश्व क्षेत्र प्रति क्षेत्र ज्यासीरदभगायदीलायवयंश्वास्त्रीयात्राहित्रीसाम्यतिस्यात्रीत्राहित्यात्रीयात्रीयात्राहित्यात्रीयात्रीया विषेत्रात्रे श्वामा हो द्रा के स्वामा देरिय सर द्रा की द्वा की स्वामा के विषय देक्ट सरक्ष मसुर प्रदेश मेर यदे स्वाने मार सेणा दमसे सण सम्बन्ध एर ह स्वर सहित्य हैर दगर श्री सेर्द् श्रेवा तार्वर वासुभ दर विश्वयद्व सक्व किर होर दसवा वर्द् विक्तित्त्री निक्तित्रक्ष्मात्त्री तर् क्षित्रस्थात्री क्षेत्रक्षित् । श्रुविक्षा श्रुविक्ष अन्तर्रा ध्यालाला त्यारे देवाला द्वाका हेवा हैवा हैवा हैवा हैया व्याका हैवा वर का हैवा वर का हैवा वर का क्षी भरभाष्ट्रेत्रस्म हे रवकाक्षी देर्द्रवंदर् वित्वहिंव महिंदी भारत् विदल्तिता पश्चार्येश क्षेर्वास्य तकर तर वर्षा सरेदा से हेवा तद्य सक्त सामेदा दादर दरेस मेनवा के क्षेत्रे रखेत नतु श्रावर दर्शवमा मन् रदेर प्रमान देर होता रत्रर सिता मिर्बि ती ब्रेश वस्त्र क्रियं र देवायी मेंत्रातार्गत्यता क्रिकेशरेलमासे यथेरा लेक्ष्र्यूर्य द्वामालद्वाता द्वापारेलमासे यस्तरा द्वरातमः स्वासित्रेयार्तियरावयमः स्वासित्रयात्रेत्यात्रात्रेयाः सेन्द्रियत्यस्य वगासन्त्र द्वासूलामार्थुः तास्त्र स्था दार्श्वास्त्र सामाना वास्त्रेता सम्बीमारे स्वित सुम्मेना द्याले द्युवाववर्ष्ट्येन याचा द्याद्यद्वा गी करियेद्ता वहेदसः भीर्गेस यन गर्मे हेर्रे तिया धेन त्या रामे त्या रामित स्तर् त्या देवस सामित सुंब्रह्म रेग्ने विद्यास यह व सुर एर्ट्य सुरेरम सार्य सामा निया के रास्त्राली म्बित्र अहे सार के पर्रमें दे प्रया रमें दे के या सुरा में दि यह या या में या वेद की यह रहित्य पर म्ला त्यार्टर मुनार्षं मार्थर त्युर्भे हो रेग्री मेर्ग्या सुर्य स्था मार्थिया योत्राह्मिक के बहुत्य भाषा अध्यद्भाद्व ह्या व्यथः बस्वा तरे त्ये स्वत्र दस्य क्रमादी हिर् यभा दिरातिकार्यम्भारमा मर्बेट्या रेस्ट्रिस्सिस्सिक्रा करन्त्री अवस्थित व्यवस्था रेदा अयव यहाँ में तो मोतर देवा माम के रायहाँ में लें मोतर एदा दहर दूस के वर्षेद्र के ब्रद्दर्श्वरवानिहरूत्वनामा स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्र श्चीरदगरहे से वे के दे के दे के दे के तर्थ है दे के तर्थ दे तर्थ है। या अवस्य गर्भे व स्वाद स्वाद प्रदेश त्या भ रीर वार्षे वार्र रेना के तर वार्षे । विवार ने भार भार भार के रा रर रहा सुर कार्य वर रा से रा स्थाने ता की देश के देश कर तर्वा होता कर तर्वा होता के देश के विक्रियामार्याभित्रामित्राम्मार्याम्भाराम्भाराय्याम् विक्रियाम्भाराय्याम् श्रीरम् द्वभाग्रीमा अर्थे द्वर्ष मुलामें मेद्रे देव श्रीमा मास्त्रमा देवेदाह्य द्वाया हा भेगते देव में त्त्रामा श्रेद्धः श्रेप्तर ए ब्रीमा त्यामा स्टूर्र्य को स्वाने वामा स्वर्य स्वर् रेता देल वर्ष्य देश देश । वर्ष स्थानी मर्दिर्तत्व्याओध्याते देवस्यायायायायायायायात्राचेत्रात्वाचार्यात्राच्या यहूं अत्यन्त्रा विद्याया द्वार्य द्वार्य द्वारा द्वारा त्या द्वारा क्षेत्र व्यव विद्या

स्त्र महिन्द्र ही। जिल्ला महिना का त्रिया का

व्याववायक्ती

क्रियानक अक्रीति विवसाया प्रीति देवामाव विरिध्य मित्र स्रोत क्रिया के व्यवण प्रस्ति म्रा वित्र वित्र वित्रामा रक्षित रेट्टी में वर्ष राज्य मार्थे के स्त्र में मार्थ में मार्थ मार्थ में विन्त्रभर्यति वेदिन बेद्विता पहे ही दर्स भरहे कुल येती द्वन मनेदि हो हो या धेवा या हर र श्चिरवले मरणरसेर्। सुयरे सुस्यर्ग सुस्रा मस्य यरे हे तर्ते प्रमेग मेला सुस्रित्मे दरात्याची दियात्रेत त्यात्र द्यात्र स्वति स्वाके सत्यक्षेत्र विद्यात्र स्वाक्षेत्र क्षेत्र स्वाक्षेत्र क्षेत्र कें किया कारत्येश देहर हा अता हिरश रंभवाई केंद्र ल्रार्थी हिर लर्या से बचा में क्र्री थे. रु. पर्ये किरेररर सुवा केंपारकार केंद्र सरिकार विवास । विश्वरावर किरेका वि. एकरी की वस स्वर वर्ष बर्या केर् क्रियारमर मह्य हेर हेर में विश्व भी विहेर देर के सारी स्मर होर ता द्यत विका त्ये स्था का स्था यकक्रमामे हर् हर्म भेदर भेर्द ही र दगराय र यह देश दयर तर है में श्री हर देश हर से ना कर र क्षवाया के मुक्त विकास विकास के त्रा के विकास के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के विकास के त्रा यसन्द्वाराष्ट्रं यथ्यायात्रमा विरास्यायेत्र एकवायाता हिर्द्यावर्र्य देशहे हे भारे स्थापेर हीररतर्परत्यवार्व्यक्षा यथावरे हेर्येद्यदे हेर्या विस्पर के के देखे स्थान क्रिर्दरी स्टिड्ड्रिस्टेरे लगाद द्रेर्यायका वार द्रेन्य विद्रालसद्यमाव केला वाकी वहें वार्षे र्वरक्षरख्यावन्त्रीया रद्दिरे अधेरिरेस्य मास्येदा ह्यीरक्त मित्रे दे सामान्य देण या के से पास्य र स्बानी याचर वर्षा विराद्य त्वर्रा म्यूय म्यूय नावर वर्य विर्व केरा वेर केरा ह्यूरे सूर सुर स्वर स्वर ही राय्य यर्द्रद्वर्थाता छा वुभावासुर्य सूर्या वेदियरवारा हो हो यासुं क्रम्यका रहररवा वेविषय देश से वितेर सर्। दिर्द्यवाद्युक्तरर्द्धकर्त्वाद्वकाद्वर्त्त्र्वेतावाद्वितावाद्वर्तात्वाद्वर्तात्वाद्वर्तात्वेतात्वाद्वर् क्रिकार त्रिकारी कार्ये वार्य कर है। से स्थान के स्थान है। से स्थान क्षिय है। से द

2 35771

श्री से कार के कार के से से कि के से कि स

मिरिक्ष में मिरिक्ष हो १३१ में भी भी में मिरिक्ष में मिरिक्ष में मिरिक्ष में मिरिक्ष में मिरिक्ष मिरिक्स मिरिक

325 and

एक्टररीकर्तारायाच्युर्यं क्षेत्रात्रे असिशा देशस्त्रीयाता एवं यत्त्रियाता दश्यात्राद्वी यद्र स्त्रेर्यं स्ट्रा र्मामामारी वि.धु. कुणत्राकाला वर्षरी ज्या भी कुण त्या देश करी कुरियम रे र्थेन हिर्दि के यक्त व होर वी मा देन र वित्र वितर वे निर्दे र या के र ही की के या ने र के र होरे होर हर कर कर मैंणत्यर की. संग्रम देन्न नावर प्रक्रेर केंच्य स्ट्रिय प्रेय में यस देन के बेरा ए सुर्ग पा शु. पर् सार्य रूर मक्रम्ब्रीमम् में प्रदेश महत्या महत्या में के का त्ये में माने में माने के में में में में में में में में में किर मुक्तिप्रधर्वे ती र दिर त्यार्वाकर्य त्वरवाद्या मुक्तिर मुक्ता मुक्तिर मियाविक मुक्ति मिया इत्याक्षेत्र्ये भीवत् विद्रप्रश्वात्र्या भीत् अविष्यात्र्य विष्यात्र्यात्रे स्थात्र्यात्रे स्थात्र्यात्रे स्था ख्रीर ब्राज्याताल त्रेरायके देश काला लेंदार के देव क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के काला लेंदा है। क्राक्र तर्जु हैं के दे ज़बा रर वर्केर द्राया कर तु हैं र का ज़बा की ज्या ने ने द्राया है र वर्ष का करी. वबात्तु स्वारमर एउट्टामह्री देवम्यू रद्देशका ह्री क्षेत्र प्रत्य के प्रकारी माने त्यका वर्षा दरास्त्रवारह्र्यम र व्याच्या की मार्स्य ही रास्त्रेय स्वान वर्षेत्र तथा र वरा सेर्पे वेद्रास्य वर्षे वहरे वेदा अद्दर्शेन के के के के देश है के दार निराय के ही देश सक्दा में हैं। मे हुरम तर्वे के जेवा नृत्वे र एकुरव र के वक्षे अपने वर की द्वारे जेवा में रिरो वर की भूरानुवा स्क्रानुसराम् क्रूप्रदेशानुता देरावदेशान्द्रसम्बाम् स्वात्रस्या भूमानुस्य भूमानुस्य क्रीभाराक्रियायदा अविविवास्य वाववायव्यम्क्रीयावेदा देभाओक्षम् ही सद्ग्रेमके वर्षा ल्या मस्मार्श्व ता एड्स्स अर्डिंश देश दिर्द्यूर र क्रिंट्र में स्वतंत्रे देश एर्द्र दे से नाय एकेल एर्द्रियादी एम् वर्ष्यप्रश्चा विदेशयोगस्य विष्यात्वी भाष्यक्र हेराले देरा स्वारम्य भवाः श्री हिन तहिन तर्दिन त्याया करत्य अवया यह वा ती द्या की वा के का द्या है । है यह दर्भी है यह दर्भी । ब्रिलक्षिवर्त्रात्रे में कर्त्या स्वरास्त्रे वा रक्षर्र क्षेत्रे रे क्षेत्र व्याचा विद्राले अहे त्या कर् अवतः अर्थितर मी भूजाल मेरा देश्वेय यत हे गुरु शेष्य प्याप्त केरा दरे गुष्य प्राप्त पर्यापति तर मार्था भर् प्रभावत्र देवेरणात पर्मारमात्रीया के स्रीत में मुलामें ताव विवास देश सक्रित भु अपितिमार्म्भा पहुने। कुमरक्तर्यमञ्जूरेकाक्ष्यक्रमान्त्रं भरत्यस्त्रोक्त्यक्षेयिका पार्श्वामा देशक्रां वर्षेक्षेत्रकारम् वर्षेक्ष्रियक्षातात्रम्यामतेष्रमा स्वास्त्रे क्यात की बाका विवाद वहना निकेस्त्र वरितर के विद्रा हिर हिरके के लाद में विद्रा एक्स् केर्स वर्षकर्ति वर्षकर्ति होता क्षेत्र हेर्स क्षेत्र होते हेर्स हेर्स हेर्स हेर्स क्षेत्र हिर्म क्षेत्र म्र्रितयरकातमा अत्मवर्षिति है पा विविश्रेरा वहेत्रातमा हि ता है। एक के रिका के हेर या वहेर सन क्रामेश्यातमा रेशस्या कुत्रेशर्, देशमपुरसरश्यामका तर् सेररिएकरका तथा अधव. रियर्पाहर्षाहर्षात्रा श्रीराक्षेत्रवराक्षर्य मिला में भारती विवास के भारती विवास के महत्र बालकान्तर संपर्देत्तका बहुब्याचावव क्रिवेश बेटा देवता कर्ते देश संपर्देश प्रवेर प्रवा

मल्त्र हीय वर्षेत्र यस वृत्त त्रवार तिवाय या यय द्वर्य की तर्षेत्र स्वित्र स्वाय प्रवित्र विवेत्र विवेत्र विवेत्र नयत्रमात्रीक्षेत्रमारम्य दत्रमार्यस्य तयर्ष्यस्य द्वान्त्रमार्यस्य मित्र द्वारत्तर्ये स्वाप्तस्य विद्रिके स्यर या विवाला अवस्वित वाम्बालवल विवाल कर्यकार्य वाला विवालिय तर्र तहर्या नर् स्रवार्तर व्यव गररा र्वास्य वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा हुवा क्रिय हो वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा र्वास्य देवा स अग्रामार्तिक्रम्भायामा यम्बानमा स्वामान्त्राहर्त्ते हेर्या देन्य स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स द्वारी स्वरूरे द्ववायमा द्वाहर्त्ती क्रेंब द्वारास्य वेते स्वरूत वाहर्यया सर्ह्री राष्ट्रेह्र सम्ब्रे चैत्रित्र्ये में वृद्धित तक्ष्रिया मन्त्र विक्षित्र विक्षित्र विक्षित्र विक्षित्र विक्षित्र विक्षित्र विक्षित्र च्रिया हिल खेरे त्यार त्यर त्यार स्थान द्यार में देश मा विराधिक विराधिक के स्थान विराधिक के स्थान यमर स्मेनी परक्ष मक । व्यान स् वर्षे वर्षे र वर्षे र वर्षे र वर्षे इंड्रेन्स्या अरात्यर्पातायान्य विषय हेर्नेत्यायान्य विषयात्र हेर्नेत्यायान्य विषयात्र हेर्नेत्या हेर्नेत्या हेर् रदर रहें अपने अवा नियंशे तक्ष्यं क्षेत्रका वाके हें क्षेत्रवा अशे तक्ष्य हर के व्यापा करित से त्रुप्तेर्स्याय त्रेयत्या द्यत्ये त्रुप्ते थे सुर्ये त्या बुर्द्यत्यत्ये से सुर्यं नेत्र लक्टर किर जेंग्रेष्ट, अराक्ट्रा स अक्टरर्ज अवस्थित या विकाल के नियासिर भ सेरा जनारणकेर र्तिता त्रेनामा दित्तिती ग्रेमत्यवर्नास्त्र पहित्याता दित्ति वर्गात्र्वीया स्तिवायाता यश्च म्य के के मिलर नाएशाला शुरिक रनिरभाता पर्यायनातामा चेवार भरमामा सम्मार भारा भी कार कि व्यर् स्वित्रक्ष्या प्रति स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र हिर्द्ध विष्ट्र स्वित्र विष्ट्र स्वित्र स्वत्र स् क्रिकेल,जा क्षिरअधकारच्येव नार्जरद्वा है र्यूक्ष में श्रीरत्यात्र निष्ये प्राप्त वर्षेत्रा विरद्या क्षेत्र हर्या कार्रीह्य कार.रश्रूकार्तरद्रतयरकाका हिर्देश्रिरायवकात्रान्याताका रकार्त्त्राच्याकातात्वाताका कार्राच्या न्द्र म्यायके। तमास्या वर्ष्या वर्ष्या वर्षा के वर्षे इवाले गर्भा देश में मुस्यिर हेर परेरा हर ने र्या में बार्य हैरा वबर्य ते स्वर केरा हैं यम्देश हिंद्रदरम्यवीरायेती यात स्रिम्ह्राच्यायित्रीत्रीत्रीत्री स्टाक्रियायायायायायात्रीत द्यातः द्यातः देश यथा सव अदतः दर सुदेद् अदुदा त्ये यः केव अस्विकी वि त्ये द्वी दर दर्षेद्र अते के ३ अर.भ्र.दः रे.चर्षेत्रमा रवासेर.मेर.केम.का.इत्रमा कारत.य्यात्रेव एक्ष.त.इव.की.रवी रवी.पर्वेवामात्मा टि.म. एत्वावा कक्ष्यति वर्रदर्वेश्वान्तरम् श्रीद्रशाद्रां दश एह्रियाव एह्रिया एत्राया परी त्रिया प्रीति प्रीति र्वामाधित देश इंस्वेर स्वर्ति राज्यातात्मक्ष्याय ना व्यक्षिमा वर्षित्र राज्या वा वर्षे राज्या ्रवेपार्दर वयकाक ए.क. न्या यू रेका चुर रेंद्रेर कथा हैक. इव. मू र्रात्र प्रवेर तर व्रिट्र प्रायी स्विद्र

चूरी रमयःमभः दुभः तर् क्रियः क्रियः हुभः वयः क्रियेश्वश्च इर अंशकः मभः देतं र विवाधः मः रित्मु दुष्युष्य भारतस्वरहितत्वता संसूर्य देर्प्य व कु के मेर मेर मेर मेर मेर प्रेस ने प्रत्य प्राप्त । सर्य प्राप्त ्रद्रिरक्षरभक्षः ए में वस्र वर्षे वस्र वर्षे वास्ता तर्रा पर्रा पर्या तर्रा क्षेत्र क् स्मानर केरादमलायाक्र कारायायाय तेरिक रिकार केरा मुत्ति स्मान के महिल्यों है। मेरे की पाक्रामिरकार्योदेश स्वातामार्थे पात्पाता द्वाप्यम् क्षेत्रचात्रवाहेत्यम् यात्रकात्रेवा दरपानावेवे वे विवादा स्वर्यक्षा अववारित स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्व चर्तितात्रातित्वेचा इरिक्त्यी स्माइमानेत्र तित्रम् मेन्यायमा त्री क्रिन्त वालया स्थित प बैंगानपुर्धी बाबक्षेत्रः पार्वनेव पर्वेद्यर्थितवमा एतः रवेत्र श्रे ग्रेशान्त्रेरा भ्रमाणान्ते श्री।एवर रप्रत्यत्रत्त्त्व्यास्य त्या रहित् श्रे यद्या सहित् श्रे यद्या सहित् ही। साहित्या द्रात्रा स्वे साद्या सात्वा र वयवार्त्रात्रेयक्षात्राद्वर्य्या दमराक्षेत्रकारायात्र्यात्रायात्रेत्र्येत्रेत्रेत्रेत्रेत्रेत्रे म.धुर्दे. च्याच रिनए कोर. मर्र र ए. वर्दे व्याचा ता लेदा ता माने व्याच माने हुन वा को रेजिति श्रीदेतका अपकार हुमारा देता ते वर्रा ते देत्र मार्श्विभा सन् वर्षा स्थित सम्बन्धा े हे है। द्रतात के अप्रतृत्रे अवत्यात् म्यूर व्या देतात व्ये वते का स्या के या तर्व वास्वात वार्य ने श्रीयाध्येत्रवा इर्माम्यूर्यम् वर्मान्यार्थम् वर्मान्यार्थम् वर्षाः प्रतिकार्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः मिर्फ्रिंग्सम्देर। हुर्रकाशकेर्त्याकेर्त्याकेर्त्याकेर्ता दरमिर्छक्षियाव्रिः त्यान्ता श्रीतिकराव्रिः सुरेक्तकु ए म्रे. करा इ.परेर यु मा परेर अधुक रामर स्टर मा अर्टू व कि परेश हिं यु दें। देंका स्था क्रित्र तर्दे तर्द्र क्रिक्ष दर्वत्रयम्भक्ताकरात्रकात्रात्रात्रात्रे क्रिक्ष्यक्त्र्येणतेत्र्यकात्र्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष बार्यका विकास बार्ग मार्ग में विक्त बार्ग कर्र र स्वाल है कि बाल बार बार बार की समा कि व र्मार्थरा रहारा सम्बन्धिक संग्री रहा रहा ग्रीमिरक्रण की मावर ले क्या देवर प्रिम्से देरा दश्यासे चेर क्रिंग ता शे चेर तेना के म चेर केर तुर त्युर क्रिंग होन इस धीर दुर दुर व लेंगा यीररावरा मिराद्या मी भी वित्ववियायाया सा भूरा में सेरा मार्गा यरद्वा में सर्वा में भूर परी में कुण इव पुर कर्रातमः र वव तम कर्ष प्रत्याविक तत्र मुन पूर्व १ द्वार विवास देश हुन. न्तर्यात्रभा बीमसे आतर्भायरतहर्भायमा हिरामे र्याक्र स्मामामासु सर्था देश हीरामे। रे अभिन्नात्र विकास के से दे हैं र से र परे या रहेर र र है न से र या है है या है है या है से या है से र से र स सामान्त्राम् स्रिक्षां सामान्त्रा वर्ष्या मान्या है। व्राह्मा सामान्त्रा त्राह्मा स्रिक्षा वर्षा वर्ष त्येकाम्पा दुरद्वर रिते हेक्कीमास्यद्वस्थिति रत्ययिका सुव्यर्ति रेरेरासुर्वेदा दूर दूर . रिवासीर्रात्मान् राज्यान् राज्यान् राज्याने रा

122 रहेर्डिल मुन्तु में ब्रिशिया की वाक्ष्य मेर्द्र वरात्वा सारत एताम दर्वे देर्त तही वास्य क्षेत्र र्जुवात्रय. यर प्रकाता चित्र. सुर्गा कुर्म हिया नार त्या नात की रियो रे स्ट्री स्ट् ्रक्रियानी देन केल मूल शक्ष भारे इंग हं कथा दें कथा दें कथा से भार हैं रे दिर क्रिया में कि कि हैं , 3 करिलार, मिलर् कि, एतेल. कुष अझ्लारं क्रिया से प्रत्य में असे विद्या के का क्षेत्र का करित का के करित है। चतुर्गतिया, त्रीत क्रिम् क्रिम् कर्षण नक में बार क्रिम् क्रिम् क्रिम् क्रिम् वर्ष नक विश्व विश् र् अर्वे प्रत्या हे विरस्ता विवासिया के विराधित्री देश की मार्ग कर की मी आतारे र्वे रव देश एवं या स्वर्ध कु.मूजरम.विभारर्ग्य कुरिक्ट काराकामा पर्येगा हिरामितररा वर्षा एकपारमाम हिरामिक 12 E.DB वक्रभ श्रेंबे ये के व वार्थ के का वार्य वार्थ हो स्वाप्त वार्थ हो वार्थ हो वार्थ हो वार्थ हो वार्थ हो वार्थ वार्थ हो हो वार्थ हो हो वार्थ हो वार्थ हो वार्य हो वार्थ हो हो वार्य हो वार्थ हो वार्य हो वार्य हो वार्य हो वार ज्यावद्दार्य। ( UE 1 21) की वासुआ अपरेना भारपेन भेट्। की वर्त्रेम ही साध्याद्वादेश कुल में भेर के व्यर लिंद्रेवा बुवा म To thrust र्र.भार्चरत्यर्थनार वर्षे द्रियावर्श्यविकामा देशार्चरत्यरस्य पर्देश्चर्यभार्थविकामस्य विकास देते अर ब्रेर श्रुक्ष श्रुक्षेत्रव्य अपदर पर के हैं त्य वाध्य य स्थानर हुक् व श्री र ख्रुप छूट सु क्रूप वाश हीर र्याम् द्रेत या इस अभिक्षेत्र विद्या में कि के इस के द्वार के दिन देन के के के के के के के कि के के के कि के कि के कि के कि क्षेत्रभावस्थात्रम् । द्राम्यात्मात्रम् अर्थेतः । त्रात्मेर्यः अर्थेतः वर्षेत्रः वर्ते वर्ते वर्ते वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत् यते महत्र (30) रामेर के अपा कुल में भेरतव कीम प्येर देखा पर्ये भरे भरे के मामें मार्ड पर्य में रिपार कु. भ्रामात्रमान्यात्रमात्र्रामा १ व्यामान्ये द्यारम्बिमाना व्यामान्येदान्यात्रमात्रास्त्रात्रमात्रमात्रमान्या 8 EF M. 31 नसूर्ताव्याक्ष्या वृद्य व्रिक्टित्रेरित्राया व्यक्तित्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष् इर्ड्या भूत्रमास्या केपात्म ब्रायस्य मा द्रहाले विप्राय कर्षा हार्रिया हरणायम्यान्या से तारक्षेत्र विकाल्यरा त्यात्रमा महित्या विकासीया से मिल्या मिल्या विकाल कि विकाल के विकाल के व 10 gr. 3 ग्राहेर अपात्र हेर केर कुर् वर पर ही क्षेत्र भारत्य मध्य किर यह देश प्रदेश प्रदेश वर्ष के श्री क्रांभक्षेर्रे रेरेरेरे भरावनास्त्रेर्वेद विदः असेर स्राम्भरकार कुन महार शक्र रेविसे थे के विदेश हैं। [K.] इत्यक्षात्यर। वेर्वण वयम हुन्ये के मध्य की मेर्द्र का व्राप्तिवय वर्ष 122:557 नुसाया रुभुर्'यार्टर' न्द्रवक्रद्रभन्त्रित्त्रकाक्षित्रच्या अर्थे क्षेत्रकात्त्रवा वर्षा देहिलाक्ष्रित क्षेत्रका वीरद्रभवी ब्रिट्र. र्र प्रमा बर्रे हुन् नधु बर्टर्से वेर । ररमु रन कर्नु रम कर्नु स्थान है स्त्री वेर हैं रह वेश कर्मात्रा तर्वे श्री सुरादि त्र स्वरमा भर्गा क्षा अर्थे हे होते हैं। प्रोत् सुराता कार्येराया १५ दुस:विद् मान्ता स्मालाला मेरा होते हैं। हो रहा हो मान्या मान्या यी के व मारा होने होते स्था देन्दिन्यतः अतिकत्ति वास्ति। दर्दर दरियाने स्वा वर्द्दर त्यान्य वर्षा त्या वर्षा त्या वर्षा वर्षा दर्षा ला. व्रट्युरावा क्रुन्था चर्ना कारवरावरा दमराक्राक्षाक्ष्मणात्रीक्राच्या वारार्प्युच्या लुवा कर्यक्षेत्रक्षक्षक्षक्ष्यंदर्वे ब्रिक्षालुवा बर्देखे व्यवक्षित कुर्देश कुर्द्वे कियो देवका चिरामक्षेद्रमारे रमत्युःस्यस्यास्यास्याः त्वेवा द्वावाना विद्याचात्रमा द्विरस्य त्यात्रमा

222

वकारात्य मेर्या प्रदेश कर्ता वह ता वह वा का विकास के विकास के मेरिक दे मेरिक दे मेरिक दे मेरिक मेरिक मेरिक मेरिक सर.प.स्र.से.स्रे.स्रे.स्र्राट्ररी क्रव.प.चि.व.ववकापर्रेट्री वस्त्रेवस्त्रीयोजपुरेसर येपाचित्रा र. क्रिर्दर ब्रेगालिस्का काएड्रायार क्रियामह्त्री रेनए मुर्चेग्या रेपरस्का एमेर्ग्रे क्रिक्याया उपविश मैनामतेत्यम् वर्षेत्रचेता वर्षेत्रक्णायेत्यकुत्राचेत्रा भंभक्षास्यक्ष्यायकेत्वत्वत्यायकेत्वा में बेंग्रामित स्वारा ह नगत स्वास्या है लेग्नेता इन्हीं त्या की किन के लाई में भवाया विमानिकारिकारिकारी हरिलाक्रीरवरानिकालूरी क्रीड्रवस्ताकेकार्का नेकार श्रम्भारात्रवर्वत्ये। काप्रियाः हित्ये दूर्या येभाव्यक्तियात्रियात्रियात्रात्रा द्वा दूट्या सिर्म्य शिलिकाता म्यान्द्र निर्दे नियम मन्त्र निर्दे नियम निर्दे नियम निर्दे नियम निर्देश करियम मुरी खर्याना राष्ट्र या यो अला प्रतास स्थान स्था मुद्र होता होता होता है व स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स यमश्रीवरवरत्त्रे स्था ही के महिद्रीत है। । भ्रम ह सामके ता तिरत्य के देश स्य. सुर. त. मु. त. त. देरी दी. याड्डव. बाडुबा अवाडे रताय के याडिया क्रीर दी. याती में कुंबा रें मानेवा रेन्द्रिन्त्र्यास्त्रेरेष्ट्रायहेर्वामहेरी स्मान्यामस्य में से याचा में स्ट्रायी महिरामवा हिर्दरदेरी वर्गाम्हरूषा वर्गाम्हरूषा पर्वाचिरायात्री त्यापायाविमाह्यात्रात्मेवहेरेदेरी वर्णातायवर द्राम्भारात्रहुला दर्मे वावमान देने से नाम हिस्से वात्रा है के वासे वात्रा है है है। हर हिर हार ला तर्वे देशकारी बरका करिया है किए है। देशका विकास करिया है विकास करिया रे भागीयम्बाता स्टास्ट्रेस्स्यारेत्यात्वादी वरकुरायुंग्यायातात्वित् हिंदी बीकेद १ स्वाणवा दर्भारिक विद्या में राज्या होत्या वर है है हो या स्वार्थ है राज्या निर्देश के स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ के संद्रयत वेत्रे वे केर्र हो होत्ते रेक्क वाक केर्या वेरक र्युक के स्वर्य केर्य केर्य केर्य के स्वर्य केर्य क देन्दरकूर्याते से बन्नात्मा । हेर्जी गर्मन्त्र गर्मर ने गर्मा केरा त्यमान्त्र म्यूरादेश क्रार्थित यते। तमामकिमानम मनेश्वस्त्रस्यंत्रसामा होद्याद्यस्येद्श्वद्यापनात्ती त्यास्यद्वर्य स्त्रमाहित्यी देशमाहित्यहर्ण द्वा एह्स स्त्रित्या न्या मान्या न्या स्त्रमा क्ष्या क्ष किलायी रामा क्षा बुदा हों का जाता बुदा होया। इंत्यम क्षा कुद्दा का काईर क्षा ई लादा पर्वेहैं का विया १८:उर:देन्स्य:देन्द्रेरवग । वि:स्वर्गात्य:क्र्यात्मात्य:क्रि द्वः केरचते झे के खेर्ग स्थानमा स्वन्यन्तर्र क्रुनेरकर्रा नेनेरे के त्ये वेद वेना व्यन्ति ।उत्यव। रीरामार्ड्डकारकी, पार्वा क्रियाता लेट शर्वा विवासाता सि दिसे विवास पार्टी देवित हो देववे भी पत्राक्षी

श्चिम्बाक्ष्यात्वा श्रुप्पद्यम्बव्यायात्वेयात्यात्वी ग्वयाक्षेत्वम्येतेत्तित्वात्वयात्वेता व्यव्याधेत्वयाः त्र्युः एहे वाव बारा होता वा वर्षे वार्ष के वार्ष होता है। वर वे वि वर के वि वर के विवस की वा परे के वार्ष के पक्षेर हेर हेरा देरर हिर्मे केर्युक्षा हर हो विवास हो विवास के मार्थिय । वेस हेर वेर खेल विरोध एमर्थानमा र्यएक्रेरिक्षे परमूर्व विद्वीक्रियंत्रभाषव वार्क्षक्ष्य द्राया क्रिल्या विद्यम दमत्वद्रिक्षास्त्रेयकत्त्रयाम्यद्रमत्त्रस्ति केविवविक्ष्या विद्रस्ति विक्षास्त्रम् विद्रस्ति डिटीएर्ड ब्राक्टिल द्रिर्देश क्रिंच एत्रेराने का की क्रिक्ट हुवा हिरान स्था की व्रिट्ट प्रकार का एर्डिट एर्डिट लेंद्रलेंद्र होद्राय ते स्वा के देव द्यत्वेंद्रद्र्या प्रश्वी दृश्या भेर्द्र वाहीक वार्ष्य स्वा विंधी इ.चि.सुन् वसुर्युर वेंसायसा हैसारदेर वहर वसरे वस के वस ए हें वस्तरे सर्वे वस परी वेंसा रवर केर्नरहे अर्बेब्रिंदर्बे एक्रर्व्यात्वृत्यायमार्भदेश्रद्धियांदर्वे अर्थेद्रियाः स्त्रिक्ष्याः किरा क्रियात्मार्टिअलक्ष्यक्षित्वर्डिरव्यानुस्यक्षित्स्या विदिल्वैयक्षित्रान्त्राक्ष्या रंभरत्वतम् भरत् मुद्धारम् तात्रेर्धाः तरे स्राम्यास्यास्य क्राम्टिन्द्री माज्ये द मुक् किए। कु. रू. कु. यायवा द्याता कुर्जाव वुद्धा वुदावश्राका में गार कु. शिव कु. कु कि देशका कु. एवं पा प्रका दर्श्वेव विवेच वृत्वामा रदरद्वे सम्मान्या द्वरायुक्तक्षीरद्वाराम्यास्य हुर्द्वा सुर्यद्वास्य भागवति वृष्याः ब्रियमा द्वामक् र्वेश्वमामुप्तामायकरा परा कान्यवामा एक्ष्यं रवेद्रम् स्था क्रियमा त्रुरसून के वर्ग स्पेरिसेंब या हीरने न्यूरा परिकारों र तरेर मुद्दार स्थान स्थान से स्वन नर्षः ही यद् यीवा भेर तर्वेदवाहेद्वत्व्याकृताकेमा तह्यात्रीमहत्यं वित्यत्वेदा विद्यायहे क्रिकी लर्रा देवत्रा क्रवरवरक्ष्यर पहुंचात्रवा रिक्ष में हरा में के क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका म्त्रियावयमा द्रम्याभक्षेत्री सुर्गारा क्रिकाम स्थान में स्वापक में द्रवादा द्रम्याभक्षेत्र में मीति अपूर्वायावर्षेर योरअस्ट्रीर पर्याया सत्तार्या रूपान्ता हित्या अविराद्याय निराधकारी वर् हार द्यतारहेर्द्ध यदेख्नाय केर्नुमा सद्यमात्र्य सद्यमात्र्य केर्नु हो होरद्ते स्रुद्धात रखेसायर ्रावःहेबाल्येब्रह्मिद्दी दक्ष. मु.च यु में प्रचेतिका राष्ट्रे प्रचेतिक विकास वितास विकास व

्रवित्ताम्त्री एवं वा क्षणास्त्री प्रविद्या क्षणास्त्री देन्द्राह्द्या प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या क्षणास्त्री विवाद क्षणास्त्री विवाद क्षणास्त्री विवाद क्षणास्त्री कष्णास्त्री क्षणास्त्री क्षणास्त्री कष्णास्त्री कष्णास

देभार्ने बुर्निश विर्याभारा हुरभार्त्य देश्या भें भारति विर्वासी विर्वार दिया दे दे से सिला हैने ्राक्षिम हे देहि है। ।। भेर हु शुक्षा अधिर अधिर का प्रदेश का प्राचित्र के स्वाप श्राप्त विकास ्रीद्रवस्तात्वा द्रमत्रवाधित्रम् तस्यस्यक्र्यस्य देश श्रीस्त्रम् मेर्रा श्रीस्त्रम् स्तित्रम् विष्वस्य गर्भः तस्याजव्यी वद्याये ना कुर्यकुर्त्य व स्वति के अवत्रे के द्वावर्ष के स्वावर्ष अल्लाका ता स्वत्वादेवर नी त्यस्य मेरे के मार्शे ट्रियेव में त्य्वा मियारे। विराद्या के त्या मार्थित के त्या मेरिये के विराद्या के त्या के त्या मार्थित के विराद्या के त्या के त्या के विराद्या के त्या के त्या के विराद्या के त्या के क्रिलाको वानेवाराता विहिन्द्र्रवर्गितिका लेदी ब्रेक्ट्रिक विद्रातह अर्दे। वार्यर सेर्चित भवाक्याक्षेरवसावयर्। तसाक्षास्त्रिक्यदेशाध्यक्षा विस्मरश्रेसिक्यदेशाला स्वादेश भैर्य विवर्तेरम् रे र्याकु भीवाकात्वयार्येरम् भीरा देवला क्वार्यस्य स्वरामा विवर्त्तर स्वरामा विवर्त्तर स्वरामा म्त्री श्वाक्रित्वे वर्शन्य वर्शन्य वर्शन्य वर्षा परित्य वर्षेत्र वर्षेत्र देशेत् वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर याचेरा हीरक्षेभावर्ष्येभक्षरा भक्षेवर्ष्यभागार्भराग्भवा निरक्षेवर्राचे सर्वित्राचे प्रवेश स्तर न्स्याकेते पर्वात्रात्रात्रा विवात्रात्रात्रेति विवात्रात्रात्रेति विवात्रात्रेत्रात्रेत्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र भे क्षेत्रे भेवर्ते वेदा केरिएर र्भे प्रवादित्व । दिनम्भे मे स्थानम्भे निस्मे केराम् विरामे कुरामेर् पर्राध्याने अक्षा पहासीर में अपकृष्ण योत्री के पर्रार्वे अध्यादियों में पर्रार्वे भागति विभागति । यते स्थापेदा वर्त्यप्रवाद्येती सार्वेति सार्वेद देन देलु स्वाद्या स्ट्रिस्ट्रिस्सी ताकुता सरद्ये सार्वेद देते एक्यान्त्री क्रियोर्यं क्रियोर्यं क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया विकास करें। उत्हरू यहमान्त्रात्रात्या केरी द्वारायहण्यत्या स्थाप्ता मान्याया मान्याया केर्यायहण्या केर्यायहण्या हिल्ला स्थापा स्थाप दस्येनेनेर्भे अरी अर्द्रश्चाराणा तहुं के क्रेन्स्य ह्यारे अव्यान्त्र व्यान्य विकास विकास विकास विकास विकास विकास क्षित्रवाक्षात्रवाक्ष्यः स्वानिक्षात्रे द्रेष्ठतेत्रप्रकृतिकार्ते वाद्यात्रक्ष्यः स्वानिक्ष्यः स्वानिक्ष्यः स्व वरमीर्वर्त्यार्दा वर्गद्वरक्ष्मित्रके विभागक्षिणम् विभागक्षिणम् वर्षे क्ष्मित्रका विभाग स्वामभेगकी विषयम्बद्या तहाँ सीर हा वित्यवर लेक्ट्री के अदत स्वामिश्या र्भवा द्वातात्म्यद्भवास्याद्भवाद्भवद्भा वाव्यात्म्याद्वात्व्याद्वाद्वात्मवद्भा त्याद्वात्मव्याद्वा एक्ष्रश्राक्ष्रवाच्या हुन्त्रक्षेत्रः यद्वाकेष्ठ्रणक्षत्रवाच्चित्रणच्येत्रा तुरुष्टे व्याक्ष्ये व्याच्या "अदेलक्ष इश्रिश्य क्रि.र्वेस्से.र्र्या त्या स्वर्वेर्वे हिंदे हें रामेर्या क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क् भारमा विभानेर त्रेरासरा यात्रेया तयरकायका विस्ति वर्र हिला द्राक्षेत्र क्रिया वर्षेत्र श्रीभावेता सरातरेवसाविषाणायवसायसासरदेष्यरातकणायस्यार्भेत्रस्यावनावेत्रेत्रहर नेरने अवरूरेरखणक्त्रव्यास्त्रवात्रास्त्रेग्वावरूष्ट्राच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रा 

225

•

हर मेर लब्ब केर

• -

सुक्दान्यश्रमाद्रमाधाराने पहुरमाद्वरक्षमाद्वराच्याक्षेत्रमान्यक्षेत्रमात्रक्षमान्यक्षात्वा व्यवस्य में विणार्टराम्यान्यान्त्रम् हिंग्युराम्यान्त्रम् विष्यान्त्रम् विषयान्त्रम् विष्यान्त्रम् विष्यान्त्यम् विष्यान्त्रम् विष्यान्य इंस.एट्ट.च देर.च भाषाचानुः अरुट. बुट.लचा देर.ट्र.मान्छे लाचक्षेराहिट हिनाथना या हेनारहिन्द्रिशादर। गर्दाक्षर्वन्यस्य द्यार्याः व्यद्धयायान्य व्यवसात्राताः के अहुकार्यः। अद्वति विवाद व्यवसाया व्या भुनाबाधनात्मत्रकु मद्रभूद्रमद्रप्तत्त्वत्त्रदेववायात्त्रस्त्रह्रम् मार्थात् भूत्रम् स्ति। यात्रम् अत्यात्त्रम् न्त्राम्या र्ट हैं अर्थर क्रें र के या प्राप्त कर बार्ड अक्ष कर यह के वित्र के अर है अर है द हैं ता के हर दे विकास स सेर. लेश रेय. वररतप्र केंद्र बड़े अक्ट में ता भर कें बाल राम में बहुर । व्रायट रेय. केंद्र ने लर.च्याहिड्यावरात्त्वारात्त्वारात्त्वारात्त्रिक्षात्त्र्त्त्रात्त्वात्त्र्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् मानदासम्बद्धताला द्यायद्विभूष्यर विदेशी सदावद्विभी केम् हारा की वादा द् चाल्मे ने त्या में त्या के में त्या के मान के ने में त्या के त क्रियार्य त्या है। विद्याति क्षियात्रेय। दिद्य अभागकत्य स्थापक । क्षिया विद्या द्भार्यत्वद्राद्भाराताः भराष्ट्रे भराभे नेस्टावराण्येन यस्यतिया। रयतः वर्राद्रेशस्य र् वराद्ववाद्यावार वर्ष्ट्। देरह्मद्द्वावे ब्राज्यामा वर्षद्रम् न वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे चलवा पा इत्रवयातार के भरी पायर में दालावया लूट सेवया कर्रद सेवह मेर वर्ष में या बिगानिया हैरा। सरम्बार्ट्स से बेलदान्या से बड़शाड़ित तहे करान्या सेर. रमात्रवर्रातात्र्यम् । व्यर्वात्रवर्षाः द्वीरार्गमाष्ट्रकी रयत्वर्रान्नवायष्ठ्वस्य । तह्यात्रविताः त्रम् व्यर्द्धश्रास्त्रं तात्विव धीवव द्वार है। देवे स्वात्त्व के देश वात्वा दक्षे तह वात्रा के व स्र अव के मार्टर हैं के बिदा तपु केंवा पांचा पर्व ला। वि प्रविधाकिताकी भी परिटर्न हैं में में के प्रति के विका राम हिला देश्री द्वाववरा कु शर इमा स्रमायदास तायव से तर अवक्रियं तर ही हो में वरा ■ विलय् वस्त्रेव्यक्ष्य । स्रेरवर्र्द्रराटा करा क्रास्त्रेया केता स्वास्त्रेय क्रास्त्रेय क्रास्त्रेय क्रास्त्र ■ विलय् वस्त्रेय क्राय्येय विषय । स्वास्त्रेय क्राय्येय क्राय्येय क्रियेय क्राय्येय क्रायेय क्राय्येय क्राय्येय क्राय्येय क्राय्येय क्राय्येय क्राय्येय क्रायेय क्राय्येय क्रायेय क्वार्मभवाद्यम्भासाहर्। र्वास्त्रम् वेरवायस्याद्वर्धर्भवात्माक्षेर्ध्या क्षेरक्ष्मभाभेदर कुर्त्र र्मात्वाहरा मितात्र्वाहराम्यात्र क्षेत्र मात्र क्षेत्र याद्यत्यहे नानेत वसूरा देर:श्रेरायम्भन्दरं म्बानाक्ररं देरा वर्षेत्र वर्षेत्र देरायम्भन्दरं म्बान्यः वर्षेत्र धुरुकु एक ए. मुभु में राम हम वालय वसर वसर वसर मार मिर में के वा वा वार में है. क्रिनेट दे सेर (वसर्म हिट रामवा इसमार्किर देश केरा। स्टानिस्ट न मार्थ र में स्वीसर विकार अ. छ. ४वेश प्रयासिया तार् वाह्रान्यर वया में वा वहाण हरी सेवा वर वर हेया है। सेवा वर वर हैया है से महिला करें लमा बीर की बर दी, व किया जार की रे के किया है की किया की है है है है है है है है है

रत्याता मार्थातम् । द्यानामारायमात्रेत्वकः वाक्षाद्वाता अहर्यक्षित्रादाम्यायायायायायायाः प्रवास तर हुना रे. चूर मुंबा शुर विमा (शुर्वभगः) न्ये विवास आ रा. वृद्ध विमा अर देश वर्ष पार हिरो शक्ष पार्वार्यवाद्ये प्रवास्तरका न वराष्ट्रियायस्त्रीयात्रेराचा सुरावादेवीया प्रवास भूभाक्षिणविष्यर्थः व्राप्ताक्षरात्र्याक्षरात्र्यः र्भावाक्षरात्र्यः र्म्याव्यान्त्र। र् 3,5 क्यातिर्धाम्त्रीत्तर्भित्तर्भित्तर्भित्तर्भित्त्वत्त्रात्त्र्भित्त्त्रित्त्त्र्भित्तात्त्र्त्त्तर्भ्तित्त्र् 4 मिला बोह्या क्षेत्र एक लाईरी अंग्वराक्षिण होरी यावन आये अंग्वर आर. शु. मंद्र मां विश्व के प्राचित कर कार्य स रें शुरसरायातकर करे राया वरारे रहामान रिकार केरा विकार केरी के भारत केन . -वर्षित्वरान्तातार तार्वर क्षात्र वर्षे वर्षा देवर्षे मया वर्षे हरार्ष्य तार हरा है से तार वर्षेत क्षेत्र विषयक्षेत्र विषयक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र (वह्रम्) वेषावस्तर वेरा वर्ष वयन निष्य वयन निष्य वयन क्रिसे रे. क्रियरे या था और किराश त्रेश पामा सेर टे. एटेंडा ने हा हाकर मूर्य मार्श्वेशका पर्वेत ताए दिस्ती 531924 अम्बर्ध हुन प्रमान प्रमान कर्ति क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार्य हुन कार्य कार्य हुन कार्य कार्य कार्य हुन कार्य कार्य हुन कार्य क देन इम्बलकुर्य नाएक ता केवा क्रांदर स्रदेश वर्षेत्र वर्षेत्र क्रिया क्रांत्र हरे गुरः । द्य ता क्रां व ती लेखे १ नाम कि विवसायक्षेत्र दिन्ति विवस क्षेत्रप्रमायक्षेत्र विदेश क्षेत्र देश विवस्य प्रमायक्षेत्र विवस्य विवस् (morkes) बाब्र के. क. कार मार नाया क्रिया के वार मार्थ वार मार्थ वार मार्थ कार मार्थ के कार मार यर् जनर्या है. सहण (पहण) वल समन गर वि वेर विरा में मेर देनए सूर स्वा श्री सुना मा भे ने नेत् जात्युत्यसं तातीर नेत्या त्वातवावामायते तत्वावासास्त्र त्यात्मेर्नेत् केवार्ष्यु (मिर)क्षमणु सैर (१६९) जूर भु परंप (बरण) है। बूर सुबारा के नावण वर्षे हिंव प्रवस्ते भी वावण र भूध भीषात्रेत्र करिंग किर देन किर है। देनर कर्त व्यास्त्र प्रेर देन केवण के स्रेर रेनर विमायन म धीर में र.दी जिलासिर में हेबा बीर जर्दी कुलहेबा र्स बाज करा में र. वर्ति र. व्रेस हो। बीर बीर कुर हो से प्राम्य र प्र र्मार्म्यानुवार्म्स् मुव्यस्थरेर। ह्रद्यार्मार्मित्रिक्ते। सम्बन् स्थान्यान्स्यो स्वास्थरे 

क्रिंग्रा क्रिंग्र्र्य असामिता है। वित्रा भेरा मेर्ग्या (स्वयम) योषेता स्थारा पर्या प्रदःमधुःदराक्षे वरी द्यापर्रात्वेदाक्ष्यं महाक्ष्या क्ष्या याता क्ष्या माना हैदास्य भी भी भी भी मार्थार्। र्यत्यास्य अकेर। पर्यासी राज्यास्य स्वासी स्वार्थित स्वर्थित स्वार्थित स्वार भर्त्वायदायात्रक्षेत्रं (भक्राक्रिक् देशरावश्यात्रीत्रत्यात्रक्षात्रिता सावक्ष्यात्र्र्यात्रेत्राता र्जिट.सेवाबाता.जे.ब्र्बाकीर.वड्डा जपारेशवा केंट्ररेटवर्बरेटि.लुका रेशप.डुर्ड.रेर.बट.से.ज्र.री शुट्रयम् तल्याचित्रत्त्रयेत्ये हिट्रयम् अम्यवित्रक्षेत्रयः स्वात्यक्षेत्रयः स्वाप्यात्वरः स्वाप्यत्वरः म् अवतः अपद्यासीर वो अर्छित। र्थतः बर्रितामार्थका वर्षेत्र सुत्रा र्थका रूपेवा देव वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र ड्याची हित्याचा में बदाल्येरी रामेश्वर्याय बदायमायरेय निर्द्धार्यार विषया के प्रकर् र्:रु:रे:वर्:थर:यमानेमा हूटके:त्राम्यक्टिर्वारु:तर्व ।देवलवाह्यर:रव्यवात्मात्रेर। देवल क्रीर.देशाल्य इव.दी देवासेवासेवे.सुण.सुण.रहा देवपणुहर्दनप.वू. बूब.सिर.रहा सुह.सेवासेवे. ब्बाक्षिराच्छला रतिरासूरापुरदास्चात्रकात्रकात्रहा पह्तास्त्रहाराक्ष्रकार्भी विष्ट्रकार्भ म्बा (ब्रम) मित्र शक्तारें दरमध्य द्विर मेर त्या कर्ण र त्ये मेर र पर त्या करा मेर र मेर मेर क्ष्रं इसका माना में दरमते में का का तहिया। वा में वाके वा प्राप्त माना के विकास का वडट.ज्ञाला व.वे.रुव.कृषे. राजिया पार्वेच विकातिराश्वापक्तिः द्विचा. स्ट्री साववार्षिट र्दर द्वरावस्त्रम्त्रीरं विकासनातानेसम्ब्रेणन्विन । क्षेत्र्यद्वसम्बर्धरेन स्त्रम् युव्याति महुव्यं (सहुव्यं)क्रवारा व्यावार्थिय प्रायात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र नुवारा रहानुवार्थरामात्राम्यारामः स्टारम् मारायम् मारायम् मारायम् नामद्रामः(त्यन)है। के स्टर्यमार्थः मद्राक्षेत्र के वित्तर्मात्रे के कि वित्तर्मा देरान्द्रश्चेत्रवराश्चलका अरमाय के स्पूर्वा कारा स्टालका के प्रता देराम हेना स्पूर्दरावर विवाध्यर्यते वाह्या व्युक्त वा तिवा तत्वा युराक्ष विवा विवाधिया । त्वा क्षरा त्या व्यू व व्यू राया वा वारा विर रदाता को देदर रे ब्रोला ता का कर्य दी किटर हैं किंदर का खेद का देवत के कर्य कर्य कर की का ला कि का ता का कर के रित्यास्ति द्रा दुः दुः दुः दुः द्वा अभाग्याद्व अभाग्याद्व अभाग्याद्व देत् कि व तारा वृत्य वर्षः द्वार स्वर स् रूप. श्रेत्र,रात्र, ल्या. (यात्य) केशया ख्रवयायुदाहाकटा श्रेत्रिया किय्यु ददात्रया सिदाम पु. थे. व. अयोक्षेय्रास्त्राः इत्त्राः स्.सूर्रे. द्रशासक्त्राः । र्यात्राक्षरः क्षिरः तीपाः व्यववितः सर्यात्र र्श्वया द्रावेश रास्त्रित्या भवाहे अवव कुलक्र्रित देर्वाह्मक्रियं वर्ष्य व्या भूत्रास्ट्रास्त्रभक्षिणा कुर्या श्रदाक्षेत्रप्रस्त्रम् अदाक्षेत्रभव्याच्यास्य (युन विवास्त्र मुन्य अपारे दिर वर्त्वरा देशकेरहरा विवाय वस्तर दिर समा क्षिण रेपर नुवा र.हे.(हेथ)वर.लड.ल.में ववाववर.तत्यप.इम.ब्रूश.क्रम्वप सेवला रेए.वेव.ब्र.सम्रदेश.

भुन्दै द्वरक्षिरतकः विद्वन्त्वरधीद्वत्त्रेत्रक्षात्रम्भक्षात्रम् रित्तः स्मार्थिक भूति श्रीया वर्षेट्र (ब्रुकाल.) देव्र दश्य वर्ष्य देत्र दश्य वर्षित । जिर्द्ध वर्षित है है दि वर्ष व कृत्या वेशक्षित क्रिट्ट प्रकृष्ण विदायर्था पाता कर्या के दारात्में वासी क्रिक्ट महिन । दाया करि शुक्तिर्यात्र्याः वर्षाः स्रेत्रवर्द्धसर्स्वरव्यवा वर्षाः वर्षाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः राष्ट्रां की भीवर्रक्षित्र वामातवाद्वा ।राष्ट्र अर्द्रत्यक्षातान्त्व ।वर्ष्यं त्रावाद्यक्षा अवविधार्थात्वरवर्षेर (गर्र)वयवर्षः देवात्रेर विद्यु विदान्तायाः श्रीत्रे हिंह्यं विवास्य कुरायित्र क्रियं व्याप्त विस्तित्ये भूष्रपाता शुर्वा मृत्रे अवे. मृत्रे अवे. मृत्रे अवे ता भूषे ता भूषे । 15 m [ ] अर्बाश्चरेत दाक्षिटाक्षटाएकोश्चरावारमण्यरक्षित्वार्भावार्थेव रसर्र्नेगर्भरेश्याद्रभावाद्रम्यात्र्रम्यात्र्वेषाक्ष्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् वस्तिकार्षात् के माद्रवर्ण भाषा प्रविद्यात्मा द्वित्यारहे भूव दक्ष मव के द्वाल अवव पर से महावर्षात्मा वर्ष विवायरकी सर्मेरी वावनाक्वववि अध्यवपायर्थात्यं रिया प्रदान्त्रमा निर्मात्य वर्णा क्वा अर प्रवास प्रवास अत्या यह स्वा तार महिला विवास वर्गाय परि देश। वी अवत (अवत ता) वर्ग वर्म एक रहेरी स्व में में मानवाय हर परि दे र् करा कर मूर्रतिर श्रेण (मृंग) इर्क श्रेटम्रेर्न र मूर्व वर्ष्ट्र पात्रवात्व वर्षात्व वर्य वर्षात्व वर्षात्व वर्षात्व वर्षात्व वर्षात्व वर्षात्व वर्षात्व व कुरार्वार प्राकृतिके अक्ति राजिया हरी रयत वहुर वाव वा व्याप है यह के वे वा विशेष के ताअत्वाचानुरः। तर बोति अदुवादु क्षेतु के वरादूर तर से अवाक्ष मानवा मति देश किया देते किया 7203/2/5/ अविना नि अश्रक्षरात्रे बेटाम जर्म अर्प पर्वा किता मुं स्टिश के मावण पर्देश महिर वर्ष केर कर् お日本の之 हिराश्चित्रस्थलप्रदाम्यापर्यः श्रे अत्राप्त्रम् स्वाक्चित्रे स्मा श्रीटवित्रस्याम् अस्य 9 151/13/ भुणावाणुन। भुम्बन्द्विस्तादर्दरत्यर्र। रामात्रियार्वायस्त्र्वत्यास्व सेवयाद्वरात्र। स्ट्रा 10 White fird के कुर्व भा में कर किया कर के किया महामा निर्मा है वार के किया के किया के किया के किया के किया क परे.वधुर्ताप.में बायाक्ष्यायिदयाताया । व्र.वेर्ट्यायवयायस्यावस्या इ.वर्ट्यत्रि.युरः दर्भावता द्रंदे सम्माध्येयत्रेद्रं पर व्यवताम् में गताहेग रताहे व्यद्ग्राम् वर्षेत्रं पर व त श्चर्या हैर। वदमार्टा ताबिताला वर्षेत् (पर्वत्) का बेशा में साम्येता केरा व्हर पटा की मुन शुःशुःर्वायम् वावी द्वेरः दृष्वे। धरः स्थाद्रः तावाध्ययस्य त्वा देवतः दृष्यावयत्वता हर्गार् खुंब. हे अह्याता देदार्यात हेब्दा परंत्या अकि केंद्र बाग्र प्रतिवादरी अकि सर बाती प्राची व परी याच्यान मिर विरम्निर दुर पर १ व सैंपानमा भारता पिर ही क्र वर या मान व या मुर देर दुववला

मुद्र। श्रेशनयुन्यानायुन्दस्य दिर्दे स्वाशनमास्य दिद्रभ्येशया विश्वास्य द्वारा विद्रास्य द्वारा विद्रास्य नश्रीम् की स्वति वर्ति । इस्तार्त्य क्षेत्रार्त्यकी स्वराष्ट्र वालाका वर्ति स्वराद्या हार्ट्य वे वा मर्गात्री गर्भात्रहर्द्धः है। श्री श्रीमाश्राक्षात्रहार्श्वराम् वाद्वत्वेशक्षात्रा पत्राक्षणातवारे हिला ह्रेरा वार्ट्र खाचर हेला हेर है द्वे हिला हेर । के वलर होंव प्याक्ष क्रह्मला मेरा हे हिला हुरा देते हेरा तर्वा यति देता में त्रा क्षेत्रा व्यवास यति है । व्यवस्था विश्व है । इत्या द्वेर। दैररगरवर्त्वा में मलकर व्यक्ति हैं से दैररगर वर क्यु मुजयक देखें कुत हैं में प्रवास में ते के प्रकार के ते के का का माने के ते के के किया के के ते के किया के किया के का किया के किया के कि म् यात्रा (केंक्र) वाभागात्रात्र हीयाह्नेत्रः वान्त्रा भागवात्रही केंद्र विवाभाव हिलाह्नेत्र स्तित्र वास्त्र वर्ष वक्रस्टर्व निताक्षेत्र। अहराक्षित्र तार्मर वृति स्ट्वनिताक्ष्या वर्गा वावायात्र रुपा अधिर वावभावीत्रीतास्त्रा अर्चन्वभावीका मरायावीत्रीतास्त्रा वाववात्रार्गर्गर्थतास्त्रीतास्त्रा प्रक्रिक्सिम् भूगुर्ज् कुराक्रिर। कैपार्यपुर्वेपकर कु पर्या गुर्ज्य कुराक्रिर। श्रेश्मित्र प्राप्त रतक में वापत्र अविवासित्र। स्वापत्र रतक में वापत्र अविवासित्र। से वाप्त रतक में वापत्र अविवासित्र। से वाप्त प्राप्त प्रवासित्र के प्रवासित के प्रवासित्र के प्रवासित्र क पर्व तिवारा ने क्षिपार्श्व । देवसातुः कृति वा इसावाद्या स्पर्ध के ति स्था वा व वर्गरास्त्रिकुराकुर। अम्बास्यायह्मकुर्रस्यरादेनिकुर्याकुर्र वात्यकुर्यायवेशयह्मायव्यर वृद्धितः ब्रिंदा वर वैद्यवीभातपुर्नेश्वातकुर्यतविशः वृद्धितः क्रिंदा केदालाका व श्वार रदावत्रवादविद्व हिमार्श्वेर। शहरतस्याद्यक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्ष ब्राचार या पर्वेत्र वा शर वे हिता हिर। विशहर विवय हरे वा श्वेता पा वे हिता हिर। रह है सामवा व ्यक्री विव सर वेट देश अहिए। हैंर। के अवस्य अवस्थ के अवह के अवह हिए। के रा अक्ट हे व प्रधि अव पार हो. मुल्ट्डिल.ब्रेर इरट्ट्यरवग्यवभिमालवुड्डिल.ब्रेर देरेट्यरवग्यावम्भमालट्वेडिल.ब्रेर र्त्यमान्त्रित्वाक्षस्यान्त्रर्व्हिम्बद्धिमान्त्र्र र्यास्यम् र्यात्राद्धः र्यात्राद्धः मुन्त्रेन्त्रेन् विनायस्य स्त्रेना अज्ञात नुवान है। भ्रामणनारगरवगात नस्या प्रामस्या प्रामस्य प्रामस्य प्रामस्य देवा देवरारम् स्यापन स्यापन के विद्या के विद्य के विद्या के अर्थेव. मृषुकिताध्रेयं ग्रीयाक्रीमानाम्पार्यः । न्यरामाना याद्यः प्रकृरा देनग्रामानः । वसमानदीयदेनपरि नर्नायात्वातः स्टाः वाक्यात्रः द्यारद्यते वाक्यात्रः द्याराद्यते वाक्यात्रः वाक्यात्रः वाक्यात्रः द्यात्रात्रः वाक्यात्रः द्यात्रात्रः वाक्यात्रः द्यात्रात्रः वाक्यात्रः द्यात्रात्रः वाक्यात्रः वाक् र्ते = | र्दिर. ब्रेंग्य. म्ब्राट्स. लाय. म् र्याय. श्रेरकार. क्र्या. स्ट्रेंट्यं = क्रि. ब्राट्स्यर हिन वा क्रिया. वु=। धेव्राक्त्रदर्दशरावधासाधीटार्वः। अज्यत्राह्मा अज्यावहार्वाः राष्ट्राविद्याः र्भ नेरंतु = रेक्ट्रहिंदशुश बेंग भागव बेंद्रु = नरा विकिंग परे लूरे वें = किंद्र किंग परे लूदे कें र्शुल्यासर्देवा.श्रित्रात्राः चात्रमास्रिक्याः वर्षात्रमास्रिक्याः वर्षात्रमास्याः वर्षात्रमास्याः वर्षात्रमास्य प्राचुः विश्व मिया प्रवास्तुः प्रदाने वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे दे विश्व मिया वे वे विश्व वि इ.र्युः शर्बेव.रायुः वरःवता सेर.केव.रायुः श्रीट.वेर.प्रकृतः न सेर.रे क्रिंर.वरास्ता

चराक्रियाक्ष्य मेशनाश्रक्त, बादु बाद्यु द्वाद्विदाध्य गार्थे। दिदास्य ए विदाद्य से दाद्य में क्षिये ए हिदारा सा रमर्यमभभाश्चिरातावर्ता राष्ट्रेश्चाववर्षामात्वर्तातामा सर्दरमावस्थाञ्चातावविवर्द्धवर् क्षात्व क्षात्व क्षात्व्यात्वर् । वद्यात्व क्षात्व कष्ण क्षात्व क्षात्व क्षात्व क्षात्व क्षात्व क्षात्व क्षात्व क्षात राभरतायमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त क्रियंत्रेश्चेश अस्तर्भेत्रायते अस्ति वीता क्रियं भ्राये विकास वर हे वर्षे व्यादा वर हे वर्षे व्यादा वर वर वर व नरंदर किट शुर्धे अपास्य से हि. मुर्ची. जालक्षेत्र थे हैं ए जा से वर्णा शुर्वा है र जा अवस्ते। यह विशिद्यसीयात्ताक्ष्यश्रेयाकीयाकीदार्द्धदार्द्धयाक्चित्रम् स्वितास्याक्ष्यक्षयाक्ष्यकीतास्य वारुवासार्वाय व्यवायिहा। द्यत्यार्थिव सामा द्वायार् में वार्षेटा त्रा में दार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित (अम्) र वर्षेत्रायमान्त्रितामा हिद्यायकाम्ब्रामायाक्त्रायाक्त्रायाक्त्रायाक्त्रायाक्त्रायाक्त्रायाक्त्राया र्ह्तद्रभ्यभग्यूटरी मितात्र पुर्टेटरेरपर्यं भवश्ये किटाता क्षेत्र हिटालपु विशास्त्र में Xages सूर्याष्ट्र त्रीटस्री स्थान ब्रेंबरी. यह क्षेत्र स्वादी स्वादी स्थान क्षेत्र स्था क्षेत्र स्था क्षेत्र स्था क्षेत्र स्था क्षेत्र स्था है स्था क्षेत्र स्था क्षेत्र स्था है स्था क्षेत्र क्षेत्र स्था क् भू अर्थ्य क्रिस्मित क्रिस्मित हो । हो स्ति क्रिस्मित क् र्मग्रमानुनातुर्मा द्यायते देवायते देवाय देवाय वादवाय वादवाय वादवाय वादवाय वादवाय वादवाय वादवाय वादवाय वादवाय लीटाक्रियाम् वित्र प्रदेर वर पार्टर । यह देवा वा स्वर क्षिय क्षेत्र क् र्सि.एकरमास्वर्षक्षिणज्ञित वर्गक्ष्यणवस्व यात्रीस्ति वर्षे पर्य परिषद रे. दे. भावविषया रश्चेलमा श्रीटारमास्त्रियास्त्रभाषा क्रमक्रम्यद्रम्यहर्भा वार्यद्रम्यभादरात्रम् न्त्रवाक्षेत्रे स्वातः यद्या व्यद्वा क्ष्ये वाक्षेत्र विष्या । श्वीदः यदः द्वा देवा देवा त्रामः तर्व । र.र्जिट.अ.वे.ज्. से.ज्यु.सेंचे अ.वाश्वा.वे.वाश्वार्यातप्र.सेटा रे.वतविवात्त्र.अवायावाया ब्रूट्रियम्ब्रियास्त्रित्रे देनम्पूर् सेन्यूरी सीश्चायक्तिर्वत्त्र्युट्रियम् प्रेत्रात्रस्थायात्रस्था या तर्श के द्वारा ता त्वीया के हर सर ता प्रया ता गुर द्वारा में श्वीय । श्वाय शक्र दे से या ग्राय र दे स्ताता वटाम्यास्त्रवास्त्रवास्त्रवा । यटाम्यावाद्यास्य व्यविते क्षेत्रास्यवस्वर्राह्यः। 3万岁 केंग्र किर केंग्र वा वा वा वा प्या पाया हूरी रि. एसिया वयकी किया त्रांकरी याद्व न्यं मा वाहमा मा (रंग्र मा मा) अहर्तरारि किट्रेखिंग केररेरी गरेश पर्रा किल्य ग्रेबिंग केर लिया ग्रेबिंग के में ते लिया में में में के के में अक्शिकि ता कितान्त्र विश्वात मुनीरितातिश्वाता शुकार हुट अम्मे वयवता वासिट विषयित । भूकर बिद्या मेम् वावर म्याया अहरी कु. कुंगु तर्या त्याया त्याया द्या वादा वादा वादा वाद्या वाद्या वाद्या वाद्य अहूर। र्हरशक्ष्यमुद्रक्राम्भात्रात्वा क्रीर में बाबर जन्मर के नेरा क्रियक्षा मान

चील रेचार्यवातिरत्त्वराद्वतात्ररेव । ण्यक्रिरंड्रियता लयक्रिरं येल। लयद्ववायक्षेरं वेदलक्रिरंदुर

चर्षः(चर्षः) किलाम् द्वश्यं अवविष्यशयति सम्प्रदेशस्य स्वरात्वस्य विष्यः) र लवे वि वपुर्माकुर्यात द्वामानुरम्भेटा विवर् हेरास्या व्यव्यक्ष्मानुरम्भात्र विद्याने वाम्युवी क्यास्त्र १ वर्गा की ही हिराता सीर में वर्गा स्वाया स्वाया रहा वर्ग वर्ष में वर्ग की एक वर्ग में वर रिवर्ग मी देशकर ख्रवरा धराष्ट्री देशविक्तार्यते मलदर्श यादश्च मवद वर देद स्वेत या सम्मानिक स्वाद कर मैंग्राडिमार्टर। रद्युतिमासूबान्ववधानातायो देवातात्वविधारात्वसारे वद्द्रके वद्द्रिता के द्वेव इस्राक्षेत्रक्षेत्रात्यात्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् महिंव: इर.हर. । क्रिया सेपारेश हिंदा में या भेवरा विषा प्राथमितरा हो हिंदे हुंवारा में मार्थ करा है इम्स्रेर्थर्त्यत्रे ववास्य वर्षे त्यक्षाया विद्वारा दिस्ता वर्षे व कुं मुद्राम् स्वार्त्रा द्वाराक्षा हिट व नवाम महत्या दे स्वविद्य का मार्ट देर । भागवास ग्रास्ट हिन्दर्ता अर्थ के अर्ट ख्या अरह अरह अरह अरह के देवल हिर रह श्वे वर्ष स्था सर सिर सिर व बेर.वया.कूर्। बूर.बूर.रह. कर.एवर.अट.व.र.म. स्था.स्था.ये व.र्. त. पर. व. कट. प्रेय । ह्रू.र. रवर्षात्म्याः रात्राचा याद्रात्म्या व हर्रारह्में वर्षा विकाय विका प्रविद्राश्चाद्यम् स्ट्रीम् हिराये। क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् मुस्राल्यान्त्राम् अत्राद्धाः केदाक्षाः वार्षेत्रा राज्यात्राम् राज्यात्राम् वार्षेत्रा विराण्यात्राम् वार्षेत्रा कुलस्तिविष्ठे वर्षात्रकार्य देवलक्ष्यकार् स्ति। दलक्ष्यःदीलयः सम्मिन्ने वर्षात्रकाराक्ष्यः क्रे.बाक्षरपाद्धर क्रिर.क्षेर.वर्र.चर.विचारा.स्रा वर्ष्ट्रवर्ष्ट्रियम तत्रव्य.खट.रे.स्रवःतता रातःस्वार. सूरक्रिरतर-जूरप्रदेश विष्डिड्रर्रर्ग्याचे विष्टिड्रर्ग्या विष्टिर्ग्याचे विष्टित्या विष्टित्या विष्टित्या कुलद्याम्यो श्रीट्स्यमभक्ति, मूर्ट्रेर्ट्रेर्ट्रेय्यक्ष्यम् विद्यम् विद्यम् विद्यम् विद्यम् नामर में प्रतिकार्य्य अज्ञर देशकार जर रेड्ड अर के वर के ल के वर प्राप्त पर्व प्रतिकार प्रतिकार ने तपु.के.स्याधुन.कर.केर.क्र.पू.पू.चर.रे.च्यप.कुर.) क्रिलक्यार.पूर.रे.एक्प.कुर.यथना रेर. क्षेत्रम् स्पृत्यत् वर् द्रितहरा वर्षा क्षेत्राक्षम् वर्षाद्वरः दे लदः क्ष्यात्रे क्षेत्रकर् के वहरादे वर्षे व द्वार द्वार के कार्य स्रिचीर्वावेशम्बर्म्यायायक्यामक्याम्बर्म्याम्बर्मा स्वाम्यासः राष्ट्रवायायम् स् वस्त्रे सेवराद्री कितात् अट्ठवर्षा द्यारमायद् भेर्डिसाम्बर्धक्षित्रे में में मिरवर्षेत्रिंशिय व्या किताम्रियरकरस्याके जयर्गम्यम् मुन्याकाक्ष्मियाकाक्ष्मियाकाक्ष्मियाकाक्ष्मियाकाक्ष्मियाकाक्ष्मियाकाक्ष्मियाका रिब्राट्या श्रीटार्यर्द्रिश्च्यायाया निर्देश्चित्र के महत्त्वा श्री महत्त्वा स्थानित स मेट्र.पाअश्चिता, पहण्या हेवा शाता वा हेवा शासिक करा। रेट्या सेवार तपुषर सेल्या सेल्या है मिलाक्षाक्षात्राक्षात्र्याक्षात्रात्रात्रः रवतःवद्दर्भवावातात्र्यायात्र्यायात्र्याक्ष्याः मेतरः शु इशक्षात्रका एहरा पा आक्षक्ष क्रियार्टरा विकासी हेव प्रते प्रते प्रते देव अप मार्थित है

वि. तु. भेर ति. सेर ववसा सार्ट विया । दे. में से या मवा व अर शुर र अर अपूर वि वे ता इरा देल्खूल-भागरायवालक्ट्रेट्स्क्रियायायाया वर्रद्राम्ब्रह्मात्र्यायायाया यार्) वाववास्ति शिक्ति तास्त्रास्त्र तारम्याद्र वाद्रम्यादे प्यराक्षे सेवाद्रावस्त्र केतास्त स्वराक्षितान्त्रां भारत्विताका वितः विद्यान्ता दे तिराद्या वा एकद्यास्त्री दे दे दे पर द्यायादे ता त्रावे. र्षुत्रित्राम् व माशास्त्र। मेट्टापुत्रहरात्रित्रे देशका सम्बन्धिया स्थाप्ति वारास्था मारा वेशानगूर,जूरो क्रांगार्ग्यंत्रां क्षेत्रार्थः प्रत्याम्यान्त्रां ह्या वर्षायां श्री बोवदावः राया गरिन्द्र । वर्ष मेंव (वर्ष) विक्रिय (वर्ष) गरा विवर्ष भारत में देर का मितर में राजा राभासक म्यार विकास अम्बर माला त्यार करा हिर क्रिक्ट हैं। स्ट्रिस हिंदी स्ट्रिस हैं। स्ट्रिस हिंदी स्ट्रिस हैं। यूजात्त्रात्रात्रात्यात्रा वि. हर. जरवार ल्यूरेच र. हे. र र रूचा नवाकू वे वि. वर्ष स्वता द्वार स्वता वर्ष प्र. ? (१९४:3) बाह्रद्रक्व । द्रह्रद्रवापर्या किम्मूक्ष्याक क्षेत्रका अवस्था विश्व हर् हर हर द्राप्त वर्द द्रम् र्रट्य अधि अधि अधि । र्रक्षिय क्ष्य । र्रक्षिय क्षय अधि हेर्द्र अदि विवास अधि से र् नध्यार्थियात्रेयात्रे। मानवयात्रेदवमामाकूद्वा राक्त्रिति क्षियात्रेद्वतात्रेद्र। विश्वास्त्रेद्वा क्ष्यामर्थकुरमातमा के.के.स्रम्ब्र्य्च्यामिकाक्षितामामवनाम्हा च.एहए.र् स्रित्वमास् (अरेर) धर व से मृत्या हिता हैर दिय वेर शिर देर स्ट्रेर) हिर देश व स्था के विर दे र विवास व (४०२) व. च थेता. क्रे पा. में अर्था. देण. क्रे अ. ए च्रें व. दे. र ८. पाअ. रे. में चे. हर्। वाषेत्रा. मु अर्था. हे. स र. श्र्वाद्धरक्षित्रक्षेत्रम् द्वार्थरा द्वार्थक्षेत्रक्षेत्रम् स्टायर्थः त्यन् वर्षेत्रम् देर्रायाय्ये रिक्टरान्त्रिं पहरत्रेश्चे वेद्वर्षित्रे वेत्रयाच्चेत्रवा केत्रयाच्चेत्रवा केत्रवा केत्रया केत्र याना स्वता (जना) अद्वता) अद्वता स्वा है. शेंच है राज्य हैं राज्य ह थ्टा यथना मृष्ट स्वामत्यर क्षेत्र । एवं मार्ग (पर्वमाग) तामा का हर मार्ग मार्ग हर् से बाह्मरा में खेर. म् मार्म्याक्षर्वः स्वाक्ष्यः भारत्त्रेयः इता क्ष्या भाष्यात्य। वर्ष्यं वर्षेत्रवराष्ट्रेयः वर्षेत्रवराष्ट्रेयः म् वारायिताकी सेवाराकी रहेबाराता । व्रावेदश्रामेवाधरा विवास में मुना विवास में में हैं वा या मिद्या त्रिया क्रिया व्या व्या विदार् परी क्रियो रायर में इत भेषा (श्रेया) या आक्रिया क्षेत्र क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्षेत्र क्रिया क् श्रद्भारमा सरकेत्र वर्षेत्र अराद्मार वर्षेत्र के निर्मा र्द्ध्यं नेर रवा हु दुव य। रिरायः ग्रूरं मुद्राय्य । श्रीटः क्षेत्रासूरं / व्रह्मा वर्षः (व्यक्ति) स्व वर्षः व्यत् कावायः दे दे द द्या वर्षः स्यास्यायस्य स्थातवा स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यस्य स्थात्यः ॥वर्षक्षिक्ष्याक्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्या चीर:धाराष्ट्राच्यःदेशःभवे॥ भूत्र देशाल्य स्वास्टर प्राचार हर स्वास्टर के स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर र्जिट्टरभयाद्युः से स्थर दें । ब्रें बेट शुः दे ब्रायुका के प्यववका ता केर भावतवका की रें वका से र बेट दे र

क्रीर रिमा शे हे बोहुल में देव जरही संदर्श र देव व अधी रामा हिर हे में रे र क्रिया व सरका है। क्रिके

1 burn

सेश.तरा। रिट.भु.रेश स.कुअरए.वसूर। रेश.कुरतियक्ता.कुश.सूर.यूर.यू.एकर.पर्येग.तश्रहूरः थ्या एड्रियान:यूड:सेर.एड्रें अ.वेश.तर.द्रं व्या.तिया र्र.वर.विताक्ति.क्रेंग.क्रे.प.क्रेंग.केंग.क्रेंग.क्रेंग.केंग.क्रेंग. यो की पर्ति विकार के वा बाहु वा की वा के पहुंचा पा वे का हुन हुन हुन हुन रामान वा की देश हुन हुन में विका मान्द्रीय मान्द्रा मा यगण्रीभाषाभाष्ट्रम् वर्षा वर्षाम् स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान म् ता भुक्टापब्राक्षात्वरायाव्या हरी देवरायस्कारका राष्ट्रया वसूरा तथार्थकीर (सुर) तर माले क्वलक्षेत्रे वलगरेल हरला हरा स्थाने क्षेत्र क्षेत क्रे.अ.बार्ड्या.ब्री.साब्रा.एट्या.ह। व्यापा हुर.बार्ड्या.ब्री.बार्ड्या.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्रा.ब्री.साब्री.साब्रा.ब्री.साब्री.स इत्यर न्यू के सर्टी चन्द्रिय में रें त्या के तर पहिला के तया देश में या वर पर के ति द्याक्तश्चित्रं राष्ट्र) के ह्यारक्र हे अ श्वार प्रवास हता क्षेत्र प्रवास विद्या है। देशका भूत्रम्याभूतः भवतत्रयात्रापूर्य तहतः वानुवास्थरातः तुसंक्ष्याताः भूता हिटायसंक्षता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता ल बाबरी कररेब्याश्र के अर हरे। अ मैलवर्बा र बि.में मैला श्र हरे जमालबार्या कर १ रार्। त्यारवारः व्यान्त्रः स्वायवितास्य। सर्रिरः वाहर वाहरः वाहर्षात्रमास्य कि वर्षाः प्रहेर। त्यारवारः रक्षि वाहरः मध्में ने अर्ट्स के रहा कार के प्रत्या के रहा कार की विकास के रिस्त के राज्य के राज् मिमलार्दालकार्ग्यस्थिका हर। देलातकारार्धारकार्वारकारका दरास्का अक्कार्रात्मा स्वापारम्बर् मार्था स्वापा इर। व्रह्मायमाराद्वमायर व्याप्त सर्प्यायम्भवाद्यम् व्याप्तर विष्यम् विषयः लुवा भुभवनाक्रिक्तर् ब्रार्डिंग कु स्ट्रिक्त रक्ति देवा है। क्षित्र के किया के मानुवा कर कर नर। क्रद्रियमर्श्वी.वी. गुरापर्रे.हरा निष्ठेर्यमा कार्यवर्धर (क्रय्यवर्षर) पर्रे हरा। र्निट.क्यु.अर.दे.रडियाम्मुर्थरूर्। कुरायी.द्रितेस्यिद्याता। वि.वेद.यु.एह्यामान्त्रेट पर्मायिक्षिकारार्ययस्यामितिक्षाम् । विदर्मानिकार्यम् । विदर्मानिकार्यम् । विदर्भविकार्यम् । विदर्भविकार्यम् । कुमाधर्माताम्यावनासूर्वातक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्याः रेरेट वे नार स्वाधित न हमारेन हर नायवर के सायक वायर करा कीरा दे साहर नायर गर्द्य। क्रम्यन्त्रकार्याः व देन्दरक्षियिः रामम् त्याया तर्याया वर्षः व्याप्ति व व विम्राहित्यः व व व क्रि. क्रियाव सेसा स्था क्रिया देता है लागा वर्गा हो हो । वर्गा हो । वर्णा हो क्षित रमग्रद्धःश्रिक्षःश्रिक्षःम्या सार्वा सार्वा सार्वा स्थान्त्र । स्थान्त्र स्थान्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व प्रवेश्नर.जास्री पहत्राधीर अटक्रवंक्षणदादा क्रीने क्रेने क्रांत्रा स्थापालका धीर रगर. द्यतः वर्द्रः क्रान्त्रे र्वः दृष्ठे : वर्षः क्रावशः वरः ही द्यवः वर्षः क्राव्या द्यतः ता । स्रिंश्वर्तिकर स्रोति र स्राम्य अवस्र निर्देशका है । र्मेर्वर म्रिंश्वर्तिक क्रिंश्वर्

र्म येव

2azz

क्षा भेत्रमहें प्रथा रेशायर अकर।। देश वेर भेवल श्रीर या मुख्य श्रिर विर में भूर रक्षितार्,रहेबाताअबूट्रहटा रेताए वर्टर्षेत्रअभावे बेट्रब्रेह्भासी मावरेर.(रावरेषाया) शुःपर्ये. ८वराग्रेर्वेच्या रासिएलयाड्डिरकट्ट्रवाड्याचा युवाचा युवाची रास्तेरत्ये वाद्याक्त मिल्यायामहर्द्रार्थाये केरा स्वायम्वत्रमारी कित्वारे दे देरदेर के कित्विवर्यत. पर्राम्याया स्थानिक स् है। यस्त्रा के त्वमा दमद्वा अभवतिर्ययकारः। मुर्मिट्दर्यात्या स्वमा दयरात्या श्चेरवरे। वसवयारवर्षे। युराया इतर्राकृते र्यत्वाववर्षाहे स्वाववर्गि विवः भ्रमः दूरः राज्ये वहवाया। एवर वार्या वार्या विवाल के के राज्य विवाल के के विवाल के वार्य वार्य वार्यः विराया रोर में देवी खेला यी विराया के शेट रेट अप वडमा से सं राया के प्रविद अद विदेश के प्रवित के रद्भामा वन्त्रयाम्यास्य स्वास्य देवाता देवातास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य जूराजूरा भाषचा है। रूता पात्रा क्षेत्रा वर्रा विसेरारेरिक्या मिक्र कर मार्थिया र्ना व्रिंबरकारालरक्वित्रिक्षिणायला रगए,वर्रित्रेश्चन्या अबूटवला व्रिंबर्श्वला भ्रिवर्श्वला वर्गाति तवित्रादर तमाद्या द्वित अक्षेत्र वर्गानित भी नवंत्र द्वा नवंत्र वावन अवन अवन अवन अवन अवन अवन अवन अवन अ अर. अन्या रनए नर्यात्र विद्यान्त हैया है हिर. व.र्टा इस. मु. इस. मु. इस. प्राप्त माना विद्या कर्मे प्राची त्राच कर के हिंदे देत ए वर्ट में अंश के प्रिटेंट रे एट्रेश वाम अंश कर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्रिट्ट अश्राम् ब्रिट क्रीय क्रिट क्रिया न्येट त्याय व्या म्ये द्रि ख्रु ख्रु ख्रु क्रिया ये व्या ख्रिया द्रि व नवायात्रयात्राद्वात्रयास्यात्रवात्रद्वात्रद्वात्र्येदायाक्षेत्रयाक्षेत्रव्यात्रक्षेत्र वसर्रे थे प्रविभक्षियं गम्रेर्टा ता सेम्डिंदा ता सेम्डिंदा में ने त्राया है मेंद्र ता कि भी नमर्दे । उभनिएरयएस्ट.रदा रम्हित्रर्यस्य विस्तित्यस्य विस्ति विस्ति स्थान र्भायवात्रात्रेयुप्तावस्र्रे स्वायार्द्रा स्वायार्द्राया वनवायाव्यास्त्रियात्र र्थाश्चर्रम्याववाभास्यस्यम् न्यादा र्यत्यादा र्यत्याद्वास्य महिलास्य श्रद्भारामा सारापा वार एक्स मार्जी हैं हैं हैं हैं हैं हैं है हैं में से सार हैं। सिंह की मार्जिस के सार हैं में ध्याकियान्नः प्रमामाना रेमप्रापार्टः। स्रेम्बर्। वस्त्रात्माकास्त्रान्तः न्युं से पानवासः राम्मेर्न्यन् (स्व) द्वर्षेत्रमाराष्ट्रग्राम् । के में कूरापर्स् । किंद्रमुकुर्यात्रमार्द्रहातिमानुः प्रदान्तमानुः केवावर् वर्द्रारः क्विनेवा किरावमीरः र्शाम्याम्याम्याम्याम् । त्याम्याम्याम्याम् । व्याम्याम्याम्याम्याम्याम्या करायु बर्ह्याम्यावावा केवाविरायर स्थार देशकार्य रामा देशकार्य स्थान रा.मेश श. विशक्ति विद्यात के प्रमुक्त वस पर्दर में में भाषा वर् किटा हास्टर में देशने स्वाधा ता. याट्या मेर अतिरेट प्रारंक वा मारी दरवारा क्या में संदर्भ दर विष्टुर ता द्यार में का हिया)

क्रि.च अर्था भेट विर शेट यावशा हिट ब्राट्म वार्य या या या दे दे वायम मार्कित है है वि युनातस्या (स्वार्क) प्रेट्डिंग हेर. ट्राइडिंग रेडिंग रसवा एर्ड्स खवा जे जाता से देवता परेवी रं दे देवा क्रेम्प पक्षरं क्रिं रहार् वावशा रेम्ब्रा एकार प्रक्षयं में सम्भार में दे वस्त्र विकास क्रिंग श्चराम्यद्भेश्वस्याया क्षेत्रेश्वर्थरमात्रार्गात्रार्गा वर्रम्भात्रात्वर्भन्त्रात्रात्र्यात्य माधरातासूर। प्रतिधिषु वरारी ह्या कुरा हुं । वकुरवारारी प्रतिभाव हिराला क्षेत्रा किया प्रतिप्र यद्धुंत्राक्ष्यं क्रिया क्रिया देवतायद्वातिया द्वाति क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया मिल्लिक्या स्थानिया हिम्सित्या देवला स्थानिया देवला स्थानिया देवला स्थानिया स्था स्थानिया स्य डिंग.प.सर-पूर.वेट.र्याम.सी अव्यायिपाद्यियाप्त राष्ट्रदाम् रहिया प्रतिवीर.रवट.वट.इट.ह्यायत वर्णरी व। वि.रेचार् ब्रेट.रटामग्रह्मी कुमामह वक्षेत्र यामाकु यामवह वस्मा देश मह किया. श्रद्भविताक्षेत्राक्षेत्रात्त्रवित्रक्षितः द्वितक्षितः द्वित्रक्षित्रविद्यवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्षेत्र कर्गार्शकास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्त्रात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् बद्रम् लाउटिजावपुः सेवायकार्त्राद्रात्राचिद्रदेश्यातार्त्रात्रात्रीलाक्ष्रवात्रात्रात्रात्रे मिनाश्वरशा दिद्दिशयात्राच्यद्वत्यः हिन्दितं दे द्रद्रद्रः भूभाद्यात्राच्यद्वद्वतः स्वाविवाहेदः क्रामा क्रियातराटराचपु स्विचा दे.र्स्यू विटाविट्या केटार्स्यू हटा केट्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया लारा) दर्जीर्यारावादे विविध्वासाम्बद्धियासहर्त्ते मात्राख्द्राद्वाया मे त्राख्या मे त्राख्या बाजामशक्रियार्शियारेट्रहर.लूट्रान्त्रा श्रीटान.येष्ट्रान्त्रियाम्बर्ट्रहर्ट्यये यात्रामा चिर्यात्र) दे.ब्र.अप्रयाभवात्वर्यास्यात्रम् हरा द्यायम् कृतायाः वर्षरयाः यः वर्षेत्र। हर हर संस्रेर्स ध्येर्दर्र ध्येर्दर्र स्थान्त्र स्थानित्र स्थान्त्र स्थान्त् स्वास्ति वर्दः वारायमा सदरामद्वा स्वा स्वा अस्य अस्य अस्य अस्य स्वा अस्य स्वा स्वा वर्षेत्र स्वा वर्षेत्र स्वा वर्षेत्र स्वा स्वा वर्षेत्र स्व वर्षेत्र स्वा वर्षेत्र स्व वर स्व वर्षेत्र स्व वर्षेत्र स्व वर्षेत्र स्व वर्षेत्र स्व वर स्व वर्षेत्र स्व वर्षेत्र स्व वर स्व वर्षेत्र स्व वर्षेत्र स्व वर त्रिया.एक्ष्या अर्टरःलूर.प्रमाश्वाद्वरःश्रुचा.स्याद्वया ।र्याय.वर्रर.प्रमाअष्ट्रप्रम्याम्ब्रेटराप्रे देरा सेवयारेरा डिर.हे.र. मुन्दिक्व स्व सूर ही ताव किर एर हिसा है साथ सर अवा नामा निर्देश हरे र्विट.यो अर्थःसि.ये.तीया.एक्व.राग्यु.श्रमाश्रदे.तराअकूट्यायेशो श्रीटायादाराग्याये य्यावितः अभित्ये द्वार्यात् । र्रिटः रे.या अभिन्न विद्यर्थिता करणनमा वि वश्चित्र वश्चान्त्र देवशानी प्रचार व्याचार श्रीव दा विवान्वर वश्च हे १व श्रेर हर है वा हिना प्रचार परित्यभावर श्रीर मु के तकर विश्व विश्व विश्व के देर विश्व के देर क्षेत्र दूर क्षेत्र विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व म्यूर्यं स्वाराम्ब्रम् स्वार्थः स्वारा द्राया द्राया स्थार्थः स्वाराम् वाराम्याः स्वाराम् विद्रायाः स्वाराम्या द्विर क्षेत्राचयात्राच १६ केर जूर। इसाइर व्यथ्या कु अवधाया ची ५६ केर घट्टा कु। ॥

क्षेत्रा ६ क्षेत्र अधाय वार्या वार्या अधा । एर इर ज़र हाए किर शुर् अधा । जार हु पर कु। वार्य अधा ।

क्षेत्र अध्य अध्यो किर शुः जार वार्या प्रेया प्रेया किर हु का जार हु। वार्य अधा । वार्य अधा ।

क्षेत्र वार्य अध्यो किर शुः जार वार्य वार्य कुर हु। वार्य वार्य कु। वार्य कु।

क्षेत्रकिथंत्र विकास र र्राम्सी यहेश तप्रकृता किया विकास क्षेत्र विकास क सक्र मित्र केर्या सम्बद्ध मित्र देश देश देश मात्र कर्त के देश के देश के देश के देश के मित्र के के देश के के देश ल.क्ट्अक्ट्रकुक्तल। हैदलालअक्लर्स्यार्सेग्राह्री सेचलेशवयालप्राहुक्त्राच्यूर्स। पर् प्रविधाराता के मैर्यालर। रेकार खरीया किसक्ति विष्या प्राप्त कराया थे से आसे री वर्षात्राक्षात्रात्रात्रविद्वार्षाः तर्वेत्तात्रविद्यात्राविद्यात्राव्याव्येत्। वीः क्षेत्रभावतित्रात्रात्रा तर्त्यामा तहेवतरे हैं अवेद। के तर् रेर व लका वनात मुंब मुमला वदाव हर केद्य तिया ना है देहे मिनायि त्राचार करमा वार्य वार्य । क्षाने क्षर्य वार्य त्राचार वार्य स्थान वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य म्र विश्वकारात्रात्र्वित्यार् द्रा दर्भायस्य स्ट्रिक्षाय्य स्वात्र्वा र्यंत्रः द्वरान्त्रः वरिः वर्षायाः य रदः। य असे र्यारे यु प्या विषे विष्या विष्या स्थाने से र से हे हिर से से र हे र हे र हे अहे अर्ट अर जा मार वह ही र र म मान करी मेर हो प्ययामा म्या स्वत्या मान्या के देव कार्य मान्या दे पर माने कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य そくかからいいまいい あらりままりまるのはいれく くっているようはならいは くっていいので अर्द्धरात्रा नामरानान्त्राक्तिकार्के मुनाव्याद्वा के क्याम् क्यान क्या के ते व्याप्त है तर् हेव पाया हुटा वालव बुर द्रावा की पर है ता केर्गर है रगरम्य अव ले रहे रे तर् हर था अ हर व अद्भार्त्रभानिक के त्राहे त्या में रामा [किंग्-देशका की लहारे जा] शुक्रवारे बचा कालवा जाता है जरे जा है जि केर है। वर्ष्याताता रेशुवारी हिरापको मार्गरी दमारे वास्त्रवास्ता दा देश मार्गिया वास्त्रवाहर मिलायाम्या मेर्यं देवताम्याया मेर्यं देवताम्यार्थाययाः । सर्देशका भित्रं दे बीटारमाराष्ट्रमारामाराराध्या राज्यार। देखा बीजा बिटारवेटा मूर्वा सेरा बिटा के बाजा। रेर्ट्स्म्स्रिट्यार् क्व रेस्विं विकाव व वर्षे र है विकास के वितास के विकास क्रियाक्चियाक्चित्रहेरियाक्षेत्र वार्याचरवा (वरवा) वाष्ट्रमा स्वित्याक्षेत्। श्रीवन क्रियाक्षेत्रहेट र्जुंगरा भग्नें में द्रायहर महरा ने रोग मिव श्रेया दे हर श्रे में दे के वा वा या का हर।। द्रमा ब्रेम्बर्स् वर्तितर पटला श्रेट देवित्या ता सामित प्रवादेशें व वेद सेवला वर सेल. रदः एक्षा रिमर्थ श्रेमक्षेत्र । अ. इ. दे. दुरव विश्व । वा अप सेरिक्ष क क हिर (रहर) कर लेबी.

क्रिंग्री अट.इरेरट वामिन्नर्टर्रेयायायवलक्षियात्रियात्राप्ताप्ताप्ताप्ताप्ताप्ताप्ताप्ता भुगुर्यमान्यमा (यम) । दुर्दद्वमान्यद्वियम् नियान्य । यथ्वत्यः स्वार्थः स्वार्थः शुड़रागर दे किटा हार जाया वा वह पर दिन वा ना कर हो हो हो हो है। देव वा में बा कर है। अब्दर्शटाम् बट्टान् वायत्रे मेट हेर्ड्या कार्या होता कर्णा हिया है हेर्ड्या कर्णा कर्णा है। हेर्ड्या कर्णा कर्णा ग्रास्यालना विक्री रार्श्यालक के क्रियं देश मार्थिक मार्थिक सम्मार्थिक मार्थिक सम्मार्थिक सम्मार्थि मर्था मुसक्त है प्रकाल र केंद्रश्च खर र र वर्ष (पर्वेश) मिला में मार है मार है। यह ब्रि. लुक्तं न्याना विद्या कर कर हो। के देश के क्रियम्ब्रियास्ट्रा श्रीटाम् स्रेर्द्रसार्द्रमारदेशस्यादेशस्यात् स्रेर्ट्रस्य देशस्य प्राची इ. म्र. चुल हर केर होया अव हे तर वड या रार वडर हिर देव या या (इवाम) あるめまから、あいていることにないないないないというないというないないないとはないのは、 वास्त्रा अविधान में ख्या देश देवा अक्र हार् में दावा कादा सहार हर। किराया ती राष्ट्रा म्रें रत्ये का के कि देवा अक्षर प्रवेश दें प्रकाश्टर के भारता अक्ष में दें निर्देश किये मान्त्रा मिनिशा विद्या तेया के सामिता के मानिशा के मानिश अबूत्र (प्रका) रेटा टिवाप्टरमाञ्चलका देशाने सामा है। स्टार र किराइर की श्रुद्रे.पर्दे.जमातकरमारा अर.बोबर.मर.पर्वे मार्श्वासह्दे महा १ वर्षे वर्षे वर्षे मुन्नामा द्विवारा अत्या द्वार द्वार द्वार द्वार द्वार प्रमान विश्व व्यार स्वार द्वार म्। रिनः क्रिन्श्रम् अ. एतुर माध्य मारीमा माभागतर कि. एयं क्रिया कार्य ने स्ट्रा क्रिया कार्य ने प्रस्थित . इ रद्रातक्तारमन्त्रकेशक्षाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या कर, बर करेंचा । केंचा थे, जा जा प्रवास पर दे, पर खिया जा थे छिर । श्रीर प्राप्त प्रवास करा थे । पर थुत्राम्बुःलूद्। देलूपाकदादाकेरातिकात्राम्बरात्राम्बरात्र्याः देपाविष्यात्रमा वेश शासी विधु सर सूर ता केर हैण कुश वृत्र भा प्रकृत भा प्राप्त था में देखें विश्व विश्व १ विष्य विश्व लर्बर्वित्वति विदः। वर्षे , किट.र्भया.क्षेत्रज्ञ क्षेत्र प्रज्ञात्य स्थाप द्रेशाच्या । रक्षे.द्र.रट.क्षेत्रवा के वावकंत्रकृता.कृता.कृता. त्व। गलकारिए रेजवारत्वे वाश्रमात्रत्वे कुथान हूर। र. १८ १८ है में विश्व कार्ये वे 

999 239

१ औं अं हे री हु है। औं श्रुष्टा श्रिष्टा श्रिष्टा श्रिष्टा श्री है रहा थे। से लार आईव वाय में र पर पर काईव वर अईव वर में विक् आईव वर अईव वर अईव वर में विक आईव वर अईव वर में विक कर काईव सन्दर्भवानेशनेदा स्वायहत्त्रिया स्वायहत्त्र व्याद्भात्त्र हेन्या हैन्या हेन्या हैन्या प्लावता पर्वा वराजायाविवारी अस्त्रमाराजारी इत्रार्वार्रा श्री श्री स्थान मेर्वराजारी र्द्रावमा रहानीया वारेष्रभूष्ट्रेया। पीरानार्द्रभूष्ट्रे के कि रहेर हरे । चेपान पार्वा प्रविधा की वीपा कुर्याक्षित्राम् क्षेत्रा विष्यो न्त्र क्षित्रा विष्यो न्त्र क्षित्र विष्यो विष्यो विष्यो विष्यो विष्यो विष्यो कुलालवा कुर्ने (ब्रायक्यालानरा किरवातराविश्वालाकुलालवा विस्त्रेत्त्वस्तावानराविश्वा स्वराता श्राम्यास्त्र साम्यर्थात् में वार्षात् मान्यात् स्वरात् स्वराद्या स मक्तरमरावरक्षः वालातः ववशा इक्षेत्रकात्वाता विकारम् । मान्यतारम् विवारम् त्रे में त्रु अर्थे व्यटक्तर हिमतर्य। नाया ततुना हिस्सेन रायार रायात्य त्रात्र व्याप्त हिस्सेन त्यार राम्प्या. मृ. १६८ लगा. हे. जूर. है नक्टर) केला म्याय अरा अरा विकास । द लट्रवार्वियात्रयेवस्य श्रीर्ययवस्य क्रियात्यक्ष्य क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र 3 मुकारकारकार्यात्वात्वात्वात्वाक्ष्यक्षा कर्रद्येत्रेत्रातामध्यक्षकाक्ष्री द्रवारवारवात्रा. स्री विकास के विकास के त्रा के बार्य के बार के बार्य के ब याः अश्चात्वयक्ष्यव्याः । र.रेप्ट्यर स्ट्रिंद्रमः लूर्। यद्युद्रम् अद्युद्रम् व्यूद्रम् केरमित्राक्ष्यकार द्वाक्रवात्र द्वाक्रवाता में ने कराव्यता में भी दाप्रिक्रावर ता अक्षित्रवर ता अक्षिता है। 433 म्क्रियारा राज्य दार्गाता अहाराप्टर्शन सम्बद्धा मार्ज्य राज्य में द्वारा समा मिटलातए, में क्यारी में कार्रेशक्रारे में कर रेशक्रार मेरी के बार बलवाता कर्य में हैं। रेग्या. र्सिट्रिं सुव्यु नर्या कर्षित्र विराय कराय का कराय वर्षा देवत है। कराय देव कर राष्ट्र र्या ह्या भारतियाता एवर प्राचित् यार्ट्र अर्थे अर्थे अर्थे यात्र से स्थित । स. मूट ख्रिका राहे च बर्दर हिला किर तिया तिर निया किर निया किरा तिया किया तिया तिया किया है । दिला हो नेर हें अप के किया के किया है। ) दुलार्थ दे जैन खरण यात्रकारण. २८.व्य.वीता.बीता.ब्रेय.व.क्षेत्र रद्भा.क्षर.कि.की.ट्य.ब्रेश.व्रट. जाता.का.ब्राह्मा.वा.व्या.क्ष.वा.व्या. चयवर्र यात्र्यायाम् म् इत्र द्राया हितायक्ता के स्थाप्ताय हरा वाहर विकास । देवस <u>5</u> श्रेय श्रमात्री वव देशक्षित्राम्यक्षायरविकार्याद्वेद्द्रास्य मुद्देद स्ट्रिय स्ट्रिय वस्त्रयस्त्राचयहर्। हिर्वास्त्रम्भरात्रेराख्र्र। क्रियद्वत्रेर्ध्यावात्र्राख्रा

चर्सर.य.च्यात्रका वृद्धात्क्रियाचर्त्रेरवर्षे धिरत्रेश्तरता ध्रीरत्यवा ववराक्ष्या सिदातीताक्री. देव मान्यवासकियातरा केरानेया । प्रत्यक्षित्र केर्यानेया स्मान्त्र । श्री श्री स्मान्त्र । स्मान्य । स्माय । स्माय । स्माय । स्माय । स्माय । स्माय्य । स्माय्य । स्माय न्तर्सिट्यूटक्ष्ये श्रीश्वर्ष्या के रद्या वाला परि तिद्राता श्रीक्षण भारते हे वाद्याता सर्वे वाद्रत् रूप्ये ता स्वराश्चित्राक्षर् तेत्रारद्व विस्थान्याची द्विराता चिर्यायत्त्र मिन्य मिन्य मेन) यह वयमार्थित्रात्र्रात्र्र्यास्य स्वास्य के वय या (वक्ष्य) व्यवद्वासी त्यवहता है सार्वा है सावववित्रा क्रियात्र श्रीयः तर्रात्यरं त्रात्रा चार्ट्रस्यात्राचियात्र विद्यात्राच्याः द्वारात्र विद्यात्रात्र विद्यात्र विद्यात्रात्र विद्यात्रात्र विद्यात्रात्र विद्यात्रात्र विद्यात्रात्र विद्यात्र विद्यात्रात्र विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्य व हिर्येशमा जुर्मातारा वात्र्याया हिर्यहाल हेर्येश लिया हिर्येश हिराया हिर्येश हिराया एत्य । ८४१ वाषट्या श्रेष्र श्री इ.से र. दे. श्रे अप्रेव रुश दे हे वाश ह्य इसाष्ट्र वा हरा लूट वा सिट्या ब्रेस्टिक्सिस्रिक्से स्रित्यु वर्षेत्र तायगद्र राष्ट्र वर्षित्य वर्षा स्रित्य स्रित्य प्राप्ति वर्षा स्रित्य स् रवारायक्रवाराताःवावेवःस्त्रेयः हेर्द्धः यहिरादः वार्यवावार्यम्भान्त्रेन्द्रितः त्याविदःस्टरः रमग्रम्भराक्तिय्रद्रद्वित। याम्यन्यन्यस्यायम्यस्यास्यम्यन्यस्यात्रात्रस्यात्रस्य बिलानेना वेकाग १८८५ व्यापन १८५५ माने माने भी देतिबुदाहीर संद कुन्नुकुलायाः प्रे. गुर्मुद्रितास्य विश्वरायाः । व्यद्वर्श्वर्थन्य प्रमाद्रित्ते विश्वर्थन्य विश्वर्थन्य विश्व धुर.७५.४५.६६ क्य.क. देर.५.५५ क्या होती. क्षे. एक्टर.७८.५८ जाम रं. ७०१४ हेम. तप्रस्ते वरा. न्द्रवाश्ववाद्रभरास्। हिरादेष्ठभाददाक्रिराद्रदाव स्वाक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र वर्डिंद्रक्षेत्रज्ञेद्र्ये अप्रतास्य में देशक के मान्य हैं वर्षेत्रक के मान्य के वर्षेत्रक के मान्य के वर्षेत्रक के मान्य के वर्षेत्रक के मान्य के वर्षेत्रक के वरित्रक के वर्षेत्रक के वर्षेत्रक के वर्षेत्रक के वर्षेत्रक के वरित्रक के वरित्रक के वर्षेत्रक के वर्षेत्रक के वर्षेत्रक के वरित्रक राहे बात्रक्त के काला हिंद के तिया के रक्षेत्रा के रदार दर तहेता वित्य सिवा की वाहें राक्ष की देवर में तिव होता. ्रुं व्यय्रेश मेर्। देवरवड्णायां वावर अवाकर्य हरा श्रीर रवा केर कर्या (दर) रयतः वर्रः देवात्रवासाध्यः तर्हे वस्यादेवाः ध्येत्र रात्रः देवात्यः वर्षे वर्षः देवात्यः देवात्यः वर्षः वर्षः ्यंस्यां अर्थे अर्थे अर्थे स्वरं मार्थे तर्भावर्था त्या वर्षा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मुर्गुन। देश ग्रद्ध । व्यक्षिर प्रदूर दरद्र तहें वर्ष । वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । देश्वेन । देश्वेन । मुग्नवस्थर्यस्य रेग्या राष्ट्रकारा सुराष्ट्र वर्षित्र द्वा स्वामिका वर्षे राष्ट्र दिरा हिटा। रेतिसर हीर र्यत्यहुर रे र्वा इससे केंग्रिस किया से राम्या से राम्य से राम्या से राम्या से राम्या से राम्य से जर वर्षेत्र केरक्टार्र ह्या बेर जा केर का केर जा केर केर विवास केर हिंद विवास केर हैं म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्य म्यान्य म्यान्त्र म्यान्य म्याय्य क्रियान्त्र रामान्त्र मुक्तमा पर्के मेरिट माने सामिन हिमान हैया प्रमुरा । यम् माने माने माने माने माने माने माने रूट. श्रुं का अ-पूर्वा विभवः रहः रूपए बर्देर रे. रेवा प्रवाभी अवःक्रवः श्रुटशः रार्थार रूपी

प्रत्यमेत्रः शुः आपक्षरं पक्षरः नुद्र । स्वास्त्र्या अवदूरः कुः प्रविद्याप्रविद्यानेद्र । द्यारः स्वयाः स्वर् में दिला के की पहेंचे दहा देशरावश्वा श्री हरता रे से रायहेंचे वा अरक्षेत्र के के लेखा है का के लाज किया पर्वरानिश्क्रियाः पर्दास्त्रात्र्व । अवभाष्ट्रवास्त्र्रियः वर्षात्र्वराष्ट्रवास्त्रात्र्यः। शृद्भत्यु मुद्रम्था तद्या । द्यास्या शहरी महाराष्ट्रम्य विदेश स्त्रम्या साम्या दे पर्यास्थासम्बद्धाः हिराब्र्यायस्यः राष्ट्रेराष्ट्राब्राक्षेताः वाह्रास्थासम्बद्धाः वाह्रास्थाः इत्या सरामहरमा देवहरत्यास्य म्राह्मा हरकारहेत्या मिर्द्राम् द्वेदकारहेत्या वर्मेत्रा अराष्ट्रित्वार्यत्वरूर्यायवर्ष्या क्षेत्र क्षेत्रा वर्षेत्र वरे हुमाई हुम् हेर्। दावे राम्द्रम् तत्त्वात्त्रात्त्रात्त्रहेद। श्रीद्रद्रभावर्द्द्रम् श्राम्यात्रात्रम् मान्यात्रम् स्थान्यस्य स्थान्य उर्. में शुरवीय परीय । र.१९ . में ल पर वसेय. रे। हैं, परीय में अध्या हेर पड़िर मूर। रें अन्मा नुराक्टर भें ब्रेन द्वास्ताके। भें में बीटाया में टर बेर मिले में बिट एवंदा नायायवा र्स्यायरिवास्ट्रास्ट्री स्वेवकर बुद्वाया व्यवस्थाय। वावय्यय स्थायंद्र महें वा स्वयः सेर् उपमा के के ह्या देश कर का कि तार का कि तार के केंद्र तिया में अग्राप्त भेरा का में अश्रापाय के ए. क्या प्रमा प्रमा है में दे में में में में में में में में खिए, बाह्यका, च्रां पक्रित्रे देन्द्रः द्यायमास्यात्व। याववा हेट (बहेट) हैं व्हेर इसार्टा स्व तर्यः शैवत् किर्वश्रक्षराम् काह्रर विद्यान्तरमा (रमस्य) जवान्तरं एवए विवान्तरं के बार्रर्ते विवार्रर निवार् मिर् (क) विकिताता कैयायरंश्यम् अवर्थात्यरंश्यम् विकास्यरंश्यम् अक्षाक्षा दमामः सम्बद्धः क्रियास्यदः तदेवः ददः। नाममः तः हः ददः दद्यः त्यं करः। वा वितः द्यवः ताः स्रदायदेश्याह्नद्र। यार्थराञ्चरायरायराय्वेशायाह्नद्र। हिद्यास्यायद्वाताया यार्थर अन्यास्त्र सेवाक्ष्यं भेवाक्ष्यं भेवाक्ष्यं रिकार्या रहणात्रा रहणात्रायाः सेवाक्ष्यं सेवाक्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्य यास्या देर दिक् सैंगकर यदर जन्दर मार्ट्स प्रश्नित्य सह हिर्द्राम से मार्चिया था. स्था(यग) पर्वर स्त्री विव स्वा के व्यक्त के वर्षेत्र से हिंदि के के वर्षेत्र से हिंदि के वर्षेत्र से वर्षेत्र रर रमर अवाता अवात है। वका से बार में नेवरा व र हो। रवी क्षा र वी का र eaर्रेशसी रंगणः देशात्वाट्टेरी कार्रियः कार्रात्यः कार्रियः कार्यः कार्रियः कार्यः कार्रियः कार्यः कार्रियः कार्रियः कार्यः कार्रियः कार्रियः कार्रियः कार्रियः कार्यः कार्रियः कार्रियः कार्यः कार्रियः कार्यः दि या श्री सरवा या रा मिं बिरर्शे के ता राष्ट्र वार्यर रे हिर व रे र अहित के र रे रे र रे रे में के ता के व विव र कार व ता रे 78 स या विशानिदार दिवाओ वरि ८८ वर्ग के वर्ग रास्त्वकी मार्थर देन मार्मिया प्राप्त किया है। प्र.बर.बंदव.ल.भेंच.ल्बाम.ब्री.रंग.केंग.देंग.बेंग.देंग.ब्री.र.रंगर.केंर्.रंरः। इसामिण.क्रेर.

क्रियाधारत्यस्त्रे देवसार्थात्म्याम्यवनात्मार्थेन्यव्यात्मार्थेन्यात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रे

बारीर.ज.ज्यादर, थयाच्याद्वर बारेशदे.ले र होबाजु कुणारी होता दे हो। दे तथा वर्र वे चे आर. कुर नार भार मुने

म् सिटाता ए त्याना की द्याना समामन्द्र ए हमास्या क्षेत्र परिया विभागत हमा है। एवं मान्या विभाग होता है। द्याः देरा अन्तराया हो द्या का का देरा दे वे किया हा के विद्या के देव का का हो वा वा का विद्या का के वा विद्या बैश देश्यद्वायद्वायद्वात्यद्वात्यद्वात्यः क्षेत्वक्ष्यस्यद्वात्यद्वात्यद्वात्वः रम्बवायम्बाराक्ति त्रवातात्वात्तिकारा द्रेत्रेरात्त्रेत्रं वर्त्ते वर्ष्यं वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे यः भाष्ट्रं विताल्द्रः वासीत्। द्रेस्ट्रेन्द्र्यात्रायः वाष्ट्रायः वितान्त्रायः वेद्रायः वितान्त्रायः वितान्त्र ट्र.चर्र.रभरंक्र.भ. कारंरभरंक्वान्ववान्त्वार्तावरंविवारान्त्र.भवाःक्षेत्रार्थःरभवाःक्षेत्रः र्जूर्क् स्रुवर्ग बीया वार्या हुर लूर तार् । हिर वा हेर अल्ला ए वर विवा परिया की विवास विवास विवास विवास विवास \* क्रांतायदे. धुनार्डियास्त्रीतो चालप्रचीयास्त्रीरंदे इरावप्टः याःभरं इवास्त्रेद्राह्ने शुर्वासामास्त्रेत्। श्रीरं ब्रिन: विवा लूरी डेन्ट्र-इर. कु. मेंदा शावरें व वर्ग आश्चरव मं या प्रेम शावरें वा प्रेम वा या या विवा वा विवा गरं वर्डेटा। सेवाजरं रे.प्र. प्रद्रां रहर रहाताश्चाराधारी क्षेत्र किया किया र्या त्यार रामा रहा तार किया • ब्रा क्षेत्रवर्ष्ट्रामचा. श्रिसंदुरः) प्रत्यरः कैयाशात्राप्रः कथा अ. मेर्. वुरः चार्र्यात्रा प्रक्रितं वी. पर गास्त्रास्त्राहर्में द्वा स्था स्था श्रीमात्रास्त्रातास्य सुन्तरकार्ये। नुर्। स्म.पी.पा.म्.पा.पुरम्द्वामा श्री.पार.सक्द्रव्ये.पी.चेष्येत्त्.क्षामा रेचारतर.क्ष्यापात्रेरे. रतिहाएक्रें मानए ग्रीहा ने हिंदा माने हैं ते माने ने के माने परिया माने हैं रवाद्याकुत्रत्ते मेंतासी मेंद्र मिता कर्मिया अस्तित्व कर्णा दे देर मेंद्रवर्ण देवा अस उच्चार्याला ह्यार्ट्स्सर्च्याम् हिर्द्रम् इन्द्रम् इन्द्रम् वन्त्रम् स्थाला इत्यान्त्रम् र्ता भववुर्ध्यह्मस्य स्थाता इत्वर्धर वयर वर्षेत्र मार्थः कालव हिराक्षर स्था याश्री शहरा चर्त्र हिरेक्टर। यर बैरम हरमामार्थर जायकर भावमात डेररे ए ब्रीम हैर कर्। रेब्र्सर्थानिस्तिर्विस्तिर्वास्त्रात्रः। श्रीहर्यम्यरायत्यत्तिः दर्क्त्रस्या बार्थानिवर् श्चित्रास्याः स्ट्रा रब्रामाराद्यालवाद्वात्मवायायाया। व्रिच्टर्यात्म्रद्वातायाया च्यानितः देर. अर्थे में या या जार्ये र्या वियावर्षेत्र स्वा ता व्या हेर आहर या हेर आह वर्द्राता सैनेशश्रेत्रे स्वाचित्र्व । भे से से से त्वाचारद्व । स्वादेशम हे तह वा बाबादरीय । एर्चेबा.हे.अश्रे.ही.म.बाबापरेया । एकेदवहारी.तीबा.क्वावापरेया । बी.सी.वर्ष णचालवविश्वास्तित्या विद्रत्ये विद्रत्ये विद्रत्ये विद्रत्या विद्रत्या विद्रत्या विद्रत्या विद्रत्ये विद्रत 大くして、身、(とはら) 東大山、馬にいる着土」 あらりらいまり、およくむ、い」 いちくがい、というは、エス मैला रक्षेत्रकेष्ट्रश्चरवर्षात्राहरूम् अक्ष्म राज्यात्राहरूम व्यक्ष्म वह्नामेव. यथ्वद्भागतात्रक्षा के.सूत्रके.चर्डिताम.ताष्ट्रमा ट्रेग्या.हापुरिदाणास्त्रम् व.तामा.ता , कूला रग्ने तीलाश (धूराश क्षाश जा जा वा शा घोडेयाल के अन्त्रेश खूल जा न्यूरा । रग्ने ही रग्ने चर्दर,म्यूर्र्यी में स्यो सेलाचपु.स.जर् से क्रिया वाष्ट्रेर.घ.खणाव.क्रक्राती पहे.

25 × 243

देश इर देश के र वर्ग के हे स्थारे कर वर्ग है तर है। २ हुट इक्स्लिट्सं तस्य स्पर्धाः सर्वेट स्व र्-श्रूट्यश्रम् के. यूर व. र्ज. श्रुण देशरिशायात्र क्रिंग क्रूप क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया र्सिक्क क्याल सैवान ल एवर १८ श्रेम किरेल्ल देश री मिट्रम क्या कुरा है या का लूट सेरी उक्षामाराका सरह्या(३)पार्चेट्रमर्पाप्राप्तराष्ट्र। धामए सैवायट्यास्रिट्रप्योश्रासप् मेट्स्रायाण्यास्य सै यशक्तिक्याता यामवा केशक्सार्या (भर्य) र्वे रेवर्य वक्रिरायर ता विवासित्राय स्वापार याद्रेर.श.रदा या. ४९८ तथु रिक्षिय पात्र इसका रे. श्रेर एक विद्या समारे हिया यथा रिया रेवारे क्षा क्रमाणया कटाक्रमा (कुवरा) वर्षेद्रद्रा शद्येश वर्ष क्षा क्षेत्र क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा करा वर्ष न हिनस्राद्धवाद्धवाद्धवाद्धवाद्धराने क्रिया वर्णा श्रिकार् नरहाव स्वत्र देश स्वीर वी क्रियान र प्रान्ति। वाववःभवःक्षवयाः सेवायःक्ष्रेहः वाववः इतः हेवः वावदः स्रायः स्रायः (जवाः) हः हरः १८:1 क् विवक्त वर्षेट्रिया श्रीट क्रिया श्राय हर क्या हो पर ति विवाद स्वेव वा विवाद स्वेव वा विवादी विर्दे रे वर बैदात पर के वर्ग पर्या भी विष्ठ दे के वर्ष कर है। वर्ष पर वर्ष वर्ष पर वर्ष पर वर्ष वर्ष पर वर्ष विवार्श्वरः) ये। देवारादेवा क्षेत्रवार्श्वर है। दे विवाद तावता रहेट पदेवायोद यरावारा वाता स्वाहार महिता. क्षतार्विक्षाया क्रायात्ररारद्भीरस्ट्रिंद्वात्रार्थायद्भारात्रह्मसार्वेद्वात्रात् क्र्यान्त्रिः खरास्टा श्रवायाः वयाष्ट्रवाराः कर्याः वर्षः बैट. य दे. रे. (परे.) ध्रिया सि. शाप हरे हैं. यह भया श्री दर वे महि प्रवेश परि अव पर वरात्र. 3स्टिल युम्पायी वर्षां व्यूर देश। ने विवायवया मालवाय कर दिर दिर पर) के अरमर ख्या मार्खर त्र विश्व कर्तित क्षेत्र प्राम्ति त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र 4 में देव विद्याभाभव्दा रेशुलह में वर्षिया वर्षिया वर्षिया रे हिल्ली वर्षित विद्या वर्षिया वर् सामार का प्रायुक्त का विद्य तिया सम्मान्त्र (त्यूक्) यति क्रिक्त सामान्य विद्य 5 planne म्यामामाम्याम् स्त्रीया म्यान्यामास्या मायमामा साम्यामा सामान्यामा सामान्यामा सामान्यामा सामान्यामा सामान्यामा कीर वर सूर्य भाषि कि देश प्रमात विश्व का निवास के निवास क नध्यामिन्ने लद्रहिर तर्ये । एवत्र मुन्यहिराकिन निम्य मुन्य का महत्रमा ना लद्र परिमा यः अत् भर्कर्यात्रा के व्यवत्र दरवातिर के वा वर्षाता की रदावसात्वा व्यर्ग के से वर्ष्टर हैंवे य्येषायात्मित्रक्षेत्रद्वाद्वातात्रव्यव्यत्त्रं द्वाद्वात्यात्र्यं क्षेत्रात्वात्यात्वात्यात्वात्यात्वात्यात् र.से.(र.से.) डिट.क्र.प. रूरी सूर.ग्र.र.युभाषूर.प्रविधाक्रीधारारे.पर.व.लह.प्रवासी केवात्. देशन्ति रूटन्ति वार्टा खर्थेर लगार्था कान्त्राव हस्टाके है। राष्ट्रिया अर्वा केर्डिं सुद्व कुरान्या भ्रम्यान्यम्बराक्रियार् से (१५) इष्ट्रवस्ति भरायात् मुलायात् र्यात्यात्वा वास्टल रेशिवर में वाय रटार्म का की में मार्थित हिंदार के का अद्भेश रहा में वाय की साम विभयन्त्र यात्र सम्य याष्ट्रयंत्र त्युटा स्ट्रिंड्र (इ.हेर्) त्वयं य द्वायाया द्वाया विभयः ३८.

पर्या माराष्ट्र थे. पा थाश्च रद्देव रिय तरस्य देवम क्षियार्ट या बाद मेव र प्रियोश न्या हिम्म

इरेड्ट. गुरा पर रेर (रेर) सेवरा इट त. इंश परि । वे बेट ये व हेर श में दश तर कि में में भ दे.बैज.वरम्प्राःहरःष्ट्रशांशःवरःरवादवर् जिमाश्रभमा वरं वरः(वर्गः) विवाधरः क्रिरः वरः वि त्रपृधित्यात्वारवराः में क्वायासम् वर्षः दरप्ताः क्षेत्रं तर्पः देद्वयास्त्रवर्गात्यास् क्राइर। म्.वटायारा वाइर (वाइर)वर्षेर्द्धर क्रिर्याय वाक्षेत्र क्रिया वाक्षेत्र क्रिया वाक्ष बालर्हिर वाषर म्रेर सेवलर्र र रवाएवे बाला र उट एए कि का सेवार बाल हैट वहिर श्चात्रम् । में द्राया में द्राया में द्राया में का प्रवाद के त्राया में के द्राया में त्राया में त्राया में त एरे.छा.क्यां वारेशायां कुवा चारीशालूरी चीरारंभयावायः सेराक्ष्यः क्या किरामितास्त्रेयः विषाःक्यां अर्थेशाय्रेषः त्राः त्राः शाद्यशालूरी र्झ्याः जयाः विषाः त्राः प्रधायाः विषाः विरामितास्त्रेयः यश्रद्रश्चार्यदा जाद्द्विभवताष्ट्रमुखा ८.दैरत्ये.जाक्षेत्रदेशःभरी काउद्देशश्चरा क्टिन्ट. ट्रेंडेब्री के देवा वरम करमा (परमायरमा) रे.सूटा मटाअश. अथा अथा अथा मटा सटा क्रा. यश्चावन्त्र्यभूते देशवःतक्ष्रत्रस्यक्ष्रत्रक्षेत् रम्याम् वास्त्रभागात्रमार प्राप्तमम् भीषकः वर्षाः यह ता स्त्रम् वर्षाः द्वीयः यह ता स्त्रम् रुक्तिं न्रेरक्ष्यक्ष्यात्रक्ष्यात्र्र्यं केर अवरार्यम् क्षेरक्षा तर्वेद्रक्ष्यं क्षेत्रक्ष्यं क्षेत्रक्ष्यं हर्रीट्यक्षिकभार्यक्ष क्षेत्र कार्य अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ क्षेत्र कार्य अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अ बाभर्रदरत्यकेरतप्रवारेशालयत्वेत्रकेतास्य रात्रा वहर्त्याकालयाः न्यानेर मात्रा वरहितात्रव कुरादी नेरहेबा राजाव वर्षा भवत लहासूव मार्टर रहार है। यह इन्द्र्याना रात्र बात्र भी विकास ते मान्य के मान्य क्रिनाचनरारवादरानाम् अस्य राज्याके व्यर देवराक्षेत्र संग्रहाति वनाव्यक्षेत्र। देवराष्ट्ररायद्याव । वेचनाव्यक्षेत्र १.(१.)श्रा वक्के.श्रमंत्रक्या सवास्वार पहिंशा विद्यार व चरा प्रवेश क्रिर देश किंद्र बीट एकेटर क्र कुणावाद्रमास्रद्रादर्यन्वर्याववत्रम्द्रायः स्राह्रास्त्रः पर्वेशक्ष्यम। रक्ष्यामह्द्रम्यम्यम् । इत्यामह्त्यामह्त्यामह्त्रम् । म्याम राभक्षे ने पर्या मिता मिता वर्के वर्षा भारता मार्थ मार्थ । पर्रें में (वर्रेश्न) म्रायम्ब्रायम् अर्थन्य भाष्ट्र में क्रिया क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र श्रें हैंग सिता भर प्रवेश हैं किए। एड्स मिर्म सिता विकाश मान करा मान कर मान में मान क्रियः क्रिंतः ब्रुट्टा श्वं के वो विकाहुन से क्षां क्षेत्रया केरा वर ख्रेट त्य सामा ब्रुं का विकास के वा चाली.पर्वेश. क्रेंब.च्र.शुर्व.त.सुरी ह्याचारा.साताव्ययक्षःव हिंचा.प्रेंथक्यारा.सुर्वतास्री सिय्-देशयामा-येथामाकृष अर-दिशावविगःश्राध्येता स्थान्यिकामाकृष्य

ग्रह्र क्षेत्रियाश्रीय तास्त्र राम्म हर्मायायायायः वा एका रामक्ष्याः श्रीवः श्रीवः श्रीवः लारावश्रया केरात वेरावाकः व राव्यानान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रेर्। के विकास विकास किवाता अराम्याताक्षितात्तर्द्वायात्त्ररी इ.म.च्या वात्रवात्त्रेयात्रे दे.वेरात्त्रवी दे.वंशावायत्रे रदाक्षिक्षीं परियो । पर्यामात्वत्र राज्ञदेवाक्षी वया आ(म्) दे। आया प्रिया पर्या किया वया राद्र विवास वया राद्र से नेया नार प्राप्ता प्राप्ता अर्टर ने सरत्या या अर्थ प्राप्ता प्राप्ता स्था स्था अर्थ स्था अर्थ स्था अर्थ स्था र्राजी के अमिल्टी किट ब्रिट मार्थ मा श्रेमए लर.केव.वंश प्रांक्ति.ज.चर्सर.वंश.ग्रह. -वेवशरं धर्धशाल.क्षेत्रा.कार्या.क्षेत्रा. क्रिंश्रा अश्रुवात हैं। अत्रुवंश्रे अग्रूर्यात हैं। विवाय विवाय विवाय के विवाय के विवाय के विवाय के स्यायकारमायदूर वियो भ्रायम्या मिरायक्षेरायदूर वेर रे.हय. म्रायम् रायन् र्डर्र्येश्वर्ष्ट्राधाक्रियाक्ष्याक्षेत्राच्या प्रवसास्तिष्ठित्रायम् व्यवसास्य रद्यात्रा र्भन्य क्षा भूभग.धूर.से. (जा.अ. अव्यवतात्र) रहाता.(त्र) प्रतिर.व.वहाता.क्ष्में वहेर यमा राहात्मा स्टान् क्षेत्र क् रम्द्रम् वर्षेत्रका पहिर्मित्र पहिर्वास वाचार हेर (हेर)स्ता (वक्षका) वर्ष (वक्षका) वर्ष (वक्षका) वर्ष (वक्षका) नामित्रक्षित्रात्ता म् (स्थार) मेर्रात्वापन्यमा ग्राह्मा ग्रह्मा त्या । यह स्थान मेर्या । यह स्थान मेर्या । के. बार्ड अ.सर्वेश्वासर्वास्त्रेयाची वाह्याची द्राप्तास्त्रेचे वा. त. द्रा है. सामवास्त्रां वा हुता रमासुका से अभारे का पर हिला जिंदामु वर्दे से बा करेंद्र के सिंदर । शुर देगर देवार वर्दे र के देव के विद्या में यरं अध्ययं अध्ययं प्रत्रहिल। किंद्र अत्रे देशक्र में बेर्टर में देशके प्रत्रे देशके अ एवामामित्रामान्यां परे. हेला रहमान्त्राक्त क्रियमान्य क्रियमाना स्ट्रेग पर्वासिक्त क्रियमा 一個的でで चराजायरसार्बेर हेरे र वेषेया क्षेत्र, दर केया र तर रह ए क्या कर अधर से बाज ए जा से बा एक्रीश्राश एवरारद्ध वर्षेत्र में बाखे एह्रवर्द्ध। में ठरेव (क्षेत्र) में द्वेद वे क्षेत्र में क्षेत्र थुं में मेर्सिणाता भुर्नित्यम्ब्यालारतिरारी नेवा रवाए ताए (वए) अनेकरत्मिरतापृत्वता र्जिट: शार्तात्र शाल्या में अधारा प्रत्या तर वरें में आ (परें में आ) अधारा (रें में स) के आयोह तथा र्रिट.धा.प्रशास्त्रेत्रादेशः विश्वशाला वर्षः इवाक्तिः श्रिश्वास्त्रीः श्रिशः वर्षः स्वास्त्रः प्रदे प्रवः कराश्वेशक्षा निर्वास रद्यी प्राणने तथा कि के अअर्थित मा. लुग वर्षे अविश्वे हर ने ण मेंबाक्केशर. रेट. एत्सेल. रे. वट. रट. इर. वए जब.रट. व. इर.हेब. राष. जबादुवाश. वरेट. श्र. हार.

्यारमाश्चावा प्रमायद्वरम् अरावद्वरम् वास्त्रवासा हिराववारात्मक्ष्वरा स्रवास्त्रवार् । वि.श्च. वि.श्च. वि.श्च. इल.चारीद्रश्टरचा मे. का. प्रेचामिद्र विम्रेट्र द्रा है. एरे में मं भिरणायी।

गर्छात्यक्रियुत्रक्षा छोड़ नर्केनलयास्य देहे म्बाक्षिकारत्यां रदः। कूर हिर हिर क्षेत्र क्षे ्र्या. १६१) म्रेया. नर्षः यात्व. वार्ष्ट्र अहंदास्य। यहः देवाराक्तिः वात्वर व्यवहरः। क्रियर व्यवस्यास्यः उक्तरमहूर्या पालक्ति, द्वाराक्ति आवए एक् स्वरा कुरवित कुर्वे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व रदररार्ज्यम्नेताव। सूरारायुक्तास्त्रवात्रेयाः स्वाद्याः वस्त्रायः वस्त्रवात्रायः देश क्रायवरव्यक्षामुन्द्रकारा रोपेर् के केन्द्रवार्य ते सम्बन्धिया -1281. लुवार्श्वार्ते। वर्रिट्टर् केवनाश्चित्रवारा ला. मेरा वावता लुका वर्षे राहर् पात वाववारा। अरत्वार छिरद्या । देवल वासवरदा छुत्ता । दिद्यीर देविक विस्ति । ग्लभार्य गर्रारायमुका नेवानी वकान्यका सिम् सुक्ता है। क्राये का धिका के मान का रामेरा स्वार्गणार्यः र्यायाकार। यी.र्यायकील्यित्वत्ता क्रियेए वर्धर (एवर्गक्रा) वर्षर प्राप्त वर्षर वर्षा वर्षर वर्षा वर्षर वर्षा वर्षर वर्षा वर न्याचेर्यार्थरात्रे त्राचाया गुर्द्रित्रे न्याच्या न्याचेर्यं न्याच्या न्याचेर्यं न्याच्या वस्यायात्र विश्वक्रियात्राधार्म्य (म्या) क्षेत्र वस्य । विश्वक्रियात्र वस्ति। मक्रवर्षा श्रुक्तिः त्रायाके श्रम्वरा चर्चा स्रेर्चित्रा स्रिर्धिया स्रिर्धिया स्रिर्धिया स्रिर्धिया सद्दा) मुगलयति में अक्षाता थार् इवाता या हैता यति के वा वसमेता वा द्वा वा देव वा देव हैं ग्रेंन्द्री पहलाश्चरक्रियायां श्रेरवित्या के कहें वेत्यात्वर्द्द्र देवा वेवस्ता अवातिता इरक्षाक्षाक्षात्रा त्यारा तयारविषायाच्याक्षाक्षात्राता देश्वनंभद्रवाकाक्षात्रात्रा वरकर स्व करा शर्म करा की का करा कर या के का कर है। या के का ला कारा न्हुगालामधोर। भेपवादाना ह्या (इंग) त्यायेर। भेर्यरायसाय इत्राप्तिया नर्षेत्राचारात्र । सार्वाद्वाद्वात्रात्र प्रकारका प्रकार । विद्यात्र ने क्ष्यां कर । विद्यात्र सम्प्रास्त्र में निष्ठा के निष्ठा में निष्ठा मे निष्ठा में निष्ठा ः ग्रम्भास्त्रम् स्ट्रम् म्यास्या नद्रात्रा नद्रात्रात्राचिता (मिल्रा) व नद्रम् स्ट्री क्रिर्वर्श्वम् त्यमः नमालक्षाक्रिया देवावशवास्त्राक्षाप्रविक्तित्र हि. लारक्रवाला बाह्यकारी क्रा तथ गःश्रवास्त्रावसःस्र्रा छ। देरः (देरः) से रःववति वस्राध्येव स्रिर्। इंकाश्चारे स्मरश्चरमा या। अरवन्तर त्विभाक्चिररेतिक नामय र र उदा का अरिश्वर वर्षे

वशास्ति। एत्रवशवत्रः(वशवत्रः) प्रदासाक्ति। वशवायाः अक्षेरवर्षेत्वम् विषा अम्यवार त्व्या श्रीर अवाका प्राप्त दरके तर्र माना या वत्या तो अने विकास विकास है। वारी पाल कार्या । क्षां ग्राटः वर्षामा म्यानदे के सेट (मुक्ते वरे हिर) हा राहिरणवर्षमा र दे दे वर्षा सामि यर, कुव, यं बुध, ख्रत्नेद्रवंश। केंद्र हुर्या-कुश,रंव, भावए, ध्रवेष, कुवा । दर्ह्या अद्देशेल, राम् वर्षेत्र, इम.श्रुम, श्रीहिद्ध, पर, केंग्रेस धर्या था। वा. बिर्याला हे. प्रवी परें. एवं पाजारें रामकार्या पाय परेंदर्गा वर्षा की परेंदर्ग विवासिया। ८.८८.८.८.अ.५४.४। श्रि.च.चेडुवा.धा.श्रिषाजीयजदा क्र.लाड्या.केंद्र.क.अधु.चेषुपा.तेब्रेड्या स्रीत्क अर्थर्व्हर्रा तालेवा (कृष)र्थार्र द्वारेश क्षेत्रे अरावबर्धवर्गर्श्वराता वर्रावना व्यावना स् त्यास्तर्यास्त्रम्यद्व वर्गामवर्द्धक्षिर्द्धक्ष्या क्षेत्रद्वक्ष्यस्य वर्ष्ट्रप्रक्ष्यः वर्ष्ट्रप्रक्षयः वर्षेत्रवर्षः वर्ष्ट्रप्रक्षयः वर्ष्ट्रप्रक्षयः वर्षेत्रवर्षः वर्षः वर्षेत्रवर्षः वर्षः वर्षेत्रवर्षः वर्षेत्रवर्षः वर्षेत्रवर्षः वर्षेत्रवर्षः वर्षः वरवर्षः वर्षेत्रवर्षः वर्षः वर्षेत्रवर्षः वरवर्षः वरवर्षः वर्षः वरव्यवर्षः वरवर्षः वर्षः वरवर्षः वरवर्षः वरवर्षः वर्षः वरवरवर्षः वर्षः वरवर्षः वरवर्षः वरवर्षः वरवर्षः वरवर्षः वरवर्षः वर्षः वरव्यवर्षः वर्षः वरवर्षः वरवर्यवर्षः वरव्यवर्षः वरव्यवयः वरव्यव्यवयः वरव्यवयः वरव्यवयः वरव्यवयः वरवयः क्रियास्य स्वति हेर् मार्थ रहा र्वाय वा याहीर वी या मेरा हु है। अहत वा स्वाहित स्वी चलाक्षेत्र क्रेश्चर खुर रमार त्येकाले लाला क्षेर वेबा स्टिर खे. भवा लाब हरा हुन कर. एस्अधिद्रायीद्रायावार् (रअवः) कर्रियावर्रेरायेयायावयाः मार्रे राष्ट्रेक्ष्यायावार् लुवी क्रियं क्षियं शास्त्रः रे ब्रि. इ. र. क्षे अब्दर ब्रा पा क्षेत्रः ला अवता क्षेत्रं का करेर के रे यह वबार्। ८. देक्ष्म. एवडमार्यात्त्रीत श्रव्यात्यात्तात्त्रीः अराव अष्टात्रात्रीः खिलाला प्रदासर्व इरकेट सेराव है। खालका वसवा अवूलिका सामा सेरा शिराद्यार. रत्यः बर्दर हे स्र अस्ति । अरत्युगा अस्ति वा अस्ति । स्ट हे ते स्ट हे ते स्ट हे ते अतु स्व हे ति वा यह्माह्य द्राया त्राया दे विद्या द्राया हिंद त्राया हिंद कर मार्थ त्राया एक्.कर.भु.कं.पर्वेग.ए.पर्र । मु.क्षरंभाषाक्र.तत्र्तः (त्र्रा,रेपरेग रंजनाक्रें. सूर। एह्बाड़ेनबारमामहबाबर्धराया कार्रे हिराएह्बावस्थानामा कर्यात. र्योवशायक्ष्मं यहतितारेश मितारि केटान्य प्रयोक्ष्याद्यायाता व्यास्ट्रें सेताहरे प्रयोहराया हिट्युर.ला.सूर.पहन हिट्युर.ला.सूर.पहरादक्रिर.का मर्थेशम.मर्गर.ताल्र्र्यमम्मरी क्रि.जयव्याम्.लुप्र. क्रिक्टर । भूरेए वर्ष करायमा कर्रा अहार हिरा ११८ है से कर् र्वाभिराधारी के विवादियां देरी देरिया की महिया की विवादिया के निकार के निका दर्यारी विद्ववाभ्रम्य वार्ष्या कर्ति वार्ष्य वार्ष्य कर्ति विद्रम्य कर्ति विद्रम्य कर्ति वार्ष्य विद्रम्य विद्य ट. रंट.भर.व वं ए. क्या. हो. रंट मार्थे मार्थे हे. प्रते हे क्या का क्या का क्या का क्या का क्या का क्या का क्या लेथी रेवर्व हर्डी हर्रिय रेने के अर्थ वर्ष अवस्थित के रेने के रियर के वा तुर्वात्वक्ष्यते । को एकर वस्या वस देश देश तो धेव। विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा

ल. द्र) बर्धिक (पर्वेशका) हिर्वकाय दक्षाली देवशा हिर्का स्वितावास)

र्थं वत्रदक्षा वत्रदाधीव वे ते ते त्रा वत्र देव दराया स्वाव । वत्र दर्ग द्या व क्षर्राटरासाल्या न्युवान्युवासराधराकात्रवाहरका क्रियांचा क्रियांचा क्रियांचा विद्या न्वराम्बरामरावराद्वाम्बर्। हर्ष्युराचरेवते वर्षायस्वामह्द। सरावरि स्वर लारेरा देविश्वास्तररम्यवाद्या र्योभ्यहरासरी प्राथित सेर्य्यर्यर्था द्वान्त्र हे या सर्द्या प्रवास का मान्य के साम के साम मान्य के साम म 250.21 ११ छरित्र के युरु हुँ॥ है। द न्त्रत्वराष्ट्रं हे अपर तर्येश के विश्वराद्वेश्वर अपर में के विश्वरात्र में अपर पर्वास) इटन्यालयाक्तिसा देवारावित्याम देवारावित्याम हेवाराव्याक्तिस् रूभ्रर्टि कि.र्चाए (ठंगए) रे.एरैंग चिर्द्या स्वित्या प्राप्त के प्राप्त है। स्वापार्या स्वापार के प्राप्त के प क्रांभक्षा करा श्रीटार्गम् द्यार पर्दर क्रिन्ड रहे मेर मार्थ में के वार्ष मेरी न्त्रात्वराक्ष्र्रात्रात्वात्वरात्वरा याक्षराद्यात्वरा याक्षराद्यात्वरात्वरात्वरात्वरा ल्यरायान्त्र) विवादमानात्म्याह्मदावद्यंत्वात्म्र्री वक्षां भी भवास्यात्म्यात्म्री इर्स्ट्यं वर्षित्र १ द्रवादी द्रवादी द्रवास्त्र । स्वास्त्र १ स्वर्षे । स्वर अभावतान्त्र रहता रामिलानामान्त्र के अभावतानामान्त्र वेशावहर म्बाहरर् ज्या खरमात्वाखर्र राजा है। यर म्बायावावावाया वरा त्या बारीआता हीर अपानकेश प्रवेदरा है। के पर्ट्य में प्रकाशकेश मार्थ में में में ुं आर्रेश्वास्त्रम्बर्गा, दरंदराता वर्षा वर्षः तं हैंदाली क्रिया केता विषष्ट्रादे दर हेट(बहुट)वगातक्री अग्निम्यवसम्बन्धाले व्याया दे अटाव्यायक्री र्नुर क्षेत्र व बार व राधा का क्षेत्र ही की (हिल) क्ष व वहुव (अहुव अ) द्वारा के रेतर यास्त्राम्य विश्व के विश्व किर्य किर्य किर्य किराय के विश्व किराय किर इ.थे.केप.ग्राहिम। श्रित्वासर्वेद क्रि.प्र.पारक्रेट (ब्रे.)। रगर.मधावारसर्द 249

याभारणकर। याते में अवरश्ये स्ट्रिय अहूरी दे एक्र शर से बार्य है। भिन्तेशल शरमार्थार प्रहालक्ष्म सर्वेशविश्वाल देहर दे खे के वि (वा दे) के बेंबेबा । इ. इ. हिंद्र श्रुक्त हुं । दे. एक्ट. के बार अंद्र श्रुट्ट हुं । में से बारा क्षेत्र हैं । के हिंद पड़ियारिया हेन ना विहिद्ये मानहरी र प्रायम्य हैन. श्चिर-युशासहरी अजया द्वीया क्रिट-क्र प्रमानिक द्रिया मार मार्थिया मार मार्थिय में मार्थिया मार चमार में विश्व के विश श्चर्राम्यं मार्थे हर्भावतर्थि क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वर्षेत्र एवंद्रत्यक्ष्या देविष्णस्यापद्यान्यवातात्वास्या भाष्ट्रम्यास्या र्वेद्वान्त्रिया स्टिश्विद्वार्था के त्विद्वान्त्रिया हिर्वेद्वान्त्रिया के विद्वान्त्रिया के विद्वान्तिया के विद्वानिया क ल्यरात्रे। महिर्यक्षेत्राल्यरकेवपान्ते। देक्ष्मेरवाद्यां विवालावधरा प्रवा वर्ष्येयातात्राच्यात्रेयाः एडवाक्चरात्राच्याः देख्यावारायाः तथाः (पालक) कुछेद। देश हुए हुए हुए देश। सर्वास्त्रेर्देशाधीकेंद्रेर्देशम्यास्त्रान्द्रद्रम्यास्त्रान्द्रद्रम्याः विरा स्टार्यतः वन्नाक्ष्रीयातातः दाष्ट्रे (द्वते) अद्वायात्वर दे त्यावायद्युः स्दा तर्वा । रयत नदुररे द्वा ख्या राउद विवा या मधी त्ये या पुर आद की पुर । वर दे मकवादवाश्वराधीयद्वरिवर्वि(वर्वि) येद। देवराराव्येद्यद्वरेतिवा यंवायरार हराश्रीर र में र राजरा द्वादा हिराय हिर् र की की कर हिरकेन रे तावर्वा यार सूर् मेरा त्रक्टर्र्यास्टर्ड इस्मालायनातः म्रान्यति दर् हेर् के मल्या कर्यार्थं विया हरार्यादा हेर हे. या या वा वा र्येव वाम्य वा हमा वा वा वा वा विदास र दें यवयात्रादरा द्यत्यदुर्म्मणक्षेयव्येत्वर्म्द्रियार् तर्वात्राम्यव्या र्थर्द्र्रे थाटा अम्बद्धतातरे हर अर्थित माववाया अकेर हेव यादरमाता हैव क्यून्ट्रवरार्वा केवा (रवार्क्वर) केवा प्रिकार केवा प्रिकार किया करा सहरे। केवा प्राप्ति देरा देखें वर्ष न्म. मियादरा एक तार्भमारे में स्था कार्म द्वारा कार्म द्व

प्रवर्ग मृदः सद्वाव कार्या मुख्या क्षाया स्वराधिय केटा करा माना स्वराधिय । त्रेवाधिरद्वत्यावे स्वत्याकी राष्ट्राक्ष हैं न हैन हैन हैन है या के वाया के वाया ता ना स्तरवार्यातविषया नया तत्राता गुरी हिंदा एक प्राप्त ही हे विषया प्रेया वेपा लंदा। कुर्रर रेक्ट्र के के का इंग्स का का जाता के जिर है के के के के विवन्त्र्यंत्रभारादः। अदेशायक्षाक्षित्येत्रतादे। क्याववदःइति सेवादाप्तित्र हीया अध्यान स्वास्त्र रायके रायके वर्षायां दे। विद्वासा से विकास स्वरा रादा किया नर्पात्ति (पहणा दे लादा ही दा हो गायहरें) आकर में भी माने में पारे में भी माने में र्भाराकेतर्विया वर्षेत्राच्या होतेर। हेक्याया श्रेचित्र स्वर ह्वा तबदश तरी है भक्ते लिया में क्रिया में निवर । इं र तिहिता करे वहर र विद्याल में निक्र में निक्र में निक्र में निक्र विभागभाष्टिवार्यात्रे सा.ष. यात्रात्रात्वार्यवाराष्ट्रियात्रेयाः व्याप्त्रेयाः व्याप्त्रेयाः सर महास्थानिक के महास्थान दार्च दारा है ने समास्थान के महास्था के स्थापन के स्था (जन)एस्टर इसाविया में हर। दे हिरहर (दा) वे क्वर है जारा या है ये ही दव जिर बेश स्व. याः तर्ताः क्षेत्रः व्याः वर्ताः वर्ताः क्षेत्रः वर्ताः वर्तः क्रियाम्या पर्त्याम्याम् । भित्रमान्त्र्यम् क्रियाम्याम् । प्राच्याम्याम् । प्राच्याम् । प्राच्याम्याम् । प्राच्याम्याम् । प्राच्याम् । प्राच्याम्याम् । प्राच्याम् । प्राच्याम्यम् । प्राच्याम् । प्राच्याम्याम् । प्राच्याम् । प्रा पार्वर्वतार्थः मदाराष्ट्रवास्वराध्याः भेदराश्चरा स्टारास्त्र्रास्त्रास्त्रा वादार् मरः वचरः तनुस्राक्षेद्रदर्ध्वा वित्राचित्रं सरः तव रहेरायराक्षेत्रा वाइवाह्यदा दुवा सवा कुरा परिवाहरः या देर्दरकी काइकादे त्यवत्यका व्यापालका । दर्दर श्रष्ट स्वयं वि (वि) वेवति अर्थे स्र (वस्र र.) पर (वपर.) हिर.त्रा दिस्र रह में प्र द्रा त्या है र व्यवस्था विश्व सम् (वन्त्र) ह्ववन देवलहर् के ही र द्वा के तथा सावल हे अहे। वहन व्केत्र दर वेन राजे वारा के की दर्मेशा सर होने के हरे दु वे ये ता कर वारा भाव का रादि अवश्याक्त सार्वः कि.चवताः अरातत्र्यं व्यात्त्वाः कर्ताः व्यात्त्रः स्थाः व्यात्त्रः स्थाः व्याप्तः स्थाः विष्याः विषयः विष्याः विष्याः विषयः विष्याः विषयः व रेजरा.च्र.र.केलात्या. वालरला मालेरी क्रान्ट्र अथा पर्टर नाष्ट्रवा सुजाक र है। (है) म् लद्दि एर्येश (वेश शुक्रेयाशहद्र) प्रकृतिश्वराद्वर हेत्वर हेता व्यवर है. वहरा रमन्त्रम् राम्ये राम्ये राम्या दे त्या तमार्टर व मुख्या स्वात है कारी मारा दिवाशिकाशुराद्वरा वा किरासक्ते संस्थाता मंदामदाती में ता बालवारी में ता वालवारी में ता वालवारी में ता वालवारी में (मेर) मामान्य त्र तर्क्य ति विद्यार हेर भवता क्रायस मामान दे दे दे ती तरे

त्त प्रायद्दः मुं ब्रायद्वा वारा या या या ये दि हम रायद्दा यद्दा के देदा की वार्यदा यदतः क् (क्) दिल्या एक द्वारा स्वाय मित्र मार्थ है के विकास कर कर के में कि तर का कर स्वा है. वास्वारित्र्व के इस्ताय विक्राहर सुर् देवर त्या कुर स्वार म्रायाक सेवायाक ता.पट.चलुत्र.देवसूर वायदवर्षकर देरा दलाय वर्रेट, देव मेर्स. रद्यों हे. यालव. ब्रा. केव. यर्ट्र एव वेया से हैं। ता पक्ता रेश र देश वे र केवा पर् योतिमाक्तित्याद्रक्षितात्र्याच्यात्वाच्यात्वाच्यात्रम् सर्द्रियक्टमात्वा श्रीदामास्म्यात्वेगः र् प्रवत्त्या श्रीटार्टाट प्रदेश वार्षादेर हें वेतावता भरार्ट्र हिर श्रे वेशका वार्षेर वर हिता हैता । ब्रम्भस्वविद्य भिने रि. तिवायायायायायायाया भिने नेमार्या भिने विद्यात्वेत त्यास्या प्रवासेवयाक् अवयाकरयाक्ष्येवयात। कार्यालयर्थ्य हर् देशम्ब्रास्ट्रिय पार्थाय वर्रदेर्द्रवा द्वारा देर एवे पायला हिरामे द्वारा है। व वर्ष देर वर क्षार्विया था मिर्का शिरामा स्थापक कर (लटा) हैया तरेदव हर वर वन्त्रा रादर। दमदाया ने हैया इसाराश्वास्या हार्रवा वा वेशराहरवा भी वेरानेद तरकता रवर हिरा के र वेरा वेरा वराय-नव्ययिष्ट्राहुक्यात्र्यात्रायात्र्याः नायतःत्वर्तेत्रम्यान्याया यार्वर् द्रारान्द्रक्र रामा होनाव। क्रामा कर्मा वह ता वहवा करा है। दे रहे के महिन वह (महर) नदाय। न जायह युद्रक्ता ।जीह बर.बर.पर् देशस्य का संतामकाक्रेव वायमा हार द्यार श्री वर काक्रेव वर हार हार हार हा अराव क्रिय वाही र वयास्त्रा दे देर रचके राहित तरहें दे दर र र र अन्तराका हर से दर हैं म् मार्ग्रेन्था वस्त्रेत्यम् हा तह्यावर वस्त्राचा वस्तात्यम् रह्या मार्थित उन्नाह्म नापन सुर्थर निम्द्र हाथन। सुर्व क्षेत्र हार्यन सुराक्ष थन। सुर्दे स्वाह क्षेत्र थन। रुअह्व यालग्रमान्यर्थात्राचा हराह्या रामान्या केमान्य देमान हराह्य रामान्य के त्याचा यालयास्यास्याद्वातस्याद्वात्र्याः ह्रेन्ट्या याज्यस्य स्याद्या राष्ट्रात्याः व्यापादाया राषाः क्रिक्संबर्भ्यत्म् कर्राका खार्य मार्का वन्तर्भ दे क्षेत्र्यीमा दम्सम्रित्रम् विका देशम्यक्षा पर्वराम्रेश्वाक्ष्याक्ष्यंत्राक्ष्यंत्रा रतप्रम्थित्राध्यात्राच्या प्रदेशाद्वाक्ष्यंत्राक्ष्यंत्रा सरमक्रेशियारी सेवाम्तरा रेर.यूर्ता १ ११ वर्गा वर क्रिकेश कर मा वर वर ही वावन्यम्भित्यः वर्षाः वर्षाः वर्षाः दे। दर्विश्वायः तृष्यं देव साथे द। श्रीरः द्वायायाः वर्षे दः वर्षे दः 6 pair 更为し 居とれるのでの、品口量と、い(夏を、あ) 対土 ( 多くり) 生く更くしく くくは、か अभ्याम् स्थान स्था

यडरा विक्टर राजमार्था व्यव त्यापन है सिर विश्व मार्थ है तरिया मार्थ के परिवा पार्थ है मेरवारकी

वरिष्यामान्यानार्थे। अञ्चलाश्चीदिकीकोदिकेतात्रेया रेप्टरकी अदिनादुर (अदुर) वादाता क्रिंद्र र द्राय्यक्रिं क्रिंद्र क्र क्रिंद्र क् हिरहर वर्श्वे अदूर वर्षा वेर रेन्द्र के हिर वर्षि वर्ष स्टर्ग वी वर्ष स्वराद्धियाव केर राजाय। क्रिंद्रमध्यार्थ्यस्य तार्याच्याः विकार्याः म्राय्याः म्राय्याः त्रका) ह्र हर्षिरतियान्तर अर्थ तिराव वर्षः । क्षेत्र चनम् मान्यान वरम्बेन्यम् मान्यान वरम्बेन्यम् मान्यान त्रेवामान्नेक्णम् मान्याम् र त्यार्थामान्याम् वाववामान्याम् वाववामान्याम् परी कुंबाचान्द्रचन्छन माम् मुक्का देर बर्ध दर्भार स्थार कर्रा कुंबा के से बर्भ र न्या राह्र रहार था. रूरी र्यार क्यांकी किंदाने हार्री अयाराष्ट्रयोगे नाय केंद्राभूकी उयाय इंड सुर रूर हो भू अ में स्व र (हेवस) रेरी ववारर पुवाय अमें हेवस रेरी वरस रूर से देखें न्द्रेष्ठः (महेष्ठः) ४६१४ हेटः) चन्त्रः तर्यात्रः वर्षः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष् उक्क मानुद्रकी (किया) के रहा देश द्रा के (इवार्या) यह बीट के का मेरा ही टर्स का मुद्रक्षितान्द्रम् मुक्रियाता सुक्रियाता सुक्ष्या क्रिया वर्ष्ट्रिया स्थान स्थान स्थान मुन्यार्थर द्वरवारा के की विवास हारा विवास के से से स्वार प्रायम स्वार के स्वार स्वा गुवारमराभराभागान) हरास्य स्वर्ध सराया जावाळ्या दरा स्वरास्ता स्वरास्ता सामाना सरा र्नुरर्रितर्म्भाराम्यार्। अनेमान्नियायाधीनमान्व। त्यायायाम्यर्थित्रिक् पर्। यावेश सेवारा स्वता क्रीर् में सेव। रया त्यार क्रम् या र्या त्यार क्रम् या राया क्रिर् मुक्षेत्र। द्रानुद्रः तिः ताको त्यमं के तर्मायमा सुका व्याक्षेत्रः विश्वा हिर्मर केर में विश्व नार्मित्रे अवास्तवासरपर्द्यासरराअहरा रेम्राक्षेत्राजावनाहर। यावया है सुवा सिरामन्त्रताकी में ती पर् । अना नायपुर रहिर राज्या का पर्व पर्व में र के राष्ट्र रामिक्सी स्रियामहर्। सेट.बी.श्र.दर.(द्र्या.यी.दे। या.वलवार्त्र्यातार एकालाइर (ह्रेर.करवेल) ॥द्वार्डर दे दे वि. वे. दे प्रदा 12.50.2. CA. EXC. ST. 5. 1 क्षेत्राल्यद्याया। एकतार्भर्त्यार्भात्राची वर्ष्यात्र्यात्राची वर्ष्यात्र्यात्रा न्यवामतासेवी सेवतात्रार्ट (केवतार्ट) । प्राम्न में रहेबाचा (वा) मेंवा हर। सेविए था. व

यर रें हर राता सुरा देर करावायरा किए बॉरा कुवारिश की दुवार पा तबराव कुवा (वहन) वरा में प्रतिवास (देश) दश्र हैर है लाता कि. हा. ही. देश हे दश्र हे हिर ही रहे रहे ही ही ही. अर्थेत् (क्र) याद्यं अत्यम्यया यम् याया द्रामा द्रामा द्रामा विष्या स्वर्ण विष्ये स्वर्ण क्रि. १८. श्रे. में अवात्र्यात्या हिवासी क्रि. में में (ब्रि. १८००) में एवर देश वनवादि । रव्यम्बरायायायायार्मे देशम् (हार्यहार्यः) वान्त्र) वर्षियार्थः स्वत्रायार्मे स्रेट्र चर्रेरालका में चारीकार हा एडरेर ख़िर हैं ख़े केंब (बहुब) त्रेश एकूटरा हाता केंडा आरेर केंबारा. इ.चर्ड्र विग्रहर किवासर् किवासर हि.क. द्वार वर वर वर किवासर् अभिया देशका देश वर व लार्याम् मान्या विस्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा (स्वास्त्रमा विस्तास्य स्वास्त्रम् हैते व्याप्तयक्ति विवादित्या स्त्रियाद्वतः विवादा हैते वर्ष देश विवादित स्त्रियात्व वर्ष वे देश वा व यथायवर। द्वाराहरे कि छिर्य या जारे ना की स्वयरि रस्य या नी रहिवारा यथा सकेंवा यु. अर्डे व अर्थे अर्ड हा किंद्र कर र र विषय मार् र विषय मार्थ के र विषय के वि सिर्यापर सेट.इ.) तैवाय इ.इ.व. यथा (१४) गुर्तर अक्ट दें या ती सेंग (वर्ष) वस हिर वर मिंबिद्यी, जेंबेश कुंबे का प्रायिति क्ट्रूट, राजा दर्म दर्भ द्रूद्र, रे.मे. ख्या राजी (इंग्रह) वर्ष्या रा भर्दे (यक्तर, रे.से. एतिला ज्या अप्टालरता रे.स्टा क्ष्या आये अपाय असी प्राप्त के प्राप् स्रेर्यर रर स्राम्यर्भ विक्ताराका नेरर्र हामा कर अरव की की अर यार मुक्ता अस तामा हैर (पहेट) महाराष्ट्रका थरा दरम्मा तकमार देश क्षेत्र वर्ष स्वाधिक करा के बेट करा के बेट हर हिर क्षेराचरेशाच्या स्रेराचरेशाक्ताक्रा सवामत्रभवत्र द्वारामा वार्वभागा में ह्वा वर्गासिद्वर्। देवाध्यासिद्धरायद्यार्थास्यार्थ्यात्यास्यार्थराय्यास्यार्थराय्यास्या क्षित्राह्म स्वर स्वर स्वर देवातर रेगातवार्य केवाया से विष् वाड्या रमवाड्या ता छा।वार्ष शहर रूक्टर्टर हुंग की सेन पर्टेश रहें के खुरे कर हैं है। या के प्राप्त से प्रमार्टर वर्ष के कर हैं है। या वर्षिय श्रेट. वी र डिवारा, श्रेट. वाश्वी. ए, जावार ट. र ए आ वे. में वड प. स. वर प वीका श्रेट. वसम् (वसर्र) वर्षाष्ट्रर र्यतः ता ह्या प्रमालक सार्रे द्वकायसर्यता ताते हो। लाद्याव (अवः) स्ट्रां ववः मरा के मरा की मरा की मरा की मार्थित है। या प्रमाद्यात मार्थित विका पविद्रात्में अंशर्याद्रमात्माद्रा मुंभर्द्र क्रिकारी शक्तिकारी स्थान्त्र स्थानद्रात्मे रीश वार्शिक्ष रक्ष यक र्यत्वति सुवायात्यरति विवा चेर मुख्याता खवामुद्र के प्रति के दे था कूर। के.क्ष्यरप्रदे में कि.के.क. में ता प्रकृत मार्थ में राव के वा में वा के वा के राव के राव के राव के राव के रद्ववार्यते सुद्देशहाधादक वेवायहादुर (वर) व्यायक महाविशा की न्यवादी स्वार् म् देशक्ति वेर। वास्तर द्वार द्वार विकास का का वास्तर वास् यद्श्यायत्त्रम् व्रद्धाः व्याप्तायद्रायात्याय्यायः द्रव्याक्ष्यम् व्रिर्द्धाः र्.लार.क्षर.क्षेत्रक्षेत्रप्ति केलानूयाचार्यर.व. रे.स्रामक्षेत्र.प्ता.व. देतप्ताचरेर.रेवाताक्षान्त्रः

यान्त्रामा भागान्त्र १ १ द्राति वायव मुत्राय वायव विद्वाय में वर्षे प्रमाप्ता वाद मुत्राय रभवास्त्रस्थान्त्रस्थान्त्रस्य अद्भान्त्रस्थान्त्रस्थान्त्रस्यात्त्रभाष्ट्रभाष्य दासा रे विदारी भार की नासुरय अग्र रे अभारत की ता सामा रामा रे ना र देना दी तर्ता । मार्गराश्चिमार्चित्राच्यादेराताचार्यरात्मा द्वाराच्चेत्रम् स्वान्ध्याच्या त्यूं अर्थे देश की त्यार्थेय यमत्यूम मार्थित विदेश अरावर वर्षे वमवर्गेर। र्था १५९९ अर्मनानी अर्मात्यमाष्ट्रमंद्वर प्रायुर्धिअर्वे व्याप्तान क्रिया स्थापिता विराय स्थापिता स्थाप न्ययायर्यद्वर्व्यार्ध्ययेवर्षात्र्यः व्याप्त्यावर्षात्र्यः वित्रात्र्यः वित्रवात्र्यः श्चिम्दर्यान्त्रयान्त्रीलाकी नार्वेनातानार्वलास्य। मुरायतिक्षेर द्राद्याताम् द्रवादेव र्रार, छार, हिं जैस. किर, द्रार, द्रार, द्रार, द्राय, किंग्राश, ख्रार, विशा श्री के थिया है। जार, विश्व व अर्थें अ. प्रचा. में होत्या (रेंडली वपरी) अधए अप्र हे. बेंदा अप्र हे. हे. केंद्र अप्र हे. हे. पर्यादिर स्वावित य्वाका स्वा (वर्ष) धर्ट के वर्ष वर्ष वर्ष वर्षे वर्षे इस् इन्द्रम्थ्या स्टर्म्य वर्गे स्वार्थिय दिल्दा दिल्दा दिल्दा दिल्दा स्वार्थिय स्टर्मिय स्टर ट्रे.इम.बिण.वर्शक्री दे.युंट.बो.केट.आ.ण.वर्षेशव. आ.र्स.व.सी.य.(अभरण)क्र्य. इस.देविधेश्वरात्री । किंद्रशु. चेत्रपाक्रद्रस्य देश्चियं चेत्रपात्रद्रं प्रदेशः प्रवेशः प्रवेशः विवक्तिःरद्राक्षमः क्षाम्वादरः। क्रेंदवदुरायवाद्दरःद्रं कर्ष्यः मास्वाकावादः वेदावः वासम्वयः रवारेता के दरकी मुकायरिस त्यं मुद्दार प्रायदित हु के दिल के रिस्त के रिस की है। यातर्व ।रे.यट.क्.स्रेर्रे.परं.वरे.वर्गायटम्प्रेस्स्यास्यात्रित्रं द्वे.द्वे.दरं.दे.व्यवरा र्मेश्वरात्रेश्वरात्रीयुगाया राउटायां विभागता स्वार्वेश विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय तकेट स्वावु अ वु द्वा दे देट की कावरा कर देववा की दे किया कुवा तहुवा । दारी द्वा के दे भटादवातः वे व्यवाध्यावासुदर्भाषा वे मायवातः स्परः वर्तः हुदः रहे ख्यारे स्परः कोद्धमारे हैं वैद्राम्नु के बुंबाता केर कुवमा आमाया मारेटा ये थे आपावं रे पे विष्या कर किर किर किर के विषय के अवर्या विविधि वर्रार् 'तर्वा द्वीयारा ध्येत्रया नारको राववारयवात्राया दरा द्वार नदर में देवाला (देवाल) ववला ता आव रा दायुरा यादरा। केवा वा सवा मुखा सुंखा पर् केंद्र थरे. ख्रांदर्। पर क्या थरा कें जर तर प्राप्त का प्राप्त है, कें वेर जा गरवर, अहरानेरा अर्वन्तर्द्व्यूर्वेट्यर्वार्विक्रिके वित्राम्यर्वे ्यभक्त्रात्म। प्रदाश्याभव्दर्भट्द्रान्द्रम् स्थान् द्रेन्ट्र अट्येट द्रवाधारायुक बुगान्नियानम् म् भेषास्यायम् वर्षेत्रायान्याप्त्रात्र्रम् वर्षायाः म्यारास्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा वाह्रभाराम् त्रक्रातम् नामाना ध्रमानी देशम् वास्त्रमान्याः मेने वास्त्रमान्याः

द्याना

क्टाप्रह्मा (क्या) अह्या विद्यार्थिय कार्य आदा में ग्रंदर अहर था हीट र्यमातकर्यम् र र्याट्यितियट युट्रट्र में मध्यम्य स्थानिया भिद्रा युव र्कुवारु समामा तार्वरारयुरामा है राक्षीयमार् क्षेत्रात्स्व वार्चिराया सर्वाया सर्वाया सर्वाया सर्वाया सर्वाया इट लक्षा में व लवर में देर व बेट में लाई हमा है दिया है दे दे ता तर में के विकास करें BEN'N) हे क्यान्त्र हरी । स्थाह विदयाया रगर्य से लाई। सि से पहुंचाराजर या गर्म निवासी से रेव देव से में से में ग्रं के का तथा लिया एक्टा प्राप्त रिक्षा प्राप्त लिया हित्य कि कि कि विकास के वितास के विकास र्देष्टामा ।ववास्त्रास्त्रकेव में संही ।क्षेत्रसंधिरक्षेत्रस्यायः तदेवसा ।वारावेदरः वनः हमा हमा ता क्षान्य द्वर प्रमुद् (गहर्) । यो ने भाग्य ता ता त्व ते सूता धर मुका । उद्श्य श्रीर प्रें अता किंदा श्रान्त्री । पर्द प्रान्ध्र स्थिर प्रिश्वा देश (देश) ता । श्रीरक्ष अद्भेश. क्रवान्याः हित्याराअहर। । भरेर्राहराष्ट्रभाश्चिमार्यरायकः । क्रे. पह्यास्त्ररेत् क्रियम् यरातु। रिअरपुर्वा होत्रा अर्थहें रेशकी । वुदा की वार्ता ताहे रेखु कारा तरी थातात्रक्षाम्यर्भे स्वाधित्रियात्वम् यादा विद्वस्य विद्वस्य । द्वर् अहर्राद्वर रश्वरहेर्द्र । । स्वापक्षण र तर् हावानी पर ते व्यर । विवासमहरू की त्यर तक अरवाव। किवक अर के का मेर त्या मेर के का क्रमास्त्र । क्षेत्र हिरास्त्र क्षेत्र क्षेत् श्. कं. खंक्यात्त्रीम (श्रे cream) परे य तथा । जाताश्च परित्यं अवा जाता र हर पर्ये पानरास्टर्सित मिर्टर्सि । वि. पानेवा स्युक्ति वस्ता वा । स्टर्मा स्था रस्ते ता ब्रा वर्वर्या यर्वर्या यह वर्षा हर वर्षे ने राव करिया हर वर वर वर्षे त्या चारुवा:वार्च्चारवा:वार्वाता:हराः दि:वार्था:दर्म् ध्वाता:वह्न्यात्वाता ।वर्ववादर विश्वीका कर्या हैश। रि.हिर.हिर.धुर.कुर.धुर.कुर्वर (के. बार्श) वा रेंग दीर से वार्श प्रहिला विकासम्बद्धाः देवराक्षाः अवतः दर्कः मान्याः विकासम्बद्धाः विद्याः

श्चित्रक्षेत्र । वर्ष्य केवराहिया । किरायक्षायकि रे के वाह्या हित्र विश्वक्षेत्र । देव राष्ट्रिय त्त.की.चर्च.हिला विष्ठ अत्वल अत्राच्येच सेर.ज. उद्देश त्राची कुल की दे तैराध दला। 15 किट. अधुनियाताता अम्बन्नतः धरुष्याम् अव मन मन मन्त्रेमः वन्त्रे व मन या.क. म्. भारता प्राथटा देशवरवारी में ता केवा के मान्या करा है ने साम मान्या करा है ने साम केवा करा है में साम तर्विवाः तथाकी हेरा देवर स्राचित्रयमित वाह्याचेवा वाहर रवो वार्वेद सर्वेद वास्टर वो छा भाराय्वर्दक्वयाम् स्वा । १ मध्यायवा स्वयाद्दिवायते केवा व बटादे तद्ती दें न्त्र पराराश्ची न्या में वर्ण सेवरा, कुचा क्ष्मिता है. पर्त द्रा का त्या में वर्ण किया है। पर्ते वर्ण का में वर्ण के 'अं अकूबा. १६. । वर्ष या आपने अंदेवला दाए खी. ५६. किं में से दला आ दे श्रायाधारी भेते विषयाद्वात्रियात्रेयात् प्रथा त्रञ्ज द्भवार है।या रित्रा हु है चड्डे में हु कारा है।या वर्षा महारा वर्ष महारा कार देवरा संविष् इंसर्डर्थ। वरवाददायम् देवार्गाभावतः सम्बन्धाः वित्रायितायः वित्रेवायाः नित्र योक्तराम् क्षेत्रम् स्नि. खिलार्यम् । याक्ष्यम् स्त्रियात्यः प्राप्ता । स्नि. यह्श्यात्यः स्त्रियः सम्ह्र्यश्यरः । याक्ष्यः स्त्रियः स्त्रियः सम्ह्र्यश्यरः । याक्ष्यः स्त्रियः सम्ह्र्यः सम्द्र्यः सम्द्रयः सम्द्र्यः सम्द्रयः सम्द्र्यः सम्द्र्यः सम्द्रयः सम्द्र्यः सम्द्रयः सम्दर कर्क्स अकर दरा विवाद अम के कि तव मत्व में में । दरमहा स्ट्रा के विवाद अम के पक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत् सरुवाया धीवार् नासुरः। अवस्थारे नाइवार्वाधीव व नासुरः। । वे धीवासे व साक्षी वी लाक्ष्यान्त्रेत्राचेत्रा वित्रद्यान्त्रेत्रान्त्रेत्रान्त्रेत्रान्त्रेत्रान्त्रेत्रान्त्रेत्रान्त्रेत्रान्त्रेत म्स्याम् रेड्रिस्र्रेर् क्रिस्रेया मान्याया रिस्ट्रिस्र क्रिस्रिस्र क्रिस्रेस्र क्रिस्र क्रिस्र क्रिस्र क्रिस् (स्राम्यात्त्र) हिर्(बहर)क्षेत्रक्षेत्रभते वर्षात्त्र। । वर्षे स्वरावशाहरसरः पर् । वि. भूवालिया क्षानिया । दारा दिल्ला स्थान माने करा । वित्येरमारेवः अभ्रास्त्रका । के स्ट्राम्य नर मान विष्युत्त हैं हैं के विष्युत्त हैं। स्यम् हेयडवर्गरा क्यापत्यवरायववायादर्भ हेराहातिका हेराहातिकारात्रह्या द्रार्था (एड्अटर्स्क्रिश्टि के.एब्रेर्स्स्का ) शक्रांस्क्रिकार्द्रिकार्द्रिकार्द्रिकार् ्राधाराक्ष्यास्त्रीरायायारायारम्। विम्नाम्यविक्षास्यास्यायायास्त्रुर्। द्रम्मुर् क्रियाता (अक्रमता) समित्रात्रे । अहा भारवादाताक्षात्रात्रात्राह्म । काइयायाद्यः भाग्नरायानेवासक्यान्य । स्टर्र्यम्र्राम्र्यायार्वेश्वरायस्य विर्देश्वरायस्य रामधेन। किरामहारमण कर्ण किरामहारमण कर्ण कर्म कर्म कर्ण है। रिनम् स्थाप स्थाप

रवायायार्यभारेर। विद्रात्यक्षार्थको से सुर्वेश्वराद्र। विदादगरायकि खेंतु पर्वे

1年日本

वस्त्र व हिंदा तथारव स्तुवा या वा के किया व के तथा व के तथा व के तथा व के तथा व नेश रि.ये.म.र.र.र.र.केयथ.वर विरिधिमार्थरेटियाक्रेर.रडी किंद्रमुवेया वहरात्रात्र छिरश्चरव उत्तरिक् तरहरमा अत्य विद्या में संभाषा य विद्या विद म्रि.रम्याह्नद्रलेशाएकए,यह देल वि.एम्पर्य प्रमायवास्याह्म विद्रम्याह्म । विद्रम्याह्म । लग्द्रभग्यन्त्रायन्। लावर्पद्रपद्रपद्रपद्रप्तायर। स्वर्धद्रपद्रप्तायर। र् अवत्तर्वात्रम् वाष्ट्रभावात्रम् द्वाञ्चरात्र्र । वाष्ट्रस् इवा श्रे स्रायाञ्चरा यदा । विवा केंद्र देव (कर्रवाश्वराधिर के त्युर्वाश्वराधिर केरा विषेट्र प्रदेश राववर विषय कर्मिय म् यनात्यते स्वाष्ट्रस्वा वर्द्ववार्यते खुलारुकी वाकुवाराया । ब्रीट स्नार्यते रामामान्या दियादामान्या विदायायकतास्रवसाता । श्रिक्यामा अवा वस्र मना द्रेत्रामा रातरे अड्डिंग्या के देवारा थीवा वाबुट व बट बेर वके वकुर रेदा विदेश की बद्दा थर्दिया इंसहरान्ता अस्किन्त केतास्वरावता वितत्सं रहे हरी ववा ता (दर्) तर् न्यर तिन्त्र । अहस्य या द्वावताक्रमाया त्या । क्षेत्र वर्ष वयराश्वयावायाया । यातिर्यतिवाहमात्रवाहमात्रवाहमात्रवाह्या श्री वारुवाश स्था स्वर स्वर । वार्ट (वार्ट) वर्ग वाकी वार्ट वर्द की विकार विकार । विकार वामा विकार विकार । र्वारि ख्रिक्षक्र वार्द्र । की दव यरि वाह्यभर्ग रहें वर्ष । द्रो प्रदेश मा हार्या निस्ता निस्ता मेर्टा करा सेरा कर (एक्र) के । के पर ताक्षिति । हरावनेशर् ्या म्वाकारहर्यायहर वाराया । या म्या वाम्याया हरा हराया रमे गर्मा दुरा होने के लेर तर् तर् । नम् ख्या या दम दल हर ही र । के तर हित यराभार्वे, कार्या, में हुन। निर्ध्य कार्या क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र करा निर्मा रहेता. रगम्भे लेटार्श्वरायात्रा त्रभवातकम्बराधराधरायादान्यस्तायात् । अतिहास मुद्रक्रिंद्रदेर्द अन्यवित । तर् नाइर्सेर्ध्वेद्र स्ति हर्षेद्र ति । केरिर्धायकर चाएमारवक्षा देखरामाख्यमध्ये हिस्यीर हिमासार हरा साम्प्रा हिस्ये यां क्रार्थातर तर् पर्वा क्रिने क्रिक्श हमें व्याद यातर तर पर्वा वा प्रमास क्रिक्त वा वा प्रमास क्रिक्त वा वा व प्रयाम्याञ्चला . द्रला चन्द्रश्चर द्वर द्वर द्वर त्या । वाववा आराष्ट्रारः बीटामरेग्न हैर रातार्यवतवटरा है के लिखें (वहरा) ने मार्थ हैर रक्षा ति के हे स्टेंड हीं दाविशासितरे तासद्वा मादी व्यर तर् थार है। (ई) हेर् ही र दित ताक है व्यर य साम स अर्वे नर्भेर नेरा | वेर वन्नरा नाइस त्या तर्वरा केर सामिर स्था

कुड़र श्रीर रेश जा में मरेत किर के के र मेर लग मने र में वार के ता है। यर के ता में चर्ये.व.(वर्यान्व्यव)) । अटेवंअ.वे.वराभावंश.ल्ट्रां श्राच्ये देवरा व्यवेशत्वेद्रः श्रा स्व। वर्षाद्वान्तराहित्युरामद्वानावित्राहित्यात्यात्राम् द्वा कालायाः कालायाः कालायाः वर्षा क्ट्राचाप्टर्स्य व्हरता है। । या वा क्षेत्र विकास द्वी मात्र क्षेत्र विकास । विकास मात्र स्वा मात्र स्व विकास विका 'यदम्मिनां । गर्वर्रर्रातिर त्यं स्वाधर सेर हु। । र्यवस्यक्र ता किया वासाय से तार अभियानिया। विविधः में सक्षेत्रामा मार्गानी वार्त्र, यान्या । क्षेत्र, यान्या । विष्त्र, यान्या । विष्त्य । विष्त्य । विष्त्य । विष्त्य । विष्त्य । विष्य । विष्त्य । विष्त्य । विष्त्य । विष्य । विष्त्य । विष्य । विष्त्य र.धुर्धाराष्ट्रभास्त्रिराधुःवरा । अर्रद्धिमार्भ्यायायवःक्राःचर । चार्षावक्किःचार्छे च्यालवा प्रदर्भ तास्त्रम्यास्या सिकालवा गुरायात्र सन्दर्भ त्यात्र प्राचित्रके विराधाराप्राचित्रके विराधित्राधार्थित्यके विराध यानाम् केपानान्। रियानाः सेवश्वानाताः । वर्षान्तः हरदेवय्रान्ताः भवी हिराधाः लर.ज.व्या.पर्र.भृत्रेत्र, वियामाक्षेत्रम्यम् वर्ष्यास्य । पर्यास्य वर्षः द्वः स्रिं। हिर्धिरम्बिरम्बर्धायार्क्त्रा रिवर्रक्तिरस्यावक्ष्यार्क्षा रिवस्वस्र क्रिस्स (हेटसहरा)क्या विद्युट राजवादगर्भाख्या । देशमामवास ब्रेट्स भाम । गुरुशः मार्नेद्रकेशः प्रचेत्राकुति । सर्वेत्रायाः स्वाद्याः हितः सावि । वाध्यारदाः वे वधः कृषसः 19年1日 | 新いれいるので、くれいかから | 日本から日本で、(からは)まり(シ)をはりく) क्रेवशरद्भारद्भारतः वी (७२३) द्रेव माईर । शुंभा विवासर्भाय दीमा । वेशामाय प्रमू तामार्थः (अग्रभः) दुः सेवरा विद्राद्धां अद्राद्धां द्राम्मता की कारुआ । ख्राद्धाः करि ख्रां ता कार्याः (अधका)कृत्याकृर। वातारद्धिः सैन्या (स्यान्त्रेता ) यसिमा । रअव से मूप प्राप्तायास्य इवश्हरी रिद्यार्टर मेरा (पर्वेश) दारा वित्र अवसा श्वीटारट साम्या किया सामिता (सम्)य त्र वर्षे अद्भावा अविश्व वर्षा हेर्। वर्षेट्र विश्व देर र्षु विश्व राया । त्र अवतः वर्षे 'जूर सेंद्र-कुड क्वम । विस्ताय एक हुया हर हैं र किर कर । विस्ताय कुर या विस्ताय । स्मान्त्रात्र्राः देवाराः (वर्ष्टारक्राः) वादवः स्ट्राः । वात्रक्रवाद्वावाः वादवः वादवः वादवः वादवः वादवः वादवः त्क्रवात्रत्वेत्रत्वाता (परुवादिकार) वादाया व्यदा । क्षेत्रवा यहि द्वा वि वात्वावा द्वा वा

E.कट.णटला ब्रिट ब्रेट्टी | उग्रेम्माट द्रेश | क्रिट्माट द्रा ट्रिंगाट द्रा ट्रिंगाट द्रा ट्रिंगाट द्रा ट्रिंगा क्रिया प्राप्त कर्म क्रिया प्राप्त कर्म क्रिया प्राप्त कर्म क्रिया क्रि

य्रिमान्तर्तर्भित्र येशवत्तर् विकार्ये येत्वर्त्वरश्चित्वर पर् केर्धित्या

दे क्यात्राह मेर्द्धा के दे त्या माने का त्याया स्रामेरला स्रत्याया स्राम इ.इ.अवतः पर्चे रमराभूषुक्रां वर्षाः व वारीआश्रीद्रा त तर्वता अतर्था क्रिया विषय विषय । वर्ष स्वास्त्राध्यार्थिकार्यायायायायया । तर्ष्यितेवरेवास्त्रायाम्यम्। राज्यायायाय्यः कि.के. ५३८ । श्री. भें अ. राष्ट्र के. राष्ट्र के. प्राची । रवाचर क्रिके व के ला के प्राची । (परेका) के ला की मिर्मित्र के का मान्य के किया मान्य के किया मान्य के किया मान्य कि सर्वा केश्रार्याय प्रभाव वरा केवर् वर्षे में वर्षे । विष्याय वरा सुरक्षे केंद्र या ला किवाह किरे प्राम्येशन्यवातर्वा । क्रम्रविभावात्रे में मिरायान्येशन्या । वारत्में में वार्ष्ये में मां अक्राम् । त्या नगा त्या में दालेर पड़े अंश्वार्ध । या के लाह ता में के लाव वारे अव्या अअ विश्व (देव) त्यां के के तर । विश्व रिया राति (अअभ) क्षेत्रव । क्षेत्र राति र मुवा (अवम) मार्वि छेन्। तिराय प्रमास्य के त्या के हैं। श्रु इवर्षे रित्रे व्रुट्य देवराश्रद्ध सार्थ होता वर्षेत्र देव सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्य सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार् र्भव। श्रेट्रातात्वराव (पर्वावव) श्रेट्रा धर्वा ह्या (तर्वाव) स्था विद्रत्य थां सहस्य (बहुता) म् स्रायात्रम् मान्यात्रम् । द्रायात्रम् मान्यात्रम् । द्रायात्रम् । द्रायात्रम् । यात्री विशायकामरत्वर्गर्थामर्। विरायासर्वरास्त्रवरा विरायनास्यास्त्र विश्वत्र । जिला सूर्य तथा तरेवता कुण अवहरा यह वा यह । नियः ही दः द्राम सूरः दुः अस्था यह मुरक्तार्यत्रद्वरम् मामायाया । यतास्य एरमा मामायायुर्त्त स्थित स्था

्रास्टर्श्वरायद्वाया हेरार्वाया हेरा हेरा हेरा हो वाहिया वहुता की या देवा देवा देवा वर्षिरक्रिरक्रिरविषा । यर्षिरविष्य प्रवासिय प्रवासिय प्रवासिय । व्रोधिय । ्यूर (सूर्त) मे । अक्के राम एकू के का कुरा में देश एकिए। । इ.म्बा एका माने ए । वा वा वा भे तकवाना द्वार प्रदेश के व्याद अदुवा वा विदाव विदाद विदाव व पदी रिवर्श्यायर वहवाया (परुवक्ये) से देवा से दी वाइया वाद वेद सुवा (हवा) यर वाई सुवा र्या विकारवार्ष्ट्रियानायितवभागित्यात्रिया । तारारे ह्वाया (यर) बुद्धाया ताराष्ट्रिया । रवेश्वर्षकर्ताक्रिशकविवाराः तार्वर्ता । देलदे हिरक्षस्यास्त्रम् । व्यक्षः अवसारकुराहर हिन्द्रीट वर्षेत्र (मर्वेश्वा) हा स्ट्रान्त (प्रवा) ह्या । त्वेश्वर वर्षः क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र सेवमायवेतावरु हेकर वाश्वता विवायकेता पर पर सेमाया ॥ मह्म (इम) तकेर देश रार्च ए तहर में की तहार यह मार्थ महमारे मा मार्थ देश देश देश रे मार्थ मुं अर्थ त्या तर्वता कर्य अर्थ मा वर्ष । विदः यह प्राया यम् व प्रभा हुं स् स्ट्र रब्रा ज्यारीशाचरीकारकायरेवात एडिटवायराकार्डर श्राचा यूत्रकार्यार वी छर्त्ररासितम्बावाकाकेक्रिया।।यार्गम्यार्गम्यात्रार्भातरी।र्रे विक्रम्याध्यर बर्बर्चान्त्रासम्बर्धान्या । अहरा हेन स्या हेन विद्या हेन विद्या हैन विद्या हैने विद्या है अर्थः (वर्षेत्रवर्धः) क्रेंद्रवर्धः प्रेचं हेरं तो ता विद्याल्यः वर्षः दरं चित्रवास्त्य आता (च) स्त्रवा आस्वा मिर्स् के रिया वर्ग विवासर वर्ग सिर्स कवर ए रेर् विवास के वर्ग विवास के वर्ग के वर्ग के वर्ग के वर्ग के वर्ग के (र्क्न्रम्यते नास्म त्राया वर्षा वरव (बाराबार् कुर्या निमा ।। बाषवा लाडा के सवा दात्र आकार्य का लाडा का सहा है आ मित्याप्रमा में ब्रिक कि बिदायाया चर्च दूरा अर्थेश आरो श्रेर् थे। ब्रा वाज बारि (ज्यामानार) आ बीवाराए थत्र प्रवास्त्र म् त्राम्य श्री तार ब्राम्य र ब्राम्य देश हर श्रीय। त्रांच स्तर सा प्रांच देश देश देश देश ता श्रीय प्रांच स्तर प्रांच स्तर स्वास (ब्रामा । अम्ब्राम्भ्रम् साम्बरम् ब्रोक्टा क्षेत्रम् अभ्याम् वर्षेत्रम् त्राम् हिं। वारायाम् क्षेत्रम् स्थाय वर्षेत्रा (वर्षेत्रा) हार्षेत्रा त्यात्रात्राच्या वर्षेत्र इत्य हे सिंह हिर हिर पर क्रिय हिर मिर इ छोदः हेर्नेस्स् । जो। इ नरहें हेर्नेस्स केशकत त्या है। श्रिकर्वादगर सति हैं यहरायवर्गा रहा । हैं र्वकें र्वायां वे (के) अवतात्रां वे | केरवं ते वरमेश हें का रोपरा

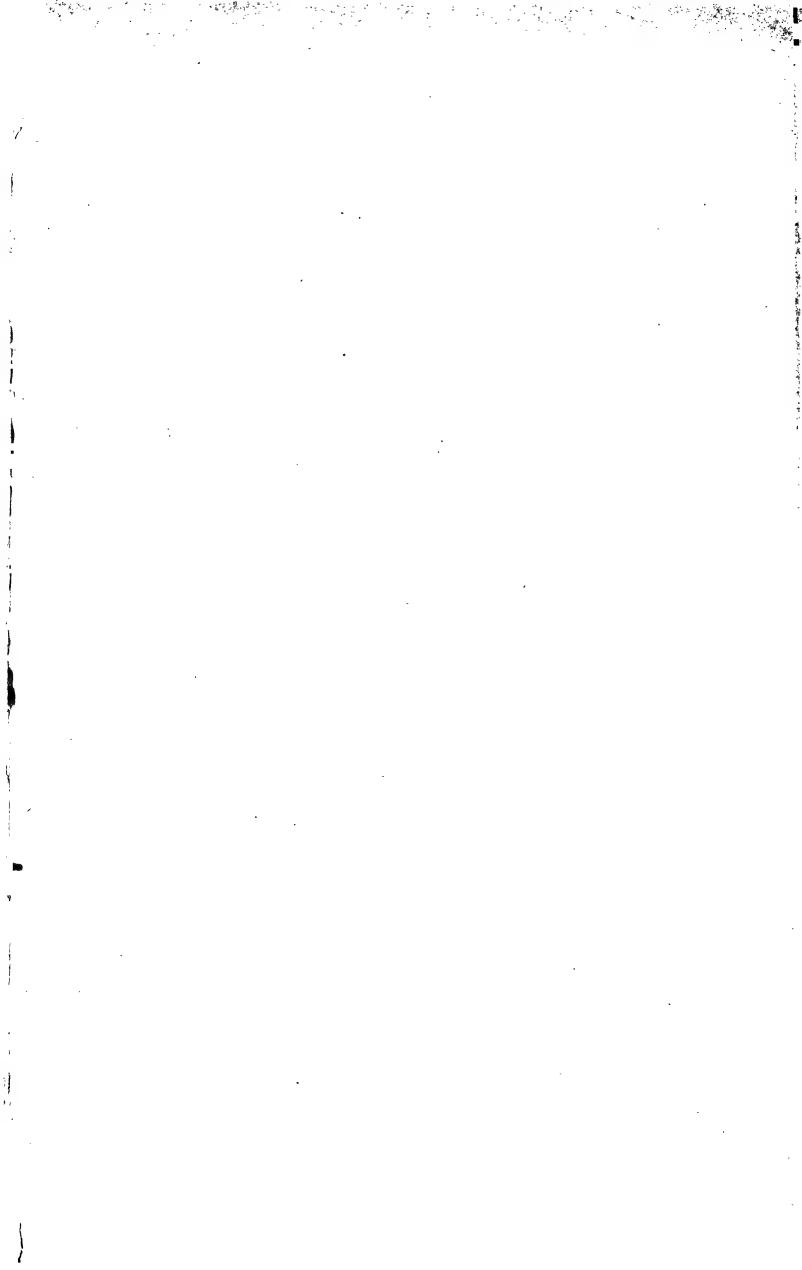
/20201

वृदासुर् रेवा राष्ट्रे आवतः तर्वा भी । द्या स्वाते स्वित्यद्दरः था ता तो दहः। । वृद्धाया के रेवाता मायतः र में किट्रार्ध्याः माद्याक्षेत्रः मान्यसा दिन्द्रभावेत्यते विद्याते विद्याते विद्याते विद्याते विद्याते लट.इ.अस.रामत्रद्रिः वैद्धि । श्रीट्रतिहरा वेद्धाति श्री । तेत्राचा भारति । रमर्गम्या । अर्दश्यम्भानम् वर्षे श्वरक्षियव। मार्दराउवाया वे थेवाथदा । विद मिन्द्रग्रमसम्बद्धाः कुर कार्य र स्व व कार्य स्व द्वार दर्श तर्ते । क्रिका खाला केरा कार्य स्व हरा वाम्भद्रेयम् हरेवला स्ट्रिंस में ने लाहे। यह वल संदर्श हर स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा रात्र श्रे हिंगमहस्स् श्रे निरावशमाहरहाधेव। दिवदे ता सुद्दा वह सिरा महर) । श्रेर्वर गर्गे राज्यस्त्रिकारायमे । अम्स्तर्था किस्माने तकत्यविमाने वाक्षेत्रायम्। विद्रायमः र्मा किर्मा था विद्वासा । द्वारे व सम्मानिया व स्वारे व सम्मानिया । व सम ब्रास्त्रीयवार्ष्ट्रास्टालयास्त्री। प्रदाक्तिस्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र श्रव्याक्ष्या नार्ट्र वा एकता । द्वाबक्ट ग्राट्यामा नक्याक्ष्या नक्याक्ष्या निका लगम् । खुलकुर भे से सदम् थर। । विभवन युर स्पेन यं नरिन त्या भेता हिर्के हिर्द्धरत्यकी विम् एड्रिंग अश्विष्टित त्याये विद्दे स्वित्यातर्ये। (ब्या)श्राप्रधातात्रा । शु.चालवाकु तापाहिया माभकुर्या विदा । किर्ततर हिर पाक्र सम्बेव र। । यहवायान्य र हेरायात्रर हेर अ.क्टरा । इतिया केरा वार्यायात्र हर्ष हेर्स हेरे। र्देशकारे अर्थाया । हिंदा ही देशकार गुर यह यह यह । । दाह्र तरि हे ता वा तहताया यार्थुरा) ।अत्यार्थेया (व्हेंया) शैर्या केंद्रकेशना १९१ । अत्यवेदरा क्षेत्री वीदा दार्दर। । आ । ग म्यान्यर द्वाविन तेष्ट्वर । विर्ध्य देश अध्याक्ष अधिर देन त्यात्र में विर्ध्य देश दार अद्भय थिन नेर ने । हिर्थाय महिन्ति कर्म पर्य । विवाद राम महिन्दी । है अर्नुर्द्रक्रियंत्रसम् । इ. ग्रेर्ह्रियंद्रक्रायवस्त्रम्। विश्वायवर्त्रम् चर्य । एक्ष्यां द्राया के वार्ष के वार यं महिला । के तहारक्षेत्रामहिनायर्युवर्षेत्र । त्रुवयं वेर्युवर्ष्यास्त्रेर्यः । त्रुव्यास्त्रेर्यः । वारोर्यित्वान्ववार्ययं केरियुमा वावेश। । त्युर्यकेर्यये किवा वाकेवा वाकेवा विदेश वार्थातावव क्रिन क्रिया विचरत्य के त्र के त्र के विचरत्य के विचरत्य वि एवद्यार्थः म्यास्यास्य (रमहत्त्र) । मेर्ड्यान्य स्थित्व मार्त्यार्थः । । स्थर् क्रियायार्थः । । स्थर् क्रियाया क्षिणायाददा विराष्ट्रान्द्रवाक्षिक्षणायाददा क्षिवाक्षिकाकार्याद्र क्षेत्र दिन्द्रे मध्नद्रम्था। वाम्यक्राद्व द्वाविष्ट्रम्यात। विद्यामक्राववतत्ववस्त्रिर्द्यः र्भे द्रात्र हैं द्रात्मेश श्री व ना है ता ना ना वर्ष का वह ना (ह ना स) एउटा में सर्रा

में वरानेया | १८.४८ हैं अहे नम् वरा । १५.८वर बीवराक्ष्मित्तवुवावर । विवासित हैया

श्रेरः अध्वर्थः मैं वर्षः स्रेरः दुः तद्र विकारक्षाः स्रेराक्षेत्रः स्रेराक्षाः स्रोति स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराकष्टि स्रिति स्रेराकष्टि स्रिति स्रिति स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रेराक्षाः स्रिति स्रेराकष्टि स्रेराकष्टि स्रेराकष्टि स्रिति स्रिति स्रिति स्रिति स्रिति स्रिति स्रिति स्रेराकष्टि स्रिति स्रित

大日美利



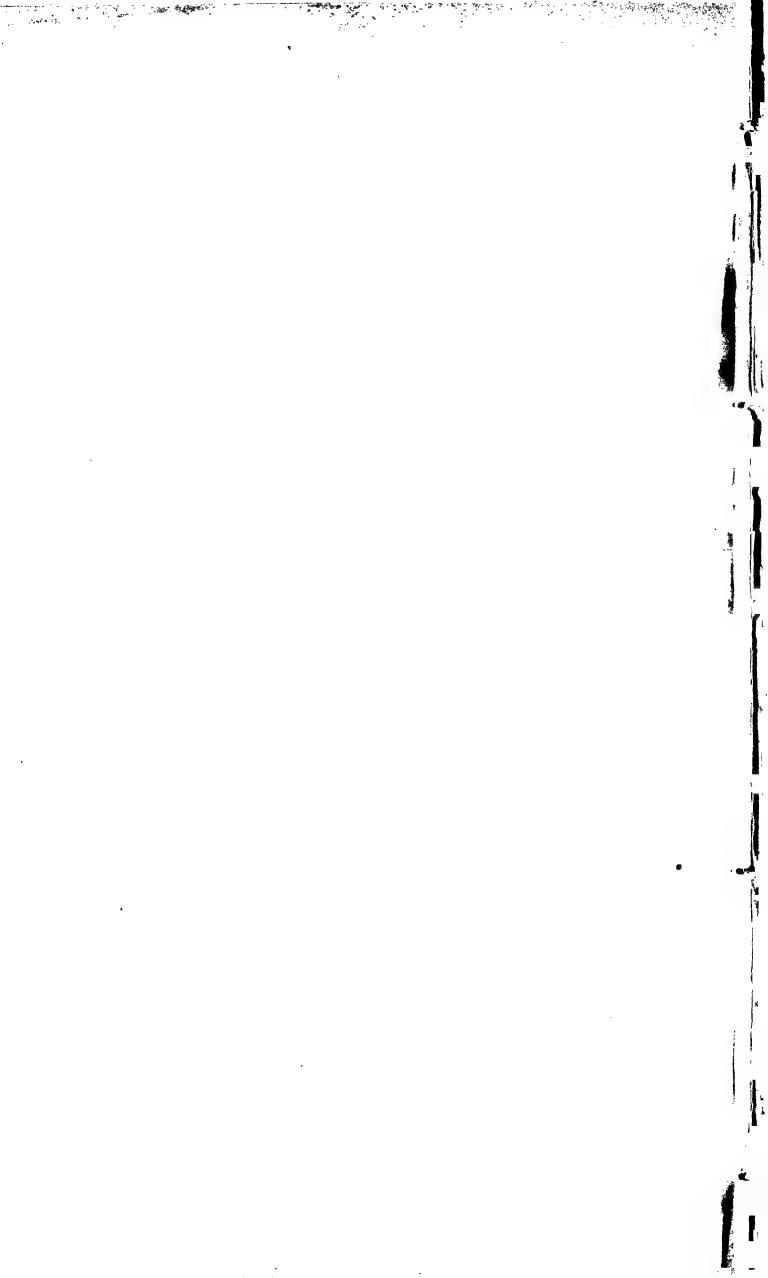
.

•

.

ग्रिट्यीर त्राव्यक्ष क्रिया क्रिया क्रिया

I



हिमा । एक्रे. य. अर्थर क्षा क्षेत्र हो। । वाह्य क्षेत्र द्वा क्षेत्र देवहरत्ते वा । यह वाहु क्षेत्र व बार्विकार मिन्ना । वार्यायवास्त्र भीवादायावास्त्र वार्या । वार्विकास्त्र वार्या वार्या श्चिरायाम्मार्का त्रवाक्षरामान्या । वा त्रवाक्षरामान्यां वा त्रवाक्षरामान्यां वा त्रवाक्षरामान्यां वा विवास 'सेवपायर मुचल हेर माझर रासे के कु अया है अरेट हिंद अन्येश रायर विविध से विश -- व्यक्टरा (म्रेट्स) राष्ट्र येश मा (त्र) रेट वश्या वीर तथा वीयराता । र्. केर किर स्थाय वीर. ग. केर. राट. यावरं वरा त्रारेवां वा प्रकेर दहिर होर वा वा वर्गाता दशा हर हार व वर दर से वा ं एक्ट्रेटम् (मर्क्ट्रेटम्)मुट्टा म्रम्भ रदर्रद्यो है ता क्रियानेट मिट्ट या क्रिया मिट्ट र्क्रस्थक्त.रदारक्षे.हे.पक्ष्यकान्त्रिक्षणायु इ.स्ट्रह्म्यास्यु र स्र २१८ देश्य वचए दर स्था र दर्बर त. यातम श्रेच १९८ । श्रीट त स्था समामिता स्था म्बर्मान्यक्तित्रद्वत्त्र्यात्रम् न्यात्रात्रम् वाहिराष्ट्रियाः वाहिराष्ट्रभाक्षः वाहिराष्ट्रभाक्षः वाहिराष्ट्रभाक्षः क्षा क्रिया क्रिया मात्रा करता विदया विदया यह रहा (मिरया) यह रहा मात्रा के मान्य पाया मात्रा का मान्या र न्यर स्वार वा श्रास्त त्यार कर वा हर ला ही ने वा त्यार के त्या के त् र्रट भुकारक्र अञ्चरम् सूट के वर्ष क्षिमातुम र र र विश्वि हेर के न्वे शा चेर विश्वे मा हर्यातिष्ट्याः हर्यात्वे वायायायायायायाः । वायर्थम्यवत्तिरायाः स्टिस् वादवादाः आदः विद्वां वाह्रद्रां की यदंभेद। द्रतह्रभागतीत केद्रवस्म हिद्या ल.स. १८:र्याल (र्या) त्रात पर्वेवर्याल तरि राटि कारविया मान्या वराय राज्य रेरेड क्रियास्त्र के स्थार के ब्रेडाश करमें महेश नाया रात वर्र वर्र वर्ष क्राया है। बारित्यातरं वर्षातरं क्या कियायें क्षणा करा क्षेत्रा अहिया तर प्राथमा विवास हिट्हर। रेएवेदाअक्षेक्चम में रतत्त्र्यर में अपत्य का क्षेत्रास्त्र। पर्ए (रेक्ष) भर में अन्तान्यायार्था हिरदेशकास्यात्रे प्रदेशकार्याः विवाशक्षेत्र स्वताराद्रे दे तद्दे विवाशक्षेत्र वि ता.इ.से.देवाहीव.एवरवावविवाहा.हा.कोवं नामानमा.ध.षा.चटाह्याह्य व्यवतावन्ता से.चर्याचरीरा दिवाराचा बिरर्वे सिक्ष्य एकुणा वर्ता विष्वे प्रेवशादी वर्षे व रिला ही से ह्या. श्चीट्र रंगयाक्त्यामा दे. मुद्र द्राण्यास्त्र स्ट्रिट स्ट्राच्या श्चीद्र या स्ट्रिया स्ट्रिट स्ट्राच्या स्ट्रिट स्ट्राच्या स्ट्रिट स्ट्राच्या स्ट्रिट स्ट्राच्या द्राच्या दे स्ट्राच्या द्राच्या द्राच्या स्ट्रिट स्ट्राच्या स्ट्राच्या स्ट्रिट स्ट्राच्या स्ट्राच्या स्ट्रिट स्ट्राच्या स्ट्राच्या स्ट्रिट स्ट्राच्या स्ट्राच स्ट्राच्या नुस्तिन्त्रीय। अरक्षित्र्येद्वतास्य अयः राष्ट्रियास्य स्तितः स्वाराष्ट्रियास्य अव ग्रम्थात्र्यात्रवर्रात्वर्रात्वर्रात्वरात्र्यात्रे तेसान्त्वरा स्थाप्तात्रे प्रमान्यात्रे । स्थापात्रे प्रमान्य

plac:

श्रेवारेट सु तरे हिर् हर सर यर यहत (करत)। क्षांस्य हेर्द्रस्ता हो। इ स्थरमहेन्स्य हेन्स्य हेन्स्य हेन्स्य हेन्स्य हेन्स्य हेन्स्य हेन्स्य हेन्स्य हेन्स्य अहर् । भियम्द्रियः पारहित्र शहर । या मुरामेर निर्मा विद्या । या दर दर दर विद एवाए पा. (पारवाए)) साविद्र (वाविद्र) देवा शुर्क स्मानि वसेने। । अवः ह्रवास्त्र शुर्वे वी विवाह स्मर्यर्थे स्मर्थाम् रम्हा वर्षरण । क्षेत्रराया मेरा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्ष स्त्। र्रद्रार्र्भानेशामा विश्वराध्यारात्यामर्त्युवरा विमान्याय १म्द्रास्यावरा क्रिन्न स्त्रारायक्षा अस्ति। श्रिट्यहर्तायहरायक्षे उगायम् (११९) रावरा । स्वाअंदे (श्वायंत्र) में मिया रावरा । स्वायवंत्र मिया रावरा । स्वायवंत्र मिया laugining च हुर्या । तिके कोर देवता स्वता स्वता स्वता । स्ट्रिंग स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स सरकेर.केव.(वरेक) नापु.रनपत्रार्वात्ये । स्वान्त्रःश्ररात्रात्यः । विदःप्रेटःश्रराद्यः । श्चरम् अर्थर्थर्भियवाभर्ताता । श्वर्वेशं देवातकरत्वर्ध्वरा । रेपेर्ध्वायर्गा न्द्रत्यात्रेष्ठेत्र (वक्क) वर्ष (वर्ष) वान्त्व । मिट्ट वर्ष हैं हैं के केवा राजवा । रहे ने अन्ति । प्याप्तिः अ. चूच्या । जुनुका यार्ट्या हूच व्याप्त्य । र्याया या व्याप्ति स्वराद्धारा । येववा क्षेत्रम् क्रिक्श । सिरक्र, मुवंब, क्रारेप्यव्याप । र.मे. म्रार्विव, मरान्येय । यु. प्रविवा म्रार. व. व चर्डिशास्त्री । दिवा दिवादिक्यदिवाद्देन्य । विश्वदाक्यदेन स्राधाद्या । वास्ति दिवाहें वास्ति व र्द्र राज्य विकास माने विकास विता विकास वि स्रिक्ष्यर्थर्थ । र से अर्थर्ष्यवेवशन्त्व । श्रेक्षायकुर्धर्व । स्रिक्षायकुर् एसकारित्रा हिर र्वाया हार्टर (४३६) में स्वा हिर्। । त्रा वस्र वर्षर वर्ष हिर् या कारा देंडिया किट के पार्थ वर्ष प्राप्त प्रविद्व के प्राप्त प्रकृत कारे साम्रभद्रमुत्रराष्ट्रराष्ट्रराष्ट्रयात्रया । क्यां वार्ट्रस्ट्रेट्रेट्रिके सार्ट्या । विस्तुराष्ट्रियाः मार्ट्या याना Nवया अवर (उद्गः)रहाउन् रर द्वा । । उद्गारवार अवर केना से बिया है। श्रायक्ष्यं भेषाः श्राप्ता । क्षेष्यक्षं मूर्यः त्र्यं क्षेत्रं वर् । विद्यान्यं मुक्यायाः र्मेर्याम् । विश्वराक्षायाम् विश्वराक्ष्याम् । विश्वरात्रहेवामानाम् र्यात्राम् । रमण्यूर्वराष्ट्रे मुक्तान्त्र विदाविदावलका के बिदाला भवी दि सेवाम में मुक्त मुक्त क्रमायर। विषय आम्रद्वर द्वान्त्र । रे.भेग्रव क्रिंर्स्य क्रिंग्स्य । रे.भेग्रव क्रिंग्स्य क्रिंग्स्य क्रिंग्स्य रेश'त्रेर'शे'अश्रवात्र शरपःश्रम् सरमा रतपःशर्वा ग्रेडमा स्राचित्रिरा में स्राचित्र में स्राचित्र स्या हर छर र वर्षे हिरत्रा त्ये तक्षाया व्यन्ति । दि नेवाय हो तर्षे त्या हो।

च्या चर्टा प्रचार्ट्र अर्था स्ट्रिंस अर्था स्ट्रिंस वा वह त्या वह स्वा स्ट्रा स्ट्रिंस स्ट्रिंस अर्था स्ट्रिंस स्ट्रिं

इंधु बार्ट जुन र्राज्य राज्य किट देन के प्रमान का कि मानियेद्रित् भी ह शुक्रियम् स्वर्धियम् स्वर्धियान्याये । भूम मर्थियद्रियम् चा राष्ट्र । इस तर्देशव हरा हाया हो। विह्या लेद्देशकी वाद्या होया के बादी रह्मा अया निर्मा । मा अवकार स्था कर कर हो। महस्य मार्थ निर्मा निर्मा मार्थ । विर्मा निर्मा निर्मा निर्मा । विर्मा निर्मा । विर्मा निर्मा निर्मा । विर्मा निर्मा । विरम्भ निर्म रताराष्ट्ररे. मर. के जाया है। विरा वालवान केरा कर प्रह्म राजाना । किरे पर्षे इसा त्केशराधिवान्त्रम् । विस्ट्राष्ट्रमाञ्चना विस्ट्रायान्यम् अरकेवा 136) FECAMONALCALASIA (4945.51) (1,5) (1,0) (1,0) (1,0) (1,0) (1,0) (1,0) (1,0) (1,0) (1,0) (1,0) (1,0) वयर् ग्रह्मा कि.पताता हैदा विलाल मेर्ने कारा के कारा के ला कि. के रहा कारा वर्षम अवा खवः उव। । नामवः स्वर्रस्य वाषाः प्राप्ताः नार्याः । द्वाः वीर्याः परित्वः विवादरं नायवा । देवाः क्षाक्रियायम् भेया । देरिया सेवाया द्या द्या । विवाया द्रायाया । विवाया द्राया । विवाया विवाया । विवाया । विवाया विवाया । र्वास्थर्यात्यात्रात्यात्रात्याः (इस्लावतर) । वार्वाद्याः कर्ष्युः वार्वाद्याः वार्वाद्याः वार्वाद्याः वार्वाद्याः मुख्याक्ष मुख्या । द्वास्वा क्षेत्रका क्षेत्रका केवादरा । द्या विरादया विष्य क्षेत्रदरा । विर विभाक्षित्वाक्षेत्र, वद्या । सेंद्र, पक्ष, वासीयाता है आझेराव व्या । वर्देर कुराव वद् द्यार्दर। । से हिरावीयासिक्यालास्य। । से ए से असूर, रेर. जि.च असा । से र.रेर. क्रि. हे. ख्रमाता ही र (क्रम) । १९ देश क्रिक्स क्रिक्स । १८६ श्रेम क्रिस्ता ने र तर् हिला निर्देश्यात्रात्रात्रे में विया । अस्व यं पव्यव अवया प्रवासी सुर । स्विव अदि वाद्रायात्र्यः न्यहर। । एक्टेंबर्का नेराक्ष्मावसका हर। । खिकासर्का नेराह्मावसामा हर। ्रवरेश्रसम्भूद्रवाह्रयाः व्याव्यायाः । । त्र्राच्यायाः वीताः क्रायाः वीताः विक्रार्श्वः विक्रार्थः उत्तराताली विवालक्ष्यमाखनाराताली । दे मेरकी अध्वर्टा (अहर) वादाता ्रं क्षिण्याभवादाभारवीताक्ष्य । याताक्षः श्रेश् (याताकः) क्षेत्रुवः (क्षेत्रुम् वः सूर्वः) । यात्रे 

नर देश (बेरा)रीर व । श्रीट हे हुव तरु समरि श्रुर हु तर्ये। । दस्व हे अतरु विका एड्रेंबड्डर। । अर्रक्षमास्य मुनः या अर्वाय १ । अर्वाय र मार्थित स्वरं मिन तम्य (मम्बद्ध) मान्यविष्युवाया मान्यविष्युवाया । वातुःक्वाद्यामः (मक्वाद्यामः) वुः सुवाद्याः १वः थिय। ॥ देश हेर हर अदलक्षु अ है का राजिय दु रहे । खरीं में द्वार एड एम्से न दे के कार हैं ( के अपके ) हैं कि शाहर एक में कि शाहर प्राधित के आ पार श क्ट.क्रवंदेशक्षेट्र.विद्यावित्रेशियग्राम्बर्धरमादेशम्बर्गा । वर्षःक्षेट्रवर्षाः मेर्यक्षः इर.प्र.म.हर्त्याहरत्यत्राहरत्यायम। म्य.म.म्रह्मा(रदर्गा) मामकार रे भेर.ह अर्तर्वात्र्वात्रेरा अर्वक्षात्र्याकेश्यान्त्राच्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या (८सर. इ.) यालया राष्ट्र अर. दे. यह वया रेटा पक्र हर वया स्थान व्याप्त हर वडराक्ष्यां क्ष्यां व्याप्तां व्याप्तां व्याप्तां व्याप्तां व्याप्तां व्याप्तां व्याप्तां विष्ट्र ने में या (ब्रम) गर। देश अशायर अरत विमानिर या या समा समा में किरमा हैने क्षेत्रक गर्भर देश न में का केर का त्यर खेट हो। विद्रार में देश त्यर हैर के का कर की में हैं त्य का स्वाराहर्भावत्र स्वरावार्षिया विक्रायहर्स् वायन्तर। वस्तावर्ष्ट्रायन्तर। इ. ज.सूर. म. जुब. न स. रेन ए. प्र. प्र. हें . रे. जूर परें थें इरें इर रेर रें ये ए. कूर रेट केंग्रिश हैं . पर हर केपाया अवश्वी देर है व रेट पर हिरा के जिए के के व किया कर कर राष्ट्रे र्रर्द्धन्यं केश्रिक्ष कराये नारायरायहरा अवता अध्याया केश्रिक्ष ने हेर् । मार्थ प्रत्यर वार्ड्याय त्याय पर प्रवाचनाता वार्थिय प्रवाचित्र में विश्व विद्या में विश्व विद्या विद्या विद्या विद्य षिद्रद्र हैर एर्वे होता पर्ड है शास्त्र प्राय (ग भवे) हैं य राष्ट्र हैर सब अवर हैत र्यार स्वाया शुः धीर कर। । तव कराव पर दर द्वा मार्क वा मार्थ वा मार्थ पर दर्भी र्मर (रमर)रताक्या रेवराम्बन्नक् किरक्र में हिरादन्या तरे में बच्च में यह राष्ट्र श्रीट्रियात्रात्री स्वाराय्व अरायम्मम् स्ट्रिट्रियायक्षेत्रवा में का व्यत्यत्रम् रवर्ष्यानक्ष्याः देशका केरत्वयाना हुआ है। के स्वाराज्यान क्ष्या वर्षिया। जाम्द्रामार्ष्ट्रं वार्श्वराव वर्षा देव स्वाराय राज्य वर्षा क्षेत्र वर्षा देव वर्षा में र्यवास्त्र्रेश्वर्थाः वटास्त्र्वाराय्यायाः क्वाराद्वा अवाराद्वाः द्वावाः रे रिर्श्वर रसमा हराया सर्हित र र्या र र या र र या स्थाय सम्मान र्वा.र्वा.(र्वायात) र इ.सी.पाश्राभवेषाती है इ.र्वा. इहाश्यात्र प्रता. पर्वि व भाव

Seal

क्षेत्रवर त्या स्वास्त्र । यह दर यह विद्या मही यह विद्या मही यह विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या एवे जारियामा सूर्य सेवमा रहाए मू. रहा जारा वाष्ट्र वाक्ष राज्य सुर्व वाक्ष राज्य सेव हैं। हिंदे (हिंदे) एडिंग किए। रहा दिर्देशक केवाल अर्दर वडक क्रेंग वासरे दुर के. वर्ष ८८ देश प्रवेश श्रे में दे वर्ष र अभागार प्र के केट व । वाष्ठां असी वार य्यात्रक्षित्रशार्ट्या रतएक्ष्रार्ट्यक्षायात्रक्षात्रक्षा क्षित्राध्येत्रं स्वावर्याता (स्वाद्यायः) यावद्याय्यायाः स्वाद्धः । याक्याः 5 AVININE, अर्दे कुलारम भार अर्द्धा राष्ट्रिया चेशराश्रे (रेंगता)क्या, उक्षश्रमात्रमं बेंगता। उर्वे वाश्रु हैयया पाद्यूद कर.भरेंथ्न,ध्र.र्थारातात्त्वे.ब्राचारात्त्वात्त्रातात्त्र्यत्त्रात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्र म्टर्श्यं र व वतः ही (क)र्य्याप्य व दर्भाष्ट्रभाषा थेवं पर्भायम् द्रवेश थेर् द्र कुलामूर्यन्ययप्रस्त्रेथ्यात्रक्षेत्रं तात्रक्षेत्रं त्यात्रा देवा वर्षे त्यात्रत्यत्यवस्य वर्षे पिट प्राम्ने एवर व (र्वार क) विद्रायम् । अभिनेत्र अभिनेत्र स्राप्त व व व विद्रार देवादरा ल्या तर्विया था वा देरवुटा किंत केंदरा की दे बैदा मेंद हुव ता दे त्व वा वा वा विषेत्र चक्कि. तस्र में में हिट हिंग भारते कुर भारते हिम कि में कि में कि भारत है भारत पर्ता व. हरा न्वर त्यवरा रा इसा दे वसवरा हर देशका दर ही देशका विश्वर्थंदर स्ववास्त्रं श्रीट एक्टर है। वैन विश्वर्थं ता विश्वर्थं वा दम विश्वर्थं वे दसवास्त्रं म् म्रा तिहर्वराय्यर भवरा। त्रुवायर्थन्व व्यायम् (वर्षाव) द्रेयरायर्था प्रसद्भ म्याना चाराया भरहें वर्षेत्र में या या नाम्याया तरेवया निर रहेव भरमा वयाक्रियातर्रित्रम् मिदः(रक्तः)यी,वमंक्रःक्रां द्रांतमः श्रद्रम् क्रियं क्रियं । र्थतः यर्द्रक्राश्चिताय गुर्वा सहदे हिट हु। त्यति त्यु सु सु वा सं ( हु वा) या हर वे कुवाद्यामः वाद्रावः से वे दे सम उम्हे सेव (वरवोवरा विवेधारामा वर्षे (वर्षे)) दूर्धं विद्यः क्षेत्रक्षेत्रकृत्याः स्थान्यान्याः दे ते द्रिः में त्रा द्रित्याः प्राक्षेत्रयाः विद्याः प्राक्षेत्रयाः क्र्यानार्द्यया प्रमुद्दर येवनावना सद्यम्य मानाक्रियाति स्मित्विर र्था नर्थ (कर्ष) । निर्दरा (यर) की की आसमें (कर्र) ता । निर्विदर्ध (क्रिकी) य देशका(भरेशका) एकुद्र वर्षेत्रक्ता । रदः हिरं देश अ.श. शहर श । यददेशहर -अ.क्. इंदेश्या । एक्पार्मर्यं राष्ट्र क्रेशर्रा । एक्पेम्प्रिं (एक्पेस्य) ः) वरः ख्रांचनारः स्वार्टः। । वारोन्धः द्वव्यः वार्थायः स्वार्टः। । तक्षेत्रः

्रिकावस्य स्वायर स्वायर क्षेत्र वर्ग मेंद्रक्ष महिश्यहिशास्य द्रश्या वर्ग । स्वायायिन केंव सदयहे प्यद्वारा (स्वरायविकार वर्षारा) वर्षारेशाधिव। । यह द्वारा वर्षेत्रा राहितिहार सदार्वरे. ८८ । एउवाराष्ट्र ८वासि में में मिलाला । बिलारे या में मिला । किया 2 प्रेम्स र्यतास्त्रिकारीयाः स्थास्यास्त्रिकार्याः व्याप्ति । देलद्रस्थाः स्था न्रेद्की वाहर कर्त्यात्र । व्यत्यर वर्षवावश्यक्ष कर्त्य हिरहा देर हे वर्षके वर्षायर शर्म श्चीटार्थकर्दुता हुर् की वावश्चराय है। वा वादकाकी वा का का ना यह (धा) ने खहरीर द्वावता रीत्वावित्ररावर। वनामार्वेवात्रव्यवावात्रद्याया देःस्राक्ववायते वात्रदरःस्रायोः सद्यक्षेत्रवालम्द्र्वावर्द्वार्वातः अरुव्यामुद्राविभाद्वाता स्वाद्रास्यक्ष्यद्रम् स्वाद्राम् यते नित्र व्याप्त मही । देश मही राज्य स्थि व्याप्त वित्र (यह वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वि याराम्भर्यार्ट्यार्ट विवेदि दुर्भूया मे विस्तित्। द्रम्या संस्थित्या सार्विद्या राष्ट्रमा स्थित्या सार्थित या कार्यस्था (रववस्था उर १ वुर्ग) अधिर वर्त्त संग्यु हिर १ दर्ग हिर १ वर्ष महार वर्षे यायमाभर वर द्वार वेमा भरमाया देवरेका स्ववार वाइवार पर पर भेका श्वेयर्ग। सम्बाद्यार्थरवर्गातर्वस्यात्रम् क्रिक्ष्यात्रम् क्रिक्ष्यात्रम् स्वाद्यात्रम् अर्मन्र्रद्वरुद्वर्थत्वह्यात्र्यात्र्यात्र्य व्राप्तव्यात्र्य क्षेत्र इस स्था त्राव र त्रविवाक् रेत्वेश क्रवा त्राची ता किवारक वार्त्य प्रति राज्य सारा वर्षे वर्ववावार्वाको विकासारा वेरा विख्या द्वारा की र्यवविकास विकास । रह अर्थे. पार्थी द्रायदमा अर्थन अर्थन अर्था यहाम्य स्थाप क्षेत्र प्रकृत क्षेत्र हिंग प्रकृत क्षेत्र हिंग । नेशत्रुव । तमुकार्के र्वारम् वरुवायानमा केया स्टाम्स क्रिवातकारम भु रित्या स्था कर ज्या में या स्टार्य से राज्या से के राज्या से वाया प्रथा से वाया यह महाराष्ट्रमा व्याप्त कर्म के में (शेष्ट्र) वराशक्ष्य का ने शहर वरा देश हमा राज वर्ष ब्रायक्षान्द्रः वेरा दराम्बर्धान्द्रत्व्याक्षात्र्व्याक्षात्राम् वरा (द्वायत) ह्यारक्षा हर। देते सर स्वाचर सर देश वर्ष के र्ये व के के व व व स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास ता चनवारावडराहेर्षयाहेरावड्याहेरावड्याहेरावहात्र्येर व्राट्टरहेराव्या हिर्मा म्बर्किताम् रहेत् स्वर्मन्त्रिक्ताम् रामद्रीरायाम् ने मेर्निक्षाम् वर्गा पर्ने द्वा श्रेय हरा व्यक्त शर्म द्वार में द्वार में प्राथ । यह वर्ष । यह वर्ष । यह अवस्त्रामाध्येववः हिटामाक्रमाक्षेत्रं कृत्वः द्वादिकामाध्य द्वाद्यामाध्य द्वाद्यमाध्य द्वाद्यमाध्य द्वाद्यमाध्य र्टरा.चल्टर्डूटा हिट.या.नैर.क्या.केंच्येच.रीच.(४ग्रच.) चाल्या.केंच्यरा.केंट्यरेच.रेटरा थ्रिया व्याद्वास्य विश्वास्य विष्य विष्य विष्य विश्वास्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष

वाल्याचेत्रास्त्रवास्त्र । किटाब्रेटावरियाक्तिकार्कात्र विश्वास्त्र । क्रियाक्षेत्र क्रियाक्षेत्र क्रियाक्षेत्र

मूर्चलर्या किट्यर्त्व्याल्याः इवायाः सार्धः द्वेताः वर्षा हेर्देशयाः श्रावक्षावम् । दर्वरशास्त्रवेशः स्वाधितः सवसायर स्वास्त्रवेशः र्यव्यास्त्रमः राष्ट्रविशः सवस्या कुंवनाम्भवी दावीरा वर्षे अस्ति प्रज्ञा शास्त्र अस्ति वर्षे अस्ति । अरासेश प्रवेश शास्त्र वर्षा अर्थे अत्रहेस्वरा, रव्यं राष्ट्रिय, रवा हिर्दर्या हर्षे वित्रिय, एहेर स्वार मेर्या एक्रिय, रदे विवेव स्ट्रां या या या दिया। गाजीया दे दो दे हैं। छोड़ (कतार मिर है) एक्टाअर (एक्टार) मैंदार नेरी |र्रहर र अस्प्राव । अन्यत स्याद्वास्तर्रात्रवर्षे स्राप्तस्याप्तस्याप्रस्याप्रस्याप्तस्या र्गरतिमायविद्यात्रात्री । शिर्द्र शिर्यम्परायः अम्याद्र रविद्यारिकम् वर्ग क्रि.च. विचा निया ता. (vose) क्रिया विचार विदार्ग पाता (श्रेपाला) रेग रवाए श्रेपाला. क्रेंट्र वहना क्रिया देवी क्रिया है क्रिया शालाक्षेट्रद्रभराउक्षे क्षेत्राक्षा वर्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्र वसम्बन्धा विद्वालया द्वारा निर्माण कर्मा विद्वालया द्वारा । सर सन्यानावन होर ते वे विद्यां से अकर है। अकर है। यह रहा । हि रख रही पाईल ही या हुरा है। अहरा केंग्रायेश्वाक भरत्याताता वीव विद्या केंद्र या विवर्क दें में याव गर खुं अक्रे र द्वरा के हुँ वार्य विद्या र देश र देश हैं के र ररेक्ट मूझ.ज.बेरा किंग्नेर,ठर,ठाक,र्ये,र्ये,प्ररी मिर.सेन.में. उर्वश्रम्यवे रहा र्वक्रिक्षिक नेतार वारातार्वाविश्विष्टि। त्रायार्वि विर्वेष्टिक्षिक्षेत्रे हुन वेदा विद्वावारी रोगराम् नेवारीं देशे । रहके भेगर विवास कर देशे दे.वस.यात्राचेदर.वि.चे. पर्व पर्दे नादास्तर माना किरिक्ताःवा ।दनपः केवाः वादाराहरः मैंचए(चे.चए) याक्तरेशक्ष्या हैर.के.मू.मूच। किर.क.क्या मेंचा है.चे.मूच। विवास 

सिएए की त्रवास्त्र नार्द्र। सिवाम्यार्क थयान्यातः अदावहराहिते(हितः)वर्ष कार्यद्र किया विद्यास्य वि र प्रवास का प्रविधाद ता हुए। विश्व वर्षेत्र द्वित या तह वासुवा भूगारा हुन। विवद्या मृ उस्त्राता अया. स.म.म.म. १८ । एकत. ए विया हिटा में द्रा हिंदा । वियान र मि. प्राप्टर प्रापा हिटा र्मुंडे यर के ने रायता । वायर रात का कार्य या वायर विकास राय-माराव (रवायव) रदा मिलक्वारा राय कराया दे । अहता (यहता) द्वाया वर्ष रवारा सं श्रीविद्यावस्यान् (य) श्रिवलव्यन्त्रान्य रिस्ट्यावनारा तर्द्धता द्यामन्त्रा विद्यं एकक (याक) ता द्यांक्षेत्रामक्षेत्रामन्त्रा स्वारायिति तारकेन में में में । अग्रत्त केंद्रे स्ताय प्रमेश अरवाया । दर्शें स हर्षित्रार्थर । इर प्रतासहत र्भनत्य । तर्गरस्य स्वास्त्र मुन्दे र्वरावाहिंगाहर विद्याचार क्षेत्र हैं के स्वराधिक र देन स्वराधिक स्वराहरी हैं के स्वराहरी हैं स्वराहरी हैं से स्वराहरी हैं से र्वश्यां ह्वार्गर्यः रे । श्रिटर्गरं थुलर् हुर्ववव्याः हर्रदेशर द्वात् वुक्रायेव र्यासास्त्राधारत्येत वयार्यालय। किटलाक्यायक्ष्यां यहेत्राधारक्ष्यायार्या विभ उवायर क्रिंश ला तर्यार सेवा शारम म हमार है विवादकार का विशेषा पूर क्रिंग एक याता । रा. तर्मा श्री हिंदामा सेट्र । रि. हमा तमा से हा (म्या हर सामा है। वार् सूर कर कियर ता स्ववक्ष चरमित्रामिता है। विस्विद एतिया रेशकर का है। 4 Bark of trees. राम्याप्टर्यम् स्राम्या म्याप्टराम्या । स्राम्यम् । स्राम्यम् स्राम्यम् । स्राम्यम् स्राम्यम् स्राम्यम् । स्राम्यम् स्राम्यम् स्राम्यम् । स्राम्यम् स्राम्यम् स्राम्यम् । स्राम्यम् स्राम्यम् स्राम्यम् स्राम्यम् । स्राम्यम् स्राम्यम्यम् स्राम्यम् स्राम्यम्यम् स्राम्यम्यम् स्राम्यम्यम् स्राम्यम् स्राम्यम्यम्यम् स्राम्यम् स्राम्यम् यडराकुरा | रमार यहिका सकर या महें मराया , त्यावना के हेर मारव लेंगा | तर्देर इस्ट्य वे. प्रत्वे अर्वे अर्वे अर्वे । मिट्येर व्याप दे अर्थे हैं ता (क्रेंपा) ता वक् (क्रवेश) हे देशर (अर रमार्चेवशहर्क्षा विषयक्षित्रकार्ष्ट्रीयात्वी विषयात्रियात्रम् (रायवर्गाय वरा (वर । के गरी भारती देश वर्गाय गरा वर् हिला । इत् (बनवे) त्या गरा अधिकार है भा अर् स्वाम् यते तावारवाकेकाल्या । अक्रवारगम्य विक्रिते भेदता देशमा र्या स्ट्राम्या दर्भा मार्थे के प्रार्थियों । मेर्य दे ते प्रार्थियों । मेर्य दे प्रार्थियों । मेर्य स्ट्राम्य शुर्द्धार अर्थे । किर तील अहण देश के अपता प्राप्त के अपता प्राप्त के का किर । किर के का किर के का किर के का किर बुद्भुव त्युव रायाताता सहद । अदुव अ लुवदे ध्वा हुवा हुवा हुवा । वास र वि अ अदूरता केनं करें गुर्दा | रहला हेन केने में लेर के वह वह वह है। इसरें वहेला व मरावह करिया



र्टा (शर्र) परित्ता । शास्त्राच्च ताक्की से या है ति ता । अप्ते में असे कि ता है। ता का का कि ता है। विद्या के वा कि ता का कि ता कि ता का कि ता कि ता का कि ता का कि ता का कि ता का कि ता कि ता का कि ता कि ता कि ता का कि ता का कि ता कि ता का कि ता कि ता का कि ता का कि ता का कि ता कि ता का कि ता कि ता कि ता का कि ता अक्ष्यंदरः मिशकुन् हैं देशके तिरादारा कि एर से मेने ता (हैं नामेता) है एसेट. है। वि. (बात्रवडर) रचर देशर वर देखना अष्ट्र अर्था । किर लक्ष्य हैं वि । र्षेत् रिवशंतर्भाष्ट्रित्राञ्चवरात्राज्ञवंतस्त्री । १९४१ व रिटशंहित्यार दिन्दित्या द्वार विश्वासी । वारुवावा का हेर की हेर की नेवा तहा का का तावा रे हुए वा त्यांकर तैमारवियात्राक्री विविद्यात्मात्रीय विविद्यात्मारक्षरा विवास्त्रार्थिता विरा -10. प्रेचा प्रेश. के के के प्राचा प्राचा । र. क्कें प्र च वा शास्त्रा अर हर. प्रेश देश वे वा वा वा वा वा वा चाहरा वार्रिश्वर दवा में का में वा मिर्ट वेम (मेरवेम) रेटल में मिरिट के में पर प्रा क्षरहर्भा तेमक्ष्या । स्टान्ट्रियाक्ष्या । संस्थान्त्रा । संस्थान्त्रा । संस्थान्त्रा । संस्थान्त्रा । संस्थान प्राच्यात्र वार्यात्र में द्वा । द्वारा वार्य देश में में प्राच्या वार्य हो। वार्य प्राच्या वार्य हो। वार्य प्राच्या वार्य प्राच्या वार्य हो। रम्अरम् वसम्बन्धाः वसम्बन्धाः । विरक्षाः विद्याः स्वितः स्वितः स्वारम् । स्वितः स्वारम् स्वितः स्वारम् स्वितः र्सेजातर (पर्टी) । अ. बेबाकार बीरी बेबाका अंदी। बिरितिका (र वेथा) पर की बी कार कुवादी। यसमायायायाया । देशायते व्यायते व्यायते व्यायते द्रा । ते व्याद्रारा विकायते व्या करामा निर्धालाख्या । नाहन हिस्स्नाराय रेप्स्या । रेख्यार स्यास्यासा श्रीप्रवरामाववन्त्री केंद्रदारही दिन्ने अर्थायन राजनरारी अहरा स्वादर वर्षाया एकि र.इ.च विद्वा अर.चर.चए प्रें.च. अर. । रियर च अरात द्रा अरात विराश्ये । रवास्त्री मुन्ना माम मिरसे द्वार दरद्वा मेर से कार मिरसे मेर से मार से महिना र्वेग्रद्धभाभाषक्षेत्रव्य विद्वत्रवेश्राचित्रवात्र्याः तर्वास्याविष्ठे एट्रेवः (ज्यर) र्यायर। विवादात्यक्षतार्वकात्ती क्षेत्रार्थ विभागरम्भियाताम्यविकार् खे.टर्ज.मू.मू.अकवाराव हिंगमूर.वालवाक्त.पर्वे द्वाज़री विटार्थमार्थाटाकेशाव्येवा. स्. १९६१ । यह के अमाना वासाय के सहरा विकास स्टिश्च के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प वाववःश्चिःतर्वः (ववाकः) र्वायेदा । विद्यवायितं वक्षयाः धारकः कृतः दं विद्यद्युक्तवादुः सायदारी विश्वभावासम्भान्त्रराख्यां पद् हेर पद्या विद्यास्यस्य स्टिस् सिटा । एट. एट्रए.ट्रकावश.रमए.वए.करो । किट.लाय. विशासका. थवा.लाएको सी। विर. देशरहादा.पा.इस. ६स.८। । प्यक्ति. क्व. देश्ट. कु.क्व. । कारवारपानी.रमए.सा. मुरायत्र स्वावतायवास्तातकता । वर्षक्रायाह्यास्य । साम्या हर छे डेर्य तथा। । अर्थ वर्षे में स्वार्थ करायो तर् । को ह्ये तर्वे कर्ष हर्ष में

रं भुवन्तर्वका(परविका) हैर व्यवा विद्युत्त्रिका त्रात्त्रिका विद्युत्त्रिका विद्युत्त्रिका विद्युत्त्रिका विद्युत्त्रिका विद्युत्तिका व वर्षव (वह्ने व) वर्षे ब्रें के कारा गावने करा ने इ कि सर (के सर) रह के खुर है। नेदा विकारकरात्करात्रकरात्राचा वार्यम्भारकातिकरार्था विकारका का pair गुरारोप्ते । श्रिटारगामकामाना श्रीराभावके वरित्रदायिव मेरा। श्रिका र्गान्तरकी बुदाये नेदा । त्रुटा सुराया कारायाः त्र यत्रुटा (बुदापे) तरी । त्रुक्षर्गान् वर लाकवारात्राता लाजेलाग्रम् वरायम्यत्य । ला क्रीव (वाइबेक्क) वर्द्धिका 以表明之 | 東京社会(明明日本日) | 日日のから、2.2年音子にはくと、 वार्त्राक्षकारा वर्षात्रा मार्थितः देवार्षः स्वामक्ष्यक्षेत्रम् द्वारा)यतं श्री व स्थम्द्रम् मञ्जा दिर्केश्वक्रियाच (क्रियं) श्रेर्यं मार्था दिन स्था स्थिति स्था म्या (वर्रातिवा केरिस्पार्या) वारीमा |यारक्षेत्रा केरिह्य, क्रिया वर्षे |रितपा प्रदर्शितप्राद्धाः दरायान् स्वाक्षित् विश्वात् । विद्याद्वित् प्रविष्णा व्यद्वात् (इक्षा) । त्युर्धाः का कार्या विद्वायह्व या है त्र केरा विद्यान्य (तहना) सर्केना (२) । वित्येदावता के तहर निक्षा । व्यद्रनेस तहर मुलाद्यते मारीका । स्राप्तासरद्री(व) कार्यास्त्रका पत्री । स्रेट पर्टर मिन्न कारायाप्तर स्था । का पवाला । किर्नेतितान्तिकरेश्ने मुद्रिः (जैर) क्षेत्रण । श्चिर्रेर्धान्य वालववर्षिः हर हे में क्या हे में व में व में व मा । तिया में में र प्राप्त की तिया में विषय । विदेशमंत्र तर् हर् के लेका र्वास्था(या) आवतः तर्वति इस्ता हर्षिता है। (रे) । के दस्ता से वर्ष देवा (२) वाववारर व्यवत्य अभाववार्यका सम्बन्ध । राष्ट्रा वादेवा वीरा (ग्रेर्) वादेवा एक वर्ता । विष्टर हीर मुके त्या हा भरा । विष्टर तत्वा वर्ष वर्ष वर्ष ना । त्राचर ब्रेम स्वारा परित्य रायति ह्या दे त्या हरता हो। पर्वत्यं ते ते न राता हिर रातर् कर्व (बर्वका) श्रेड्र देश धवववा वार बर देश हैं व से दिहां क्राव वश वारे आ तार पर क्रिकेंद्रिया है । यह हिर कर तास हव या विवास हिर से क्रा लाइ र्वारमाश्चर। किरायाक्रक्तिक्षिक्षक्षिक्षात्रात्माक्षित्रक्ष्मा र्यान्ध्रां कर्या अर्थित देवता वया पर देत्र भिट्या था। स्याना हिन्द्रा है। त्या । विकास (क्षिप्ता) क्षेत्र मति के दिन विद्या । विवास है त्या व श्रीताशहरामा । यायूपानापर्वमायूर्द्धाः सीतः श्रीतः र्गायहें वेश्वाम स्वामान्त्र । किरलेश र्या हर कार के वा वर्ष श्राटका रियासेश्रिक सह मिरवध्रम् । श्री क्षेत्र क्षेत्र व व व व व व व व व व व व

हरमाक्या में विकित्या विकित्या के विकास में विकास में विकास में विकास में (तह्य) । वार्च विक्व श्रिया कुट दुः श्रक्ता । विध्यद्या वस्तः (ध्रद्धः) नेता तो वादा हिट्या रेट्रिक्य में में हिट विश्व विष्य विश्व व (कूल्)कूर्प्रेरा विश्वत्युं वर्षे वर्षेत्रं वर्षेत्रं (अवेत्) श्रेर्रा विश्वायरम् तरा वर्षेत्रः वर्षे रहेवा यर न्ता । श्रु. र्यायायात स्रेर. अया अ. ज. स्रुच्या । ट. क्या स्युख्या या ज. ह्या । दुरमायाया म्यान्य विश्वास्त्र । विश्वास्त्र विश्वास्त्र (८४३=१२) #वर्ड विश्वास्त्र । विस् री या है। विकार में विकार विकार विकार विकार के विकार विकार के वितार के विकार के विकार के विकार के विकार के विकार के विकार के विका अवद्गाविक तर्भविक तर्भविक तर्भविक विकास कर्म विकास कर वित म्.का । अवसा (अवसा) देशमः हा वासेवाताती । वृत्यदेशमः एवरा वि.सूवः राता क्रिट्राधारायाः स्ति।अन्तरेषुवा । त्वाक्रत्वावातावाताः सहरू (वहर्)राव। । विद्रा क्रियायाय मार्थित हित्याया क्रियाया क्रियायाय मार्थित । विद्याया प्रधाय मार्थित । विद्याया प्रधाय मार्थित । यवन (य वन) नद्र। क्रियार (क्रिया) यहार विव का त्रयुव को के से वस्ति। विदेश के सिर्म के सिर्म के सिर्म किया बार ला । छिर र वारी शवा हराक्षेर यह व मेरा (बहुव वारा) के रा। । यह वसा (बहुव वारा) यह वस्त्र से इर.जा । ट.लच. हर्म १८चे. ज. ब्रिंग । र्यम्यू १ व. वर्षे वाया । ज.कर. जर वर इर वर इर वर क्वरे.य.वरं.वरं.वरं.वरं.वा ।रामसारगर्यतामुख्याम्यक्षियाम्यान्याः ।र्.र्.र.याः सारम्यविषा वि.च.यु.च्यायु.विदःता विदःत्रवायन्त्रवायायुवायाय्येवायाय्ये। व्याप्त्याया विदेश्येयाः व्यवसः चन्निश्याक्षा श्रिच्छ स्था स्थानित्य विषेत्र । स्थित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य । देशका रदार अञ्जया क्षेत्रा विश्वा होता । कि. जाता ते. यह विष्या क्षेत्र विद्या विश्वा क्षेत्र विश्वा क्षेत्र व इव क्षेत्र विद्योद्व । मिथा तपु पर्टण क्षेत्र वा पर्दे , जूरी । द्रेश विद्या विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्व एसर.म्यलाची (कुल)क्यरी । श्रिर्द्यानयर म्यलाकान्येलाक्ष्याच्याचा । स्र्रं सं (म्रह्म)म्य कुराअट्यया. ए.ट्री किंद्युं देववेमधित्युं तेवी विदे न येथा थी. यो यो विदेश की विदेश की विदेश की विदेश की विदेश मा इर वरामा ने वर्में । निरंके ता मा इर ने वरा मा ने वरा मा निरं वरा मा ने वयास्यायते र्वन वी विर्धित्वर्थराय राज्याक्ष्यंत्रे योवी विर्धार्द्रत्यम्पर्धराष्ट्ररा इंट्रन्मन्द्रवी काइवाका हवा नेदा विदेश श्रेषा (वर्षेता) नद्रकी में के जा लावी । येश तए से वा किया जारी क्रा. श्रीवःवस्तवावस्यावस्यात्रेत्। विष्ठात्यतितवस्य श्रीवेत्याः नेता विष्टः दग्गनद्यतः वर्दर्देश्याः वद्या । एडिंग्.सं.मुन्प्रेज्य.धु.सरदा । मूद्युक्:पुण. मैं.दायाधुरा । के.कुणु. खरक्याकेयाजाल्या किया मार्थिय क्षेत्र क उत्राह्म के त्राह्म के निष्ट क ८८.। किलात्रं सूक्ष्र्यकातार कर्त्र क्षेत्रका । विश्वरात्र देश्च्य वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

द्वानिर्देश्यायम् यवत्वाववात्रा । स्रुति विवयत्त्र केवायत्। स्रित्वयायम् न्वटारे। भिर्मादवराभाभागुम्बातहुक । छो। या दान्यदार त्या हा विका । छोते (कार्यकी) भीटा केट्र (शुर्यक्राव) पर्वेचाक्रिया क्रिका स्ट्रस्टक्र रेक्स्याववाय थेला विस्तृ वास्त्रवाद्री हिर् इत्य वित्वी वर्षाया वरा ते स्था वितर तर्य यह ते हरी विद्या वाहराक्षेत्रं में बेशभा(प्रवंश)र्। रिटार्ग बैदक्षिरक्षेत्राची रिस्(दर्भ) रेबाम्,तारकिरके र्णुया । श्रामु हुर हिर्स १५५ । हिर भुर मार्थ क्या अध्या अधिर (द्या में प्राप्त क्या में भी वर । किट क्रिट हो प्रारक्षिय्वेश । किट लेशका क्रेट वा में एस्यो । क्रिक प्रविश्व केंचल्यान्त्रात् । क्रम्बेवत्यातारवयत्त्रेश्चर। किर्द्ध्रद्धार्मिक्षेत्रेश । विभारद MARI प्रदेशकारातास्त्री । विरादेशकास्त्रीरातासासार्वाका(अरवासा)व। विरादेशकास्त्री णायम्भा । सर्वां वयाययारे सरायां व । रे. वर् स्राप्ता । क्रियारे सरास्याप्ता 2(2)। विरयद्द्यर्गे अधिभारम् वास्त्री विश्वर्ता मुर्वा कियर् रेश्या रहार्या महत्त्वा भवा अवस्था वर्षेत्राची सिर्मेश्चे वा त्या ता सहरा ते वर्षेत्र विश्वते र्व.श्रुवासहर। किर.बीटावर्.श्रुटावबुवाट्यासहर। रि.प्रे (क्यान्य) रुपान्य र सर्वेड 3531 ड्रिंश का शर्द्ध हा वाषवं मद् क्रिंट स्यू ( ( क्रिंट स्) में स ( क्रिंग) है र 118 क्रिंट विकारा (क्क्र्र अहेवा) क्रेंपरा न्ट्रा । क्रिंट (क्क्र) अ हार विभागित । भागा है १८८७) (ग्रम् ह्र.) पर्वार्ट्यर्वा प्रवृक्षः (क्र.) व्यायस्य वर्षाः (वर्षाः वर्षाः (वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः बुराकराम् यहः स्वराज्ञरं, तराहराकरं, वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्रं वर्षेत्रं स्वराज्ञेत्रं स्वराज्ञेत्रं मुक्त्रभवत्रक्षेत्र विद्याचित्र मिट्यी र मूर् तिद्या सर्थ्य स्तित्र में देश विद्यास में र विद्या मित्र प्रदेश स्ति । क्यायां सः द्वेवशास्त्रव्याम् वित्रामाति स्ट्रिष्ठराः श्वेवयामास्वर्वे व्यास्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्व क्रिजर्रद्रम्वस्त्रेन प्रवस्तिमातविग्राक्षि । स्रियामात्रेनम् स्तिमानाद्रम् स्थानेतातः सम्भवारकार हर (वहर) वराय इटला वा किवार्गराय वरा है वा वाता हरी । वर्षेत्र हिं वी:अव बडिर हुटा । ररर्थर है अथा अ वार्या गर्थ। । परेंच (वर्ष) वार्थ पर्वे वार्ष्य मेव बर्ग में मिदासपु.श्रेवाल मेरे.चलवेशहूर चित्रहेद मिद्रहेद से. वर्ट केर मेरे वर्षा सा के सहियोर है। के ह देन हो बेंबेंबेंबर होट या संसद देन । युवा देव ने ता सवक हीश्या विवयरित्विर्व्यात्मा साम्राज्या विवयरम् हे हे स्वयात्रा समा मवसर्वायात्रेयायतः द्वायति व्यवस्था। । साधुतायतः त्याः से स्वर्ध्वे वास। । सावदेवे Xand of रहेट रा नेता हैन ही सर्जे वता | नावरा ज्या होर रवात केंव रहे ता है वार्य या | रेवस कें Pencocks: नारावरदा क्षेत्रिंदिय । श्रीटायवटासंदर्भवारविद्याः विदा श्रिटादगर्मे सुरा दर्मा विदा

भारते वार्यान स्वर्त्त के वारान्त्र। अवत्व कि किर्न स्वान्त्रात्त्र । विष्ठ (व्यव्य) कार्यकि वे वेश । कार्यकि का भारते वार्यान स्वर्त्त के वारान्त्र। अवत्व कि किर्न स्वान्त्रात्त्र । विष्ठ स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर् ल.रूर। ।शरशक्षिशक्षिशाराष्ट्रः विवायक्षेत्रकारे। । ग्रेन्डिं (विवे) हरे की अर्थे र देश। अर्थिता ब्र प्रचूर्यात्रा हि.ए व्. चर् त्रक्तर्यम् गूर् क्या | ट.क्या हिट्र द्वार्य रेपाला । हिट्र ब्रीट.वर्. यवल.अर्वेव.अ.र्। १८२.के.ज.श्रुव.ज.श्रुव.अर्बट. पर्वेव । क्रिट्शु.श्राह्मक्ष्या.बे.जाक्ष्ये.बेला)। श्रीटाद्यारार्थक्ष्यायारात्यायाद्या । श्रीटक्षियारारास्त्रायद्या । हिंदाश्रायकः हैदासूरायायाया । न्द्रानुद्रश्चीद्रथात्राद्री । क्रि.च.चन्त्रद्रभन्द्रानुत्रहेत्रद्रम्द्री । त्रवृत्तिक्षानुनाह्रम् वात्रद्रम्दा । व्यद्र्यत् ब्रे.स. (ज्यर.हाधु-स्रे.स. १ - ज्या वाद्या विद्यत् व्यस् (स्रे.स.) स्ट्रेट,वाद्या विद्यार (व्यस्यार (व्यस्यार) म हर्श्वर क्रमारा हिर स (हराय) य स्मार्थ। । रह ख्रमा श्रेव या अव्दर्धा या । त्रुवा म्या १८६ ११ १८६ म्या १८६ १६६) भी स्वाया है (देवा यह) वर्षेत्र सक् के विकास है । रिंदे महभ्यत्रवरः त्राः ह्वाः ह्वाः त्रेत्। द्रियाः व्यतः क्षेत्रः व्यत्यः व्यत्यः । । । अर्थः त्रेत्रः व्यवाः व्यत्यः वार् वस्त्री। विद्युरक्त्रेर्यर्थं मारकावी विद्यक्ष्याद्वाद्वार्थं श्रेवर्वायद्वा अधुन्वत्रमान्द्रदे लद्रात्र । क्रिय्तिवयाकेरारी क्षित्रमान्त्र । रिक्रा हिरश्चिरवर्षि वर्षिक्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र (15.5/4) (294) 915 ) SE. 34/5) 4. 9194 4. 45. (45.9) 5) 1841, 25. 26. 25.89. 55 अक्राधिका विकासमारथासुकाक्वाकाराधिका विदाररकामम्मरकेरकेरकेरकेर्द्रमम् अस्यायम् द्वारा सुरः (१९६) क्रिंदे । शिरः द्याम् यहः क्रिंद्रा अवेवः प्यदेव। ।द्याः यम्बस्र हित्यात्राम्ता वित्राम्यात्राम्या वित्राम्यात्राम्यात्रा वित्यायायात्राम्याया क्रायक्र विद्वाद्वात्र्या । । तथार्थः ध्वायम् स्वयायक्रायक्रप्ति । तथार्थः भ्रम् (एक्स.श्रु.र्ग्या वयवाक्ष र्ग्य क्रिस्र्गर्गर्ग्य । एक्ष्याक्षर्भ्य र्र्या रहिलार्गर्भायरम्र्। र्स्रख्यां वेद्यां मान्यां द्री। स्थित्या (क्राइया) क्षेत्रां या विष्यां द्र्याया विष्यां द्र्याया विष्यां विषयां विषया नधुरेश। । प्रथा-यानदर्धन्तानम् तात्रम् नेवरायक्षे नेवरायक्षे । वि: पर्ट्यक्रे देवे हिट पर्धरेश। वालवाभित्रम् वासारास्य तहुंभार्गाम। विक्षिरः रितः नरः (देवः) तश्च वाता मेर्। विदः पर्वेश्रांत्र्यः पर किन्त्रः द्या न्त्र । वियमवद्यंत्रं सरक्षिण पर्वेश्राय वियान प्रयो । वै. त्युनाकुलामरकिताके केमन। । ५मन्त्रामायते क्रियुक्ते क्रियाके। ५गमःस्रवानस्यु

वीत्रहुवात्ये। विद्ववात्यात्यक्रः वदाः सुहत्यात्रेद्र। विवत्रहेदवाह्यीद्द्वतात्र्वद्वर्द्व

क्य क्षेत्राया व तह व ही र वे र के व क्षेत्र व र वे हिंदे व कि के विकार के विकार के विकार के विकार के विकार के क्रा वरामभन् क्रमेर। विर्टर यं के रररगर यह । वि (गलवः) रह महिताम के लाम के लाम के लाम के लाम के लाम के लाम के व्यक्षायि। द्रश्राक्षाक्षाकुत्रं व्यवदाद्रश्ये द्रथम्याष्ट्रव्य । त्र्यूद्रवस्यावद्रभा शहर,अए, अस. कि.स.चारेर. जाया. वर्डर. री जिंक्य. याजा. येव. जा. जा. केव.वी विद्यायां व स्वालक्र म्यान्त्रिं भेर. हर। । हिरल्ड्या ग्रह्मा अध्याना प्रमालस्य । । ये. देर सेर तर.क्र्य.अविदाव। किंद्रकृषःश्च्याप्तरात्रका। किंद्रवाद्यवसभार्थरतानेत्. (महर)) । छिरतरेव देश(वरेव देश) अरुव अ अ रेर ला। । अद रवव ले समार्थ र मन देत। किवाः अर्वे रुषे देवार्ये देत। विष्ठाः विष्ठे अर्वे विष्याः विष्ठे विष्याः विष्ठे विष्याः (भरुवाया) श्रिश्यित रवाताया ये । त्वाय १८ तस्या या नास्टाय है। । नाववायवास दर्द्धराभी तर् । द्वायाभागतात्व्रिः द्वीराभक्षा । भ्रुताभाद्वात्र्याः द्वायाः छिर्नर स्वातेभारा तर्वेव (एकवर) हिर्मा । हिरस्याक तर्वा हर्ने । दिले हिंद्रीटारावियार्थार्। जि.चारीयाक्षेत्रके क्रियां (एववः) नेयारे। रि.स्ट. ध्रेटावर्णः होत्। होत्। होत्। होता होता । वी क्रिक्ट होता विकास । विकास क्रिक्ट होता । विकास ह र्वास्त्रक्षक्षाक्षेत्र । ।वर्ववाञ्चर्षिवस्यराद्वर्ष्यवाता। द्यात्रम्द्रदावाम्यास्त्र नावनः थर तत्वार्यः दर स्टूर रामकेशमाने ना धीर द्वरत्र चारुचाताक्रमात्राक्षेत्रवितः एववाक्रमाक्षरम् । हेन्त्रता हैन्त्रता हैन्त्रता हैन्त्रता हैन्त्रता हैन्त्रता चा. तीजारंदाच अ. एवं वाजारंदाबीट. वा. भरेश आहेर. कु. मंभा कर जा वा किटमारंत्र । वाल्यात्रेत्रभाक्तिरःज्यात्रभाक्ष्यभाषा । देशारं द्रशत्रात्रं क्षात्रं क्षात्रं क्षात्रं क्षात्रं क्षात्रं क्षात्रं (वन्तर) यति कुवारा की वादे प्यद्य नेता । शिरकी राष्ट्र केम दूर वारी राष्ट्र अद्भायति करंत्र्वालामावर्गा ।हिंदालागर्वित्रम्यवित्यद्वात्र्य्यात्रम्यात्रम्यात्रम्याः एकर, रा.च ९४। रु. दैवायाचयर, प्रयाय चराव दरा। च बेर. प्रया छ । यह दे श्रुरः चावश । प्रदर्भा व्यथा कर कर कर कर कर कर कर वाकेम (रायक्रम) करा गर्य 至と、名成と、ふくと、 だって、というと、多と、多とのとは、日本の日の、かんない、女子の日から、かん るいまなえ

Land Strate Contract of the Contract of Strategic

358/

202

passing

bridge.

अयथार्रे वीटा या में अरा की रूपा (ब्र्या) पार्ट है कि विटाश में आ के वा प्रविद में ते वी वारीश. रिंद्रसेंद्र. यद् मि. ह्र, पा. जूर. हा. ब्रिट्श. शर.वी. शरा (रशरपाक्त स्थाय) क्रिय पाते स्मान्त्रा त्रकां वयात क्षा वात्रा दे त्राच त्र विष्य मान्या विषय त्र व्या निया त्र विषय विषय । विषय । विषय ।

वर्दर्द्वामानाक्षेत्राक्षाक्ष्राक्षेत्रक्षक्षेत्रम् स्वास्त्राच्याक्षेत्रम् वर्षेत्रम् स्वास्त्रम् स्व क्षयंत्रभद्रभद्रम् हिंद्रभूत्रभ्रम् स्वास्त्रहेत्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् क्षेत्रवश्याञ्चर्द्धाः सर्वत्य कृत्याः वर्त्वर्त्ताः स्वावर्वाः स्वावर्वाः स्वावर्वाः स्वावर्वाः स्वावर्वाः स्व र लें रमणा सम्स्रीयाना मेट तहरा होट (तहर) ता त्राक्षेत्र मेर क्यात हैं स्थाप (क्यात क्या अष्टिवलं वर्षेट्रं नववा है। विद्रय्यवयति द्वुत्रात्र होवा वर्षेट्र । द्विकक्ष वसूर्द्रवर्षे है। ।श्रिक्षः प्रकारिकः मेवाराः (मेवाराः) साव ए ता सार्था । व्रिःसक्रि वसूर्र्अम्बास्य । विवर्षास्य में विवर्षास्य विद्यास्य । त्याले विवर्षास्य रक्षितावसा । वालसाव विकासारा वास्तर द्वा । वाद देव विवास या वर है त्वा । र् अर्द्धरा सेवान्त्र र र व्यवासायकार्ग । वा मह हिर स्ट्राहर सेवावर्वर । । वा क्षराभक्षरक्षिक वाला विदायक्षारहे के ते विदार्श विदारी वितरिया कर्रे रामित प्रदेश । ल्यूक्र न्त्र कुर के र में दर्म कुर ही। कि म व विषय कुर में मार देश करें। । राज पर है (अहर) अधुराजासाम् क्रियालाम् । विकास्याः (यवकास्यः) यविवाद्रस्य द्रियाम्। वित्रे च्यासाराह्। विराक्षरम्बार्गः काषास्त्रभास्त्र। रिवालियातान्त्र विदास्त्रभागात्रहरू वयासाराहे। विराक्षरम्बार्गः काषास्त्रभास्त्र। रिवालियातान्त्र विदास्त्रभागात्रहरू सर्ट्डिर विदेश भारत महत्र । किर्वाहिर अवारा काला हिला । त्या हेर र र वर्ष आते र वस्ताना चत्रवा । किर्द्धां श्राच्यां हेर किर कर होता । श्री । श्र वं रोजया पालीर शिवान्येय । न्येका क्षेत्रं पता की बार्ट राजर थे जा किर्देश के अलि है गर्द्र) । प्रत्वमास्ति गर्द्रास्ति गर्द्रास्ति । १०० देन्स्य में भारति मान्या है। १वा । र्भरेट्र सर रोअसारा केवे हु वचन । श्रीट रवायस नाइंट नाइंट नाइंट खेर्। । वुर्धर र् द्वार्डि नारार्डिश । में पर्पवि (अद्वर्ष) देण ने हिंदर शा । अह. हिंदर गर हैर. रटा द्वारा विकास विता विकास वि मूर्एस्यात्रम्रः। विधायम्यासायम्यास्याम्याः मूर्वा विवायम्य र्जेव : का.वश्राहर, इ। दिवा. हे. ज्या. चंडा कडर वश्राहर। सिराम बडर अरेपेका. नार्मार्री प्रस्ता (है) सम्मार्के हो जर्मरामा निरम्भेर करमीर्था शुःयावधारदेवा । इद्देश्यदेश्वर्मान्यवावधा । व्राख्याक्षेत्रवि हिर्धरे देशवार

रे लवा । यय या अत्र त्या र्र के वा ता हुर (हुर)। । या वाबुर (वाबुर)

इंग्ट्रं का प्रस्ता (वर्ष्ट्रेक्) कर प्रमुखे । वर परे वर वर वर वर वर कर ता करा । या तम् विकिश र्वारायः (देवारायः) येद। । अवायरेगम् रास्वारकितिदेवः ववायेद। । से वेम्यदायायाः

XTo look with care, to Take Read.

याद्वर्तिन्त्री विश्वसिद्धरात्राच्यात्राताता । श्रम् देशः (ब्ध्यः) दुद्धीलायगः हैं उत्ता भरे। विभागावतः भराता जिस्मा दराविता । में भरा अराजरा परिवादित । अर्टर.चर.जा । सम्प्रांच् सम्हिम हो गरायम् । । मुनायान निवायान निवायान निवायान । विद्रान्ति विद्रान्तिक्षेत्रे केर्या विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान यद्भवावनिवर्भावरात्र्याः वेदा निवन्त्रवाद्धराभवान्त्रम् ते वेदा । यद्भवन्त्रवाद्धी (वास्वायते) (तरुवा वा राजा वार्यवाय ह्वा (ह्वारा) द्वा अर्वा त्येव त्ये छेत्। देखा मेर मिट्रश्रीराध्यायात्वस्ता। युरा शिरे जेर्धरयाता म्बिश्यास्त्रभारतः स्राध्यात्रियाः स्वास्त्रभारतः (१६) तक्षात्रम्यः माल्यदे प्रमान्त्रभारतः वर्षात्र शहार प्रह्मेर पर्व देन । प्रदान अदायक्षा (प्रका) वरिदे क्रमे हिन हरी स्वर देनक्षायातालुकार्यः श्रीदाश्वान रोग्रास्यायाश्व। दिवस्य स्राप्तवावशः राद्यानेन। हर्रभगाक्षान् हर् हर्म हर्म के गराने र मुंच न राभद्रा तथे के में देश हर। ।श्रीर रसकारे रर है। तसका धर हैला सर हैला के हैं कर है का की वर है वावशायर यारत्। रिन्नश्रीट्र इस्रा स्नर्ग। स्नेक्षिक्दरायार्ग्यर स्मेर् केर् स्ने क्रियायां केर्या स्मेर्या स्मित्र स् महेंब्रक्केष्ट्रभागामा हो व से तहर प्रदेश राज्य के के विभावना तर यह के के विभावना तर यह के के विभावना तर यह के स्यारे.(ये.) ड्र.त. दर.व.वर्षः सूर्क्षितिक्षिरेत्रिया अतात्रम्बर्षः अत्या

अंसिंगरीयान्त्र। ।रवानानुरक्तिवाय्यान्यर्वता ।चर्त्यप्यानक्षाक्तान्य्वा क्ता । केश राष्ट्र सक्त का विद्याता वर्देर (परेरे) । प्रवास विकास प्रवास वर्ष सुर. न्वता । व्यक्तास्विक्तिर्द्धरम्यराम्बेनारः । दर्दर्द्धम्यया । प्रवक्ष्यः क्टरायर्गर्यं नेता । भुष्रुत्रत्गर्यते वरवर्ष्ट्रे । तह्यानिस्कृतायं अवरात्रे मु अ.व.प्रद्यमेत्रवारापाद्वयां न्यूरी ।यात्रवा किंद्र्य, यात्रनी । श्रीर देशयोक्स (क्र) कूर, 

विरायः क्षेत्र। । पद्मत्रावसभावान्त्रवारात्रात्रवारात्रात्रवारात्रात्रवार्यः स्त्रा धी.वास्त्रीयांत्रपु, रेटरे.वर्डर:वया.लूरा । प्रवाक्टरःक्टिरःक्षे,वर्डरःवक्षेत्र । पिर्वो.वयात्रा. मर्द्वर क्रिया अव। । द्याम यह स्वायाय क्रिया थ्या । द्याय विद्या प्रमाय विद्या । पहूजगाइमारीय। रियाएकि. काक्रुम. का. कपु दी डि. वमा. व्यादेश कि. परेया वि स्राहित्य, संरव्यात्या । एक्षतार्थरार्थरार्वत्रार्थरात्रे में पार्टा विश्वराह्में विश्वराह्में विश्वराह्में विवर्दा विगतन्त्रिक्ते स्वता तर्वे के के दिन क्रिक्ष कर है विवास है विवास विवस विकास विवस कर व वादवः वर्गे तह वियति की विवेश भव। विश्वानि तह व्यापति की विवेश वा । वावदरा रहेने वेशक्तिक्षित्त्रत्य । श्रीट्रियाम् त्याम् त्याप्तस्य मित्रा हिर्भः या विद्वा थावानः क्यर। जिन्द्र, (क्र्र,) तान्ध्र भाग ग्रद्दवालय। । देववायर अग्रहका (देयरवाज्य) वर्णः हर्डी ।शुर्यामायराद्यवाष्ट्रायाक्ष्या । हर्द्रिक्षकास्मम्यद्वारादे। मत्वियाः एष्ट्रवायाः व्यर्द्रवाहिया । मेर्येत्रिः विद्याः सः मेर्दरा । विक्वावायि मे लक्ष्मराष्ट्रित्र)। १८.सर्थं शर्धे अ.स. के के कि कि कि विश्वारा अन्य के का विश्वार के सम्मान म् लड़ायुः प्र पासदेहत्। निषवे स्था करत्यद्रप्रस्था । र्या द्राप्त पास्या विवा रो स्य यब्ध्रेस्य केंदुक्रुअरेट ख्रूर जर्मेरी विष्ये वे अरेट बेट जवार्य हरे हा कार्य के अरेट ८म.एग.अ.१८.या । वालवंशवर्शिशक्रद्धयाताश्चवा । धु.एवंशक्रियातालाया अय्त्रित्यां सेएश्रिवर्त्रात्रेया । रियाश्रेयम् श्रिया वित्रात्र्याः स्त्रात्याः स्तरात्रा रदर्याः अत्रव्याः (भारद्वायः) । यावयः अवस्थाः करासुरा अद्याः । भूवः व्यवाः वरदर स्वाः क्वियो मिस्रेव्रचि सिर्फ्र भर्दर प्रद्रा स्त्रेव। सिर्ध वाष्ट्रवेश वार्यद्रा विक्रिया अने वार्या कृष् न्याया था (स्वर्षा) पर्यर अविद्या । वावन अवस्था कर केव लाखा । वि से र वर प्रद द्वियाक्ति लाय। वियान् र्या सेपुक्र अर्रेर प्रवर्श होयी. रियामु आटके र प्रियो विस्त्रेयः क्षेत्रकुन दर ज्ञार् रदन्। । यावन अन्यक्ष्यकर विवास्त्राभन। । दर्गरा तार्व दारविवा के न्त्री अम्बद्धाः सेश् कु अर्दाष्ट्र जा सेव। विश्व संदेशका माना प्रवास के विष्णे देवा.एक्ट्राच्येर.अ.चाच्यावशव। ।यर.४व.यथ.वर्डा.चर्डा ।वयवताय्ट्रद्विवासकः लुवा ।अवूबर्बार्स्यक्ष्यर्रः प्रदासम्बा । पश्चारः स्वाराम् स्वाराम् । नारः धुवः स्याक्षराक्षरा | रक्षर्यातप्ति में या मार्थ में या मार्थ में या मार्थ में या मे मुद्रतायहर्ष्ट्रप्रमा विद्याने । वर्षेत्रम् वर्षेत्रमा विद्याने । विद्यान विद् प्टरितावर्गाता (सेपा)शरी विचयत्र सम्भात्र सम्भारकारित्रात्र । तर प्रेयक्ताय विवास रारी विश्वास कु वर्षः श्रेन्नवाद वर्गः (देवो कुरा । किंदः सेवा कु हि सेरक्रवादी । वर्षः क्षेत्ररहु: इ.स.कामर्टि: (रेट)व। चिषवं अव तथा कर्मिया अर्थ वित्रा हरी विद्या हरे रद्वयाक्तिला । अयूवत्या सेष्ठः क्षात्रदेश्वरका स्रेव। किर्यालया यश्यः स्ट्रिट्रे रदा विभागाना वर्गास्य मार्ने किया है ता विभाग निम्मारी विभाग वर्षिय

यराक्षद्वयस्त्रदः विश्वेष्टः (श्वेरः) रज्यव्दरः विष्कृते । । अय्वेश्द्वः द्वेतः देवः देवः देवः देवः प्टरायस्त्रेत्र। । ब्राक्टरस्त्राद्भः द्रमः क्रियास्त्रः । । सिटुरस्य द्रमः त्यास्य द्रश्यात् । । वा विवा सित् क्षरम्भाग्नेता विदार्गत्यार्भम्यातियार्थे क्षेत्राची विद्यातियार्थे क्षेत्राची विद्यातियार्थे क्षेत्राची ्राप्त्रका याथ्यायावयात्राक्तिक्षितात्रात्याचा । इत्यायावद्वत्याता)य्राक्षेत्राता । विद्वास क्रियाराष्ट्र। क्रि.रच.परचक्षात्रव्रक्षि.लुवा च्रि.प.क्रस्यातयात्रक्षित्रक्षित्रक्षेत्राची ।अक्रव्र दे उन्नर्म्याया पर्वणवर्ष हरदिरी कियाअसताया हर्ह ग्रहितासी विन्याया यो सम्मानित्र वद्या ।रत्तवराण्याः येदवस्यातव्यः क्रिन्दा । व्हिद्ववर्तः वित्रः) अः क्रिदः देन क्रिका अर्'खिलवरात्राक्षित्व । रद्याञ्चष्ठगाव्यक्षियां । विवादद्वाक्षेद्राक्षेत्राक्षेत्रा इता रि.वस.व.वयवायवीव इसालवा । जिस.एड्र वास.जाडार.र्.का.वपु.दी शि.जावमेवपू ब्राखियःलूर। मि.ज.श.एक्रोजा,(उक्रजा)रतरम्ब्रेलूर। ।रगए.ब्रम्बेर.तएर्स्वा.पर्वेषात् शर्भक्षित्रकेष्ट्रम् पार्क्षेत्रभार्भाश्य । । मा.केरक्षात्रप्र हिर्गामात्रवेद।। कुल बर्मेर शुर्तिर वर्ते व की धीरे कैर बार्ट वंशायेश आवए जा इत्या। क्रियामें के वर्षे कुराश्या द्वाराय द्वाराय दिवारा था वाहीरा नारि दर वरा राष्ट्र के अभ्यास्य अद् दराएडर्टर, दे, रेंग. में अंशा के में रे. एरेंगा (बंदेगा) स्वूटा क्टूडरा माए जर बर्वे में बिटार्क्टरा बीटाकी में मेर त्यवा था में खेवा के यावा राहा रे के वाकी रवा सुह वाका रवा के वाहर वा वरवा श्री मि. की रेंगवा, वी अरेंड्सा क्रेंच, रंबा केए कुर केरे हैं, वंब, तए वार्यहाँ यह विवर्ग तार. गर्जे अहेर्यु है। छेगा नारता ॥ मा बंदा (र्ये) र व ए वर्ष में र वे काराज्य । जिर हीर सारा के वास्ता है यो के काराज्य । विकास व कुराक्षेत्र वर वर । देश यश्यक्षिण दक्षि अकु में भाग । रेयूरश य प्रिया अर्थ यशि रहरशाञ्ची वि. सर्वेवाशारा व गए व से रा गए। विद्रशामार के वर्षेरता स्थी इ.र.राभवात्रवद्वताः ह्व। क्रिंगमुः तरमुः ध्राप्तुः वार्म। द्रावश्वाक्वाक्वाः वः म्भशास्त्र दरा । वी द्रभावि के मय तहार हारा हा वि तर वि का कर वर्ष के स्थान मुवारा'ओ' यररा'ही र मुत्रा ना वारा विवा विश्वार दि ही र दे न में देशत अहर (रवत खेर चेलरा) ।कुक्तरमुक्तास्वयाद्वरा ।कुरक्तरभूगाम् सरमार दरा ।कुरक्तर वार्टर.त.म्.चार.चन्त्रा ।चारावःदर:क्ष्याःपार्वःप्रवेदाःग्री ।क्षे.क्षवःक्षरमाः या रगर थे ।वर । वि रगर हे रगर के अर्गरा । त्ये अर्थरात्रार के बर्थरात्रार के विष रगर। । रगर्थं दुवानी खं के केवरारे। । रागः ही र रवाना सरके वारहेश। । हैं। पद्दावस्रवाराचीवात्रद्वाकरा । याववाक्ताः व्याप्त्रद्वाताव्याः व्यापात्र्याः व्यापात्रा । प्रावाविताः र्याः अवतः वर्षः रेराः वर्षः । विरंशानः र्यातः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षे । र्याः थराः वर्षः क्रियान म्यान्यान्य । द्वास्य भाषान्य वास्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य

वायर। ।यर,धुव.थु.अ.झे.चर.जा ।धुर.हे.कुए.हे.रअया.झर.कुव.एर्। । श्रेर.ब्रु पर्वयात्रिरार्भवा वर्ष्याय्यायात्र्या । देर्वार्थयाः वर्र्राने त्या । द्वाने ये वर्र बिवास्तरायासी । तक्षार्यर्यस्य मान्यस्त्रम्याम् । विद्रत्यः प्रेतिद्रः विवाताः व्यद्री सर्यः अर्टेट्किट् प्रह्रुट्ट द्यूयारा अर्। विष्णा श्रायः दर्माता । व्यूट्टेया। विष्ये अर्थेट सेट. जयान्द्रात्रा । याद्रान्यस्तितः विवालः स्त्री । वादरः सं अद्यानेवायः विवालः यग्नान्त्राक्ष्याक्ष्याक्ष्यात्रे । स्विवःक्रवः द्ववायाक्ष्याक्ष्याक्ष्याः श्ववायाः श्ववायाः । स्विवःक्ष्याः स्वयाः स्ययः स्वयाः स्वयः सिंदियां विवादी प्राप्त हुन । । एतिता देशर ते विवादी राष्ट्र देश हो । सिंदिय है । विवादी प्राप्त । सिंदिय है । क्षेत्रेत्रात्यात्रात्र्यूर्काराद्वेद्या रिवाशुः अटाक्रेटातिब्रीख्रा रिनएताक्र्रिरदिविक्षेत्राक्षे हैवकुर-रमाक्षाः एक्ट्रेस्प्रेय। विश्वराह्मद्वानां नाथायवाख्य। निर्देशमुत्राविष्यं मित्र यूरी स्प्त्याताक्षर्द्रस्याक्ष्याक्षा क्रिट्यास्यक्ष्ट्रराज्यवाक्षयक्षा । विश्वेरक्षरक्षि क्वायं दर। । स्टब्स्वावेरसामिदकेवानिया। । यरक्षिवादवरस्ट स्वायायावेद। विक्रिय वारक्षियार्याच्याच्याच्या । विदश्चिति विस्तर्भित्याच्या । विद्यानियाः च्यात्रियाः च्यात्रियाः उभारती र्यवार्ट स्वार्क थेव। क्रियास्य इत्यास्य के त्यारा । क्रि. वि. सरता थे क्रियात्र द्विया हिन्यान्यायास्तरक्षेत्रस्तर्रा । विभयायायाव्यास्यायायात्रम् हिन्यायया । विद्यार रत्त्वरद्ध्यक्ष्यः भव। । अरद्ये कर्ष्यक्ष्यं स्वर्धक्रियं त्राह्म । क्षिर्याण्ये वास्त्रे र्यः मि. प्रा रिक्ट मूक्तर दि सियक्ति करी । अरेट म् रट से सा अर्थेट के या । ट्रिक्स का तारि र्याया की। क्षिणावरीये त्युर (क्युरवर्ष) अर्दर पानिया। विकाल में क्यार विकास सहिता। या. प्रमास देशका. शर्ट हा पर्या अहरी । इ.अ. रा. स्टाक्टिया हा प्राप्त । वि. दर्भ शर्म प्रमास ह राज। रिवापर्रियाम् देर्यम् र.रस्या(ट.रस्या) म्यूया छिर्द्रअभ्यामामा देखेर.

१.८ अयात्यात्या्वस्त्रीत् । सिंक्ष्यणाञ्चलात्याः से श्रे एवेशाद्दाः विभाविष्टां द्वापान्याः भर्ताः स्वापाय्याः से श्रे विभाविद्वाः स्वाप्ताः स्वापाय्याः से श्रे विभाविद्वाः स्वाप्ताः स्वापाय्याः स्वाप्ताः स्वापत्तः स्वापत्तः

नारी राजा में देश वा की व से माना विकास वा असाम सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा ख्र.बर.चन्नाता.प्रे.रेणया.या.चर्चे.या ।इर.क्र्यायात्या.रेतए.पात्र क्षेत्रता देतएक्र. वर्षाता देत्रवादी वर्ते रव। देत्वादी तवसात्यः (रवसात्यः) तह्यादी दक्षायति ही। वायर सवाराक्षेत्रा स्वापने ने विष्यायानीर। रदायमन्त्र स्वायावया स्वायर्थानी दुवा सुर्वात्राम् प्रद्रीयात्रकृदः क्राचावद्रवाक्तिकिवायाता। र हिमार्वा सिश्चिक्तार् भर यू त्यक्ती त्र वित्र क्षित्र क मी दिनायहन सम्बद्धार मार्ग्य हैं दिन ने कार्य मार्थ हैं दे हैं के कार्य मार्थ हैं है का मुर्देश दुर्देश र्यतः रोटारे अटाक्षेत्रताकुत्तार कृत्या गार्यार्युत्या शिर्क्षितारा यताहेतान्युरे वादाक्षित कु एने ८-,९४, फ्रें. क्रिया श्राप्तिया अपने जिया क्रिया क् दे यार्ग्यक्ष कियान्त्रेश ताचरवा एडरेक्टरक्षियाराता हैराकेके किट मुंबेक्के रेम खेरे यर् यसे में देशम्य प्रमान केर क्रिया था रे हेश देशदेशकार स्मित्री के एवी वायस क्रिके नियक्षि एवेटा । इट क्रियामा असर्थार सारा तारेशा में हिया वहवान में सेट में ट मेर मेर मेर मेर जाराय्यं द्वानुद्व स्वाराय्यं द्वार्यं द्वार्यं द्वाराय्यं द्वाराय्यं विश्वाराय्यं विश्वाराय्यं विश्वाराय्यं व में देश हर बर वर हाह (प्रता नष्ट) एक कार्यर प्रति है ने भागर कर राजिय के अलेर श्रेयम्कार्द्वास्याराता तर्वाराया (वर्षाया) दर वर्दर्य वर्षर्याया राज्यावारा समाधिकारी हिन्द्रा स्ट्रिं हैन देन देन देन हैं । विद्या कार्य कार विद्या कार किर विद्या के विद्या हैन हैं । द्यमात्र्यायात्रेतारात्रेतारात्रात्रमानदर्षेष्ठदर्मा तदेवादा सुराय तर्वेदात्मा सुरायो वालेंवे,वे,वार्ट्ट्रहेट्राया,र्ट्ट्र्यावार्यर,वार्ट्र,यावार्ट्र्यवा (वार्)केट्रयर्थे

47.242°] skey.

> यवक्षा विन् ही दर्भ महर सं (महर सं) मिर ते हि । ही त्ये राज्य कर मध्ये विश्वा यम् श्रद्धियाश्री प्रमुख्या विशायद्वायादया प्रदूर्ण विदाय हि। श्रियाय या स्वायति हित्ता वरायेव। सिर्म्याम्युधिये तेवक्ता । मरअवित्रम्यान्यान्यान्यान्याः मर्। । म्यार्ट्रराट्यानेश्वा नम्ब्रिट्येयाम्बर्धाम्य । मेल्ब्रिट्येयाम्बर्धाम्य । याम्बर्धाम्य । यामबर्धाम्य । यामबर्धाम यह कराद्वारा (व्या) १८) विराचेराके हैं विराचिता राज्य । विकेश रिक्स हिस्सु है यालाया न्याही हिन्द्श्र त्वीत्र त्वा त्युक्ष त्युक्ष (मेलाड) द्रात्यां । याक्ष त्वात्वात्व वुःश्यमान्द्रश्चेत्र। विविध्यम् व्राप्तर्तर्त्तर् त्याः यव। विविध्यम् वर्षः वार्षः वार्षः वार्षः विविधः र्मन सर् के अमार देवन भी धेव किर्द्ध के असे हैं र (महर) न र म्यान स्था धेवा

थ्यस्यति (म) त्यनायनुराद्देव (गुर्हर) की येव। । अर्थे नारभारग मन्त्रेति रम्सेरारे । वुर अर्हेर्यथार्याद्र (वर्र) अराधेव। वर्षा अर्हेन्य विश्व वर्षा वर्षे । वर्षा र अञ्चर्यान्त्राम्याम्याम्याम्यान्यान्यान्यान्याः । स्ट्रियान्याः । स्ट्रियान्याः । स्ट्रियान्याः । स्ट्रियान्याः र्याट स्वाकाराम्य (व्यम्मे मेट स्वाकार्यम्) नाया । विकार स्वाधानिक विकार स्वाप्त । विकार विकार स्वाप्त । विकार विकार स्वाप्त । विकार विकार स्वाप्त । प्रविषाता हो। । दाकी-प्रशास्त्र माराज्याकी हो। । की सरकेराया वर्षे प्रविष् दृश्चिताको त्यां सेर। । अतारमार वर्षे तारहेश वहेशरी । विस्तर वर्षेट वारविद्वासी। वाक्षेत्रहीर की दुर देशवालदी। । अञ्चललका वाक्षेत्रा छटकोडी। । अहं स्थानमा व्यापिकादी। मायवा, में द्रान्त्र व में द्रव में द्रवा | द्रिताश ला द्रवा में स्वाह्य । मिला द्राव क्रिया व में द्रवा भाव स्था र्। विश्वस्त कालद्वभूमवभूम्हरा रिस्ट्रक्र्यक्रियोभेनत् साम्रम्भास्यास्तर् अन्दःश्रुवःश्रुदः। । वाववाराःश्रुद्धःयमः त्यवाराःव्यद्। । वादतःश्रद्धः । वाववाराःश्रु प्रवासी विकटवं वह वारायते में रमें रेते। विवा के राव हरवे का तर्का हो। विरादर र रर विश्वायां । श्रिकेशवर की सेर द्वारेश कि स्वार्थर था तार्व रेंद्र । दर्वाया यत्यद्वायत् श्वायव्यव्य । स्टर्य्यते यस्याययः भिवद्वायः । स्वाययदिः स्वर्णाः भवा । क्षस्यामहता (तर्वातहता) थीव। वितरवयावीवया तहेव वुरावेद। दिनेदवी तहेव. द्रातः व्यद्भेद्र । वालुः कुद्वाववा द्वरग्नया व्यद्धा । वालुः क्षद्रायां व्यवा । यालुः क्षद्रायां व्यवा । वकरावनुरायम् दे विक्ता है। भरेता है। है। हैं को है तो है। है को है। ति है। है को है। ति है। ति है। रो मर। । इन्तायि तामक्षा । महामानिका । वरम् वामिका । वर्षे वामिका । वर्षे वामिका । वर्षे वामिका । वर्षे वामिका देशक्षेत्रहरअद्वासीट्डिंट वता। श्र प्रवेशकु सेप्रयम्बर्श्वर में स्वर र्ति अट्सिक स्था यहें में किर व सेंद्र व में द्वा है ते के विवास के अहिता के त्वी अ कु सेवायाता के जातूरा वा कर प्रविष्ठ है अर्थ विवादी कुष्ठ मही कर्दी वा वर्र रे वे द्वा । वि राम्के प्रम्यानिकार हर है। अर्थन्य प्रमास करता मान्या विष्या मान्या कर है। विषया मान्या सामा सामा गिल्म् मार्ड स्ट्रेड हैं। हो। वर्शकायह देतः धरकाश्रा यी. अष्ट्र वीट क्रिक्स विद्वार । विद्राय था कि ते के क्रिक्स अष्ट्र। विवार अष्ट्र अष्ट्रे अर्थ के क्रवंश्वरा । व.च.र्ये.कुक्र्यारा.अक्री । अक्ररेतुवा.च तराअध्याप वयवा रा याश्चानियार्थायाच्यार्थात्याः क्षाःभक्ता । स्वर्त्त्वयाः नेताः क्षेत्रः व्यत्त्रः व्यत्तिक्षेत्रः याः अक्र । रि.स्ट.र्याःस्र्रः (स्वाः) स्रद्वशक्र । रट्टाट.ट्रायः विशास्त्रः । तह्यास्त्रः र कियास्त्रका । श्विरको सम्भाष्ट्रवर्द्धलासुर्येत । कर्तमः वद्यमके तर्गुवर्षः एव। । यत्ते

क्षेत्र वार्ष्वतः (२२) वार र र द्वा | रयक कार कर वार्य न वार प्रवास कार वार्य । कीर कोर कराने सम्दूर्भात्वेवर्धव। किलाबेर्क्यनास्य मान्यवाद्यवाधव। विवास विकास यम्दरी शिरेतपु यदशस्यामा वस्ता । इस्याश्चालाला क्रिक्स व्रम् । यर् अ.स. (वर्षेत्राष्ट्रवारहरा रहरामञ्जा म.य. ) चर्तर । मिटाराधाया मिवर हिंव कर (क)रे। ।वाराप नध्नेयादर भुजवित्र गूर्। किट दर्य क्राया ४० इस मिर विस विस विस विस बग्रा । में हेट (क्षिक्षे के हैर) मुजाय प्रधिय प्रश्नित ग्री । किया बरेय सामिर देश सेवाला । व्रा मा किल्लिक का मिन्द्र के मान्य के मान्य के मान्य कर्यक्षात्र दुत्र्द्वमञ्चला । क्षेत्र त्वमञ्चला । द्वारीमधारे की तर्वारमा सुरे । विरायन मेरा वर्गा (वर्गा ) न वा हरा देवाबेद। । इ.मर (देनेंद्र) के अर्थ खु क्षा किट्र इंग्रेस के वर्ष वर्ष हैं के अपना है। अर एड्र इंग्रेस के वर्ष चित्ररात्मिय। विराद्यातायाक्यर स्था (स्था)तास्य । सिरायायसक्यर देवसामास्य । सिर्वा हिर स्वरायक्षित्वारा अहर हेव । द वा भारत् है। ता तवा देवा भरा । ता वा ही अदल मा ना रा मूर्झ (कूरम) वित्यम् कुल यसक्षरत्ये थेव। दिन्दर के तथेव राजविर नेद। यिष्टेश्च एर्येय रात्रेय देश देश ता एर्स ता (एर्स्स ता एर्स्स ता । । न्य वित्र में या वे ता देश वे दार्डिश एकर वार्वां के वारा (वार्वाहिवारा) कू जार्के र (किर.)। विदेश हैं जार्बा रूट किर्ज वर्त्रर. (वर्द्धर.)। विर.प्रश्नाभाषा वर (वर्षावराष्ट्र) भाषा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व याच्यारारत्य्भवत ए वस्तारा (स्वारा) विक्याराभक्ता (स्वारा) है। रदः वरीराभाष्ट्रशा अन् अक्ष (ह्य भा) अर्थ में के क्ष्य । । एकर व बेर वे ने के अक्षर (एक) । शर्णाम् के के (के वा में) में पा जा राहा । में हा गा (में हा गा भरत केंद्र) है अहर में में हा । विश्व भर वनामान्त्र पर्वेचासेर.क्त्रा । यु.म.र.र्र्याम.पाम.है। । यामेर.पर्वे.प्रेच.प्रेम.क्रि.प्रेम.मेरा ॥ डेलाकासर-डेटवादत्डिकास्टर्याकार्ये विताति हे. एवंदर्द्याता है। तस्कावता व्यान

स्थार्शेट्ट स्थारा त्राप्त्र हे जिर्मार (हैर्य) देशका र्युत्र नार्य स्थार क्षेत्र स्थार हे स्थार है स्थार है स्थार स्था स्थार स्थार

वैवाध) इक्तान चार्राच्या च अगःत्रार्थः ब्रह्न्युम् दे चिक्षित्रेरिमर्या चिक्षा क्रिया विश्व भाष्ट्रा प्राप्ता क्रिया च्यार्था च्याय्या च्यार्था च्यार्था च्यार्था च्याय्या च्याय्या च्याय्या च्याय्या च्याय्याच च्याय्याच

पर सम्बद्धाः स्री कें यह देर्दे हैं। हो। ह्या ने के लक्षा कर ने । निर्मे अञ्चर कर पर्मे । किए वःहःव्यव्यक्तम् ह्युः मेद। स्विःवःम्ययेवायः वर्षः ह्युमेद। ।यः वर्दः सःहः व्यवेशः व। । द्वेववायपूरः चित्रभावत्याम्द्र । १८,८६,८,५००,५००। । एक्ष्याद्रभम्द्र्यक्ष्यम् क्षेत्रभ्रम् भ्रम् स्वार्गर्यास् । ब्रिंद एक्सेच (ग्रेनेक अहरामा पर्। वि एक्से च्राक्षावय हिता पर् दाए.श्रुश्चार्त्र । (त.वी.कावा.क्ट्र है.थण.जा.(म.स्वालवाश्वर.जाथणावा))। किवारक्र. वी.वी.एची.जा.च.च.उर्देश (वह.वे.) परिरक्षियादा बी.वी.केर.<u>एक्ट्र क्यूडरक्यूडरक्यूडरक्यूड</u> क्यूड्र जाएगा। विराधक्र. मे.चर.श्रद.वेट.वी. (वह.वे.) परिरक्षियादरी। विराधक्यूडरक्यूडरक्यूडरक्यूडरक्यूडरक्यूडर् राहिषाइट. दृष्ठे ता घटा । ब्रिंद श्रीर स्वाक्ष रख्टाओं तहेवया । दातकतादवारवाइट दृष्ठेता ग्रदः। व्रि. श्रदः बदः विवा श्रवादः नेद। । त्यराद्वायमा देदारे प्रिवादः नेद। । दः तक्षताः रमर.विष्युं केर.केशकी ।रबालु हिंदाकार पायद्वाद्या राजी। वार्युवास स्वासा मिटाश्रुका । रिराएकेट.अए.शु:च. अ.शु.ण। किंग्रेश्याता र केर्याश्रुवाएरे. एरे. लुगी वार्ष्यम् रुवार्यायीः स्टार्झे स्वता । देवता व्वार्य रूप्ता मान्यः द्वी । ख्रिर्दरातु शुः व वेता या वी । क्षेत्राम्बर्धामाक्तिः एक्रियाय स्था । दरम् वर्गम्बर्धिया । श्रिम् स्थितः स्थितः स्थितः छर। स्वर्धः नद्वद्वत्वयद्राद्वत् । द्वश्यव्यव्यव्यव्यव्यक्षे । व्यर्वद्वयः स्वर्धायः इर। डि.वस.क्रवंशूप्र अक्ष्यंपास्। ।चन्दरीयवन्त्रव्याः म्रायः हर। ।ब्रु.त. हाः पुर्देशसम्बन्धाः वानिक्षिरारमामार्थारावरुर्भम्भा । रमास्यमारावुरुद्धमायेवारासाराज्य। । वीः महाविष् बूबाक्की ह्रवा हिर्वात । इराइवाव वर (५वट)र्गम क्वेरताय । एवरकेशव केवा ग्रह्म निर्धायवर। अव:र्रद्वासुर्वायायाम्बर्(यवर)। वियास्यायाम्बर्वाद्वास्यायान्या

द्वान्न्द्रवर्गिश्चान्त्रवर्गितान्त्व । द्वार क्षेद्रशान्द्वी नायव तत्रम्यूवी । विद्वार विद्व

वार कि त्वार क्रां क्रा

नार्यस्त्रेर्द्रनाः मुक्तास्त्रात्रार्यस्त्र्रात्रेश्चात्रे सुर्वात्रा

1号

म् सम्कुवापरी रिवाका प्रसादा द्याया वया हिराया करा। विश्वयार मार्गिया हैवा श्चित्राधिक। । वाध्यस्य वट्यतः तद्यराद्यात्रुकात्रे ध्येवः व्यद्रत्यक्षद्वःतस्य त्यदे परंजव। वित्ववावरहिवालयगायह सम्मान्त्रवा । दक्षः क्रि. पर्क्षः क्रिंग् व्याप्तवा । वार्रायामा केवा केवा केवा केवा विश्वासा विश्वासा विश्वासा केवा के तो की वा विश्वास के तो की वा विश्वास केवा के क्रिक्ष के अक्र हो के के लेखा । यम गरका में में माया त्या तर्व ते भी विष् एके चर्वा वर्दर दर्द केंद्र ले थेवा । या वारेशावर की शव विवास या थेवा । दर तर द्वा दूरी प्रवाहित्र । केंग्र अराधायर अरा । वि. के बर वर्ग अरुर विकर ) रा परी । वी पकर वन्नीतर्वात्त्र । यदवीद्वात्मात्वर्षाः । क्वादक्ष्याः भन्ने । इर्द्वायते हैं हैट प्रवाद कर्य। दि तद्विक्षिक दम ते तरी । तरा देवे का है अहत श्. शर्यः त्री । हिर ७ क्षां रिवर १ वर्ष । राज्य हिर ह्या ने या (पर्या) पर , वितर वर्ष श्री बेट्ने। विवादभर थर के के तहेव रे। विवाहिद के वर्षेव (वर्षेव) हैं यह देव वा ८८मा के के महत्य के मा अरा विकास के के खेलारी में आ के महत्य में रेडि मार्टरी सैवायं अर्रः (गर्रः) की क्षः कुर्रे। । रमतः यर्थान्रर्रथयत् अर्नेता । व्हरत्वतार्थम् ल, इ. क्रें. ७ वे. (४ ह्वा) तह्या या वेर्दे सेवर्गन हर की वर्षेर्य प्रमुद्देव या ता किया सम्मिय स्वर्व स्वर्व हर एक्ट्साम्याम् त्रात्त्राम् रायात्राम् । यर्गार्याः द्रिताः वर्षेत्राम्यः वर्षेत्राम्यः मलाएक्पार्यर क्रिम्यूर्ट्य करा राजापर विवाय राजार राजा है असी में राजा में या राजार र त्वारं रेश खर्त त्येष स्परिकुं सार्वे । त्वारं रेश में के या विकाश कर विकाश कर विकाश कर विकाश कर विकाश कर विकाश स्वरादेर वाया १८६० वर्ष दे । त्रियारवर्षे अर्थे सुर्रायवर्षे अर्थे सुर् सेवश्रद्रम् स्वास्त्रम् वर्ष्ट्रम् यात्राम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् सदरमञ्ज रे न भव हर्षे दरमव नमा भर वनमा भर वनमा हर यह मुरमदर र्वे. श्रेन्. वर् रद्वे व द्वर. । प्र. में (कुम) श्रेन वर् कुव रामने कार्या रन पर कार कार में से द्रवाद्धवाक्षेत्रक्षः नाम्यात्रुक्त्वाराके व्यरक्षर्यम् अरतक्षेत्रक्ष्यस्य स्थर हिर्यसा स्रेम्बर्श्वरार्ट्स्कृथिर (व्वर्द्ध्कृथिर) सर् दुःस्माध्यम् । हिरा। या खितास्त्राकारात्रा अर्थे अत्रेष तर स्वार्केष स्वार्थि अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ स्र रायरेशकर व्यर दे जवा हैर (उद्देर) हेर देवेया स्रम्भारा प्रदेश हर । यरत के स्वरा मुश्राह्माराम् मुन्दुम्दुरम्हर। मुन्नाभाष्ट्रवान्त्राः व्यवस्वहर्वस्र्यः सिर्धायाः म्याराक्षिः त्र्याया म्यानाद्या देदा धरा अद्वानी स्वाया श्रेया स्वर्थे त्राया स्वाप्ता स्वाप्ता स्व में में हैं भारी सेवलाईर। सेर वर्षा जवाय वहिलाक रहिते में हैं हे लावला र में वर्षा जवान्द्राद्र अवात्त्रस्यात्रस्य वर्ष्यं वर्ष्यं वर्षात्र द्रायात्राह्र व स्वाया वर्षात्र द्रायात्र

यहरद्रभायसर द्रा अस् स्व = डसाइ पर वी मृ क्षे में मु त्या वस्या वसा स्वता स्व र्क्तिवर्गर्गरम् । केर्र्यम् स्रित्यम् स्रित्यम् स्रित्ये द्वारा वर्णद्वरः स्रम्य निवास्यम् निवास्य रात्र स्रवराद्या द्वार्श्यक्षराता कुराद्य कुराद्वा कुराद्वा कुराद्वा कुरावरा क क्टाम में विभवतात्र में शिरख्यार नाम यं नामवा व्यक्तर रथतः अर्वा भेषा अरवा वार् वं मर स्वात है ता तो व्यर बेर केर ही तर दे देन तो वं यर मारते।

क्ष्राक्ष्यक्षेत्रक्षे क्ष्री है। द्वारामहेवनावभाष्ट्राम्याम् १ हें दे बेरी है। विकिश्वर अहार देगर हैं। विकिश्वर के अहार विवाह हैं। है। यहर मेर्यते वुतार्यवासर्वसम् । दारहरदेशम्यान । श्रीस्मिरस्य स्थान र्वी.जा क्रिश्टेर्नेशकार्या सेन्युयमवर्ग ।रश्यान्ते में ज्याने विवडवा)की । यासम्बद्धा । रमः तारस्य वर्षामः स्व । मारोवाताः द्यावः दुवावीः ध्येव। । माववासिः प्रहः म् मारामा कर्षे । के चर कर ता खिवारा करिया विकास ता देवा खुरा ता मारा देवा से मारा विकास करिया विकास करिया है व वार्श्वाः म्यान्त्रेत। १८.४८:देवाश्च हाक्टरप्त्। १र्थः क्रियः प्रमान्यः विषयः प्रमान् । ४वरः वरः वरः वरः वरः व चरान्ति द्वाराधित। विकार कराने कराने विकार कराने श्रीट ख्वारगर यं भ्रा । यं वायर यह केर केर केर देश थेवा । १ में वायर यह अर्थेव रेस्स्यान हिसकेवामहेवहेका (वहेका) कराजेरा राजे हे का वाहेवारा (वाहेका) वाहेराता स्यास्त्र तह्या स्वारिकारी । श्रिटायको वति खानुग्वर। । प्रतिर द्वारा ताना हुः म् रा. (श्रुण) रामुसा । रहामहेलासे दे ने नियान में । सिर्धि हैसामहिना है सुम (स्व) विदर्भ श्रेमकेट रूट्या । निका करिया केरा में रार् मुका केरा में रार् में के का माना तात्रक्षताल्यः। दिवसद्वीद्वीद्वीद्वाद्वारम्भवाषवाव्यकः। व्यात्म्द्रावन्द्वितद्वाहे (३)) दिर्दर हैं अदिअदुर शर ता दि हरार ता दे अहता (तहवा) देर । क्रेंट ख र्य (युक्त) निर्वति निर्वेश हैं वा (वार्षेवा)। विर्दे देव वराद यते सदत्ववा विरो । वि केर्युवाराधिरवात्मेव (लक्)वायुवा) रि.अ.स्वार्युवार्थे क्रीवर्यवासे । अर.अवायुव्यु र्गर्र्यायारा द्वेत (भवतः)। । यद्भवन् १ द्वे स्वारा मेल। । त्यारी वा धवता विद र्वाभिर्। । भाषाः दे वासार हेव रार्यरा । श्रामी सेवावाया वायवता । याद्यव के विशे (गुर्ह) अभारहियान्याल अहूर। रिवा क्षेत्र किया है में है में हा अहूर। अप अप रिनिट स्रीत रेन्द्रसहर। शिर्ञुकाभिर्गमहर्गमहर। ।वन्द्रक्रिकाकीयावन तर्किन। यावा साता सेराया सरकाया । ८.१वा. शुक्राया वा हर (केर) वा प्रधारेर। । इर दरहरूर

वर्षशस्त्रे। वर्षा भ्रद्भेने हुरायायदा । विवायहराहेवा या राजा थरी । द्वाराष स्वायुरायरायेद। । अदतः कुरात्येव छेदायादम्द्वायेदा । की वनम्बराम्द्राये प्रमेषप्रा अवाद्रासुराने अक्षाइव हु। व्यद्भवावर्षा अर्वा त्रविक्षावर्षे । व्यद्भवावर्षे वासेन त्य कडिक । अ हर यदमद्वा यद । क्षेग्स्। द्याच्याद्वरक्षे मेंत्रम्थोर्म्यासाद्ध्यादर पक्ष्यावक्ष्यक्षर् द्वर्रमावः तात्र वाद्यात्य द्वर् लार.सीर. जमाभाश्वर. थेथे नाथ तर हेरे। रताथ भारी मिंदा दे भारत्य के पाष्ट्र की मी भारत स्वर. श्चाया मि.मे. स्टार्डेश (स्वा) मृहाकेर अ.मे.मिटररा प्रायु प्रदेश करेंर प्राया वर्षियाला प्राया मारुभारदायारादादादादाक्षाक्षा दादमारामार्थः मारुभारुभारुभारुभारुभारुभार्थः वर्षेत्रम् बहुते (बहुते)। गिला अधि देश हैं। हो। ह श्री रे रे के लेव नकेर रेंद्र । रे रे व हरकर थर रेद्र । क्रिश्व हकर वकर हा देदा स्वावरद्यायम्यम् शुर्ते । दर्दद्द्यम्ने भाव। । द्याराध्यवावद्याके द्राक्षराय। यानाराम्यान्यर्भः द्रार्द्रम्याद्रा । द्रवृवद्याता क्रिक्षं स्वाता । में ग्रात्या राष्ट्राद्र्याः रादा विन सुरस्य येते वाषा तस्याता । (दर सुर शुर रु व्यवाय देवास्त्र) । स्वास्ट वाहीया क्रियाभर्गा । भी तक्षम् स्वर्थन्या । वित्वक्षम् । वित्वक्षम् । वित्वक्षम् । वित्वक्षम् । वित्वक्षम् । वित्वक्षम् । तह्यास्त्रीरमें अक्टी ।सुरव्यायति वि वाद्वाया राट्केवाया । विव्यो तस्त्रम् र्वानस्त्र (बर्ब) शेर्यतायार म्हळ्या । अर्थन स्वाने ने विष्य होता । यह वह ने (क्षक्षराम्)श्रीरवारातारार्याया । विराद्वाक्षीयक्षरातानु । विराद्यावारिकार्यः की तिवाकेदाहर। । प्रायदाश्चाता स्थान । हिर देवा भी से अवा दर्त स्थान । वार थ्यर हीर त्यंक्रम यही हुरा । हिर र मर नहीं में हुना ते थ्येन। । र रथतः त्यिने ता क्. ए ग्राम्या । ब्राह्म हिला के लग्ना के लग्ना के विष्टा ने प्राप्त के दा ने ब्रह्म वाह्यानेत्। विष्या द्वान्त्रान्त्रान्ते स्ट खर्ता था। दिवा स्ट ने में में देश मानेत्। देशकार्त्य त्माह्या । हीरक्षेत्रेर्द्धाने द्वापे दिरत्य । इक्केम्बरत्युव थनकर्षेत्रा । रक् अया अर्थर य ता ही दक्षेत्र हिर्म हिर्म हिरम हैं हैं देश देश देश है हिन ता है है। दिशह वहरदर्भविक्ष्यांवहकार्याक्षा हिंदे हें हिर्श्वेयाक्ष्यक्षेत्रायक्षेत्रायाः प्रदाविक्षात्र । विष्टा भवत्र। रमान्त्रास्त्रः द्रातायनका। विरक्षेत्रः त्रात्वायहर विवादर। विर्वादर्शः विवादर्शः शर्तात्व्यात्रा ।रेरेटावराट्रंरेक्षा ।र्यत्वाह्यात्राह्यात्राह्रया र्मरवर्भित्र्रे । विर्ययमायस्यातस्यातस्यातस्यातस्यातस्या वार्ट्र-बार्ट्र-इसा ।रतप्तर्र-ब्रेट-ब्रेट-पर्ट्र-डिया । क्रेट-स्वातियास्याः

पर्चामायम् । शिर्द्रभवापद्भास्य (पह्मास्य) अक्टामक्ट्रका (प्रिट्र)

देश मेर वरा है रहेत हैं तर्कर वरा में वारायशाय वर से रामकेंट विदा की तम्बर रहे ता मुन मरा द्वाकी रेशर्यतातारिकी र त्येव या भाइरायर के त्वासक्वा मिस्टिश है हैं रहे की प्रविष्ट्रि: वुर् राता वारेवाद्या वर्षा वर्षा । द्यायाताते कुर्दे रे र्र र्ग रह्यू वर्षा हर म् निर्मा कार्यात्रा देश देवर मेर तर एकरल हैर है। में मेर महंदर मार्य मार्थ मार्थ हैर हैर रथललसहरा नेवडिट वी होवडेव दे रहवा हेट वार्ड वा ला दुवा होते त्या सर्वा स वसर्रे रियत तस्यम्य रा (हरास) सुम्मा तमानिस्नि र खेवसर्गा। शदर्यत्यं लासेयास्य हिर्देशयास्य ता. क्रि. क्रि. हे. क्रि. हे. हेया तरा वर्षेत्र (ग्रेंस्स)रा स्मार्क्याक्रमारीतारीतारीतारीतार वर्षेत्रस्थात्र स्मार्थितार वर्षेत्रस्था हि. श्री छिन्छर वाह्रभाषा न्याका श्रीका कि कोर यम क्रम्मेर (ब्रिट) । | द्या ए अरा श्री त्या त्या त्या त्या त्या रकारणकी जरमा किर वर अरेर र वसरहर के अभाजना प्राण्य वर रक्ति कि वह कर मूंव.(व हेव.) श्रमः लडार्येचारा तथा तथा एकता हा (कुलाना देशके)र्या है वर्षे सेट. यराद्वरा थेवरात्रा । दूरादेवराष्ट्रा प्रदेशक्षेत्र प्रदेशका द्वारा है। सिराद्वा नि नम्बाराक्षिक्षिक्षास्त्रात्रम् अक्टरायरा त्राहरत्यात्रम् मिक्यानाम् वाराम्यान् वेद्रयम् द्रयम् वद्रयम् वद्रवान् वद्रवान्यम् वद्रवान्यम् एसर. हर वता रदत्र रेक्स के बिरावी के बाहर (बर्डा अरें) रे हरवता ही एक्स हिन्द्र मात्र (क्षित्र मात्र क्षा हिन्द्र मात्र क्षा हिन्द्र मात्र हिन्द्र हिन्द्र मात्र हिन्द्र देवता अरप्रमुकाकालमञ्जूकाराक्ष्रिस्टर्स्टर्स्य वार्ष्यार्थराक्ष्र्राक्ष्रां की मृत्या तय्य । रुटः द्रा द्रिते के का कि अहरा या मुद्दा या ना दर्दा भिन्न अहरा। श्राभद्रद्राव महिन्द्र स्टार्थ र्या रात त्रित्व मिला कर्र का मिला कर्य कर्

इंशराक्षित्र के त्राहे तार अपे (राष्ट्र) | देन द्यार के र वी का की देव का राक्ष अद्र केर स्रवताचन्त्र क्रिया पर्वे अ। (अर्टर में आ अर्टर अय्वत्र ) दे पाया वे लाट ता दे मिन हर स्र मुंब (वर्ग) वर्षा वर वरा वी पा बर्द्ध अवहर्द राया वर देर र यह राया राय से प्रिका र विकास दे प्र. श. राया वारा स्वी ५८ : वर राया स्वा । है : सूर । यर <u>वी (वी</u>) र हार वरा किवा तथा अवादम्सुर्यक्षराभिताः(वर्षता)र्वदम् स्वावताः सूर्यः। रेम द्वर है। य अम्बे वरे की केव (व हव) दश कम हिरवस। रयत कर की (कीय) की तिरामहिताम् राम्ये (स्व) हराय छ हैर है भरत है या वलका वसाय छवा सायसा मिछा है की हैं वा यम का इवा त्या है के दे दे में में अके द हुद हुया। वा द त दे तथ द या था गाँउ थी। उर्वता (वर्षेता) श्रेटावर्था मा । व्हिटार्थरा इसरा वर्षा देश र वर्षेता (गाता वर दे देव वरा मेर में (मेर मेर मेर पर पर के सवरादेर) माज्य । माजा । माजा । माजा । माजा । माजा । माजा । क्र. मर मेर मेर पर मार्थियात क्षेत्र का क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र र्वाश्वीतस्या वर्ष्ट्रा अदुराष्ट्रम्वरा अध्यारमेवकेव रमास्यारे वार्रह्या मुख्या विं वार्शिश तहवाराना आहरे वेद दर यां की दृष्ट्वा वा बदे प्रक्षि अदूर दे ववद्। देन विरो क्रां में रहेचाया तया मेर वर्ड है हु में खर के खर वर्ष (के क्रिय में वर्ष ) सेवामहर देर'वार्थर'र्ड' चेर्डवार्थर्डद्यां डेक्'त्म'०र्थर। हिम्स'य'र्द्र' चे तहव हुदर्श्यासद् दालार् वे के वे दर ति हो दें वा हाव दार के ल हों वा (इका) है वा हाव विहास वा सिंहिट क्राया की र विकास दारा तियात विकास (तिया अहंगा इंद्र) य-मना साल मा हिर अर व हर हर दर्भर र्तारेड्याव प्रवास्थारवार्य रदः वार्य स्थानेता 異可るとくてといるくなってると、(ののる)をいかとうころいは(まちょうま) のなってるで)なっちょう इ.जग.अर्डर.एड्रेज.(ज्याक) कर्णाकः प्रतेषुःषा अद्यथात्राच्यत्राच्यर्भात्रेष्ट्रेत्रे सेट.अ स्बर्धराम्द्रम् द्रभराकुरामान्ध्रम् विद्यान्य । त्र्याः विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्या तर्राथा स्राक्षित्रकार वाक्षेत्र देवेता का । इक्रांस् (वक्रांस्) रेहिर रअवादी मूल राष्ट्रे रहेरी रगर हरा द्वा र रह हुका रेट पुर्वता इरा. मु. कुष्र, (बर्ध) वया क्या मारा मिया मार्थ प्राची सारा (ब्राया) केरा महर तया अहा रेडें। रभएक देति वालुटाममवास्तर व्या (व्या) यवा मेम मा पर में मेरावार है ब्रिया (क्रि) दरार् सरकर त्या क्षेत्रवा महिर दरावका नव मान्य दर्त (वादक्) । त्यावः यगतः सुवादेर हुतादर हुतायां रोट खा की खूतायां दे हुवा हैदा अदताते देव दे दे सर्दरातरे व (तवावा) की तहीराय हेराई शं के मार्थ महाराज्य हैं। (हेंगा) वार्दराय सम्भा [2.4] PORTE, NO. 51-12/201, (As. ) 2.50, ME. (SS.) 2/2. 541-95. UES. या क्षेत्र भारत्या के रदावया रव व द्वार नेट की तायता (तर् तर्य रायत) या वा महिताया हर

291

र्निक्न वरावन यराधिया त्रूटाहीराया खेराका 到れて स्यार्शक्षक्षक्षकार्या त्याद्वाच्यवयाय्याक्षिराद्यवाक्षित्वयात्र्र्वमञ्चयादे दर्श्व हर। वर्षाक्ष्य के (क्षा) एक तार्ष्य के तार्षि अवीत्य के वर्षे वर्षे के वर्षे श्रीरातात्र्वेत्वा त्रवाताया पुष्टुते सूवायस्या रहररायते स्वितारताची त्रेर 'स्वाववर्' म्मान्या स्ता स्वाद्धित हुन ताता त्वाद्व म्या हिता हिता स्ति न हिता स्ति न स्ति क्रेंस् く、えて、いまる、いいのでは、あくなに、まと、おき、とう、(かり、) あ、からなべくい व'दक्रांश्यां वेद'दक्रां केवस'द्राम्त्र्रायाम् राज्यद्रात्राचा केवस'द्राम्या न्यहिन् हरः (ब्राया) सम्भाद्रिया विकेदम्कारम् न्यात्रमः म्रेरेलावस्नार्ययाद्रवाहिन) स्निन् हिल्यं देर त्वी अ(त्वीताः) हुं न्या देर हे विस्वता र्या देश हैं। स्या ग्रेर तर केया (इस) नरा। श्रेर रतए वर्र देश भया कर (क्रियकर) स्यार्क साता र्वः हे ता (रवः श्रुदः) इरदेव। श्रभागः वर्षः नर्ते नर्वने राया हुया यर व्यापारी म हुर्वय सर्वर मर्दि। रेम शिराय देशका समारितरिकास्तर। जिला समारिका सम्मिन्ने पर दिस्ता सम शिलार्सा श्रुद्दर अग्रमा राते दर वेश हे हुं वे सम्मार दर द्वात के महर विदे भवता र्म द्रिका यथा विक्रिकी श्रेमाला रेमेर रेम के के कि विक्र के शर्करा पर्हेरायर्डमाईनार्वित कार्यक्षा मार्थिया विश्व हैं। यह कार्यक्षा मार्थिया न्यातार्थतात्र्र्वत्व्राताः भ्रत्याः दराद्यातात्र्रे दे देटम्बे व मुत्ता करा कृता व्याता सर्वरकारान गर्व गिकाक्ष्यक्षेत्रकी हु। शुंकिए हे से ति हैं ते है ते हैं ते ह मुद्र। रिका.एकेवामात्रात्वानी,एकेवा, भेदारा,एकेवामाः विद्रात्रावाक्ष्यं प्रित्ये रद्रद्र्यं अभेकाव। विर्वायकाकी क्षेत्रवाद्वर्त्ता । अक्तिर्वे व्याप्त खर्मेरा राम्यात्वर्तः मीत्राह्मवाद्भम् मेर्। रिवालात्रह्मवात्र्यात्र्यः भरामात्रह्मा वाक्ष्यात्र्यः मेर्नाह्मवाद्भम् मेर्नाह्मवाद्भम् । रिवालात्रह्मवाद्भम् । रिवालात्रहम् । रिवालात्रहम नाय वर्द्धिर देश र के के के के के कि देश (देश (देश पा) के में के कि के के कि अधुअद्भवादाय। विन्द्रंद्राया विन्द्रंद्रायाः देवाव्यः हुद्। |द्रायः वह्रवाः हिन्नायः) श्रेत्रायवेवः

मलकात्रवाहरा विकालाहराते द्यारवर्रात्र्यमा । द्याराम राव केर छात्राहरा

· 12,72,1

16alis

म्। रिवक्षवाक्षमः (हराक्षः) देवाक्षेत्रक्षः विद्वमः (विद्वमः) तदः त्याक्षेत्रवेदः (त्याकः देवाकः देश्रवाहीरद्यानद्रात्वद्रद्वभवा विभागावद्याव्याद्रात्वव्याव भावत्वद् शादशास्ता (अपरायक्षेत्र अदशासक्षेत्र) वे वा वा परारे दे देश आदाक देवा सि हरी ) रिकाइक एक्टार्श्चर मेर केटाल्या एट्स । यामाराष्ट्र एट्स यह के महा देसामुन । कर्ने ति तत्र मेर् विव्व ते त्यारेट अर्वे त्या तर्वा रगम्बिट कर्यते हैं वारी विक्र खर्रातुअनुर्यत्यर्भरम्र । विकिश्वरकेवअवात्यवात्रुव । विकिश्वरकेव कुवर्षेव रुवरे। । रुवर्य न्द्रियास्य श्रुद्दर्गास्य म्यान्य विभयास्य विभयास्य स्वर्षः स्वर्षः । विभयन्त्रम् द्रम्यास्य भवा वदः विभ तर्क हिनायते सारारेश यवनात्र हिरावेश यहवायति से व (रेव) रे देशहरा र्थताताकी शुरानेता । दुवाकी शकुरास्रवी त्यवा तत्वा । सामि विरातस्य वितास्य मित्रे यदेवादेशास्त्रेरायदेवीकेवारेद। स्वतःवाववेतः अवावदेव प्रावेदारम्बतः स्वादेश चर्वार्त्यात्मक्याः श्रद्धाः मर् । वर्षान्वेशक्वाक्षम् वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः तर्वारी दिरहेशार्यतां कास्यादेश । वीद्रस्कावित्यम् तवातर्व । विविद्रस्य (माउरकरि) मथ्यतात्विर्दे। विदेश्रदेशक्षेत्रामाउर्वत्वश्यादेत्। म्यारेन्द्रादेश्वर्यते विश्व हरी। रियत वहें वीरा तावा असे वर्षे ने पर की। विदाय तावर विदेश हैं में रही वर वर तिवी था मरिष्यम् स्वतंत्रम् । वार्ववाधिर वार्ववात्मक्षाते तर्व ते वारास्का भिक्का मर्म ८८। १८८, विश्वादानार मूर राष्ट्र १८८ । १८८५ मि १८५० मि १८५ में १८८ में १८८ में १८८ में १८८ में १८८ में १८८ में परीकार्री । दे.श्रुवंत्रकारादरं पंजरंत्वराद्वरः। । द्रारं द्रुवारद्वतात्राहे ग्रेताता । हःकरः याली रिया नेर हर्मा दे हुर हुर सर्था यथा कुल ये रार हम कुरा कल तह्यार वा सहरे। माववाभर्यार महूर इसरारी थर से मारार (वात वे माया या माराराया । विस्त्रिय विरा न्त्रात्त्र अवर्रद्रातायवनुराष्ट्रेत्र वितर्भार्त्रात्रार्थ्या वितर् र्रियर्षेत्रानुद्रः। देनेराम्बद्धानेरान्त्रिः दुर्गे द्वितादुः वलेव । १४० वरुर नेश्रारा त्याद कर में सुरार्द्रया हीर भे गरेवाता यह कर्ता गुरास राजा श्रास हर दे हैं ता है ता त्ये न मर्ते दरावस्त्रा गर्दा विटा) हे त्रवामभयाउदाच वदा सदामे वा यते ददा दू द्वाराध्य वा ते वावशाला। स्टार्शः इवाशः स्टरार्श्यः विरायवाश्याति । वार्षां विराधः विराधः वार्षां विराधः वार्षां विराधः विराधः तर्वाद्धर मार्थादर मेवा (वर्षाया) राष्ट्रकी त्यादी मिवाया रर वर्षादेर यारा यह स्वा सम्भयासभयास्त्र, किलात्ए, सिनान्ताः पर्वास्त्र, दराक्षाः दराक्षाः स्टान्याः स्वास्त्रम् स्वा 

मिल्लाहरीय है। हो। त्ररशरा शु त्येव धरि अर्थे अर्थे अरेदरे । निया तसुकार धरि स्त्रिय अरेदरे । किया तसु वरे र्श्चरमा वास्त्रे । विक्रामाय (क्ष्येर) नुवाय तम्ब्रा। । रहमावस्थायमा वरि वे म्यारे । रयुवयायुवार्डरकेत कुर के वर्षे । यसवर्रर कुल य नायवारा का श्रीर र ने अग्रेशिय विशा रे श्रिम श्रीर । हिंश में र स्वा र श्री शहर । विर स्व शा हिंदा र स्वा स्ता। ।हेंत्र. त्या स्वा । वस्ता देव्या स्वा । र द्वा स्वा । वस्ता वस्ता निव वता देव्या अर्गे.य. केंग्रां(वर्धेंग्रां) ।कुर्यायुर्गत्त्रं, यूर्याव्यात्त्रं, व्याप्तिव्याम् युर मान्द्रायनाद्वरात्वरात्त्रात्वरात्त्रेय(ग्रेय) । कियाना विःस्त्रिः भरात्ते। । श्रित्रेष्वर्धरात्रात्वः । । त्याद्वर्षः भरात्वः । । श्रित्रविद्यः प्राधः । । त्याद्व विद्यः प्राधः । । त्याद्व विद्यः । । त्याद्व विद्य विद्यः । । त्याद्व विद्यः येला । अमातहें असर मते मुलदे हुदा देश अर मति हैं महिल के से महिल क्र. श्रेम. डिम् । श्रेमके द्रायाम द्रायाम द्रिम त्रायाम (ग्रिमक) द्रमाता स्वायता (वर्गा भर देवां शक्त रायं वर भरवता । तके भर देवता याँ देहा । दवा रायं वा ता राष्ट्र क्यारा स्वायास्य । विस्तिक वासाय द्वा । श्री हे. यत्याक के वार्य के द्वा । व्यव विदा । व्यव विदा । विस्ति वासाय वासा -विश्वानित्वात्वता । मह हिलाले वावतात्वमं वर्गात्यहा । महस्यद् के वास्तु व्यान्यहा । रक्षायाका विकार में वातर्या विकायर को खिलाने वातर्या किया के तार्य स्वास्त्र याविश्वस्यां भीर्मे अना विशासनात्मा सर्मित्र स्त्राम् द्राप्त स्त्राम् (कृषः) र्भवास्त्राह्या । क्रिंदेभर क्रांभरवाराह्या । वार्थ्याह्यां स्वां देश द्वा । देशवाः क्षे. द्वा. इ. द्वा. शुभा सुंदः दे। | द्वांभेदः स्था दुः भावा हृदः हरा। । वा शुभा या छा द्वा या हेद 目の一部多知可以表出的的人人。因的「」」「まれるかいいまる、から知る人人人自己」 हर्ड्या शिर्द्रमार्द्रभव वर्द्रम् कर्षेत्र । स्वरक्ष्यभद्रत्थे (श्रीया) श्रीकर्त्वहरू क्रार्डियावित्त्रियात्व्यात्र्यात्र्यात्यात्र्यात्यात्रात्यात्र्यात्यात्यात्रात्यात्र्यात्यात्रात्या ल्यातालवातात्व र्वा तक्ष्यायाय्वातात्वातात्वातात्वाताः म्र र्गात्मरमा र्वत्यम् द्वाना तर्वाक्षात्मा । तर्मार्गायमा । तर्मार्भकाम्यास्य हे रहा। म् स्वाःशःस्वरःग्रद्वस्य वर्ष्यस्य वर्ष्यभ्याः वर्ष्यभ्याः । वर्ष्यः । वर्ष्यभ्याः । वर्ष्यः । वर्षः । वर् र्यात्रात्तिः अत्र मेट कर्या प्रकासिक स्प्रेर कर्या । त्रायाम्य ।

द्रभाष्ट्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान द्रभाष्ट्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान

येथ्रासा (रेश्रमा हरमार) कियार्य हिन्सा क्रियार्थ विषय विषय हिन्द्रश्या विषय हिन्द्रश्या विषय हिन्द्र । म् ब्रि. तथ्य में बर्श्वकिरश्रद्रात्रह द्वरायक्षां नध्वित्रायम् पर्दश्चलास्याः म्रि. यादेशकाराम्या वर्वान्द्रवान्द्रवान्द्रवाना दास्याद्रवानाम् दास्याद्रवान्यवान्द्रवान्यत्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्य यालक्ष्यां नातः से कुराकुरा विष्ट्रात्रक्षा एकुरा रहिला रहिला स्ट्रिक सर्दर व क्राया माने । केरा रभम्हिल हैल शिल शेल छेट्डर हैं व स्वाह्म वह महिल छूट वर्व है अ वाह वाही हैं दर रमवार्द्रेन्द्रवा देन्द्रवाधाराक्षात्रेयाद्वेत्रम् सदद्या द्वाद्वाद्वेत्रम् थेव। महार्यनाकी सतायरबीकी राक्ष्रवाबराहमा राज्याना दें वा दहादना प्रवाकित के वा सुद्रावह । इन व ब्यामा हर वातर दूर दर वध रट दिविया। विवास रट हो वे वाया कर दे हैं या हर रहे हैं व मझरेंडेट । राटारीमें के तार्या रेंचा लवा में दे में है की राटी दट दु नावरा रेंगे । दे हैं सह अं.ज.र्य.क्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रम्भेत्रमाहः (मेत्रक्षे)अर्टनाम्यारं वर्षाता रवःवासर्यं क्षे. र्वारान्यरास्ता (मर्प) स्वायर्रा रेजाहरा स्वायर्व स्वरास्त्र यर्व इस्त कुन्(वकुन्) मेट द्वायति श्रुप्त क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क भन्ना ने ने ने ने ने ने के के के के के कि के के कि के कि के के कि के श्रीट.त.येश्रायाता श्रीर.ह. हिजायहर (मिजायहर) कि.का.च.र. सेट.येश सेर.वट.पर हैंग कर.जन्म.च. परे द्री. इर.हर. यी. एंट्र. के र. थरण स्था म्राहे। क्रियाचम् स्रवाभागरक्षण्यात्वेत्रा । व्यावेत्राम् व्यावेत्राम् वर्षे राम्नेवरा में त्मवा विद्रम्मी । तर्वर्थित दुर्भारामें वा स्मार्ववर्गा थाया विदेश विश्व में विद्रार्थित । नाम्यास्य वर्ष्यास्य दिन्ता । दे देशम्य व वर्षायसम्बन । या रर्ट्र राष्ट्र या वस्य अ. या या ४ देश में . यो त्यारेय ४ . धु . या रेया ४ . धु . या या प्राचित त्या । आ ख्वा अरा या या था त्या श्री । केरवरम्यम् मेर्यातार् । र.म.हेम्केषारामभक्षात्रान्ते। र.म.थ्राम व्यक्तरान्ते। र्या जात्रद्भर धरे तथास्रवता विस्तु पर वर दु रूप क्राया । त्रेस्य वर्षि की ही टकेंग्राता । श्रेर विद्यापति होद की जाया हुता दे। विष्याद्यात्र के ति वर्ष देव। सुद्रक्तायरिक्द्रयान्यम्थाद्दे। निर्वयाभिद्रक्षायद्वायात्वा देख्यदेशस्य ब्रदाला स्वाव क्रियंत्री मुद्दे । क्रियंद्राला स्थाया स्वाय प्राय व्यव श्री वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा द्रश्वानानाम् । स्वित्वानाम् विद्यानाम् विद्यानाम विद्यानाम् विद्यानाम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम व श्चरक्षेत्र। किरालाचार्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् द्रकिलास्तरहर्म्द्राच्या । व्यक्षित्रम् क्षित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक

िर्वा है। | देवसार् वेदार व्या का वापाला | स्थित है। से स्था है। से स्था है। से स्था है। से स्था है। | स्था के वार के स्था है। | स्था के वार के स्था के स्था के स्था है। | स्था के वार के स्था के स्थ

पालाश्च तिरक्षित्र रेशक्चिर्र । अरक्षित वर्षण प्रतिश्चिर वेद्र वर्षण स्वास्त वर्षण प्रति विद्र । अरक्षित वर्षण प्रति वर्ण प्रति वर्षण प्रति वर्षण प्रति वर्षण प्रति वर्षण प्र

साम्याः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्य

मि. मार. पा । जिथास्य प्रवेशहर्या तथा, अववे (परे न्यूरा) । में हिंदीर तार शवे प्रधिय विवस्त का के कि कर स्थानक वन्तरा विश्व है है है ता सिवा के के वा विश्व है ने का विश्व है ने का विश्व है ने का विश्व है स्वायावयात्याः । द्वाद्यायात्वः (ता) स्वायात्यात्रः । मार्डिक्षमः इयवद्यां स्ते क्षत्र के का (ब्रुका) प्रभाग निर्देश (ब्रुद्र) । व्यक्ष न्यक्ष्य क्षेत्र क्षेत्र वा त्यक्ष निर्देश विद्या । व्यक्ष न चराश्रक्तियात्रेयाः (प्राम)करा एत्यर। । यात्रहुता देराया स्वासरा । श्रीराया स्वासरा मार्चेयास्त्रास्त्र । १८र्डे विवाधियां विदिशे थानेद्र लेगाया (लगल) । थाद वाव व ही व हो। थवाता । वाक्षयातद्विनाइट (नर्ट) ताक्ष्या विद्या राम्प्या प्राप्त प्रमान नेता राक्तिकियान्त्र मिन्नियान्त्र । क्षित्र मिन्नियाने मिन्नियाने मिन्नियाने मिन्नियाने विकास मिन्नियाने न्तर्। मिर्गर्य (वर्गर्य) हुर तर्र्गर (वर्गर्य तर्रित) । रगर हिलावा रेर विवा हैता रेरा नास्त्रीर यास्त्रीर देगान अवट स्रववा । देवना सुरू नदः अला की वेव लो । खेनादेवन यास्त्रीलः पर्वरमञ्चारार्। ।तराद्धम् मेर्द्रक्षया श्चर्या । श्वरम् वर्षा वर्षा । रहेर वर्षा त्या । (वर्षानी) द्वाया । (पाष्टितेक वं रोटकव दरा) । दर्रायमिति व्युव्यायति द्वा क्षेत्रिः कुलार्टः। । यहोत्रः यहे ति विभार्यम् ति । हिभार्वे हे र्यारा हो दिभार्वे हे रूप स्थार्या स्थारः भूर रहा)। विल्येय (वल्य) क्षेत्र देश यह शाहे द्वायह । वास मार्थ र छ र छ र सद्ये ये दा। रेशुवःश्चरःरभगःयरःथरःर। व्हिर्श्वराष्ट्रेयस्यारःरगत्त्रेश। विलयस्यस्यार्थःथरः र्माभेर। ।।उदा भेरहर परमायते स्राप्त स्राप्त ।। विदास श.एसीरा । यर गरारद है एसीराम्याराज्यर लाम् । दिन्द्रारा है गरा दर है एसी का कुराज्यर लागे। याद्यः करावराद्यात्रात् । दावके वाध्येवाकरास्त्रावयास्त्। । यन दे ध्येवाकरान्या म्डे.(ड्रे.) शुरुतार्टर के.(रटकेर्.) रुट्वराजवा के.यूट्वलायशितामुर्वर मार्था (क्रिम्) र्वे देशा मस्तिवतात्रे । पहुरवर्गितितात्र्रेवात्र्री । वार्षः स्वत्रिवता) स्रोर्षेशः कर्रदेगांभर। १०रे (रे) हीरयह रयह दयह वर्र में में ता । निवान के हैं के लाल सर्देग म्रेरी विस्त्राधिद्यता ये से स्रेर्जिय। विस्त्री विस्त्री विस्त्री विस्त्री विस्त्री विस्त्री विस्त्री पर्दर्भ वार्ट्र स्वाष्ट्र नेम्बा । त्वा अर्द्ध कुर वाडेवा छर सुव द्वा भेरा । १ छ वर्ड छर हुर लाश्रम् । देश्वन इत्रवस्ति लाद्येद्र । विस्ति हिता हिता कुला यं श्रेरक्रे थार विवाश रहिवा यायरि र राम्या पुरशाय। द्यत पुर्द क्रिया वर्षने (गराव)/२८ हीरया इस्राधिया देश है ता है क्रर्.च. रीड.व्र. धे.वेड.वेड. एड्र्र्से क्रिक् चायरा वर्षेव (अव्वे) रेटरा. हे .व विडा सम. वर्षे ।) ह्यु शल हे अंश्वरं श्वरं तेर देर । । ह्य (930)) क्राया मुर स्वाप्त्र अभागमतः तेव। विभागमतः अद्यतः द्वारा भेर्यति । ह्याः तेवः य

247

) वाशल् यर.संदाप्तशत्रवरात्त्वः वरास्त्रद्वरहेटताशतहस्या वर्षस्य । श्रित्यात्रसम्बित्रहरः वरास्त्र। कि.वार्ष्ट्रिय क्रियम् वर्ष्ट्रिय वरम्ट्रिय वर्ष्ट्रिय वर्ष्ट्रिय वर्ष्ट्रिय वर्ष्ट्रिय वर्ष्ट्रिय वरम्ट्रिय वर्ष्ट्रिय वर्ष्ट्र वरम्द्रिय वर्ष्ट्र वरम्ट्य वर्ष्ट्र वरम्ट्य वरम्ट्य वरम्ट्य वरम्ट्य वर र्दर्र राष्ट्र कररिरम्ध्याराष्ट्रभी । शुक्षित्र क्षित्र हिन्तरि हिन्तरिया । किसहस्र हिसीय स्वाभार्यः । याविवाधरके रावमा । भारतिया भारता वर्षीः राक्ष्या । तह्याद्वीटकुतायात्येद्ववायावी । वाखवायाविकाव्यद्देवाकेद। । द्यार्थाक्षावी सक्तिर्दर। ।श्रीटाराश्चर्दायाज्ञ श्रवाह्मर। ।रभन्नयाग्नियायान्त्राः श्रवाता ।सर रा या व व के न या त में दे दे । । अर्दे श्वा ही हो हो व के प्रा । दे अवाह वा वा के रा व करण (म्लाम) परी ।रदास्रेर्क्याव (इक्टला) मध्ये । ।रवाने मा चर् के वरे खतरा है। । पर्देर ववात्रकेत्रात्मक्ष्वार्य्याः हरा । यास्तरः तर्वात्करं यात्रकेरः ही । त्याः स्टर्याः हितः हरे.शु.रदा । अवए (अवस्र) अरक्षक्याय देवेता एड्के.शु.दा ।दावर्व.मु.अवायां व्यरः वरामभेद। । देव हे सर्थित के ला । देश हे में सुराव में में तारता। विभाग स्वा म्.प्रता.त्रांश्री. ल्यात्र्व । श्वत्रा. विवशालदुरा द्वातास्य स्था । द्वानाद्द मुना ्वयात्रामहत्यात्र्यद्वमात्र्यद्वमात्र्यद्वत्याः (अव्याध्यद्वाय) यद्व । दिश्चिदः द्वर्षः ह्वयाः व्याद्वनः व्याद्वनः (रार्व) । यदारा श्रीविकारायाकी भारत । नेरा तवारकारायाताता नेरा तक्षाता । सब स्थान वर्ष इ.क्तार्डी रियार वाय अत्यात स्थापन त्या । त्रे. या द्यार प्राय क्षेत्र काराय है वा वी। । तिक्षराकाराया द्वीमर स्पर्ने । । तेया तवारं वदेवाया मेया तवारं वस्त्रा। । वीरः ्रिक्षिय। क्लार्ट्स् ब्रिंद्राम् श्रुंत्रेश्वरात्री । लाह्रास् झाले व्यत्रद्रम् द्रम् विवानेता । नेतालवातः 1947 दलालक्षेत्रलात्काराचेला ।द्वालोल्द्रन्त्रन्त्राचन्त्रन्त्राच्याक्षेत्रा रासिक्षक्षाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष मिर्यवाराध्येव देशा । त्र्या (देश) यथा कर रर रवर हर् र्वाभेर। रिवर कर्णचएत्त्रेचानु एर नुरा रिजया रे. मे. दु ग्रार र र या ता सिला । या या ने या या ये राखिंते. ग्रेंद्राप्तरं। राश्विरात्रवा मिया(ग्रेंगारमतः) हुन्द्रयर हरा श्रेंद्राया । क्रेंन्यर स्थायहरूता । क्रेंन्यर स्थायहरूता । mine of क्टबेशक्त कर नामकार। अराधारा कराम केर (गड़ेर) वसार सेट्। मिल्वेश । माड्यास्यायायात्रस्य । अद्भवायाम् दुःद्रास्य मन्द्रा । अस्यतः त्रभरातास्य व्या 에 (UBESN) 42. 로드보다 (에 의文·BSN (USIS) 전투도, 전 ( 후도, 전) 취소실보니 ) 취임성실. म्या । म्यार्गरक्षात्रकेत्रेर्धात्रकेत्रात्रा । दरःश्वर्थत्यात्रात्रा । म्यानुस्य

एवाँ ते वहर घडला के तर वहर वह तर है की विकास वि

श्वरत्वेश्वर्याः देरवाः देरवार द्यायः स्वराम् स्वराम स्वरा

श्चिंत्वे भाक्षरका याष्ट्राता सक्षेत्र । श्चिरको सम्द्रवृद्दत्रस्य विद्या वर्षेत् । द्वा वर्ष्युवा सम् र्शे.ज.च.थेत.त्राभेष्ट्रेर,(अष्ट्ररे.)। रित्रव.जी.तप् से.बिलायमेव.तर्शिट्री। श्रुवायवरेता. भारत। विकल्यक्षितं विकालकार। प्रति । विकालकार। प्रति। विकालकार। य्यव्याद्यः केव से हे अध्या विदर्यव या के में अप विवयत्य विवयत्य के हैं। दर्से में येशका | श्रामट देशकार में कारकार । कार्यक्र र कार्य के कि विष्ट कारकी में द्राम्यात नथा तत्र्वा । अ विते र्येन य प्राप्त हर मेरा वितर हेन स्वानुहरते तर्म अर्पेर्ड । यात्राचार्यायात्रियात्यादे। । अत्यविद्यंद्रयं मास्यान्त्रात्र्यं विद्यत्यं स्वादः म् रातास्त्रास्य । महीदानुति वदानीता (न) यदानुदा (नेट) दरा । दयता वदुदानिना ने 大大·聖人·英·(知東) | あり、大大・「は、聖の、大人 」 あて、とからで、「日本にはなべる。 राभाराख्यात्वर्द्यर या श्रामा निवारत्य । व्या भाराभवाव र्योव यति कर्ष कर्ष मेरा । व्या स्रवास्यान्त्रात्रे स्राम्या । त्राराम्या । त्राराम्यान्त्रे स्राम्यान्त्रे स्राम्यान्त्रे । वराम्यान्त्रे स्र ल. परेच शिक्षणचित्रक्षर, र्वेच. प्र. परेच वित्रक्षर विश्वर वित्रः)। हिट्यास्थाकिकात्त्व, यथकात्त्र, प्रह्मेर । यथकाकाकात्व्यक्षेराका क्षेत्रका विवासीरायः वसायम् वर्षात्रम् । त्रवरायम् । वर्षायम् । वर्षायम् । वर्षायम् । वर्षायम् । वर्षायम् । वर्षायम् । इमसा शि.च.श्यकरम.जिस.प.क्रे.रे.करा शिक्. क्रे.स. विशालन्त्री । श्रीटरदाय परिरहिश. क्रिअन्ता । विरक्षित्यत्वित्यात्र्वेवाक्षेत्र्यः (अक्षेत्र)। विष्युः व यद्यात ीन्तुःस.व.स.देर.वारीकार्त्यःस.व.स.स.स.वारीका) विष्युवःइषुः विवात्विकारः । वार्येतः

स्वरापर। किंत्रावावशास्याकाराष्ट्रवाक्षाः व्यवः अहे त्यानातावार्यम् नेद। विर्थादयति विराधिति के तक्षेत्रेत्। विर्देशकात्रे वाले वात्ये व्यदः। विस्त " राह्यक्र र या में में र देन । यह अही हारो र के में निया या । विवाद के में र में र में दे मेर अर व के सुम्हेरा । जायकम्य श्रीरद्राम रथत वहुद वयसा । य क्रयं सुन म् हर्मेन्द्राता ।याक्षद्भियाक्षितार्म् का वर्षशाता ।दस्रव्यक्षाता वर्षेत्रत्ये तर् न् थर: हीर मेर हैशायनवाय। विवया क्रिक्त मेर हिर हैं वदाय। रि.मेर के केर एक्ट.(अक्ट.)ड्य.शुर्व। धि. (श्रुट) र्व.चड्य.क्रियादी रूव.रा.क्षे। ८. देवआयाता वर्षेत्र. विद्वानिष्टावा । तहीट खन्या हर्गेरा हरमदम्बरा । दे होता खन्या खन्या खन्या हरा । रशे कर्षाया हर्षा स्वादु ततुर। । याहवाया यो शव याव मे वाववा खर। । ता वा त्ये वहाव अहरवराल्यदा विश्वात्रः क्री. राममाना । राममान्या । विकारामानामाना माराया माराया । वार्यं में त्या निया माराया । वाराया वाराया । वाराया वाराया वाराया वाराया वाराया वाराया वाराया बिराश् हिशा विव्यतिभक्ष्यं तारम्कं त्यरः। । नवदरायः यातराविदासं हिना । १० वस्त्रः (१मस्व) ठारतः शराः सः रटः (सम्बन्।) । वरः। । अक्ताः रगरः नातुकः हुनः हुन। । वरः र्गान के अर्द मुस्या से हिया । विवादगर्दर मुं (दर हैं) एवा के हिया भिर्म की एव असर्दरदेव्यका भित्रकुराकुर यह देता देवरा दिहरा माना निर्मा करा महिला माना र्ग्यास्यास्यास्याः (म्यास्यास्याः स्यार्थाः स्यार्याः स्यार्याः स्यार्याः स्यार्याः स्यार्याः स्यार्याः स्यार्थाः स मक्रें देव हु। श्रें देशरा। दिवानेरहरासुरे दुर्दा स्टार्टिं स्वायारे रर ती रायमें द्वरा अवर कर यह स्थते मुख्यारे र राष्ट्र का से रे वर्द मुख्या खुराड्डर'यर'वर्षे हिला द्वायोर' त्यारु द्विकरा'रा। |रेर'ही द्या देया देया देया हिला स्वाय है। वृत्यः 打型・シュをあれるいと、 とは、子子の一日の、これ、日、(型)ロエ、び、「日、エア、スロス、日本大学の、 29/21 यरान्त्रास्त्रास्य (क्षेत्ररा)राध्येव। दिन्द्री मृत्वितायरे युत्रास्य (ते ता) नर्से द्वरास्य हैं केंद्र महत्य। यविश्व व्यव्यास्त्र स्त्र स् मित्रकी मिताया वाराख्या (क्या) हुन हिर तर्व हैता त्र वह ताया खेता या स्वर्थ या र र स्वर्ध र या र ह्रिस्यकाश्चर्यासारः अटल्ब्रालकारा त्रेर्द्धाः सरा क्वाय्यां विदर् साम्रातर्भायर द्राट वी द्राराधार प्रवता विवत मुताय हिन्ते माम्राह के दे वी (र्थ) माम्राह के क्षित्रवर्षाया राज्याहे ह्रवेड्रवराक्ष्य अक्षात्रहेरी त्यावा दे स्वर हरा ब्रह्म स्वर्ष

स्यायति से किर की सार्वी से ति हिला सत्र ता सत्य का स्वाप स् र् स्वया। विश्वास्ट्रिक्ट्रेस्ट्रिंग् क्रम् लवाव क्षणाया वाक्र त्या वार्ट्र स्वर वर वर्ष अस्रदेशवे.दे.६्यी.लु.वे.च्र.परी.चा शेवा अस्या त्रास्ता त्रासे जा की देशा राम स्वासे वी क्रिअर्र के (वर्र के) रे विभाग के वास्त्र विद्यार विद्या कर विश्व के किए वर्ष प्राधिक कर विद्या के मिलान्यस्वराधिकः । दिले विवर्षाधारकी तर्वाधार स्वाधिक स्वाधार है वारा ता ता है वारा ता ह हिरं (रहरं) वे वादवंश कर वेश रहर (हर) । अके रामवारे भारता भरा वं अर्के देशन थर है। दव है वेंब (अवेंब) रा प्रे दे हैंदर धेववभारे के बर्द वेंदरा है बेंबरा में केंग्राहु व्यद्भवता ने राम्मुलायां की हार्विशाम में राम्मुदा केंग्रामुदा केंग्रामुदा केंग्रामुदा केंग्रामुदा क्रिक्टवारेवा है स्थानेशनेवाया वायेय दे वर्ष स्थान स्वास्त्र स्वास्त्र है दे वर्ष दे निर्देश तर्थ सरस्या वव्हारायादेक्श्वातिष्ठास्या वर्ष्याक्रास्याक्रास्यात्रास्या वरारे वरववन इतायके या देवरा देवरा के वरा के वर्ष रा.स्याविका.में से प्राचिता प्रत्य होने स्था किट्यी किपायरि एक्वा रे प्रवश अवश र वि व देलरूलक्ष्या के द्वार्वेटरायिका के प्रवा (द्वाव) देन्त्र र क्ष्य कारा द्वात वरि (वक्ष) रे,रेब्रुरम, विश्व क्रि, इंडि. क्रिया क्रिया कर क्रिया कर के विश्व क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क राशास्त्र श्रेषः (अक्ट्रेशको) क्रियाची अराम्प्रवशायराने रामित्रा किरामित्रा से वर्षा रीत्रीबारात्रा प्रमुष्ट्रभूभाग्रेर.तर्वित्रभेष्ठव्यस्ति वास्त्राच्यात्रेर्वे ता अक्षा । वन् अर्थ देवस्वरा स्ट वर्षे ने स्वार्थ । वर्षे देव वर्षे देव । वर्षे वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । निया भर सेर देरे से बारा के में के बर्दर के में रें ने में दर के में रें में में के में रें किया के परिया के पर किरबक्रेर) तार. पादमात्रर. प्रकृता रविया वार्षेत्र में में प्रकृत केता की रहा ने प्रकृति कर विया करें। इक् द्व मा मा ही (क्रिया) क्षक (अवराज्या पहुंच परि क्रिया दर) मि का वर के कर्ने परि के कर् はえるは発いるのでに 至いたいとかいるとのだい(いだい)からるしまた」 あるいいいか xga warm दर्भत्यां अति तथ्या हर्य र्योदरा हर। हीर ख्रामा श्री श्री का हैन हैन अहुव अहुव में वाद्र्यात्म्रहर्थित् भवलार्या सुर्वारेश क्रिंद्राम्भवना अद्याला सुर्वारा मेर र्वाया देनस्वायानुनास्य दरदेनथार् इया तहुराभीर अके यामान दूरा हरेया ていていなく、也か、(多) 男、とか、いか」」、(山田林) このよ、白田、(田)、 あく、えか、これ、田) でく、えか、これ、田) でん、えか、これ、日本、(田) ्राष्ट्रचरादराचरावाव्यक्षक्षक्षेत्र राह्यकर स्ट्रांकर स्ट्रांचरा दे प्रदेश स्ट्रांचरा मभरास्त, कर्कर र्षेत्रस्थात् त्याप क्षियास्य तापर्त मा कर्तात क्षा सर् से मा क्षियंदर वर्गर्दर्ध्वाववदाक्षेत्रीतारुष्ट्रा तवतत्रेतात्र्युतास्वार्याचेर सतादराष्ट्रारा क्रा श्रुव चरुरात्म तरे दुर्वी श्रवायायादादम्य केर् (अकेर) १वीया श्रव थर हीरा

र बुद्या

दवःराहः ताषुताःदरः शहेदःभवःराःतरे तर्भेताःतरः वे न सेराहिताः (अक्रेगः)वर्गवरहेत नालवासम्बन्धाः हेर रदा नेर च हेर हेर हेर वर रदा व नुस्का अव या न विदेश हे सम्बन्धा शर्यशाराधुः स् द्वर् स्था (ग्) पर्याया दे स्थित रार्टर। हिरशु देशश्चिश अहर श्वर हिरश क्या श्रेव रद स्वाद्य स्था पडल श्रेट की रवार सुदर्य हिराय राष्ट्र स्था स्था स्था रहे । न्या के.चर श्रेवासदर लाटका (लाट) जिन्न भारती कर वरा के मार्केट हिंदी (रहरे) प्रेयां ने भारती श्वाच्यास्य देशस्य श्वाच अव्यवस्य विशे लटा स्वयस्य प्राप्त स्याप्त स्वयं प्राप्त स्वयं स्वयं प्राप्त स्वयं का लार शर शर शर हैर हैं की बरे नित भवर देरे विर व सुधा होय हैर हैं हैं हैं हैं की बीच हैं श्रृवस्त्रवारा दर एहिट असे हुना सुव। दुनासहर वना संदे ना हुआ हु। ता द्वर पर से से नादर सम्प्रास्ट्र। त्रीपद्यर, त्रकेव.चण.केंद्रचश.स्ट्र, इंड्रह्र, देव, केंद्रव, (वर्षेत्र) हराराक्ष्राक्षेत्र देव स्वारास्त्र हर है ज नवर भी जेव यह र प्रार्टिक द्वावर स्वार्थ र्र.के.चन.र्.रद्वारार.के.बावेश.केंद्रातिताविकात् प्राप्तवसापरेविदी प्रक्रि. दे। व्यत्ये हे ने से सम्देश हर हेर दे र ने याया ना वाव वा में वा का मान के में के ना है ना कर में र सरायाररकरातामा कुनामानिरंस्या दुलारंस्यमा कुतारास्य रखना क्या सर न्यास्याः म्याधान्यात्रस्याः स्ट्रास्याः स्ट्रास्याः स्ट्रास्याः स्ट्रास्याः मुक्र राते ख्रास्ट्रिंडर खेटराव्या तर्वेद्या (क्षेत्र्या) कर मेर क्रिक्र) यर या व्यर् राते रार्दर क्रवला क्रवलार्टरवा द्वार के के क्षेत्र के क्षेत \$ 01.57.89.51.87.684.41. N.891.5.87.184.594.20.5.384.78.21 केन वेर यति क्रिंट हे केर वेर ग्रुटल-नेटवं अभागता हु। दुते हेट तहें वे हेट टर हु खुर हो जवता क्षिट्या द्वा अक् देश क्षेत्र विश्व त्रवाधि तस्ट केश्य विषा व्यव राष्ट्र विषा स्व दे क्रां श्रद्ध रहा दहा हैदा कर बार् राज देश वर्षे वा का कर राज देश हैं। वर्ष कर कर वर्षे tostretch. न्रास्तार्गास्तारा त्राया स्वाया मिनामिता स्वाया वलेशावेश। अववा में अपाय अर नर रे तार रे ता वा मार रे बा बा में रे रे लार रे रे लार रे रे लाय के वा वल वल व र्यान्ते एहेरद्रद्राता श्रीतान्त्रियास्त्र स्वाध्यक्षेत्रहेत्यात्रवास्त्र त्यास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त रतिर राष्ट्रिया स्थानुर देश्यां स्थाने हें जाराम्य देश प्राप्त स्थाने स् 

सूनायति खड़ यासेट (लट) दुराखेद। । अता देवायति (तदेवायते) तद्य स्कृद्दारा द्वासेद्र।

हराअ.८९. एय्याद्वप्त स. रे.या.जा । छ्र.८९ च्याच्यात्वर,रया रे.यूरा । ख्राच्यात्वर,जाहवा ज्या

नेना सेना बर ने एहिंग रा. दे

ल्यर र्वा भेरा । देवा द्वा वदकी तहुं अने रहें। । द्यं व सा ब अ तर् व व द्वा स्था नम्या । श्रीरवाद्यां या अख्रा । प्रियादवा एका या या ख्रा । विष्णानार देखेरा ल. हर्। । काराबा अर की भर राम गाहर । रे. देर श्रे आहे. आर्र जार ता । दे. यार हे अहत देवा वस्यादः। विदेश्वेव तहार्यास्य स्थाते स्थाते स्थाते । स्थित के साम्यात् स्थाते स्थात । स्थि अरात्कर्या मेर्टि (गर्नेर) वसकेर्। किया होया सारा पर्य हारा हा सह सह त्या । क्रियायंद्र। । मस्यद्रवर्द्रत्यर्त्त्रपुष्ट्रभ्रम्भवरात। । क्रियातवरायुव्यस्ताय द्रम्पूर् मन्या । वर्ष्य वर्षे महर महर महर भेरेर । । यादवलमें महर वर्षे पर । र्मेर्द्रवा । विर्वेश मिर्ग । विर्वेश मिर्ग । विर्वेश मिर्ग । विषेश मिर्ग विष्य । क्रियायाद्या । क्रियायाद्या (क्रा.ह.) में रार्भरायम् । व्यार्थिया विराधिया एस्यामाहरा। सिक्राचनर देवाके विकास वर्षा कि. व न्वर्म देवा मुक्रेतिया हैं तर्वायत। विक्रिया देश देश देश देश हैं ता है । अरत है अरा है देश हिना हैन हैं दे शवार्षिक्षाः (रवराया) तवावी जातिर। विकार कर्मा वर्षेत्रा करिया वर्षेत्रा करिया वर्षेत्रा करिया वर्षेत्रा करिया कं छर्थर्थरे वह मान्या विष्या कुर्यर्थ हैं र पर या विष्या के साम कर किया रक्षवार्यरम्य के न्या कि वर्षे हिं ते व ( १ वर्षे ) वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । एहर शहर ते। १६१ रवर्ग में अह तर्वारा । विर्मर राम्य के राम्य वी वहरत्यन्य त्रव्यत्रात्यम् तर्मात्य । राष्ट्री त्राम् वायरम्याय । निर्दर यराव (गर्मव) ता हर यम्भर। । खर हता कुति भर हता ता वे। । यस व (गर्मव) अवः न्य अक्रिक्ष म्यान्य म्यान्य । भ्रित्य । भ्रित नुवा अर्के ते वर रहेन अवअभी हेरा। वर्डिट्डर्ट्याच्या सम्बन्ध्यात्क्रे (य) क्षेत्र त्या भाववतारा से र अहर्र पर्या म् अरम्ब्यावशास्त्रिर्वर्षात्रम् तहिताराता विवाशास्त्रा द्वा अक्रदेति त वा वा र्वे क्यम र्भर यार्ट में की रहें येश तश्केषाय है विवश र्या विवश र्या अर्थे तार के मंदर दा ताव्या है था (24) (日のなれば、いいとなく、こうは、(24)といいくらばれ はなくくむにはのしているかが、 वसा । तर्रे वर्षायार्ग्य रहाकेकाउव। । रहारकायाः मा मुं धरसावसायाः । रे. रूट क्रेश देश ब्राया लाइव। वार्या हा (या) था या वट वया । या वेव रवा देया व्या (अस्) काराम्य । । नवारकारामामुः धरकार्याम् भव। । ने मेर क्रिका निर्देश क्रिका निर क्रिंश्याक् मेरामाया रामाया रहा विविधाराया क्रिया रहा । । । मान्यराक्षेत्रकाव र्ग्, रद्र। । एड. र्या. श्रेट. गर्र हें अ.ग्. रद्र। कियश र्या था सवदया ये प्राय प्रथा।

कुला(क्) अबेदाष्ट्रा प्रत्येताहर विवार वादा रही की बड़ार अपार रामे हैं बिक्र) द्दर। विभए में रे रेच सेच रेर हैंग हरें। हिर र रेश हैंदर हो होर र रासा याता सर्वित्राक्षान्त्र्वाक्षान्त्रात्त्र्याः वदाह्यवाः त्रद्वद्वाक्षाः द्वाया । वद्वायवाः उद्यर्गात्रास्य । विश्वक्वार्गर्मा । विश्वक्वार्गर्भा । विश्वसार्भियः एक्ट यसमान राह्ना मिर्दर्दर दर हो। यद् ता मिर्वर वसमान दिन तारमाता म्बर् । मी में में में में बार्य दें रहेबाला खेंचा हे अश्रेश केंद्र मा में पर पर पर विदेश । श्रेशः हिना ने में मर स्वा का अर्थर (श्रेरा नहर) तहन । न्यूर हिर हैं (क्रें) क्षेत्र व कर् थरे वर मेर देस्याम् वर्षा यावरा व विवादा याता विवेदी नाया वर्षा राष्ट्रा वहन्त्रा जाराक्ष्यात्र यात्र अवा । त्या । त्या । त्या । व्या विवा । वेरा । व्या विवा । व्या विवा । व्या विवा । स्राम्या विषय्यात्म् भेष्ठा स्राम्यान्यात्म् । स्राम्यान्यान्याः स्राम्यान्यान्याः म्या (क्) मेर दे दर्भाता मृ.स. म. रे.डेया अष्ट्रां पडार है मिया विरायत कर म्रम्थर्थर्थत्। इत्रा म्यार्थर्म् द्रिर्द्र यव्याच्या श्रीर्थात्र्या न्यार्वासी वर्गरतप्रकृषविद्या जन्मा रतप्राम्बन्धारविता म्राह्यर्ध्यात्मार् はない、(を成り) 「一年、日本のからい、からからなっているできていれていますいという。 रमयाश्चा समाराज्या करा महाराज्या माना हिस्स माना हिस्स मिर

भागाद्रेश सम्मान्त्र के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या के विकास के वि

सरंश्रूरं कुरा। शुक्षभाउत्र जयाकु दवदाके वे दहा। किर सर प्रह्म श्री द्वे अरिका र्यात (यय) भटराक्रियाकी विदेश ते भगर हैर तर्धिका साम पर्याप देश हैर स्त्री क्राया स्त्री क्राया में इर्.शर्व, राज्ञ च वधार्ट विधा, रेब्रूटमा क्री.दर्व, कुरे.श्रु. शहरी तर केव था हूं. रेट ब्युर्स के वाश्यांतावायरथाय। र विरामराम्यवानाश्याक्षेत्रक्षेत्रम्यक्षेत्रा विवरात्र देवाने व्यद्भ अहर्ता परात्वा रहामभाष्ट्रवाद्य खराद्र खरादा खराद्र भन ब्रीटाता अब् गार्ट् तर् वर्षा व व्यापा अब्दर्य था थर । दे तर् के स्थव। वर्षेर नेन। तकेकेर द्वारा में वना येश सुरा र दे दे उत्तर र दाया ही र रवायति के र्द्रण स्वास्ट्र के भीषारद्र क्रमस्य अहित अहित स्ट्रा में हे से दें अव पाय पर रवाः नरको अग्रनः दुःरावा । देनः अरवा सः दरः दवा सः दरः तरे हिसं क्षे व ह्या (० सवः) ह अपात्त्रक्ष्यात्त्रवेदा देह्यानकेदक्ष्यात्रात्त्र्याद्वात्रवात्त्रात्त्र्यात् केंब्रेरम्यको-नेय। देरम्यक्रियां अग्रभारको अग्रस्त्रकेर्द्धः केरिरिध्नं र्रात्र्यम् हेर्। धरश्चरायाम् वर्षेष्ठः (वर्राभः द्वान्यहेर्ने रावर् क्राम्यक्षित्ते क्षास्त्र कष्टि क्षास्त्र कष्टि क्षास्त्र क्षास्त्र क्षास्त्र क्षास्त्र कष्टि क्षास्त्र क्षास्त्र कष्टि क्षास्त्र कष्टि क्षास्त्र कष्टि नम्ब्रेष्ट्रम् माह्यक्षेत्रं । सम्अवेशमाब्राम्यनाञ्चा । स्रिम् स्राम्यान्याः स्राम्याव्या तकेशर स्वाय र स्वर यारा । भीर स्वाय र तार्मर तो नेरा । स्वय रहते तव रवन विध्यम्भे । द्रायतेलाकारात्मकारात्मेरात्मेर। स्वारम्भकावनायते सर्दरशकेविशी सहरा नेवाचारामयार मन्त्र । विवासाविक ववास्ति हैव हरेवे। ववा विवा वारा लायम्दलारेर। १८८ यहा वना स्वास्थाय होते। वि रम्बरालायम् राखारेर। लका रः स्वारार्ने अवसिर्छर प्रस्ट्रा । राष्ट्रे पहेवा हेवा अवस्य । र्यवाभेरावध्या (गल्य) पानिमयात्रात्रात् । कामर मिन्द्रिंद्रिंद्रिंद्रें) भूवे। कि. मर में द्राप्त की मिन् हिराशका अवस्थर कर (श्रिट) हिरामा हर कर ते हिरामा के राहित के का हा विदेश के का हिरामा के राहित के राह क्टा । महतु या ता रेप री पर्र हो। विषयि विषयि अरे विषयि से विषयि । विश्वातातु स्ववंदर । तर्वतित्वतु विर्क्षात्र । किरामकूषात्रेव भर्मा वर्षे यशासहरी इर धर कार्य वा वा र व मेर सहर। विकेश स्थाय के देवा के वा विवाध कारत तर्वति। मिणायमालवर । मिलाक्रेवब्मान्यावकारार्वेव (प्रमानमा) वेदा । प्रविक्य स्वर्गान्य स्वर्गान्य ।

त। श्चिरायाः वर्गर स्वातावर्गर। द्रायाकावर्गर देवां तावर्गर। वर्षाय न्यहर अर खेराया भूदा । अ. एट्ट्र प्रथ राध राष्ट्र राष बरकारारे। भी हेरारवापि हिरापि कार्या केरावर्या । (अवार्यवाक्ष्म सर्वेशकार्यवाक्ष बूद्वमार्थात्वा. भारति सद्धिदा । एक् व्याच्याक्षाक्षा मार्सिर (क्रिर.) भारति । जि.व. वस्तान। तिमास्त्रेतासकर रसर्गार त्रेवाकेट की शिरारगर केर जा सेर केर कर ट्या.श्रेश्राष्टियाचारीट,पर्वेर. (विराइरेक.)रटा ल्ल्रेर.र्याताक्रेख्णा. इत्या हि. नेट एत्टल, एक्ने. (उक्ने.) क्टरा, श्रा (क्टरमा) पा । इत्रहेश हे चधुवामा उद्या महिरा मडेला (कडेला) मतदूर व्यूप शुर्था रहेता । तक्या तर्दे हा के दे वा दूरा । विकास दे रे ब्रामाराया महत्त्वयान्ते। दिश्वाकातात् क्षवः(दिवता) स्मान्यादा । क्षेत्रम्यायाति वाडेश खुवार्टा । के भ्राराया तहार हे के के ता । के अशरवाधि वर्भर तवा त्वा प्याहेरी रिया (यहेरा त्र दशक्षाय मेर्ट्र) हिला विया कर अयो तराहरा के वा त्रिया कर विया कर विया कर विया कर विया त्थरशास्त्रं (सर्वे) विव । सर्यते हिर् के विस्टर्र । वार्डवा सरवितविता देवता क्राका क्रिंड राष्ट्र क्रिका है से स्वयं राप्ता रिवा हुई प्रवा है हैं दे माजा रिवासकर इवसाता हीव (हिव) रा कर्र । दि तह या तरे व्यर तरे त्यस हवा । के ता ह्येर क्वाता विता मानाद्व कुराष्ट्रिया । नविवायव क्षाया के व्यादारी । तक्षेत्रद स्वाता इंबवान्याता । अ. ल. वायरियाद्वराता वी । के. वरंक्याक्ति वितालाह्या । वि. वो. स्वज्ञात्यात्र । १ द्वार्ष्य । १ द्वार्ष्य । १ द्वार्ष्य । नेता ने म ने ह स्वया ही हो र के तथा ला रमनेता रहा देव या के भी देवा ला के म नेती केता हारी वा केवा सम्मूनावात्र्यं मुख्या मर मूर् सेट मूर्वित्यर्ग दे तस्या स्ट्रिक्षा रादरा अहरावराद्वे सम्बर्धकारा उर्देशकारायकाः स्थाम् मन्दिराधकार्यराकाः मिन्यार त्यार द्रात्य द्रात्य द्रात्य क्षात्र का मिन्य क्षात्य क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र शास्त्रका वास्त्राक्षेत्रक्ष्यार्द्र.वार्ध्याद्वः द्र्या (व्या) अद्ये द्र्या वस्त्रकः वस्त्रकः वर्ष्याद्वः त्यां के सार्ति वुवास्तारकी कात्राता तरी द्वाति देव के देव के प्राप्त करा त्या के ता यात्राचाथात्ते दर त्रद्धाः स्वान् वाक्ष्यां स्वान् वाक्ष्यां स्वान् वाक्ष्यां वाक्ष्या

(याम्य) पर्यात्री. त्यूरं मान्यूरं में दे अस्त्रीर स्मित्रेशं (शर में र स्मित्रं ) के स्मित्रं स्

(एडरा)-प्रअध्यात्तिः दर्वतः दर्वतः दर्वतः दर्वतः वर्षताः कर्णाः क्षाः न्यात्वस्था

क्र श्रम् द्वार द्वार क्षेत्र क्षेत्र

क्षिवास्ट्रहाल्डे स्राम् रियो के हो है हैं हैं। विश्व किया में सहरा में सहरा में विश्व हैं विश्व हैं। रद्याचीयायोद्रेर.अहर्.लयुं अपवय्यम् अपवय्यम् अपवा क्रि.सञ्चातप्रस्थायाः श्चिम्यायात्वमः विद्यम्द्रम्याद्वयद्याद्यवायव्याद्र्यातः । वद्यम्यायात्रहरः मा स्रा हिसारहेर । अर्थना सर् का वट स्रियासम् राया तहेर ने ने प्रे में स्थारीय मिलम्रेरियाम्केषरा । अक्षेत्ररार्म्यके मध्यत्रार्मः । मैनकेन्युकारे मुन्यर्थरावस्या नाभरक्षास्तरं त्वार्भात्यद्वार्भर विरम्भिकाष्ट्रस्त विष्ट्रम् श्रदर' अरवाश दिवाराजा पार्कुका । द्विस्त्व द्वाराज्य वात्य द्वाराज्य । दे दिन्द्वेवा मी तिया है। । विद्या का दल से में की देवहर्स में में दें (इस) । में में में में में में में में में स् किलायहरा श्रद्धा है लादे। दि है किला यूका किंद्र श्री मिद्र की लाइ अ किंद्र की लाइ अ किंद्र की लाइ अ किंद्र मून देश । । अन्ववर्त द्वाराहर रह्म स्वरा रहे । द्वाराहर तह मर हेर्टा नर्गराष्ट्रीरम्ब्राया नाम्यायवानार्थेन। । (१ मे वशक्षेत्रे महास्या । किवायति सहस्य प्रदेश स् सर्दे । अन्तर्भित्या प्राप्त वर्षा । प्राप्त अन्तर्भा में स्टा अन्तर्भा में स्टा अन्तर्भा भी स्टा प्राप्त । श्चित्रायान्य । विश्वति द्वार्था । विश्वति द्वार्था । विश्वति । महराया दिख्यका के हर करी कि वर्षणाया के वसके वरायका देश का अविद्या के वा सम्बद्ध के वर्षण के वर्णण के क्षित्र स्वाद्य स्वाद्य । यहार् द्र दे हार्ष राष्ट्रस्ट ता । द्वार्क्ष क्षेत्र स्वाद्य क्षेत्र स्वाद्य क्षेत्र है। निर्देश्यित द्यें द्यें दे दे तथा दे तथा दे तथा है। विश्व के तथा दे तथा है। र. अमास्तरती. थ्रे.मा विमालहेमा खेरा हो वाका माने का किया (ब्रह्म) मिला हो प्रशास्त्र प्रकार करें प्रकार कर कर यामार्थ्य मान्य (क्षिया) प्रतिभागते । पान्त्र मिर्यार्थ (मिर्येद्रात्या) पर्येख्याता अ Mea श्रीरायास्य त्यास्याया । विदस्तायासुगास्यास्यास्यास्यास्यास्याः त्याः त्याः स्वास्यास्याः त्याः त्याः स्वास्यास्य मिन्दर अर्डा ।राज्यी रमाणा वार्या स्वापे । किलाय ए सी लाइवा माराधित स्ट्रिक्ता स्वाध्यादे। शिरायते स्राप्ता स्राप्ता स्वाध्या नाववः ववकारायादेवाः राज्यदा कियायां हेर ताहें बादया अवं हि न न न न ता (व न ता या) साता प्रभादन र न रे। रियात त्यते श्रे श्रुट त्यवा ह य श्रुट। विविध्य विवास विशेष रा या मु (र शुः ) श्रीया

दे। सिनमदेशकेशतमा है वहदा शुः विकाशके ही ट द्वासियारे । विवाधारेद

केर दें स्वाला मनवर राष्ट्र त्यवा है वडिरा । शे बेरिश से लाश प्रेश । क्वे बेश विश्व देशवाला लाहा 

डियालात्य डेटा दिरहाल मण्याहित्य ए हैं है से देशरावशता ही टाहिर्दरा सरलक्ष्याचेरेत्रवर्षक्षामक्ष्या । यर्वराष्ट्रवर्षा हेर्डल । ह.स. (ब्लाह्र) य नतर्त्रीर होत्र सरायम्भवाश्वेवन् । नवादाभावतात्व्रीत्रायाः भवा

द्व हिर वहेंब पर के का अंडिरी विश्व हर हर जर क्षेत्र है के रवाबर वशा

ARM : 川野いた、いと、39、町、(色水、48、色)、長く本 37、名か、5、町と、くかり、 इस्रा द्वाराष्ट्र तर्वा निर्वा कर्षा के विकास करा विकास करें विकास करें ए त्या दर देश देश दरा तर्रेद वार्य । ता है देश वा वक्ष हैं श्रा वर्षेत्र हों विशेष हैं । (यत्यास्त्र) वार्यर है। दे सेया यर प्रदार देश अस्य स्थित है। देश वार्यर है। (नका) वद्या दे सवास्त्र तस्या स्वास्त्र तस्य । स्वास्त्र विकास स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र । द्रम्यास्त्रम्यम्यम्यात्रम्। (यादास्यम्यम् स्वास्यास्यास्यास्या त्ववायन्त्रे देशक्षेत्रात् श्रीर स्मराय कुर्यायक्षात्रात्य स्मराय देशकात्रात्रे । हर देशवास सर्वर रेक्टर के यो दे स्वायता सर्भा क्या था हर बेर सर्वा खबारर लामाञ्चना निक्रामात् रदावरा नर नंदर्भ में ते क्रिया विवास्त्र में ति क्रिया मार्थित मार्थित निक्रामा हिरी चालके एप्येय ते का त्रित के देही के देही का त्या है है ते ते में में में में में हैं है है विशेष वाकातात्वात्वात्रद्वात् श्राम्यात् भ्राम्यात् भ्रापत् भ्राम्यात् भ्रापत् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्रापत् भ्राम्यात् भ्रापत् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्रापत् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्राम्यात् भ्रापत् भ् 

स्यारंशक्त नार्थाहार्याः (रा) रगरंशा स्टर्स बराश्ची खेलात्व ने का सिर्ध हे व सर (वर्) हे र म से विकारिक ्उम्मेराश्वी वराभातात्वीवात्तरम्प्य । अराभद्वि ग्रांडे र अया ही । व्याप्याद्यत्वह वारा (इगरा) धुर्वनवर्ग । क्षेत्र द्वारिय देश देश देश देश देश देश देश हैं । त्या । विवह्रें स्थित्व में हर्जे विश्व में हरी (यह के में कि कि में में कि म द्रावे ता इस्या प्रत्ये विषय । विषय अर्थे मुं सारे देर तर्

म्यूर्तिया युजया दिन्द्रिया हित्र से वार्तिया विष्या विषया हित्र से वार्तिया विषया विषया विषया विषया विषया विषय वर्षेत्रस्य । जरमा बर मेर में अपति । अपति शर अव स्वर्धि । अर्थे पहुंच-र्यवय-वागरवय-रगव हिन्द्यर-नेर-थर्रका हो थन्त्र-होन-होगले. माझेकारा तः देवराह्य रदःश्वर स्थान हर्यार्थिश के द्यान्वराया । केला रा.थात्रभ में. ७००.८। प्रि एवं १.६.८० वे.१.६.५०। वि. १००७। में एवं । वि. १०००। में एवं । वि. १०००। में एवं । वि र्श्य । मार्श्याची याद्यं वे.का अरारद्र । यार्श्याची त्रेयाची त्रेयाची त्रेयाची त्रेयाची त्रेयाची त्रेयाची त्र

्ड्रिया'

3

म्बन्देशः वाहेतः इत्यान्त्रवेत्रक्षेत्रयात्रविद्वात्रवात्। भूवात्रवाद्यम् वानविष्यं हिराक्रवा । वाद्यम् द्यान बाराण श्रीय वर देश नेता होते विश्व सारविर शर्व केवेल स्वित्रास्त यहें त्ये वा (के ब) ब्रेट परीयों । बार्ष वा वे . यह अप . यह वा वे त्या है । वाह वा वे त्या दे वा ता ता ता ता त यार्या विर रे.चेर्यंत्रम् जायया वियान्वयायहेयवाच्चरंत्रक्यं क्यें रे.पहेला देवरे. सर्या विदर्शन्त्रस्तर पहुंच्याया। विदर्श विद्वा (१) वित्र प्राप्त या। प्रमायका विदर्श विद्वा (१) वित्र प्राप्त या। प्रमायका विदर्शन **७ ह**र्षाय र तक्या विकार पर त्या र त्या र त्या र त्या विकार के कि र दे के द त्या व र त्या व भूगलम्यार न देनकेया मार्गरी रि. ह. श्री अरम्भेदरा ला रि. अक्षेत्र क्षेत्र अरा अरा अरा प्रेर प्रविश्व स्मिन्ति। क्रियात्यरक्ति। स्मिन्ति। स्मिन्ति। स्मिन्ति। स्मिन्ति। स्मिन्ति। स्मिन्ति। स्मिन्ति। स्मिन्ति। स्मिन्ति। र्वक्षेत्राम् । व्यक्ष्याम् व्यक्ष्याम् द्वात्याम् र यहा । वाह्याम् स्थात्याम् प्राप्ता यहुम.स.भूत. १ वर्षा वर्षा देश के प्रकृत प्रवास वर्षे में वलया यह स्वाव द्वा है वहव दे दे दे की विकास दे हैं र की विकास की ली हैं र यह किया द्रिक्ष र दे अरव रव रव रव वि । बारवाक कि रगरामे वर वहर ता वारवाव उत्तर स्यान्त्र स्राप्ता स कुर्मित्रह्म । प्रमाधिवसाम्यास्याः । । प्रमाण्याः धियानकेषाम्यकेषाम् विद्या श्राचेराहेलाताक्षाच्यात्रे । विकारका ह्रवेशका तावाराहि । विकार केवा वर्ष देवारा स्वा ॥ डेलाइम्डेटाटम्यति स्वतादेरा द्यतायक्षकायाः स्वर्वरे चारीश. चड्रप्र. इ. ९ व. ४ वे थे ४ थे र. इ. ८ वे . हे. इंग रायर मेरे । श्रुरेश दश्चा शर्थ में वे वे अर्डास्वराक्तिके स्वायति द्वार्थित स्वायति स्वता । स्टास्वा वर्षिया वर प्रमान्त्रात्त्रम् कर्ण म्यान्त्रात्त्रात्त्र (क्ष्यात्ते) त्यात्रात्त्रात्त्रात्त्र (वेष) क्रत्यात्ते त्या की में हैं हुर । प्रेस (मी में बेन महिर ) यर दे मेर शर शर मिर में एके में एके में हैं में वा मार हर रहा ए वर्द यान्याक्ता मामा वर्षेत्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्ष यीरक्षे भेष्यराष्ट्रर याम्यवाद्यारा प्रकट्यारा वीरक्षिया र्यास्याद्या संद्वाववर स्थाने वर्ग्य अस्तर मेर मेर मेर तर तर तर वर्ष राम के सहर के कर के मुन रिम्वार्गम्यति है त्युवानवं नार्गम् त्युटानी नार्थम्य व्यापा यथात्रकार् सेवास्टर्व विद्यातात्रा यथ्र स्थाना विद्या रहेव वार्या विद्या शर्भायम् वाराम्य स्था द्वेषा व्या द्वरा द्वरा द्वरा स्था वारा माना स्था हिराया क्षेत्र स्था क्षे

श्रेष्ट्रवाराः स्टा अत्याकारवावर् मृत्ये हो स्वादा कीता सूक्षा या (वहस्या) वितायार केत्रा तावरवा अकर (कर) के नेदा के बादार पा थार पर के मा कर होते हैं ने में हैं में ह (ब्रियाव्या) रहः ब्रिया र्वा अर्थाययाम्या वी द्यात स्थर सहित आताक्ष्यां मानु दे र दुः अत्या रथतः श्रेट्योद्रभाराम् द्रेश्रेट्रः भ्रेत्रः हुः भराभ्येर् सम्बद्धरः। त्रित्वभाषीताः निस्मातिः किव्युभः द्रात्भाष्ठते। अर्दर या राम. मुद्र क्रियाता नाता प्रकार ब्रम्बर क्रिया या क्रिया कर क्रिया दर में कर तर है है तिया अक्ष्यंत्रम् र मेश एक्वरा। देल्लाएक मन्द्र हर हर वरा मा वान्यवार रहाव वाहीलादर। वाक्षत्रः द्वान्ति ताता ह्वा यह (यता) थर् द्वा रहेर् वी हेर्या हुट हेर् । अध्यक्षित मी.र हिंगुणाराया ताया या तारा की दतर राष्ट्र केंद्र दे तर्या वा हर ताया या वा वर १३०० रासायम् भूदः। देमः दयता श्रेद्रवीता श्रेद्रिया स्ट्रिया श्रेद्राया असी स्याधिता ता वामा ईर.वश.एरवा.ग्रा प्रश्निभार्यक्ष्यं देश्यम् अर्थे अर्थे अर्थे अर्थे केर. ख्रवणवश. लड्डा 1124, र. १९वा. ४, ४ वाम स्व. कटा सं का वास्र र. वार्ट र. वी. ए सर दे सिवयास्व (स्वा) तता देवारा र वर्षा त्रं र माट हिट्डूटा सेवारा रेया हैटार वर्षा राष्ट्र वर्षा र वर्षा र वर्षा र वर्षा र मुंगुक्रुंश राम् वान्व्यालक्ष्याहरः। तेथं अर्दर्शक्रित वांभुयाक्वरक्वतंत्र्यं द्वरः येवदमः श्रेय सर्रा क्रिलाहे से हैं। विशा शुरायक देव अभागत मेर यह है भी किर यह सुरिक ते के स्वास्ट्रायस्य । विद्रायस्य । स.एक्चिताल देवाल द्ववास हूरी दिन माने के वाल दिवाल देवाल के कारी विक्रस्थानुन

इं ए प्रतिया (प्रस्वा) वडा विराह्न । न्या विराह्न । विराह्न । विराह्न । विराह्न ।

इ. वया या में हिंदी | व्यक्त रवस्ते अस्ता खवारवार भे रचा खवा | वे संशादर खें जा खेंवा | के

र्क्ट्या के जनर वर (बर) परी विश्व में की की की की विश्व में रामें दिया।

वनःतर्। शिट्युट्कनः दर्याभेदः द्वास्याके। हि.यह्या अक्यायक्यायाः अद्यावनः

पर विराध्या (कराया) क्षीरवि के के के के के विषय । विराधाया करा के करा है कि ।

म्यार्यार्यस्य स्ति भावद्याः (यायाः दवाः) रे। | द्रहरः अरंधारं क्रियाः यति स्वारं क्रियाः

स्वामर वर्षे द्वरव यर ते वव। विष्यविष्य दिक्षा हिर ते यह । वरकेश यर विर

राध स्माअद्वार । मि. पर्वध (अर्वध) व्राराम कामे में (अर्थ) । । ता सामा व्यापन

नवः(त्वावोदाव) | सेर्रःश्वरःवाध्वाःत्याक्षःत्याक्षःत्याकः र्वादयः हें(सरः हें) रेर । तक्षेत्रारः त्यावा

प्रहेर:प्रहेर:वा । विवायनवारा विवायाय दे तो व्यार । विनायन विवाय विवाय

वियाभाष्ट्र । १९९८ अदः यति ५ केतानु क्रेंदानाचे मुक्ते । क्षेन्द्र दुरासुदः तत्त्वस्रास्यदः व व। यिगद्यम्य केतावातास्य होता । विश्वस्थित्यका सेव क्वांवस। विभिन्नित श्चरात्रीया चरमा भेर दर। । हे वर्षेता तो श्वरात्रीया (के) बरमाग्रर है। । विराधिया नेवा इसक्त्रा हो हर ता दिखर वयस्य या तर्षे यह । वितर ता व्यस दर्वता प्र न्दा । वाद्मिनानाभरके विचाता (विष्यायाता) । व्यदः या (रयदः या) वर्जेता वर्षा (वर्षे) र्वेश्वा । श्वारखेनराविवाकी निरम्याया । धीरावहवा वहवा द्वारा नेरा। दयः देर खर्यम् न मुख्या । स्वायि वर्ट ता वर्ष याता । येक द्यम्भे स्ट प्यामिया हरे। रि.स्ट.क्र्याकेवद्य स्तिता। विदय्या त्रिक्षा विद्या "थरः। दिवलभ्रास्यात्रस्यत्रभवेष्येत्। । तह्भ्रिश्चरस्य म्यायाः वा नेवा ने महिर ह्या दे हुए 250,54,9,5431 II वार: ब्रेम्वहराम: क्षेत्र: श्रद्धाः स्वाप्तां स्वापाद्दे देवा त्यक्षत्वता स्वतः श्रुप्तः स्व देर.धंडल.ग्रा ग ऑयार्ड रहेर दे एखेंग श्री त्येशया नवश्र देते (नवअद्येत) अनुवाय त्ये । । रागर या र्षा द्रवे त्ये रहे त्या रहेत्। रवा तर्वियाना या सर सेति वर सेते अरुव वयात्वाची । सरद्वा व साय विवास्त्राता व्व क्षेत्रा एष्ट्रया खेते अड्सेन्स प्रहा | ८ सेन्स्य हरे देवता व क्यायर नेन | सार्थ सार्थ नेयाव। विद्यास्त्रिक्ट्मिक्टिकारी राभक्कामान्त्र। विष्टार्ट्यायान्त्र। वि श्रीर:अव:राधः आयर दर्वःवया । क्षेत्राया वर्वा गुरः हर वर वर्दे दरा । द्वित्रयारं विवा बुटःदयाःयरित्व । द्वान्वेटक्रमापरिवटःयवुर्यः। तिव्दःववा ख्रद्वेवायावरायाः हिटा दियशश्च्यानिय पर्यात्रार होटा । इ.सी. यूपालय. सुव अया नेया। किंदा श्चिर्रेश्युक्त ताम्या अवत्याता । दयतं वि संद कि देव ता त्युक्त । श्चिर देग र दुद्व लबितान्त्रवः (बीटः रमार वर्दरविवाहः एखितान्त्र) विवावविक्तिक्वे वटान्त्र। विवादिक्षाताः द्वारव्याः व्या । रहमः वास्रवास्त्रात्यमः तववः र । । वेः वयवः राः वित्रवाराः हम र्युव मारुभ के वाक्षर त्युर प्रयोद। । तक्षेत्र प्रयोद हिम्म वार्य हैं के वार्य है। । दर्द में द्वर रुक्रिंग्याम्बन् विम्रत्वम् हुर्क्ष्यत्व्या । देन्द्रिंश्यते तर्वा वराया । ही.रर्ग.अरअ.ठ.म.म. । तेग्रांर्. जग्रां में अर्थ्रेर्जरा । रेक्से (स्रेस्)र्गेर्या केंत्रे अर्थायकायाः त्र्यः ख्रा म्यानिहः दम्यात्र्येदारे । का अअक्रम् क्रिकेवाया । दममाध्यम ब्रें की रेर हरा (रेर शर) रे । इ. अया प्रमुभराय (या. पा व क्रेर) वि. व. वा व्या स् सं एड्राड्र । इ. अया ब्राइर एर्ग्यु अला र या. पात्र किया । या. या. व्या हे वर्षा द्र वया त्रा र । श्चिट्रालहर्ष (वे.संद्र)र्गालस्थ्रेस । र्गावश्चर्ष्य विद्रास्यालस्थ्रिस । स्थित

म्राम्यान्त्र्रम् । तिस्याप्येक हर्त्या तिस्याप्ति । के मेर्र् हरे। मेनाथाया(वन्नवाथाया)यर्वप्यप्यप्यप्रेर। । एक्रायायर्वाविवाचिताचेर। रे.र्ट.शे.अहवर्यास्य । रम्भक्षे प्रयोक्षे त्रेररे। र्याद्र रम्स्र छो.अहररे। ध्रीटार्यार दिवान्तर मेराता है। विस्वारद्य लाखराया हराया हराया है। वियोत्या |रक्षायर् हि. वार्च्यार्च्याक्षर। । वर्ष्यर् ह्या एवर्ष्य म् । रचवार्व र्'त्य द्वारा हैं हा (रयत र र अकर सुत्र हैं र र नुशः मुन्दुरः अष्ट्ररशः राजा तेने अश्चितः हिराहा किर्यन हैने दुरानी कर पदी पा मास्टरकार्या सेव (वहवारिट स्वासते स्वासते स्वासते सेट हुन) क् दाय्य रा तिया हर देशर (हर अर ) प्रवास विराद । विवास देशर । विवास देश अव । त्या । हिन्देश्हें हैं विवादि स्वेवराया वितर्भाउन सेवा स्वार ह वर्गरास्य (अ)वर्षण वर्ष्वारा व्याप्रभावन्य हता वर्ष्य स्था वर्ष्य स्था वर्ष्य हुन संस्टानिकरा वर्ष्यां दर हुन संगिरियां संस्टा हुन तर्रायम् में वर्षा प्रमानिक स्रां राज्या द्रमा वन्तरवरा हिट अका वाद्य विद्या है तहुवा ही र के वा हिवा है। कर नथा हि. मेर दे आर में बहुना (मेंलेग) मड्रव यति के त्या महि रहेश के के तामारत いる。古典なると、は、からない、白土、なくらく、日本とうない。 प्रकृतान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् चम्ने में देवी अवयं दयायर्था के र जयर्था है र राष्ट्र देश कर्या है या अक्रवाद्र स्तु द्वा द्वीर द्यार संयु हेव मवेरसारामार स्टार द्वार द्वार द्वार स्टार स्टार स्टार स्टार मार्थ मार क्रिम्य एड्रिश्टी याग्र र तारु पर्यक्ष रटा र स्मिया था दे तर प्राप्त के विकास के वित नसूर मिरलारी जा बड़िया हो नर चरेता । रे.हिंब (हिंश) के जार्च व संभया किंद्र के जा रासियावश्रस्य सहर चाराता (वर्ष) हो ग्रिया रहार रहा चेलवर्ग रहा रेगा (रें) बारीता. बी रवाया रहाव रहा रविशासिक्ता में श्रीराक्त भी दा से या श्री हे वर्ष की राजित से स्वीर किर शर्यायश्याः क्रें विद्यी एक्षाया वेश्वाया क्षेत्र भारत्वे व्यव पर्णायहरे हुद ही दार्यार्थे हिया 

रवाक्या वरेत्र वादाय के वाद्या अवशवद्व के व्या देश रहा

2 में आ

बुरा(बु) यत्रुदार्श्वर, यंबिर कु. त. प्रि. इम्मार्टर। तीमार सूचार दी मूरा त्युमा मार्थी. मुराया र्माया सुर्धः वर्षाया मार्ट्या मुम्याद्यः रमाया स्थाया सुर्वे हो। गर्या सक्रमा स्टूमा स्वास इस स्टूमा के स्वास इस स्ट्रिक्ट्र इसराक्षियामम्बर्धेनामम्बर्धानस्यात्रस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य वृद्रा तहस्रविद्युरक्ष्यां व्याप्याया प्रमुख्या के अन्तर्द्रिया के त्राप्त व (त्ना रहेक्टल्ला) र्यवशावहर्तिश्चातारमायवीणवास्यात्मात्रमार्था नेर्सूर्यम्बर (हेम्कर्) तथातर्थायाः स्वस्यूर्यास्त्रा स्टर्हेला स्वस्ति ४२ अगुन् श्चित्रेर (अट) यारटा र्राट्गर्श्या श्री भाकी देवासेवा श्री श्चित्र र्राट्य स्था हीर यत्यर्टर व ग्रास्त्रेत कर मन्यायय वंद क्षेत्र अत्यस्त्र मा यद्भितर वल्यायास्या ।देवेवेवास्याय बुदा त्रुवा वी व ए ही दादा मुस्याय ब्रद्ध विदा र्यतः वर्र्भे मेते सून् सर्यः स्केवर्भे स्ति त्रार्थः स्ति स्वार्थः स्ति स्वार्थः स्ति स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वरं स्वर यम्भारानिया श्रीर्यते श्रुतेयते द्वात्यते व्यद्द्या अर्वृत्यते स्वात्यते त्याक्ष वाह्यायायायार्द्य हेवारार हिरायाव्यावीया (वे) के ब्रवा प्रहासमा व्याप मध्यार् रेय्या (वर्षाया) मेटा विषया यह अराह्या राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र हैर स्वितित्तर्भित्वविवाद्या प्राचित्रयाभितायम्यास्य । विद्वत्रक्षेत्रस्व स्वर्यस्य सेशरी द्या करा राजा ने दार राष्ट्र से के राजे मार है राजा ने ते राजा है। यह से राजा के राजा है। यह से राजा है। वारामवरा कथात्र विवास्तर अरदयार वर्द छ न्यासायुका दुस्रे स्वाय वर्द्द हुने ब्रीन्नेसाम्बर सुद्धीय व्यवस्थित ही रहेते वावर सुर् हिं) हा रहेट ही रहाव रहा अवस्थिर होंवा राकुर्या राभगाउन्जयभागाता अरात्र राष्ट्रीर पार्थित प्राधिया राष्ट्री प्राधिया सामानिक विकास मर्था। नः अष्टित वर्रः म्वारियः भरः मिर्द्रायः यहरः श्रीः ताः में स्वार्थः मिन्न मानिकार मानिकार मानिकार कार्य स्वान, अवस्ति। योवपारित्यत्व म्यान्त्रा क्ष्यां क्ष्यां स्वान्त्र क्ष्यां स्वान्त्र क्ष्यां स्वान्त्र स्वान्त् स्वान, अवस्ति व्यवपारित्यत्व - निर्माण स्वान्त्र स्वान्त्र क्ष्यां स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्व टरक्षितालया अअक्षरा यथाय द्वारा प्राचिता या अष्टिय विश्व हिता हिता है। राधुः अवर। क्रि. ज्रास्वार दिया के ता अवश्वर देश हैं हैं के के ता दिया के ता अवश्वर देश हैं हैं हैं हैं हैं हैं जियह येहें हैं। बेरे ZG12.12] सिवराअक्या अरमक्या मेंत्राचा रदा विराधक्या रवा चरक्या कि विराधका

एलवारा नपुरेचा अर्धेच्येरीया। विदा त्ताना अक्ये के व्या अक्ये

१ केट. । अट्रावभरा में हर्रा मंत्रसा विकासक्षा में कार्यस्य विकास दिवास दिवास म्नुस् एर्नुभः रम्बर् । र्नुन्युकाः । र्नुन्युकाः अक्रास्य । स्वास्य । स्वास्य । स्वास्य । रूव तह्या ता वितासित (दिते) रोवासिक मा प्रदेश रहा । रागर वदा विता कि की अवारहेवाता । हितु (हेतु) तनुवाक्तानिन्ता हुरः त्वायरह्व अतिवार्यन्ति रूपेर इर्थिश लाल्या निर्मेश हैर। विक्र (क्रें) के बहुर की राजि। रहा हुर नेर । तह्य हुर यर यर के में ने सरदा विभवाय कि वार हर के बेर के स्वार के कि के कि के कि के कि के कि र्यव नरकं ए नवर्टा विवववन्त वह्य होरवरहे थव। निर्ह्म ने ने द्भवार्यात्वारा वीवरामा विद्याति । वर्द्धान्य वर्द्धान्य वर्द्धान्य । वर्द्धान्य वर्द्धान्य वर्द्धान्य । वर्द्धान्य वर्षान्य वर्द्धान्य । वर्द्धान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्द्धान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्द्धान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्द्धान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्द्धान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्द्धान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्य वर्षान्य वर्षान्य । वर्षान्य वरम्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान् वलक्षाय में हराया महाता लावर । के वा क्षेट्रेश वावरा खालहुवा । के वा क्षेत्र वर्षेत्र व श्री रव हा वासराव तरी के राभरक्षेत्रात्म नामराक करें । वार्ष्य । इर्या क्रेर्य वर्ष अर्थ हिंद्र स्था हता वर्ष राष्ट्र क्रिया ट्रवाराया हराया राष्ट्रा हेटाडी हेटाडी हेटाडी या राष्ट्राया हिटाडी श्र ह्यारायवारत्वारत् राज्यार्यायम् वर्षायाद्यात्रेयात्यात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राय (स्वा महत्य) वरायक्षरावत । स्वयाद्याद्वा स्वेत्राक्षरायक्षरायका । वराव यववायरीयाववायह्य । इत्यहर्यादवायादेशे । तर्रायवायवाद्यादेशेया कार्या दर वा वत्रवेत तावर द्वारा हर। ।दे (दे) कि क्षेट हेते वा वरा सारहित । ता बिवा (म्यविक्) के दव त्यरम्बर्दी दवर्ग हरा रहा ता कुराकर । विषया तार क्राक्षित्या है। क्रिया (यह) क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया ता हिर्अद्धेवशक्वे दुववाया वर्द्ध्विय्वातावाइर्'हर्मा कि. इ. त्र. त. हे ३ हेरा व हे दर के के हिमारी देखा हो। व में हिमारी देखा हो। वानर वान । द्वी वा तरी ताकांके वा कोर । वदा केन वर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । रे.क. धर.रेश.८ प्रा. १८० लाग्रेश. १८० लाग्रेश केंद्र ता माने विषय में कार्य कार्य है बिवालाय केवाला । वर्र विवाला वे तक हैं विवाला है के हैं है है स्था केवाला । दर याञ्चेता अद्भाः हरात हर्। विताल वर्षहरा जाते रहता क्षेत्र । वरे रहा रक्षाता प्रह्मा या (धर) है। की मानवार के हमा है नहार । द्वार रह हिर्द्धार हैं। मालु। विकेशयाताथवरायरिद्रा । तर्त् नक्षातात्र र्याथेव। । र्यवक्षे 

नते हैं। दर त्यां ह्या हितारा क्षेत्र । वि. भेया (वि. ह्या) या पर क्षेत्र वित्रा देश। द्यानाकुन, मेट त्याराकुन । धुनाधुन्न स्वानिद्ध (कुन्मेद्रक) राधुन्त । तर्हाहरा । तर्हाहरा । पहुंगाराश्रेत्र। हि. परि: त्रमानुता परिक्रा । विक्रमारे देन अहर यम त्या । शुद्रमा क्ष्यार्रत्यवेतावर्या ।वर्रस्यवस्याचस्य वर्षः (म्) खे.वरः पर्वे । सिंशक्याम्यापातारे सेर. च बिराला | रेम्। ए वरा हर केटा केटा किया वर्षे प्रतिका । अभागा प्रवासकर न र र में बादा-चेंचे (रइम बैंद सूज)। चित्र (बु दव द केव) वन्द्रमुद्राहात्त्राहे सुराद्याद्याः क्यायवादहे सुराद्वनातम् । वन्वन्वदुरः क्रिप्ट्रिं श्रेट्रे अर् प्रदार ही दार में जाता होते रवाया थे वित्र कर के में में तायह थे। मिल्यान्त्रेम्या मार्गित्राचितान्त्राचित्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचतित् श्रद्भार्थद्य। ।वर्दर्भूवाकावीत्वहः द्वाद्भाराष्ट्रद्धिराधविषात्रेवावयाक्रदः (वर्ष)यतं वर्मः वस्वायर्ष्य रेज्याह्यरामी मन्त्रात्वात्वया द्वीरदा एर । या स्वर्धराह्य । स्वर्धराया द्वीर प्यर्पत्वर あっている。まるので、 なかる、いのでいくのかん、しているというできる न्विः भर्ने हिर्धः मुक्तरार्विः स्रितः वर्ते र्नातः स्रितः निं चर्ने व वर्षः राष्ट्रितः (रोव्यतः वरः न्द्रकेट) न माम्भेशकिष्यात्वात्वाता सर्वेद्राह्म प्रमान्यात्वाता स्वत्याद्राह्म अनिहान मन्त्राम् । मन्त्राम् विवासम्मान्त्राम् । मन्त्राम् । मन्त्राम् । मन्त्राम् । मन्त्राम् । या शहारी दया है प्रकारिक मुख्या प्रकार प्रक प्रकार मिक्राक्षाक्षाक्षा हो। विश्वास्त्रक्षाक्षात्रका स्वायां के वास्ता विकरा रेगीया के के विकास के विकास के किया मुं तरमुं मुं ता भुं न त्या। । वार्रायात तर्वे र्यत्या । य्वेर स्क्रिक्ट क्रम्या दियमाराक्तित्वेषेत्राद्या विराष्ट्रिक्षेत्राद्या विराष्ट्रिक्षेत्रात्या विराष्ट्रिक्षेत्रात्या विराष्ट्र मूट्रद्रमास्यक्षेत्रव्यक्षेत्रक्ष्यमा नियम् द्रिर्द्रम् । व्यद्रिर्द्रम् । व्यद्रम् इस्थान्या वित्यान्यत्यक्षाक्षे वस्यान्यत्यत् इत्या । विद्रायन्त्रक्षे मीटा विरेक्त हर राहित्या है। प्रिकेश हराय दि विरेश के विरोध कर के ने क्षर हा. हा. हे । वि. (शे.) कुन ही जा. (शिंज) शर्म बार्ट र कि. हो । के जाक्य र र पर हो । हुट खर उरा । या नेश बार्श रहेर रामर द्वारा । हिंद के कवार हिंद दिवारा नर-पूर्व । श.चड्ड्य. ग्रेट.र्भव.क्यांच्यांची मूर्वा वराटा (म्टा)र्गर.सर.क्ट.स्ट्रिंश्या हेर् तर्वि (वस्) तर्वि यातिकता । अवतः वर्षिते स्व १ अकरे हेर् दर। रव से अकरे द्याः स्मान्यत्या । अ म्वानः स्मान्यः वर्षः वर्षः वर्षः । वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः । वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः

ह्वयं,

ड्रेंग्स्म राकुन्दुः 🗸 (वतुनलयर न्यून) मण्डेन्ड्र्या संविद्यास। । दुद्यस्ति। युक्तांमकर (मक्रेर) हाररः। विध्यक्तरं नवरायित्यक्त स्वार्म) हो। विरं बिरातर अवाधकारा अधे वर विदा । यह वा किरायके के तारे र प्रायमहरी । र र द्या है वा हवा दुर्दे वते व ग्रान्वेशान्वव विद्राद्र द्रात्वदुर्द्धवातर् क्रिवालर् क्रिवालर् वाडेशास्त्री सरास्त्रेरद्भारत्याद्र । यात्राक्षात्रा स्वारा (ग्रमा) तायक्षमयम् । यहमायताक्षे मित्रम्यताक्षे मित्रक्षमयताः म् म्यान्यः वर्षवर्षः (क्रीस्वाकेकः) रहमक्षां (क्री) तर्वं र्वाक्षवरा क्रियं क् वरिवर्मिन्त्व । यात्रविवर वरित्र तहर पहर दे। वहवर्ष द्या ता तहा सुने क्वारायति व्याप्ति । इत्रायद्व (द्वारह्व) क्वारा वृद्ध वारा या विश्वरायति व व्याप्ति । विश्वरायति व व्याप्ति । विश्वरायति व व विश्वरायति व विश्वरायति व विश्वरायति । विश्वरायति व विश्वरायति । विश्वरायति व विश्वरायति । विश्वरायति व विश्वरायति । विश्वरायति व व विश्वरायति । विश्वरायति व विश्वरायति । विश्वरा あるとのないか しょれていいまか(年の本)をからかいので、は、ままはははられば、 न्वरान्त्र विमालका विमालकारा द्वाया राष्ट्र विमालकार्या । क्रिंग नेव रार्टा विरवि ते ते विष्य क्रिंग विषय । विषय विषय । विषय । न्त्व । विर्ध्यात्रहेर दिवारा क्रेशन्त्र में लावर या अरता थार भिष्ठिया विकास के में के तामक्ष्य वहने या दे कि रयमा रें ररक तम यह निष्ट ता तम्म न राश्चारत्व । हे. वालुटकर् अन्युदारादे। विवारताव विवासारका काराय न्त्र विराधनात्त्र (र्यव) श्रीवार्धिकारात् विराधन (श्रीमाधन) में दारान्त्र याची तहरा सर्थाय द्वरमार वाश्वर (कश्वर) यम्यव विस्ता विस्वरा न। किंतर्रधीरविवेशतयुर्ध्यार्थनेत तिहें हे देर वाशवायानेत्व । नगः तर्ष्या विश्वास्य विश्वास् विश्वत्यायम्भव । रिकोक्ष्यायक्षितः क्षेत्रः वर्षेत्रः या वर्षेत्रः । त्याक्ष्यायक्षेत्रः म्याप्ति हिल्लेवरा । वर्षरव्यक्षिक्षेत्रक्षेत् स्टान त्यम्म स्ट्रान्थेय । यान्यित यति त्रान्य । द्वास्य । द्वास्य । द्वास्य

स्वासाराः स्रेवाः तस्य द्वार देव द्वारे वरेत्रहें तदरमहरूषा स्रिर्धितरहें स्वारम् म्यानिकालका वित्ति किन्तिकारी मिन्न स्थानिकारी किन्तिकार्या वित्तिकार्या वित्तिकार्या वित्तिकार्या वित्तिकार्या स्वभवा रयना भेरवर द्वर वामि गुन । हिन केने द्वरा रुप या नुस् हर्मा भर व देवा था । यह अ (व रव) र व देवा था । यह अ (व रव) र व देवा था । यह अ र्वेया दुरा वर्गान्त्र शाद्ध वर्गर एवार न्या स्ट्रिया क्षेत्रका क् स्यायित्वीयअवास्रदार्वानुदा हिंद्र) रशुरे वरा ता तार्य स हिंद्र हैटा हिंद्र होटा राष्ट्र कर रहे र वर्ष देश सर्द्रमात रहत माना मह मर की का मन का सादर बात का मान विका मुलार्यकेव यात्रे देशिलार वरा वानुरामु कावर रोर सुवा मुवा नेर सुर किर एक्ट्रिंग की र्टा इस्राध्येक्यारिस्टाक्राक्ष्येक्याक्ष्याक्ष्य म्ल्यां राष्ट्र त्याया द्रायस्याया सर्ग्या स्रायम् याम् म्यायम् अर्थित्र स्रायम् <u> रवातवरे (यरस श्रुर्-डेट वावर र्य)</u>। त्रें किल्किया है। ति किन्य किन्छिन निर्मेश सम्बद्ध तथा।

भुभ्रत्मा चर्रियः प्रविद्यात् २००२ वटः स्रयः प्राध्यात्रम् स्राध्यः म्यान्यस्य निव्यत् स्राध्यात् स्राध्यात्

. , • •

"A book that is shut is but a block"

ARCHAEOLOGICA

GOVT. OF INDIA
Department of Archaeology
NEW DELHI.

Please help us to keep the book elean and moving.

8. W., 148. N. DELHI.